अथाष्टादश कांडनामानि।

१ ये त्रिसप्ता·
२ वेनः तद् । पश्यं·।
३ अग्निर्नः शत्रू·
४ ब्रह्म जज्ञानं·
५ ऋध ङ्मं ओमो·
६ दोषो इति । गाय।
७ धीती । वा । ये।
८ अंतकाय मृत्यवे·
९ दिवस्पृथि·पा·
१० यांकू·प्यंति·
११ अग्ने जायस्व·
१२ सत्यं बृहद्·
१३ उत एहि । वाजि·
१४ सत्येनोत्तभिता·
१५ व्रात्य । आसीद्·
१६ अति सृष्टः । अपां
१७ विषासहिम्
१८ आ चित्स सखायं·
१९ सम् । सम् ।
२० इन्द्र त्वा वृषभं

श्री॥अथर्ववेद संहिता पद कांड २० नां संपूर्ण॥ अथर्व कांडना द्वितीय कांड

प·— प·
१५-४१—३५
प्र—द्वि

६६ पत्रां। प·प·३५
३१९ ग्रंथ संख्या १००००

५१०

॥ॐ॥ श्रीगणेशाय नमः॥ नमोऽथर्वणवेदाय॥ ॐ ये। त्रिऽसप्ताः। परिऽयन्ति॥ वि
श्वा। रूपाणि॥ बिभ्रतः॥ वाचः। पतिः। बला॥ तेषां॥ तन्वः। अद्य। दधातु। मे॥१॥ पुनः।
आ। इहि। वाचः। पते॥ देवेन। मनसा। सह॥ वसोः। पते। नि। रमय॥ मयि। एव। अ
स्तु। मयि। श्रुतम्॥२॥ इह। एव। अभि। वि। तनु। उभे इति॥ आर्त्नीइवेत्यार्त्नीऽइव॥
ज्यया॥ वाचः। पतिः। नि। यच्छतु॥ मयि। एव। अस्तु। मयि। श्रुतं॥३॥ उपऽहूतः। वाचः। प
तिः॥ उप। अस्मान्। वाचः। पतिः। ह्वयताम्॥ सं। श्रुतेन॥ गमेमहि॥ मा। श्रुतेन। वि १।न।
राधिषि॥४॥१॥ विद्म। शरस्य। पितरं॥ पर्जन्यं। भूरिऽधायसं॥ विद्मो इति।
सु। अस्य। मातरं॥ पृथिवीं॥ भूरिऽवर्पसं॥१॥ ज्याके। परि। नः। नम। अश्मानं।

तन्वं। कृधि। वीडुः। वरीयः। अरातीः॥ अप। द्वेषांसि। आ। कृधि॥२॥ वृक्षं। यत्। गावः।
परिऽसस्वजानाः॥ अनुऽस्फुरं। शरं। अर्चन्ति। ऋभुं। शरुं। अस्मत्। यवय
॥ दिद्युम्। इंद्र॥३॥ यथा॥ द्यां। च। पृथिवीं। च। अन्तः। तिष्ठति॥ तेजनं॥ एव। रो
गं। च। आऽस्रावं। च॥ अन्तः। तिष्ठतु। मुंजः। इत्। तत्॥४॥२॥ विद्म। शरस्य। पितरं॥ पर्ज
न्यं। शतऽवृष्ण्यं॥ तेन। ते। तन्वे। शं। करं॥ पृथिव्यां। ते। निऽसेचनं। बहिः।
ते। अस्तु। बाल्। इति॥१॥ पितरं। मित्रं। शतऽवृष्ण्यं॥२॥ पितरं। वरुणं। श
तऽवृष्ण्यं॥३॥ पितरं। चंद्रं। शतऽवृष्ण्यं॥४॥ विद्म। शरस्य। पितरं। सूर्यं। श
तऽवृष्ण्यं। तेन। ते। तन्वे। शं। करं। पृथिव्यां। ते। निऽसेचनं। बहिः। ते।

Digitized with financial assistance from the
Government of Maharashtra
on 11 June, 2017

अस्तु। बाल्। इति॥ ५॥ यत्। आंत्रेषु। गवीन्योः। यत्। वस्तौ। अधि। सम्ऽश्रितम्। एव। ते
। मूत्रम्। मुच्यताम्॥ बहिः। बाल्। इति। सर्वकम्॥ ६॥ प्र। ते। भिनद्मि। मेहनम्
॥ वर्त्रम्। वेशन्त्याःऽइव॥ विऽसितम्। ते। वस्तिऽबिलम्॥ समुद्रस्यऽइव। उदधेःऽइव॥ ए
यथा। इषुका। परा। अपतत्। अवऽसृष्टा। अधि। धन्वनः। एव। ते। मूत्रम्। मुच्यताम्॥
बहिः। बाल्। इति। सर्वकम्॥ ९॥ ३॥ अम्बयः। यन्ति। अध्वऽभिः। जामयः। अध्वरिऽय
ताम्। पृञ्चतीः। मधुना। पयः॥ १॥ अमूः। याः। उप। सूर्ये। याभिः। वा। सूर्यः। सह॥ ताः।
नः। हिन्वन्तु। अध्वरम्॥ २॥ अपः। देवीः। उप। ह्वये। यत्र। गावः। पिबन्ति। नः। सिन्धुऽभ्यः। २
कर्त्वम्। हविः॥ ३॥ अप्ऽसु। अन्तः। अमृतम्। अप्ऽसु। भेषजम्। अपाम्। उत। प्रऽशस्तिऽभिः

अश्वाः। भवथ। वाजिनः। गावः। भवथ। वाजिनीः॥ ४॥ ४॥ आपः। हि। स्थ। मयःऽभुवः
ताः। नः। ऊर्जे। दधातन। महे। रणाय। चक्षसे॥ १॥ यः। वः। शिवऽतमः। रसः॥ तस्य।
भाजयत। इह। नः॥ उशतीःऽइव। मातरः॥ २॥ तस्मै। अरम्। गमाम। वः। यस्य।
क्षयाय। जिन्वथ॥ आपः। जनयथ। च। नः॥ ३॥ ईशानाः। वार्याणाम्॥ क्षयन्तीः। चर्ष
णीनाम्। अपः। याचामि। भेषजम्॥ ४॥ ५॥ शम्। नः। देवीः। अभिष्टये॥ आपः। भवन्तु। पी वं
तये। शम्। योः। अभि। स्रवन्तु। नः॥ १॥ अप्ऽसु। मे। सोमः। अब्रवीत्॥ अन्तः। वि
श्वानि। भेषजा॥ अग्निम्। च। विश्वऽशम्भुवम्॥ २॥ आपः। पृणीत। भेषजम्। व
रूथम्। तन्वे। मम॥ ज्योक्। च। सूर्यम्। दृशे॥ ३॥ शम्। नः। आपः। धन्वन्याः। श

मृ ऊं इति। सं। तु। अनूप्याः॥३॥ शं। नः। खनित्रिमाः। आपः। शम्। ऊं इति। याः। कुंभे। आ
॰भृताः॥ शिवाः। नः। संतु। वार्षिकीः॥४॥६॥ स्तुवानम्। अग्ने। आ। वह॥१॥ यातु
॰धानम्। किमीदिनम्॥ त्वम्। हि। देव। वंदितः। हंता। दस्योः। बभूविथ॥१॥ आ
ज्यस्य। परमे॰स्थिन्। जात॰वेदः। तनू॰वशिन्॥ अग्ने। तौलस्य। प्र। आशान॥
यातु॰धानान्। वि। लापय॥२॥ वि। लपंतु। यातु॰धानाः। अत्रिणः। ये। किमी
दिनः॥ अथ। इदम्। अग्ने। नः। हविः। इंद्रः। च। प्रति। हर्यतम्॥३॥ अग्निः। पू
नु र्वः। आ। रभताम्॥ प्र। इंद्रः। नुदतु। बाहु॰मान्॥ ब्रवीतु। सर्वः। यातु॰मान्। अ
यम्। अस्मि। इति। आ॰इत्य॥४॥ पश्याम। ते। वीर्यम्। जात॰वेदः॥ प्र। नः। ब्रूहि। या ३

तु॰धानान्।नृ॰चक्षाः।त्वया।सर्वान्।परिस्थितान्॥पुरस्तात्।ते।आ।यंतु।३।प्र॰ब्रुवाणाः।
उप।इदम्॥आ।रभस्व।जात॰वेदः।अस्माक॰अर्थाय।जज्ञिषे।दूतः।नः।अग्ने।भू
२ ३ त्वा।यातु॰धानान्।वि।लापय॥६॥त्वम्।अग्ने।यातु॰धानान्।उप॰बद्धान्।इह
आ।वह॥अथ।एषाम्।इंद्रः।वज्रेण।अपि।शीर्षाणि।वृश्चतु॥७॥७॥१॥इदम्।
हविः॥यातु॰धानान्।नदी।फेनम्॰इव।आ।वहतु॥यः।इदम्।स्त्री।पुमा
न्।अकः॥इह।सः।स्तुवताम्।जनः॥१॥अयम्।स्तुवानः॥आ।अगमत्।३
यो।इमम्।स्म।प्रति।हर्यत॥बृहस्पते।वशे।लब्ध्वा।अग्नीषोमा।वि।विध्यतम्॥२॥
यातु॰धानस्य।सोम॰प॥जहि।प्र॰जाम्।नयस्व।च।निः।स्तुवा॥पीतराइये चोरी ४

नस्य।पातय।परं।अक्षि।उत।अवरम्॥३॥यत्र।एषाम्।अग्ने।जनिमानि।वे
त्थ।गुहा।सताम्।अत्त्रिणाम्।जात॰वेदः॥तान्।त्वम्।ब्रह्मणा।वावृधानः॥४
जहि।एषाम्।शत॰तर्हम्।अग्ने॥४॥८॥२॥अस्मिन्।वसु।वसवः।धा
रयंतु।इंद्रः।पूषा।वरुणः।मित्रः।अग्निः।इमम्।आदित्याः।उत।वि
श्वे।च।देवाः।उत्॰तरस्मिन्।ज्योतिषि।धारयंतु॥१॥अस्य।देवाः।प्र
दिशि।ज्योतिः।अस्तु।सूर्यः।अग्निः।उत।वा।हिरण्यम्॥स॰प
त्नाः।अस्मत्।अधरे।भवंतु।उत्॰तमम्।नाकम्।अधि।रोहय।इ
मम्॥२॥येन।इंद्राय।सम्॰अभरः।पयांसि।उत्॰तमेन।ब्रह्म
णा।जात॰वेदः॥तेन।त्वम्।अग्ने।इह।वर्धय।इमम्॥स॰जातानाम्।

अघ्न्ये। अग्ना। धेहि। एनम्॥३॥ अनेषाम्। यज्ञम्। उत। बर्हिः दद्वो। अग्ने। सुम्न
रायः। पोषम्। उतं चित्तानि। अग्ने॥ सं०प न्नाः। अस्मत्। अधरे। न्वं। उ
तं०तमम्। नाकम्। अधि। रोहय। इमम्॥४॥छा॥१॥ अयम्। देवानाम्।
असुरः। वि। राजति। वशाः। हि। सत्याः। वरुणस्य। राज्ञः। ततः। परि। ब्रह्म
णा। २॥ शादनः। उग्रस्य। मन्योः। उत्। इमम्। नयामि॥२॥ नमः। ते। राजन्।
वरुण। अस्तु। मन्यवे। विश्वम्। हि। उग्र।। नि। चिकेषि। द्रुग्धम्॥ सहस्रम्।
अन्याम्। प्र। सुवामि। साकम्। शतम्। जीवाति। दः। तव। अयम्। ३॥ यत्।
उवक्थ। अनृतम्॥ जिह्वया। वृजिनम्। बहु। राज्ञः। त्वा। सत्य०धर्मणः॥
मुञ्चामि। वरुणात्। अहम्॥ ३॥ मुञ्चामि। त्वा। वैश्वानरात्। अर्णवात्।

शर३

MEMORIAL

२

महतः॥ परि। सं०जाताम्॥ उग्र। इह। आ। वह॥ ३ ब्रात्यै। च। अप। चिकीहि। नः॥४॥छ१०॥
वषट्। ते। पूषन्॥ अस्मिन्। सूतौ। अर्यमा। होता। कृणोतु। वेधाः। सिस्रताम्
म। नारी। ऋत०प्रजाता। वि। पर्वाणि। जिहताम्। सूतवै। ऊ इति॥१॥ चतस्रः।
दिवः। प्र०दिशः॥ चतस्रः। भूम्याः। उत॥ देवाः। गर्भम्। सम्॥ ऐरयन्। ताम्। वि
ऊर्णुवन्तु॥ सूतवै॥२॥ सूषा। वि। ऊर्णोतु। वि। योनिम्॥ हापयामसि॥ श्रथय।
सूषणे। त्वम्॥ अव। चम्। बिष्कले॥ सृज॥३॥ न। इव। मांसे। न। पीबसि। न। इव।
मज्जसु। आ०हतम्॥ अवैतु। पृश्नि। शेवलम्। शुने। जरायु। अत्तवे। अव।
रायु। पद्यताम्॥४॥ वि। ते। भिनद्मि॥ मेहनम्। वि। योनिम्। वि। गवीनिके इति। वि।

मातरम्। च। पुत्रम्। च। वि। कुमारं। जरायुणा। अव। प॥ यथा। वातः। यथा। मनः।
यथा। पतंति। पक्षिणः। एवं। च। मू। दश। ऽमास्य। साकं। जरायुणा। पत। अव। जरा
यु। पद्यताम्॥६॥ छ॥११॥ द्वितीयोनुवाकः॥ पंचमेऽ॥ जरायुजः। प्रथमः। उस्रियः। वृषा।
वातऽभ्रजाः। स्तनयन्। एति। वृष्ट्या। सः। नः। मृडाति। तन्वे। ऋजुऽगाः। रुजन्। यः। ए
कम्। ओजः। त्रेधा। वि। चक्रमे॥१॥ अंगेऽअंगे। शोचिषा। शिश्रियाणं। नमस्यंतः।
त्वा। हविषा। विधेम। अंकान्। समऽअंकान्। हविषा। विधेम। यः। अग्रभीत्। पर्व।
अस्य। ग्रभीता॥२॥ मुंच। शीर्षक्त्याः। उत। कासः। एनम्। परुःऽपरुः। आऽवि
विश। यः। अस्य। यः। अभ्रऽजाः। वातऽजाः। यः। च। शुष्मः। वनस्पतीन्। सच ६

ताम्। पर्वतान्। च॥३॥ शम्। मे। परस्मै। गात्राय। शम्। अस्तु। अवराय। मे। शम्।
मे। चतुःऽभ्यः। अंगेभ्यः। शम्। अस्तु। तन्वे। मम॥४॥ छ॥१२॥ नमः। ते। अस्तु। विऽद्यु
ते। नमः। ते। स्तनयित्नवे। नमः। ते। अस्तु। अश्मने। येन। दुःऽदाशे। अस्यसि॥१॥
नमः। ते। प्रऽवतः। नपात्। यतः। तपः। सम्ऽऊहसि। मृड। नः। तनूभ्यः। मयः। तो
केभ्यः। कृधि॥२॥ प्रऽवतः। नपात्। नमः। एव। अस्तु। तुभ्यम्। नमः। ते। हेतये। त
पुषे। च। कृण्मः। विद्म। ते। धाम। परमम्। गुहा। यत्। समुद्रे। अन्तः। निऽहिता। असि।
नाभिः॥३॥ याम्। त्वा। देवाः। असृजंत। विश्वे। इषुम्। कृण्वानाः। असनाय।
धृष्णुम्॥ सा। नः। मृड। विदथे। गृणाना। तस्यै। ते। नमः। अस्तु। देवि॥४॥ छ॥१३॥

भगम्। अस्याः॥ वर्चः। आ। अदिषि। अधि। वृक्षात्ऽइव। स्रजम्। महाबुध्नःऽइव
पर्वतः॥ ज्योक्। पितृषु। आस्ताम्॥१॥ एषा। ते। राजन्। कन्या॥ वधूः। नि। धूयता
म्। यम। सा। मातुः। बध्यताम्। गृहे। अथो इति। भ्रातुः। अथो इति। पितुः॥२॥ एषा
उ॰४ ते। कुलऽपाः। राजन्। ताम्। ऊं इति। ते। परि। दद्मसि॥ ज्योक्। पितृषु। आसाता।
आ। शीर्ष्णः॥ सम्ऽओप्यात्॥३॥ असितस्य। ते। ब्रह्मणा। कश्यपस्य। गय
स्य। च। अन्तःकोशम्ऽइव। जामयः। अपि। नह्यामि। ते। भगम्॥४॥ ख॥ १४॥
सम्। सम्। स्रवन्तु। सिन्धवः॥ सम्। वाताः। सम्। पतत्रिणः॥ इमम्। यज्ञम्। प्रऽ
दिवः॥ मे। जुषन्ताम्। सम्ऽस्राव्येण। हविषा। जुहोमि॥१॥ इह। एव। हवम्। आ॥ १

यात॥ आ। मे॥ इह। सम्ऽस्रावणाः। उत॥ इमम्। वर्धयत। गिरः॥ इह। आ। एतु। सर्वः। यः। पशुः ऊः।
॥ अस्मिन्। तिष्ठतु। या। रयिः॥२॥ ये। नदीनाम्। सम्ऽस्रवन्ति। उत्सासः। सदम्। अक्षि द॰२
ताः॥ तेभिः। मे। सर्वैः। सम्ऽस्रावैः। धनम्। सम्। स्रावयामसि॥३॥ ये। सर्पिषः। सम्ऽस्र
वन्ति। क्षीरस्य। च। उदकस्य। च॥ तेभिः। मे। सर्वैः। सम्ऽस्रावैः। धनम्। सम्। स्रावयाम
सि॥४॥ घ॥ १५॥ ये। अमाऽवास्याम्। रात्रिम्॥ उत्ऽअस्थुः। व्राजम्। अत्त्रिणः॥ अग्निः॥
या तुरीयः। तुम्ऽहा॥ सः। अस्मभ्यम्। अधि। ब्रवत्॥१॥ सीसाय। अधि। आह। वरुणः॥
सीसाय। अग्निः। उप। अवति॥ सीसम्। मे। इन्द्रः। प्र। अयच्छत्। तत्। अङ्ग। यातुऽचा
तनम्॥२॥ इदम्। विऽस्कन्धम्। सहते। इदम्। बाधते। अत्त्रिणः। अनेन। विश्वा
। ससहे॥ या। जातानि। पिशाच्याः॥ यदि। नः। गाम्। हंसि। यदि। अश्वम्। यदि। पु

रुषम्॥तम्।च्॥सीसेन।विध्याम्ः।पप्ता।नुः।=अस्मन्=अवीर०हा॥४॥१६॥१६॥=अमूः
ः।याः।यन्ति।योषितः।हिराः।लोहित०वाससः।=अभ्रातरः०इव।जामयः॥तिष्ठं
तु।हत०वर्चसः॥१॥तिष्ठ।=अवरे।तिष्ठ।परे।उत।त्वम्।तिष्ठ।मध्यमे॥कनि
ष्ठिका।च।तिष्ठति।तिष्ठात्।इत्।धमनिः।मही॥२॥शतस्य।धमनीनाम्॥सह
स्रस्य।हिराणाम्॥अस्थुः।इत्।मध्यमाः।इमाः॥साकम्।=अन्ताः।=अरंसत
॥३॥परि।वः।सिकता०वती।धनूः।बृहती।=अक्रमीत्॥तिष्ठत।इलयत।सु
कम्॥४॥१७॥निः।लक्ष्म्यम्।ललाम्यम्॥निः।=अरातिम्।सुवामसि॥ ६॥
=अथ।या।भद्रा।तानि।नः।प्र०जायै।=अरातिम्।नयामसि॥१॥निः।=अर

णिम्।सविता।साविषत्।पादयोः।निः।हस्तयोः।वरुणः।मित्रः।=अर्यमा॥निः।=अ
स्मभ्यम्।=अनु०मतिः।ररणा॥प्र०इमाम्।देवाः।=असाविषुः।सौ=भगाय।र
यत्।ते।=आत्मनि।तन्वाम्।घोरम्।=अस्ति।यत्।वा।केशेषु।प्रति०चक्षणे।वा
॥सर्वम्।तत्।वाचा।=अप।हन्मः।वयम्।देवः।त्वा।सविता।सूदयतु॥३॥रि
श्यपदीम्।वृष०दतीम्।गो०सेधाम्।विधमाम्।उत।विलीढ्यम्।ललाम्यम् वि०५
॥ताः।=अस्मत्।नाशयामसि॥४॥१८॥मा।नः।विदत्।वि०व्याधिनः।मो इति
=अभि०व्याधिनः।विदत्।=आरात्।शरव्याः।=अस्मत्।विषूचीः।इन्द्र।पात
य॥विष्वंचः।=अस्मत्।शरवः।पतन्तु॥या।=अस्ताः।याः।च।=अस्याः॥दैवीः।मनु

यूंऽषवः॥ मम। अमित्रान्। वि। विध्यत॥२॥ यः। नः। स्वः। यः। अरणः। सऽजातः। उत
। निष्ट्यः। यः। अस्मान्। अभिऽदासति। रुद्रः। शरव्यया। एतान्। मम। अमित्रा
न्। वि। विध्यतु॥३॥ यः। सऽपत्नः। यः। असपत्नः। यः। च। द्विषन्। शपाति। नः। देवाः।
तम्। सर्वे। धूर्वन्तु॥ ब्रह्म। वर्म। मम। अन्तरम्॥४॥१९॥ अदारोऽसृत्। भव
तु। देव। सोम॥ अस्मिन्। यज्ञे। मरुतः। मृडत। नः॥ मा। नः। विदत्। अभिऽभाः
मो इति॥ अशस्तिः॥ मो इति। नः। विदत्। वृजिना। द्वेष्या। या॥१॥ यः। अद्य। सेन्यः। व
धः। अघऽयूनाम्। उत्ऽईरते॥ युवम्। तम्। मित्रावरुणौ॥ अस्मत्। यवय
तम्॥ परि॥२॥ इतः। च। यत्। अमुतः। च। यत्। वधम्। वरुण। यवय॥३॥ वि। २०॥

महत्। शर्म। यच्छ। वरीयः। यवय। वधम्॥३॥ शासः। इत्था। महान्। असि॥ अमित्र
ऽसहः। अस्तृतः॥ न। यस्य। हन्यते। सखा। न। जीयते। कदा। चन॥४॥२०॥ स्वस्तिऽदाः।
विशाम्। पतिः। वृत्रऽहा। विऽमृधः। वशी॥ वृषा। इन्द्रः। पुरः। एतु। नः। सोमऽपाः। अ
भयंऽकरः॥१॥ वि। नः। इन्द्र। मृधः। जहि। नीचा। यच्छ। पृतन्यतः॥ अधमम्। गमय। त
मः। यः। अस्मान्। अभिऽदासति॥२॥ वि। रक्षः। वि। मृधः। जहि। वि। वृत्रस्य। हनू इति।
रुज॥ वि। मन्युम्। इन्द्र। वृत्रऽहन्॥ अमित्रस्य। अभिऽदासतः॥३॥ अप। इन्द्र। द्विषतः।
मनः॥ अप। जिज्यासतः। वधम्॥ वि। महत्। शर्म। यच्छ। वरीयः। यवय। वध
म्॥४॥२१॥ अनुऽसूर्यम्। उत्। अयताम्। हृत्ऽद्योतः। हरिमा। च। ते॥ गोः। रो

हितस्य। वर्णेन॥ तेन। त्वा। परि। दध्मसि॥१॥ परि। त्वा। रोहितैः। वर्णैः। दीर्घायु॰त्वाय। दध्म
सि॥ यथा। अयम्। अरपाः। असत्॥ अथो इति। हरितः। भुवत्॥२॥ याः। रोहि
णीः। देवत्याः॥ गावः। याः। उत। रोहिणीः॥ रूपम्॰रूपम्। वयः॰वयः॥ ताभिः
त्वा। परि। दध्मसि॥३॥ शुकेषु। ते। हरिमाणम्॥ रोपणाकासु। दध्मसि॥ अथो इति
हारिद्रवेषु। ते। हरिमाणम्। नि। दध्मसि॥४॥ ॥छ॥२२॥ नक्तम्॰जाता॥ असि
ओषधे॥ रामे। कृष्णे। असिक्नि। च॥ इदम्। रजनि। रजय॥ किलासम्। पलितम्
च। यत्॥१॥ किलासम्। च। पलितम्। च। निः। इतः। नाशय। पृषत्॥ आ। त्वा॥
स्वः। विशताम्। वर्णः॥ परा। शुक्लानि। पातय॥२॥ असितम्। ते। प्र॰लयनम्॥ आ॰

MEMORIAL

स्थानम्॥ असितम्। तव॥ असिक्नी। असि। ओषधे॥ निः। इतः। नाशय। पृषत्॥३॥
अस्थि॰जस्य। किलासस्य। तनू॰जस्य। च। यत्। त्वचि॥ दूष्या। कृतस्य। ब्रह्मणा।
लक्ष्म। श्वेतम्। अनीनशम्॥४॥ ॥छ॥२३॥ सु॰पर्णः। जातः। प्रथमः। तस्य। त्व
पित्तम्। आसिथ॥ तत्। आसुरी। युधा। जिता॥ रूपम्। चक्रे। वनस्पतीन्॥
१॥ आसुरी। चक्रे। प्रथमा। इदम्। किलास॰भेषजम्॥ इदम्। किलास॰नाशनम्
नम्॥ अनीनशत्। किलासम्॥ स॰रूपाम्। अकरत्। त्वचम्॥२॥ स॰रूपा।
नाम। ते। माता। स॰रूपः। नाम। ते। पिता॥ स॰रूप॰कृत्। त्वम्। ओषधे। सा। स॰
रूपम्। इदम्। कृधि॥३॥ श्यामा। स॰रूपम्॰करणी। पृथिव्याः। अधि।

उनूऽइता॥ तुंदंम्। क्रंदंति॥ सुऽप्रऽस्ताधय। पुना। रूपाणि। कल्पय॥ ४॥ ७॥ ५॥ यत्।
अग्निः। आपः॥ अदहत्। प्रऽविश्य॥ यत्र। अकृण्वन्। धर्मऽधृतः। नमांसि। तत्र। ते।
आहुः॥ परमम्। जनित्रम्। सः। नः। सम्ऽविद्वान्। परि। वृंधि। तक्मन्॥ १॥ यदि।
अर्चिः। यदि। वा। असि। शोचिः। शकल्यऽएषि। यदि। वा। ते। जनित्रं। हूडुः। नाम।
असि। हरितस्य। देवसः॥ २॥ यदि। शोकः। यदि। वा। अभिऽशोकः॥ यदि। वा। रा
ज्ञः॥ वरुणस्य। असि। पुत्रः॥ हूडुः। नाम। असि। हरितस्य। देव। सः। नः। सम्ऽ
विद्वान्। परि। वृंधि। तक्मन्॥ ३॥ नमः। शीताय। तक्मने। नमः। रूराय। शोचिषे।
कृणोमि। यः। अन्येद्युः। उभयऽद्युः। अभिऽएति। तृतीयकाय। नमः। अस्तु। त ११॥

क्मने॥ ४॥ ७॥ २५॥ आरे। असौ। अस्मत्। अस्तु। हेतिः। देवासः। असत्॥ आरे। अ
अ २ श्मा। यम्। अस्यथ॥ सखा। असौ। अस्मभ्यम्। अस्तु। रातिः। सखा। इंद्रः। भगः। स
विता। चित्रऽराधाः॥ २॥ यूयं। नः। प्रऽवतः। नपात्। मरुतः। सूर्यऽत्वचसः। शर्म।
यच्छथ। सऽप्रथाः॥ ३॥ सुसूदत। मृडत। मृडय। नः। तनूभ्यः। मयः। तोकेभ्यः। कृधि
८॥ २६॥ अमूः। पारे। पृदाक्वः। त्रिऽसप्ताः। निःऽजराः। अयवः॥ तासां। जरायुऽभिः। वयम्॥
अक्ष्यौ। अपि। व्ययामसि॥ अघऽयोः। परिऽपंथिनः॥ १॥ विषूची। एतु। कृंतती॥
पिनाकम्ऽइव। बिभ्रती॥ विष्वक्। पुनःऽभुवः। मनः। असम्ऽऋद्धाः। अघऽयवः॥
२॥ न। बहवः। सम्। अशकन्॥ नार्भकाः। अभि। दाधृषुः॥ ३॥ वेणोः। अद्गाः।

सं॒सार॑म्।उ॒त।न॒क्रम्॥ अ॒धा। मि॒षः। वि॒ऽक॒रय॑ः। वि॒घ्न॒ताम्। या॒तु॒ऽधा॒न्य॑ः॥ आ॒ल्प॒

उ॒ऽवा। अ॒न्नि॒तः॥ अ॒सम्ऽऋ॒द्धा॥ अ॒ध॒ऽय॒वः॥६॥ प्रऽस्तु॒तम्। पा॒दौ। प्र॒ऽस्फु॒टत॑म्। व॒ह॑तम्।

ह॒ए॒तः। गृ॒हान्॥ इ॒न्द्रा॒णी। ए॒तु। प्र॒थ॒मा॥ अ॒जी॒ता। अमु॑षिता। पु॒रः॥५॥७॥२१॥ उप॑। प्र।

अ॒गा॒त्। दे॒वः। अ॒ग्निः। र॒क्षः॒ऽहा। अ॒मी॒व॒ऽचात॑नः॥ दह॑न्। अप॑। द्व॒यावि॑नः॥ या॒तु॒ऽधा

नान्। कि॒मी॒दिन॑ः॥१॥ प्रति॑। द॒ह॒। या॒तु॒ऽधा॒नान्। प्रति॑। दे॒व॒। कि॒मी॒दिन॑ः॥ प्र॒ती॒चीः

कृ॒ष्ण॒ऽव॒र्त॒नि॥ सम्। द॒ह॒। या॒तु॒ऽधा॒न्य॑ः॥२॥ या। श॒शाप॑। शप॑नेन॥ या। अ॒घम्। मूर॑म्॥

आ॒ऽद॒धे॥ या। रस॑स्य। हर॑णाय। जा॒तम्। आ॒ऽर॒भे॥ तो॒कम्। अ॒त्तु। सा॥३॥ पु॒त्रम्। अ॒त्तु। ॥१२॥

या॒तु॒ऽधा॒नीः। वि। ति॒ष्ठ॒न्ताम्। अ॒राय्य॑ः॥४॥८॥२२॥ पंच मोष्टौ॥ अ॒ग्नि॒ऽव॒र्ते॑न। म॒णि॒ना॥

येन॑। इन्द्र॑। अ॒भि॒ऽव॒वृ॒धे॥ तेन॑। अ॒स्मान्। ब्र॒ह्म॒णः॒। प॒ते॒॥ अ॒भि। रा॒ष्ट्राय॑। व॒र्ध॒य॒॥१॥

घे

अ॒भि॒ऽवृ॒त्य॑। स॒ऽपत्ना॑न्। अ॒भि। याः। नः॒। अरा॑तयः॥ अ॒भि। पृ॒त॒न्यन्त॑म्। ति॒ष्ठ॒॥ अ॒भि। यः। नः॒।

दु॒र॒स्यति॑॥२॥ अ॒भि। त्वा॒। दे॒वः। स॒वि॒ता॥ अ॒भि। सोम॑ः। अ॒वी॒वृ॒ध॒त्॥ अ॒भि। त्वा॒॥

विश्वा॑। भू॒तानि॑॥ अ॒भि॒ऽव॒र्तः। यथा॑। अस॑सि॥३॥ अ॒भि॒ऽव॒र्तः। अ॒भि॒ऽभ॒वः। स॒प॒त्न॒ऽक्षय॑

म म॒णिः। रा॒ष्ट्राय॑। मह्य॑म्। ब॒ध्य॒ता॒म्॥ स॒ऽपत्ने॑भ्यः। प॒रा॒ऽभुवे॑॥४॥ उत्। अ॒सौ। सूर्य॑ः।

अ॒गा॒त्॥ उत्। इ॒दम्। मा॒म॒कम्। वचः॑॥ यथा॑। अ॒हम्। श॒त्रु॒ऽहः। अ॒सा॒नि॥ अ॒स॒प॒त्नः।

स॒प॒त्न॒ऽहा॥५॥ स॒प॒त्न॒ऽक्षय॑णः। वृष॑। अ॒भि॒ऽरा॑ष्ट्रः। वि॒ऽस॒स॒हिः॥ यथा॑। अ॒हम्। ए॒षाम्।

वी॒राणा॑म्। वि॒ऽराजा॑नि। जन॑स्य। च॒॥६॥ छ॒प्यै॥२१॥ विश्वे॑। दे॒वाः। वसवः॑। रक्ष॑त।

इ॒मम्॥ उ॒त। आ॒दि॒त्याः। जा॒गृ॒त॒। यू॒यम्॥ अ॒स्मिन्। मा। इ॒मम्। स॒ऽना॒भिः। उ॒त।

वा॥अन्य॰नामिः॥मा॥इमम्॥वा॥आपत॥पौरुषेयः॥वधः॥यः॥१॥ये॥वः॥देवाः॥पितरः॥ये
च॥पुत्राः॥सं॰चेतसः॥मे॥शृणुत॥इदम्॥उक्तम्॥सर्वेभ्यः॥वः॥परि॥ददामि॥एतम्॥स्व
स्ति॥एनम्॥जरसे॥वहाथ॥२॥ये॥देवाः॥दिवि॥स्थ॥ये॥पृथिव्याम्॥ये॥अन्तरिक्षे॥ओ
षधीषु॥पशुषु॥अप्॰सु॥अन्तः॥ते॥कृणुत॥जरसम्॥आयुः॥अस्मै॥शतम्॥अन्यान् अ
परि॥वृणक्तु॥मृत्यून्॥३॥येषाम्॥प्र॰याजाः॥उत॥वा॥अनु॰याजाः॥हुत॰भागाः॥अहुत॰ अ
च अदः॥देवाः॥येषाम्॥वः॥पंच॥प्र॰दिशः॥वि॰भक्ताः॥तान्॥वः॥अस्मै॥सत्र॰सदः॥कृणो
मि॥४॥६॥२३॥३०॥आशानाम्॥आशा॰पालेभ्यः॥चतुः॰भ्यः॥अमृतेभ्यः॥इदम्॥भू ॥६३॥
तस्य॥अधि॰अध्यक्षेभ्यः॥विधेम॥हविषा॥वयम्॥१॥ये॥आशानाम्॥आशा॰पालाः॥

चत्वारः॥स्थन॥देवाः॥ते॥नः॥निः॰ऋत्याः॥पाशेभ्यः॥मुंचत॥अंहसः॰अंहसः॥२॥
अस्रामः॥त्वा॥हविषा॥यजामि॥अश्लोणः॥त्वा॥घृतेन॥जुहोमि॥यः॥आशानाम्॥आ
शा॰पालः॥तुरीयः॥देवः॥सः॥नः॥सु॰भूतम्॥आ॥इह॥वक्षत्॥३॥स्वस्ति॥मात्रे॥उत॥पि
त्रे॥नः॥अस्तु॥स्वस्ति॥गोभ्यः॥जगते॥पुरुषेभ्यः॥विश्वम्॥सु॰भूतम्॥सु॰विदत्रम्॥नः॥अ
स्तु॥ज्योक्॥एव॥दृशेम॥सूर्यम्॥४॥७॥३१॥इदम्॥जनासः॥विदथ॥महत्॥ब्रह्म॥व
दिष्यति॥न॥तत्॥पृथिव्याम्॥नो इति॥दिवि॥येन॥प्राणन्ति॥वीरुधः॥१॥अन्तरिक्षे॥
आसाम्॥स्थाम॥श्रान्तसदाम्॰इव॥आ॰स्थानम्॥अस्य॥भूतस्य॥विदुः॥तत्॥वेध
सः॥न॥वा॥२॥यत्॥रोदसी इति॥रेजमाने इति॥भूमिः॥च॥निः॰अतक्षतम्॥आर्द्रम्॥

तत्। अद्य। सर्वदा। समुद्रस्य॰इव। स्रात्याः॥ ३॥ विश्वम्। अन्यासु। अभि॰वारः। तत्। अ
न्यस्याम्। अधि। श्रितम्। दिवे। च। विश्व॰वेदसे। पृथिव्यै। च। अकरम्। नमः॥ ४॥ ३२॥
हिरण्य॰वर्णाः। शुचयः। पावकाः। यासु। जातः। सविता। यासु। अग्निः। याः। अग्निम्।
गर्भम्। दधिरे। सु॰वर्णाः। ताः। नः। आपः। शम्। स्योनाः। भवन्तु॥ १॥ यासाम्। राजा।
वरुणः। याति। मध्ये। सत्यानृते इति सत्य॰अनृते। अव॰पश्यन्। जनानाम्॥ २॥ या
साम्। देवाः। दिवि। कृण्वन्ति। भक्षम्। याः। अन्तरिक्षे। बहु॰धा। भवन्ति। याः। अग्निम्। ग
र्भम्। दधिरे। सु॰वर्णाः॥ ताः॥ ३॥ शिवेन। मा। चक्षुषा। पश्यत। आपः। शिवया। तन्वा। १५
उप। स्पृशत। त्वचम्। मे॥ घृत॰श्चुतः। शुचयः। याः। पावकाः। ताः। नः। आपः। शम्। स्यो

नाः। भवन्तु॥ ४॥ ३३॥ इयम्। वीरुत्। मधु॰जाता। मधुना। त्वा। खनामसि। मधोः। अधि। प्र॰
जाता। असि। सा। नः। मधु॰मतः। कृधि॥ १॥ जिह्वायाः। अग्रे। मधु। मे। जिह्वा॰मूले। मधू
लकम्। मम। इत्। अह। क्रतौ। असः। मम। चित्तम्। उप॰आयसि॥ २॥ मधु॰मत्। मे।
नि॰क्रमणम्। मधु॰मत्। मे। परा॰अयनम्॥ ३॥ वाचा। वदामि। मधु॰मत्। भूयासम्।
मधु॰संदृशः॥ ३॥ मधोः। अस्मि। मधु॰तरः। मदुघात्। मधुमत्॰तरः। माम्। इत्। किल।
त्वम्। वनाः। शाखाम्। मधुमतीम्॰इव॥ ५॥ परि। त्वा। परि॰तत्नुना। इक्षुणा। अगाम्।
मा॥ अवि॰द्विषे। यथा। कामम्। कामिनी। असः। यथा। मत्। न। अप॰गाः। असः॥ ५॥
३४॥ यत्। आ। अबध्नन्। दाक्षायणाः। हिरण्यम्। शत॰अनीकाय। सु॰मनस्य

मानाः॥ तत्। त्वा। बध्नामि। आयुषे। वर्चसे। बलाय। दीर्घायुऽत्वाय। शतऽशारदाय॥ १
न। एनम्। रक्षांसि। न। पिशाचाः। सहंते। देवानाम्। ओजः। प्रथमऽजम्। हि। एतत्। यः। बिभर्
ति। दाक्षायणम्। हिरण्यम्। सः। जीवेषु। कृणुते। दीर्घम्। आयुः॥ २॥ अपाम्। तेजः।
ज्योतिः। ओजः। बलम्। च। वनस्पतीनाम्॥ उत। वीर्याणि॥ इन्द्रःऽइव। इन्द्रियाणि। अ
धि। धारयामः॥ अस्मिन्। तत्। दक्षमाणः। बिभरत्। हिरण्यम्॥ ३॥ समानाम्। मा
साम्। ऋतुऽभिः। त्वा। वयम्। सम्ऽवत्सरस्य। पयसा। पिपर्मि। इंद्राग्नी इति। विश्वे। देवाः
ते। अनु। मन्यन्ताम्। अहृणीयमानाः॥ ४॥ ७॥ ३५॥ एकादश। चापरे परास्युः॥ ३ द्वि
पञ्चपाठकः प्रथमकाण्डं समाप्तं॥ ओं॥ वेनः। तत्। पश्यत्। परमम्। गुहा। यत्। यत्र। विश्वम्।

MEMORIAL

भवति। एकऽरूपम्। इदम्। पृश्निः। अदुहत्। जायमानाः। स्वःऽविदः। अभि। अनूषत। व्राः॥
१॥ प्र। तत्। वोचेत्। अमृतस्य। विद्वान्। गंधर्वः। धाम। परमम्। गुहा। यत्। त्रीणि। पदानि।
निऽहिता। गुहा। अस्य। यः। तानि। वेद। सः। पितुः। पिता। असत्॥ २॥ सः। नः। पिता। जनिता। सः।
उत। बंधुः॥ धामानि। वेद। भुवनानि। विश्वा। यः। देवानाम्। नामऽधाः। एकः॥ एव। तम्।
सम्ऽप्रश्नम्। भुवना। यंति। सर्वा॥ ३॥ परि। द्यावापृथिवी इति। सद्यः। आयम्। उप
अतिष्ठे। प्रथमऽजाम्। ऋतस्य। वाचम्ऽइव। वक्तरि। भुवनेऽस्थाः। धास्युः। एषः। नु
उ। एषः॥ अग्निः॥ ४॥ परि। विश्वा। भुवनानि। आयम्। ऋतस्य। तन्तुम्। विऽततम्। दृ
शेकम्॥ यत्र। देवाः। अमृतम्। आनशानाः॥ समाने। योनौ। अधि। ऐरयंत॥ ५॥

४॥छ॥१॥दिव्यः॥गंधर्वः।भुवनस्य।यः।पतिः।एकः।एव।नमस्यः।विक्षु।ईड्यः॥तम्।त्वा।
योमि।ब्रह्मणा।दिव्य।देव।नमः।ते।अस्तु।दिवि।ते।सधऽस्थम्॥१॥दिवि।स्पृ
ष्टः।यजतः॥सूर्यऽत्वक्।अवऽयाता।हरसः।दैव्यस्य॥मृडात्।गंधर्वः।भुवनस्य।यः।
पतिः।एकः।एव।नमस्यः।सुऽशेवाः॥२॥अनवद्याभिः।सम्।ऊं इति।जग्मे।आभिः।
अप्सरासु।अपि।गंधर्वः।आसीत्॥समुद्रे।आसाम्।सदनम्।मे।आहुः।यतः।
सद्यः॥आ।च।परा।च।यंति॥३॥अभ्रिये।दिद्युत्॥नक्षत्रिये।याः॥विश्वऽवसुम्।
२ वः। गंधर्वम्।सचध्वे॥ताभ्यः।वः।देवीः।नमः।इत्।कृणोमि॥४॥याः।क्लंदाः।
तमिषीचयः॥अक्षऽकामाः॥मनःऽमुहः॥ताभ्यः।गंधर्वऽपत्नीभ्यः।अप्सराभ्यः १६॥

अकरम्॥नमः॥५॥६॥२॥अदः॥यत्॥अव॰धावति॥अवत्॰कम्॥अधि
पर्वतात्॥ततः॥ते॥कृणोमि॥भेषजम्॥सु॰भेषजम्॥यथा॥असंसि॥१॥आत्॥अं
ग॥कुवित्॥अंग॥शतम्॥या॥भेषजानि॥ते॥तेषाम्॥असि॥त्वम्॥उत्॰तमम्॥
अनाःश्रावम्॥अरोग॰णम्॥२॥नीचैः॥खनंति॥असुराः॥अरुः॰स्राणम्
म्॥इदम्॥महत्॥तत्॥आ॰स्रावस्य॥भेषजम्॥तत्॥ऊं इति॥रोगम्॥अनीन
शत्॥३॥उप॰जीकाः॥उत्॥भरंति॥समुद्रात्॥अधि॥भेषजम्॥रोगम्॥अ
रीर॥ १७

१८

मत्॥४॥अरुः॰स्राणम्॥इदम्॥महत्॥पृथिव्याः॥अधि॥उत्॰भृतम्॥त
त्॥आ॰स्रावस्य॥भेषजम्॥तत्॥ऊं इति॥रोगम्॥अनीनशत्॥५॥श
म्॥नः॥भवंतु॥अपः॥ओषधयः॥शिवाः॥इंद्रस्य॥वज्रः॥अप॥हंतु॥र
क्षसः॥आरात्॥वि॰सृष्टाः॥इषवः॥पतंतु॥रक्षसाम्॥दीर्घायु॰
त्वाय॥बृहते॥रणाय॥अरिष्यन्तः॥दक्षमाणाः॥सदा॥एव॥मणि
म्॥विष्कंध॰दूषणम्॥जंगिडम्॥बिभृम॥वयम्॥१॥जंगिडः॥
जंभात्॥वि॰शरात्॥वि॰स्कंधात्॥अभि॰शोचनात्॥मणिः॥
सहस्र॰वीर्यः॥परि॥नः॥पातु॥विश्वतः॥२॥अयम्॥वि॰स्कंधम्॥
सहते॥अयम्॥बाधते॥अत्त्रिणः॥अयम्॥नः॥विश्व॰भेषजः॥जंगि

उः। प्र। स्तु। अवऽदसः॥ ३॥ दिविः। दत्तेन। मणिना। जंगिडेन। मयःऽभुवा॥
विऽस्कंधम्। सहः। रक्षांसि॥ विऽआयामे। सहामहे॥ त्रा। त्राणाः।
यामा। जंगिडः। वा॥ विऽस्कंधात्। अभि। रक्षताम्॥ अरण्यात्।
अन्यः। आऽभृतः॥ कृष्याः। अन्यः। रसेभ्यः। पा॥ कृत्याऽदूषिः। प्र
यम्। मणिः॥ अथो इति। अरातिऽदूषिः॥ अथो इति। सहस्वान्। जं
गिडः। प्र। नः। आयूंषि। तारिषत्॥ ६॥ ४॥ इन्द्र। जुषस्व। प्र। व
ह। आ। याहि। शूर। हरिऽभ्याम्। पिब। सुतस्य। मतेः। इह। मधोः।
वोः। चकानः। चारुः। मदाय॥ १॥ इन्द्र। जठरम्। नव्यः। न। पृ
णस्व। मधोः। दिवः। न। अस्य। सुतस्य। स्वः। न। उप। त्वा। मदाः॥ १९

सुऽवाचः। अगुः॥ २॥ इन्द्रः। तुराषाट्। मित्रः। वृत्रम्। यः। जघान। य
तीः। न। बिभेद। वलम्। भृगुः। न। ससहे। शत्रून्। मदे। सोमस्य।
॥ ३॥ आ। त्वा। विशन्तु। सुतासः। इन्द्र। पृणस्व। कुक्षी इति। विड्ढि।
शक्र। धिया। आ। इहि। नः। उप। ब्रह्माणि। शृणवः। इमा। नः। शृणुष
स्व। आ। इन्द्र। स्वयुक्। भिः। मत्स्व। इह। महे। रणाय॥ ४॥ इन्द्रस्य।
नु। प्र। वोचम्। वीर्याणि। यानि। चकार। प्रथमानि। वज्री॥ अहन्।
अहिम्। अनु। अपः। ततर्द। प्र। वक्षणाः। अभिनत्। पर्वता
नाम्॥ अहन्। अहिम्। पर्वते। शिश्रियाणम्। त्वष्टा। अस्मै।
वज्रम्। स्वर्यम्। ततक्ष॥ वाश्राःऽइव। धेनवः। स्यन्दमानाः।

१२ अजः । समुद्रम् । अवा । जग्मुः । आपः ॥ ३६ ॥ वृष०यमाणः । अवृणीत । सो
मम् । त्रि०कद्रुकेषु । अपिबत् । सुतस्य ॥ आ । सायकम् । मघ०वा । अद
त्त । वज्रम् । अहन् । एनम् । प्रथम०जाम् । अहीनाम् ॥ ३ ॥ ७ ॥ ५ ॥ प्रथमोनु
वाकः । स्तुत्कः २५ ऊये । ७ ॥ समाः । त्वा । अग्ने । ऋतवः । वर्द्धयन्
तु ॥ सं०वत्सराः । ऋषयः । यानि । सत्या ॥ सम् । दिव्येन । दीदिहि ।
रोचनेन ॥ विश्वाः । आ । भाहि । प्र०दिशः । चतस्रः ॥ १ ॥ सम् । इ
ध्यस्व । अग्निम् । प्र । च । वर्द्धय । इमम् । उत् । च । तिष्ठ । महते । सौभ ॥ २० ॥
गाय ॥ मा । ते । रिषन् । उप०सत्तारः । अग्ने ॥ ब्रह्माणः । ते । यशसः ।
सन्तु । मा । अन्ये ॥ २ ॥ त्वाम् । अग्ने । वृणते । ब्राह्मणाः । इमे । शिवः । अ

ग्ने । सम्०वरणे । भव । नः ॥ सपत्न०हा । अग्ने । अभिमाति०जित् । भव ॥ स्वे ।
२ गये । जागृहि । अप्र०युच्छन् ॥ ३ ॥ क्षत्रेण । अग्ने । स्वेन । सम् । रभस्व ।
मित्रेण । अग्ने । मित्र०धाः । यतस्व ॥ सजातानाम् । मध्यमे०स्थाः । राज्ञाम् ॥
अग्ने । विहव्यः । दीदिहि । इह ॥ ४ ॥ अति । निहः । अति । स्रिधः ॥ अति ।
अचित्तीः । अति । द्विषः ॥ विश्वा । हि । अग्ने । दुः०इता । तर । त्वम् ॥ अथ
अस्मभ्यम् । सह०वीरम् । रयिम् । दाः ॥ ५ ॥ ८ ॥ अना०धृष्टा । देवजा
ता । वीरुत् । शपथ०योपनी ॥ आपः । मलम् । इव । प्र । अग्ने । ईरितास
र्वान् । मत् । शपथान् । अधि ॥ १ ॥ यः । च । स०पत्नः । शपथः । जाम्याः । श
पथः । च । यः ॥ ब्रह्मा । यत् । मन्युतः । शपात् ॥ सर्वम् । तत् । नः । अधः०

पदम् ॥ २ ॥ दिवः । मूलम् । अव॰ततम् ॥ पृथिव्याः । अधि । उत्॰ततम् । ते
न । सहस्र॰काण्डेन ॥ परि । नः । पाहि । विश्वतः ॥ ३ ॥ परि । माम् । परि । मे ।
प्र॰जाम् ॥ परि । नः । पाहि । यत् । धनम् ॥ अरातिः । नः । मा । तारीत् । मा ।
नः । तारिषुः । अभि॰मातयः ॥ ४ ॥ शप्तारम् । एतु । शपथः । यः । सु॰हा
र्त् । तेन । नः । सह ॥ चक्षुः॰मन्त्रस्य । दुः॰हार्दः ॥ पृष्टीः । अपि । शृणीम
सि ॥ ५ ॥ ७ ॥ उत् । अगाताम् । भगवती इति भगवती ॥ वि॰चृतौ ।
नाम । तारके इति ॥ वि । क्षेत्रियस्य । मुञ्चताम् ॥ अधमम् । पाशम् ॥ उ ॥ २१
त्॰तमम् ॥ १ ॥ अप । इयम् । रात्री । उच्छतु ॥ अप । उच्छन्तु । अ
भि॰कृत्वरीः ॥ वीरुत् । क्षेत्रिय॰नाशनी ॥ अप । क्षेत्रियम् ।

[illegible] ॥ २ ॥ बभ्रोः । अर्जुन॰काण्डस्य । यवस्य । ते । पलाल्या ॥ तिलस्य । तिल॰पि
ञ्ज्या ॥ ३ ॥ नमः । ते । लाङ्गलेभ्यः । नमः । ईषा॰युगेभ्यः । वीरुत् । क्षेत्रिय॰नाशनी
॥ ४ ॥ नमः । सनिस्रस॰अक्षेभ्यः ॥ नमः । सम्॰देश्येभ्यः ॥ नमः । क्षेत्रस्य ॥ पतये ॥
वीरुत् । क्षेत्रिय॰नाशनी ॥ अप । क्षेत्रियम् । उच्छतु ॥ ५ ॥ ८ ॥ दश॰वृ
क्ष । मुञ्च । इमम् । रक्षसः । ग्राह्याः ॥ अधि । या । एनम् । जग्राह । पर्व॰सु ॥
अथो इति । एनम् । वनस्पते । जीवानाम् । लोकम् । उत् । नय ॥ १ ॥ आ । अ
गात् । उत् । अगात् । अयम् । जीवानाम् । व्रातम् । अपि । अगात् ॥ अभू
त् । ऊँ इति । पुत्राणाम् । पिता । नृणाम् । च । भगवत्॰तमः ॥ २ ॥ अधि॰
इतीः । अधि । अगात् । अयम् ॥ अधि । जीव॰पुराः । अगन् । शतम् ।

दा। अस्य। भिषजः। सहस्रं। उत। वीरुधः॥ ३॥ देवाः। ते। चितिम्। अवि-
दन्। ब्रह्माणः। उत। वीरुधः। चितिम्। ते। विश्वेदेवाः। अविदन्। भूम्यां-
म्। अधि॥ ४॥ यः। चकार। सः। निः। करत्। सः। एव। सुभिषक्ऽतमः। सः।
एव। तुभ्यं। भेषजानि। कृणवत्। भिषजा। शुचिः। ५। १॥ क्षे-
त्रियात्। त्वा। निःऽऋत्याः। जामिऽशंसात्। द्रुहः। मुंचामि। व-
रुणस्य। पाशात्। अनागसं। ब्रह्मणा। त्वा। कृणोमि। शि-
वे इति। ते। द्यावापृथिवी इति। उभे इति। स्ताम्॥ १॥ शं। ते। अ-
ग्निः। सह। अत्ऽभिः। अस्तु। शं। सोमः। सह। ओषधीभिः॥
एव। अहं। त्वां। क्षेत्रियात्। निःऽऋत्याः॥ २॥ शं। ते। वातः।

॥श्री॥

मा२

अन्तरिक्षे। वयः। वातः। शं। ते। भवन्तु। प्रऽदिशः। चतस्रः॥ ३॥ इमाः। याः। दे-
वीः। प्रऽदिशः। चतस्रः। वातऽपत्नीः। अभि। सूर्यः। विऽचष्टे। ताभ्यः। त्वा-
अमृतः। जरसा। आ। दधामि। प्र। यक्ष्मः। एतु। निःऽऋतिः। पराचैः॥
४॥ अमुक्थाः। यक्ष्मात्। दुःऽइतात्। अवद्यात्। द्रुहः। पाशात्। ग्राह्याः। च।
उत्। अमुक्थाः॥ ५॥ अहाः। अरातिं। अविदः। स्योनं। अपि।
अभूः। भद्रे। सुऽकृतस्य। लोके॥ ६॥ सूर्यं। ऋतं। तमसः। ग्रा-
ह्याः। अधि। देवाः। मुंचन्तः। असृजन्। निः। एनसः। एव। अहं। त्वां। क्षे-
त्रियात्। निःऽऋत्याः। जामिऽशंसात्। द्रुहः। मुंचामि। वरुणस्य।
पाशात्। अनागसं। ब्रह्मणा। त्वा। कृणोमि। शिवे इति। ते। द्यावापृ-

पिवीऽइतिऽतनेऽइति । त्वाम् ॥ ५ ॥ ७ ॥ १० ॥ द्वितीयोऽनुवाकः ॥ अनुवाके सूक्तो
म ॥ द्विषः । दूषिः । असि । हत्याः । हृतिः । असि । मन्याः । मतिः । रसि । अमे
जुहि । अयसम । अतिसमम् । ऋामो । अस्तु । त्यौः । क्याः । असि । प्रतिः । असि
अनिचरण्याः । असि ॥ २ ॥ प्रतितम् । असि । चरायैऽअस्मान् । द्वि
ष्टि । यम् । वयम् । द्विष्मः ॥ ३ ॥ सूरिः । असि । वर्चः । धाः । असि । तनूः
पानः । असि ॥ ४ ॥ शुक्रः । असि । भ्राजः । असि । ज्योतिः । असि
आप्नुहि । अयासम । अतिसमम् । ऋामः ॥ ५ ॥ ७ ॥ ११ ॥ द्यावापृथि ॥ २३ ॥
वीऽइतिऽतरू । अन्तरिदाम् । ऋतस्य । पत्नीऽइतरू० गायः । अप्कु
वः ॥ तत । अन्तरिदौम् । तरू । वात० गापम् ॥ त ॥ इह । तप्यताम् । इम

येऽअवपामानेऽइति ॥ ६ ॥ इदम् । देवाः । शृणुत । ये । यज्ञियाः । स्थ । नरः
आजगम ये । तत्कानि । शंसति । पाशः । सः । बद्धः । दुः० कृतानि । युज्य
ताम् । यः । अस्माकम् । मनः । इदम् । हिनस्ति ॥ २ ॥ इदम् । इन्द्र । शृणुहि ।
सोम० पाय । नात । ब्रह्म । हृदा । रावता । जोहवीमि । वृश्च । मित
मा । उग्रिन् । शान० इव । वृक्षम् । यः । अस्माकम् । मनः । हिदम् ।
हिनस्ति ॥ ३ ॥ ऋषिरीतिः ० तिस्रः ० साम० गा० आदित्य ५
नि । वसु० नः । अङ्गिरः ० इष्टापूर्तम् । अवतु । नः । पितृणा
म् । आ । अमुम् । दद । हरसा । दैव्येन ॥ ४ ॥ द्यावापृथिवीऽइति
अनु । मा । आ । दीधीयाम् । विश्वे । देवासः । अनु । मा । आ ॥ २

नद्यम्। अंगिरसः। पितरः। सोम्यासः। पापम्। आ। ऋच्छतु।
अप॰कामस्य। कर्ता ॥५॥ अति॰इव। अयः। मरुतः। मन्यते।
नः। ब्रह्म। वा। यः। निन्दिषत्। क्रियमाणम्। तपूंषि। तस्मै। वृ
जिनानि। सन्तु। ब्रह्म॰द्विषम्। द्यौः। अभि॰संतपाति ॥६॥
सप्त। प्राणान्। अष्टौ। मन्यः। तान्। ते। वृश्चामि। ब्रह्मणा। अ
याः। यमस्य। सादनम्। अग्नि॰दूतः। अरम्॰कृतः। २४
॥७॥ आ। दधामि। ते। पदं। सम्॰इद्धे। जातवेदसि। अ
ग्निः। शरीरम्। वा। विशतु। आ। असुम्। वाक्। अपि। गच्छ
तु ॥८॥२॥ आयुः॰दाः। अग्ने। जरसम्। वृणानः।

घृत॰प्रतीकः। घृत॰पृष्ठः। अग्ने। घृतम्। पीत्वा। मधु। चारु। गव्यम्।
पिता॰इव। पुत्रान्। अभि। रक्षतात्। इमम् ॥१॥ परि। धत्त। धत्त।
नः। वर्चसा। इमम्। जरा॰मृत्युम्। कृणुत। दीर्घम्। आयुः। बृहस्प
तिः। प्र। अयच्छत्। वासः। एतत्। सोमाय। राज्ञे। परि॰धातवै। उं
इति ॥२॥ परि। इदम्। वासः। अधिथाः। स्वस्तये। अभूः। गृष्टीना
म्। अभिशस्ति॰पाः। उं इति। शतं। च। जीव। शरदः। पुरूचीः।
रायः। च। पोषम्। उप॰संव्ययस्व ॥३॥ आ। इहि। अश्मानम्। आ।
तिष्ठ। अश्मा। भवतु। ते। तनूः। कृण्वन्तु। विश्वे। देवाः। आयुः।
ते। शरदः। शतम् ॥४॥ यस्य। ते। वासः। प्रथम॰वास्यम्।

ह सम:। तुभ्य्वा वा॥ विश्वे। अ॒प। वृङ्ग्र। देवा॥ तां। वा॥ न्ता तर:। सु॰
हेध्या॥ वर्द्धमा न म्। अन्तु। जायताम्। बहवः। सु॰ जातम्॥ पाश्चा॥
॥२३॥ नि॰। सु। साम्। हृदुम्। धिषणाम्। ए॰ कुर्या
वाधाम्। जि घु॰ स्वृम्। सर्वा:। च। स्पानस्य:। नारीयाम:। मा
दानं न्व्यमा १॥ नि:। वृ:। गा॰ स्था तु। अप। जामसि। नि:। अ दा
रा। नि:। नृप॰ आ। बनुसात्॥ नि:। वः। गृघ्या। दुहितर:। गृहे भ्य: मु ४
चातयामहे॥ २॥ आसा। यः। अधरात्। गृह्णीत त्वा। सं॰। आ
राय्य। तत्वा। सेदि:। निऋत्या। सर्वा:। वाया तं॰ धान्य:॥ ३॥ २५
ऽरतं॰ पतिः। ति:। अपजुवा इन्द्र:। वहतः। सदान्वा। इन्द्रस्य

ॐ२

कुध्नो। आसीना:। ता:। इन्द्रः। वज्रेण। अधि। तिष्ठतु॥ ४॥ यदि। स्था। द्व
त्रियाणाम्। यदि। वा। पुरुष॰ इषिता:। यदि। स्था। दस्युभ्य:। जाता:।
नश्यता। इतः। सदान्वा:॥ ५॥ परि। धामानि। आसाम्। आशु:। गो
ष्ठाम्॰ इव। असरन्॥ अजैषम्। सर्वान्। आजीन्। व:। नश्यत।
इतः। सदान्वा:॥ ६॥ यथा॥ द्यौ:। च। पृथिवी। च। न। बिभीत:। न। रिष्यत:।
एव। मे। प्राण। मा। बिभे:॥ यथा। अह:। च। रात्री। च॥ २॥ यथा। सूर्य:। च।
चन्द्र:। च॥ ३॥ यथा। ब्रह्म। च। क्षत्रं। च॥ ४॥ यथा। सत्यं। च। अनृतम्।
च॥ ५॥ यथा। भूतं। च। भव्यं। च। न। बिभीत:। न। रिष्यत:॥ एव। मे। प्रा
ण। मा। बिभे:॥ ६॥ ७॥ १५॥ प्राणापानौ। मृत्यो:। मा। पातम्। स्वाहा॥ १॥

द्यावापृथिवी इति द्यावा॰पृथिवी । उप॰श्रुत्या । मा । पातम् । स्वाहा ॥२॥ सूर्य । चक्षुषा । मा । पा
हि । स्वाहा ॥३॥ अग्ने । वैश्वानर । विश्वैः । मा । देवैः । पाहि । स्वाहा ॥४॥
विश्वम्॰भर । विश्वेन । मा । भरसा । पाहि । स्वाहा ॥५॥१६॥ ओजः ।
असि । ओजः । मे । दाः । स्वाहा ॥१॥ सहः । असि । सहः । मे ॥२॥ बलम् । अ
सि । बलम् । मे ॥३॥ आयुः । असि । आयुः । मे ॥४॥ श्रोत्रम् । असि । श्रोत्रम् । मे ॥५॥
चक्षुः । असि । चक्षुः । मे ॥६॥ परि॰पानम् । असि । परि॰पानम् । मे ॥७॥
॥ द्वितीयोनुवाकः । अनुवाके सूक्तः ॥७॥ ऋचा ३५ ॥७॥०।१७॥ भ्रातृव्य
क्षयणम् । असि । भ्रातृव्य॰चातनम् । मे ॥१॥ सपत्न॰क्षयणम् । असि । ॥२८॥
सपत्न॰चातनम् । मे ॥२॥ अराय॰क्षयणम् । असि । अराय॰चातनम्
क्षय

मे ॥३॥ पिशाच॰क्षयणम् । असि । पिशाच॰चातनम् । मे ॥४॥ सदान्वा॰क्षयणम् । असि ।
सदान्वा॰चातनम् । मे । दाः । स्वाहा ॥५॥०।१८॥ अग्ने । यत् । ते । तपः । तेन । त
म् । प्रति । तप । यः । अस्मान् । द्वेष्टि । यम् । वयम् । द्विष्मः ॥१॥ ते । हरः । तेन ।
तम् । प्रति । हर । यः ॥२॥ ते । अर्चिः । तेन । तम् ॥ प्रति । अर्च । यः ॥३॥ ते । शोचिः ।
तेन । तम् । प्रति । शोच । यः ॥४॥ अग्ने । यत् । ते । तेजः । तेन । तम् । अतेजसम् ।
कृणु । यः ॥५॥०।१९॥ वायो इति । यत् । ते । तपः । तेन । तम् । प्रति । तप । यः ॥१॥
तेष इति तिस्रः ॥४॥ वायो इति । यत् । ते । तेजः । तेन । तम् । अतेज
सम् । कृणु । यः ॥५॥०।२०॥ सूर्य । यत् । ते । तपः । तेन । तम् । प्रति । तप ।
यः ॥१॥ तेष इति तिस्रः ॥४॥ सूर्य । यत् । ते । तेजः । तेन । तम् । अ
अतेजसम् । कृणु । यः ॥५॥०॥२१॥ चन्द्र । यत् । ते । तपः । तेन । तम् । प्रति ।

तपय:॥१॥ तेइरद्रुतितिस्त्र॥४॥ चंद्र। यत्। ते। तेजः। तेन। तम्। अतेजसम्।
कृणु। य:॥५॥७॥२२॥ आपः। यत्। वः। तपः। तेन। तम्। प्रति। तपात। य
वः। हरः। तेन। तम्। प्रति। हरत। यः॥२॥ वः। अर्चिः। तेन। तम्। प्रति। अ
र्चतय:॥३॥ वः। शोचिः। तेन। तम्। प्रति। शोचत। यः॥४॥ आपः। यत्।
वः। तेजः। तेन। तम्। अतेजसम्। कृणुत। यः। अस्मान्। द्वेष्टि। यम्।
वयं। द्विष्मः॥५॥७॥२३॥ शेरभक। शेरभ। पुनः। वः। यंतु। यातवः।
पुनः। हेतिः। किमीदिनः॥ यस्य। स्थ। तम्। अत्त। यः। वः। प्र०अहैत्।
तम्। अत्त। स्वा। मांसानि। अत्त॥१॥ शेवृधक। शेवृध। पुनः॥ म्रोक। अनु
म्रोक। पुनः॥३॥ सर्प। अनु०सर्प। पुनः। वः। यंतु। यातवः। पुनः।

हेतिः। किमीदिनः॥४॥ जूर्णि। पुनः। वः। यंतु। यातवः। पुनः। हेतिः। किमी
दिनः॥५॥ उप०अब्दे। पुनः॥६॥ अर्जुनि। पुनः॥७॥ भरूजि। पुनः। वः। यंतु॥
यातवः। पुनः। हेतिः। किमीदिनः॥ यस्य। स्थ। तम्। अत्त। यः। वः। प्र०अ
हैत्। तम्। अत्त। स्वा। मांसानि। अत्त॥८॥७॥२४॥ शम्। नः। देवी। पृश्नि०प
र्णी। अशम्। निःऽऋत्यै। अकः। उग्रा। हि। कण्व०जंभनी। ताम्। अभक्षि। सह
स्वतीम्॥१॥ सहमाना। इयम्। प्रथमा। पृश्नि०पर्णी। अजायत। तया।
अहम्। दुः०नाम्नाम्। शिरः। वृश्चामि। शकुनेः०इव॥२॥ अरायम्।
असृक्०पावानम्। यः। च। स्फातिम्। जिहीर्षति। गर्भ०अदम्। कण्वम्।
नाशय। पृश्नि०पर्णी। सहस्व। च॥३॥ गिरिम्। एनान्। आ। वे
शय। कण्वान्। जीवित०योपनान्। तान्। त्वम्। देवि। पृश्नि०पर्णी। अ

ग्निः० कृत्वा। अनु० दहन्। इह॥४॥ पशवः। एनान्। प्र। अनु। दाः। एनान्। जी
वितं० यापनान्॥ तमसि। यत्र। आगच्छति। तत्। त्र्यं० अवदा। अजीगमन्॥
॥५॥ ॥२५॥ आ। इह। यन्तु। पशवः। ये। परा० इयुः॥ वायुः। येषाम्।
सह० चारम्। जुजोष॥ त्वष्टा। येषाम्। रूप० धेयानि॥ वेद। अस्मिन्।
तान्। गो० स्थे। सविता। नि। यच्छतु॥१॥ इमम्। गो० स्थम्। पशवः। सम्।
स्रवन्तु॥ बृहस्पतिः। आ। नयतु। प्र० जानन्॥ सिनीवाली। नयतु।
आ। अग्रम्। एषाम्॥ आ० जग्मुषः। अनु० मते। नि। यच्छ॥२॥ सं।
सम्। सम्। स्रवन्तु। पशवः॥ सम्। अश्वाः। सम्। ऊं इति। पुरुषाः॥ स २८
म्। धान्यस्य। या। स्फातिः॥ सम्० स्राव्येण। हविषा। जुहोमि॥३॥ सं
सम्। सिंचामि। गवाम्। क्षीरम्॥ सम्। आज्येन। बलम्। रसम्॥

सम्० सिक्ताः। अस्माकम्। वीराः॥ ध्रुवाः। गावः। मयि। गो० पतौ॥४॥ आ।
हरामि। गवाम्। क्षीरम्॥ आ। अहार्षम्। धान्यम्। रसम्॥ आ० हृताः। अस्मा
कम्। वीराः॥ आ। पत्नीः। इदम्। अस्तकम्॥५॥ चतुर्थोऽनुवाकः॥ अनुवा
कस्सूक्ता॥२६॥ ऋचा॥२०॥ द्वा॥०॥ २६॥ न। इत्। शत्रुः। प्राशम्। जयाति॥ स
हमाना। अभि० भूः। असि॥ प्राशम्। प्रति० प्राशः। जहि॥ अरसान्।
कृणु। ओषधे॥१॥ सु० पर्णः। त्वा। अनु। अविन्दत्॥ सूकरः। त्वा। अख
नत्। नसा॥२॥ इन्द्रः। ह। चक्रे। त्वा। बाहौ॥ असुरेभ्यः। स्तरीतवे॥३॥
पाटाम्। इन्द्रः। वि। आश्नात्॥ असुरेभ्यः। स्तरीतवे॥४॥ तया। अ
हम्। शत्रून्। साक्षे। इन्द्रः। सालावृकान्० इव॥५॥ रुद्र। जलाष० भे
षज। नील० शिखण्ड। कर्म० कृत्॥ प्राशम्। प्रति० प्राशः। जहि॥ अर

सान्। कृणुतु। पंचधा॥ ६॥ तस्य। प्राशम्। त्वम्। जहि। यः। नः। इंद्र। अभि॰
दासति। अधि। नः। ब्रूहि। शक्तिऽभिः। प्राशि। माम्। उत्ऽतरम्। कृधि॥ ७॥ ७॥
॥ २७॥ तुभ्यम्। एव। जरिमन्। वर्द्धताम्। अयम्। मा। इमम्। अन्ये। मृत्यवः।
हिंसिषुः। शतम्। ये। माताऽइव। पुत्रम्। प्रऽमनाः। उपऽस्थे। मित्रः। एनम्।
मित्रियात्। पातु। अंहसः॥ १॥ मित्रः। एनम्। वरुणः। वा। रिशादाः। जरा॰
मृत्युम्। कृणुताम्। संविदानौ। तत्। अग्निः। होता। वयुनानि। वि॰
द्वान्। विश्वा। देवानाम्। जनिम। वि। वक्ति॥ २॥ त्वम्। ईशिषे। पशून् ॥ २९॥
ाम्। पार्थिवानाम्। ये। जाताः। उत। वा। ये। जनित्राः। मा। इमम्। प्राणः। हा॰
सीत्। मो इति। अपानः। मा। इमम्। मित्राः। वधिषुः। मो इति। अमित्राः।

॥ ३॥ द्यौः। त्वा। पिता। पृथिवी। माता। जराऽमृत्युम्। कृणुताम्। संविदाने इति
संऽविदाने। यथा। जीवाः। अदितेः। उपऽस्थे। प्राणापानाभ्याम्। गुपि॰
तः। शतम्। हिमाः॥ ४॥ इमम्। अग्ने। आयुषे। वर्चसे। नय। प्रियम्। रेतः। वरु॰
ण। मित्र। राजन्। माताऽइव। अस्मै। अदिते। शर्म। यच्छ। विश्वे। देवाः।
जरत्ऽअष्टिः। यथा। असत्॥ ५॥ ४॥ २८॥ पार्थिवस्य। रसे। देवाः। भग॰
स्य। तन्वः। बले। आयुष्यम्। अस्मै। अग्निः। सूर्यः। वर्चः। आ। धात्।
बृहस्पतिः॥ १॥ आयुः। अस्मै। धेहि। जातऽवेदः। प्रऽजाम्। त्वष्टः। अधि॰
निऽधेहि। अस्मै। रायः। पोषम्। सवितः। आ। सुव। अस्मै। शतम्। जी॰
वाति। शरदः। तव। अयम्॥ २॥ आऽशीः। नः। ऊर्जम्। उत। सौप्रजाः॰
त्वम्। दक्षम्। धत्तम्। द्रविणम्। सऽचेतसौ। जयम्। क्षेत्राणि। सहसा।

अयम् । इन्द्रः ॥ लएवानः । अनु आँ(नो) अध स्तात् । सत्य नाम ॥ ३ ॥ इन्द्रेण । दत्तः । वरु
णेन । त्रिष्टः । मरुत्-भिः । उग्रः । प्र-हितः । नः । आ । आगन् ॥ वाम् । आ वा
पृथिवी इति । उपस्थे । मा । क्षुधत् । मा । त्रिषत् ॥ ४ ॥ ऊर्जम् । अस्मै । ऊर्ज
स्वती इति । धत्तम् ॥ पयः । अस्मै । पयस्वती इति । धत्तम् ॥ ऊर्जम् । अस्मै ।
द्यावापृथिवी इति । अधाताम् । विश्वे । देवाः । मरुतः । ऊर्जम् । आपः ।
॥ ५ ॥ शिवाभिः । ते । हृदयम् । तर्पयामि । अनमीवः । मोदिषीष्ठाः । सु
वर्चाः ॥ स-वासिनौ । पिबताम् । मन्थम् । एतम् । अश्विनोः । रूपम् । परिधाय
मायाम् ॥ ६ ॥ इन्द्रः । एताम् । ससृजे । विद्धः । अग्रे । ऊर्जाम् । स्वधाम् । अ ॥३०॥
जराम् । सा । ते । एषा ॥ तया । त्वम् । जीव । शरदः । सु-वर्चाः । मा । ते । आ । सु
स्रोत् । भिषजः । ते । अक्रन् ॥ ७ ॥ ०२९ ॥ यथा । इदम् । नम्यतः । अधि

तृणम्। वातः। मथायति। एव। मथ्नामि। ते। मनः। यथा। माम्। कामिनी। अ
सः। यथा। मत्। न। अपगाः। असः॥१॥ सम्। च। इत्। नयाथः। अश्विना। का
मिना। सम्। च। वक्षथः। सम्। वाम्। भगासः। अग्मत। सम्। चित्तानि। सम्
ऊं इति। व्रता॥२॥ यत्। सुपर्णाः। विवक्षवः। अनमीवाः। अनमीवाः
विवक्षवः। तत्र। मे। गच्छतात्। हवम्। शल्यःऽइव। कुल्मलम्। यथा
॥३॥ यत्। अन्तरम्। तत्। बाह्यम्। यत्। बाह्यम्। तत्। अन्तरम्। कन्यानाम्।
विश्वऽरूपाणाम्। मनः। गृभाय। ओषधे॥४॥ आ। इयम्। अगन्।
पतिऽकामा। जनिऽकामः। अहम्। आ। अगमम्। अश्वः। कनिक्रदत्। यथा। भगेन। ३१
अहम्। सह। आ। अगमम्॥५॥७॥३०॥ इन्द्रस्य। या। मही। दृषत्। क्रिमेः।
विश्वस्य। तर्हणी। तया। पिनष्मि। सम्। क्रिमीन्। दृषदा। खल्वान्ऽइव॥१॥

शिवः ३

दृष्टम्। अदृष्टम्। अतृहम्। अथो इति। कुरूरुम्। अतृहम्। अल्गण्डून्।
सर्वान्। शलुनान्। क्रिमीन्। वचसा। जम्भयामसि॥२॥ अल्गण्डून्।
हन्मि। महता। वधेन। दूनाः। अदूनाः। अरसाः। अभूवन्। शिष्टान्। अशि
ष्टान्। नि। तिरामि। वाचा। यथा। क्रिमीणाम्। नकिः। उत्ऽशिषातै॥३॥ अ
नुऽआन्त्र्यम्। शीर्षण्यम्। अथो इति। पार्ष्टेयम्। क्रिमीन्। अवस्क
वम्। विऽअध्वरम्। क्रिमीन्। वचसा। जम्भयामसि॥४॥ ये। क्रिमयः। पर्व
तेषु। वनेषु। ओषधीषु। पशुषु। अप्ऽसु। अन्तरिति। ये। अस्माकम्। त
न्वम्। आऽविविशुः। सर्वम्। तत्। हन्मि। जनिम। क्रिमीणाम्॥५॥ अ
नुक्रान्तरूपाश्चाष्टौ॥॥पा ७। ३१॥ उत्ऽयन्। आदित्यः। क्रिमीन्। हन्तु॥

त्रि

नि॰ग्नो। वज्र। दि॒त्रा। र॒श्मि॰ग्नि॥ यो। अ॒ंतः। त्रि॒मयः। ग॒वि॥१॥ विश्वं॰ रू
प॒म्। वृ॒त्र॒ः॰ अ॒र्द॒ौ। त्रि॒ मिमृ। सा॒रंगम्। अ॒र्जु॒न॒म्॥ श्र॒णा॒मि। अ॒स्य॒।
पृ॒ष्ठीः॥ अ॒पि॒ दृ॒श्चा॒मि। यत्॥ शिरः॥२॥ अ॒त्रि॰वत्। वः॥ त्रि॒मयः। ह॒न्मि॥ क
ण्वऽवत्। जमदग्नि॰वत्॥ अ॒गस्त्यस्य। ब्रह्म॒णा॥ सम्। पिनष्मि। अ॒हम्। [illegible]
म्। इ॒हमीन्॥३॥ ह॒ताः। रा॒जा॒। त्रि॒मीणाम्॥ उ॒त। ए॒षाम्। स्थ॒पतिः। ह॒तः। [illegible]
ह॒त॰माता॥ त्रि॒मि॥ ह॒त॰भ्राता। ह॒त॰स्वसा॥४॥ ह॒ता॒सः। [illegible] अ॒स्य। वे॒शसः।
ह॒ता॒सः। परि॑ऽवेशसः॥ अथो॒ इति॑। ये। क्षु॒ल्ल॒काःऽइव। सर्वे॑। ते। त्रि॒मयः। ह॒ताः॥
५॥ प्र। ते॒। श्र॒णा॒मि॥ शृंगे॒ इति॑। या॒भ्याम्। वि॒तु॒दा॒यसि॑॥ भि॒नद्मि॑। ते॒। २२
कुषुम्भम्। यः। ते॒। वि॒ष॰धानः॥६॥७॥३२॥ अ॒क्षीभ्याम्। ते॒। नासि॑

।यो।२

का॒भ्याम्॥ कर्णा॑भ्याम्। छुबु॑का॒त्। अधि॥ यक्ष्मम्। शी॒र्ष॒ण्य॑म्। म॒स्तिष्का॑त्॥ जि॒ह्वा
या॒ः। वि। वृ॒ह॒मि। ते॒॥१॥ ग्री॒वाभ्यः। ते॒। उ॒ष्णिहा॑भ्यः॥ की॒कसा॑भ्यः। अ॒नू॒
क्या॑त्॥ यक्ष्म॑म्। दो॒ष॒ण्य॑म्। अंसा॑भ्याम्॥ बा॒हु॰भ्याम्। वि। वृ॒ह॒मि। ते॒
॥२॥ हृद॑यात्। ते॒। परि॑। क्लो॒म्नः। ह॒ली॑क्ष्णात्। पा॒र्श्वाभ्या॑म्॥ यक्ष्म॑म्। मत॑
स्नाभ्याम्। प्ली॒ह्नः। य॒क्नः॥ ते॒। वि। वृ॒हा॒मसि॥३॥ आ॒न्त्रेभ्यः। ते॒। गुदा॑भ्यः॥
व॒नि॒ष्ठोः। उ॒दरा॑त्। अधि॥ यक्ष्म॑म्। कु॒क्षि॰भ्याम्। प्ला॒शेः। नाभ्याः॥ वि।
वृ॒ह॒मि। ते॒॥४॥ ऊ॒रु॰भ्याम्। ते॒। अ॒ष्ठी॒वत्॰भ्याम्॥ पार्ष्णि॑भ्याम्। प्र॒प॑दाभ्याम्॥
यक्ष्म॑म्। भ॒स॒द्य॑म्। श्रोणि॑॰भ्याम्॥ भा॒सद॑म्। भंस॑सः। वि॥५॥ अ॒
स्थि॰भ्यः। ते॒। म॒ज्ज॰भ्यः॥ स्नाव॑॰भ्यः। ध॒मनि॑॰भ्यः॥ यक्ष्म॑म्। पा॒णि॰भ्या
म्। अ॒ंगुलि॑॰भ्यः॥ न॒खेभ्यः। वि। वृ॒ह॒मि। ते॒॥६॥ अंगे॑॰अंगे। लो

ग्नि॰सोम्नि। यः। ते। पर्वाणि॰पर्वाणि। यद्दोमम्। चचस्यम्। तत्। वयम्। क
स्यपस्य। विं॰वर्हणा। विषंचम्। वि। हरामसि॥ ७॥ ७॥ ३३॥ यः। ईशे। प
शु॰पतिः। पशूनाम्। चतुः॰पदाम्। उत। यः। द्वि॰पदाम्। निः॰क्रीतः। सः।
यज्ञियम्। भागम्। एतु। रायः। पोषाः। यजमानम्। सचंताम्॥ १॥ प्र॰
मुचंतः। भुवनस्य। रेतः। गातुम्। धत्त। यजमानाय। देवाः। उप॰आ
कृतम्। शशमानम्। यत्। अस्थात्। प्रियम्। देवानाम्। अपि। एतु।
पाथः॥ २॥ ये। बध्यमानम्। अनु। दीध्यानाः। अनु॰ऐक्षंत। मनसा। ३३
चक्षुषा। च। अग्निः। तान्। अग्रे। प्र। मुमोक्तु। देवः। विश्व॰कर्मा।
प्र॰जया। सम्॰रराणः॥ ३॥ ये। ग्राम्याः। पशवः। विश्व॰रूपाः। सं वि॰रूपाः
तः। बहु॰धा। एक॰रूपाः। वायुः। तान्। अग्रे। प्र। मुमोक्तु। देवः॥

प्रजा॰पतिः। प्र॰जया। सम्॰रराणः॥ ४॥ प्र॰जानंतः। प्रति। गृह्णंतु। पूर्वे। प्राणम्।
अंगेभ्यः। परि। आ॰चरंतम्। दिवम्। गच्छ। प्रति। तिष्ठ। शरीरैः। स्वः॰
गम्। याहि। पथि॰भिः। देव॰यानैः॥ ५॥ ३४॥ प्र। नद्धयंताः। नावस्र
नि। आनद्धुः। यान्। अग्नयः। अनु॰अतप्यंत। धिष्ण्याः। याः। तेषाम्।
अव॰याः। दुः॰इष्टि। सु॰इष्टम्। नः। तान्। कृणोतु। विश्व॰कर्मा॥ ६॥ य
रु॰पतिः। ऋषयः। एनसा। आक्रुः। निः॰भजंतं। प्र॰जाः। अनु॰तप्य
मानम्। मधव्यान्। स्तोकान्। अप। यान्। रराध। सम्। नः। ते
भिः। सृजतु। विश्व॰कर्मा॥ ७॥ अदान्यान्। सोम॰पान्। मन्यमानः।
यज्ञस्य। विद्वान्। सम्॰ये। न। धीरः। यत्। एनः। चकृ॰वान्। बद्धः। एषः।

तम्।विश्व॰कर्मन्।प्र।मुंच।स्वस्तये॥३॥घोराः।ऋषयः।नमः।अ
स्तु।एभ्यः॥चक्षुः।यत्।एषाम्।मनसः।च।सत्यम्।बृहस्पतये।
महिष।द्यु॰मत्।नमः॥विश्व॰कर्मन्।नमः।ते।पाहि।अस्मान्॥४॥
यज्ञस्य।चक्षुः।प्र॰भृतिः।मुखम्।च।वाचा।श्रोत्रेण।मनसा।जुहो
मि।इमम्।यज्ञम्।वि॰ततम्।विश्व॰कर्मणा।आ।देवाः।यंतु।
सु॰मनस्यमानाः॥५॥०॥३५॥आ।नः।अग्ने।सु॰मतिम्।सम्॰भलः।
त गमेत्।इमाम्।कुमारीम्।सह।नः।भगेन।जुष्टा।वरेषु।सम॰नेषु। ३४
वल्गुः।ओषम्।पत्या॥सौ॰भगम्।अस्तु।अस्यै॥सोम॰जुष्टम्।
ब्रह्म॰जुष्टम्।अर्यम्णा।सम्॰भृतम्।भगम्।धातुः।देवस्य।

देवस्य।सत्येन॥कृणोमि।पति॰वेदनम्॥२॥इयम्।अग्ने।नारी।पतिम्॥विदेष्ट॥
सोमः।हि।राजा।सु॰भगाम्।कृणोति।सुवाना।पुत्रान्।महिषी।भवाति।गत्वा।
पतिम्।सु॰भगा।वि।राजतु॥३॥यथा।आ॰खरः।मघ॰वन्।चारुः।एषः।प्रियः।
मृगाणाम्।सु॰सदाः।बभूव॥एव।भगस्य।जुष्टा।इयम्।अस्तु।नारी॥सम्॰प्रिया।
पत्या।अवि॰राधयन्ती॥४॥भगस्य।नावम्।आ।रोह।पूर्णाम्।अनुप॰दस्वतीम्।
तया।उप॰प्र॰तारय।यः।वरः।प्रति॰काम्यः॥५॥आ।क्रन्दय।धन॰पते।वरम्।
आ॰मनसम्।कृणु॥सर्वम्।प्र॰दक्षिणम्।कृणु।यः।वरः।प्रति॰काम्यः॥६॥इदम्।हि
रण्यम्।गुल्गुलु।अयम्।औक्षः।अथो इति।भगः॥एते।पति॰भ्यः।त्वाम्।

ऋडः। प्रति० कामायवित्तवे॥७॥ आति। नयन्तु। सविता। नयन्तु। पतिः। यं
प्रति० काम्यः। त्वम्। अस्यै। धेहि। उषधे॥ अनुवाके सूक्त ५ सचा २१॥ छा
त्रिंशादेकाधिकोन्यः॥३६॥ चतुर्थप्रपाठकः॥ द्वितीयकांड समाप्तम्॥ श्री
॥ ॥ ॥ ॥श्रीरस्तु॥ श्री ॥कल्याणमस्तु॥ ॥

५०० ग्रंथसंख्य

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
डाक्टर भाऊदाजी इत्यस्य स्मारकम्

श्लो. २५५०

॥ कांड ३ पा. ते. कांड ४-५-६-७- नास्तुधी छा।

२४५० ग्रंथसंख्य

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
डाक्टर भाऊदाजी इत्यस्य स्मारकम्

ॐ अग्निः । नः । शत्रून् । प्रति । एतु । विद्वान् । प्रतिऽदहन् । अभिऽशस्तिं । अरा
तिं ॥ सः । सेनां । मोहयतु । परेषां ॥ निःऽहस्तान् । च । कृणवत् । जातऽवेदाः
॥१॥ यूयं । उग्राः । मरुतः । ईदृशे । स्थ ॥ अभि । प्र । इत । मृणत । सहध्वं ॥ अ
अमे मीमृणन् । वसवः । नाथिताः । इमे ॥ अग्निः । हि । एषां । दूतः । प्रतिऽएति । विद्वान् ॥२॥
अमित्रऽसेनां । मघऽवन् ॥ अस्मान् । शत्रुऽयतीं ॥ अभि ॥ युवं । तान् । इंद्र । वृ १८
त्रऽहन् ॥ अग्निः । च । दहतं । प्रति ॥३॥ प्रऽसूतः । इंद्र । प्रऽवता । हरिऽभ्यां ॥ प्र
ते । वज्रः । प्रऽमृणन् । एतु । शत्रून् ॥ जहि । प्रतीचः । अनूचः । पराचः ॥ वि ३६॥

ष्वक् । सत्यं । कृणुहि । चित्तं । एषां ॥४॥ इंद्र । सेनां । मोहय । अमित्राणां ॥ अग्नेः । वा
तस्य । ध्राज्या ॥ तान् । विषूचः । वि । नाशय ॥५॥ इंद्रः । सेनां । मोहयतु ॥ मरुतः । घ्न
न्तु । ओजसा ॥ चक्षूंषि । अग्निः । आ । दत्तां ॥ पुनः । एतु । पराऽजिता ॥६॥ ॥१॥ अ
ग्निः । नः । दूतः । प्रतिऽएतु । विद्वान् ॥ प्रतिऽदहन् । अभिऽशस्तिं । अरातिं ॥ सः ।
चित्तानि । मोहयतु । परेषां ॥ निःऽहस्तान् । च । कृणवत् । जातऽवेदाः ॥१॥ अयं । अ
ग्निः । अमूमुहत् । यानि । चित्तानि । वः । हृदि ॥ वि । वः । धमतु । ओकसः ॥ प्र । वः । धमतु ।
सर्वतः ॥२॥ इंद्र । चित्तानि । मोहयन् ॥ अर्वाङ् । आऽकूत्या । चर ॥ अग्नेः । वातस्य ॥

धमज्या। तान्। विष्वचः। वि। नाशय॥३॥ वि। आ॰कूतयः। एषां। इत। अथो इति॥
चित्तानि। मुह्यत॥ अथो इति। यत्। अद्य। एषां। हृदि। तत्। एषां। परि। निः।
जहि॥४॥ अमीषां। चित्तानि। प्रति॰मोहयंती॥ गृहाण। अंगानि। अप्वे। परा।
इहि॥ अभि। प्र। इहि। निः। दह। हृत्॰सु॥ शोकैः। ग्राह्या। अमित्रान्। तमसा।
विध्य। शत्रून्॥५॥ असौ। या॥ सेना। मरुतः। परेषां॥ अस्मान्। आ॰एति। अभि।
ओजसा। स्पर्धमाना॥ तां। विध्यत। तमसा। अप॰व्रतेन। यथा। एषां। अन्यः। २८
अन्यं। न। जानात्॥६॥ ॥२॥ अचिक्रदत्। स्व॰पाः। इह। भुवत्॥ अग्ने। वि। ३७

चस्व। रोदसी इति। उरूची इति॥ युंजंतु। त्वा। मरुतः। विश्व॰वेदसः। आ। अमुं।
नय। नमसा। रात॰हव्यं॥ दूरे। चित्। संतं। अरुषासः। इंद्रं। आ। च्यवयंतु॥
सख्याय। विप्रं॥ यत्। गायत्रीं। बृहतीं। अर्कं। अस्मै॥ सौत्रामण्या। दधृषंत॥ दे
वाः॥१॥ अत्॰भ्यः। त्वा। राजा। वरुणः। ह्वयतु॥ सोमः। त्वा। ह्वयतु। पर्वतभ्यः॥ इं
द्रः। त्वा। ह्वयतु। विट्॰भ्यः। आभ्यः॥ श्येनः। भूत्वा। विशः। आ। पत।३ इमाः। श्ये
नः। हव्यं। नयतु। आ। परस्मात्॥ अन्य॰क्षेत्रे। अप॰रुद्धं। चरंतं॥ अश्विना। पंथां॥
कृणुतां। सु॰गं। ते॥ इमं। स॰जाताः। अभि॰संविशध्वं॥४॥ ह्वयंतु। त्वा। प्रति॰

जनाः॥ प्रति।मित्राः। अवृषत॥ इंद्राग्नी इति। विश्वे। देवाः॥ ते। विशि। क्षेमं। अ
दीधरन्॥ पा यः। ते। हवं। विऽवदत्॥ सऽजातः। यः। च। निष्ट्यः॥ अपांचं। इंद्र।
तं। कृत्वा॥ अथ। इमं। इह। अव। गमय॥ ३॥ ७॥ १॥ ॥ आ। त्वा। गन्। राष्ट्रं। सह।
वर्चसा॥ उत्। इहि॥ प्राङ्। विशां। पतिः। एकऽराट्। त्वं। वि। राज॥ सर्वाः। त्वा॥
राजन्। प्रऽदिशः। ह्वयंतु॥ उपऽसद्यः। नमस्यः। भव। इह॥ १॥ त्वां। विशः। वृ
णतां। राज्याय। त्वां। इमाः। प्रऽदिशः। पंच। देवीः॥ वर्ष्मन्। राष्ट्रस्य। ककुदि। २५
श्रयस्व॥ ततः। नः। उग्रः। वि। भज। वसूनि॥ २॥ अछ। त्वा। यंतु। हविनः। सऽजा ३८

ताः॥ अग्निः। दूतः। अजिरः। सं। चराति॥ जायाः। पुत्राः। सुऽमनसः। भवंतु॥ बहुं।
बलिं। प्रति। पश्यासै। उग्रः॥ ३॥ अश्विना। त्वा। अग्रे। मित्रावरुणा॥ उभा। विश्वे।
देवाः। मरुतः। त्वा। ह्वयंतु॥ अध। मनः। वसुऽदेयाय। कृणुष्व॥ ततः। नः। उग्रः। वि।
भज। वसूनि॥ ४॥ आ। प्र। द्रव। परमस्याः। पराऽवतः॥ शिवे इति। ते। द्यावापृथिवी
इति। उभे इति। स्तां॥ तत्। अयं। राजा। वरुणः। तथा। आह॥ सः। त्वा। अयं। अह्वत्।
सः। उप। इदं। आ। इहि॥ ५॥ इंद्रऽइंद्र। मनुष्याः। परा। इहि॥ सं। हि। अज्ञास्थाः। वरुणैः।
संऽविदानः॥ सः। त्वा। अयं। अह्वत्। [illegible]। सधऽस्थे॥ सः। देवान्। यक्षत्। सः। ऊं इ

ति।कल्पयाति।विशः।द्वाप्रथ्याः।रेवतीः।बहुं०धा।विं०रूपाः॥सर्वाः।सं०गत्य।
वरीयः।ते।अक्रन्॥ताः।त्वा।सर्वाः।सं०विदानाः।ह्वयंतु॥दशमीम्।उग्रः।सुं०
मनाः।वशा।इह॥७॥७॥४॥॥आ। अयं।अगन्।पर्ण०मणिः।बली।बलेन।
प्रं०मृणन्।सं०पत्नान्॥ओजः।देवानां।पयः।ओषधीनां॥वर्चसा।मा।जिन्वतु।अ
प्रं०यावन्॥१॥ओजः॥दैवीम्।अपि।क्षत्रं।पर्ण०मणे॥मयि।धारयता।तारयिं।अहं
राष्ट्रस्य।अभिं०वर्गे॥निं०जः।भूयासं।उत्तं०तमः॥२॥यं।निं०दधुः।वनस्पतौ।गु २२
ह्यं।देवाः।प्रियं।मणिं॥तं।अस्मभ्यं।सह।आयुषा।देवाः।ददतु।भर्तवे॥३॥सोम ४॥

स्य।उपं०स्तीन्।पर्ण।मह्यम्।त्वम्।सर्वान्।कृणु।अभितः।जनान्।पर्णः।३॥द्या।
स्य।पर्णः।सह।उग्रं।आ।अगन्।इंद्रेण।दत्तः।वरुणेन।शिष्टः॥तं।प्रियासं।बहु
रु।रोचमानः।दीर्घायुं०त्वाय।शत०शारदाय॥४॥आ।मा।रुक्षत्।पर्ण०मणिः॥ प
मह्यै।अरिष्ट०तातये॥यथा।अहं।उत्तरः।असानि॥अर्यम्णः।उत।सं०विदः।
।पा।ये।धीवानः।रथ०काराः।कर्मारः।ये।मनीषिणः॥उपं०स्तीन्।पर्ण।मह्यं।त्वं॥
सर्वान्।कृणु।अभितः।जनान्॥६॥ये।राजानः।राजं०कृतः।सूताः।ग्राम०ण्यः।च।ये।
सि।तनूं०पानः।सं०योनिः।वीरः।वीरेण।मया।सं०वत्सरस्य।तेजसा॥तेन।बध्ना
मि।त्वा।मणे॥७॥७॥४॥प्रथमोनुवाकः॥॥अनुवाके सूक्तं।पंचर्च २३ त्रिंशन्निमि

त्राः। षड्वेभ्रुकायीस्तिस्रः॥ पुमान्। पुंसः। परिऽजातः॥ अश्वत्थः। खदिरात्। अधि॥
सः। हंतु। शत्रून्। मामकान्॥ यान्। अहं। द्वेष्मि। ये। च। मां॥१॥ तान्। अश्वत्थ। निः।
शृणीहि॥ शत्रून्। वैबाधऽदोधतः॥ इंद्रेण। वृत्रऽघ्ना॥ मेदी॥ मित्रेण। वरुणेन।
च॥२॥ यथा॥ अश्वत्थ। निःऽअभनः॥ अंतः। महति। अर्णवे॥ एव। तान्। सर्वान्। निः।
भंग्धि॥ यान्। अहं। द्वेष्मि। ये। च। मां॥३॥ यः। सहमानः। चरसि॥ ससहानःऽइव। ऋ सर॥
षभः॥ तेन। अश्वत्थ। त्वया। वयं॥ सऽपत्नान्। सहिषीमहि॥४॥ सिनातु। एनान्। निःऽ ८०
ऋतिः॥ मृत्योः। पाशैः। अमोक्यैः॥ अश्वत्थ। शत्रून्। मामकान्॥ यान्। अहं। द्वेष्मि॥ ५॥

५

यो। च। मां॥५॥ यथा। अश्वत्थ। वानस्पत्यान्। आऽरोहन्। कृणुषे। अधरान्॥ एव। मे। श
त्रोः। मूर्धानं॥ विष्वक्। भिंधि। सहस्व। च। दाते। अधरांचः। प्र। प्लवंतां॥ छिन्ना। नौः
ऽइव। बंधनात्॥ न। वैबाधऽप्रनुत्तानां॥ पुनः। अस्ति। निऽवर्तनं॥ ७॥ प्र। एनान्।
नुदे। मनसा॥ प्र। चित्तेन। उत। ब्रह्मणा॥ प्र। एनान्। वृक्षस्य। शाखया॥ अश्वत्थ
स्य। नुदामहे॥ ८॥ ६॥ हरिणस्य। रघुऽस्यदः॥ अधि। शीर्षणि। भेषजं॥ सः।
क्षेत्रियं। विऽषाणया॥ विषूचीनं। अनीनशत्॥ १॥ अनु। त्वा। हरिणः। वृषा॥ पत्ऽ
भिः। चतुःऽभिः। अक्रमीत्॥ विऽषाणे। वि। स्य। गुष्पितं॥ यत्। अस्य। क्षेत्रियं। हृदि।

।म। अदंयसत्। अव॰रोचते॥ वत्तष्पद्मम्॰इव। छद्दिः॥ तेन। ते। सर्वं। क्षेत्रियं। अं
गेभ्यः। नाशयामसि॥३॥ अम्न इति। ये इति। द्दिवि। स्तृतगे इति स्तु॰तगे॥ वि॰
चृतौ। नाम। तारके इति॥ वि। क्षेत्रियस्य। मुंचतां॥ अधमं। पाशं। उत॰तमं।
।ध। आपः। इत्। वा। ऊं इति। भेषजीः॥ आपः। अमीव॰चातनीः॥ आपः। विश्व
स्य। भेषजीः॥ आपः। अमीवचातनीः। चा। मुंचंतु। क्षेत्रियात्॥ पायत। आ॰स्तुतेः ६१
क्रियमाणायाः॥ क्षेत्रियं। चा। वि॰आनशे॥ वेद। अहं। तस्य। भेषजं॥ क्षेत्रियं।
नाशयामि। चत्॥ द्दा। अप॰वासे। नक्षत्राणां॥ अप॰वासे। उषसां। उत॥ अप ६॥

अस्मत्। सर्वं। दुः॰भूतं। अप। क्षेत्रियं॥ उ॥ ७॥ ७॥ ॥ आ। यातु। मित्रः।
ऋतु॰भिः। कल्पमानः॥ सं॰वेशयन्। पृथिवीं। उस्रियाभिः॥ अथ। अस्मभ्यं।
वरुणः। वायुः। अग्निः॥ बृहत्। राष्ट्रं। सं॰वेश्यं। दधातु॥ १। धाता। रातिः। सविता।
इदं। जुषंतां॥ इंद्रः। त्वष्टा। प्रति। हर्यंतु। मे। वचः॥ हुवे। देवीं। अदितिं। शूर॰
पुत्रां॥ स॰जातानां। मध्यमे॰स्थाः। यथा। असानि॥ राष्ट्रं॰भृत्। सोमं। सवितारं। नमः॰
भिः॥ विश्वान्। आदित्यान्। अहं। उत्तर॰त्वे॥ अयं। अग्निः। दीदयत्। दीर्घं। एव।
स॰जातैः। इद्धः। अप्रतिब्रुवत्॰भिः॥ ३। इह। इत्। असाथ। न। परः। गमाथ॥ इर्यः।

DR. BHAU DAJI
ME...

गोपाः। वृष्टऽपतिः। वः। आ। अजत॥ अस्मै। कामाय। ... उप। कामिनीः॥ वि
श्वे। वः। देवाः। उपऽसंयन्तु॥४॥ सम्। वः। मनांसि। सम्। व्रता। सम्। आऽकूतीः। नमाम
सि॥ अमी इति। ये। विऽव्रताः। स्थन। तान्। वः। सम्। नमयामसि॥१॥ अहम्। गृभ्णा
मि। मनसा। मनांसि। मम। अनुऽचित्तम्। अभि। आ। इत॥ मम। वशेषु। हृद
यानि। वः। कृणोमि। मम। यातम्। अनुऽवर्त्मानः। आ। इत॥३॥ ३॥ ८॥ कशफ
स्य। विऽशफस्य। द्यौः। पिता। पृथिवी। माता। यथा। अभिऽचक्र। देवाः। तथा। अ
प। कृणुत। पुनः॥१॥ अश्रेष्माणः। अधारयन्। तथा। तत्। मनुना। कृतम्। कृणोमि।

वध्रि। विऽस्कन्धम्॥ मुष्कऽआबर्हः। गवाम्ऽइव॥२॥ पिशङ्गे। सूत्रे। खृगलम्। तत्। आ।
बध्नन्ति। वेधसः॥ श्रवस्युम्। शुष्मम्। काबवम्। वध्रिम्। कृण्वन्तु। बन्धुरः॥३॥ येन। श्रव
स्यवः। चरथ। देवाःऽइव। असुरऽमायया॥ शुनाम्। कपिःऽइव। दूषणः। बन्धुरा।
काबवस्य। च॥४॥ दुष्ट्यै। हि। त्वा। भन्त्स्यामि। दूषयिष्यामि। काबवम्॥ उत्। आर
थःऽरथाःऽइव। शपथेभिः। सरिष्यथ॥५॥ एकऽशतम्। विऽस्कन्धानि। विऽस्थिता।
पृथिवीम्। अनु॥ तेषाम्। त्वाम्। अग्रे। उत्। जहरुः। मणिम्। विस्कन्धऽदूषणम्॥६॥ ३॥ ७॥
॥ प्रथमा। ह। वि। उवास। सा। धेनुः। अभवत्। यमे॥ सा। नः। पयस्वती। दुहाम्॥

उत्तराम्॰उत्तरां।समां॥१॥यां।दे॒वाः।प्रति॰नंदंति॥रात्रिं।धेनुं।उप॰
आयतीं॥सं॰वत्सरस्य।या।पत्नी॥सा।नः।अस्तु।सु॰मंगली॥२॥सं॰वत्सर
स्य।प्रति॰मां॥यां।त्वा।रात्रिं।उप॰आस्महे॥सा।नः।आयुष्मतीं।प्र॰जां॥रायः।
पोषेण।सं।सृज॥३॥इयं।एव।सा।या।प्रथमा॥वि॰औच्छत॥आसु।इतरासु॥
चरति।प्र॰विष्टा॥महांतः।अस्यां।महिमानः।अंतः॥वधूः।जिगाय।नव॰गत्।
जनित्री॥४॥वानस्पत्याः।ग्रावाणः।घोषं।अक्रत॥हविः।कृण्वंतः।परि॰वत्सरी ३
णं॥एकं॰अष्टके।सु॰प्रजसः।सु॰वीराः॥वयं।स्याम।पतयः।रयीणां॥५॥इडा ८

याः।पदं।घृतवत्।सरीसृपं॥जात॰वेदः।प्रति।हव्या।गृभाय॥ये।ग्राम्याः।प
शवः।विश्व॰रूपाः॥तेषां।सप्तानां।मयि।रंतिः।अस्तु॥६॥आ।मा।पुष्टे।च।पोषे।
च॥रात्रि।देवानां।सु॰मतौ।स्याम॥पूर्णा।दर्वि।परा।पत॥सु॰पूर्णा।पुनः।आ।
पत॥७॥सर्वान्।यज्ञान्।सं॰भुंजती॥इषं।ऊर्जं।नः।आ।भर॥८॥आ।अयं।अगन्।
सं॰वत्सरः॥पतिः।एक॰अष्टके।तव॥सा।नः।आयुष्मतीं।प्र॰जां॥रायः।पो
षेण।सं।सृज॥९॥ऋतून्।यजे।ऋतु॰पतीन्॥आर्तवान्।उत।हायनान्॥समाः।
सं॰वत्सरान्।मासान्॥भूतस्य।पतये।यजे॥१०॥ऋतु॰भ्यः।त्वा।आर्तवेभ्यः।

मात्॰स्यः। संवत्सरे स्यः॥ अत्रे। वि॰अत्रे। सं॰ज्ञभे॥ तस्याः। पत्न्ये। यजे
॥१०॥ इडया। जुह्वतः। वयं। देवान्। घृत॰वता। यजे॥ गृहान्। अलुभ्यतः। व
यं॥ सं। विशेम। उप॰गो॰मतः॥ ११॥ एक॰अष्टका। तपसा। तप्यमाना॥ जजा
न। गर्भं। महिमानं। इंद्रं॥ तेन। देवाः। वि। असहंत। शत्रून्॥ हंता। दस्यूनां।
अभवत्। शची॰पतिः॥ १२॥ इंद्र॰पुत्रे। सोम॰पुत्रे॥ दुहिता। असि। प्रजा॰प
तेः॥ कामान्। अस्माकं। पूरय॥ प्रति। गृह्णाहि। नः। हविः॥ १३॥ ७॥ २०॥ द्वितीयो ४४
नुवाकः॥ अनुवाकस्तापा। ऋचा॰दश॥ ॥ मुंचामि। त्वा। हविषा। जीवनाय। कं। ८।

अज्ञात॰यक्ष्मात्। उत। राज॰यक्ष्मात्॥ ग्राहिः। जग्राह। यदि। एतत्। एनं॥ तस्याः।
इंद्राग्नी इति। प्र। मुमुक्तं। एनं॥ १॥ यदि। क्षित॰आयुः। यदि। वा। परा॰इतः॥ य
दि। मृत्योः। अंतिकं। निः॰ऋतः। एव। तं। आ। हरामि। निः॰ऋतेः। उप॰स्थात्॥ अ
स्पार्शं। एनं। शत॰शारदाय॥ २॥ सहस्र॰अक्षेण। शत॰वीर्येण॥ शत॰आयु
षा। हविषा। आ। अहार्षं। एनं॥ इंद्रः। यथा। एनं। शरदः। न। अति। नयाति॥ अति। विश्वस्य।
दुः॰इतस्य। पारं॥ ३॥ शतं। जीव। शरदः। वर्धमानः॥ शतं। हेमंतान्। शतं। उ
इति। वसंतान्॥ शतं। ते। इंद्रः। अग्निः। सविता। बृहस्पतिः॥ शत॰आयुषा। ह

अ१

विषाः अश्रा । हार्षं । एनं ॥४॥ प्र । विशतं । प्राणापानौ ॥ अनड्वाहौ॰इव । व्रजं ॥ वि । अ-
न्ये । यंतु । मृत्यवः ॥ यान् । आहुः । इतरान् । शतं ॥५॥ इह । एव । स्तं । प्राणापानौ ॥
मा । अप । गातं । इतः । युवं ॥ शरीरं । अस्य । अंगानि ॥ जरसे । वहतं । पुनः ॥६॥
जरायै । त्वा । परि । ददामि ॥ जरायै । नि । धुवामि । त्वा ॥ जरा । त्वा । भद्रा । नेष्ट ॥ वि । अन्ये ।
यंतु । मृत्यवः ॥ यान् । आहुः । इतरान् । शतं ॥७॥ अभि । त्वा । जरिमा । अहित । गां । उ-
क्षणं॰इव । रज्ज्वा ॥ यः । त्वा । मृत्युः । अभि॰अधत्त ॥ जायमानं । सु॰पाशया ॥ ४५
तं । ते । सत्यस्य । हस्ताभ्यां ॥ उत् । अमुंचत् । बृहस्पतिः ॥८॥३॥११॥ ॥ इह । एव । १०

ध्रुवां । नि । मिनोमि । शालां ॥ क्षेमे । तिष्ठाति । घृतं । उक्षमाणा ॥ तां । त्वा । शाले । स-
र्व॰वीराः । सु॰वीराः ॥ अरिष्ट॰वीराः । उप । सं । चरेम ॥१॥ इह । एव । ध्रुवा । प्रति ।
तिष्ठ । शाले ॥ अश्व॰वती । गो॰मती । सूनृता॰वती ॥ ऊर्जस्वती । घृत॰वती । प-
यस्वती ॥ उत् । श्रयस्व । महते । सौभगाय ॥२॥ धरुणी । असि । शाले ॥ बृहत्॰छं-
दाः । पूति॰धान्या ॥ आ । त्वा । वत्सः । गमेत् । आ । कुमारः ॥ आ । धेनवः । सायं । आ॰स्पं-
दमानाः ॥३॥ इमां । शालां । सविता । वायुः । इंद्रः ॥ बृहस्पतिः । नि । मिनोतु ॥ ध ॥
मानस्य । पत्नि । शरणा । स्योना ॥ देवी । देवेभिः । नि॰मिता । असि । अग्रे ॥ तृणं ।
प्र॰जानन् । उक्षंतु । उद्ना । मरुतः । घृतेन ॥ भगः । नः । राजा । नि । कृषिं । तनोतु । २

वसाना। सु॰मनाः। असतः। त्वं॥ अप। असमन्। सह॰वीरं। रयिं। दाः॥ ५॥ ऋतेन।
स्थूणां॥ अधि। रोह। वंश॥ उग्रः। वि॰राजन्। अप। वृंक्ष्व। शत्रून्॥ मा। ते। रिषन्।
उप॰सत्तारः। गृहाणां॥ शाले॥ शतं। जीवम। शरदः। सर्व॰वीराः॥ ६॥ आ। इ मां। कु ऊ
मारः। तरुणः॥ आ। वत्सः। जगता। सह॥ आ। इमां। परि॰स्रुतः। कुंभः॥ आ। द
ध्नः। कलशैः। अगुः॥ ७॥ पूर्णं। नारि। प्र। भर। कुंभं। एतं॥ घृतस्य। धारां। अ
मृतेन। सं॰भृतां॥ इमां। पातॄन्। अमृतेन। सं। अंग्धि॥ इष्टापूर्तं। अभि। रक्षा
ति। एनां॥ ८॥ इमाः। आपः। प्र। भरामि॥ अयक्ष्माः। यक्ष्म॰नाशनीः॥ गृहान्। ११

उप। प्र। सीदामि॥ अमृतेन। सह॥ अग्निना॥ ९॥ ३॥ १२॥ ॥ यत्। अदः। सं॰प्रय
तीः॥ अहौ। अनदत। हते॥ तस्मात्। आ। नद्यः। नाम। स्थ॥ ताः। वः। नामानि॥ सिंध
वः॥ १॥ यत्। प्र॰इषिताः। वरुणेन॥ आत्। शीभं। सं॰अवल्गत॥ तत्। आप्नोत्।
इंद्रः। वः। यतीः॥ तस्मात्। आपः। अनु। स्थन॥ २॥ अप॰कामं। स्यंदमानाः॥ अवी
२।२ वरत। वः। हि। कं॥ इंद्रः। वः। शक्ति॰भिः। देवीः॥ तस्मात्। वाः। नाम। वः। हितं॥ ३॥ एकः।
वः। देवः। अपि। अतिष्ठत्॥ स्यंदमानाः। यथा॰वशं॥ उत्। आनिषुः। महीः। इति
तस्मात्। उदकं। उच्यते॥ ४॥ आपः। भद्राः। घृतं। इत्। आपः। आसन्। अग्नी

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

पोमैः॥ बिभ्रतिः। आ। पनं। इत्। ताः॥ तीव्रः। रसं। मधु॰पृचां। अरं॰गमः॥ आ।
मा। प्राणेन। सह। वर्चसा। गमेत्॥ पा। आ। तां। इत्। पश्यामि। उत। वा। स्पृणोमि॥
आ। मा। घोषः। गच्छतु। वाक्। मा। आसां॥ अन्याः। ते। ज्ञानं॥ अमृतस्या। तर्हि॥ हिर
एय॰वर्णाः। अहृपं। यदा। वः॥ द्वा। इदं। वः। आर्थं। हृदयं॥ अयं। वत्सः। ऋत॰
वरीः॥ ४ इह। इत्थं। आ। इत। शक्वरीः॥ यत्र। इदं। वेशयामि। वः॥ द्वा। ७॥ १३॥ ॥ सं
वः। गो॰स्थेन। सु॰सदा। सं। रय्या। सं। सुं॰भूत्या॥ अहः॰जातस्य। यत्। नाम। ते ४१
ना। वः। सं। सृजामसि॥ १ सं। वः। सृजतु। अर्यमा। सं। पूषा। सं। बृहस्पतिः॥ सं। १२

इंद्रः। यः। धनं॰जयः॥ मयि। पुष्यत। यत्। वसु॥ २। सं॰जग्मानाः। अबिभ्युषीः॥ अ
स्मिन्। गो॰स्थे। करीषिणीः॥ बिभ्रतीः। सोम्यं। मधु॥ अनमीवाः॥ उप॰एत
न॥ ३ इह। एव। गाः। वः। आ। इतन॥ इह। उ। इति। शकाः॰इव। पुष्यत॥ इह। एव। उत।
प्र। जायध्वं॥ मयि। सं॰ज्ञानं। अस्तु। वः॥ ४ शिवः। वः। गो॰स्थः। भवतु॥ शारि। शा
का॰इव। पुष्यत॥ इह। एव। उत। प्र। जायध्वं॥ मया। वः। सं। सृजामसि॥ ५ मया।
गावः। गो॰पतिना। सचध्वं॥ अयं। वः। गो॰स्थः। इह। पोषयिष्णुः॥ रायः। पोषेण।
बहुला। भवंतीः॥ जीवाः। जीवंतीः॥ उप। वः। सदेम॥ द्वा। ७॥ १४॥ ॥ इंद्रः। अहं। वणि

जों।चोदयामि॥सः।नः।आ।एतु।पुरः०एता।नः।अस्तु॥नुदन्।अरातिं।परि०
पंथिनं।मृगं॥सः।ईशानः।धन०दाः।अस्तु।मह्यं॥१॥ये।पंथानः।बहवः।
देव०यानाः॥अंतरा।द्यावापृथिवी इति।सं०चरंति॥ते।मा।जुषंतां।पय
सा।घृतेन॥यथा।क्रीत्वा।धनं।आ०हराणि॥२॥इध्मेन।अग्ने।इच्छमानः।घृते
न।जुहोमि।हव्यं।तरसे।बलाय॥यावत्।ईशे।ब्रह्मणा।वंदमानः॥इ ४८
मां।धियं।शत०सेयाय।देवीं॥३॥इमां।अग्ने।शरणिं।मीमृषः।नः॥यं।अ
ध्वानं।अगाम।दूरं॥शुनं।नः।अस्तु।प्र०पणः।विक्रयः।च॥प्रति०पणः। १३

धनेर धर

फलिनं।मा।कृणोतु।इदं।हव्यं।सं०विदानौ।जुषेथां॥शुनं।नः।अस्तु।चरितं।
उत्थितं।च॥४॥येन।धनेन।प्र०पणं।चरामि॥धनेन।देवाः।धनं।इच्छमानः॥तत्।मे।
भूयः।भवतु।मा।कनीयः॥अग्ने।सातघ्नः।देवान्।हविषा।नि।सेध॥५॥ये
न।धनेन।प्र०पणं।चरामि।धनेन।देवाः।धनं।इच्छमानः॥तस्मिन्।मे।इंद्रः।
रुचिं।आ।दधातु॥प्रजा०पतिः।सविता।सोमः।अग्निः॥६॥उप।त्वा।नमसा।वयं॥
होतः।वैश्वानर।स्तुमः॥सः।नः।प्रजासु।आत्मसु।गोषु।प्राणेषु।जागृहि॥७॥
विश्वाहा।ते।सदं।इत्।भरेम।अश्वाय०इव।तिष्ठते।जात०वेदः॥रायः।पो

षिस्राः। सा। इषा। मदंतः॥ मा। तु। अग्ने। प्रतिऽवेशाः। रिषाम॥८॥१५॥७॥ पंचमः
प्रपाठकः॥ तृतीयोऽनुवाकः॥ ॥ अनुवाके सूक्त ५। ऋचा ३८। अष्टौ॥ ॐ प्रातः।
अग्निं। प्रातः। इंद्रं। हवामहे॥ प्रातः। मित्रावरुणा। प्रातः। अश्विना॥ प्रातः। भगं।
पूषणं। ब्रह्मणः। पतिं। प्रातः। सोमं। उत। रुद्रं। हुवामहे॥१॥ प्रातःऽजितं। भगं।
उग्रं। हुवामहे। वयं। पुत्रं। अदितेः। यः। विऽधर्ता॥ आध्रः। चित्। यं। मन्यमा
नः। तुरः। चित्। राजा। चित्। यं। भगं। भक्षि। इति। आह॥२॥ भग। प्रऽनेतः। भग। सत्य
राधः॥ भग। इमां। धियं। उत्। अव। ददत्। नः॥ भग। प्र। नः। जनय। गोभिः १५

१४

अश्वैः। भग। प्र। नृऽभिः। नृऽवंतः। स्याम॥३॥ उत। इदानीं। भगऽवंतः। स्याम। उत।
प्रऽपित्वे। उत। मध्ये। अह्नां॥ उत। उत्ऽइतौ। मघऽवन्। सूर्यस्य॥ वयं। देवानां।
सुऽमतौ। स्याम॥४॥ भग। एव। भगऽवान्। अस्तु। देवाः॥ तेन। वयं। भगऽवं
तः। स्याम॥ तं। त्वा। भग। सर्वः। इत्। जोहवीमि॥ सः। नः। भग। पुरःऽएता। भव।
इह॥५॥ सं। अध्वराय। उषसः। नमंत। दधिक्रावाऽइव। शुचये। पदाय॥ अर्वाचीनं।
वसुऽविदं। भगं। नः। रथंऽइव। अश्वाः। वाजिनः। आ। वहंतु॥६॥ अश्वऽवतीः। गोऽ
मतीः। नः। उषसः। वीरऽवतीः। सदं। उच्छंतु। भद्राः॥ घृतं। दुहानाः। विश्वतः। प्रऽ

पीताः॥ यूयं। पात। स्वस्तिऽभिः। सदा। नः॥ ७॥ छ॥ २६॥ ॥ सीरा। युंजंति। कवयः।
युगा। वि। तन्वते। पृथक्॥ धीराः। देवेषु। सुम्नऽया॥ १॥ युनक्त। सीराः। वि। युगा। त
नोत॥ कृते। योनौ। वपत। इह। बीजम्॥ विराजः। श्नुष्टिः। सऽभराः। असत्। नः।
नेदीयः। इत्। सृण्यः। पक्वं। आ। अयवन्॥ २॥ लांगलं। पवीरऽवत्॥ सुऽशेवं। सोम
सत्ऽसरु॥ उत्। इत्। वपतु। गां। अविं। प्रस्थाऽवत्। रथऽवाहनं॥ पीबरीं। च। प्र
फर्व्यं॥ ३॥ इंद्रः। सीतां। नि। गृह्णातु। तां। पूषा। अभि। रक्षतु॥ सा। नः। पयस्व ५०
ती। दुहां॥ उत्तराम्ऽउत्तरां। समां॥ शुनं। सुऽफालाः। वि। तुदंतु। भूमिं॥ १५

शुनं। कीनाशाः। अभि। यंतु। वाहान्॥ शुनासीरा। हविषा। तोशमाना॥ सुऽपिप्पलाः।
ओषधीः। कर्त्त। अस्मै॥ ५॥ शुनं। वाहाः। शुनं। नरः। शुनं। कृषतु। लांगलं॥ शुनं। वर
त्राः। बध्यंतां॥ शुनं। अष्ट्रां। उत्। इंगय॥ ६॥ शुनासीरा। इह। स्म। मे। जुषेथां॥ यत्।
दिवि। चक्रथुः। पयः॥ तेन। इमां। उप। सिंचतम्॥ ७॥ सीते। वंदामहे। त्वा। अर्वा
ची। सुऽभगे। भव॥ यथा। नः। सुऽमनाः। असः। यथा। नः। सुऽफला। भुवः॥ ८॥ घृतेन।
सीता। मधुना। संऽअक्ता॥ विश्वैः। देवैः। अनुऽमता। मरुत्ऽभिः॥ सा। नः। सीते।
पयसा। अभिऽआववृत्स्व॥ ऊर्जस्वती। घृतऽवत्। पिन्वमाना॥ ९॥ छ॥ २७॥ इमां।

खनामि। ओषधिं॥ वीरुधां। बलवत्ऽतमां॥ ययां। सऽपत्नीं। बाधते॥ ययां। संऽवि
दते। पतिं॥१॥ उत्तानऽपर्णे। सुऽभगे॥ देवऽजूते। सहस्वति॥ सऽपत्नीं। मे।
परां। नुद॥ पतिं। मे। केवलं। कुरु॥२॥ नहि। ते। नाम। जग्राह। नो इति। अस्मिन्।
रमसे। पतौ। परां। एव। परावतं। सऽपत्नीं। गमयामसि॥३॥ उत्ऽतरा। अहं।
उत्ऽतरे॥ उत्ऽतरा। इत्। उत्ऽतराभ्यः॥ अधः। सऽपत्नी। या। मम। अधरा। सा।
अधराभ्यः॥४॥ अहं। अस्मि। सहमाना॥ अथो इति। त्वं। असि। ससहिः॥ उभे इ २१
ति। सहस्वती इति। भूत्वा॥ सऽपत्नीं। मे। सहावहै॥५॥ अभि। ते। अधां। सहमानां॥ १६

उप। अधां। सहीयसीं॥ मां। अनु। प्र। ते। मनः॥ वत्सं। गौःऽइव। धावतु। पथा।
वाःऽइव। धावतु॥६॥ ॥१८॥ ॥ संऽशितं। मे। इदं। ब्रह्म। संऽशितं। वीर्यं। ब
लं॥ संऽशितं। क्षत्रं। अजरं। अस्तु। जिष्णुः॥ येषां। अस्मि। पुरःऽहितः॥१॥ सं। अहं।
एषां। राष्ट्रं। स्यामि॥ सं। ओजः। वीर्यं। बलं॥ वृश्चामि। शत्रूणां। बाहून्। अनेन। ह
२।३ विषा। अहं॥२॥ नीचैः। पद्यन्तां। अधरे। भवन्तु॥ ये। नः। सूरिं। मघऽवानं। पृतन्यान्।
क्षिणामि। ब्रह्मणा। अमित्रान्। उत्। नयामि। स्वान्। अहं॥३॥ तीक्ष्णीयांसः। पर
शोः॥ अग्नेः। तीक्ष्णऽतराः। उत॥ इंद्रस्य। वज्रात्। तीक्ष्णीयांसः॥ येषां। अस्मि। पु

रः॰शितः॥६॥ एषां। अहं। आयुधा। सं। स्यामि॥ एषां। राष्ट्रं। सु॰वीरं। वर्द्धयामि॥ ए
षां। क्षत्रं। अजरं। अस्तु। जिष्णु॥ एषां। चित्तं। विश्वे। अवंतु। देवाः॥५॥ उत्। हृष्यं
तां। मघ॰वन्। वाजिनानि॥ उत्। वीराणां। जयतां। एतु। घोषः॥ पृथक्। घोषाः॥
उलुलयः॥ केतु॰मंतः॥ उत्। ईरतां॥ देवाः। इंद्र॰ज्येष्ठाः॥ मरुतः। यंतु। सेन
या॥६॥ प्र। इत। जयत। नरः॥ उग्राः। वः। संतु। बाहवः॥ तीक्ष्ण॰इषवः। अबल॰
धन्वनः। हत॥ उग्र॰आयुधाः। अबलान्। उग्र॰बाहवः॥७॥ अव॰सृष्टा। परा। ५२
पत। शरव्ये। ब्रह्म॰संशिते॥ जय। अमित्रान्। प्र। पद्यस्व॥ जहि। एषां। वरं॰व

रं॥ मा। अमीषां। मोचि। कः। चन॥८॥३१॥ ॥ अयं। ते। योनिः। ऋत्वियः॥ यतः
जातः। अरोचथाः॥ तं। जानन्। अग्ने। आ। रोह॥ अथ। नः। वर्द्धय। रयिं॥१॥ अग्ने
अच्छ। वद। इह। नः॥ प्रत्यङ्। नः। सु॰मनाः। भव॥ प्र। नः। यच्छ। विशां। पते॥ धन॰
दाः। असि। नः। त्वं॥२॥ प्र। नः। यच्छतु। अर्यमा॥ प्र। भगः। प्र। बृहस्पतिः॥ प्र। देवीः॥
प्र। उत। सूनृता॥ रयिं। देवी। दधातु। मे॥३॥ सोमं। राजानं। अवसे। अग्निं। गीः॰
भिः। हवामहे॥ आदित्यं। विष्णुं। सूर्यं। ब्रह्माणं। च। बृहस्पतिं॥४॥ त्वं। नः। अग्ने। अ
ग्नि॰भिः। ब्रह्म। यज्ञं। च। वर्द्धय॥ त्वं। नः। देव। दातवे॥ रयिं। दानाय। चोदय॥५॥

इंद्रवायू इति । उभौ । इह ॥ सु॰हवा । इह । हवामहे । यथा । नः । सर्वः । इत् । जनः ॥
सं॰गत्यां । सु॰मनाः । असत् ॥ दान॰कामः । च । नः । भुवत् ॥ ६ ॥ अर्यमणं । बृह
स्पतिं ॥ इंद्रं । दानाय । चोदय ॥ वातं । विष्णुं । सरस्वतीं ॥ सवितारं । च । वाजिनं ॥ ७ ॥
वाजस्य । नु । प्र॰सवे । सं । बभूविम ॥ इमा । च । विश्वा । भुवनानि । अंतः ॥ उत । अदि
त्संतं । दापयतु । प्र॰जानन् ॥ रयिं । च । नः । सर्व॰वीरं । नि । यच्छ ॥ दुह्रां । मे । पंच । प्र॰ ३३
दिशः ॥ दुह्रां । उर्वीः । यथा॰बलं ॥ प्र । आपेयं । सर्वाः । आ॰कूतीः ॥ मनसा । हृ
दयेन । च ॥ गो॰सनिं । वाचं । उत् । एयं । वर्चसा । मा । अभि । उत् । इहि ॥ आ । रुंधां ।

१८

15

सर्वतः । वायुः । त्वष्टा । पोषं । दधातु । मे ॥ १० ॥ ४ ॥ २० ॥ चतुर्थोनुवाकः ॥ अनुवाक
सू । ५ ऋ । ५० । दश ॥ ये । अग्नयः । अप्॰सु । अंतः ॥ ये । वृत्रे । ये । पुरुषे । ये । अश्म॰
सु ॥ यः । आ॰विवेश । ओषधीः । यः । वनस्पतीन् ॥ तेभ्यः । अग्नि॰भ्यः । हुतं । अस्तु ।
एतत् ॥ १ ॥ यः । सोमे । अंतः । यः । गोषु । अंतः । यः । आ॰विष्टः । वयः॰सु । यः । मृगेषु ॥ यः ।
आ॰विवेश । द्वि॰पदः । यः । चतुः॰पदः । तेभ्यः ॥ २ ॥ यः । इंद्रेण । स॰रथं । याति । दे
वः ॥ वैश्वानरः । उत । विश्व॰दाव्यः ॥ यं । जोहवीमि । पृतनासु । ससहिं । तेभ्यः ॥
यः । देवः । विश्व॰अत् । यं । ऊं इति । कामं । आहुः ॥ यं । दातारं । प्रति॰गृह्णंतं । आ

ऋः । यः । धीरः । शक्रः । परि॰भूः । अदाभ्यः । तेभ्यः । धायं । चा । होतारं । मनसा ।
अभि । सं॰विदुः ॥ त्रयः॰दश । भौवनाः । पंच । मानवाः ॥ वर्चः॰धसः । यशसः । सूनृ
ताः॰वाताः ॥ तेभ्यः ॥ पा । उक्ष॰अन्नाय । वशा॰अन्नाय ॥ सोम॰पृष्ठाय । वेधसे ॥ वै
श्वानर॰ज्येष्ठेभ्यः । तेभ्यः ॥ द्यां । दिवं । पृथिवीं । अनु । अन्तरिक्षं ॥ ये । वि॰द्युतं
अनु॰संचरंति ॥ ये । दिक्षु । अन्तः ॥ ये । वाते । अन्तः ॥ तेभ्यः । अग्नि॰भ्यः । हुतं । अ
स्तु । एतत् ॥ ७ हिरण्य॰पाणिं । सवितारं । इन्द्रं । बृहस्पतिं । वरुणं । मित्रं । अग्निं । वि २४
श्वान् । देवान् । अंगिरसः । हवामहे ॥ इमं । क्रव्य॰अदं । शमयंतु । अग्निं ॥ ८ शां १८

तः । अग्निः । क्रव्य॰अत् ॥ शांतः । पुरुष॰रेषणः ॥ अथो इति । यः । विश्व॰दाव्यः ॥
तं । क्रव्य॰अदं । अशीशमं ॥ ९ ये । पर्वताः । सोम॰पृष्ठाः ॥ आपः । उत्तान॰शी
वरीः ॥ वातः । पर्जन्यः । आत् । अग्निः ॥ ते । क्रव्य॰अदं । अशीशमन् ॥ १० ॥ ६ ॥ २१ ॥
हस्ति॰वर्चसं । प्रथतां । बृहत् । यशः ॥ अदित्याः । यत् । तन्वः । सं॰बभूव ॥ तत् । स
र्वे । सं । अदुः । मह्यं । एतत् ॥ विश्वे । देवाः । अदितिः । स॰जोषाः ॥ १ मित्रः । च । वरु
णः । च । इन्द्रः । रुद्रः । च । चेततु ॥ देवासः । विश्व॰धायसः ॥ ते । मा । अंजंतु । वर्च
सा ॥ २ येन । हस्ती । वर्चसा । सं॰बभूव ॥ येन । राजा । मनुष्येषु । अप्॰सु । अन्तः ॥

येनमदेवाःदेवतां।अग्रेअआयम्॥तेनमां।अघ।वर्चसा॥अग्ने।वर्चस्विनं।
कृणु॥१यत।ते।वर्चसजातं।वदः।बृहत।नवति।आं।कृतः॥यावत्
त्स्यस्य।वर्च।आसुरस्य।वा।हस्तिनः॥ तावत्।मा।अश्विना।वर्चआ।
धत्तां।पुष्करं।स्रजा॥१॥यावत्।चतस्त्रः।प्रं।दिशः।चक्षुः।यावत्।सं।अ
स्नुते॥तावत्।सं।एतु।इंद्रियं।मयितत्।हस्तिं।वर्चसं॥१॥हस्ती।मृग
णां।सुं।सदं।अतिस्थां।वान्।बत्त्व।हि।तस्य।नमेन।वर्चसा॥अग्नि। २५
सिंचामि।मां।अहं॥३॥ब॥२२॥ ॥येन।वेहत।बत्त्वविथ।नाशयामसि।

२

तत्।चत्॥इदं।तत्।अन्यत्र।चत्।अपान्दुरो।नि।दध्मसि॥१॥आ।ते।योनिं।ग
र्भः।एतु।पुमान्।बाणः।इव।इषुं।धिं॥आ।वीरः।अत्र।जायतां॥पुत्रः।ते।
दशमास्यः॥पुमांसं।पुत्रं।जनय।तं।पुमान्।अनुजायतां॥नवासि।पुत्राणां।
माता॥जातानां।जनयाः।च।यो॥३॥यानि।भद्राणि।बीजानि॥ऋषभाः।जनयंति।
च॥तैः।चं।पुत्रं।विंदस्व॥सा।प्रंसूः।धेनुका।भव॥४॥कृणोमि।ते।प्राजा
पत्यं॥आ।योनिं।गर्भः।एतु।ते॥विंदस्व।त्वं।पुत्रं।नारि॥यः।तुभ्यं।शं।असत्।
शं।ॐ।इति।तस्मै।त्वं।भव॥५॥यासां।द्यौः।पिता।पृथिवी।माता॥समुद्रः।मूलं

वीरुधां । बृहत्वा । ताः । वः । पुत्र॰विद्याय । देवीः । प्र । अवंतु । उषधयः ॥ ६ ॥ ७ ॥
॥ २३ ॥ पयस्वतीः । उषधयः ॥ पयस्वत् । मामकं । वचः ॥ अथो इति । पयस्वतीनां ।
आ । भरे । अहं । सहस्र॰शः ॥ १ ॥ वेद । अहं । पयस्वंतं । चकार । धान्यं । बहु ।
सं॰भृत्वा । नाम । यः । देवः । तं । वयं । हवामहे ॥ यः॰यः । अयज्वनः । गृहे ॥ २ ॥
इमाः । याः । पंच । प्र॰दिशः । मानवीः । पंच । कृष्टयः ॥ वृष्टे । शापं । नदीः॰इव ॥
इह । स्फातिं । सं॰आवहान् ॥ ३ ॥ उत्॰उत्सं । शत॰धारं । सहस्र॰धारं । अक्षि- २६
तं ॥ एव । अस्माकं । इदं । धान्यं ॥ सहस्र॰धारं । अक्षितं ॥ ४ ॥ शत॰हस्त । सं॰

आ-
हर ॥ सहस्र॰हस्त । सं । किर ॥ कृतस्य । कार्यस्य । च ॥ इह । स्फातिं । सं॰आवह ॥ ५ ॥
तिस्रः । मात्राः । गंधर्वाणां । चतस्रः । गृह॰पत्न्याः ॥ तासां । या । स्फातिमत्॰तमा ।
तया । त्वा । अभि । मृशामसि ॥ उप॰ऊहः । च । सं॰ऊहः । च ॥ क्षत्तारौ । ते ।
प्रजा॰पते ॥ तौ । इह । आ । वहतां । स्फातिं ॥ बहुं । भूमानं । अक्षितं ॥ ७ ॥ ७ ॥ २४ ॥
उत्॰तुदः । त्वा । उत् । तुदतु ॥ मा । धृथाः । शयने । स्वे ॥ इषुः । कामस्य । या । भी-
मा ॥ तया । विध्यामि । त्वा । हृदि ॥ १ ॥ आधी॰पर्णां । काम॰शल्यां ॥ इषुं । संकल्प-
कुल्मलां ॥ तां । सु॰संनतां । कृत्वा ॥ कामः । विध्यतु । त्वा ॥ २ ॥ या । प्लीहानं । शोष

यति॥ कामस्य। इषुः। सुऽसंनता॥ प्राचीनऽपक्षा। विऽओषा। तया। विध्यामि।
त्वा। हृदि॥ ३॥ शुचा। विद्धा। विऽओषया। शुष्कऽआस्या। अभि। सर्प। मा॥ मृदुः।
निऽमन्युः। केवली॥ प्रियऽवादिनी। अनुऽव्रता॥ ४॥ आ। अज्मि। त्वा।
आऽअजन्या॥ पत्सि। मातुः। अथो इति। पितुः॥ यथा। मम। क्रतौ। असः॥ मम।
चित्तम्। उपऽआयसि॥ ५॥ वि। अस्यै। मित्रावरुणौ। हृदः। चित्तानि। अस्यतम्॥ २२
अथ। एनाम्। अक्रतुम्। कृत्वा॥ मम। एव। कृणुतम्। वशे॥ ६॥ २५॥ पंचमोनुवाकः॥
अनुवाके सू॰। १ ऋ॰। ३५। पंचवर्गाः॥ ॥ ये। अस्याम्। स्थ। प्राच्याम्। दिशि॥ हेतयः। नाम।

देवाः। तेषाम्। वः। अग्निः। इषवः॥ ते। नः। मृडत। ते। नः। अधि। ब्रूत॥ तेभ्यः। वः। नमः।
तेभ्यः। वः। स्वाहा॥ १॥ स्थ। दक्षिणायाम्। दिशि॥ अविष्यवः। नाम। देवाः॥ तेषाम्। वः।
कामः। इषवः॥ २॥ स्थ। प्रतीच्याम्। दिशि॥ विराजः। नाम। देवाः॥ तेषाम्। वः। आपः।
इषवः॥ ३॥ स्थ। उदीच्याम्। दिशि॥ प्रऽविध्यन्तः। नाम। देवाः। तेषाम्। वः। वातः। इष-
वः॥ ४॥ स्थ। ध्रुवायाम्। दिशि॥ निऽलिम्पाः। नाम। देवाः॥ तेषाम्। वः। ओषधीः। इषवः।
५॥ ये। अस्याम्। स्थ। ऊर्ध्वायाम्। दिशि॥ अवस्वन्तः। नाम। देवाः॥ तेषाम्। वः। बृहस्पतिः।
इषवः॥ ते। नः। मृडत। ते। नः। अधि। ब्रूत॥ तेभ्यः। वः। नमः। तेभ्यः। वः। स्वाहा॥ ६॥ २६॥

अधिपति॰भ्यः नमः रक्षितृ॰भ्यः नमः इषु॰भ्यः नमः एभ्यः अस्तु॥ (faded)

॥२८॥ प्राची॥ दिक्॥ अग्निः॥ अधि॰पतिः॥ असितः॥ रक्षिता॥ आदित्याः॥ इषवः॥ ते
भ्यः नमः॥ अस्तु॥ यः॥ अस्मान्॥ द्वेष्टि॥ यं॥ वयं॥ द्विष्मः॥ तं॥ वः॥ जंभे॥ दध्मः॥१॥
दक्षिणा॥ दिक्॥ इंद्रः॥ अधि॰पतिः॥ तिरश्चि॰राजिः॥ रक्षिता॥ पितरः॥ इषवः॥२
प्रतीची॥ दिक्॥ वरुणः॥ अधि॰पतिः॥ पृदाकुः॥ रक्षिता॥ अन्नं॥ इषवः॥३॥ उदी
ची॥ दिक्॥ सोमः॥ अधि॰पतिः॥ स्वजः॥ रक्षिता॥ अशनिः॥ इषवः॥४॥ ध्रुवा॥ दिक्॥
विष्णुः॥ अधि॰पतिः॥ कल्माष॰ग्रीवः॥ रक्षिता॥ वीरुधः॥ इषवः॥५॥ ऊर्ध्वा॥ दिक्॥ बृह॥ २६
स्पतिः॥ अधि॰पतिः॥ श्वित्रः॥ रक्षिता॥ वर्षं॥ इषवः॥ तेभ्यः॥ नमः॥ अधिपति॰भ्यः॥ 58

२३

नमः॥ रक्षितृ॰भ्यः॥ नमः॥ इषु॰भ्यः॥ नमः॥ एभ्यः॥ अस्तु॥ यः॥ अस्मान्॥ द्वेष्टि॥ यं॥ व
यं॥ द्विष्मः॥ तं॥ वः॥ जंभे॥ दध्मः॥६॥७॥२७॥ ॥एक॰एकया॥ एषा॥ सृष्ट्या॥ सं॥
बभूव॥ यत्र॥ गाः॥ असृजंत॥ भूत॰कृतः॥ विश्व॰रूपाः॥ यत्र॥ वि॰जायते॥ य
मिनी॥ अप॰ऋतुः॥ सा॥ पशून्॥ क्षिणाति॥ रिफती॥ रुशती॥१॥ एषा॥ पशून्॥ सं॥ क्षि
णाति॥ क्रव्य॰अत्॥ भूत्वा॥ वि॰अद्वरी॥ उत॥ एनां॥ ब्रह्मणे॥ दद्यात्॥ तथा॥ स्यो
ना॥ शिवा॥ स्यात्॥२॥ शिवा॥ भव॥ पुरुषेभ्यः॥ गोभ्यः॥ अश्वेभ्यः॥ शिवा॥ शिवा॥ अ
स्मै॥ सर्वस्मै॥ क्षेत्राय॥ शिवा॥ नः॥ इह॥ एधि॥ इह॥ पुष्टिः॥ इह॥ रसः॥ इह॥ सहस्र॰

सातमा।नवा।पुरुषन्।यमिनि।पोषय॥७॥यत्रासुहार्दाःसु॰कृतःमदंति॥
वि॰हाय॥रोगं।तन्वः।स्वायाः॥तं।लोकं।यमिन्या।अभि॰संबभूव॥सा।नः।
मा।हिंसीत्।पुरुषान्।पुरुषन्।वा॥५॥यत्रासु॰हार्दाःसु॰कृतां॥अग्निहोत्रहु
तां।यत्र।लोकः॥तं।लोकं।यमिन्या।अभि॰संबभूव॥सा।नः।मा।हिंसीत्।पुरु
षान्।पुरुषन्।वा॥६॥७॥२८॥ ॥यत्।राजानः।वि॰भजंत॥इष्टापूर्तस्य॥षोड
शं॥यमस्य॥अमी इति॥सना॰सदः॥अविः।तस्मात्।प्र।मुंचति।दत्तः।शिति॰ ५९ 59
पात्।स्वधा॥१॥सर्वान्।कामान्।पूरयति॥आ॰भवन्।प्र॰भवन्।भवन्॥आ

२४

अविं।लोकेन।संमि॰ मितं॥३

कृति॰प्र॰।अविः।दत्तः॥शिति॰पात्।न।उप॰दस्यति॥२॥यः।ददाति।शिति॰
पादं।अविं।लोकेन।सं॰मितं॥सः।नाकं।अभि॰आरोहति॥यत्र।शुल्कः।न
क्रियते।अबलेन।बलीयसे॥३॥पंच॰अपूपं।शिति॰पादं॥प्र॰दाता।उप॰जी
वति॥पितॄणां।लोके।अक्षितं॥४॥पंच॰अपूपं।शिति॰पादं।अविं।लोकेन।सं॰
मितं॥प्र॰दाता।उप॰जीवति॥सूर्यामासयोः।अक्षितं॥५॥इरा॰इव।न।उप
दस्यति॥समुद्रः॰इव।पयः।महत्॥देवौ।सवासिनौ॰इव॥शिति॰पात्।न।
उप॰दस्यति॥६॥कः।इदं।कस्मै।अदात्॥कामः।कामाय।अदात्॥कामः

दाता । कामं । प्रतिऽगृहीता ॥ कामं । समुद्रं । आ । विवेश ॥ कामेन । त्वा । प्रति । गृ
ह्णामि ॥ काम । एतत् । ते ॥ ७ ॥ भूमिः । त्वा । प्रति । गृह्णातु । अंतरिक्षं । इदं । महत् ॥
मा । अहं । प्राणेन । मा । आत्मना । मा । प्रजया । प्रतिऽगृह्य । वि । राधिषि ॥ ८ ॥ ६ ॥
। २९ ॥ सऽहृदयं । सांऽमनस्यं ॥ अविऽद्वेषं । कृणोमि । वः ॥ अन्यः । अन्यं । अभि । हर्य
त ॥ वत्सं । जातंऽइव । अघ्न्या ॥ १ ॥ अनुऽव्रतः । पितुः । पुत्रः ॥ माता । भवतु । संऽमनाः ॥
जाया । पत्ये । मधुऽमतीं ॥ वाचं । वदतु । शंतिऽवां ॥ २ ॥ मा । भ्राता । भ्रातरं । द्विक्ष ६०
त् ॥ मा । स्वसारं । उत । स्वसा ॥ सम्यंचः । सऽव्रताः । भूत्वा ॥ वाचं । वदत । भद्रया ॥ ३ ॥ येन ।

२४

देवाः । न । विऽयंति । नो । इति । च । विऽद्विषते । मिथः ॥ तत् । कृण्मः । ब्रह्म । वः । गृहे ।
संऽज्ञानं । पुरुषेभ्यः ॥ ४ ॥ ज्यायस्वंतः । चित्तिनः । मा । वि । यौष्ट ॥ संऽराधयंतः । सऽ
धुराः । चरंतः ॥ अन्यः । अन्यस्मै । वल्गु । वदंतः । आ । इत ॥ सध्रीचीनान् । वः । संऽम
नसः । कृणोमि ॥ ५ ॥ समानी । प्रऽपा । सह । वः । अन्नऽभागः । समाने । योक्त्रे । सह । वः । यु
नज्मि ॥ सम्यंचः । अग्निं । सपर्यत ॥ अराः । नाभिंऽइव । अभितः ॥ ६ ॥ सध्रीचीनान् । वः ।
संऽमनसः । कृणोमि ॥ एकऽश्नुष्टीन् । संऽवननेन । सर्वान् ॥ देवाःऽइव । अमृतं । र
क्षमाणाः ॥ सायंऽप्रातः । सौमनसः । वः । अस्तु ॥ ७ ॥ ७ ॥ ३० ॥ वि । देवाः । जरसा । अ

हृतं॑नू । वि । वं॒ । अ॒ग्ने । अ॒सत्या॑ ॥ वि । अ॒हं । स॒र्वे॑ण । पा॒प्मना॑ ॥ वि । य॒क्ष्मेण॑ । सं । आयु॑-

षा ॥ १ ॥ वि । आ॒र्त्या । पव॑मानः ॥ वि । श॒क्रः । पा॒प॒ऽकृ॒त्यया॑ ॥ २ ॥ वि । ग्रा॒म्याः । प॒शवः॑ ।

आ॒र॒ण्यैः ॥ वि । आपः॑ । तृ॒ष्णया॑ । अ॒सर॒न् ॥ ३ ॥ वि । इ॒मे इति॑ । द्यावा॑पृथि॒वी इति॑ । इ॒तः ॥ ६१

वि । पन्था॑नः । दिशं॑ऽदिशं ॥ ४ ॥ त्वष्टा॑ । दु॒हि॒त्रे । व॒ह॒तुं । यु॒न॒क्ति॒ । इति॑ । इ॒दं । विश्वं॑ ।

भुव॑नं । वि । या॒ति॒ ॥ ५ ॥ अ॒ग्निः । प्रा॒णान् । सं । द॒धा॒ति॒ ॥ च॒न्द्रः । प्रा॒णेन॑ । सं॒ऽहि॒तः ॥ ६ ॥ प्रा॒-

णेन॑ । वि॒श्वतः॑ऽवीर्यं ॥ दे॒वाः । सूर्यं॑ । सं । ऐ॒र॒य॒न् ॥ ७ ॥ आयु॑ष्मतां । आ॒यु॒ःऽकृतां॑ । प्रा॒णे- २२

न॑ । जीव॑ । मा । मृ॒थाः॒ ॥ ८ ॥ प्रा॒णेन॑ । प्रा॒ण॒तां । प्र । अ॒न॒ ॥ इ॒ह । ए॒व । भ॒व॒ । मा । मृ॒थाः॒ ॥ ९ ॥ उत् । आ-

२९

यु॒षा ॥ उत् । ओष॑धीनां । रसे॑न ॥ १० ॥ आ । प॒र्जन्य॑स्य । वृ॒ष्ट्या ॥ उत् । अ॒स्था॒म॒ । अ॒मृताः॑ ।

व॒यं ॥ वि । अ॒हं । स॒र्वे॑ण । पा॒प्मना॑ ॥ वि । य॒क्ष्मेण॑ । सं । आयु॑षा ॥ ११ ॥ ७ ॥ ३१ ॥ षष्ठो॑ऽनु-

वा॒कः ॥ अ॒नु॒वा॒के सू॒क्तानि॑ । ४४ ॥ च॒तुर्द॒शां । त्या । अ॒नु॒वा॒क॒स॒ख्य सं॒ख्यां । वि॒द॒ध्य॒म दश-

कानि मि॒त्त्वा॒त् ॥ षष्ठः॑ प्र॒पा॒ठ॒कः स॒मा॒प्तः ॥ तृ॒तीयं॑ कां॒डं स॒मा॒प्तं ॥ ॥ ॐ ब्रह्म॑ । ज॒ज्ञा॒नं ।

प्र॒थ॒मं । पु॒रस्ता॑त् ॥ वि । सी॒म॒तः । सु॒ऽरु॒चः॑ । वे॒नः । आ॒व॒ः ॥ सः । बु॒ध्न्याः॑ । उ॒प॒ऽमाः । अ॒स्य॒ ।

वि॒ऽस्थाः ॥ स॒तः । च॒ । योनिं॑ । अस॑तः । च॒ । वि । व॒रिति॑ ॥ १ ॥ इ॒यं । पित्र्या॑ । रा॒ष्ट्री । ए॒तु॒ । अग्रे॑ । प्र॒थ॒-

माय॑ । ज॒नुषे॑ । भु॒व॒ने॒ऽस्थाः ॥ तस्मै॑ । ए॒तं । सु॒ऽरु॒चं । ह्वा॒रं । अ॒ह्यं॑ ॥ घ॒र्मं । श्री॒ण॒न्तु॒ । प्र॒थ॒मा॑

MEMORIAL

पाथस्य वा ॥२॥ प्र । यः । जज्ञे । विद्वान् । अस्य । बंधुं । विश्वा । देवानां । जनिम । विव
क्ति ॥ ब्रह्म । ब्रह्मणः । उत् । जभार । मध्यात् ॥ नीचैः । उच्चैः । स्वधाः । अभि । प्र । त
स्थौ ॥३॥ सः । हि । दिवः । सः । पृथिव्याः । ऋतऽस्थाः । मही । क्षेमं । रोदसी इ
ति । अस्कभायत् ॥ महान् । मही इति । अस्कभायत् । विऽजातः ॥ नघां । द्यां । सद्म
पार्थिवं । च । रजः ॥४॥ सः । बुध्न्यात् । आष्ट्र । जनुषा । अभि । अग्रं । बृहस्पतिः । दे ५२
वता । तस्य । सम्ऽराट् ॥ अहः । यत् । शुक्रं । ज्योतिषः । जनिष्ट ॥ अथ । द्युऽमंतः ।
वि । वसंतु । विप्राः ॥५॥ नूनं । तत् । अस्य । काव्यः । हिनोति ॥ महः । देवस्य । पूर्व्यस्य

२१

धाम । एषः । जज्ञे । बहुऽभिः । साकं । इत्था ॥ पूर्वे । अर्धे । विऽसिते । ससन् । नु ॥६॥
यः । अथर्वाणं । पितरं । देवऽबंधुं । बृहस्पतिं । नमसा । अव । च । गच्छात् ॥
त्वं । विश्वेषाम् । जनिता । यथा । असः ॥ कविः । देवः । न । दभायत् । स्वधाऽवा
न् ॥७॥ ७ ॥१॥ ॥ यः । आत्मऽदाः । बलऽदाः । यस्य । विश्वे । उपऽआसते । प्रऽशिष
म् । यस्य । देवाः ॥ यः । अस्य । ईशे । द्विऽपदः । यः । चतुःऽपदः ॥ कस्मै । देवाय । ह
विषा । विधेम ॥१॥ यः । प्राणतः । निऽमिषतः । महित्वा ॥ एकः । राजा । जगतः । बभू
व ॥ यस्य । छाया । अमृतं । यस्य । मृत्युः । कस्मै ॥२॥ यं । क्रंदसी इति । अवतः ।

वस्कभाने इति॥ तियसाने इति। रोदसी इति। अक्रयेथां॥ यस्य। असौ। पंथाः।
रजसः। विऽमानः। कस्मै॥३॥ यस्य। द्यौः। उर्वी। पृथिवी। च। मही॥ यस्य। अदः।
उरु। अंतरिक्षम्॥ यस्य। असौ। सूरः। विऽततः। महिऽत्वा। कस्मै॥४॥ यस्य। वि
श्वे। हिमऽवंतः। महिऽत्वा॥ समुद्रं। यस्य। रसया। सह। आहुः॥ इमाः। च। प्रऽदि
शः। यस्य। बाहू इति। कस्मै॥५॥ आपः। अग्रे। विश्वम्। आवन्। गर्भम्। दधानाः।
अमृताः। ऋतऽज्ञाः॥ यासु। देवीषु। अधि। देवः। आसीत्। कस्मै॥६॥ हिरण्यऽग 13
र्भः। सम्। अवर्तत। अग्रे॥ भूतस्य। जातः। पतिः। एकः। आसीत्॥ सः। दाधार।

२८

पृथिवीम्। उत। द्याम्। कस्मै॥७॥ आपः। वत्सम्। जनयंतीः॥ गर्भम्। अग्रे। सम्
ऐरयन्॥ तस्य। उत। जायमानस्य॥ उल्बः। आसीत्। हिरण्ययः॥ कस्मै। दे
वाय। हविषा। विधेम॥८॥१॥ उत। इतः। त्रयः। अक्रमन्। व्याघ्रः। पुरुषः।
वृकः॥ हिरुक्। हि। यंति। सिंधवः॥ हिरुक्। देवः। वनस्पतिः। हिरुक्। नमंतु। श
त्रवः॥१॥ परेण। एतु। पथा। वृकः। परमेण। उत। तस्करः॥ परेण। दत्वती। रज्जुः॥
परेण। अघऽयुः। अर्षतु॥२॥ अक्ष्यौ। च। ते। मुखं। च। ते॥ व्याघ्र। जंभयामसि॥
आत्। सर्वान्। विंशतिम्। नखान्॥३॥ व्याघ्रम्। दत्वतां। वयम्॥ प्रथमम्। जं

नयामसि॥ आ। नः। ऊं इति। स्तेनं। अघो इति। अहिम्॥ या। उ०धानम्। अथो इति॥
वृकम्॥ ध॥ यः। अघ। स्तेनः। आ०अयति। सः। सम्०पिष्टः। अप। अयति। प
थाम्। अप०ध्वंसना। एतु। इंद्रः। वज्रेण। हंतु। तं॥ पा। मूर्णाः। मृगस्य। दंताः। अ
पि०शीर्णाः। ऊं इति। पृष्टयः॥ नि०म्रुक्। ते। गोधा। भवतु॥ नीचा। अयत्। शशयुः।
मृगः॥ ६। यत्। संयमः। न। वि। यमः॥ वि। यमः। यत्। न। सम्०यमः। इंद्र०जाः।
सोम०जाः। आथर्वणम्। असि। व्याघ्र०जंभनम्॥ ७॥ ४॥ ३॥ ॥ यां। त्वा। गंधर्वः। ५४
अखनत्॥ वरुणाय। मृत०व्रजे॥ तां। त्वा। वयं। खनामसि। ओषधिम्। शेप०

२५

हर्षणीम्॥ ध॥ १॥ उत्। उषाः। उत्। ऊं इति। सूर्यः॥ उत्। इदम्। मामकम्। वचः॥
उत्। एजतु। प्रजा०पतिः॥ वृषा। शुष्मेण। वाजिना॥ २॥ यथा। स्म। ते। वि०रोह
तः। अभि०तप्तम्०इव। अनति॥ ततः। ते। शुष्म०वत्०तरं॥ इयम्। कृणोतु। ओ
षधिः॥ ३॥ उत्। शुष्मा। ओषधीनाम्। सारः। ऋषभाणां॥ सं। पुंसाम्। इंद्र। वृ
ष्ण्यम्॥ अस्मिन्। धेहि। तनू०वशिन्॥ ध॥ अपाम्। रसः। प्रथम०जः। अथो
इति। वनस्पतीनाम्॥ उत। सोमस्य। भ्राता। असि। उत। आर्शम्। असि। वृ
ष्ण्यम्॥ पा। अद्य। अग्ने। अद्य। सवितः। अद्य। देवि। सरस्वति॥ अद्य। अस्य।

ब्रह्मणः। पते। धनुः॰इव। आ। तानय। पसः॥६॥ आ॥ अहम्। तनोमि। ते। पसः॥
अधि। ज्याम्॰इव। धन्वनि॥ क्रमस्व। ऋशः॰इव। रोहितम्॥ अनव॰ग्लायता।
सदा॥ अश्वस्य। अश्वतरस्य॥ अजस्य। पेत्वस्य। च॥ अथ। ऋषभस्य। ये। वाजाः॥
तान्। अस्मिन्। धेहि। तनू॰वशिन्॥८॥४॥ ॥ सहस्र॰शृङ्गः। वृषभः॥ यः।
समुद्रात्। उत्॰आचरत्॥ तेन। सहस्येन। वयम्॥ नि। जनान्। स्वापयामसि॥१॥
न। भूमिम्। वातः। अति। वाति॥ न। अति। पश्यति। कः। चन॥ स्त्रियः। च। सर्वाः।
स्वापय। शुनः। च। इन्द्र॰सखा। चरन्॥२॥ प्रोष्ठे॰शयाः। तल्पे॰शयाः॥ नारीः। ५५

३०

याः। वह्य॰शीवरीः॥ स्त्रियः। याः। पुण्य॰गन्धयः॥ ताः। सर्वाः। स्वापयामसि॥३॥
एजत्॰एजत्। अजग्रभम्॥ चक्षुः। प्राणम्। अजग्रभम्॥ अङ्गानि। अजग्रभम्।
सर्वाः॥ रात्रीणाम्। अति॰शर्वरे॥४॥ यः। आस्ते। यः। च। चरति॥ यः। च। तिष्ठन्।
वि॰पश्यति॥ तेषाम्। सम्। दध्मः। अक्षीणि॥ यथा। इदम्। हर्म्यम्। तथा॥५॥ स्वप्तु। मा-
ता। स्वप्तु। पिता॥ स्वप्तु। श्वा। स्वप्तु। विश्पतिः॥ स्वपन्तु। अस्यै। ज्ञातयः॥ स्वप्तु।
अयम्। अभितः। जनः॥६॥ स्वप्न। स्वप्न॰अभिकरणेन॥ सर्वम्। नि। स्वापय। जनम्॥
आ। उत्॰सूर्यम्। अन्यान्। स्वापय॥ आ। वि॰उषम्। जागृतात्। अहम्। इन्द्रः॰इव।

अस्थिः। अस्थितः॥७॥ पा॥ छ॥ प्रथमोऽनुवाकः समाप्तः॥ म॥ पा॥ अ॥३७॥ मन्त्र॥ ॥
ब्राह्मणः। जज्ञे। प्रथमः॥ दशऽशीर्षः। दशऽआस्यः॥ सः। सोमम्। प्रथमः।
पपौ॥ सः। चकार। अरसम्। विषम्॥१॥ यावती इति। द्यावापृथिवी इति। वरि
म्णा॥ यावत्। सप्त। सिन्धवः। विऽतस्थिरे। वाचम्। विषस्य। दूषणीम्। ताम्। इ
तः। निः। अवादिषम्॥२॥ सुऽपर्णः। त्वा। गरुत्मान्॥ विषः। प्रथमम्। आवयत्॥
न। अमीमदः। न। अरूरुपत्॥ उत। अस्मै। अभवः। पितुः॥३॥ यः। ते। आस्यत्। प
ञ्चऽअंगुरिः॥ वक्रात्। वित्। अधि। धन्वनः॥ अपऽस्कंभस्य। शल्यात्॥ निः। अ

39

वोचम्। अहम्॥ विषम्॥४॥ शल्यात्। विषम्। निः। अवोचम्॥ प्रऽअंजनात्। उत। २
पर्णऽधेः॥ अपाष्ठात्। शृंगात्। कुल्मलात्॥ निः। अवोचम्। विषम्॥५॥ अ
रसः। ते। इषो इति। शल्यः॥ अथो इति। ते। अरसम्। विषम्॥ उत। अरसस्य। वृक्ष
स्य। धनुः। ते। अरसारसम्॥६॥ ये। अपीषन्। ये। अदिहन्। ये। आस्यन्। ये।
अवऽअसृजन्॥ सर्वे। ते। वध्रयः। कृताः॥ वध्रिः। विषऽगिरिः। कृतः॥७॥ व
ध्रयः। ते। खनितारः॥ वध्रिः। त्वम्। असि। ओषधे॥ वध्रिः। सः। पर्वतः। गिरिः॥
यतः। जातम्। इदम्। विषम्॥८॥ छ॥ द॥ वाः। इदम्। वारयाते। वरणऽवत्या

MEMORIAL

म्।अधि।तत्र।अमृतस्य।आऽसिक्तम्॥तेन।ते।वारये।विषम्॥२॥अरसम्।प्रा
च्यम्।विषम्॥अरसम्।यत्।उदीच्यम्॥अथ।इदम्।अधराच्यम्।करंभेण।वि
कल्पते॥३॥करंभम्।कृत्वा।तिर्यम्॥पीबःऽपाकम्।उदारथिम्॥क्षुधा।किल।
त्वा।दुस्तनो इति दुःऽतनो।जक्षिऽवान्।सः।न।रुरुपः॥४॥३॥ ॥वि।ते।मदम्।
मदऽवति॥शरम्ऽइव।पातयामसि॥प्र।त्वा।चरुम्ऽइव।येष्ठाऽवितम्।वच
सा।स्थापयामसि॥तिष्ठं० येषंतम्।वचसा।स्थापयामसि॥५॥परि।ग्रामम्ऽइव। 52
आऽचितम्॥वचसा।स्थापयामसि॥तिष्ठ।वृक्षःऽइव।स्थाम्नि॥अभ्रिऽखाते।न।

33

रूरुपः॥६॥पवस्तैः।त्वा।परि।अक्रीणन्।दूर्शेभिः।अजिनैः।उत।प्रऽक्रीः।अ
सि।त्वम्।ओषधे॥अभ्रिऽखाते।न।रूरुपः॥७॥६॥ ॥अनाप्ताः।ये।वः।प्रथमाः।यानि।
कर्माणि।चक्रिरे॥वीरान्।नः।अत्र।मा।दभन्।तत्।वः।एतत्।पुरः।दधे॥७॥७॥
भूतः।भूतेषु।पयः।आ।दधाति॥सः।भूतानाम्।अधिऽपतिः।बभूव॥तस्य।मृत्युः।
चरति।राजऽसूयम्॥सः।राजा।राज्यम्।अनु।मन्यताम्।इदम्॥१॥अभि।प्र।इहि।मा।अ
प।वेनः।उग्रः।चेत्ता।सपत्नऽहा॥आ।तिष्ठ।मित्रऽवर्धन॥तुभ्यम्।देवाः।अधि।ब्र
वन्॥२॥आऽतिष्ठंतम्।परि।विश्वे।अभूषन्।श्रियम्।वसानः।चरति।स्वऽरोचिः॥

महत् । तत् । वृष्णः । असुरस्य । नाम ।। आ । विश्व॰रूपः । अमृतानि । तस्थौ ।। २ व्या
घ्रः । अधि । वैयाघ्रे ।। वि । क्रमस्व । दिशः । महीः ।। विशः । त्वा । सर्वाः । वाञ्छन्तु । आ
पः । दिव्याः । पयस्वतीः ।। ३ याः । आपः । दिव्याः । पयसा । मदन्ति । अन्तरिक्षे । उत
वा । पृथिव्याम् ।। तासाम् । त्वा । सर्वासाम् । अपाम् ।। अभि । सिञ्चामि । वर्चसा ।। ४
अभि । त्वा । वर्चसा । असिचन् । आपः । दिव्याः । पयस्वतीः ।। यथा । असः । मित्र॰
वर्धनः ।। तथा । त्वा । सविता । करत् ।। ५ । एना । व्याघ्रम् । परि॰सस्वजानाः ।। सिंहम् ५६
हिन्वन्ति । महते । सौभगाय ।। समुद्रम् । न । सु॰भुवः । तस्थि॰वांसम् ।। मर्मृज्य

३३

न्ते । द्वीपिनम् । अप्॰सु । अन्तः ।। ७ ।। छ ।। प ।। ।। आ । इहि । जीवम् । त्रायमाणम् ।। प
र्वतस्य । असि । अक्ष्यम् ।। विश्वेभिः । देवैः । दत्तम् ।। परि॰धिः । जीवनाय । कम् ।
।१। परि॰पानम् । पुरुषाणाम् ।। परि॰पानम् । गवाम् । असि ।। अश्वानाम् । अर्व
ताम् ।। परि॰पानाय । तस्थिषे ।।२। उत । असि । परि॰पानम् ।। यातु॰जम्भनम् । आ॰
अञ्जन ।। उत । अमृतस्य । त्वम् । वेत्थ ।। अथो इति । असि । जीव॰भोजनम् ।। अथो
इति । हरित॰भेषजम् ।।३। यस्य । आ॰अञ्जन । प्र॰सर्पसि ।। अङ्गम्॰अङ्गम् । प
रुः॰परुः ।। ततः । यक्ष्मम् । वि । बाधसे ।। उग्रः । मध्यमशीः॰इव ।। ४ । न । एनम् ।

प्र। आप्नोति। शपथः। न। कृत्या। न। अभि॰शोचनम्। न। एनम्। वि॰स्कंधम्।
अश्नुते। यः। त्वा। बिभर्ति। आ॰अंजन॥ पा। असत्॰मंत्रात्। दुः॰स्वप्न्यात्॥
दुः॰कृतात्। शमलात्। उत। दुः॰हार्दः। चक्षुषः। घोरात्। तस्मात्। नः। पाहि।
आ॰अंजन॥ ५॥ इदम्। विद्वान्। आ॰अंजन। सत्यम्। वक्ष्यामि। न। अनृतम्।
सनेयम्। अश्वम्। गाम्। अहम्। आत्मानम्। तव। पुरुष॥ ६॥ ७॥ त्रयः। दा
साः। आ॰अंजनस्य। तक्मा। बलासः। आत्। अहिः। वर्षिष्ठः। पर्वतानाम्। त्रि॰
ककुत्। नाम। ते। पिता॥ ८॥ यत्। आ॰अंजनम्। त्रैककुदम्। जातम्। हिम॰

वतः। परि। यातून्। च। सर्वान्। जंभयत्। सर्वाः। च। यातु॰धान्यः॥ ९॥ यदि। वा।
असि। त्रैककुदम्। यदि। यामुनम्। उच्यसे। उभे इति। ते। भद्रे इति। नाम्नी इति।
ते। ताभ्याम्। नः। पाहि। आ॰अंजन॥ १०॥ ३॥ ५॥ ॥ वातात्। जातः। अंतरिक्षा
त्। विद्युतः। ज्योतिषः। परि। सः। नः। हिरण्य॰जाः। शंखः। कृशनः। पातु। अंह
सः॥ १॥ यः। अग्रतः। रोचनानाम्। समुद्रात्। अधि। जज्ञिषे। शंखेन। हत्वा। र
क्षांसि। अत्त्रिणः। वि। सहामहे॥ २॥ शंखेन। अमीवाम्। अमतिम्। शंखेन। उ
त। सदान्वाः। शंखः। नः। विश्व॰भेषजः। कृशनः। पातु। अंहसः॥ ३॥ दिवि। जातः।

समुद्र॰जः। सिंधुतः। परि॥ आऽभृतः॥ सः। नः। हिरण्य॰जाः। शंखः॥ आयुः॰प्रत
रणः। मणिः॥४॥ समुद्रात्। जातः। मणिः॥ वृत्रात्। जातः। दिवाऽकरः॥ सः। अस्मा
न्। सर्वतः। पातु। हेत्याः॥ देव॰असुरेभ्यः॥५॥ हिरण्यानाम्। एकः। असि॥ सो
मात्। त्वम्। अधि। जज्ञिषे॥ रथे। त्वम्। असि। दर्शतः। इषु॰धौ॥ रोचनः। त्वम्। प्र।
नः। आयूंषि। तारिषत्॥६॥ देवानाम्। अस्थि। कृशनम्। बभूव। तत्। आत्मन्॰
वत्। चरति। अप्॰सु। अंतः॥ तत्। ते। बध्नामि। आयुषे। वर्चसे। बलाय। दीर्घा
यु॰त्वाय। शत॰शारदाय। कार्शनः। त्वा। अभि। रक्षतु॥७॥ ७॥ १०॥ द्वितीयोऽनु

वाकः॥ सप्त। पंच। ऋ। २। ६। नव। ॥ अनड्वान्। दाधार। पृथिवीम्। उत। द्याम्॥ अनड्वा
न्। दाधार। उरु। अंतरिक्षम्॥ अनड्वान्। दाधार। प्र॰दिशः। षट्। उर्वीः॥
अनड्वान्। विश्वम्। भुवनम्। आ। विवेश॥१॥ अनड्वान्। इंद्रः। सः। पशु॰भ्यः।
वि। चष्टे॥ त्रयान्। शक्रः। वि। मिमीते। अध्वनः॥ भूतम्। भविष्यत्। भुवना। दुहा
नः॥ सर्वा। देवानाम्। चरति। व्रतानि॥२॥ इंद्रः। जातः। मनुष्येषु। अंतः॥ घर्मः।
तप्तः। चरति। शोशुचानः॥ सु॰प्रजाः। सन्। सः। उदारे। न। सर्षत्॥ यः। न।
अश्नीयात्। अनडुहः। वि॰जानन्॥३॥ अनड्वान्। दुहे। सु॰कृतस्य। लोके॥ आ

एनम्। आ। प्याययति। पवमानः। पुरस्तात्। पर्जन्यः। धाराः। मरुतः। ऊधः। अस्य॥
यज्ञः। पयः। दक्षिणा। दोहः। अस्य॥ ४॥ यस्य। न। ईशे। यज्ञऽपतिः। न। यज्ञः॥ न।
अस्य। दाता। ईशे। न। प्रतिऽगृहीता॥ यः। विश्वऽजित्। विश्वऽभृत्। विश्वऽ
कर्मा॥ घर्मम्। नः। ब्रूत। यतमः। चतुःऽपात्॥ ५॥ येन। देवाः। स्वः। आऽरुरु
हुः। हित्वा॥ शरीरम्। अमृतस्य। नाभिम्॥ तेन। गेष्म। सुऽकृतस्य। लोकम्॥ घ
र्मस्य। व्रतेन। तपसा। यशस्यवः॥ ६॥ इन्द्रः। रूपेण। अग्निः। वहेन॥ प्रजाऽप
तिः। परमेऽस्थी॥ विऽराट्। विश्वानरे। अक्रमत॥ वैश्वानरे। अक्रमत। अनडु १९

३८

MEMORIAL

हि। अक्रमत॥ सः। अदृंहयत॥ सः। अधारयत॥ ७॥ मध्यम्। एतत्। अनडुहः॥
यत्र। एषः। वहः। आऽहितः॥ एतावत्। अस्य। प्राचीनम्॥ यावान्। प्रत्यङ्। समऽ
आहितः॥ ८॥ यः। वेद। अनडुहः। दोहान्॥ सप्त। अनुपऽदस्वतः॥ प्रऽजाम्। च।
लोकम्। च। आप्नोति॥ तथा। सप्तऽऋषयः। विदुः॥ ९॥ पत्ऽभिः। सेदिम्। अव
ऽक्रामन्॥ इरम्। जङ्घाभिः। उत्ऽखिदन्॥ श्रमेण। अनड्वान्। कीलालम्।
कीनाशः। च। अभि। गच्छतः॥ १०॥ द्वादश॥ वै। एताः। रात्रीः॥ व्रत्याः। आहुः। प्रजाऽ
पतेः॥ तत्र। उप। ब्रह्म। यः। वेद। तत्॥ वै। अनडुहः। व्रतम्॥ ११॥ दुहे। सायम्।

दुहा। प्रऽहृतः। दुहे। मध्यं। छिन्नम्। पसि॥ दोहलः। यो। अस्याः। सम्ऽयति॥ तान्। वि
ष्मै। अङ्गऽपऽदस्वतः॥१२॥७॥ ॥१॥ रोहणी। असि। रोहणी॥ अस्थ्नः। छिन्न
स्य। रोहणी। रोहय। इदम्। अरुंधति॥४॥ यत्। ते। रिष्टम्। यत्। ते। द्युत्तं। अ
स्ति॥ पेष्ट्रम्। ते। आत्मनि॥ धाता। तत्। भद्रया। पुनः॥ सम्। दधत्। परुषा। प
क्ता रुः॥२॥ सं। ते। मज्जा। मज्ज्ञा। भवतु॥ सं। ऊं इति। ते। परुषा। परुः॥ सम्। ते। मां
सस्य। विऽस्रस्तं॥ सम्। अस्थि। अपि। रोहतु॥ अस्थ। ३। मज्जा। मज्ज्ञा। सम्। धी ७२
यताम्॥ चर्मणा। चर्म। रोहतु॥ असृक्। ते। अस्थि। रोहतु॥ मांसम्। मांसे

३१

न। रोहतु॥४॥ लोम। लोम्ना। सम्। कल्पय। त्वचा। सम्। कल्पय। त्वचम्॥ असृक्
ते। अस्थि। रोहतु॥ छिन्नम्। सम्। धेहि। ओषधे॥५॥ सः। उत्। तिष्ठ। प्र। इहि। प्र।
द्रव। रथः। सुऽचक्रः। सुऽपविः। सुऽनाभिः॥ प्रति। तिष्ठ। ऊर्ध्वः॥६॥ यदि। कर्तम्।
पतित्वा। सम्ऽशश्रे॥ यदि। वा। अश्मा। प्रऽहृतः। जघान॥ ऋभुः। रथस्यऽइव॥
अङ्गानि। सम्। दधत्। परुषा। परुः॥७॥८॥१२॥ ॥उत। देवाः। अवऽहितम्॥ देवाः॥
उत्। नयथ। पुनः॥ उत। आगः। चक्रुषम्। देवाः॥ देवाः। जीवयथ। पुनः॥१॥ द्वौ।
इमौ। वातौ। वातः॥ आ। सिंधोः। आ। पराऽवतः॥ दक्षम्। ते। अन्यः। आऽवातु॥

वि। अन्यः। वातु। यत्। रपः॥२॥ आ। वात। वाहि। भेषजम्॥ वि। वात। वाहि। यत्।
रपः॥ त्वम्। हि। विश्व॰भेषजः॥ देवानाम्। दूतः। ईयसे॥३॥ त्रायन्ताम्। इमम्। दे-
वाः॥ त्रायन्ताम्। मरुताम्। गणाः॥ त्रायन्ताम्। विश्वा। भूतानि॥ यथा। अयम्।
अरपाः। असत्॥४॥ आ। त्वा। अगमम्। शंताति॰भिः॥ अथो इति। अरिष्टता-
ति॰भिः॥ दक्षम्। ते। उग्रम्। आ। अभारिषम्॥ परा। यक्ष्मम्। सुवामि। ते॥५॥
अयम्। मे। हस्तः। भगवान्॥ अयम्। मे। भगवत्॰तरः॥ अयम्। मे। विश्व॰ ७३
भेषजः॥ अयम्। शिव॰अभिमर्शनः॥६॥ हस्ताभ्याम्। दश॰शाखाभ्याम्॥ ३८

जिह्वा। वाचः। पुरः॰गवी॥ अनामयित्नु॰भ्याम्। हस्ताभ्याम्॥ ताभ्याम्। त्वा। अभि। मृ-
शामसि॥७॥७॥१३॥ अजः। हि। अग्नेः। अजनिष्ट। शोकात्॥ सः। अपश्यत्।
जनितारम्। अग्रे॥ तेन। देवाः। देवताम्। अग्रे। आयन्॥ तेन। रोहान्। रुरु-
हुः। मेध्यासः॥१॥ क्रमध्वम्। अग्निना। नाकम्॥ उख्यान्। हस्तेषु। बिभ्रतः॥ दिवः।
पृष्ठम्। स्वः। गत्वा॥ मिश्राः। देवेभिः। आद्ध्वम्॥२॥ पृष्ठात्। पृथिव्याः। अहम्। अन्त-
रिक्षम्। आ। अरुहम्॥ अन्तरिक्षात्। दिवम्। आ। अरुहम्॥ दिवः। नाकस्य। पृष्ठा-
त्। स्वः। ज्योतिः। अगाम्। अहम्॥३॥ स्वः। यन्तः। न। अप। ईक्षन्ते॥ आ। द्याम्। रोहन्ति।

रोहस्व॥इति॥यज्ञम्॥ये।विश्वतः॰धारम्॥सु॰विद्वांसः।वि॰तेनिरे॥अग्ने
प्र।इहि।प्रथमः।देवतानाम्॥चक्षुः।देवानाम्।उत।मानुषाणाम्॥इयक्ष
माणाः।भृगु॰भिः।स॰जोषाः।स्वः।यंतु।यजमानाः।स्वस्ति॥५॥अजम्।अ
नज्मि।पयसा।घृतेन॥दिव्यम्।सु॰पर्णम्।पयसम्।बृहंतम्॥तेन।गेष्म।सु॰
कृतस्य।लोकम्॥स्वः।आ॰रोहंतः।अभि।नाकम्।उत्॰तमम्॥६॥पंच॰ओ १४
दनम्।पंच॰भिः।अंगुलि॰भिः॥दर्व्या।उत्।हर।पंच॰धा।एतम्।ओदनम्॥प्रा ३५
च्याम्।दिशि।शिरः।अजस्य।धेहि॥दक्षिणायां।दिशि।दक्षिणम्।धेहि।पा

३५

र्श्वम्॥७॥प्रतीच्याम्।दिशि।भसदम्।अस्य।धेहि॥उत्तरस्याम्।दिशि।उत्तरम्।धे
हि॥पार्श्वम्॥ऊर्ध्वायाम्।दिशि।अजस्य।अनूकम्।धेहि॥दिशि।ध्रुवायाम्।
धेहि।पाजस्यम्॥अंतरिक्षे।मध्यतः।मध्यम्।अस्य॥८॥शृतम्।अजम्।शृतया।
प्र।ऊर्णुहि।त्वचा॥सर्वैः।अंगैः।सम्॰भृतम्।विश्व॰रूपम्॥सः।उत्।तिष्ठ।इ
तः।अभि।नाकम्।उत्॰तमम्॥पत्॰भिः।चतुः॰भिः।प्रति।तिष्ठ।दिक्षु॥९॥
२४॥ ॥सम्॰उत्पतंतु।प्र॰दिशः।नभस्वतीः॥सम्।अभ्राणि।वात॰जूतानि।यं
तु॥महा॰ऋषभस्य।नदतः।नभस्वतः॥वाश्राः।आपः।पृथिवीम्।तर्पयंतु॥१॥सम्।

ईरयंतु। तविषाः। सुऽदानवः॥ अपाम्। रसाः। ओषधीभिः। सचंताम्॥
वर्षस्य। सऽगाः। महयंतु। भूमिम्॥ पृथक्। जायंताम्। ओषधयः। विश्वऽरूपाः॥२
॥ सम्। ईक्षयस्व। गायतः। नभांसि॥ अपाम्। वेगासः। पृथक्। उत्। विजंताम्॥
वर्षस्य। सऽगाः। महयंतु। भूमिम्॥ पृथक्। जायंताम्। वीरुधः। विश्वऽरूपाः॥३॥
गणाः। त्वा। उप। गायंतु। मारुताः॥ पर्जन्य। घोषिणः। पृथक्॥ सऽगाः। वर्षस्य। ९५
वर्षतः॥ वर्षंतु। पृथिवीम्। अनु॥४॥ उत्। ईरयत। मरुतः। समुद्रतः। त्वेषः। अर्कः।
नभः। उत्। पातयाथ॥ महाऽऋषभस्य। नदतः। नभस्वतः॥ वाश्राः। आपः। पृथि-

४०

वीम्। तर्पयंतु॥५॥ अभि। क्रंद। स्तनय। अर्दय। उदऽधिम्॥ भूमिम्। पर्जन्य। पय-
सा। सम्। अंग्धि॥ त्वया। सृष्टम्। बहुलम्। आ। एतु। वर्षम्॥ आशारऽएषी। कृशऽ-
गुः। एतु। अस्तम्॥६॥ सम्। वः। अवंतु। सुऽदानवः॥ उत्साः। अजगराः। उत॥ मरु-
त्ऽभिः। प्रऽच्युताः। मेघाः। वर्षंतु। पृथिवीम्। अनु॥७॥ आशाम्ऽआशाम्। वि। द्यो-
तताम्॥ वाताः। वांतु। दिशःऽदिशः॥ मेघाः। सम्। यंतु। पृथिवीम्॥८॥ आपः।
विऽद्युत्। अभ्रम्। वर्षम्॥ सम्। वः। अवंतु। सुऽदानवः॥ उत्साः। अजगराः। उ-
त॥ मरुत्ऽभिः। प्रऽच्युताः। मेघाः। प्र। अवंतु। पृथिवीम्। अनु॥९॥ अपाम्। अ-

ग्निः। तुन्नतिं। समृ॰विद्वानः॥ यः। ओषधीनाम्। अधि॰पाः। बृहद्बासः। नः। वृष
म्। वृत्रताम्। जात॰वेदाः॥ ज्ञानम्। प्र॰जाभ्यः। अमृतम्। दिवः। परि॥१०॥ प्र
जा॰पतिः। सलिलात्। आ। समुद्रात्। आपः। ईरयन्। उद॰धिम्। अर्दयाति
प्र। प्यायताम्। वृष्णः। अश्वस्य। रेतः। अर्वाङ्। एतेन। स्तनयित्नुना। आ। इहि।

अचिं ११॥ अपः। नि॰सिंचन्। असुरः। पिता। नः॥ श्वसन्तः। गर्गराः। अपाम्। वरुण। अव
नीचीः। अपः। सृज॥ वदन्तु। पृश्नि॰बाहवः। मण्डूकाः। इरिणा। अनु॥१२॥ सं॰व
त्सरम्। शशयानाः॥ ब्राह्मणाः। व्रत॰चारिणः॥ वाचम्। पर्जन्य॰जिन्विताम्॥

४१

प्र। मण्डूकाः। अवादिषुः॥१३॥ उप॰प्रवद। मण्डूकि॥ वर्षम्। आ। वद। तादुरि॥ म
ध्ये। हृदस्य। प्लवस्व॥ वि॰गृह्य। चतुरः। पदः॥१४॥ खण्वखा३इ। खैमखा३इ॥
मध्ये। तदुरि॥ वर्षम्। वनुध्वम्। पितरः॥ मरुताम्। मनः। इच्छत॥१५॥ महान्तम्।
कोशम्। उत। अव। अभि। सिंच॥ सं॰विद्युतम्। भवतु। वातः। वातु॥ तन्वत
म्। यज्ञम्। बहु॰धा। वि॰सृष्टाः॥ आ॰नन्दिनीः। ओषधयः। भवन्तु॥१६॥१५॥ ट
तीयाष्टकः॥ अष्टकः॥ ॥७॥ बृहत्। एषाम्। अधि॰स्था
ता॥ अन्तिकात्॰इव। पश्यति॥ यः। स्तायत्। मन्यते। चरन्॥ सर्वम्। देवाः। इ

DR. BHAU DAJI
डाक्टर भाऊदाजी इत्यस्य स्मारकम्

दम्। विदुः॥१॥ यः। तिष्ठति। चरति। यः। च। वंचति। यः। नि॰लायं। चरति। यः। प्र॰
तंकम्॥ द्वौ। सम्॰निषद्य। यत्। मंत्रयेते इति। राजा। तत्। वेद। वरुणः। तृ
तीयः॥२॥ उत। इयम्। भूमिः। वरुणस्य। राज्ञः। उत। असौ। द्यौः। बृहती। दूरे॰
अंता। उतो इति। समुद्रौ। वरुणस्य। कुक्षी इति। उत। अस्मिन्। अल्पे। उद
के। नि॰लीनः॥३॥ उत। यः। द्याम्। अति॰सर्पात्। परस्तात्। न। सः। मुच्यातै। व
रुणस्य। राज्ञः॥ दिवः। स्पशः। प्र। चरंति। इदम्। अस्य। सहस्र॰अक्षाः। अ
ति। पश्यंति। भूमिं॥४॥ सर्वं। तत्। राजा। वरुणः। वि। चष्टे। यत्। अंतरा। रोद

नि२

सी इति। यत्। परस्तात्॥ सम्॰ख्याताः। अस्य। नि॰मिषः। जनानाम्। अक्षान्॰इ
व। श्व॰घ्नी॥ नि। मिनोति। तानि॥५॥ ये। ते। पाशाः। वरुण। सप्त॰सप्त। त्रेधा। ति
३।शि ष्ठंति। वि॰सिताः। रुशंतः॥ छिनंतु। सर्वे। अनृतम्। वदंतम्॥ यः। सत्य॰वादी। अ
ति। तम्। सृजंतु॥६॥ शतेन। पाशैः। अभि। धेहि। वरुण। एनम्॥ मा। ते। मो
चि। अनृत॰वाक्। नृ॰चक्षः॥ आस्ताम्। जाल्मः। उदरम्। स्रंशयित्वा॥ कोशः॰
इव। अबंधः। परि॰कृत्यमानः॥७॥ यः। सम्॰आम्यः। वरुणः। यः। वि॰आम्यः॥
यः। सम्॰देश्यः। वरुणः। यः। वि॰देश्यः॥ यः। दैवः। वरुणः। यः। च। मानुषः॥ प

तेः। चा। स्मार्विः। अत्ति। स्यामि। पाशैः। असौ। आमुष्यायण। अमुष्याः। पुत्र॥
तान्। ऊं इति। ता। सर्वान्। अनु॰सं दिशामि॥ ९॥ ३॥ १६॥ ईशानाम्। त्वा। भेष
जानाम्॥ उत्॰जेषे। आ। रभामहे॥ चक्रे। सहस्र॰वीर्याम्॥ सर्वस्मै। ओषधे। त्वा
॥ १॥ सत्य॰जितम्। शपथ॰यावनीम्॥ सहमानाम्। पुनः॰सराम्॥ सर्वाः। सम्
अह्वि। ओषधीः॥ इतः। नः। पारयात्। इति॥ २॥ या। शशाप। इत्येका॥ ३॥ याम्। ते। च
क्रुः। आमे। पात्रे। याम्। चक्रुः। नील॰लोहिते। आमे। मांसे। कृत्याम्। याम्। च
क्रुः॥ तया। कृत्या॰कृतः। जहि॥ ४॥ दौः॰स्वप्न्यम्। दौः॰जीवित्यम्। रक्षः। अभ्व

म्। अराय्यः॥ दुः॰नाम्नीः। सर्वाः। दुः॰वाचः। ताः। अस्मत्। नाशयामसि॥ ५॥
क्षुध॰मारम्। तृष्णा॰मारं। अगोताम्। अनपत्य॰ताम्॥ अपामार्ग। त्वया। व
यम्॥ सर्वम्। तत्। अप। मृज्महे॥ तृष्णा॰मारम्। क्षुध॰मारम्। अथो इति।
अक्ष॰पराजयम्॥ अपामार्ग। त्वया। वयम्॥ सर्वम्। तत्। अप। मृज्महे॥ ७॥
अपामार्गः। ओषधीनाम्॥ सर्वासाम्। एकः। इत्। वशी॥ तेन। ते। मृज्मः। आ॰स्थि
तम्॥ अथ। त्वम्। अगदः। चर॥ ८॥ ३॥ १७॥ ॥ समम्। ज्योतिः। सूर्येण। अह्ना।
रात्री। सम॰वती॥ ४। कृणोमि। सत्यम्। ऊतये। अरसाः। सन्तु। कृत्वरीः॥ १॥ यः।

देवाः। कृत्याम्। कृत्वा॥ हरात्। अविदुषः। गृहम्॥ वत्सः। धारुःऽइव। मातरम्॥
तम्। प्रत्यक्। उप। पद्यताम्॥ २॥ अमा। कृत्वा। पाप्मानम्॥ यः। तेन। अन्यम्।
जिघांसति॥ अश्मानः। तस्याम्। दग्धायाम्॥ बहुलाः। फट्। करिक्रति॥ सहस्र
ऽधामन्। विऽशिखान्॥ विऽग्रीवान्। छायय। त्वम्॥ प्रति। स्म। चक्रुषे। कृत्या
म्॥ प्रियाम्। प्रियऽवते। हर॥ ४॥ अनया। अहम्। ओषध्या॥ सर्वाः। कृत्याः। अ
दूदुषम्॥ याम्। क्षेत्रे। चक्रुः। याम्। गोषु। याम्। वा। ते। पुरुषेषु॥ ५॥ यः। चका
र। न। शशाक। कर्तुम्॥ शश्रे। पादम्॥ अङ्गुरिम्॥ चकार। भद्रम्। अस्मभ्यम्॥ २८

४४

आत्मने। तपनम्। तु। सः॥ ६॥ अपामार्गः। अप। मार्ष्टु॥ क्षेत्रियम्। शपथः। च। यः॥
अपऽअह। यातुऽधानीः॥ अप। सर्वाः। अराय्यः॥ ७॥ अपऽमृज्य। यातुऽधाना
न्॥ अप। सर्वाः। अराय्यः॥ अपामार्ग। त्वया। वयम्॥ सर्वम्। तत्। अप। मृज्म
हे॥ ८॥ १८॥ उतो इति। असि। अबन्धुऽकृत्॥ उतो इति। असि। नु। जामिऽ
कृत्॥ उतो इति। कृत्याऽकृतः। प्रऽजाम्॥ नडम्ऽइव। आ। छिन्धि। वार्षिकम्॥ १॥
ब्राह्मणेन। परिऽउक्ता। असि॥ कण्वेन। नार्षदेन॥ सेनाऽइव। एषि।
त्विषिऽमती॥ न। तत्र। भयम्। अस्ति॥ यत्र। प्रऽआप्नोषि। ओषधे॥ २॥ अग्रम्।

एषि। उषधी नाम्॥ ज्योतिषा॑ऽइव। अभि॰दीपयन्॥ उत। त्राता। असि। पाकस्य॥
अथो इति। हंता। असि। रक्षसः॥३॥ यत्। अदः। देवाः। असुरान्॥ त्वया। अग्रे
नि॰अकुर्वत॥ ततः। त्वम्। अधि। उषधे॥ अपामार्गः। अजायथाः॥४॥ वि॰भिंद
ती। शत॰शाखा॥ वि॰भिंदन्॥ नाम। ते। पिता॥ प्रत्यक्। वि। भिंधि। त्वम्॥ यः। अस्मान्। नमूछ
अभि॰दासति॥५॥ असतः। भूम्याः। समम्। अभवत्॥ तत्। याम्। एति। महत्। व्यचः॥
तत्। वै। ततः। वि॰धूपायत्॥ प्रत्यक्। कर्तारम्। ऋच्छतु॥६॥ प्रत्यङ्। हि। सं॰ब 80
भूविथ॥ प्रतीचीन॰फलः। त्वम्॥ सर्वान्। मत्। शपथान्। अधि। वरीयः। यवय।

।४। दुधम्॥७॥ शतेन। मा। परि। पाहि। सहस्रेण। अभि। रक्ष। मा॥ इंद्रः। ते। वीरुधाम्।
पते॥ उग्रः। उग्मानम्। आ। दधत्॥८॥१९॥ आ। पश्यति। प्रति। पश्यति॥ परा।
पश्यति। पश्यति॥ दिवम्। अंतरिक्षम्। आत्। भूमिम्॥ सर्वम्। तत्। देवि। प
श्यति॥१॥ तिस्रः। दिवः। तिस्रः। पृथिवीः॥ षट्। च। इमाः। प्र॰दिशः। पृथक्॥ त्वया।
अहम्। सर्वा। भूतानि॥ पश्यानि। देवि। उषधे।२। दिव्यस्य। सु॰पर्णस्य॥ तस्
य। हा। असि। कनीनिका॥ सा। भूमिम्। आ। रुरोहिथ॥ वह्यम्। श्रांता। वधूः॰
इव॥३॥ तां। ताम्॥ मा। सहस्र॰अक्षः। देवः॥ दक्षिणे। हस्ते। आ। दधत्॥ तया।

अहम् । सर्वम् । पश्यामि ॥ यः । च । सूद्रः । उत । आर्यः ॥५॥ आविः । कृणुष्व । रूपाणि ।
मा । आत्मानम् । अप । गूहथाः ॥ अथो इति । सहस्रऽचक्षो इति सहस्रऽचक्षो । त्वम् ।
प्रति । पश्याः । किमीदिनः ॥ पा । दर्शया । मा । यातुऽधानान् ॥ दर्शय । यातुऽधान्यः ॥
पिशाचान् । सर्वान् । दर्शय ॥ इति । त्वा । आ । रभे । ओषधे ॥६॥ कश्यपस्य । चक्षुः । अ
सि ॥ शुन्याः । च । चतुःऽअक्षाः ॥ वीध्रे । सूर्यम्ऽइव । सर्पन्तं ॥ मा । पिशाचम् । तिरः ।
करः ॥७॥ उत् । अग्रभम् । परिऽपानात् ॥ यातुऽधानम् । किमीदिनम् ॥ तेन । अ
हम् । सर्वम् । पश्यामि ॥ उत । शूद्रम् । उत । आर्यम् ॥८॥ यः । अन्तरिक्षेण । पतति ॥

दिवम् । यः । च । अतिऽसर्पति ॥ भूमिम् । यः । मन्यते । नाथम् ॥ तम् । पिशाचम् । प्र । द
र्शय ॥९॥७॥२०॥ तृतीयोऽनुवाकः ॥ अनुवाके सूक्तानि ५ । ऋ॰ ४२ । अथ त्रयोद
श ॥ सप्तमः प्रपाठकः ॥ ॥७॥ आ । गावः । अग्मन् । उत । भद्रम् । अक्रन् ॥ सीदन्तु ।
गोऽस्थे । रणयन्तु । अस्मे इति ॥ प्रजाऽवतीः । पुरुऽरूपाः । इह । स्युः ॥ इन्द्राय । पूर्वीः ।
उषसः । दुहानाः ॥१॥ इन्द्रः । यज्वने । गृणते । च । शिक्षते ॥ उप । इत् । ददाति । न ।
स्वम् । मुषायति ॥ भूयःऽभूयः । रयिम् । इत् । अस्य । वर्धयन् ॥ अभिन्ने । खिल्ये ।
नि । दधाति । देवऽयुम् ॥२॥ न । ताः । नशन्ति । न । दभाति । तस्करः ॥ न । आसाम् । आ

MEMORIAL

मित्रः।व्यथिः।आ।दधर्षति॥देवान्।च।याभिः।यजते।ददाति।च।ज्योक्।इत्।ता
भिः।सचते।गोऽपतिः।सह॥३॥न।ताः।अर्वा।रेणुऽककाटः।अश्नुते।न।संस्कृ
तऽत्रम्।उप।यंति।ताः।अभि॥उरुऽगायम्।अभयम्।तस्य।ताः।अनु।गावः।
मर्त्तस्य।वि।चरंति।यज्वनः॥४॥गावः।भगः।गावः।इंद्रः।मे।इच्छात्॥गावः।सो
मस्य।प्रथमस्य।भक्षः॥इमाः।याः।गावः।सः।जनासः।इंद्रः॥इच्छामि।हृदा।म
नसा।चित्।इंद्रम्॥५॥यूयम्।गावः।मेदयथ।कृशम्।चित्।अश्रीरम्।चित् ८२
कृणुथ।सुऽप्रतीकम्॥भद्रम्।गृहम्।कृणुथ।भद्रऽवाचः॥बृहत्।वः।वयः।

उच्यते।सभासु॥६॥प्रजाऽवतीः।सुऽयवसे।रुशंतीः॥शुद्धाः।अपः।सुऽप्रपा
णे।पिबंतीः॥मा।वः।स्तेनः।ईशत।मा।अघऽशंसः॥परि।वः।रुद्रस्य।हेतिः।
वृणक्तु॥७॥३॥२१॥इमम्।इंद्र।वर्द्धय।क्षत्रियम्।मे॥इमम्।विशाम्।एक
ऽवृषम्।कृणु।त्वम्॥निः।अमित्रान्।अक्ष्णुहि।अस्य।सर्वान्॥तान्।रंधय।अ
स्मै।अहम्ऽउत्तरेषु॥१॥आ।इमम्।भज।ग्रामे।अश्वेषु।गोषु॥निः।तम्।भज
वयं यः।अमित्रः।अस्य॥वर्ष्म।क्षत्राणाम्।अयम्।अस्तु।राजा॥इंद्र।शत्रुम्।रंधय।सर्वम्।
अस्मै॥२॥अयम्।अस्तु।धनऽपतिः।धनानाम्॥अयम्।विशाम्।विश्पतिः।अ

स्तु।राजा॥अस्मिन्।इंद्र।महि।वर्चांसि।धेहि।अवर्चसम्।कृणुहि।शत्रुम्।अ
स्य॥३॥अस्मै।द्यावापृथिवी इति।भूरि।वामम्।दुहाथाम्॥घर्मदुघेइवेति
घर्मदुघे॰इव।धेनू इति॥अयम्।राजा।प्रियः।इंद्रस्य।भूयात्॥प्रियः।गवाम्।
ओषधीनाम्।पशूनाम्॥४॥युनज्मि।ते।उत्तर॰वंतम्।इंद्रं।येन।जयंति।न।
परा॰जयंते॥यः।त्वा।करत्।एक॰वृषम्।जनानाम्॥उत।राज्ञाम्।उत्॰त ८२
मम्।मानवानाम्॥५॥उत्तरः।त्वम्।अधरे।ते।स॰पत्नाः॥ये।के।च।राजन्।
प्रति॰शत्रवः।ते॥एक॰वृषः।इंद्र॰सखा।जिगीवान्॥शत्रु॰यताम्।आ।भर।

भोजनानि॥६॥सिंह॰प्रतीकः।विशः।अद्धि।सर्वाः॥व्याघ्र॰प्रतीकः।अव।बा
धस्व।शत्रून्॥एक॰वृषः।इंद्र॰सखा।जिगीवान्॥शत्रु॰यताम्।आ।खिद।
भोजनानि॥७॥२२॥अग्नेः।मन्वे।प्रथमस्य।प्र॰चेतसः॥पांच॰जन्यस्य।ब
हु॰धा।यम्।इंधते॥विशः॰विशः।प्रविशिवांसम्।ईमहे॥सः।नः।मुंचतु।
अंहसः॥१॥यथा।हव्यम्।वहसि।जात॰वेदः॥यथा।यज्ञम्।कल्पयसि।प्र॰जानन्॥
एव।देवेभ्यः।सु॰मतिम्।नः।आ।वह।सः॥२॥यामन्॰यामन्।उप॰युक्तम्।
वहिष्ठम्॥कर्मन्॰कर्मन्।आ॰भगम्।अग्निम्।ईडे।रक्षः॰हनम्॥यज्ञ॰

हंधम्।व्हृत०आहुतम्।सः॥३॥स्तु०जातम्।जात०वेदसम्॥अग्निम्।वैश्वानरम्।
वि०न्नम्॥हव्य०वाहम्।हवाम्।हसः॥४॥येन।ऋषयः।बलम्।अघोतयन्।युजा॥
जा॥येन।असुराणाम्।अयुवंत।मायाः॥येन।अग्निना।पणीन्।इंद्रः।जिणा।
णा।यसः॥पायन।देवाः।अमृतंम्।अनु०अविंदन्॥येन।उषधीः।मधु०मतीः।
अलएवन्॥येन।देव्यस्य।इदम्।प्र०दिवाः।स्वः।आ०अनरन्।सः॥६यस्य।
इदम्।प्र०दिशियत्।वि०रावत्॥यत्।जातम्।जनितव्यम्।वा।केवलम्॥स्तो
मि।अग्निं।नाथितः।जोहवीमि।सः॥७॥७॥२३॥७॥इंद्रस्य।मन्महे।शश्वत्।इ

त्।अस्य।मन्महे॥वृत्र०घ्नः।स्तोमाः।उप।मा।इमे।आ।अगुः॥यः।दाशुषः।सु
कृतः।हवम्।एति।सः॥१॥यः।उग्रीणम्।उग्र०बाहुः।ययुः॥यः।दानवा
नाम्।बलम्।आ०रुरोज॥येन।जिताः।सिंधवः।येन।गावः।सः॥२॥यः।च
र्षणि०प्रः।वृषभः।स्वः०विद्॥यस्मै।ग्रावाणः।प्र०वदंति।नृम्णम्॥यस्य।अ
ध्वरः।सप्त०होता।मदिष्टः।सः॥३॥यस्य।अवृशासः।ऋषभासः।उक्षणः॥य
स्मै।मीयंते।स्वरवः।स्वः०विदे॥यस्मै।शुक्रः।पवते।ब्रह्म०शुंभितः।सः॥४॥
यस्य।जुष्टिम्।सोमिनः।कामयंते॥यम्।हवंत।इषु०मंतम्।गो०इष्टौ॥

यस्मिन्। अर्कः। शिश्रिये। यस्मिन्। ऽ जनासः।।५। यः। प्रथमः। कर्मऽकृत्याय।
यज्ञे।। यस्य। वीर्यम्। प्रथमस्य। अनुऽबुद्धम्।। येन। उत्ऽयतः। वज्रः। अ
भि॰आऽयत। अहिम्। सः।।६।। यः। सम्ऽग्रामान्। नयति। सम्। युधे। वशी।।
यः। पुष्टानि। सम्ऽसृजति। द्वयानि।। स्तौमि। इन्द्रम्। नाथितः। जोहवीमि।। सः।
नः। मुंचतु। अंहसः।।७।।ठ।।२५।। वायोः। सवितुः। विदथानि। मन्महे। यौ। आ
त्मन्ऽवत्। विभृथः। यौ। च। रक्षथः।। यौ। विश्वस्य। परिभू इति परि॰भू। बभू ८५
वथुः।। तौ। नः। मुंचतम्। अंहसः।।१।। ययोः। सम्ऽख्याता। वरिमा। पार्थिवानि।।

याभ्याम्। रजः। युपितम्। अंतरिक्षे।। ययोः। प्र॰आयम्। न। अनु॰आनशे। कः।
चन।। तौ।।२।। तव। व्रते। नि। विशंते। जनासः।। त्वयि। उत्ऽइते। प्र। ईरते। चित्रऽभा
नौ इति चित्र॰भानौ।। युवम्। वायो इति। सविता। च। भुवनानि। रक्षथः।। तौ।।
३।। अप। इतः। वायो इति। सविता। च। दुः॰कृतम्। अप। रक्षांसि। शिमिदाम्। च।
सेधतम्।। सम्। हि। ऊर्जया। सृजथः। सम्। बलेन।। तौ।।४।। रयिम्। मे। पोषम्।
सविता। उत। वायुः।। तनू इति। दक्षम्। आ। सुवताम्। सु॰शेवम्।। अयक्ष्म॰
ताऽतिम्। महः। इह। धत्तम्।। तौ।।५।। प्र। सु॰मतिम्। सवितः। वायो इति। ऊतये।।

मह्स्वंतम्।मंस्सरम्।मादयाथः॥अर्वाक्।वामस्य।प्र॰वतः।नि।यछतम्।तौ॥
॥द्वा३५॥श्रेष्ठाः।नः।आ।शिषः।देवयोः।क्षमन्।अस्थिरन्॥स्तौमि।देवम्।सवि
तारम्।च।वास्तुम्।तौ।नः॥७॥७॥२५॥पंचमानुवाकः॥स्त।पञ्चा३५॥अपराः।पं
च॥मन्चो।वाम्।द्यावापृथिवी।इति।स्तु॰तो।जसौ॥सञ्चेतसौ।यइति।अप्रथया
म्।अमिता।योजनानि॥प्रतिस्थे इति।प्रति॰स्थे।हि।अनवतम्।वस्त्नाम्।तेइति।
नः॥१प्रतिस्थे इति।प्रति॰स्थे।हि।अनवतम्।वस्त्नाम्॥प्रहेहे इति।प्र॰हेहे।देवी ८६
इति।सुजगे इति।सु॰जगे।उरुची इति॥द्यावापृथिवी इति।नवतम्।मास्योन
51

इति।तेइति॥२॥असंतापे इत्यसम्॰तापे।सु॰तपसौ।हुवे।अहम्॥उर्वी इति।
गंन्नी।रइति।कवि॰ति।नमस्ये इति॥२ येइति।अमृतम्।बिभृथः।येइति।स
वौ।षि॥येइति।स्त्रोत्याः।बिभृथः।येइति।मनुष्यान्।ध॥येइति।उस्त्रियाः।बिभृथः।
येइति।वनस्पतीन्॥ययोः।वाम्।विश्वा।भुवनानि।अंतः॥५येइति।कीलालेन।त
र्पयथः।यइति।घृतेन॥याभ्याम्।ऋते।न।किम्।वन।शकु॰वंति॥द्यावापृथि
वी इति।नवतम्।मास्योने इति।तेइति॥छायता।मा।इदम्।अत्ति॰शोचति॥येन
येन।वा।ऋतम्॥पोरुषया।तान।देवान्॥स्तौमि।द्यावापृथिवी इति।नाधितः॥

BHU
MEMORIAL

जोऽहवीमि॥ तेइति। नः। मुंचंतु। अंहसः॥७॥७॥२६। मरुताम्। मन्वे। अधि। मे।
ब्रुवंतु॥ प्र। इमम्। वाजम्। वाज॰सातौ। अवंतु॥ आशून्ऽइव। सुऽयमान्।
अह्वे। ऊतये॥ ते। नः। मुंचंतु। अंहसः॥१॥ उत्सम्। अक्षितम्। वि॰अचंति। ये।
सदा। ये। आ॰सिंचंति। रसम्। ओषधीषु॥ पुरः। दधे। मरुतः। पृश्नि॰मातॄन्।
ते॥२। पयः। धेनूनाम्। रसम्। ओषधीनाम्। जवम्। अर्वताम्। कवयः। ये। इन्व
थ॥ शग्माः। भवंतु। मरुतः। नः। स्योनाः। ते॥३। अपः। समुद्रात्। दिवम्। उत्। व
हंति॥ दिवः। पृथिवीम्। अभि। ये। सृजंति॥ ये। अत्॰भिः। ईशानाः। मरुतः। च

५२

रंति। ते॥४। ये। कीलालेन। तर्पयंति। ये। घृतेन॥ ये। वा। वयः। मेदसा। सम्ऽसृ
जंति॥ ये। अत्॰भिः। ईशानाः। मरुतः। वर्षयंति॥ ते॥५। यदि। इत्। इदम्। मरु
तः। मारुतेन॥ यदि। देवाः। दैव्येन। ईदृक्। आर। यूयम्। ईशिध्वे। वसवः। तस्य।
निः॰कृतेः। ते॥६। तिग्मम्। अनीकम्। विदितम्। सहस्वत्॥ मारुतम्। शर्धः। पृत
नासु। उग्रम्॥ स्तौमि। मरुतः। नाधितः। जोहवीमि॥ ते। नः। मुंचंतु। अंहसः॥७॥८॥
२७॥ भवाशर्वौ। मन्वे। वाम्। तस्य। वित्तम्॥ ययोः। वाम्। इदम्। प्र॰दिशि। यत्।
वि॰राजति॥ यौ। अस्य। ईशाथेइति। द्वि॰पदः। यौ। चतुः॰पदः॥ तौ। नः। मुंचतम्।

अंहसः॥१॥ यथा॥ अत्रिं॰ अधि॥ उत्। यतः। हृरा। विनं॥ यौ। विद्विता। इषुं॰न्त ताम्।
असिष्टे॥२॥ सहस्र॰अंहै। वृत्र॰हना। कुवे। अहम्॥ हरण वृती। इति हरण॰
वृती। स्तुवन्। नमि। कृ यौ॥३॥ यौ। आरेता। प्येइत्या॰रेता। धा। बहुं। साकम्।
अयै॥ श्रा। वा। इत। अस्यां। क्षम्। अत्रिं॰ नां। जनेषु॥४॥ यः। वधत्। न। अप॰प
घातकः। वनां। अंतः। द। विष्टुः। उत। मा। इषेषु॥५॥ यः। क्रत्वा॰ इतः। मूर्ने॰
ता। या। तु॰ध्मनः॥ नि। तस्मिन्। धनाम्। वनाम्। उ यौ॥ यौ। अस्य। ई शाथ। इति
छिं॰पदः। यौ। वचः॰पदः॥ तो॥६॥ अधिनः। ब्रूतम्। एतनासु। उ यौ॥ सम्। व ८८

५३

जुना। स्वजतम्। ...ः। किमीदौ॥ स्तोमि। नवा। शार्वौ। नाथितः। ओहवीमि। तौ॥७॥ ८॥
२८। मध्वो। वाम्। मित्रावरुणा। ऋत॰वृधौ॥ सं॰चेतसौ। द्रुह्वणा। यौ। नुदथ
इति॥ प्र। सत्य॰वानम्। अवथः। नरेषु। तौ॥१॥ सं॰चेतसौ। द्रुह्वणः। यौ। नुद
थ इति॥ प्र। सत्य॰वानम्। अवथः नरेषु। यौ। गच्छथः। नृ॰वद्वसौ। बभ्रुक्वणा॥
स्तुतम्। तौ॥२॥ यौ। अंगिरसम्। अवथः। यौ। अगस्तिम्॥ मित्रावरुणा। जमदग्नि॰
अग्निम्। अत्रिम्॥ यौ। कश्यपम्। अवथः। यौ। वसिष्ठम्। तौ॥३॥ यौ। श्याव॰
अश्वम्। अवथः। वध्रि॰अश्वम्॥ मित्रावरुणा। पुरु॰मीढम्। अत्रिम्॥ यौ।

विऽमदम्। अवथः। सम्ऽवध्रिम्। ता॥४॥ यौ। नरऽवाजम्। अवथः। यौ। गवि
ष्टिरं॥ विश्वामित्रम्। वरुणा। मित्रा। कुत्सम्॥ यौ। कक्षीवंतम्। अवथः। प्र। उत। क
एवम्। ता॥५॥ यौ। मेधऽअतिथिम्। अवथः। यौ। त्रिऽशोकम्॥ मित्रावरुणा। उ
शनाम्। काव्यम्। यौ। यौ। गोतमम्। अवथः। प्र। उत। मुद्गलम्। ता॥६॥ ययोः।
रथः। सत्यऽवर्त्मा। ऋजुऽरश्मिः॥ मिथुया। चरंतम्। अभिऽयाति। दूषयन्॥ स्तौ
मि। मित्रावरुणौ। नाथितः। जोहवीमि॥ ता। नः। मुंचतं। अंहसः॥७॥३॥२५॥ अह
म्। रुद्रेभिः। वसुऽभिः। चरामि॥ अहम्। आदित्यैः। उत। विश्वऽदेवैः॥ अहम्। ५८

मित्रावरुणा। उभा। बिभर्मि॥ अहम्। इंद्राग्नी इति। अहम्। अश्विना। उभा॥१॥ अ
हम्। राष्ट्री। सम्ऽगमनी। वसूनाम्॥ चिकितुषी। प्रथमा। यज्ञियानाम्॥ ताम्। मा।
देवाः। वि। अदधुः। पुरुऽत्रा॥ भूरिऽस्थात्राम्। भूरि। आऽवेशयंतीः॥२॥ अहम्। एव।
स्वयम्। इदम्। वदामि। जुष्टम्। देवानाम्। उत। मानुषाणाम्॥ यम्। कामये। त
म्ऽतम्। उग्रम्। कृणोमि॥ तम्। ब्रह्माणम्। तम्। ऋषिम्। तम्। सुऽमेधाम्॥३॥ मया।
सः। अन्नम्। अत्ति। यः। विऽपश्यति॥ यः। प्राणिति। यः। ईम्। शृणोति। उक्तम्॥
अमंतवः। माम्। ते। उप। क्षियंति॥ श्रुधि। श्रुत। श्रद्धिऽवम्। ते। वदामि॥४॥ अ

हम्।रुद्राय।धनुः।आ।तनोमि।।ब्रह्मऽद्विषे।शरवे।हन्तवै।ऊं इति।।अहम्।
जनाय।सऽमदम्।कृणोमि।।अहम्।द्यावापृथिवी इति।आ।विवेश।।५।।अह
म्।सोमम्।आहनसम्।बिभर्मि।।अहम्।त्वष्टारम्।उत।पूषणम्।भगम्।।अ
हम्।दधामि।द्रविणम्।हविष्मते।।सुप्रऽअव्ये।यजमानाय।सुन्वते।।६।।अह
म्।सुवे।पितरम्।अस्य।मूर्द्धन्।।मम।योनिः।अप्ऽसु।अन्तः।समुद्रे।।ततः।वि
तिष्ठे।भुवनानि।विश्वा।।उत।अमूम्।द्याम्।वर्ष्मणा।उप।स्पृशामि।।७।।अह
म्।एव।वातःऽइव।प्र।वामि।।आऽरभमाणा।भुवनानि।विश्वा।।परः।दिवा।प २०

मूल्यार

रः।एना।पृथिव्या।।एतावती।महिम्ना।सम्।बभूव।।८।।३०।। षष्ठोनुवाकः।।
स्त०५।ऋ।१२।६८।अष्टमः प्रपाठकः।। ।।८।।त्वया।मन्यो इति।सऽरथम्।आऽ
रुजन्तः।।हर्षमाणाः।धृषितासः।मरुत्वन्।।तिग्मऽइषवः।आयुधा।सम्ऽशिशा
नाः।।उप।प्र।यन्तु।नरः।अग्निऽरूपाः।।१।।अग्निःऽइव।मन्यो इति।त्विषितः।सह
स्व।।सेनाऽनीः।नः।सहुरे।हूतः।।एधि।हत्वाय।शत्रून्।वि।भजस्व।वेदः।।ओजः
मिमानः।वि।मृधः।नुदस्व।।२।।सहस्व।मन्यो इति।अभिऽमातिम्।अस्मे।।रुज
न्।मृणन्।प्रऽमृणन्।प्र।इहि।शत्रून्।।उग्रम्।ते।पाजः।ननु।आ।रुरुध्रे।।वशी।

५६क

वशाम्।नयासि।एकं॰जा।चे॥३॥एकः।बहूनाम्।असि।मन्यो इति।ईडिता॥वि
शंऽविशम्।युद्धाय।सम्।सं॰शिशाधि॥अकृत्तं॰रुक्।त्वया।युजा।वयम्।द्युमं॰
मंतम्॥घोषम्।विं॰जयाय।कृण्मसि॥४॥विजेषं॰कृत्।इंद्रः॰इव।अनवं॰ब्र
वः॥अस्माकम्।मन्यो इति।अधि॰पाः।भव।इह॥प्रियम्।ते।नाम।सहुरे।गृणी
मसि॥विद्म।तम्।उत्सम्।यतः।आ॰बभूथ॥५॥आ॰भूत्या।सहजाः।वज्र।साय
क॥सहः।बिभर्षि।अभि॰भूते।उत्॰तरम्॥क्रत्वा।नः।मन्यो इति।सह।मेदी।एधि॥
महा॰धनस्य।पुरुहूत।सम्॰सृजि॥६॥सम्॰सृष्टम्।धनम्।उभयम्।

५६

सम्॰आकृतम्॥अस्मभ्यम्।धत्ताम्।वरुणः।च।मन्युः॥भियः।दधानाः।हृदये
षु।शत्रवः॥परा॰जितासः।अप।नि।लयंताम्॥७॥८॥३॥यः।ते।मन्यो इति।
अविधत्।वज्र।सायक॥सहः।ओजः।पुष्यति।विश्वम्।आनुषक्॥साह्याम।दास
म्।आर्यम्।त्वया।युजा।वयम्।सहः॰कृतेन।सहसा।सहस्वता॥१॥मन्युः।
इंद्रः।मन्युः।एव।आस।देवः॥मन्युः।होता।वरुणः।जात॰वेदाः॥मन्युः।विशः।
ईडते।मानुषीः।याः॥पाहि।नः।मन्यो इति।तपसा।सं॰जोषाः॥२॥अभि।इहि।
मन्यो इति।तवसः।तवीयान्॥तपसा।युजा।वि।जहि।शत्रून्॥अमित्र॰हा।
वृत्र॰हा।

MEMORIAL

वृत्र॰हा। दस्यु॰हा। च। विश्वा। वसूनि। आ। भर। त्वम्। नः॥३॥ त्वम्। हि। मन्यो इति। अभिभूति॰
ओजाः॥ स्वयम्॰भूः। भामः। अभिमाति॰सहः॥४॥ विश्व॰चर्षणिः। सहुरिः। सहा
वान्। अस्मासु। ओजः। पृतनासु। धेहि॥४॥ अभागः। सन्। अप। परा॰इतः। अस्मि॥
तव। क्रत्वा। तविषस्य। प्र॰चेतः। तम्। त्वा। मन्यो इति। अक्रतुः। जिहीड। ४। अहम्॥
स्वा। तनूः। बल॰दावा। नः। आ। इहि॥५॥ अयम्। ते। अस्मि। उप। नः। आ। इहि। अर्वा
ङ्॥ प्रतीचीनः। सहुरे। विश्व॰धायः। मन्यो इति। वज्रिन्। अभि। नः। आ। ववृत्स्व॥
हनाव। दस्यून्। उत। बोधि। आपेः॥६॥ अभि। प्र। इहि। दक्षिणतः। भव। नः। अध॥

वृत्राणि। जंघनाव। भूरि। जुहोमि। ते। धरुणम्। मध्वः। अग्रम्। उभौ। उप॰अं
शु। प्रथमा॥ पिबाव॥७॥६॥३२॥ ॥ अप। नः। शोशुचत्। अघम्॥ अग्ने। शुशुग्धि॥
आ। रयिम्॥ अप। नः। शोशुचत्। अघम्॥१॥ सु॰क्षेत्रिया। सुगातु॰या॥ वसु॰या॥
च। यजामहे॥२॥ प्र। यत्। भन्दिष्ठः। एषाम्। प्र। अस्माकासः। च। सूरयः॥३॥ प्र। यत्। ते।
अग्ने। सूरयः॥ जायेमहि। प्र। ते। वयम्॥४॥ प्र। यत्। अग्नेः। सहस्वतः॥ विश्वतः। यं
ति। भानवः॥५॥ त्वम्। हि। विश्वतः॰मुख॥ विश्वतः। परि॰भूः। असि॥६॥ द्विषः। नः। वि
श्वतः॰मुख॥ अति। नावा॰इव। पारय॥७॥ सः। नः। सिन्धुम्॰इव। नावा॥ अति। प

षि। स्वस्तये॥ अपानः। शोशुचत्। अघम्॥ ८॥ ७॥ २३॥ ॥ ब्रह्म। अस्य। शीर्षम्।
बृहत्। अस्य। पृष्ठम्॥ वामऽदेव्यम्। उदरम्। ओदनस्य॥ छंदांसि। पक्षौ। मुख
म्। अस्य। सत्यम्॥ विष्टारी। जातः। तपसः। अधि। यज्ञः॥ १ अनस्थाः। पूताः। पव
नेन। शुद्धाः॥ शुचयः। शुचिम्। अपि। यंति। लोकम्॥ न। एषाम्। शिश्नम्। प्र।
दहति। जातऽवेदाः॥ स्वःऽगे। लोके। बहु। स्त्रैणम्। एषाम्॥ २ विष्टारिणं।
ओदनम्। ये। पचंति॥ न। एनान्। अवर्तिः। सचते। कदा। चन॥ आस्ते। यमे।
उप। याति। देवान्। सम्। गंधर्वैः। मदते। सोम्येभिः॥ ३ विष्टारिणम्। ओद ८-३

४५

नम्। ये। पचंति॥ न। एनान्। यमः। परि। मुष्णाति। रेतः॥ रथी। ह। भूत्वा। रथऽयाने।
ईयते॥ पक्षी। ह। भूत्वा। अति। दिवः। सम्। एति॥ ४ एषः। यज्ञानाम्। विऽततः।
वहिष्ठः॥ विष्टारिणम्। पक्त्वा। दिवम्। आ। विवेश॥ आंडीकम्। कुमुदम्। सम्।
तनोति। बिसम्॥ शालूकम्। शफकः। मुलाली॥ एताः। त्वा। धाराः। उप। यंतु।
सर्वाः॥ स्वःऽगे। लोके। मधुऽमत्। पिन्वमानाः॥ उप। त्वा। तिष्ठंतु। पुष्करि
णीः। सम्ऽअंताः॥ घृतऽह्रदाः। मधुऽकूलाः। सुरऽउदकाः॥ क्षीरेण। पू
र्णाः। उदकेन। दध्ना॥ ६ चतुरः। कुंभान्। चतुःऽधा। ददामि॥ क्षीरेण। पू

र्सीन्।उदकेन।दध्ना।एताः।त्वा।धाराः।उप।यंतु।सर्वाः॥स्वः॰गे।लोके।
मधु॰मत्।पिन्वमानाः।उप।त्वा।तिष्ठंतु।पुष्करिणीः।सम्॰अंताः॥७॥इमम्।
ओदनम्।नि।दधे।ब्राह्मणेषु।विष्टारिणम्।लोक॰जितम्।स्वः॰गम्॥
सः।मे।मा।क्षेष्ट।स्वधया।पिन्वमानः॥विश्व॰रूपा।धेनुः।काम॰दुघा।मे।अ
स्तु॥८॥७॥३४॥यम्।ओदनम्।प्रथम॰जाः।ऋतस्य।प्रजा॰पतिः।तपसा।ब्र
ह्मणे।अपचत्॥यः।लोकानाम्।वि॰धृतिः।न।अभि॰रिषात्॥तेन।ओदनेन।अ
ति।तराणि।मृत्युम्॥१॥येन।अतरन्।भूत॰कृतः।अति।मृत्युम्॥यम्।अनु॰

अविन्दन्।तपसा।श्रमेण॥यम्।पपाच।ब्रह्मणे।ब्रह्म।पूर्वम्।तेन॥२॥यः।
दाधार।पृथिवीम्॥विश्व॰भोजसम्॥यः।अंतरिक्षम्।आ॰अपृणात्।रसेन॥
यः।अस्तभ्नात्।दिवम्।ऊर्ध्वः।महिम्ना॥तेन॥३॥यस्मात्।मासाः।निः॰मिताः।त्रिं
शत्॰अराः।सम्॰वत्सरः।यस्मात्।निः॰मितः।द्वादश॰अरः॥अहोरात्राः।यम्।
परि॰यंतः।न।आपुः।तेन॥४॥यः।प्राण॰दः।प्राण॰दवान्।बभूव॥यस्मै।
लोकाः।घृत॰वंतः।क्षरंति॥ज्योतिष्मतीः।प्र॰दिशः।यस्य।सर्वाः।तेन॥५॥
यस्मात्।पक्वात्।अमृतम्।सम्॰बभूव॥यः।गायत्र्याः।अधि॰पतिः।बभूव॥

यस्मिन्। वेदाः। नि॰हिताः। विश्व॰रूपाः॥ तेन। ओदनेन। अति। तराणि। मृत्युम्।
॥६॥ अव। बाधे। द्विषन्तम्। देव॰पीयुम्॥ स॰पत्नाः। ये। मे। अप। ते। भवन्तु॥
ब्रह्म॰ओदनम्। विश्व॰जितम्। पचामि॥ शृण्वन्तु। मे। श्रत्॰दधानस्य। दे
वाः॥७॥७॥३॥ सप्तमनुवाक॥ स्त्रा।पा।ऊ।३७ सप्तवा पिबोध्यसयः॥ ७॥ ॥ तान्।
सत्य॰ओजाः। प्र। दहतु। अग्निः। वैश्वानरः। वृषा॥ यः। नः। दुरस्यात्। दिप्सात्।
च। अथो इति। यः। नः। अराति॰यात्॥१ यः। नः। दिप्सत्। अदिप्सतः। दिप्सतः।
यः। च। दिप्सति॥ वैश्वानरस्य। दंष्ट्रयोः। अग्नेः। अपि। दधामि। तम्॥२॥ ये। ५

५०

बानूर

आ॰गरे। मृगयन्ते। प्रति॰क्रोशे। अमा॰वास्ये। क्रव्य॰अदः। अन्यान्। दिप्स
२८ तः। सर्वान्। तान्। सहसा। सहे॥३॥ सहे। पिशाचान्। सहसा। एषाम्। द्रविणम्।
ददे॥ सर्वान्। दुरस्यतः। हन्मि॥ सम्। मे। आ॰कूतिः। ऋध्यताम्॥४॥ ये। देवाः।
तेन। हासन्ते। सूर्येण। मिमते। जवम्॥ नदीषु। पर्वतेषु। ये। सम्। तैः। प
शु॰भिः। विदे॥५॥ तपनः। अस्मि। पिशाचानाम्। व्याघ्रः। गोमताम्॰इव॥ श्वा
नः। सिंहम्॰इव। दृष्ट्वा। ते। न। विन्दन्ते। नि॰अञ्चनम्॥६॥ न। पिशाचैः। सम्।
शक्नोमि। न। स्तेनैः। न। वनर्गु॰भिः॥ पिशाचाः। तस्मात्। नश्यन्ति। यम्। अहम्

म्।यः।माम्।आऽविशाः॥७॥यम्।यः।मम्।आऽविशाति॥इदम्।उग्रम्।सहः।
मम॥पिशाचाः।तस्मात्।नश्यंति॥न।पापम्।उप।जानाति॥?।यः।माम्।क्रो
धयंति॥नृपिता॥हस्तिनम्।मशकाःऽइव॥तान्।अहम्।मन्ये।दुःऽहितान्।
जना।अल्पशायून्ऽइव॥९॥अभि।तम्।निःऽऋतिः।धत्ताम्॥अश्वम्ऽ
इव।अश्वऽअभिधान्या॥मल्वः।यः।मह्यम्।क्रुध्यति॥सः।ऊं इति।पाशात्।
न।मुच्यते॥१०॥३॥२६॥त्वया।पूर्वम्।अथर्वाणः॥जघ्नुः।रक्षांसि।ओषधे॥
त्वया।जघान।कश्यपः।त्वया।कण्वः।अगस्त्यः॥१॥त्वया।वयम्।अप्सरसः॥

गंधर्वान्।चातयामहे॥अजऽशृंगि।अज।रक्षः॥सर्वान्।गंधेन।नाशय॥२॥
नदीम्।यंतु।अप्सरसः॥अपाम्।तारम्।अवऽश्वसम्॥गुल्गुलूः।पीला।
नलदी॥औक्षऽगंधिः।प्रऽमंदनी॥तत्।परा।इत।अप्सरसः।प्रतिऽबुद्धाः।
अभूतन॥३॥यत्र।अश्वत्थाः।न्यग्रोधाः॥महाऽवृक्षाः।शिखंडिनः॥४॥यत्र।वः।
प्रेंखाः।हरिताः।अर्जुनाः।उत॥यत्र।आघाटाः।कर्कर्यः।सम्ऽवदंति॥त
त्।परा।इत।अप्सरसः॥प्रतिऽबुद्धाः।अभूतन॥५॥आ।इयम्।अगन्।ओषधीना
म्॥वीरुधाम्।वीर्यऽवती॥६॥अजऽशृंगी।अराटकी॥तीक्ष्णऽशृंगी॥विऽऋ

DR. BHAU DAJI

षत्त॥ दा। आ॰नृत्यतः॥ शिखंडिनः॥ गंधर्वस्य। अप्सरा॰पतेः॥ तिनद्मि। मु
ष्कौ। अपि। यामि। शेपः॥ शतम्। भीमाः। इंद्रस्य। हेतयः॥ शतम्। ऋष्टीः। अयस्म
यीः॥ ताभिः। हविः॰अदान्। गंधर्वान्॥ अवका॰अदान्। वि। ऋषतु॥ ८॥
भीमाः। इंद्रस्य। हेतयः॥ शतम्। ऋष्टीः। हिरण्ययीः॥ ताभिः। हविः॰अदा
न्। गंधर्वान्॥ अवका॰अदान्। वि। ऋषतु॥ ९॥ अवका॰अदान्। अभि॰शो
चान्। अप्॰सु। ज्योतय॰मामकान्॥ पिशाचान्। सर्वान्। ओषधे। प्र। मृणी
हि। सहस्व॥ १०॥ श्वा॰इव। एकः। कपिः॰इव। एकः॥ कुमारः। सर्व॰केश ८२

कः॥ प्रियः। दृशे॰इव। भूत्वा॥ गंधर्वः। सचते। स्त्रियः॥ तम्। इतः। नाशयाम
सि॥ ब्रह्मणा। वीर्य॰वता॥ ११॥ जायाः। इत्। वः। अप्सरसः॥ गंधर्वाः। पतयः॥
यूयम्॥ अप। धावत। अमर्त्याः। मर्त्यान्। मा। सचध्वम्॥ १२॥ बा॥ ३७॥ ॥ उत्॰भिं
दतीम्। सम्॰जयंतीम्॥ अप्सराम्। साधु॰देविनीम्॥ ग्लहे। कृतानि। कृण्वा
नाम्॥ अप्सराम्। ताम्। इह। हुवे॥ १॥ वि॰चिन्वतीम्। आ॰किरंतीम्॥ अप्सरा
म्। साधु॰देविनीम्॥ ग्लहात्। कृतानि। गृह्णानाम्॥ अप्सराम्। ताम्। इह। हु
वे॥ २॥ या। आयैः। परि॰नृत्यति॥ आ॰ददाना। कृतम्। ग्लहात्॥ सा। नः। कृता

नि॰सीषां ता॥ प्र॰हाम्। आ। भोक्तु। मा। यया॥ सा। नः। पयस्वती। आ। एतु। मा। नः।
जेषुः। इदम्। धनम्॥३॥ याः। अक्षेषु। प्र॰मोदंते। शुचम्। क्रोधम्। च। बिभ्र
ती॥ आ॰नंदिनीम्। प्र॰मोदिनीम्। अप्सराम्। ताम्। इह। हुवे॥४॥ सूर्यस्य।
रश्मीन्। अनु। याः। सम्॰चरंति॥ मरीचीः। वा। याः। अनु॰संचरंति॥ यासाम्।
ऋषभः। दूरतः। वाजिनी॰वान्॥ सद्यः। सर्वान्। लोकान्। परि॰एति। रक्ष
न्। सः। नः। आ। एतु। होमम्। इमम्। जुषाणः॥ अंतरिक्षेण। सह। वाजि
नी॰वान्॥५॥ अंतरिक्षेण। सह। वाजिनी॰वन्॥ कर्कीम्। वत्साम्। इह। रक्ष।

६३

वाजिन्॥ इमे। ते। स्तोकाः। बहुलाः। आ। इहि। अर्वाङ्॥ इयम्। ते। कर्की। इ
ह। ते। मनः॥ अस्तु। अंतरिक्षेण। सह। वाजिनी॰वन्॥ कर्कीम्। वत्साम्।
इह। रक्ष। वाजिन्॥ अयम्। घासः। अयम्। व्रजः॥ इह। वत्साम्। नि। बध्नीमः॥
यथा॰नाम। वः। ईश्महे। स्वाहा॥७॥७॥३८। पृथिव्याम्। अग्नये। सम्। अ
नमन्। सः। आर्ध्नोत्॥ यथा। पृथिव्याम्। अग्नये। सम्॰अनमन्॥ एव। म
ह्यम्। सम्॰नमः। सम्। नमंतु॥१॥ पृथिवी। धेनुः॥ तस्याः। अग्निः। वत्सः॥ सा।
मे। अग्निना। वत्सेन। इषम्। ऊर्जम्। कामम्। दुहाम्॥ आयुः। प्रथमम्। प्र॰

जाम्॥पोषम्।रयिम्।स्वाहा॥२॥अं तरिक्षे।वायवे।सम्।अनमन्।सः।आ
र्ध्नोत्॥यथा।अंतरिक्षे।वायवे।सम्।अनमन्॥एव।मह्यम्।सम्।नमः
सम्।नमंतु॥३॥अंतरिक्षम्॥धेनुः॥तस्याः।वायुः।वत्सः।सा।मा।वायुना।
वत्सेन।इषम्।ऊर्जम्।कामम्।दुहाम्।आयुः।प्रथमम्।प्रजाम्॥पोष
म्।रयिम्।स्वाहा॥४॥दिवि।आदित्याय।सम्।अनमन्।सः।आर्ध्नोत्॥यथा
दिवि।आदित्याय।सम्।अनमन्॥एव।मह्यम्।सम्।नमः।सम्।नमंतु॥५॥
द्यौः॥धेनुः॥तस्याः।आदित्यः।वत्सः॥सा।मा।आदित्येन।वत्सेन॥इषम्।ऊर्ज

८४

म्।कामम्।दुहाम्॥आयुः।प्रथमम्।प्रजाम्॥पोषम्।रयिम्।स्वाहा॥६॥दिक्षु।
चंद्राय।सम्।अनमन्।सः।आर्ध्नोत्॥यथा।दिक्षु।चंद्राय।सम्।अनमन्॥ए
व।मह्यम्।सम्।नमः।सं।नमंतु॥७॥दिशः॥धेनवः॥तासाम्।चंद्रः।वत्सः॥
ताः।मा।चंद्रेण।वत्सेन।इषम्।ऊर्जम्।कामम्।दुहाम्॥आयुः।प्रथमम्।
प्रजाम्।पोषम्।रयिम्।स्वाहा॥८॥अग्नौ।अग्निः।चरति।प्रविष्टः॥ऋषी
णाम्।पुत्रः।अभिशस्तिपाः।ॐ इति॥नमःकारेण।नमसा।ते।जुहोमि॥
मा।देवानाम्।मिथुया।कर्म।भागम्॥९॥हृदा।पूतम्।मनसा।जातवेदः॥

ना १

विश्वानि । देवा । वयुनानि । विद्वान् ॥ सप्त । आस्यानि । तव । जात॰वेदः ॥ तेभ्यः । जु
होमि । सः । जुषस्व । हव्यम् ॥ १० ॥ ७ ॥ २५ ॥ ये । पुरस्तात् । जुह्वति । जात॰वे
दः ॥ प्राच्याः । दिशः । अभि॰दासंति । अस्मान् । अग्निम् । ऋत्वा । ते । परांचः । व्यथं
ताम् ॥ प्रत्यक् । एनान् । प्रति॰सरेण । हन्मि ॥ १ ॥ ये । दक्षिणतः । जुह्वति । जात॰
वेदः ॥ दक्षिणायाः । दिशः ॥ यमम् । ऋत्वा ॥ २ ॥ ये । पश्चात् । जुह्वति । जात॰वेदः ॥
प्रतीच्याः । दिशः ॥ वरुणम् । ऋत्वा ॥ ३ ॥ ये । उत्तरतः । जुह्वति । जात॰वेदः ॥ उदी १००
च्याः । दिशः ॥ सोमम् । ऋत्वा ॥ ४ ॥ ये । अधस्तात् । जुह्वति । जात॰वेदः । ध्रुवायाः

स्यो ऋत्वा । ये दिशः । ध्रुवतः । देवे ... जु ह्वति ३

दिशः ॥ भूमिम् । ऋत्वा ॥ ५ ॥ ये । अंतरिक्षात् । जुह्वति । जात॰वेदः ॥ वि॰अध्वयायाः
दिशः ॥ वायुम् । ऋत्वा ॥ ६ ॥ ये । उपरिष्टात् । जुह्वति । जात॰वेदः ॥ ऊर्ध्वायाः । दि
शः । अभि॰दासंति । जात॰वेदः ॥ सर्वाभ्यः । दिक्॰भ्यः । अभि॰दासंति । अस्मा
न् ॥ ब्रह्म । ऋत्वा । ते । परांचः । व्यथंताम् ॥ प्रत्यक् । एनान् । प्रति॰सरेण । हन्मि ॥
८ ॥ ७ ॥ ४० ॥ अष्टमोऽनुवाकः । अनुवाके सूक्तानि ५ । ऋचः ४७ ॥ सप्तदशोत्याः षडर्चेव
ह्यानवमः । चतुर्थकांडं ऋ॰ मकू॰ मंत्रः । यो निमुयः । आ॰ब्रह्म । वर्म । अमृत॰अ
स्तुः । वर्द्धमानः । सु॰जन्मा । अदब्ध॰असुः । भ्राजमानः । अहा॰इव ॥ त्रितः । धर्ता ।

दृाध्मरा।त्रीणि॥ १॥ आयः। धर्माणि। प्रथमः। ससाद। ततः। वपूंषि। कृणुषे। पु
रूणि॥ धास्युः। योनिम्। प्रथमः। आ। विवेश॥ आयः। वाचम्। अनुदिताम्। चि
केत॥ २॥ यः। ते। शाकाय। तु। चंरिरेभ। तस्त। हि। सम्पम्। सुवक्यः। अनु। स्वाः॥
अत्र। दृधात इति। अमृतानि। नामा॥ अस्मे इति। वस्त्राणि॥ विशः। आ। ईरयंताम्॥
। ३॥ प्र। यत्। एता। प्रं०तरम्। पूर्व्यम्। गुः॥ सदः०सदः। आ०तिष्ठन्तः। अजुर्यम्॥
कविः। सुषस्य। मातसा। रिहाणा इति॥ जाम्योः। धुर्यम्। पतिम्। आ। ईरायणाम्
॥ धातलां। ऊं इति। स्तु। तामहता। पृथ्युं०जस्ना। नमः। कविः। का। धना। तणामि॥ यत् १०१
५६

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

सम्पंचौ। अनिं०यं तो। अति। द्वाम्। अत्र। म हा इति। रोधवके इति। रोध०चक्रे।
वुद्वा। बुते इति॥ धा। पास्सम्। मयापि। कवयः। ततन्नुः॥ तास्साम्। इत्। एकाम्।
अति। अंकुरः। गात्॥ आयोः। हस्कंनः। उपमस्य। नीडे॥ पथाम्। विं०सर्गा।
धरुणेषु। तास्थौ॥ ६॥ उत। अमृतं०अस्तुः। व्रतः। एमि। कृण्वन्॥ अस्तु। आ।
स्मा। तव। आ। नता। सुमत०गुः॥ उत। वा। शाकः। रत्नम्। दधाति॥ ऊर्जया। वा।
यत्। सवक्ता। हविः०दाः॥ ७॥ उत। सुत्रः। पितरम्। हात्रम्। ईडे॥ ज्येष्ठम्। मया
दमा। अक्रयनु। स्वसाय॥ दर्शना। नु। ताः। वरुणा। याः। ते। विं०स्था॥ आ०व

क्तिनः । ऋणवः । वक्षंषि ॥ ८ ॥ अर्हम् । आर्द्देन । पयसा । हृणा । हिंसे । अर्द्देन । उष्म ।
वर्द्धसि । अमुर ॥ अविंद्व धाम । ३ । अभियमू । मरवायमू ॥ वरुणम् । पुत्रम् । अ
दित्याः । इषिरम् ॥ कवि॰ शस्तानि । अस्मै । वक्षंषि ॥ अ वो वाम रोदसी इति ।
सत्य॰वाचम् । ७ । ५ ॥ ४ ॥ ततू । इत । आसा । नु वसनषु । ज्येष्ठम् ॥ यतः । तु । नये ।
उग्रः । वृष॰ त्वम्लः ॥ सघः । जन्यानः । नि । रिणाति । शत्रून् । अनु । यत् । एनम् ।
मदंति । विश्वे । ऊमाः ॥ ४ ॥ वृद्ध धनः । शवसा । नृ॰ स्मि॰ उजाः ॥ ३ ॥ उभ दासाय मित्रिय
सम् । दधति ॥ अवि॰ अनत् । च । वि॰ अनत् । च । सस्मि । स्ते । ता । नमंत । प्र॰ न्द २०२

६१

ता । मदेषु ॥ २ ॥ त्वे इति । क्रत्वम् । अपि । वृंजंति । भूरि । द्विः । यत् । एते । त्रिः । भवंति
ऊमाः । स्वादोः । स्वादीयः । स्वादुना । सृज । सम् । अदः । सु । मधु । मधुना । अ
भि । योधीः ॥ ३ ॥ यदि । चित् । नु । त्वा । धनाः । जयंतम् ॥ रणे॰ रणे । अनु॰ मदंति
विप्राः ॥ ओजीयः । शुष्मिन् । स्थिरम् । आ । तनुष्व ॥ मा । त्वा । दभन् । दुः॰ एवासः ।
कशोकाः ॥ ४ ॥ त्वया । वयम् । शाशद्महे । रणेषु ॥ प्र॰ पश्यंतः । युधेन्यानि । भू
रि । चोदयामि । ते । आयुधा । वचः॰भिः ॥ सम् । ते । शिशामि । ब्रह्मणा । वयांसि ॥
५ ॥ नि । तत् । दधिषे । अवरा । परा । च ॥ यस्मिन् । आविथ । अवसा । दुः॰हणा ॥

आ।स्थापयत।मातरम्।जिगत्नुम्॥अ॑तः।इच्वता।कर्वराणि।त्वसिाद्दा।स्तुष्ठो
वर्ष्मन्।पुरु॰वर्त्मनि म।सम्॥ऊन्वारणम्।इन॰तमम्।आप्तम्।आप्त्याना
म्॥आ।दर्शति।शवसा।त्र्युरि॰उजाः॥प्र।सृन्नति।प्रति॰मानम्।पृथिव्याः॥
१॥इमा।ब्रह्म।बृहत्॰दिवः।कृणवत्॥इन्द्राय।शूषम्।अग्रियः।स्वः॰साः॥मु
हः।णोत्रस्यधन्वयति।स्व॰राजः॥तुरः।वि्नु।विश्वम्।अर्णवत्।तपस्वान्॥८॥ए
व।महान्।बृहत्॰दिवः।अथर्वा॥अवोचत।स्वाम्।तन्वम्।इन्द्रम्।एव॥स्व २०३
सारौ।मातरिभ्वरी इति।अरिप्रे इति।हिन्वंति।च।एने इति।शवसा।वर्धयंति

ति।च॥ण।७॥२॥ ॥मम।अग्ने।वर्चः।वि॰हवेषु।अस्तु॥वयम्।त्वा।इन्धानाः।तन्वं
म्।पुषेम॥मह्यम्।नमन्ताम्।प्र॰दिशः।चतस्रः॥त्वया।अधि॰अक्षेण।पृतनाः।
जयेम॥१॥अग्ने।मन्युम्।प्रति॰नुदन्।परेषाम्॥त्वम्।नः।गोपाः।परि।पाहि।
विश्वतः॥अपांचः।यंतु।नि॰वता।दुरस्यवः॥अमा।एषाम्।चित्तम्।प्र॰बुधाम्।
वि।नेशत्॥२॥मम।देवाः।वि॰हवे।संतु।सर्वे॥इन्द्र॰वंतः।मरुतः।विष्णुः।अ
ग्निः॥मम।अंतरिक्षम्।उरु॰लोकम्।अस्तु॥मह्यम्।वातः।पवताम्।कामाय।
अस्मै॥३॥मह्यम्।यजन्ताम्।मम।यानि।इष्टा॥आ॰कूतिः।सत्या।मनसः।मे।

अस्तु॥ एनः। मा। नि। गाम्। कतमत्। चन। अहम्॥ विश्वे। देवाः। अभि। रक्षन्तु।
मा। इह॥ ४। मयि। देवाः। द्रविणम्। आ। यजन्ताम्॥ मयि। आऽशीः। अस्तु॥
मयि। देवऽहूतिः॥ दैव्याः। होतारः। सनिषन्। नः। एतत्॥ अरिष्टाः। स्याम।
तन्वा। सुऽवीराः॥ ५। देवीः। षट्। उर्वीः। उरु। नः। कृणोत॥ विश्वे। देवासः। इ
ह। मादयध्वम्॥ मा। नः। विदत्। अभिऽभाः। मो इति। अशस्तिः॥ मा। नः। विदत्।
वृजिना। द्वेष्या। या॥ ६। तिस्रः। देवीः। महि। नः। शर्म। यच्छत॥ प्रऽजायै। नः। त
न्वे। यत्। च। पुष्टम्॥ मा। हास्महि। प्रऽजया। मा। तनूभिः। मा। रधाम। द्विष

ते। सोम। राजन्॥ ७। उरुऽव्यचाः। नः। महिषः। शर्म। यंसत्। अस्मिन्। हवे।
पुरुऽहूतः। पुरुऽक्षु॥ सः। नः। प्रऽजायै। हरिऽअश्व। मृड॥ इन्द्र। मा। नः। रि
रिषः। मा। परा। दाः॥ ८। धर्ता। विऽधर्ता। भुवनस्य। यः। पतिः॥ देवः। सविता।
अभिमातिऽसहः॥ ९। आदित्याः। रुद्राः। अश्विना। उभा॥ देवाः। पान्तु। यज
मानम्। निःऽऋथात्॥ [illegible]। ये। नः। सऽपत्नाः। अप। ते। भवन्तु॥ इन्द्राग्निऽभ्याम्।
अव। बाधामहे। एनान्॥ आदित्याः। रुद्राः। उपरिऽस्पृशः। नः। उग्रम्। चे
त्तारम्। अधिऽराजम्। अक्रन्॥ १०। अर्वाञ्चम्। इन्द्रम्। अमुतः। हवामहे॥

यः।गो॰जित्।धन॰जित्।अश्व॰जित्।यः॥इदम्।नः।यज्ञम्।वि॰हवे।शृ
णोतु॥अस्माकम्।अभूः।हरि॰अश्व।मेदी॥११॥३॥ ॥यः।गिरिषु।अ
जायथाः॥वीरुधाम्।बलवत्॰तमः॥कुष्ठ।आ।इहि।तक्म॰नाशन॥तक्म
नम्।नाशयन्।इतः॥१॥सुपर्ण॰सुवने।गिरौ॥जातम्।हिम॰वतः।परि॥
धनैः।अभि।श्रुत्वा।यंति।विदुः।हि।तक्म॰नाशनम्॥२॥अश्वत्थः।देव॰स
दनः।तृतीयस्याम्।इतः।दिवि॥तत्र।अमृतस्य।चक्षणम्।देवाः।कुष्ठम्।अ १०५
वन्वत॥३॥हिरण्ययी।नौः।अचरत्।हिरण्य॰बंधना।दिवि॥तत्र।अमृ

१०

तस्य।पुष्पम्॥देवाः।कुष्ठम्।अवन्वत॥४॥हिरण्ययाः।पंथानः।आसन्॥अ
रित्राणि।हिरण्यया॥नावः।हिरण्ययीः।आसन्॥याभिः।कुष्ठम्।निः॰आ
वहन्॥५॥इमम्।मे।कुष्ठ।पूरुषम्॥तम्।आ।वह।तम्।निः।कुरु॥तम्।उं ३
इति।मे।अगदम्।कृधि॥६॥देवात्।अधि।जातः।असि॥सोमस्य।असि।स
खा।हितः॥सः।प्राणाय।वि॰आनाय।चक्षुषे।मा।अस्मै।मृड॥७॥उदङ्।जा
तः।हिम॰वतः।सः।प्राच्याम्।नीयसे।जनम्॥तत्र।कुष्ठस्य।नामानि।उत्॰
तमानि।वि।भेजिरे॥८॥उत्॰तमः।नाम।कुष्ठ।असि॥उत्॰तमः।नाम।ते।पि

ता॥यत्‌द्भ्रमं॥वा॥सर्वम्॥नाशय॥तक्मानम्॥वा॥अरसम्॥कृधि॥ण्॥शीर्ष॰
आमयम्॥उप॰हत्याम्॥अक्ष्योः॥तन्वः॥रपः॥कुष्ठः॥तत्॥सर्वं॥निः॥क
रत्॥दैवम्॥समह॥वृष्ण्यम्॥१०॥७॥४॥॥रात्री॥माता॥नभः॥पिता॥अर्य
मा॥ते॥पितामहः॥सिलाची॥नाम॥वा॥असि॥सा॥देवानाम्॥असि॥स्वसा॥
१॥यः॥त्वा॥पिबति॥जीवति॥त्रायसे॥पुरुषं॥त्वं॥भर्त्री॥हि॥शश्वताम्॥अ
सि॥जनानाम्॥च॥नि॰अंचनी॥२॥वृक्षम्॰वृक्षम्॥आ॥रोहसि॥वृषण्यंती॰ २०५
इव॥कन्यला॥जयंती॥प्रति॰आतिष्ठंती॥स्परणी॥नाम॥वा॥असि॥३॥

३१

यत्॥दंडेन॥यत्॥इष्वा॥यत्॥वा॥अरुः॥हरसा॥कृतं॥तस्य॥त्वम्॥असि॥निः॰कृ
तिः॥सा॥इमम्॥निः॥कृधि॥पुरुषम्॥४॥भद्रात्॥प्लक्षात्॥निः॥तिष्ठसि॥अ
श्वत्थात्॥खदिरात्॥धवात्॥भद्रात्॥न्यग्रोधात्॥पर्णात्॥सा॥नः॥आ॥इहि॥अरुं
धति॥५॥हिरण्य॰वर्णे॥सु॰भगे॥सूर्य॰वर्णे॥वपुः॰तमे॥रुतम्॥गच्छासि॥निः॰
कृते॥निः॰कृतिः॥नाम॥वा॥असि॥६॥हिरण्य॰वर्णे॥सु॰भगे॥शुष्मे॥लोमश॰
वक्षणे॥अपाम्॥असि॥स्वसा॥लाक्षे॥वातः॥ह॥आत्मा॥बभूव॥ते॥७॥सिला
ची॥नाम॥कानीनः॥अज॰बभ्रु॥पिता॥तव॥अश्वः॥यमस्य॥यः॥श्याव॥तस्य॥

MEMORIAL

हा।अस्ना।असि।उद्धिता॥८।अश्वस्य।अस्त्रः।सम्ऽपतिता।सा।वृक्षान्।अ
त्ति।सिस्यादः[illegible]॥सुरा।पतत्रिणी।स्त्रचा।सा।नः।आ।इहि।अरुंधति॥एषाद्वि
षड्गिराघः॥ ॥६॥ अग्निजज्ञा नमनानाया॥ ॥२॥प्रथमोनुवाकः॥ ॥सुह
स्त्रऽधमरोए वा।तासम्।अस्वरन्।दिवः।नाके।मधुऽजिह्वाः।असश्चतः॥तस्य
स्पशः।ना।नि।मिषंति।नृर्णयः॥पदेऽपदे।पाशिनः।संति।सेतवे॥२परि
कंइति।सु।प्राथ।च।वाजऽसातये।परिष्ठ्राणि।सद्भिः।द्विषः।नत
अधि।अर्सीवन्।ईयास॥सनिस्त्रसः।नाम।असि।त्रयःऽदशः॥मासः।इद्र २७

१२

स्य।गृहः॥धा।तु।एतन्।अरासी।असौ।स्वाहा॥तिग्मऽआयुधौ।तिग्महेती
इतितिग्मऽहेती।सुऽशेवौ॥सोमारुद्रौ।इह।सु।मृडतम्।नः॥पा।अवाए
तन॥घा।अपा।एतना।अरासी।असौ।स्वाहा॥तिग्मऽआयुधौ।तिग्महेती।इति
तिग्मऽहेती।सुऽशेवौ॥सोमारुद्रौ।इह।सु।मृडतम्।नः॥७॥सुमुक्तम्।अस्मात्
दुःऽइतात्।अवद्यात्।जुषेथाम्।यज्ञम्।अमृतम्।अस्मासु।धत्तम्॥८चक्षुषः।
हेतौ।मनसः।चौ।हेतौ॥मन्याम।निः।असि।आमनयः॥ता।संऽता।य।अस्मान्।
अभिऽअवायंति॥एयः।अस्मान्।चक्षुषा।मनसा।वित्या।आऽकूत्या।वायः।
अन्यः।हेतौ।तपसः।च।हेतौ।

अघ॰न्युः। अति॰दासात्॥ चम्। तान्। अग्ने। मेन्या॥ अमेनी॰न्। कृणु। स्वाहा॥
१०॥ इंद्रस्य। गृहः। असि॥ तम्। त्वा। प्र। पद्ये॥ तम्। त्वा। प्र। विशामि॥ सर्व॰गुः। स
र्व॰पुरुषः। सर्व॰आत्मा॥ सर्व॰तनूः। सह। यत्। मे। अस्ति। तेन॥ ११॥ इंद्रस्य।
शर्म्म। असि॥ १२॥ इंद्रस्य। वर्म। असि॥ १३॥ इंद्रस्य। वरूथम्। असि॥ तम्। त्वा। प्र।
पद्ये। तम्। त्वा। प्र। विशामि॥ सर्व॰गुः। सर्व॰पुरुषः। सर्व॰आत्मा॥ सर्व॰तनूः।
सह। यत्। मे। अस्ति। तेन॥ १४॥ ७॥ ६॥ आ। नः। भर। मा। परि। स्थाः। अराते। मा।
नः। रक्षीः। दक्षिणाम्। नीयमानाम्॥ नमः। वि॰ईर्त्साये। असं॰ऋधये॥ नमः। अ

नीतेल्या१

स्तु। अरातये॥ १॥ यम्। अराते। पुरः॰धत्से। पुरुषम्। परि॰रापिणम्॥ नमः। ते।
तस्मै। कृण्मः। मा। वनिम्। व्यथयीः। मम॥ २॥ प्र। नः। वनिः। देव॰कृता। दिवा। न
क्तम्। च। कल्पताम्॥ अरातिम्। अनु॰प्रेमः। वयम्॥ नमः। अस्तु। अरातये॥
३॥ सरस्वतीम्। अनु॰मतिम्। भगम्। यन्तः। हवामहे॥ वाचम्। जुष्टाम्। मधु॰
मतीम्। अवादिषम्। देवानाम्। देव॰हूतिषु॥ ४॥ यम्। याचामि। अहम्। वाचा॥
सरस्वत्या। मनः॰युजा॥ श्रद्धा। तम्। अद्य। विंदतु। दत्ता। सोमेन। बभ्रुणा॥ ५॥ मा।
वनिम्। मा। वाचम्। नः। वि। ईर्त्सीः। उभौ। इंद्राग्नी इति। आ। भरताम्। नः। वसू

नि॥सऽओ नः।अघ।दि ऽसंतः॥अस्ति म्।प्रति।हर्यतु॥दा परः।अप ऽइहि।
अस मू॰ऽहाद्ध॥वि।तु।ह्र्तिम्।नयामसि॥व हा ची।अहम्।नि॰मीवंत।
म॥नि॰ऽदंतीम्।अरातु॥१ऽत तान्ग्ना।बोत्तुवती॥स्वप्न॰या।स च स्त।ऊ
नेम॥असात।वित्तम्।वि॰ई संतीम्॥आ॰कूतिम्।पुरुषस्य।च॥ना या।मृ
ती।मज॰ऽन्मा ना॥वि घा।आशाः।वि॰ओनाशा॥तस्मै।हिरण्य॰केश्यै॥
नि॰ऽऋत्यै।अकरम्।नमः।हिरण्य॰वर्णा।स्तु॰तगा।हिरण्य॰कशिपुः।म २०८
हा॥तस्मै।हिरण्य॰द्रापयै।अरात्यै।अकरम्।नमः॥१०॥७॥दशमः।अपाव
१४

इड।आयाहि।मे वर

कः समाप्तः॥१॥ ॥७॥वि केकुतेन।इध्मेन॥देवत्यनः।आज्यं।वह।अग्ने।ता
न्।इह।मादय॥सार्वि।आ।यं तु।ाम।हवम्॥इदम्।करिष्यामि।तत्।शृणु
इमाम्।एंद्राः।अति॰सराः॥आकूतिम्।सम्।नमंतु।ाम॥तेन्निः।शाकम।वी
र्यम्॥रजाल॰।विदः।तन्।॰वृशिनु।यत।असौ।अमुतः।देवाः।आदेवः।
सन्।विकीर्षति॥मा।तस्य।हव्यम्।वाहीत्।हवम्।देवाः।अस्य।मा।उप
गुः॥ममा।एव।हवम्।आ।इतन॥२।अति।धवृत।अति॰सराः॥इंद्रस्य।
व सवस्मा।हतन॥अविमा।वृक॰इवा।मथ्रीत॥सः।वः।जीवन्।मा।।मावि॥प्राण

मा। अस्य। अपि। नह्यत॥ ४॥ यम्। अमीइति। पुरः ० दधिरे॥ ब्रह्माणम्। अ
पऽत्तताय॥ इंद्रासः। ता। अधः ० पदम्॥ प्रति। अस्यामि। मृत्यावा॥ पायद्दि
प्र०ईयुः। दव०धुराः॥ ब्रह्मं वर्मीणि। वक्रिरा॥ तनू०पानम्। परि०पानम्। ल
एवानाः॥ यत्। उप०ऊविरा। सर्वम्। ततः। अरसम्। कृधि॥ द्यायान्। आसो।
अति०सरान्॥ वकासत्त॰एवता। वायान्॥ चमातान्। इंद्रवृत्र०हन्॥ प्रती
वः। पुनः। अग्ना। कृधि॥ यथा। अमुम्। वृणहान्। जनम्॥ ७ यथा॥ इंद्रः। उत०वा ११०
चनम्॥ ४७ लक्ष्मा। वक्रा। अधः ० पदम्॥ कृएव। अहम्। अधरान्। तथा। अमून्।

शाश्वतीभ्यः। समाभ्यः॥ ८॥ अग्ना एनान्। इंद्रावृत्र०हन्॥ उग्रम्। मर्मणि। वि
ध्य॥ अग्ना एवा एनान्। अनि। विष्ठ॥ इंद्रा मेदी। अहम्। तव॥ अनु। चा। इंद्र
अ। रन्ता। भूहा। स्याम्॥ सु० मतौ। तव॥ ९॥ ३१॥ दिवे स्वाहा॥ १ पृथिव्यै।
स्वाहा॥ २ अंतरिक्षाय स्वाहा॥ ३ अंतरिक्षाय स्वाहा॥ ४ दिवा स्वाहा॥ ५
पृथिव्यै स्वाहा॥ ६ सूर्यः। मा। वक्षुः। वातः प्राणः॥ अंतरिक्षम्। आत्मा। पृ
थिवी। शरीरम्॥ अस्तृतः। नाम। अहम्। अयम्। अस्मि॥ सः। आत्मानम्।
नि। दधे॥ द्यावापृथिवीभ्याम्॥ गोपीथाय॥ ७ उत्। आयुः। उत। बलम्।

उत । हतम् । उत । हत्याम् ॥ उत । मनीषाम् । उत । इंद्रियम् ॥ आयुः॰कृत् । आ
युष्पत्नी इत्यायुः॰पत्नी ॥ स्वधा॰वंतौ । गोपा । मा । स्तम् । गोपायतम् । मा ॥ ८
आत्म॰सदौ । मे । स्तम् । मा । मा । हिंसिष्टम् ॥ ८ ॥ ७ ॥ अश्म॰वर्म । मे ।
असि । यः । मा । प्राच्याः । दिशः । अघ॰युः । अभि॰दासात् ॥ एतत् । सः । ऋच्छा
त् ॥ १ मा । दक्षिणायाः । दिशः ॥ २ मा । प्रतीच्याः । दिशः ॥ ३ मा । उदीच्याः । दिशः ॥
। ४ मा । ध्रुवायाः । दिशः ॥ ५ मा । ऊर्ध्वायाः । दिशः । अघ॰युः ॥ ६ ॥ अश्म॰वर्म । २२१
मे । असि । यः । मा । दिशाम् । अंतः॰देशेभ्यः । अघ॰युः । अभि॰दासात् ॥ एत

२६

त् । सः । ऋच्छात् ॥ ७ बृहता । मनः । उप । ह्वये ॥ मातरिश्वना । प्राणापानौ ॥ सूर्
यात् । चक्षुः । अंतरिक्षात् ॥ श्रोत्रम् । पृथिव्याः । शरीरम् ॥ सरस्वत्या । वाचम् । उ
प । ह्वयामहे । मनः॰युजा ॥ ८ ॥ ७ ॥ १० ॥ आद्यात्परत्परएकादश हीनषष्टिः ॥
। द्वितीयोनुवाकः ॥ ॥ कथम् । महे । असुराय । अब्रवीः । इह । कथम् । पित्रे ।
हरयः । त्वेष॰नृम्णः ॥ पृश्निम् । वरुण । दक्षिणाम् । ददावान् ॥ पुनः॰मघ । त्व
म् । मनसा । अचिकित्सीः ॥ १ ॥ न । कामेन । पुनः॰मघः॰भवामि । सम् । अथर्व
न् ॥ काव्येन ॥ केन । जातेन । असि । जात॰वेदाः ॥ २ ॥ सत्यम् । अहम् । गभीरः । का
चक्षे । कम् । पृश्निम् । एताम् । उप॰आजे ॥ केन । नु । त्वम् ॥ २ ॥

Dr. Bhau Daji Memorial

येन॥सुत्यम्।जातेन।अस्मि।जातऽवेदः॥न।मे।दासः।न।आर्यः।महिऽत्वा॥

व्रतम्।मीमाय।यत्।अहम्।धरिष्ये॥३॥न।त्वत्।अन्यः।कविऽतरः।न।मेध

या॥धीरःऽतरः।वरुण।स्वधाऽवन्॥त्वम्।ता।विश्वा।भुवनानि।वेत्थ॥सः।चि

त्।नु।त्वत्।जनः।मायी।बिभाय॥४॥त्वम्।हि।अंग।वरुण।स्वधाऽवन्॥वि

श्वा।वेत्थ।जनिम।सुऽप्रनीते॥किम्।रजसः।एना।परः।अस्ति।एना।कि =प्रन्यत् ३

म्।परेण।अवरम्।अमुर॥५॥एकम्।रजसः।एना।परः।अन्यत्।अस्ति।एना।

परः।एकेन।दुःऽनशम्।चित्।अर्वाक्॥तत्।ते।विद्वान्।वरुण।प्र।ब्रवीमि॥ ११२

अधःऽवचसः।पणयः।भवन्तु॥नीचैः।दासाः।उप।सर्पन्तु।भूमिम्॥६॥त्व

म्।हि।अंग।वरुण।ब्रवीषि॥पुनःऽमघेषु।अवद्यानि।भूरि॥मो इति।सु।

पणीन्।अभि।एतावतः।भूत्॥मा।त्वा।वोचन्।अराधसम्।जनासः॥७॥

मा।मा।वोचन्।अराधसम्।जनासः॥पुनः।ते।पृश्निम्।जरितः।ददा

मि॥स्तोत्रम्।मे।विश्वम्।आ।याहि।शचीभिः॥अन्तः।विश्वासु।मानुषी

षु।दिक्षु॥८॥आ।ते।स्तोत्राणि।उत्ऽयतानि।यन्तु॥अन्तः।विश्वासु।मानु

षीषु।दिक्षु॥देहि।नु।मे।यत्।मे।अदत्तः।असि।युज्यः।मे।सप्तऽपदः।

सखा। असि॥ ए। सु मा॥ नो॥ बंधुः। वरुण। सु मा। जा॥ वेद्दा॥ अहम्। त तो। य
त॥ नो॥ एषा॥ सु मा। जा॥ द हामि। त तो। यता॥ तो॥ अ दत्तः। अस्मि॥ युज्यः॥ तो
स सं॰पदः। सखा॥ अस्मि॥ १०॥ देवः। देवाय। गृणते। वयः॰धाः॥ विप्रः। वि
प्र॰यास्तु वाता। स्तु॰मेधाः॥ अजीजनः। हि। वरुण। स्वधा॰वन्॥ अथर्वाणम्
पितरम्। देव॰बंधुम्॥ तस्मै। ऊं इति। राधः। कृणुहि। सु॰प्रशस्तम्॥
सखा। नः। असि। परमम्। च। बंधुः॥ १४॥ ७॥ १॥ ७॥ सम्॰इद्धः। अद्य। मनु
षः। दुरोणे॥ देवः। देवान्। यजसि। जात॰वेदः॥ आ। च। वह। मित्र॰म ११३

१८

हः। चिकित्वान्॥ त्वम्। दूतः। कविः। असि। प्र॰चेताः॥ १॥ तनू॰नपात्। पथः।
ऋतस्य। यानान्॥ मध्वा। सम्॰अंजन्। स्वदय। सु॰जिह्व॥ मन्मानि। धीभिः। उ
त। यज्ञम्। ऋंधन्॥ देव॰त्रा। च। कृणुहि। अध्वरम्। नः॥ २॥ आ॰जुह्वानः। ईड्यः।
वंद्यः। च। आ। याहि। अग्ने। वसु॰भिः। स॰जोषाः॥ त्वम्। देवानाम्। असि। य
ह्व। होता॥ सः। एनान्। यक्षि। इषितः। यजीयान्॥ ३॥ प्राचीनम्। बर्हिः। प्र॰दि
शा। पृथिव्याः॥ वस्तोः। अस्याः। वृज्यते। अग्रे। अह्नाम्॥ वि। ऊं इति। प्र
थते। वि॰तरम्। वरीयः॥ देवेभ्यः। अदितये। स्योनम्॥ ४॥ व्यचस्वतीः। उ

र्वि॒या॥ वि॒। श्र॒यं॒ता॒म्॥ पति॑ऽभ्यः। न। जन॑यः। शुंभ॑
मा॒नाः॥ देवीः॑। द्वारः॑। बृ॒ह॒तीः॒। वि॒श्व॒म्ऽइ॒न्वाः॥ दे॒वेभ्यः॑। भ॒व॒त॒। सु॒ऽ
प्रा॒य॒णाः॥ ५॥ आ। सु॒स्वय॑न्ती॒ इति॑। य॒ज॒ते इति॑। उ॒पा॒के इति॑। उ॒ष॒
सा॒नक्ता॥ ४ स॒द॒ता॒म्॥ नि। योनौ॥ दि॒व्ये इति॑। योष॑णे इति॑। बृ॒ह॒ती इति॑
ति॥ सु॒रु॒क्मे इति॑ सु॒ऽरु॒क्मे॥ अधि॑। श्रिय॑म्। शु॒क्र॒ऽपिश॑म्। दध॑ने इति॑
ति॥ ६॥ दैव्या॑। होता॑रा। प्र॒थ॒मा। सु॒ऽवाचा॑। मिमा॑ना। य॒ज्ञम्। मनु॑षः।
यज॑ध्यै॥ प्र॒ऽचो॒दयं॑ता। वि॒दथे॑षु। का॒रू इति॑। प्रा॒चीन॑म्। ज्योतिः॑। प्र॒ऽदि॑ ११४

२९

शा॥ दिशंता॥ आ। नः॒। य॒ज्ञम्। भार॑ती। तूय॑म्। ए॒तु॒॥ इळा॑। म॒नु॒ष्वत्। इ॒ह। चे॒त
यं॑ती चेतयंती॥ ति॒स्रः। दे॒वीः। ब॒र्हिः। आ। इ॒दम्। स्यो॒नम्॥ सर॑स्वती। सु॒ऽअप॑
सः। स॒दं॒ता॒म्॥ ८॥ यः। इ॒मे इति॑। द्यावा॑पृथि॒वी इति॑। जनि॑त्री॒ इति॑। रू॒पैः।
अपिं॑शत्। भुव॑नानि। विश्वा॑॥ तम्। अ॒द्य। हो॒त॒रिषि॒तः। यजी॑यान्॥ दे॒व
म्। त्वष्टा॑रम्। इ॒ह। य॒क्षि॒। वि॒द्वान्॥ ९॥ उ॒प॒ऽअव॑सृज। त्मन्या॑। स॒म्ऽअं॒जन्
नु॥ दे॒वाना॑म्। पाथः॑। ऋ॒तु॒ऽथा। ह॒वींषि॑॥ व॒न॒स्पतिः॑। श॒मि॒ता। दे॒वः। अ॒ग्निः॥
स्वदं॑तु। ह॒व्यम्। मधु॑ना। घृ॒तेन॑॥ १०॥ स॒द्यः। जा॒तः। वि। अ॒मि॒मी॒त॒। य॒ज्ञम्॥ अ॒

ग्निः। द्विवा। नाम। अनुऽव्रत। पुरःऽगाः॥ अस्या। होऽअः। प्रऽशिषि। स्तुतस्याऽवा
वि॥ स्वा। सं॰हतम्। हविः। अदन्तु। देवाः॥११॥७॥१२॥ ॥ददिः। हि। मह्य
म्। वरुणः। दिवः। कविः॥ वचःऽभिः। उग्रैः। निः। रिणामि। ते। विषम्॥ खा
तम्। अखातम्। उत। सक्तम्। अग्रभम्॥ इराऽइव। धन्वन्। नि। जजास।
ते। विषम्॥१॥ यत्। ते। अपःऽउदकम्। विषम्॥ तत्। ते। एतासु। अग्र
भम्॥ गृह्णामि। ते। मध्यमम्। उत्ऽतमम्। रसम्॥ उत। अवमम्। भियसा। ११५
नेशत्। आत्। ऊंइति। ते॥२॥ वृषा। मे। रवः। नभसा। न। तन्यतुः। उ

८०

विषे। मो। हन्मि। उ

ग्रेण। ते। वचसा। बाधे। आत्। ऊंइति। ते॥ अहम्। तम्। अस्य। नृऽभिः।
अग्रभम्। रसम्॥ तमसःऽइव। ज्योतिः। उत्। एतु। सूर्यः॥३॥ चक्षुषा।
ते। चक्षुः। हन्मि। ते। विषम्॥ अहे। म्रियस्व। मा। जीवीः। प्रत्यक्। अभि।
एतु। त्वा। विषम्॥४॥ कैरात। पृश्ने। उपऽतृण्य। बभ्रो इति। आ। मे। शृणुत।
असिताः। अलीकाः॥ मा। मे। सख्युः। स्तामानम्। अपि। स्थात॥ आ॰श्रावय
न्तः। नि। विषे। रमध्वम्॥५॥ असितस्य। तैमातस्य। बभ्रोः। अपऽउदक
स्य। च॥ सात्राऽसहस्य। अहम्। मन्योः॥ अव। ज्याम्ऽइव। धन्वनः। वि। मुं

यामिः रथ्याम्ऽइव ॥ ९ ॥ ६ ॥ आऽलिगी । च । विऽलिगी । च । पिता । च । माता । च ॥
विद्म । वः । सर्वतः । बन्धु । अरसाः । किम् । करिष्यथ ॥ ७ ॥ उरुगूलायाः । दुहिता । जाता । दासी । असिक्न्या ॥ प्रऽतङ्कम् । दद्रुषीणाम् । सर्वासाम् । अरसम् । विषम् ॥ ८ ॥ कर्णा । श्वावित् । तत् । अब्रवीत् । गिरेः । अवऽचरन्तिका ॥ याः । काः । च । इमाः । खनित्रिमाः । तासाम् । अरसम्ऽतमम् ।
विषम् ॥ ९ ॥ ताबुवम् । न । ताबुवम् । न । घ । इत् । त्वम् । असि । ताबुवम् । ताबुवेन । अरसम् । विषम् ॥ १० ॥ तस्तुवम् । न । तस्तुवम् । न । घ । इत् । त्वम् । असि ।

८१

तस्तुवम् ॥ तस्तुवेन । अरसम् । विषम् ॥ ११ ॥ ४ ॥ १३ ॥ सुऽपर्णः । त्वा । अनु । अविन्दत् । सूकरः । त्वा । अखनत् । नसा ॥ दिप्स । ओषधे । त्वम् । दिप्सन्तम् । अव । कृत्याऽकृतम् । जहि ॥ ~~अथो इति । यः । अस्मान् । दिप्सति ।~~ अव । जहि । यातुऽधानान् ॥ अव । कृत्याऽकृतम् । जहि ॥ अथो इति । यः । अस्मान् । दिप्सति ॥ तम् । ऊं इति । त्वम् । जहि । ओषधे ॥ २ ॥ रिश्यस्यऽइव । परिऽशासम् । परिऽकृत्य । परि । त्वचः ॥ कृत्याम् । कृत्याऽकृते । देवाः । निष्कम्ऽइव । प्रति । मुञ्चत ॥ ३ ॥ पुनः । कृत्याम् । कृत्याऽकृते । हस्तऽगृह्य । परा । नय ॥ समक्षम् । अस्मै ।

Dr. Bhau Daji Memorial

आ।धेहि॥यथा।कृत्या॰कृतम्।हनत्॥३॥कृत्याः।संतु।कृत्या॰कृते।श
पथः।शपथि॰यते॥४॥सुखः।रथः॰इव।वर्तताम्॥कृत्या।कृत्या॰
कृतम्।पुनः॥५॥यदि।स्त्री॥यदि।वा।पुमान्॥कृत्याम्।चकार।पाप्मने॥
ताम्।ऊं इति।तस्मै।नयामसि॥अश्वम्॰इव।अश्व॰अभि॰धान्या॥६॥
यदि।वा।असि।देव॰कृता॥यदि।वा।पुरुषैः।कृता॥ताम्।त्वा।पुनः।
नयामसि॥इंद्रेण।स॰युजा।वयम्॥७॥अग्ने।पृतनाषाट्॥पृतनाः। ११७
सहस्व॥पुनः।कृत्याम्।कृत्या॰कृते॥प्रति॰हरणेन।हरामसि॥८॥

८२

कृत॰व्यधनि।विध्य।तम्॥यः।चकार।तम्।इत्।जहि॥न।त्वाम्।अच
कृषे।वयम्॥वधाय।सम्।शिशीमहि॥९॥पुत्रः॰इव।पितरम्।ग
च्छ॥स्वजः॰इव।अभि॰स्थितः।दश॥बंधम्॰इव।अव॰क्रामी।गच्छ॥कृ
त्ये।कृत्या॰कृतम्।पुनः॥१०॥उत्।एणी॰इव।वारणी॥अभि॰स्कंदं
मृगी॰इव॥कृत्या।कर्तारम्।ऋच्छतु॥११॥इष्वाः।ऋजीयः।पततु।द्यावा
पृथिवी इति।तम्।प्रति॥सः।तम्।मृगम्॰इव।गृह्णातु॥कृत्या।कृत्या॰
कृतम्।पुनः॥१२॥अग्निः॰इव।एतु।प्रति॰कूलम्॥अनु॰कूलम्॰इव।

उदकम्॥स्तु॰ख॰।रथः॰इव।आवर्त्तताम्॥ऋत्या।ऋत्या॰ऋतम्।पुनः॥१३॥७॥१४॥ ॥एका।च।मे।दश।च।मे।अप॰वक्तारः।ओषधे।ऋत॰जाते।ऋत॰वरि॥मधु।मे।मधुला।करः॥१॥द्वे इति।च।मे।विंशतिः।च॥२॥तिस्रः।च।मे।त्रिंशत्।च॥३॥चतस्रः।च।मे।चत्वारिंशत्।च॥४॥पंच।च।मे।पंचाशत्।च॥५॥षट्।च।मे।षष्टिः।च॥६॥सप्त।च।मे।सप्ततिः।च॥७॥अष्ट।च।मे।अशीतिः।च॥८॥नव।च।मे।नवतिः।च॥९॥दश।च।मे।शतम्।च।मे।अप॰वक्ता[illegible]रः॥१०॥शतम्।च।मे।सहस्रम्।च॥ ११८

८३

अप॰वक्तारः।ओषधे॥ऋत॰जाते।ऋत॰वरि॥मधु।मे।मधुला।करः॥११॥७॥१५॥ ॥७॥एकादशमःप्रपाठकः॥ ॥तिस्रस्तिस्रस्तृतीयः॥तृतीयोनुवाकः॥ ॥यदि।एक॰वृषः।असि।सृज।अरसः।असि॥१॥यदि।द्वि॰वृषः।असि॥२॥यदि।त्रि॰वृषः।असि॥३॥यदि।चतुः॰वृषः।असि॥४॥यदि।पंच॰वृषः।असि॥५॥यदि।षट्॰वृषः।असि॥६॥यदि।सप्त॰वृषः।असि॥७॥यदि।अष्ट॰वृषः।असि॥८॥यदि।नव॰वृषः।असि॥९॥यदि।दश॰वृषः।असि।सृज।अरसः।असि॥१०॥यदि।एकाद

शः। असि। स्मः। अपऽउदकः। असि ॥१४॥ ७॥१६॥ ते। अवदन्। प्रथमाः।
ब्रह्मऽकिल्बिषे। अकूपारः। सलिलः। मातरिश्वा। वीडुऽहराः। तपःऽउ
ग्रः। मयःऽभूः। आपः। देवीः। प्रथमऽजाः। ऋतस्य ॥१॥ सोमः। राजा। प्र
थमः। ब्रह्मऽजायाम्। पुनः। प्र। अयच्छत्। अहृणीयमानः। अनुऽअर्तिता।
वरुणः। मित्रः। आसीत्। अग्निः। होता। हस्तऽगृह्य। आ। निनाय ॥२॥ हस्तेन।
एव। ग्राह्यः। आऽधिः। अस्याः। ब्रह्मऽजाया। इति। च। इत्। अवोचत् ॥३॥ या ११८
म्। आहुः। तारका। एषा। विऽकेशी। इति। दुच्छुनाम्। ग्रामम्। अवऽपद्य
ना। दूताय। प्रऽह्येया। तस्थे। एषा। तथा। राष्ट्रम्। गुपितम्। क्षत्रियस्य ॥ ३·२

८४

मानाम्। सा। ब्रह्मऽजाया। वि। दुनोति। राष्ट्रम्। यत्र। प्रऽआपादि। शशः। उ
ल्कुषीमान् ॥४॥ ब्रह्मऽचारी। चरति। वेविषत्। विषः। सः। देवानाम्। भव
ति। एकम्। अङ्गम्। तेन। जायाम्। अनु। अविन्दत्। बृहस्पतिः। सोमेन।
नीताम्। जुह्वम्। न। देवाः ॥५॥ देवाः। वै। एतस्याम्। अवदन्त। पूर्वे। सप्तऽ
ऋषयः। तपसा। ये। निऽसेदुः। भीमा। जाया। ब्राह्मणस्य। अपऽनीता। दुःऽ
धाम्। दधाति। परमे। विऽओमन् ॥६॥ ये। गर्भाः। अवऽपद्यन्ते। जगत्। यत्।
च। अपऽलुप्यते। वीराः। ये। तृह्यन्ते। मिथः। ब्रह्मऽजाया। हिनस्ति। तान् ॥

३१

।शत।यत्।पतयः।दश।स्त्रियाः।पूर्वे।अब्राह्मणाः॥ब्रह्मा।च।इत्।हस्त
म्।अग्रहीत्॥सः।एव।पतिः।एक॰धा॥८॥ब्राह्मणः।एव।पतिः।न।रा
जन्यः।न।वैश्यः॥तत्।सूर्यः।प्र॰ब्रुवन्।एति॥पंच॰भ्यः।पुनः।वै। मानवेभ्यः
देवाः।अददुः॥पुनः।मनुष्याः।अददुः॥राजानः।सत्यम्।गृह्णानाः॥
ब्रह्म॰जायाम्।पुनः।ददुः॥१०॥पुनः॰दाय।ब्रह्म॰जायाम्॥कृत्वा।देवैः। १२०
निः॰किल्बिषम्।ऊर्जम्।पृथिव्याः।भक्त्वा।उरु॰गायम्।उप।आसते॥११॥
न।अस्य।जाया।शत॰वाही।कल्याणी।तल्पम्।आ।शये।यस्मिन्।राष्ट्रे।

६५

नि॰रुध्यते।ब्रह्म॰जाया।अचित्त्या॥१२॥न।वि॰कर्णः।पृथु॰शिराः।तस्मि
न्।वेश्मनि।जायते॥१३॥न।अस्य।क्षत्ता।निष्क॰ग्रीवः।सूनानाम्।एति।
अ॰ग्रतः॥१४॥अस्य।श्वेतः।कृष्ण॰कर्णः।धुरि।युक्तः।महीयते॥१५॥न।अ
स्य।क्षेत्रे।पुष्करिणी।न।आण्डीकम्।जायते।बिसम्॥१६॥न।अस्मै।पृश्नि
म्।वि।दुहन्ति।ये।अस्याः।दोहम्।उप॰आसते॥[illegible]यस्मिन्।राष्ट्रे।निः॰रु
ध्यते।ब्रह्म॰जाया।अचित्त्या॥१७॥न।अस्य।धेनुः।कल्याणी।न।अनड्वान्।
सहते।धुरम्॥वि॰जानिः।यत्र।ब्राह्मणः।रात्रिम्।वसति।पापया॥१८॥७॥

।१७॥ न । एताम् । ते । देवाः । अददुः । तुभ्यम् । नृ॰पते । अत्तवे । मा । ब्राह्मणस्य ।
राजन्य ॥ गाम् । जिघत्सः । अनाद्याम् ॥१॥ अक्ष॰द्रुग्धः । राजन्यः । पापः । आत्म॰
पराजितः । सः । ब्राह्मणस्य । गाम् । अद्यात् । अद्य । जीवानि । मा । श्वः ॥२॥ आ॰वि
ष्टिता । अघ॰विषा ॥ पृदाकूः॰इव । चर्मणा । सा । ब्राह्मणस्य । राजन्य । तृष्टा ।
एषा । गौः । अनाद्या ॥३॥ निः । वै । क्षत्रम् । नयति । हन्ति । वर्चः ॥ अग्निः॰इव ।
आ॰रब्धः । वि । दुनाति । सर्वम् ॥ यः । ब्राह्मणम् । मन्यते । अन्नम् । एव ॥ सः । वि
षस्य । पिबति । तैमातस्य ॥४॥ यः । एनम् । हन्ति । मृदुम् । मन्यमानः ॥ देव॰पीयुः ।

धन॰कामः । न । चित्तात् ॥ सम् । तस्य । इन्द्रः । हृदये । अग्निम् । इन्धे ॥ उभे इति ।
एनम् । द्विष्टः । नभसी इति । चरन्तम् ॥५॥ न । ब्राह्मणः । हिंसितव्यः ॥ अग्निः ।
प्रियतनोः॰इव ॥ सोमः । हि । अस्य । दायादः ॥ इन्द्रः । अस्य । अभिशस्ति॰पाः ॥६॥
शतम्॰अपाष्ठाम् । नि । गिरति ॥ ताम् । न । शक्नोति । निः॰खिदन् ॥ अन्नम् । यः । ब्रा
ह्मणाम् । मल्वः ॥ स्वादु । अद्मि । इति । मन्यते ॥७॥ जिह्वा । ज्या । भवति । कुल्मल
म् । वाक् ॥ नाडीकाः । दन्ताः । तपसा । अभि॰दिग्धाः ॥ तेभिः । ब्रह्मा । विध्यति ।
देव॰पीयून् ॥ हृत्॰बलैः । धनुः॰भिः । देव॰जूतैः ॥८॥ तीक्ष्ण॰इषवः । ब्रा

MEMORIAL

ह्मणाः । हेतिऽमंतः ।। याम् । अस्यंति । शरव्याम् । न । सा । मृषा ।। अनुऽहाय । त
पसा । मन्युना । च । उत । दूरात् । अव । भिंदंति । एनम् ।। ९ ।। ये । सहस्रम् । अ
राजन् ।। आसन् । दशऽशताः । उत ।। ते । ब्राह्मणस्य । गाम् । जग्ध्वा ।। वैतऽ
हव्याः । पराः । अभवन् ।। १० ।। गौः । एव । तान् । हन्यमाना ।। वैतऽहव्यान् । अव
अतिरत् ।। ये । केसरऽप्राबंधायाः ।। चरमऽअजाम् । अपचिरन् ।। ११ ।। एकऽ
शतम् । ताः । जनताः ।। याः । भूमिः । विऽअधूनुत ।। प्रऽजाम् । हिंसित्वा । १२२
ब्राह्मणीम् ।। असम्ऽभव्यम् । पराः । अभवन् ।। १२ ।। देवऽपीयुः । चरति ।

८१

मर्त्येषु ।। गरऽगीर्णः । भवति । अस्थिऽभूयान् ।। यः । ब्राह्मणम् । देवऽबंधुम् । हिन
स्ति ।। न । सः । पितृऽयानम् । अपि । एति । लोकम् ।। १३ ।। अग्निः । वै । नः । पदऽवायः ।।
सोमः । दायादः । उच्यते ।। हंता । अभिऽशस्ता । इंद्रः ।। तथा । तत् ।। वेधसः । विदुः ।। १४ ।।
इषुःऽइव । दिग्धा । नृऽपते ।। पृदाकूःऽइव । गोऽपते ।। सा । ब्राह्मणस्य । इषुः । घो
३प रा ।। तया । विध्यति । पीयतः ।। १५ ।। ३ ।। १८ ।। अतिऽमात्रम् । अवर्द्धंत ।। न । उतऽइव । दि
वम् । अस्पृशन् ।। भृगुम् । हिंसित्वा । सृञ्जयाः ।। वैतऽहव्याः । पराः । अभवन् ।। १ ।।
ये । बृहत्ऽसामानम् । आंगिरसम् ।। आर्पयन् । ब्राह्मणम् । जनाः ।। पेत्वः । तेषाम् ।।

विशितम्।ऽअस्यते। क्षीरम्। यत्।ऽअस्याः। पीयते। तत्। वै।ऽ३लि॥५+
उभयाऽदम्॥ अविः। तोकानि। आवयत्॥२॥ ये। ब्राह्मणम्। प्रति॰अष्ठीवन्॥ ये।
वा। अस्मिन्। शुल्कम्। ईषिरे॥ अस्नः। ते। मध्ये। कुल्यायाः॥ केशान्। खादन्तः॥
आसते॥३॥ ब्रह्म॰गवी। पच्यमाना॥ यावत्। सा। अभि। वि॰जंगहे॥ तेजः। रा
ष्ट्रस्य। निः। हन्ति॥ न। वीरः। जायते। वृषा॥४॥ क्रूरम्। अस्याः। आ॰शसनम्॥
तृष्टम्। पितृषु। किल्बिषम्॥५॥ उग्रः। राजा। मन्यमानः॥ ब्राह्मणम्। यः। जिघ
त्सति॥ परा। तत्। सिच्यते। राष्ट्रम्॥ ब्राह्मणः। यत्र। जीयते॥६॥ अष्टा॰पदी। चतु १२३
रक्षी॰। चतुः॰श्रोत्रा। चतुः॰हनुः॥ द्वि॰आस्या। द्वि॰जिह्वा। भूत्वा॥ सा।

८८

राष्ट्रम्। अव। धूनुते। ब्रह्म॰ज्यस्य॥७॥ तत्। वै। राष्ट्रम्। आ। स्रवति॥ नावम्। भिन्ना
म्॰इव। उदकम्॥ ब्रह्माणम्। यत्र। हिंसन्ति॥ तत्। राष्ट्रम्। हन्ति। दुच्छुना॥८॥ तम्
म्। वृक्षाः। अप। सेधन्ति॥ छायाम्। नः। मा। उप॰गाः। इति॥ यः। ब्राह्मणस्य। स
त्। धनम्॥ अभि। नारद। मन्यते॥९॥ विषम्। एतत्। देव॰कृतम्॥ राजा। वरु
णः। अब्रवीत्॥ न। ब्राह्मणस्य। गाम्। जग्ध्वा॥ राष्ट्रे। जागार। कः। चन॥१०॥ न
व। एव। ताः। नवतयः॥ याः। भूमिः। वि॰अधूनुत॥ प्र॰जाम्। हिंसित्वा। ब्राह्म
णीम्॥ असम्॰भव्यम्। परा। अभवन्॥११॥ याम्। मृताय। अनु॰बध्नन्ति। कू

घ्रांपदऽयोपनीम् ॥ तत् । वै । ब्रह्मऽज्य । ते । देवाः ॥ उपऽस्तरणम् । अब्रुवन् ॥
॥१२॥ अश्रूणि । कृपमाणस्य ॥ यानि । जीतस्य । ववृतुः ॥ तम् । वै । ब्रह्मऽज्य । ते ।
देवाः ॥ अपाम् । भागम् । अधारयन् ॥१३॥ येन । मृतम् । स्नपयन्ति ॥ श्मश्रूणि ॥
येन । उन्दते ॥ तम् । वै । ब्रह्मऽज्य । ते । देवाः ॥ अपाम् । भागम् । अधारयन् ।
॥१४॥ न । वर्षम् । मैत्राऽवरुणम् ॥ ब्रह्मऽज्यम् । अभि । वर्षति ॥ न । अस्मै ।
सम्ऽइतिः । कल्पते ॥ न । मित्रम् । नयते । वशम् ॥१५॥६॥१॥ उच्चैःऽघोषः । दुं १२४
दुभिः । सत्वनाऽयन् ॥ वानस्पत्यः । सम्ऽभृतः । उस्रियाभिः ॥ वाचम् । क्षुणु

वानः । दमयन् । सऽपत्नान् ॥ सिंहःऽइव । जेष्यन् । अभि । तम् । स्तनीहि ॥१॥ सिंहःऽइ
व । अस्तानीत् । द्रुवयः । विऽबद्धः ॥ अभिऽक्रन्दन् । ऋषभः । वासिताम्ऽइव ॥
वृषा । त्वम् । वध्रयः । ते । सऽपत्नाः ॥ ऐन्द्रः । ते । शुष्मः । अभिमातिऽसहः ॥२॥ वृ
षःऽइव । यूथे । सहसा । विदानः ॥ गव्यन् । अभि । रुव । संधनऽजित् ॥ शुचा ।
विध्य । हृदयम् । परेषाम् ॥ हित्वा । ग्रामान् । प्रऽच्युताः । यन्तु । शत्रवः ॥३॥ स
म्ऽजयन् । पृतनाः । ऊर्ध्वमायुः ॥ गृह्याः । गृह्णानः । बहुऽधा । वि । चक्ष्व ॥ दैवी
म् । वाचम् । दुंदुभे ॥ आ । गुरस्व । वेधाः ॥ शत्रूणाम् । उप । भरस्व । वेदः ॥४॥

दुंदुभेः। वाचम्। प्रऽयताम्। वदंतीम्॥ आऽशृण्वती। नाथिता। घोषऽबुद्धा।
नारी। पुत्रम्। धावतु। हस्तऽगृह्य॥ अमित्री। भीता। समऽअरे। वधानाम्॥५॥
पूर्वः। दुंदुभे। प्र। वदासि। वाचम्॥ भूम्याः। पृष्ठे। वद। रोचमानः॥ अमित्रऽ
सेनाम्। अभिऽजंजभानः॥ द्युऽमत्। वद। दुंदुभे। सूनृतऽवत्॥६॥ अंतरा
इमे इति। नभसी इति। घोषः। अस्तु॥ पृथक्। ते। ध्वनयः। यंतु। शीभम्॥ अभि १२५
क्रंद। स्तनय। उत्ऽपिपानः॥ श्लोकऽकृत्। मित्रऽतूर्याय। स्वऽर्धी॥७॥
धीभिः। कृतः। प्र। वदाति। वाचम्॥ उत्। हर्षय। सत्वनाम्। आयुधानि॥ इंद्रऽ

मेदी। सत्वनः। नि। ह्वयस्व॥ मित्रैः। अमित्रान्। अव। जंघनीहि॥८॥ संऽक्रंदनः। प्रऽ
वदः। धृष्णुऽसेनः॥ प्रऽवेदऽकृत्। बहुऽधा। ग्रामऽघोषी॥ श्रेयः। वन्वा
नः। वयुनानि। विद्वान्॥ कीर्तिम्। बहुऽभ्यः। वि। हर। द्विऽराजे॥९॥ श्रेयःऽ
कृतः। वसुऽजित्। सहीयान्॥ संग्रामऽजित्। समऽशितः। ब्रह्मणा। असि॥ अंशू
न्ऽइव। ग्रावा। अधिऽसवने॥ अद्रिः। गव्यन्। दुंदुभे। अधि। नृत्य। वेदः॥
१०॥ शत्रूषाट्। नीषाट्। अभिमातिऽसहः॥ गाऽएषणः। सहमानः। उत्ऽभि
त्॥ वाग्वीऽइव। मंत्रम्। प्र। भरस्व। वाचम्॥ सांग्रामऽजित्याय। इषम्।

उत। वद। इह॥११॥ अच्छत॰च्छत। सम्ऽमदः। गमिष्ठः॥ मृधम्ऽजेता। पुरःऽए
=प२ ता। योधः॥ इंद्रेण। गुप्तः। विदथा। निऽचिक्यत्॥ हृत्ऽद्योतनः। द्विषताम्। या
हि॥ शीनम्॥१२॥४॥२० वि॰हृदयम्। विऽमनस्यम्। वद। अमित्रेषु। दुंदुभे॥
विऽद्वेषम्। कश्मशाम्। भयम्॥ अमित्रेषु। नि। दध्मसि॥ अव। एनान्। दुंदुभे।
जहि॥१॥ उत्ऽवेपमानाः। मनसा। चक्षुषा। हृदयेन। च। धावंतु। बिभ्यतः। १२६
अमित्राः॥ प्रऽत्रासेन। आज्ये। हुते॥२॥ वानस्पत्यः। सम्ऽभृतः। उस्रिया-
भिः॥ विश्वऽगोत्र्यः॥ प्रऽत्रासम्। अमित्रेभ्यः। वद। आज्येन। अभिऽघारितः॥३॥
हरिः

यथा। मृगाः। सम्ऽविजंते। आरण्याः। पुरुषात्। अधि। एव। त्वम्। दुंदुभे। अ
मित्रान्। अभि। क्रंद। प्र। त्रासय। अथो इति। चित्तानि। मोहय॥४॥ यथा। वृ
कात्। अजऽअवयः। धावंति। बहु। बिभ्यतीः॥५॥ यथा। श्येनात्। पतत्रिणः।
संऽविजंते। अहःऽदिवि॥ सिंहस्य। स्तनथोः। यथा। एव। त्वम्। दुंदुभे। अमित्रा
न्। अभि। क्रंद। प्र। त्रासय। अथो इति। चित्तानि। मोहय॥६॥ परा। अमित्रान्। दुंदु
भिना। हरिणस्य। अजिनेन। च॥ सर्वे। देवाः। अतित्रसन्। ये। सम्ऽग्रामस्य।
ईशते॥७॥ यैः। इंद्रः। प्रऽक्रीडते। पत्ऽघोषैः। छायया। सह॥ तैः। अमित्राः

Dr. ... MEMORIAL

त्रसंउ। नः॥ अमी इति। ये। यंति। अनीक०शः॥ ध्वज्या०घोषाः। दुंदुभयः - - -
अग्नि। क्रोशं। तु। याः॥ दिशः॥ सेनाः॥ परा०जिताः। यतीः॥ अमित्राणाम्। अनी
क०शः॥ एन। आह्वयाव। हस्तुः। आ। दस्यु॥ मरीचयः। अत्र। अभवत॥ पतं०गि
नीः॥ आ। सृजंतु॥ वि०मता। बाहु०वीर्य॥ १०॥ यूयम्। उग्राः। मरुतः। पृश्नि०
मातरः॥ इंद्रेण। युजा। प्र। मृणीत। शत्रून्॥ सोमः। राजा। वरुणः। राजा॥ म २२७
हा०देवः। उत। मृत्युः। इंद्रः॥ ११॥ एताः। देव०सेनाः॥ सूर्य०केतवः। स०चेत
सः॥ अमित्रान्। नः। जयंतु। स्वाहा॥ १२॥ ३॥ २१॥ एकवृषस्य रीतिः॥ ॥ चतुर्थे

५२

उवाकः॥ ॥ अग्निः। तक्मानम्। अप। बाधताम्। इतः॥ सोमः। ग्रावा। वरुणः। पू
त०दक्षाः॥ वेदिः। बर्हिः। समिधः। शोशुचानाः॥ अप। द्वेषांसि। अमुया। भ
वंतु॥ अयम्। यः। विश्वान्। हरितान्। कृणोषि॥ उत्०शोचयन्। अग्निः०इ
व। अभि०दुन्वन्॥ अध। हि। तक्मन्। अरसः। हि। भूयाः॥ अध। न्यङ्। अधराङ्।
वा। परा। इहि॥ २॥ यः। परुषः। पारुषेयः॥ अवध्वंसः०इव। अरुणः॥ तक्मानम्।
विश्व०धा०वीर्य॥ अधरांचम्। परा। सुव॥ ३॥ अधरांचम्। प्र। हिणोमि॥ नमः। कृ
त्वा। तक्मने॥ शकम्०भरस्य। मुष्टि०हा॥ पुनः। एतु। महा०वृषान्॥ ४॥ उक्तः॥

अस्याम्। ऊर्ज॰ वंतः॥ ७ कः॥ अस्याः। महा॰ वृषाः॥ यावत्। जाता। तः। तक्मन्। तावान्।
असि। बल्हिकेषु॥ नि॰ उचरा। पातकमन्। वि॰ अन्ना। विगदः॥ वि॰ अंगानु
सियवयाः॥ ४ दासीम्। नि॰ तक्रीम्। इच्छ॥ ताम्। वज्रेण। समम्। अर्पय॥ द्वात
कमन्। मूजं॰ वतः। गच्छ॥ बल्हिकान्। वा। परः॰ तराम्॥ शूद्राम्। इच्छ। प्र॰ फ १२८
र्वम्॥ ताम्। तक्मन्। वि॰ इव। धूनुहि॥ ७ महा॰ वृषान्। मूजं॰ वतः॥ बंधु
अधि। परा॰ इत्य॥ प्र। एतानि। तक्मने। ब्रूमः॥ अन्य॰ क्षेत्राणि। वा। इमा। ८ अ
न्य॰ क्षेत्रे। न। रमसे॥ वशी। सन्। मृडयासि। नः॥ अभूत्। उ॰ इति। प्र॰ अर्थः॥

तक्मा। सः। गमिष्यति। बल्हिकान्॥ ९ यतः। च। मा। शीतः। अथो इति। रूरः। सह।
कासा। अवेपयः॥ भीमाः। ते। तक्मन्। हेतयः॥ ताभिः। स्म। परि। वृङ्ग्धि। नः॥ १०
मा। स्म। एतान्। सखीन्। कुरुथाः॥ बलासम्। कासम्। उत्॰ युगम्॥ मा। स्म।
अतः। अर्वाङ्। आ। अगाः। पुनः॥ तत्। त्वा। तक्मन्। उप। ब्रुवे॥ ११ तक्मन्। भ्रा
त्रा। बलासेन॥ स्वस्रा। कासिकया। सह॥ पाप्मा। भ्रातृव्येण। सह। गच्छ। अमुम्
म्। अरणम्। जनम्॥ १२ तृतीयकम्। वि॰ तृतीयम्॥ सदम्॰ दिम्। उत। शा
रदम्॥ तक्मानम्। शीतम्। रूरम्॥ ग्रैष्मम्। नाशय। वार्षिकम्॥ १३ गंधारि॰

न्यः। म्लूजवतं॰न्यः॥ अंगेभ्यः। मगधेभ्यः॥ प्रं॰ऐष्यन्। जनम्॰इव। शेव॰धि
मू॥ तक्मानम्। परि। दद्मसि॥१४॥ ६॥ २२॥ ओते इत्या॰ओता। मे। द्यावापृथि
वी इति॥ ओ॰ओता। देवी। सरस्वती॥ ओ॰ओतौ। मे। इंद्रः। च। अग्निः। च। क्रिमि
म्। जंभयताम्। इति॥१॥ अस्य। इंद्र। कुमारस्य। क्रिमीन्। धनं॰पते। जहि॥
हताः। विश्वाः। अरातयः॥ उग्रेण। वचसा। मम॥२॥ यः। अक्ष्यौ। परि॰सर्पति॥
यः। नासे इति। परि॰सर्पति॥ दतां। यः। मध्यम्। गच्छति॥ तम्। क्रिमिम्। जंभया
मसि॥३॥ सं॰रूपौ। द्वौ। वि॰रूपौ। द्वौ॥ कृष्णौ। द्वौ। रोहितौ। द्वौ। बभ्रुः। च। २३८

बभ्रु॰कर्णः। च। गृध्रः। कोकः। च। ते। हताः॥४॥ ये। क्रिमयः। शिति॰कक्षाः॥ ये।
कृष्णाः। शिति॰बाहवः॥ ये। के। च। विश्व॰रूपाः॥ तान्। क्रिमीन्। जंभयाम
सि॥५॥ उत्। पुरस्तात्। सूर्यः। एति॥ विश्व॰दृष्टः। अदृष्ट॰हा। दृष्टान्। च। घ्न
न्। अदृष्टान्। च। सर्वान्। च। प्र॰मृणन्। क्रिमीन्॥६॥ येवाषासः। कष्कषासः॥
एजत्॰काः। शिपवित्नुकाः॥ दृष्टः। च। हन्यताम्। क्रिमिः। उत। अदृष्टः। च।
हन्यताम्॥७॥ हतः। येवाषः। क्रिमीणाम्। हतः। नदनिमा॥ उत। सर्वान्। नि
मष्मषा। अकरम्॥ दृषदा। खल्वान्॰इव॥८॥ त्रि॰शीर्षाणम्। त्रि॰ककुदम्॥

क्रिमिम्।सारंगम्।अर्जुनम्॥शृणामि।अस्य।पृष्टीः॥अपि।वृश्चामि।यत्
शिरः॥ण॥अत्रिवद् इति त्रिस्त्वः॥१२॥सर्वेषाम्।च।क्रिमीणाम्॥सर्वासाम्।
च।क्रिमीणाम्॥भिनद्मि।अश्मना।शिरः।दहामि।अग्निना।मुखम्॥१३॥
।२३॥सविता।प्र॰सवानाम्॥अधि॰पतिः।सः।मा।अवतु।अस्मिन्।ब्रह्म
णि।अस्मिन्।कर्मणि॥अस्याम्।पुरः॰धायाम्।अस्याम्।प्रति॰स्थायाम्॥
अस्याम्।चित्याम्।अस्याम्।आ॰कूत्याम्॥अस्याम्।आ॰शिषि।अस्याम्। १३०
देव॰हूत्याम्।स्वाहा॥१॥अग्निः।वनस्पतीनाम्॥अधि॰पतिः।सः।मा।अव

तु॥२॥द्यावापृथिवी इति।दातॄणाम्॥अधिपत्नी इत्यधि॰पत्नी॥ते इति।मा।
अवताम्॥३॥वरुणः।अपाम्॥अधि॰पतिः।सः।मा।अवतु॥४॥मित्रावरुणौ।
वृष्ट्याः॥अधिपती इत्यधि॰पती॥तौ।मा।अवताम्॥५॥मरुतः।पर्वतानाम्॥
अधि॰पतयः।ते।मा।अवन्तु॥६॥सोमः।वीरुधाम्॥अधि॰पतिः।सः।मा।
अवतु॥७॥वायुः।अन्तरिक्षस्य।अधि॰पतिः॥८॥सूर्यः।चक्षुषाम्।अधि॰
पतिः॥९॥चन्द्रमाः।नक्षत्राणाम्।अधि॰पतिः॥१०॥इन्द्रः।दिवः।अधि॰पतिः।
॥११॥मरुताम्।पिता।पशूनाम्।अधि॰पतिः॥१२॥मृत्युः।प्र॰जानाम्।अधि॰

पतिः ॥ १३ ॥ यमः । पितॄणाम् । अधिऽपतिः । सः । मा । अवतु ॥ १४ ॥ पितरः । पराः । ते । मा ।
अवन्तु ॥ १५ ॥ ततः । अवराः । ते ॥ १६ ॥ ततः । ततामहाः । ते । मा । अवन्तु । अस्मि
न् । ब्रह्मणि । अस्मिन् । कर्मणि । अस्याम् । पुरःऽधायाम् । अस्याम् । प्रतिऽस्था
याम् । अस्याम् । चित्याम् । अस्याम् । आऽकूत्याम् । अस्याम् । आऽशिषि । अ
स्याम् । देवऽहूत्याम् । स्वाहा ॥ १७ ॥ ६ ॥ २४ ॥ पर्वतात् । दिवः । योनेः । अङ्गात्ऽअं १३१
गात् । सम्ऽआभृतम् ॥ शेपः । गर्भस्य । रेतःऽधाः । सरौ । पर्णम्ऽइव । आ ।
दधत् ॥ १ ॥ यथा । इयम् । पृथिवी । मही । भूतानाम् । गर्भम् । आऽदधे । एव । ते ।

दध्मसि । ते । गर्भम् ॥ तस्मै । त्वाम् । अवसे । हुवे ॥ २ ॥ गर्भम् । धेहि । सिनी
वालि । गर्भम् । धेहि । सरस्वति । गर्भम् । ते । अश्विना । उभा । आ । धत्ताम् ।
पुष्करऽस्रजा ॥ ३ ॥ गर्भम् । ते । मित्रावरुणौ । गर्भम् । देवः । बृहस्पतिः । गर्भम् । ते ।
इन्द्रः । च । अग्निः । च ॥ गर्भम् । धाता । दधातु । ते ॥ ४ ॥ विष्णुः । योनिम् । कल्पयतु ।
त्वष्टा । रूपाणि । पिंशतु । आ । सिंचतु । प्रजाऽपतिः । धाता । गर्भम् । दधातु । ते
॥ ५ ॥ यत् । वेद । राजा । वरुणः । यत् । वा । देवी । सरस्वती । यत् । इन्द्रः । वृत्रऽहा ।
वेद । तत् । गर्भऽकरणम् । पिब ॥ ६ ॥ गर्भः । असि । ओषधीनाम् । गर्भः । वनस्प

DR. B... MEMORIAL

तीनाम्॥गर्त्ति॥विश्वस्या।ऋतस्य॥सः॥अग्ने॥गर्त्तम्॥आ॥इह॥क्षः॥७॥अधि
स्कंदा॥वी॥डयस्व॥गर्त्तम्॥आ॥धेहि॥या॥न्याम्॥वृषा॥असि॥वृष्ण॰वन्॥
प्र॰जायै॥चा॥आ॥नयामसि॥८॥वि॥जिहीष्व॥बार्हत्॰साम॥गर्त्तं॥ता॥यो
निम्॥आ॥शयाम्॥अद्भुता॥देवाः॥पुत्रम्॥सोम॰पाः॥उ॥नया॥विनम्॥९ १३२
धातः॥श्रेष्ठेन॥रूपेण॥अस्याः॥नार्याः॥गवीन्याः॥पुमांसम्॥पुत्रम्॥आ॥
धेहि॥दशमे॥मासि॥सूतवे॥१०॥चक्षुः॥श्रेष्ठेन॥११॥सवितः॥श्रेष्ठेन॥१२
प्रजा॰पाते॥श्रेष्ठेन॥रूपेण॥अस्याः॥नार्याः॥गवीन्याः॥पुमांसम्॥पुत्रम्॥

८७

आ॥धेहि॥दशमे॥मासि॥सूतवे॥१३॥७॥२५॥यजूंषि॥यज्ञे॥सं॰इधः॥स्वा
हा॥अग्निः॥प्र॰विद्वान्॥इह॥वः॥युनक्तु॥१॥युनक्तु॥देवः॥सविता॥प्र॰जा
नन्॥अस्मिन्॥यज्ञे॥महिषः॥स्वाहा॥२॥इंद्रः॥उक्थ॰मदानि॥अस्मिन्॥य
ज्ञे॥प्र॰विद्वान्॥युनक्तु॥सु॰युजः॥स्वाहा॥३॥प्र॰एषाः॥यज्ञे॥नि॰विदः॥
स्वाहा॥शिष्टाः॥पत्नीभिः॥वहत॥इह॥युक्ताः॥४॥छंदांसि॥यज्ञे॥मरुतः॥स्वाहा॥
माता॰इव॥पुत्रम्॥पिपृत॥इह॥युक्ताः॥५॥आ॥इयम्॥अगन्॥बर्हिषा॥प्र॰ङ
खणीभिः॥यज्ञम्॥तन्वाना॥अदितिः॥स्वाहा॥६॥विष्णुः॥युनक्तु॥बहुधा॥तपांसि॥

अस्मिन्। यज्ञे। सु॰युजः। स्वाहा॥७॥ त्वष्टा। युनक्तु। बहु॰धा। नु। रूपाः॥ अस्मि
न्। यज्ञे। सु॰युजः॥८॥ भगः। युनक्तु। आ॰शिषः। नु। अस्मै॥ अस्मिन्। यज्ञे।
प्र॰विद्वान्॥ युनक्तु। सु॰युजः॥९॥ सोमः। युनक्तु। बहु॰धा। पयांसि। रूपाः॥
अस्मिन्। यज्ञे। सु॰युजः॥१०॥ इन्द्रः। युनक्तु। बहु॰धा। वीर्याणि। अस्मिन्।
यज्ञे। सु॰युजः। स्वाहा॥११॥ अश्विना। ब्रह्मणा। आ। यातम्। अर्वाञ्चा। वषट्॰का
रेण। यज्ञम्। वर्धयन्तौ॥ बृहस्पते। ब्रह्मणा। आ। याहि। अर्वाङ्॥ यज्ञः। अयम्। १३३
स्वः। इदम्। यजमानाय। स्वाहा॥१२॥ ७॥ दानवादरा। पंचमोनुवाकः समाप्तः॥

ऊर्ध्वाः। अस्य। सम्॰इधः। भवन्ति॥ ऊर्ध्वा। शुक्रा। शोचींषि। अग्नेः॥ द्युमत्॰
तमा। सु॰प्रतीकः। सस्॰नुः॥ तनू॰नपात्। असुरः। भूरि॰पाणिः॥१॥ दे
वः। देवेषु। देवः॥ पथः। अनक्ति। मध्वा। घृतेन॥२॥ मध्वा। यज्ञम्। नक्षति।
प्रीणानः। नराशंसः। अग्निः। सु॰कृत्। देवः। सविता। विश्व॰वारः॥३॥ अ
च्छ। अयम्। एति। शवसा। घृता। चित्। ईडानः। वह्निः। नमसा॥४॥ अग्निः। स्रु
चः। अध्वरेषु। प्र॰यक्षु॥ सः। यक्षत्। अस्य। महिमानम्। अग्नेः॥ सः। ईम्। मं
द्रासु। प्र॰यक्षु॥ वसवः। च। अतिष्ठन्। वसु॰धातरः। च॥ द्वारः। देवीः। अ

अस्य। विश्वे॥ व्रतम्। आ। रदंति। विश्वहा॥७॥ उरु॰व्यचसा। अग्नेः। धाम्ना।
पत्यमाने इति। आ। सुस्वयंती इति। यजते इति। उपाके इति॥ उषसा
नक्ता॥८॥ इमम्। यज्ञम्। अवताम्। अध्वरम्। नः॥८॥ दैव्या। होतारः। ऊर्ध्वम्।
अध्वरम्। नः। अग्नेः। जिह्वया। अभि। गृणत। गृणत। नः। सुइष्टये॥ ति
स्रः। देवीः। बर्हिः। आ। इदम्। सदंताम्॥ इडा। सरस्वती। मही। भारती। गृणा
ना॥९॥ तत्। नः। तुरीपम्। अद्भुतम्। पुरु॰क्षु॥ देव। त्वष्टः। रायः। पोषम्।
वि। स्य। नाभिम्। अस्य॥१०॥ वनस्पते। अव। सृज। ररणः। त्मना। देवेभ्यः। १३८

६९

अग्निः। हव्यम्। शमिता। स्वदयतु॥११॥ अग्ने। स्वाहा। कृणुहि। जात॰वेदः।
इंद्राय। यज्ञम्। विश्वे। देवाः। हविः। इदम्। जुषंताम्॥१२॥ ३॥२१॥ नव।
प्राणान्। नव॰भिः। सम्। मिमीते। दीर्घायु॰त्वाय। शत॰शारदाय॥ हरिते।
त्रीणि। रजते। त्रीणि। अयसि। त्रीणि। तपसा। आ॰विष्ठितानि॥१॥ अ
ग्निः। सूर्यः। चंद्रमाः। भूमिः। आपः। द्यौः। अंतरिक्षम्। प्र॰दिशः। दिशः। च।
आर्तवाः। ऋतु॰भिः। सम्॰विदानाः॥ अनेन। मा। त्रि॰वृता। पारयंतु॥२॥
त्रयः। पोषाः। त्रि॰वृति। श्रयंताम्॥ अनक्तु। पूषा। पयसा। घृतेन॥ अन्नस्य।

त्वम्। मा। पुरुषस्य। त्वम्॥ त्वम्। पशूनाम्। तो। इह। अयं नाम्॥ ३। इमम्। आदि
त्याः। वसुना। सम्। उद्धत॥ इमम्। अग्ने। वर्द्धय। वर्धमानः॥ ४। इमम्। इंद्र।
सम्। सृज। वीर्येण॥ अस्मिन्। त्रि॰वृत्। श्रयताम्। पोषयिष्णु॥ ५। भूमिः।
त्वा। पातु। हरितेन। विश्वं॰भृत्॥ अग्निः। पिपर्तु। अयसा। सं॰जोषाः। वी
रुत्॰भिः। ते। अर्जुनम्। सम्॰विदानम्॥ दक्षम्। दधातु। सु॰मनस्यमा
नम्॥ ६। त्रेधा। जातम्। जन्मना। इदम्। हिरण्यम्। अग्नेः। एकम्। प्रियं॰त १०२
मम्। बभूव॥ सोमस्य। एकम्। हिंसितस्य। परा। अपतत्। अपाम्। एकम्। वेध

स्त्र॰१

सो। रेतः॥ ७। त्रि॰आयुषम्। जमत्॰अग्नेः॥ कश्यपस्य। त्रि॰१
साम्। रतः। आहुः। ततः। ते। हिरण्यम्। त्रि॰वृत्। अस्तु। आयुषम्॥ त्रेधा। त्रेधा। अ
मृतस्य। चक्षणम्॥ त्रीणि। आयूंषि। ते। अकरम्॥ ९। त्रयः। सु॰पर्णाः। त्रि॰
वृता। यत्। आयन्॥ एक॰अक्षरम्। अभि॰सं॰भूय। शक्राः। प्रति। अव। हरन्॥
मृत्युम्। अमृतेन। साकम्। अन्तः॰दधानाः। दुः॰इतानि। विश्वा॥ १०। दिवः।
त्वा। पातु। हरितम्। मध्यात्। त्वा। पातु। अर्जुनम्॥ भूम्याः। अयस्मयम्। पातु॥
प्र। अगात्। देव॰पुराः। अयम्॥ इमाः। तिस्रः। देव॰पुराः॥ ताः। त्वा। रक्षन्तु।
सर्वतः॥ ताः। त्वम्। बिभ्रत्। वर्चस्वी॥ उत्॰तरः। द्विषताम्। भव॥ ११। पुरम्।

१३ बृत॥
सम्ऽक्रतुः। एमसि॥ उत्ऽकृतम्। मधुना। ३

देवानाम्। अमृतम्। हिरण्यम्। यः। आऽबेधे। प्रथमः। देवः। अग्ने। तस्मै। न
मः। दश। प्राचीः। कृणोमि। अनु। मन्यताम्। त्रिऽवृत्। आऽबधामि॥११॥
आ। त्वा। चृततु। अर्यमा। आ। पूषा। आ। बृहस्पतिः। अहःऽजातस्य। यत्।
नाम। तेन। त्वा। अति। चृताम। सि॥१२॥ ऋतुऽभिः। त्वा। आर्तवैः। आयुषे। व
र्चसे। त्वा। सम्ऽवत्सरस्य। तेजसा। तेन। सम्ऽअक्रम्। कृण्मसि॥ दृंहम्।
अचृतम्। पारयिष्णु। त्रिदन्। सऽपत्नान्। अधरान्। चृणु। एव तु। आ। मा। १२८
रोह। महते। सौभगाय॥१४॥ ७॥ २८॥ पुरस्तात्। युक्तः। वह। जातऽवेदः॥

अग्ने। विद्धि। क्रियमाणम्। यथा। इदम्। त्वम्। भिषक्। भेषजस्य। असि। कर्ता।
त्वया। गाम्। अश्वम्। पुरुषम्। सनेम॥१॥ तथा। तत्। अग्ने। कृणुहि। जात०
वेदः। विश्वेभिः। देवैः। सह। सम्ऽविदानः। यः। नः। दिदेव। यतमः। जघा
स। यथा। सः। अस्य। परिऽधिः। पताति॥२॥ यथा। सः। अस्य। परिऽधिः। पता
ति। तथा। तत्। अग्ने। कृणु। जातऽवेदः। विश्वेभिः। देवैः। सह। सम्ऽ
विदानः॥३॥ अक्ष्यौ। नि। विध्य। हृदयम्। नि। विध्य। जिह्वाम्। नि। तृन्द्धि। प्र
दतः। मृणीहि। पिशाचः। अस्य। यतमः। जघास। अग्ने। यविष्ठ। प्रति।

MEMORIAL

तम्।स्तृणीहि॥यतः।अस्य।हृतम्।वि॰हृतम्।यतः।पर॰भृतम्॥आत्मनः।
जग्धम्।यतमत्।पिशाचैः॥ततः।अग्ने।विद्वान्।पुनः।आ।भर।त्वम्॥शरी
रे।मांसम्।असुम्।आ।ईरयामः॥५॥आमे।सु॰पक्वे।शबले।वि॰पक्वे।
यः।मा।पिशाचः।अशने।ददम्भ॥तत्।आत्मना।प्र॰जया।पिशाचाः॥वि
यातयन्ताम्।अगदः।अयम्।अस्तु॥६॥क्षीरे।मा।मन्थे।यतमः।ददम्भ।अ
कृष्ट॰पच्ये।अशने।धान्ये।यः॥७॥अपाम्।मा।पाने।यतमः।ददम्भ।क्र २३९
व्य॰अत्।यातूनाम्।शयने।शयानम्॥८॥दिवा।मा।नक्तम्।यतमः।ददम्भ॥

क्रव्य॰अत्।यातूनाम्।शयने।शयानम्॥तत्।आत्मना।प्र॰जया।पिशा
चाः॥वि।यातयन्ताम्।अगदः।अयम्।अस्तु॥९॥क्रव्य॰अदम्।अग्ने।रुधि
रम्।पिशाचम्॥मनः॰हनम्।जहि।जात॰वेदः॥तम्।इन्द्रः।वाजी।वज्रेण।ह
न्तु॥छिनत्तु।सोमः।शिरः।अस्य।धृष्णुः॥१०॥सनात्।अग्ने।मृणसि।यातु॰धा
नान्।न।त्वा।रक्षांसि।पृतनासु।जिग्युः॥सह॰मूरान्।अनु।दह।क्रव्य॰अ क थं
दः।मा।ते।हेत्याः।मुक्षत।दैव्यायाः॥११॥सम्॰आहर।जात॰वेदः॥यत्।
दै २ हृतम्।यत्।परा॰भृतम्॥गात्राणि।अस्य।वर्धन्ताम्।अंशुः॰इव।आ।प्या

यताम्।अयम्॥१२॥सोमस्य॰इव।जात॰वेदः।अंशुः।आ।प्यायताम्॥अयं।
अग्ने।वि॰रप्शिनम्।मेध्यम्।अयक्ष्मम्।कृणु।जीवतु॥१३॥एताः।ताः।अ
ग्ने।सम्॰इधः।पिशाच॰जम्भनीः।ताः।त्वम्।जुषस्व।प्रति।च।एनाः।गृहाण।
जात॰वेदः॥१४॥तार्ष्ट॰अघीः।अग्ने।सम्॰इधः।प्रति।गृह्णाहि।अर्चि
षा।जहातु।क्रव्य॰अत्।रूपम्।यः।अस्य।मांसम्।जिहीर्षति॥१५॥७॥
१२५॥आ॰वतः।ते।आ॰वतः।परा॰वतः।ते।आ॰वतः।इह।एव।भव। २३८
मा।नु।गाः।मा।पूर्वान्।अनु।गाः।पितॄन्।असुम्।बध्नामि।ते।दृढम्।

१०३

॥१॥यत्।वा।अभि॰चेरुः।पुरुषः।स्वः।यत्।अरणः।जनः।उन्मोचन॰प्रमो
चने इत्युन्मोचन॰प्रमोचने।उभे इति।वाचा।वदामि।ते॥२॥यत्।दुद्रोहि
थ।शेपिषे।स्त्रियै।पुंसे।अचित्त्या॥३॥यत्।एनसः।मातृ॰कृतात्।शे
षे।पितृ॰कृतात्।च।यत्॥उन्मोचन॰प्रमोचने इत्युन्मोचन॰प्रमोचने।उभे
इति।वाचा।वदामि।ते॥४॥यत्।ते।माता।यत्।ते।पिता।जामिः।भ्राता।च।स
र्जतः।प्रत्यक्।सेवस्व।भेषजम्।जरत्॰अष्टिम्।कृणोमि।त्वा॥५॥इह।ए
धि।पुरुष।सर्वेण।मनसा।सह।दूतौ।यमस्य।मा।अनु।गाः।अधि।जीव॰पु

अ१

राः। इहि। दौ। अनु॰हूतः। पुनः। आ। इहि। विद्वान्। उत्॰अयनं। पथः। आ॰
रोहणम्। आ॰क्रमणं। जीवतः॰जीवतः। अयनम्। ७। मा। बिभेः। न। मरि
ष्यसि। जरत्॰अष्टिम्। कृणोमि। त्वा। निः। अवोचम्। अहम्। यक्ष्मम्। अं
गेभ्यः। अंग॰ज्वरम्। तव। ८। अंग॰भेदः। अंग॰ज्वरः। यः। च। ते। हृदय॰
आमयः। यक्ष्मः। श्येनः॰इव। प्र। अपप्तत्। वाचा। साढः। परः॰तराम्। ९।
ऋषी इति। बोध॰प्रतीबोधौ। अस्वप्नः। यः। च। जागृविः। तौ। ते। प्राण
स्य। गोप्तारौ। दिवा। नक्तम्। च। जागृताम्। १०। अयम्। अग्निः। उप॰

सद्यः। इह। सूर्यः। उत्। एतु। ते। उत्॰एहि। मृत्योः। गंभीरात्। कृष्णात्। चि
त्। तमसः। परि। ११। नमः। यमाय। नमः। अस्तु। मृत्यवे। नमः। पि
तृ॰भ्यः। उत। ये। नयंति। उत्॰पारणस्य। यः। वेद। तम्। अग्निम्। पुरः।
दधे। अस्मै। अरिष्ट॰तातये। १२। आ। एतु। प्राणः। आ। एतु। मनः। आ। एतु।
चक्षुः। अथो इति। बलम्। शरीरम्। अस्य। सम्। विदाम्। तत्। पत्॰भ्याम्।
प्रति। तिष्ठतु। १३। प्राणेन। अग्ने। चक्षुषा। सम्। सृज। इमम्। सम्। ईरय।
तन्वा। सम्। बलेन। वेत्थ। अमृतस्य। मा। नु। गात्। मा। नु। भूमि॰गृहः। भु

वत्॥१४॥मा।ते।प्राणः।उप।दसत्॥मो इति।अपानः।अपि।धायि।ते।सूर्यः।त्
वा।अधिऽपतिः।मृत्योः।उत्ऽआयच्छतु।रश्मिऽभिः॥१५॥इयम्।अन्तः।व
दति।जिह्वा।बद्धा।पनिष्पदा।त्वया।यक्ष्मम्।निः।अवोचम्।शतम्।
रोपीः।च।तक्मनः॥१६॥अयम्।लोकः।प्रियऽतमः।देवानाम्।अप
राऽजितः॥यस्मै।त्वम्।इह।मृत्यवे।दिष्टः।पुरुष।जज्ञिषे॥सः।च।
त्वा।अनु।ह्वयामसि॥मा।पुरा।जरसः।मृथाः॥१७॥७॥३०॥याम्।ते।च १४०
क्रुः।आमे।पात्रे।याम्।चक्रुः।मिश्रऽधान्ये॥आमे।मांसे।कृत्याम्।याम्।

१०५

चक्रुः॥पुनः।प्रति।हरामि।ताम्॥१॥चक्रुः।कृकवाकौ।अजे।वा।याम्।कुरी
रिणि॥अव्याम्।ते।कृत्याम्॥२॥चक्रुः।एकऽशफे।पशूनाम्।उभयादति॥
गर्दभे।कृत्याम्॥३॥चक्रुः।अमूलायाम्॥वलगम्।वा।नराच्याम्॥क्षे
त्रे।कृत्याम्॥४॥चक्रुः।गार्हऽपत्ये॥पूर्वऽअग्नौ।उत।दुःऽचितः।शा
लायाम्।कृत्याम्॥५॥चक्रुः।सभायाम्।याम्।चक्रुः।अधिऽदेवने॥अक्षे
षु।कृत्याम्॥६॥ते।चक्रुः॥सेनायाम्।याम्॥चक्रुः।इषुऽआयुधे॥दुन्दु
भौ।कृत्याम्॥७॥ते।कृत्याम्।कूपे।अवऽदधुः।श्मशाने।वा।निऽचख्नुः॥

सभ्मेनि।हृत्याम्।याम्।चक्रुः।उनः।।याम्।ता।चक्रुः।पुरुषं०आस्थ।।
अग्नौ।सम्०कस्तुके।वा।याम्।।म्रोकम्।निः०दा।हम्।कृत्यं०अदम्।।पु
नः।प्रति।हरामि।ताम्।।९।।अपथेन।आ।जभार।एनाम्।।ताम्।पथा।इ
तः।प्र।हिण्मसि।।अधीरः।मर्यां०धीरेभ्यः।।सम्।जभार।अचित्या।।१०।।यः।
चकार।न।शशाक।कर्तुम्।।शश्रे।पादम्।अंगुरिम्।।चकार।भद्रम्।
अस्मभ्यम्।।अतगः।तमावतं०भ्यः।।११।।कृत्यां०कृतम्।वलगिनम्।।
मूलिनम्।शपथेय्यम्।।इंद्रः।तम्।हंतु।महता।वधेन।अग्निः।वि

१०६

ध्यतु।अस्तया।।१२।।७।।३।।द्वादशः।प्रपाठकः।।।।इति पंचमं कांडं समाप्तं।।।।
षष्ठे तु नव का वपरा व षष्ठे।।।।७०।।ॐ दोषो इति।गाय।बृहत्।गाय।।द्युम०
मत्।।धेहि।।आथर्वणः।स्तुहि।देवम्।सविता।रम्।।१।।तम्।ॐ इति।स्तुहि।।
यः।अंतः।सिंधौ।स्तुः।।सत्यस्य।युवानम्।।अद्रोघ०वाचम्।।स्तुं०शेव
म्।।२।।सः।घ।नः।देवः।सविता।सा।विषत्।।अमृतानि।भूरि।उ।इति।स्तु
स्तुती इति स्तु०स्तुती।स्तुं०गानव।।३।।इंद्राय।सामम्।ऋत्विजः।।स्तुनोत।
आ।च।धावत।।स्तोतुः।यः।वचः।शृणवत्।हवं।च।मे।।४।।आ।यम्।विशंति

DR. BHAU DAJI
डाक्टर भाऊदाजी

इंह्वे॥ वयम्। नाहुषम्। अवसः। विऽस्मिन्। वि। मृधः। जहि। रक्षस्विनीः॥ प
सुनो तां। सा। मऽपाने। सोमम्। इंद्राय। वज्रिणे। सु। वा। जेमाता। ईशानः। सः
सुकृऽस्तुतः। ६। ५॥ १। पातम्। नः। इंद्रापूषणा। अदितिः। पांतु। मरुतः॥ अ
पाम्। नपात्। सिंधवः। सप्त। पातन॥ पातु। नः। विष्णुः। उत। द्यौः॥ १। पाताम्।
नः। द्यावापृथिवी इति। अभिष्टये। पातु। ग्रावा। पातु। सोमः। नः। अंहसः॥
पातु। नः। देवी। सुऽभगा। सरस्वती। पातु। अग्निः। शिवाः। ये। अस्य। पाय १२
वः॥ २। पाताम्। नः। देवा। अश्विना। शुभः। पती इति। उषसानक्ता। उत। नः।

१०७

उ
उरुष्यताम्॥ अपाम्। नपात्। अभिह्रुती इत्यभिऽह्रुती। गयस्य। चित्। देव। त्व
ष्टः। वर्धय। सर्वऽतातये॥ ३। त्वष्टा। सः। दिव्यम्। वातः। पर्जन्यः। ब्रह्मणः। पतिः॥
पुत्रैः। भ्रातृऽभिः। अदितिः। नु। पातु। नः। दुस्तरम्। त्रायमाणम्। सहः॥ ४। अं
शः। भगः। वरुणः। मित्रः। अर्यमा॥ अदितिः। पांतु। मरुतः॥ अप। तस्य। द्वेषः।
गमेत्। अभिऽह्रुतः। यवयत्। शत्रुम्। अंतितम्॥ ५। धियः। सम्। अश्विना।
प्र। अवतम्। नः। उरुष्या। नः। उरुऽज्मन्। अप्रऽयुच्छन्॥ द्यौः। पितः। यवय।
दुच्छुना। या॥ ६॥ २। उत। एनम्। उत्ऽतरम्। नय। अग्ने। घृतेन। आऽहुत॥

सम् । एनम् । वर्चसा । सृज ॥ प्र॰जया । च । बहुम् । कृधि ॥ १ ॥ इन्द्र । इमम् । प्र॰तर
म् । कृधि ॥ स॰जातानाम् । असत् । वशी ॥ रायः । पोषेण । सम् । सृज ॥ जीवात
वे । जरसे । नय ॥ २ ॥ यस्य । कृण्मः । हविः । गृहे ॥ तम् । अग्ने । वर्धय । त्वम् ॥ त
स्मै । सोमः । अधि । ब्रवत् ॥ अयम् । च । ब्रह्मणः । पतिः ॥ ३ ॥ यः । अस्मान् । ब्रह्मणः ।
पते ॥ अदेवः । अभि॰मन्यते ॥ सर्वम् । तम् । रन्धयासि । मे ॥ यजमानाय । सु
न्वते ॥ ४ ॥ यः । नः । सोम । सु॰शंसिनः । दुः॰शंसः । आ॰दिदेशति ॥ वज्रे १२
ण । अस्य । मुखे । जहि ॥ सः । सम्॰पिष्टः । अप । अयति ॥ ५ ॥ यः । नः । सोम । अभि॰

दासति ॥ स॰नाभिः । यः । च । निष्ट्यः ॥ अप । तस्य । बलम् । तिर । महि॰इव । द्यौः ।
वधत्मना ॥ ६ ॥ ७ ॥ २ ॥ येन । सोम । अदितिः । पथा ॥ मित्राः । वा । यन्ति । अद्रुहः ॥
तेन । नः । अवसा । आ । गहि ॥ १ ॥ येन । सोम । साहन्त्य ॥ असुरान् । रन्धयासि । नः ॥
नः । अधि । वोचत ॥ २ ॥ येन । देवाः । असुराणाम् ॥ ओजांसि । अवृणीध्वम् ॥ तेन ।
नः । शर्म । यच्छत ॥ ३ ॥ यथा । वृक्षम् । लिबुजा ॥ सम॰अन्तम् । परि॰सस्वजे ॥ ध ॥ ए
व । परि । स्वजस्व । माम् । यथा । माम् । कामिनी । असः । यथा । मत् । न । अप॰गाः । अ
सः ॥ ध ॥ यथा । सु॰पर्णः । प्र॰पतन् ॥ पक्षौ । नि॰हन्ति । भूम्याम् ॥ एव । नि । हन्मि । ते ।

मनः। यथा।। पा। यथा। इ। म। इति। घा। वा। पृथिवी। इति।। सः। घः। परि०। एति। स्व
र्गः। एवं। प। सि। एमि। ते। मनः।। यथा।। माम्। कामिनी। असः।। यथा। मत्। न। अ
पगाः। असः। द्वा। ७।। ४। वा। ७। मे। तत्। चूम्। पा। देश। वां। भ। अ। दृष्टे। वां। अस। त्वै।।
अपूर्णे + ८ वृषः। एपं। त्याः। केशाः।। माम्। ता। का। मिनाः। तुष्यं। ता।। १। मम। च। दोषु। णि०। अिष
मू।। त्वे। मि।। हृदयं०। अिषम्।। यथा। मम। क्रतौ। असः।। मम। चित्तम्। उप०
आयसि। २। यासाम्। नानि। आ०। रा। रूपाणाम्।। हृदि। सम्०। वनैम्। कृतम्।। गा २८
वा। वृत्तस्य। मातरः।। अहम्। मा। सो। वनयं। ३। ४। मा। ३। पृथिव्यां। आ। त्राय। वन

स्पतिं०। त्यः। अग्नये। अधि०। पतये। स्वाहा।। ४। आ। एवा। यां। अंतरिक्षाय। वय०
त्यः।। वायवे। अधि०। पतये।। पा। दिवे। च। दक्षुषा। नक्षत्र। त्यः।। सूर्याय। अधि०
पतये। स्वाहा।। ६।। ७।। पा। प्रथमा।। प्रथमो। वाकः।। यामी। मा। अन्वब्धा। आ०
स्तदः।। तत्रा। हुम्०। क्तु। वनम्। कृतम्।। ततः। वो। पुत्रस्य। विदन्नम्।। ततः। स्त्री
षु। आ। नरामसि।। २। पुंसि। वीर। तः। नवति।। ततः। स्त्रियाम्। अन्। असिच्यत।।
ततः। वि। पुत्रस्य। विदन्नम्।। ततः। प्रजा०। पतिः। अब्रवीत्।। ३। प्रजा०। पतिः।
अनु०। मतिः।। सिनीवाली। अचिकॢ। पत।। स्त्रैषूयम्। ३। अन्यत्र। आ। दधत्।। पु

मांसम्। ॐ इति। दृध्रत्। इह॥ ३। परि॰धाम्॰इव। सूर्यः। अहीनाम्। जनि
मा। अगमम्। रात्री। जगत्॰इव। अन्यत्। हंसात्॥ तेन। ते। वारये। विषम्॥
धयत्। ब्रह्म॰भिः। यत्। ऋषि॰भिः॥ यत्। देवैः। विदितम्। पुरा॥ यत्। भूत
म्। भव्यम्। आसन्॰वत्॥ तेन। ते। वारये। विषम्॥ पा। मध्वा। ह्वृंचेन। घृः। प
र्वताः। गिरयः॥ मधु। मधु। परुष्णी। शीपाला॥ शम्। आस्ने। अस्तु। शम्। हृदे।
द्धा॥ ७॥ द्धा। नमः। देव॰वधेभ्यः॥ नमः। राज॰वधेभ्यः॥ अथो इति। याः। विश्या १४२
नाम्। वध्याः॥ तेभ्यः। मृत्यो इति। नमः। अस्तु। ते॥ ८॥ नमः। ते। अधि॰वाकाय।

११०

पराः॰वाकाय। ते। नमः॥ सुमत्यै। मृत्यो इति। ते। नमः। दुःमत्यै। ते। इदम्।
नमः॥ ९॥ नमः। ते। यातु॰धानेभ्यः। नमः। ते। भेषजेभ्यः॥ नमः। ते। मृत्यो इ
ति। मूलेभ्यः॥ ब्राह्मणेभ्यः। इदम्। नमः॥ १०॥ अस्थि॰स्रंसम्। परुः॰स्रंसम्॥
आ॰स्थितम्। हृदय॰आमयम्॥ बलासम्। सर्वम्। नाशय॥ अंगे॰स्थाः। यः।
च। पर्व॰स्थाः॥ निः। बलासम्। बलासिनः। क्षिणोमि। मुष्करम्। यथा॥ छि
नद्मि। अस्य। बंधनम्॥ मूलम्। उर्वार्वाः॰इव॥ पा। निः। बलास। इतः। प्र। प
त॥ आशुंगः। शिशुकः। यथा॥ अथो इति। इटः॰इव। हायनः॥ अप। द्राहि।

वीसं॰हा॥द्या॥छा॥७॥उ तुं॰तमः।असि।उषधीनाम्॥तवसहृद्याः।उप॰स्त
यः॥उप॰स्तिः।अस्तु।सः।अस्माकम्॥यः।अस्मान्।अत्तिं॰दासति॥२॥
स॰बंधुः।वा।असबंधुः।र्चे॥यः।अस्मान्।अत्तिं॰दासति॥तेषाम्।सा।वृ
द्याणम्॰इवा॥अहम्।न्‌यासम्॥उ तुं॰तमः॥२॥यथा॥सोमः॥उषधीना
म्॥उ तुं॰तमः।हविषाम्।अरं॰तः॥तलाशा॥वृक्षाणाम्॰इव॥अहम्।न्
यासम्॥उ तुं॰तमः॥३॥आबाया।इति।अनाबयो।इति॥रसः॥तः।उग्रः।आ
बयो।इति॥आ॥तो।करंतम्।असि॥धवि॰हल्हः।नामा।तो।पाता॥स

मा१

द॰वत्ती॥नामा॥तः।मित्रा॥सः।हिना चम्।असि॥यः।चम्।आत्मानम्।अर्व
यः॥पा॥तो।विलिके।अवा।इत्नय॥अवा।अयम्॥एत्‌नबः।एलयी।ता॥ब्
वा।बत्क॰कर्षः।वा॥अपः।इहि।निः।आत्न॥६॥अलसाला।असि।पूर्वा॥मि
लो।ऊर्त्ना।उ त्तरा॥नाला।गन्‌साला॥७॥८॥यथा।इयं।पृथिवी॥म
ही॥न्‌ताना म्।गर्भम्।आ॰दधे॥एवा।ते।ध्रियताम्।गर्भः।अनु।सूत्‌वम्॥
सवितवा॥१॥मही।~~यथा। धे।एवा।ते।ध्रियताम्।गर्भ।~~ अदाधार।इमा॥
न्।वनस्पतीन्॥२॥दाधार।पर्वतान्।गिरीन्॥३॥यथा।इयम्।पृथिवी।मही॥

MEMORIAL

दाक्षंसविऽस्थितम्। जगत। एव। ते। ध्रियताम्। गर्तः। अभास्तृतम्।
सवित्तां। व॥१॥ ईर्ष्यायाः। ध्राजिम्। प्रथमाम्॥ प्रथमस्याः। उत। अपराम्॥
अग्निम्। हृदय्यम्। शोकम्। तम्। ते। निः। वापयामसि॥२॥ यथा। भूमिः।
मृतऽमना। मृतात्। मृतऽमनःऽतरा॥ यथा। उत। ममुषः। मनः। एव। ई
र्ष्योः। मृतम्। मनः॥३॥ अदः। यत्। ते। हृदि। श्रितम्। मनस्ऽकम्। पतयि
ष्णुऽकम्॥ ततः। ते। ईर्ष्याम्। मुञ्चामि॥ निः। ऊष्माणम्। दृतेःऽइव॥४॥१७॥ २४१
॥१०॥ पुनन्तु। मा। देवऽजनाः॥ पुनन्तु। मनवः। धिया॥ पुनन्तु। विश्वा। भूतानि॥
११२.

पवमानः। पुनातु। मा॥१॥ पवमानः। पुनातु। मा॥ क्रत्वे। दक्षाय। जीवसे॥
अथो इति। अरिष्टऽतातये॥२॥ उभाभ्याम्। देव। सवितः॥ पवित्रेण। सव
न। च॥ अस्मान्। पुनीहि। चक्षसे॥३॥ अग्नेःऽइव। अस्य। दहतः। एति। शु
ष्मिणः॥ उतऽइव। मत्तः। विऽलपन्। अप। अयति॥ अन्यम्। अस्मत्। इच्छ
तु। कम्। वित्। अव्रतः॥ तपुःऽवधाय। नमः। अस्तु। तक्मने। नमः। रुरा
य। नमः। अस्तु। तक्मने॥ नमः। राज्ञे। वरुणाय। त्विषिऽमते॥१॥ नमः। दिवे।
नमः। पृथिव्यै। नमः। ओषधीभ्यः॥२॥ अयम्। यः। अभिऽशोचयिष्णुः॥ वि

ष्णुः। रूपाणि। हरिता। कृणोषि॥ तस्मै। ते। अरुणाय। बभ्रवे। नमः। कृणोमि।
वन्याय। तक्मने॥ ३॥ १०॥ द्वितीयो॥॥ द्वितीयोऽनुवाकः॥॥ इमाः। याः। तिस्रः।
पृथिवीः॥ तासाम्। ह। भूमिः। उत्ऽतमा॥ तासाम्। अधि। त्वचः। अहम्। भे
षजम्। सम्। ऊं इति। जग्रभम्॥ १॥ श्रेष्ठम्। असि। भेषजानाम्॥ वसिष्ठ
म्। वीरुधाम्॥ सोमः। भगःऽइव। यामेषु। देवेषु। वरुणःऽइव। यथा॥
२॥ रेवतीः। अनाधृषः॥ सिसासवः। सिसासथ॥ उत। स्थ। केशऽदृंह २०८
णीः॥ अथो इति। ह। केशऽवर्द्धनीः॥ ३॥ कृष्णम्। निऽयानम्। हरयः। सुऽप

१२३

र्णाः॥ अपः। वसानाः। दिवम्। उत्। पतंति॥ ते। आ। अववृत्रन्। सदनात्। ऋत
स्य॥ आत्। इत्। घृतेन। पृथिवीम्। वि। ऊदुः॥ १॥ पयस्वतीः। कृणुथ। अ
पः। ओषधीः॥ शिवाः॥ यत्। एजथ। मरुतः। रुक्मऽवक्षसः॥ ऊर्जम्। च। त
त्र। सुऽमतिम्। च। पिन्वत॥ यत्र। नरः। मरुतः। सिंचथ। मधु॥ २॥ उदऽप्रुतः।
मरुतः। तान्। इयर्त। वृष्टिम्॥ याः। विश्वाः। निऽवतः। पृणाति॥ एजाति। ग्लहा।
कन्याऽइव। तुन्ना॥ एरुम्। तुंदाना। पत्याऽइव। जाया॥ ३॥ ११॥ सस्रुषीः। त
त्। अपसः॥ दिवा। नक्तम्। च। सस्रुषीः॥ वरेण्यऽक्रतुः। अहम्। अपः। देवीः।

उपऽकृत्ये।१।आऽभृताः।आपः।कर्मण्याः।मुंचंतु।इतः।प्रऽनीतये॥वस
घः।तत्।एवं।तु।एतवे॥२ देवस्य।सवितुः।सवे।कर्म।तत्।एवं।तु।मानुष्याः॥
शं।नः।भवंतु।अपः।ओषधीः।शिवाः॥३ हिमऽवतः।प्र।स्रवंति।सिंधौ
समह।संऽगमः।आपः।ह।मह्यम्।तत्।देवीः।ददन्।हृद्योतऽभेष
जम्॥ ४ यत्।मे।अक्ष्योः।आऽदिद्योत।पार्ष्ण्योः।प्रऽपदोः।च।यत्॥आ
पः।तत्।सर्वम्।निः।करत्।भिषजाम्।सुभिषक्ऽतमाः॥५ सिंधुऽप
त्नीः।सिंधुऽराज्ञीः।सर्वाः।याः।नद्यः।स्थन।दत्त।नः।तस्य।भेषजम्।ते

तो:१

११५

ना।वः।भुनजाम।हे॥६॥७॥१ पंच।वाय्याः।पंचा।शता।चा॥ समऽयंति।म
न्याः।अग्नि।इतः।ताः।सर्वाः।नश्यंतु।वाकाः।अपचिताम्ऽइव॥१ सप्त
च।याः।सप्तति।च॥ सम्ऽयंति।ग्रैव्याः।अग्नि॥२ नव।च।याः।नवतिः।च॥
समऽयंति।स्कंध्याः।अग्नि॥ इतः।ताः।सर्वाः।नश्यंतु।वाकाः।अपचिताम्ऽ
इव॥३ अव।मा।पाप्मन्।सृज।वशी।सन्।मृडयासि।नः।आ।मा।भद्रस्य
लोके।पाप्मन्।धेहि।अविऽहृतम्॥४ यः।नः।पाप्मन्।न।जहासि॥ तम्।
कं।इति।चा।जहिमः।वयम्॥पथाम्।अनु।विऽआवर्तने।अन्यम्।पाप्मा।

अन्नम्।अयघंताम्॥पा।अन्यत्र।अस्मत्।नि।उच्यन्तु॥सहस्रं॰अक्षः।अमर्त्यः॥
यम्।द्विषाम्।तम्।स्त्रञ्जु॥यम्।ऊं इति।द्विष्मः।तम्।इत्।उ।जहि॥३॥३॥
१२॥देवाः।कपोतः।इषितः।यत्।इच्छन्।दूतः।नि॰ऋत्याः।इदम्।आ॰
जगाम॥तस्मै।अर्चाम।कृणवाम।निः॰कृतिम्॥शम्।नः।अस्तु।द्वि॰प
दे।शम्।चतुः॰पदे॥१॥शिवः।कपोतः।इषितः।नः।अस्तु॥अनागाः।देवाः। १२०
शकुनः।गृहम्।नः॥अग्निः।हि।विप्रः।जुषताम्।हविः।नः॥परि।हेतिः।प
क्षिणी।नः।वृणक्तु॥२॥हेतिः।पक्षिणी।न।दभाति।अस्मान्।आष्ट्री।इति।पद

११५

म्।कृणुते।अग्नि॰धाने॥शिवः।गोभ्यः।उत।पुरुषेभ्यः।नः।अस्तु॥मा।
नः।देवाः।इह।हिंसीत्।कपोतः॥३॥ऋचा।कपोतम्।नुदत।प्र॰मोद
म्।इषम्।मदंतः।परि।गाम्।नयामः॥सम्॰लोभयंतः।दुः॰इता।पदानि॥हि
त्वा।नः।ऊर्जम्।प्र।पदात्।पथिष्ठः॥४॥परि।इमे।अग्निम्।अर्षत॥
परि।इमे।गाम्।अनेषत॥देवेषु।अक्रत।श्रवः॥कः।इमान्।आ।दधर्ष
ति॥५॥यः।प्रथमः।प्र॰वतम्।आ॰ससाद।बहु॰भ्यः।पंथाम्।अनु॰पस्प
शानः॥यः।अस्य।ईशे।द्वि॰पदः।यः।चतुः॰पदः॥तस्मै।यमाय।नमः।अस्तु

मृत्यवे॥६॥छ॥१४॥अमून्।हेतिः।पतत्रिणी।नि।एतु।यत्।उलूकः।
वदति।मोघम्।एतत्।यत्।वा।कपोतः।पदम्।अग्नौ।कृणोति॥१॥यौ।ते।
दूतौ।निःऽऋते।इदम्।आऽइतः।अप्रऽहितौ।प्रऽहितौ।वा।गृहम्।नः।
कपोतऽउलूकाभ्याम्।अपदम्।तत्।अस्तु॥२॥अवैरऽहत्याय।इदम्।
आ।पपत्यात्।सुऽवीरतायै।इदम्।आ।ससद्यात्।पराङ्।एव।परा।वद।
पराचीम्।अनु।सम्ऽवतम्।यथा।यमस्य।त्वा।गृहे।अरसम्।प्रतिऽचा १२१
कशान्।आऽभूकम्।प्रतिऽचाकशान्॥३॥देवाः।इमम्।मधुना।सम्ऽयु

११६

तम्।यवम्।सरस्वत्याम्।अधि।मणौ।अचर्कृषुः।इन्द्रः।आसीत्।सीरऽपतिः।
शतऽक्रतुः।कीनाशाः।आसन्।मरुतः।सुऽदानवः॥१॥यः।ते।मदः।अवऽ
केशः।विऽकेशः।येन।अभिऽहस्यम्।पुरुषम्।कृणोषि।आरात्।त्वत्।
अन्या।वनानि।वृक्षि।त्वम्।शमि।शतऽवल्शा।वि।रोह॥२॥बृहत्ऽपलाशे।
सुऽभगे।वर्षऽवृद्धे।ऋतऽवरि।माताऽइव।पुत्रेभ्यः।मृड।केशेभ्यः।श
मि॥३॥७॥आ।अयम्।गौः।पृश्निः।अक्रमीत्।असदत्।मातरम्।पुरः।पितरम्।
च।प्रऽयन्।स्वः॥१॥अन्तरिति।चरति।रोचना।अस्य।प्राणात्।अपानतः।वि।अख्यत्।

MEMORIAL

मऽहिषं॥स्वः॥८ त्रिंशत्।धाम॥वि।राजति॥वाक्।पतंगः।अशिश्रियत्॥प्र
ति॥वस्तोः।अहः।द्युऽभिः॥९॥७॥ तृतीयोत्रयस्त्रिंशकोंतो॥ तृतीयोनुवाकः॥
अंतः॰हावा।ऊर्जुकुता।स्तु।एतत्॥यातुऽधानं॰हायणम्।घृतेन॥आरात्।आरद्दां
सि।प्रति।दह।चम्।अग्ने॥नानः।गृहाणम्।उपातीतपासि॥रुद्रः।वः।ग्रा
वाः।असरेत्।पिशाचाः॥पृष्ठाः।वः।अपि।शृणौभ।यातुऽधनाः॥वीरूत्।वः। १२२
विश्वतः॰वीर्याः॥यमेन।सम्।अजीगमत्॥२॥अभयम्।मित्रावरुणौ।इ
ह।अस्तु।नः॥अर्चिषा।अत्रिणः।नुदतम्।प्रतीचः॥मा।ज्ञातारम्।मा।प्रति॰

११७

स्थाम्।विदंत।मिथः।वि॰घ्नानाः।उप।यंतु।मृत्युं॥३॥यस्य।इदम्।आ।रजः।
युजः॥तुजे।जनाः।वनम्।स्वः॥इंद्रस्य।रत्यम्।बृहत्॥धना।आ॰धृषा।आ
दद्धृषते॥धृषाणः।धृषितः।शवः॥पुरायथा।व्यथिः।श्रवः।इंद्रस्य।न
आ॰धृषे॥२॥शवः॥पासः।नः।दहत्॥ना।मूरयिम्॥उरुम्।प्रिशंग॰संद
शा।न॥इंद्रःपतिः॥तुविः॰तमः।जनेषु।आ॥६॥३॥अग्नायावाकम्।
ईरय॥वृषनाय।क्षितीनाम्॥सः।नः।पर्षत्।अति।द्विषः॥१॥यः।रक्षांसि।
नि॰जूर्वति॥अग्निः।तिग्मेन।शोचिषा॥रायः।परस्याः।परा॰वतः॥तिरः॥

धन्वा। अति। रोचते॥ ३॥ यः। विश्वा। अभि। विऽपश्यति। भुवना। सम्। च।
पश्यति॥ ४॥ यः। अस्य। पारे। रजसः॥ शुक्रः। अग्निः। अजायत॥ सः। नः। प
र्षत्। अति। द्विषः॥ ५॥ वैश्वानरः। नः। ऊतये। आ। प्र। यातु। पराऽवतः॥ अ
ग्निः। नः। सुऽस्तुतीः। उप॥ ६॥ वैश्वानरः। नः। आ। अगमत्। इमम्। यज्ञम्।
सऽजूः। उप॥ अग्निः। उक्थेषु। अंहःऽसु॥ ७॥ वैश्वानरः। अंगिरसाम्॥
स्तोमम्। उक्थम्। च। चाक्लृपत्॥ आ। एषु। द्युम्नम्। स्वः। यमत्॥ ८॥ ३॥ १२३
१७। ऋतऽवानम्। वैश्वानरम्॥ ऋतस्य। ज्योतिषः। पतिम्॥ अजस्रम्।

घर्मम्। ईमहे॥ १॥ सः। विश्वाः। प्रति। चाक्लृपे॥ ऋतून्। उत्। सृजते।
वशी॥ यज्ञस्य। वयः। उत्ऽतिरन्॥ २॥ अग्निः। परेषु। धामऽसु॥ कामः।
भूतस्य। भव्यस्य॥ सम्ऽराट्। एकः। वि। राजति॥ ३॥ उप। प्र। अगात्। सह
स्रऽअक्षः॥ युक्त्वा। शपथः। रथम्॥ शप्तारम्। अनुऽइच्छन्। मम। वृकःऽ
इव। अविऽमतः। गृहम्॥ १॥ परि। नः। वृङ्धि। शपथ। ह्रदम्। अग्निःऽइव।
दहन्॥ शप्तारम्। अत्र। नः। जहि। दिवः। वृक्षम्ऽइव। अशनिः॥ २॥ यः। नः।
शपात्। अशपतः॥ शपतः। यः। च। नः। शपात्॥ शुनः। पेष्टम्ऽइव। अवऽ

तामस्य ॥ तम् । प्रति । अस्मामि । मृत्यवे ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ सिंहे । व्याघ्रे । उत । या ।
पृदाकौ ॥ त्विषिः । अग्नौ । ब्राह्मणे । सूर्ये । या ॥ इंद्रम् । या । देवी । सुऽभगा ।
जजान ॥ सा । नः । आ । एतु । वर्चसा । संऽविदाना ॥ १ ॥ या । हस्तिनि । द्वीपिनि ।
या । हिरण्ये ॥ त्विषिः । अप्ऽसु । गोषु । या । पुरुषेषु ॥ २ ॥ रथे । अक्षेषु । ऋष
भस्य । वाजे । वाते । पर्जन्ये । वरुणस्य । शुष्मे ॥ ३ ॥ राजन्ये । दुंदुभौ । आऽय २२४
तायाम् । अश्वस्य । वाजे । पुरुषस्य । मायौ ॥ इंद्रं । या । देवी । सुऽभगा । जजा
न ॥ सा । नः । आ । एतु । वर्चसा । संऽविदाना ॥ ४ ॥ यशः । हविः । वर्द्धताम् ॥ इंद्रऽ

जूतम् ॥ सहस्रऽवीर्यम् । सुऽभृतम् । सहःऽकृतम् ॥ प्रऽसर्स्राणम् । अ
नु । दीर्घाय । चक्षसे ॥ हविष्मंतम् । मा । वर्द्धय । ज्येष्ठऽतातये ॥ ५ ॥ अच्छ । नः ।
इंद्रम् । यशसम् । यशःऽभिः ॥ यशस्विनम् । नमसानाः । विधेम ॥ सः । नः ।
४ स्व रास्व । राष्ट्रम् । इंद्रऽजूतम् ॥ तस्य । ते । रातौ । यशसः । स्याम ॥ ६ ॥ यशाः । इंद्रः ।
यशाः । अग्निः ॥ यशाः । सोमः । अजायत ॥ यशाः । विश्वस्य । भूतस्य । अहम् ।
अस्मि । यशःऽतमः ॥ ३ ॥ ८ ॥ १९ ॥ अभयम् । द्यावा । पृथिवी इति । इह । अस्तु ।
नः ॥ अभयम् । सोमः । सविता । नः । कृणोतु ॥ अभयम् । नः । अस्तु । उरु । अंतरि

दाम्॥अभयम्ऽऋषीणाम्।च।हविषा।अभयम्।नः।अस्तु॥१॥अस्मै।ग्रामा
य।प्रऽदिशः।चतस्रः॥ऊर्जम्।सुऽभूतम्।स्वस्ति।सविता।नः।कृणो
तु॥अशत्रु।इन्द्रः।अभयम्।नः।कृणोतु॥अन्यत्र।राज्ञाम्।अभि।यातु।
मन्युः॥२॥अनमित्रम्।नः।अधरात्॥अनमित्रम्।नः।उत्तरात्॥इन्द्र।अ
नमित्रम्।नः।पश्चात्॥अनमित्रम्।पुरः।कृधि॥३॥मनसे।चेतसे।धिये॥
आऽकूतये।उत।चित्तये॥मत्यै।श्रुताय।चक्षसे॥विधेम।हविषा।वय १२२
म्॥१॥अपानाय।विऽआनाय।प्राणाय।भूरिऽधायसे॥सरस्वत्यै।उरुऽ

१२०

व्यचे॥विधेम।हविषा।वयम्॥२॥मा।नः।हासिषुः।ऋषयः।दैव्याः।ये।तनूऽ
पाः॥ये।नः।तन्वः।तनूऽजाः॥अमर्त्याः।मर्त्यान्।अभि।नः।सचध्वम्॥आ
युः।धत्त।प्रऽतरम्।जीवसे।नः॥३॥७॥२०॥चतुर्थौ त्रयस्त्रिंशकौ तौ॥७॥
ऋ३३॥अव।ज्याम्ऽइव।धन्वनः॥मन्युम्।तनोमि।ते।हृदः॥यथा।सम्ऽ
मनसौ।भूत्वा॥सखायौऽइव।सचावहै॥१॥सखायौऽइव।सचावहै॥
अव।मन्युम्।तनोमि।ते॥अधः।ते।अश्मनः।मन्युम्॥उप।अस्यामसि।
यः।गुरुः॥२॥अभि।तिष्ठामि।ते।मन्युम्॥पार्ष्ण्या।प्रऽपदेन।च॥यथा।अवशः।

नः। वा। द्विषः॥ मम। चित्तम्। उप॰आयसि॥ ३॥ अयम्। दर्भः। वि॰मन्युकः। स्वा
य। दं। अरणाय। च॥ मन्योः। वि॰मन्यकस्य। अयम्॥ मन्यु॰शमनः। उच्य
ते॥ ४॥ अयम्। यः। भूरि॰मूलः॥ समुद्रम्। अव॰तिष्ठति॥ दर्भः। पृथि
व्याः। उत्थितः॥ मन्यु॰शमनः। उच्यते॥ ५॥ वि। ते। हन्व्याम्। शरणिम्॥ वि
ते। मुख्याम्। नयामसि॥ यथा। अवशः। न। वादिषः॥ मम। चित्तम्। उप॰आ
यसि॥ ६॥ ७॥ २१॥ अस्थात्। द्यौः। अस्थात्। पृथिवी॥ अस्थात्। विश्वम्। इदम्। १२५
जगत्॥ अस्थुः। वृक्षाः। ऊर्ध्व॰स्वप्नाः॥ तिष्ठात्। रोगः। अयम्। तव॥ १॥ २॥

स्वा १

तं। या। भेषजानि। ते॥ सहस्रम्। सं॰गतानि। च॥ श्रेष्ठम्। आस्राव॰भेषजं॥ वसिष्ठ
म्। रोग॰नाशनम्॥ रुद्रस्य। मूत्रम्। असि॥ अमृतस्य। नाभिः॥ वि॰साण
का। नाम। वा। असि॥ पितृणाम्। मूलात्। उत्थिता॥ वातीकृत॰नाशनी॥ ३॥
परः। अप। इहि। मनः॰पाप। किम्। अशस्तानि। शंससि॥ परा। इहि। न। त्वा
कामये॥ वृक्षान्। वनानि। सम्। चर॥ गृहेषु। गोषु। मे। मनः॥ १॥ अव॰श
सा। निः॰शसा। यत्। परा॰शसा। उप॰आरिम। जाग्रतः। यत्। स्वपन्तः॥ अ
ग्निः। विश्वानि। अप। दुः॰कृतानि॥ अजुष्टानि। आरे। अस्मत्। दधातु॥

MEMORIAL

यत्।[illegible]।ब्रह्मणः।पातु॥अपि।मृषा॥चरामसि॥प्रत्यंचेताः।नः।आंगिरसः॥दुः°
इतात्।पातु॥अंहसः॥६॥७॥२२॥यः।न।जीवः।असि।न।मृतः॥देवानाम्।अ
मृत°गर्भः।असि।स्वप्न॥वरुणानी॥ते।माता॥यमः।पिता॥अरुः।नाम।अ २-३
सि॥१॥विद्म।ते।स्वप्न।ऊ जनित्रम्॥देव°जामीनाम्।पुत्रः।असि।यमस्य।क
रणः॥अंतकः।असि।मृत्युः।असि॥तम्।त्वा।स्वप्न।तथा।सम्।विद्म॥सः।नः।
स्वप्न।दुः°स्वप्न्यात्।पाहि॥२॥यथा॥कलाम्।यथा।शफम्॥यथा।ऋणम्।स १२७
म्°नयंति॥एव।दुः°स्वप्न्यम्।सर्वम्॥द्विषते।सम्।नयामसि॥३॥अग्निः।

१२२

अग्निः।प्रातः°सवने।पातु।अस्मान्॥वैश्वानरः।विश्व°कृत्।विश्व°शंभूः॥
सः।नः।पावकः।द्रविणे।दधातु॥आयुष्मंतः।सह°भक्षाः।स्याम॥१॥वि
श्वे।देवाः।मरुतः।इंद्रः।अस्मान्॥अस्मिन्।द्वितीये।सवने।न।जह्युः॥आ
युष्मंतः।प्रियम्।एषाम्।वदंतः॥वयम्।देवानाम्।सु°मतौ।स्याम॥२॥इदम्।
तृतीयम्।सवनम्।कवीनाम्॥ऋतेन।ये।चमसम्।ऐरयंत॥ते।सौधन्व
नाः।स्वः।आनशानाः॥स्वि°इष्टिम्।नः।अभि।वस्यः।नयंतु॥३॥६॥७॥२३॥श्येनः।
असि।गा।यत्र°छंदाः॥अनु।त्वा।आ।रभे॥स्वस्ति।मा।सम्।वह।अस्य।य

ज्ञस्य । उत्ऽऋ विस्वाहा॥१॥ ऋतुः। अस्ति। जगत्ऽछंदाः। अनु॥२॥ हषा।
अस्ति। त्रिस्तुप्ऽछंदाः। अनु। चा। आ। र तो। स्वस्ति। मा। सम्। वह। अस्य।
यज्ञस्य। उत्ऽऋ विस्वाहा॥३॥ नहि। ता। अग्ने। तन्वः। कूरम्। आनंशम
र्त्यः। कपिं। बतस्ति। तद्धनम्। स्वम्। जरायु। गोः। ऽइव। अध। मेषः। ऽइव। वि।
सम्। व। वि। वा। उरु। अच्य। सा। यत। उत्तरऽद्यौ। उपरः। व। खाद्तः॥२॥
प्र ली। शिरः। अंसा। अपसः। अर्दयन्॥ अंसून्। बतस्ति। हसितन्निः। आसऽ २५८
न्निः। पासुऽपर्णाः। वा। वम्। अकत। उप। घविः। आऽखरा। लक्ष्माः। छषिराः।

न।३

अनर्त्तिष्ठुः॥ नि। यत्। निऽयंति। उपरस्य। निःऽकृतिम्॥ पुरु। रतः। दाध। रे
स्तूर्यऽस्थितः॥ द्य। अव। रथ। हतम्। तर्द्धम्। सम्ऽअंकम्। आऽखुम्। अश्विना॥
छितम्। शिसः। अपि। वृष्णः॥ वृष्णीनम्। यवान्। इत। दस्मान्। अपि। नह्य
तम्। सुरवम्॥ अथ। अत्यम्। लुतम्। धन्याय॥१॥ तर्द्म। हे। पतंग। हे। ज
न्य। हे। उपऽकसा॥ ब्रह्मा। ऽइव। असंम्ऽस्थितम्। हविः॥ अनदंतः। इमान्।
यवान्॥ अहिंसंतः। अपऽउहित॥२॥ तर्दऽपाताव बाऽपते॥ वृष्ऽजंत्ताः। आ।
वृष्णो तं स्म॥ या। आरण्याः। विऽअद्वराः॥ ये। का। वा। स्व। विऽअद्वराः॥ तान्।

सर्वान्। अं नयामसि॥३॥ वायोः। पूतः। पवित्रेण॥ प्रत्यङ्। सोमः। अति। द्रु
तः॥ इन्द्रस्य। युज्यः। सखा॥४॥ आपः। अस्मान्। मातरः। सूदयन्तु॥ घृतेन
नः। घृतप्वः। पुनन्तु॥ विश्वम्। हि। रिप्रम्। प्रवहन्ति। देवीः। उत्। इत्। आ
भ्यः। शुचिः। आ। पूतः। एमि॥५॥ यत्। किम्। च। इदम्। वरुण। दैव्यम्। ज
ने। अभिद्रोहम्। मनुष्याः। चरन्ति॥ अचित्त्या। च। इत्। तव। धर्म। युयो १२८
पिम॥ मा। नः। तस्मात्। एनसः। देव। रीरिषः॥६॥२०॥ बा। पंचमाः। त्रय
दशः। प्रपाठकः॥ ॥ उत्। सूर्यः। दिवः। एति। पुरः। रक्षांसि। निजूर्वन्॥ आ

१२४

दित्यः। पर्वतेभ्यः॥ विश्वदृष्टः। अदृष्टहा॥१॥ नि। गावः। गोष्ठे। असदन्॥
नि। मृगासः। अविक्षत॥ नि। ऊर्मयः। नदीनाम्॥ नि। अदृष्टाः। अलिप्सत॥
।२। आयुः। ददम्। विपःऽचितम्॥ श्रुताम्। कण्वस्य। वीरुधम्॥ आ। अभा एव-३
रिषम्। विश्वभेषजीम्॥ अस्य। अदृष्टान्। नि। शमयत्॥३॥ द्यौः। च। मा।
इदम्। पृथिवी। च। प्रचेतसौ॥ शुक्रः। बृहन्। दक्षिणया। पिपर्तु॥ अनु। स्व
धा। चिकिताम्॥ सोमः। अग्निः॥ वायुः। नः। आ। एतु॥ पुनः। वसुः। पुनः। अ
सुः। नः। आ। एतु॥ वैश्वानरः। नः। अदब्धः। तनूपाः। अन्तः। तिष्ठाति। दुः
नः। पातु। सविता। तमः। वा। धातु। नः। प्राणः। पुनः। आत्मा। ३२

इता । निःऽविद्या ॥ पा । सम् । वर्चसा । पयसा । सम् । तनूभिः ॥ अगन्महि । मनसा ॥
सम् । शिवेन ॥ त्वष्टा । नः । अत्र । वरीयः । कृणोतु । अनु । नः । मार्ष्टु । तन्वः ।
यत् । विऽरिष्टम् ॥ ३ ॥ २१ ॥ इदम् । तत् । युजे । उत्ऽतरम् ॥ इन्द्रम् । शुंभामि ।
४ महीम् ॥ अष्टये ॥ अस्य । क्षत्रम् । श्रियम् । महीम् ॥ वृष्टिःऽइव । वर्धय । तृणम् ॥ १ ॥ अस्मै । क्ष-
३ द्वे त्रम् । अग्नीषोमौ ॥ अस्मै । धारयतम् । रयिम् ॥ इमम् । राष्ट्रस्य । अभिऽवर्गे ॥ १५०
कृणुत । युजे । उत्ऽतरम् ॥ २ ॥ सऽबन्धुः । च । असऽबन्धुः । च । यः । अस्मान् ।
अभिऽदासति ॥ सर्वम् । तम् । रन्धयासि ॥ मे । यजमानाय । सुन्वते ॥ ३ ॥
१२५

य । पन्थानः । बहवः । देवऽयानाः ॥ अन्तरा । द्यावापृथिवी इति । सम्ऽचरन्ति ॥
तेषाम् । अज्यानिम् । यतमः । वहाति । तस्मै । मा । देवाः । परि । धत्त । इह । सर्वे ॥
१ ॥ ग्रीष्मः । हेमन्तः । शिशिरः । वसन्तः । शरत् । वर्षाः । सुऽइते । नः । दधात ॥ आ ।
नः । गोषु । भजत । आ । प्रऽजायाम् ॥ निऽवाते । इत् । वः । शरणे । स्याम ॥ २ ॥ इदा-
वत्सराय । परिऽवत्सराय । सम्ऽवत्सराय । कृणुत । बृहत् । नमः ॥ तेषाम् ।
वयम् । सुऽमतौ । यज्ञियानाम् ॥ अपि । भद्रे । सौमनसे । स्याम ॥ ३ ॥ ३ ॥
२२ ॥ मा । नः । देवाः । अहिः । वधीत् ॥ सऽतोकान् । सहऽपूरुषान् ॥ सम् । य-

तम्। न। वि। स्परत्॥ वि॰आत्तम्। न। सम्। यमत्॥ नमः। देव॰जनेभ्यः॥१॥
नमः। अस्तु। असिताय॥ नमः। तिरश्चि॰राजये॥ स्वजाय। बभ्रवे। नमः॥
नमः। देव॰जनेभ्यः॥२॥ सम्। ते। हन्मि। दता। दतः॥ सम्। ऊँ इति। ते। ह
न्वा। हनू इति॥ सम्। ते। जिह्वया। जिह्वाम्॥ सम्। ऊँ इति। आस्ना। अहे।
आस्यम्॥३॥ इदम्। इत्। वै। ऊँ इति। भेषजम्॥ इदम्। रुद्रस्य। भेषजम्॥ २५१
येन। इषुम्। एक॰तेजनाम्॥ शत॰शल्याम्। अप॰ब्रवत्॥ १॥ जालाष
ेण। अभि। सिंचत। जालाषेण। उप। सिंचत॥ जालाषम्। उग्रम्। भेषज

१२६

म्॥ तेन। नः। मृड। जीवसे॥२॥ शम्। च। नः। मयः। च। नः। मा। च। नः। किम्। चन॥
आममत्॥ क्षमा। रपः। विश्वम्। नः। अस्तु। भेषजम्॥ सर्वम्। नः। अस्तु। भे
षजम्॥३॥८॥२॥ यशसम्। मा। इन्द्रः। मघ॰वान्। कृणोतु॥ यशसम्।
द्यावापृथिवी इति। उभे इति। इमे इति॥ यशसम्। मा। देवः। सविता। कृणो
तु॥ प्रियः। दातुः। दक्षिणायाः। इह। स्याम्॥१॥ यथा। इन्द्रः। द्यावापृथिव्योः।
यशस्वान्॥ यथा। आपः। ओषधीषु। यशस्वतीः॥ एव। विश्वेषु। देवेषु।
वयम्। सर्वेषु। यशसः। स्याम्॥२॥ यशा इंद्र इत्येका॥३॥ अनडुत्॰भ्यः।

MEMORIAL

वम्। ब्रह्मम्॥ धेनु॰ऽन्य॰वम्। अरुंधति॥ अधेनवे। वयसे॥ शामीय

छा। न॰उ॰पादा॥ ध शर्म। यच्छ। आ॰उषधिः॥ सह। देवीः। अरुंधती॥ कस्त्व।

पयस्वंतम्। गो॰ऽस्थम्। अयक्ष्मान्। उत। पुरुषान्॥ ४॥ पवि॰धं॰स्तपाम्। सु॰

तम्मम्॥ अ॰तु॰आवदामि। जीवलाम्॥ सा। नः। रुद्रस्य। अस्ताम्। ति। हेति

म्॥ दूरम्। नयतु। गो॰ऽन्य॥ द्॥ र॥ अयम्। आ। याति। अर्यमा॥ पुरस्तात्। १६२

विसित॰स्तुपः॥ अस्यै। इच्छन्। अग्रुवः। पतिम्॥ उत। जायाम्। अजान

य॥ ४॥ अश्रमत्। इयम्। अर्यमन्॥ अन्यासाम्। समनम्। आयती॥ अं। गा। इति।

१२९

अं तु। अर्यमन्। अस्याः। अन्याः। समनम्। आ॰अयति॥ २॥ धाता। दाधार। पृ

थिवीम्। धाता। द्याम्। उत। सूर्यम्॥ धाता। अस्यै। अग्रुवे। पतिम्। दधातु।

प्रति॰काम्यम्॥ ३॥ महत्यम्। आपः। मधु॰मत्। आ। ईरयंताम्॥ मह्यम्। सूरः।

अमरत्। ज्योतिषा। कम्॥ मह्यम्। देवाः। उत। विश्वे। तपः॰जाः॥ मह्यम्। दे

वः। सविता। व्यचः। धात्॥ ४॥ अहम्। विवेच। पृथिवीम्। उत। द्याम्॥ अहम्।

ऋतून्। अजनयम्। सप्त। साकम्॥ अहम्। सत्यम्। अनृतम्। यत्। वदा

मि॥ अं॥ अहम्। दैवीम्। परि। वाचम्। विशः। च॥ ५॥ अहम्। जजान। पृथिवीम्।

उत। धाम्। अहम्। ऋतम्। अजनयन्। सत्ऽसाः। सिंधून्। अहम्। सत्यम्।
अनृतम्। यत्। वदामि। यः। अग्नीषोमौ। अजुषेऽ। सखाय॥ द्वा॥ ७॥ २५॥
षष्ठो नुवाकः॥ ऋा॥ ३०॥ स प षष्ठाश्त्रि शका॥ ॥७॥ वैश्वानरः। रश्मिऽभिः।
नः। पुनातु॥ वातः। प्राणेन। इषिरः। नक्तंऽभिः॥ द्यावापृथिवी इति। पयसा।
पयस्वती इति। ऋतवरी इत्यृतऽवरी। यज्ञिये इति। नः। पुनाताम्॥ १॥ वैश्वा
नरीम्। सूनृताम्। आ। रभध्वम्॥ यस्याः। आशाः। तनुवः। वीतऽपृष्ठाः॥ त १६३
या। गृणंतः। सधऽमादेषु। वयम्। स्याम। पतयः। रयीणाम्॥ २॥ वैश्वा
१२८

नरीम्। वर्चसे। आ। रभध्वम्॥ शुद्धाः। भवंतः। शुचयः। पावकाः॥ इह। इड
या। सधऽमादम्। मदंतः॥ ज्योक्। पश्येम। सूर्यम्। उत्ऽचरंतम्॥ ३॥ य
त्। ते। देवा। निःऽऋतिः। आऽबबंध। दाम। ग्रीवासु। अविऽमोक्यम्। य
त्॥ तत्। ते। वि। स्यामि। आयुषे। वर्चसे। बलाय। अदोमदम्। अन्नम्। अ
द्धि। प्रऽसूतः॥ यमः। अस्तु। ते। निःऽऋते। तिग्मऽतेजः॥ अयस्मयान्। वि
चृत। बंधऽपाशान्॥ यमः। मह्यम्। पुनः। इत्। त्वाम्। ददाति॥ तस्मै। यमाय।
नमः। अस्तु। मृत्यवे॥ ५॥ अयस्मये। द्रुऽपदे। बेधिषे। इह॥ अभिऽहि

तः। मृत्यु॰भिः। या। सहस्रम्॥ यमेन। त्वम्। पितृ॰भिः। सम्॰विदानः॥ उत्॰
तमम्। नाकम्। अधि। रोहय। इमम्॥ २॥ सम्॰सम्। इत्। युवसे। वृषन्॥
अग्ने। विश्वानि। अर्यः। आ॥ इडः। पदे। सम्। इध्यसे॥ सः। नः। वसूनि। आ।
भर॥ ४॥ ७॥ ३१॥ सम्। जानीध्वम्। सम्। पृच्यध्वम्॥ सम्। वः। मनांसि। जा
नताम्॥ देवाः। भागम्। यथा। पूर्वे॥ सम्॰जानानाः। उप॰आसते॥ १॥
समानः। मन्त्रः। सम्॰इतिः। समानी॥ समानम्। व्रतम्। सह। चित्तम्। ए १६०
षाम्॥ समानेन। वः। हविषा। जुहोमि॥ समानम्। चेतः। अभि॰सम्॰वि

१२९

शध्वम्॥ २॥ समानी। वः। आ॰कूतिः॥ समाना। हृदयानि। वः॥ समानम्।
अस्तु। वः। मनः॥ यथा। वः। सु॰सह। असति॥ ३॥ अव। मन्युः। अव। आ॰
यता॥ अव। बाहू इति। मनः॰युजा॥ परा॰शर। त्वम्। तेषाम्॥ पराञ्चम्।
शुष्मम्। अर्दय॥ अध। नः। रयिम्। आ। कृधि॥ १॥ निः॰हस्तेभ्यः। नैः॰हस्त
म्॥ यम्। देवाः। शरुम्। अस्यथ॥ वृश्चामि। शत्रूणाम्। बाहून्॥ अनेन।
हविषा। अहम्॥ २॥ इन्द्रः। चकार। प्रथमम्॥ नैः॰हस्तम्। असुरेभ्यः॥ ज
यन्तु। सत्वानः। मम॥ स्थिरेण। इन्द्रेण। मेदिना॥ ३॥ ७॥ ३२॥ निः॰हस्तः।

शत्रवः।
निः॰हस्ताः। स्थन। इंद्रः। वः। अद्य। पराशरीत्॥ ३॥ ३॥+

शत्रुः। अभि॰दासन्। अस्तु॥ ये। सेनाभिः। युधम्। आ॰यंति। अस्मान्॥
सम्। अर्पय। इंद्र। महता। वधेन। द्रातु। एषाम्। अघ॰हारः। वि॰विद्धः॥
१॥ आ॰तन्वानाः॥ आ॰यच्छंतः। अस्यंतः। ये। च। धावथ॥ निः॰हस्ताः।
संतु। शत्रवः। अंगा। एषाम्। म्लापयामसि॥ अथ। एषाम्। इंद्र। वेदां
सि॥ शत॰शः। वि। भजामहै॥ ३॥ परि। वर्त्मानि। सर्वतः॥ इंद्रः। पूषा। च।
सस्रतुः। मुह्यंतु। अद्य। अमूः। सेनाः॥ अमित्राणाम्। परः॰तराम्॥ ४ २५२
मूढाः। अमित्राः। चरत। अशीर्षाणः॰इव। अहयः॥ तेषाम्। वः। अग्नि॰
२३०

मूढानाम्॥ इंद्रः। हंतु। वरम्॰वरम्॥ २॥ आ। एषु। नह्य। वृष। अजिनं।
हरिणस्य। भियम्। कृधि॥ पराङ्। अमित्रः। एषतु॥ अर्वाची। गौः। उप।
एषतु॥ ३॥ ७॥ २३॥ आ। अयम्। अगन्। सविता। क्षुरेण। उष्णेन। वायो
इति। उदकेन। आ। इहि॥ आदित्याः। रुद्राः। वसवः। उंदंतु। सं॰चेतसः॥ सो
मस्य। राज्ञः। वपत। प्र॰चेतसः॥ १॥ अदितिः। श्मश्रु। वपतु। आपः। उंदंतु।
वर्चसा॥ चिकित्सतु। प्रजा॰पतिः॥ दीर्घायुत्वाय। चक्षसे॥ २॥ येन। अव
पत्। सविता। क्षुरेण। सोमस्य। राज्ञः। वरुणस्य। विद्वान्॥ तेन। ब्रह्माणः।

वपताम्। इदम्। अस्य। गो॰मान्॥ अश्व॰वान्। अयम्। अस्तु। प्रजा॰वान्॥
।३। गिरि। अरगराटेषु। हिरण्ये। गोषु। यत्। यशः। सुरायाम्। सिच्यमा
नायाम्॥ कीलाले। मधु। तत्। मयि॥ ४। अश्विना। सारघेण। मा। मधुना।
अङ्क्तम्। शुभः। पती इति। यथा। वर्चस्वतीम्। वाचम्। आ॰वदानि। जना
न्॥ ५। मयि। वर्चः। अथो इति। यशः। अथो इति। यज्ञस्य। यत्। पयः।
तत्। मयि। प्रजा॰पतिः। दिवि। द्याम्॰इव। दृंहतु॥ ६॥ ३॥ १॥ यथा। मांस १६६
म्। यथा। सुरा। यथा। अक्षाः। अधि॰देवने। यथा। पुंसः। वृषण्यतः॥

१३१

स्त्रियाम्। नि॰हन्यते। मनः। एव। ते। अघ्न्ये। मनः। अधि। वत्से। नि। हन्यता
म्॥ १॥ यथा। हस्ती। हस्तिन्याः। पदेन। पदम्। उत्॰युजे॥ २ यथा। प्र॰धिः।
यथा। उप॰धिः। यथा। नभ्यम्। प्र॰धौ। अधि। यथा। पुंसः। वृषण्यतः। स्त्रि
याम्। नि॰हन्यते। मनः। एव। ते। अघ्न्ये। मनः। अधि। वत्से। नि। हन्यताम्॥
।३। यत्। अन्तम्। अधि। बहु॰धा। वि॰रूपम्। हिरण्यम्। अश्वम्। उत। गाम्।
अजाम्। अविम्। यत्। एव। किम्। च। प्रति॰जग्रह। अहम्। अग्निः। तत्। हो
ता। सु॰हुतम्। कृणोतु॥ ४। यत्। मा। हुतम्। अहुतम्। आ॰जगाम। दत्तम्।

डाक्टर भाऊदाजी स्मारकम्
DR. BHAU DAJI MEMORIAL

पिन्वं॰ति॥ अन्नं॰मतम्। मनुष्ये॥ यस्मात्। मे। मनः। उत्॰इवराऽज्ञीति॥
अग्निः। ततः। होता। सुं॰कृतम्। लक्षणो॥ पायत। अन्नम्। अग्निः। अन्नतेन।
देवाः। दास्यन्। अदास्यन्। उत। सम्॰गृणामि॥ विश्वानरस्य। महतः। म
हिम्ना॥ शिवम्। मद्यम्। मधु॰मत्। अस्तु। अन्नम्॥ यथा। असितः। प्र
थयत। वशान्। अनु॥ वपूंषि। कृण्वन्। असुरस्य। मायया॥ एव। ते। शे
पः। सहसा। अयम्। अर्कः॥ अंगेन। अंगम्। सम्॰समकम्। लक्षणो॥ ७ २५९
यथा। पसः। तायादरम्॥ वातेन। स्थूलनम्। कृतम्॥ यावत्। परस्वतः।
१३२

पसः॥ तावत्। ते। वर्द्धताम्। पसः॥ ८। यावत्॰अंगीनम्। पारस्वतम्। हास्तिन
म्। गार्द्दभम्। च। यत्॥ यावत्। अश्वस्य। वाजिनः॥ तावत्। ते। वर्द्धताम्। पसः॥
९॥ ७॥ चतस्रो निरक्षिकस्कस सप्तमः स्यात्॥ सप्तमोऽनुवाकः॥ सं॰ २५॥ सू॰॥ ५।
१२५॥ ॥ आ। इह। यातु। वरुणः। सोमः। अग्निः॥ बृहस्पतिः। वसु॰भिः। आ। इ
ह। यातु॥ अस्य। श्रियम्। उप॰संयात। सर्वे। उग्रस्य। चेत्तुः। सम्॰मनसः।
सं॰ज्ञाताः॥ १। यः। वः। शुष्मः। हृदयेषु। अंतः॥ आ॰कूतिः। या। वः। मनसि।
प्र॰विष्टा॥ तान्। सीवयामि। हविषा। घृतेन॥ मयि। सं॰ज्ञाताः। रमतिः। वः।

अस्तु॥२॥इह।एव।स्त।मा।अप।यात।अधि।अस्मत्॥पूषा।परस्तात्।अ
पथम्।वः।कृणोतु॥वास्तोः।पतिः।अनु।वः।जोहवीतु॥मयि।सम्०जाताः।
रमतिः।वः।अस्तु॥३॥सम्।वः।पृच्यंतां।तन्वः॥सम्।मनांसि।सम्।ऊं इ
ति।व्रता॥सम्।वः।अयम्।ब्रह्मणः।पतिः।भगः।सम्।वः।अजीगमत्॥१॥
सम्०ज्ञपनम्।वः।मनसः॥अथो इति।सम्०ज्ञपनम्।हृदः॥अथो इति।
भगस्य।यत्।श्रांतम्॥तेन।सम्०ज्ञपयामि।वः॥२॥यथा।आदित्याः।वसु० २५८
भिः।सम्०बभूवुः॥मरुत्०भिः।उग्राः।अहृणीयमानाः॥एव।त्रि०नामन्।

१३३

अहृणीयमानः॥इमान्।जनान्।सम्०मनसः।कृधि।इह॥३॥६॥निः।
अमुम्।नुद।ओकसः॥सपत्नः।यः।पृतन्यति॥निः०बाध्येन।हविषा॥इं
द्रः।एनम्।परा।अशरीत्॥१॥परमाम्।तम्।परा०वतम्॥इंद्रः।नुदतु।वृत्र०
पुनः हा॥यतः।न।पुनः।आ०अयति॥शश्वतीभ्यः।समाभ्यः॥२॥एतु।तिस्रः।परा०व
तः॥एतु।पंच।जनान्।अति॥एतु।तिस्रः।अति।रोचना॥यतः।न।पुनः।आ०
अयति॥शश्वतीभ्यः।समाभ्यः॥यावत्।सूर्यः।असत्।दिवि॥३॥ये।एन
म्।परि०सीदंति॥सम्०आदधति।चक्षसे॥सम्०प्रइद्धः।अग्निः।जिह्वाभिः॥

उत् । एतु । हृदयात् । अधि ॥ १ ॥ अग्नेः । सांऽतपनस्य । अहम् ॥ आयुषे । पद
म् । आ । रभे ॥ अद्धातिः । यस्य । पश्यति ॥ धूमम् । उत्ऽयंतम् । आस्यतः ॥ २
यः । अस्य । सम्ऽइधम् । वेद । क्षत्रियेण । सम्ऽआहिताम् ॥ न । अभिऽह्वारे ।
पदम् ॥ नि । दधाति । सः । मृत्यवे ॥ ३ ॥ न । एनम् । घ्नंति । परिऽआयिनः ॥ न । स
न्नान् । अव । गच्छति ॥ अग्नेः । यः । क्षत्रियः । विद्वान् ॥ नाम । गृह्णाति । आयु
षे ॥ ४ ॥ ७ ॥ २१ ॥ अस्थात् । द्यौः । अस्थात् । पृथिवी ॥ अस्थात् । विश्वम् । इदम् । १४६
जगत् ॥ आऽस्थाने । पर्वताः । अस्थुः ॥ स्थाम्नि । अश्वान् । अतिस्थिपम् ॥ १ यः ।

१३४

उत्ऽआनट् । पराऽअयनम् ॥ यः । उत्ऽआनट् । निऽअयनं ॥ आऽवर्त
नं । निऽवर्तनं ॥ यः । गोपाः । अपि । तम् । हुवे ॥ २ ॥ जातऽवेदः । नि । वर्तय ॥ श
तम् ॥ ते । संतु । आऽवृतः ॥ सहस्रम् ॥ ते । उपऽआवृतः ॥ ताभिः । नः । पुनः ।
आ । कृधि ॥ ३ ॥ ८ ॥ तेन । भूतेन । हविषा ॥ अयम् । आ । प्यायताम् । पुनः ॥ जा
यां । याम् । अस्मै । आऽअवाक्षुः ॥ ताम् । रसेन । अभि । वर्द्धताम् ॥ १ अभि । व
र्द्धताम् । पयसा ॥ अभि । राष्ट्रेण । वर्द्धताम् ॥ रय्या । सहस्रऽवर्चसा ॥ इमौ । स्ता
म् । अनुपऽक्षितौ ॥ २ त्वष्टा । जायाम् । अजनयत् ॥ त्वष्टा । अस्यै । त्वाम् । पतिम् ॥

त्वष्टा। सहस्रम्। आयूंषि॥ दीर्घम्। आयुः। कृणोतु। वाम्॥ ३॥ ३१॥ ७८॥ अय
म्। नः। नभसः। पतिः। सम्ऽस्फानः। अभि। रक्षतु॥ असमातिम्। गृहे
षु। नः॥ १॥ त्वम्। नः। नभसः। पते। ऊर्जम्। गृहेषु। धारय॥ आ। पुष्टम्। ए
तु। आ। वसु॥ २॥ देव। सम्ऽस्फान। सहस्रऽपोषस्य। ईशिषे॥ तस्य। नः।
रास्व। तस्य। नः। धेहि॥ तस्य। ते। भक्तिऽवांसः। स्याम॥ अंतरिक्षेण। पतति॥
विश्वा। भूता। अवऽचाकशत्॥ शुनः। दिव्यस्य। यत्। महः। तेन। ते। हविषा। १७०
विधेम॥ १॥ ये। त्रयः। कालकाञ्जाः। दिवि। देवाःऽइव। श्रिताः॥ तान्। सर्वा

१३५

न्। अह्वे। ऊतये। अस्मै। अरिष्टऽतातये॥ २॥ अप्ऽसु। ते। जन्म। दिवि। ते।
सधऽस्थम्। समुद्रे। अन्तः। महिमा। ते। पृथिव्याम्॥ शुनः। दिव्यस्य। यत्। म
हः। तेन। ते। हविषा। विधेम॥ ३॥ ३३॥ ८०॥ यन्ता। असि। यच्छसे। हस्तौ। अप।
रक्षांसि। सेधसि॥ प्रऽजाम्। धनम्। च। गृह्णानः। परिऽहस्तः। अभूत्। अय
म्॥ १॥ परिऽहस्त। वि। धारय। योनिम्। गर्भाय। धातवे॥ मर्यादे। पुत्रम्।
आ। धेहि। तम्। त्वम्। आ। गमय। आऽगमे॥ २॥ यम्। परिऽहस्तम्। अबिभः।
अदितिः। पुत्रऽकाम्या॥ त्वष्टा। तम्। अस्यै। आ। बध्नात्। यथा। पुत्रम्। जनात्। इ

ति॥ इमा छ॥ आ॰गच्छतः। आ॰ मतस्य॥ नामा गृह्णामि। आ॰ यतः॥ इंद्रस्य।
वृत्र॰घ्नः। वन्वे॥ वासवस्य॥ शत॰क्रतोः॥ ५॥ येनास्त्रियाम्। सावित्रीम्॥ अ
ग्निना। उरुकृत्। पथा॥ तेन। मा। माम्। अब्रवीत्। तत्। मा। जायाम्। आ। वहतात्।
इति॥ पापः॥ तं। अंकुशः। वसु॰दानः॥ बृहस्पतेः। इंद्र। हिरण्ययः॥ तेन। ज
नि॰यते। जायाम्। मह्यम्। धेहि। शची॰पते॥ ६॥ ७॥ ५॥ अष्टमोऽनुवाकः॥ स्त्रः
पंक्तः। २१॥ ॥ ८॥ एक त्रिंशकमष्टमं वदंति॥ ॥ ॐ अप॰चितः। प्र। पतत। सु॰
पर्णः॥ वसतेः॰इव॥ सूर्यः। कृणोतु। भेषजम्॥ चंद्रमाः। वः। अप। उच्छतु॥ १॥ १३९

१३५

एनी॥ एका॥ श्येनी॥ एका॥ कृष्णा॥ एका। रोहिणी इति॥ द्वे इति॥ सर्वासाम्। अ
ग्रभम्। नाम॥ अवीर॰घ्नीः। अप। इतन॥ २॥ असूतिका। रामायणी॥ अप॰चि
त्। प्र। पतिष्यति॥ ग्लौः। इतः। प्र। पतिष्यति॥ सः। गुलुंतः। नशिष्यति॥ ३॥
वीहि। स्वाम्। आ॰हुतिम्। जुषाणः॥ मनसा। स्वाहा॥ मनसा। यत्। इदम्। जुहो
मि॥ यस्याः। ता। आ। सन्नि। वारे। जुहोमि॥ एषाम्। बद्धानाम्। अव॰सर्जनाय।
कम्॥ ४॥ त्वं मिः। इति। वा। अत्ति॰प्रमन्वा। जनाः। निः॰ऋतिः। इति। वा। अ
हम्। परि। वेद। सर्वतः॥ पत्नाता। हविष्मती॥ नवा॥ एषः। ता। ताभः। यः। अस्मा

MEMORIAL

मुंवा। इमान्। अस्मत्। एनसः। स्वाहा॥ ६॥ एवो इ नि मु ... १+

स्तु। अस्मत्। निःऽऋतेः। अनेहा। चम्॥ अयस्मयान्। वि। चृत। बंधऽपाशा
न्॥ यमः। मह्यम्। पुनः। इत्। त्वां। ददाति। तस्मै। यमाय। नमः। अस्तु। मृत्य
वे॥ ७॥ अयस्मय इत्येका॥ ७॥ छ॥ धरा॥ ॥ वरणः। वारयाते। अयम्। देवः।
वनस्पतिः॥ यक्ष्मः। यः। अस्मिन्। आऽविष्टः। तम्। ऊं इति। देवाः। अवीवरन्।
॥१॥ इंद्रस्य। वचसा। वयम्॥ मित्रस्य। वरुणस्य। च॥ देवानाम्। सर्वेषाम्।
वाचा॥ यक्ष्मम्। ते। वारयामहे॥ २॥ यथा। वृत्रः। इमाः। आपः। तस्तंभ। वि
श्वधा। यतीः॥ एव। ते। अग्निना। यक्ष्मम्॥ वैश्वानरेण। वारये॥ ३॥ वृषा। इं
व १ १३७ १७२

द्रस्य। वृषा। दिवः॥ वृषा। पृथिव्याः। अयम्॥ वृषा। विश्वस्य। भूतस्य। त्वम्। ए
कऽवृषः। भव॥ ४॥ सम्ऽउद्रः। ईशे। स्रवताम्॥ अग्निः। पृथिव्याः। वशी॥
चंद्रमाः। नक्षत्राणाम्। ईशे। त्वम्॥ ५॥ सम्ऽराट्। असि। असुराणाम्। क
कुत्। मनुष्याणाम्॥ देवानाम्। अर्धऽभाक्। असि। त्वम्। एकऽवृषः। भ
व॥ ६॥ छ॥ धरा॥ आ। त्वा। अहार्षम्। अंतः। अभूः॥ ध्रुवः। तिष्ठ। अविऽचाच
लत्॥ विशः। त्वा। सर्वाः। वांछंतु॥ मा। त्वत्। राष्ट्रम्। अधि। भ्रशत्॥ १॥ इह। ए
व। एधि। मा। अप। च्योष्ठाः। पर्वतःऽइव। अविऽचाचलत्॥ इंद्रऽइव। इह। ध्रुवः।

तिष्ठ । इह । राष्ट्रम् । ऊं इति । धारय ॥ २ ॥ इन्द्रः । एतम् । अदीधरत् ॥ ध्रुवम् । ध्रु-
वेण । हविषा ॥ तस्मै । सोमः । अधि । ब्रवत् ॥ अयम् । च । ब्रह्मणः । पतिः ॥ ३ ॥ ध्रु-
वा । द्यौः । ध्रुवा । पृथिवी ॥ ध्रुवम् । विश्वम् । इदम् । जगत् ॥ ध्रुवासः । पर्वताः ।
इमे ॥ ध्रुवः । राजा । विशाम् । अयम् ॥ ४ ॥ ध्रुवम् । ते । राजा । वरुणः ॥ ध्रुवम् ॥
देवः । बृहस्पतिः ॥ ध्रुवम् ॥ ते । इन्द्रः । च । अग्निः । च ॥ राष्ट्रम् । धारयताम् । ध्रु-
वम् ॥ ५ ॥ ध्रुवः । अच्युतः । प्र । मृणीहि । शत्रून् ॥ शत्रुऽयतः । अधरान् । पा- १९२
दयस्व ॥ सर्वाः । दिशः । सम्ऽमनसः । सध्रीचीः ॥ ध्रुवाय । ते । सम्ऽइतिः ।

१३८

कल्पयताम् । इह ॥ ६ ॥ ७ ॥ ४ ॥ इदम् । यत् । प्रेण्याः । शिरः ॥ दत्तम् । सोमेन । वृ-
ष्ण्यम् ॥ ततः । परि । प्रऽजातेन ॥ हार्दिम् । ते । शोचयामसि ॥ १ ॥ शोचयामसि ।
ते । हार्दिम् ॥ शोचयामसि । ते । मनः ॥ वातम् । धूमःऽइव । सध्र्यङ् ॥ माम् ।
एव । अनु । एतु । ते । मनः ॥ २ ॥ मह्यम् । त्वा ॥ मित्रावरुणौ ॥ मह्यम् । देवी । स-
रस्वती ॥ मह्यम् । त्वा । मध्यम् । भूम्याः ॥ उभौ । अन्तौ । सम् । अस्यताम् ॥ ३ ॥
याम् । ते । रुद्रः । इषुम् । आस्यत् ॥ अङ्गेभ्यः । हृदयाय । च ॥ इदम् । ताम् । अद्य ।
त्वत् । वयम् ॥ विषूचीम् । वि । वृहामसि ॥ ४ ॥ याः । ते । शतम् । धमनयः ॥ अं

गानि। अभ्रे अवि॰स्थिताः॥४। तासाम्। याता। सर्वासाम्। वयम्॥ निः। वि
षा। एषि। कृयामसि॥ पनमः। ता। रुद्र। आस्यात॥ नमः। प्रति॰हितायै। न
मः। वि॰सृज्यमानायै॥ नमः। नि॰पतितायै॥६। ७॥४॥ इमम्। यवम्।
अरिष्टा॰योगैः॥ षट्॰याग निः। अवर्तस्तु॥ तेन। तौ। तच्चौ। रपः॥ अपावी
नम्। अपाव्ययै॥१ न्यक्। वातः। वाति॥ न्यक्। तपति। सूर्यः॥ नीचीनम्। अ २३
घ्न्या। दुहे। न्यक्। भवतु। ते। रपः॥२। आपः। इत्। वा। ऊं इति। भेषजीः॥ आपः
अमीव॰चातनीः॥ आपः। विश्वस्य। भेषजीः॥ ताः। ते। कृण्वंतु। भेषजम्॥३।

वातरंहाः। भव। वाजिन्। युज्यमानः॥ इंद्रस्य। याहि। प्र॰सवे। मनः॰ज
वाः॥ युंजंतु। त्वा। मरुतः। विश्व॰वेदसः॥ आ। ते। त्वष्टा। पत्॰सु। जवम्। द
धातु॥ धाजवः। ते। अर्कन्। नि॰हितः। गुहा। यः॥ श्येने। वाते। उत। यः। अ
चरत्। परीत्तः॥ तेन। नः। त्वम्। वाजिन्। बल॰वान्। बलेन॥ आजिम्। जय। स
मने। पारयिष्णुः॥ पातम्। नः। ते। वाजिन्। तत्। धाम्। नयंती॥ वामम्। अस्म
भ्यम्। भवतु। शर्मी। उत्पम्॥ अक्रुतः। मइः। धरूणाम्या। देवः॥ दिवि॰इव।
ज्योतिः। स्वम्। आ। मिमीयात्॥६। ॥ घ्यधिका। वपचितः॥ ४पनवमो नुवाकः॥

स्त्क्तंप॰ऋ॰व॰२श॥ यमः। मृत्युः। अघ॰मारः। निः॰ऋथः। बभ्रुः। शर्वः। अस्ता।
नील॰शिखंडः। देव॰जनाः। सेनया। उत्॰तस्थि॰वांसः॥ ते। अस्माकम्।
परि। वृंजंतु। वीरान्॥१॥ मनसा। होमैः। हरसा। घृतेन। शर्वाय। अस्त्रे।
उत। राज्ञे। भवाय॥ नमस्येभ्यः। नमः। एभ्यः। कृण्मि॥ अन्यत्र। अस्मत्।
अघ॰विषाः। नयंतु॥२॥ त्रायध्वम्। नः। अघ॰विषाभ्यः। वधात्॥ विश्वे।
देवाः। मरुतः। विश्व॰वेदसः॥ अग्नीषोमौ। वरुणः। पूत॰दक्षाः॥ वा ७२
तापर्जन्ययोः। सुमतौ। स्याम॥३॥ सं। वः। मनांसि। इति द्वे॥ पा३तइत्या॰उते।

१४०

मा। द्यावापृथिवी इति॥ आ॰उता। देवी। सरस्वती॥ आ॰उतौ। मे। इंद्रः। च।
अग्निः। च। ऋध्यास्म। इदं। सरस्वति॥६॥ अश्वत्थो देवसदन इति द्वे॥८
गर्भः। असि। ओषधीनाम्। गर्भः। हिम॰वताम्। उत॥ गर्भः। विश्वस्य। भूत
स्य। इमम्। मा। अगदम्। कृधि॥ ऐ। याः। ओषधयः। सोम॰राज्ञीः॥ बह्वीः।
शत॰विचक्षणाः॥ बृहस्पति॰प्रसूताः॥ ताः। नः। मुंचंतु। अंहसः॥१०॥ मुं
चंतु। मा। शपथ्यात्॥ अथो इति। वरुण्यात्। उत॥ अथो इति। यमस्य। पड्वी
शात्॥ विश्वस्मात्। देव॰किल्बिषात्॥१॥ यत्। चक्षुषा। मनसा। यत्। वाचा।

वा॥उप॰आरिम।जाग्रतः।यत्।स्वपंतः॥सोमः।तानि।स्वधया।नः।पुनातु।
।३। ३॥ ९६॥ अभि॰भूः।यज्ञः।अभि॰भूः।अग्निः।अभि॰भूः।सोमः।अभि॰
भूः।इंद्रः॥अभि।अहम्।विश्वाः।पृतनाः।यथा।असानि॥एव।विधेम।अ
ग्नि॰होत्राः।इदम्।हविः॥१॥स्वधा।अस्तु।मित्रावरुणा।विपः॰चिता॥प्रजा॰
वत्।क्षत्रम्।मधुना।इह।पिन्वतम्॥बाधेथाम्।दूरम्।निः॰ऋतिम्।पराचैः॥
कृतम्।चित्।एनः।प्र।मुमुक्तम्।अस्मत्॥२॥इमम्।वीरम्।अनु।हर्षध्वम्। २६
उग्रम्।इंद्रम्।सखायः।अनु।सम्।रभध्वम्॥ग्राम॰जितम्।गो॰जितम्।

वज्र॰बाहुम्॥जयंतम्।अज्म।प्र॰मृणंतम्।ओजसा॥३॥इंद्रः।जयाति।न।
परा।जयाति॥अधि॰राजः।राजसु।राजयाति॥चर्कृत्यः।ईड्यः।वंद्यः।
च॥उप॰सद्यः।नमस्यः।भव।इह॥१॥त्वम्।इंद्र।अधि॰राजः।श्रवस्युः।त्वम्।
भूः।अभि॰भूतिः।जनानाम्॥त्वम्।दैवीः।विशः।इमाः।वि।राज॥आयु
ष्मत्।क्षत्रम्॥ते।अजरम्।ते।अस्तु॥२॥प्राच्याः।दिशः।त्वम्।इंद्र।असि।रा
२३ जा॥उत।उदीच्याः।दिशः।वृत्र॰हन्।शत्रु॰हः।असि॥यत्र।यंति।स्रोत्याः।त
त्।जितम्।ते॥दक्षिणतः।वृषभः।एषि।हव्यः॥३॥९८॥अभि।त्वा।इंद्र।व

MEMORIAL

समंतं। परिऽदृश्नः॥२॥ परिऽदृश्नः। इडस्य। बाहू इति॥ उलि ३

रिमतः॥ पुरा। चात्। अंहरणात्। कुवे। कयामि। उयम्। वेत्तास्म्॥ पुरु॰नामा
२४:१ नम्। एक॰जम्॥१॥ अघासेभ्यः। वधः॥ जिघांसम्। नः। उत्॰ईरता॥ इ
न्द्रस्य। तत्र। बाहू इति॥ समंतम्। त्रा। उः। त्रायताम्। नः॥ देव। सवितः। सो
म। राजन्॥ सु॰मनसम्। मा। कृणु। स्वस्तये॥२॥ देवाः। अदुः। सूर्यः।
अदात्॥ द्यौः। अदात्। पृथिवी। अदात्॥ तिस्रः। सरस्वतीः। अदुः॥ सं॰चि
त्ताः। विषु॰दूषणम्॥ धायत। वः। देवाः। उप॰जीकाः॥ आ॰असिंचन्॥ ११
धन्वनि। उदकम्॥ तेन। देव॰प्रसूत। तेन॥ इदम्। दूषयत। विषम्॥५॥

१४२

अस्तुराणाम्। दुहिता। असि॥ सा। देवानाम्। असि। स्वसा॥ दिवः। पृथि
व्याः। सम्॰भूताः॥ सा। चकर्थ। अरसम्। विषम्॥६॥ ७॥ आ। दूष॰प
स्व। घसो। हि॥ वर्द्धस्व। प्रथयस्व। वायथा॰अंगम्। वर्द्धताम्॥ शपः॥ ते
ना। याषितम्। इत्। जहि॥१॥ येन। तृशाम्। वाजयंति॥ येन। हिचंति। अ
उरम्॥ तेन। अस्य। ब्रह्मणः। पते॥ धनुः॰इव। आ। तानय। अपसः॥२॥ आ
हं। तनोमित्येका॥३॥ ७॥ यथा। अयम्। वाहः। अश्विना॥ सम्॰ऐति। सम्। चा
वर्त्तते॥ एव। माम्। अभि। ते। मनः॥ सम्॰एतु। सम्। चावर्त्तता॥४॥ आ। हम्।

रिवदामि।ति। मनः॥ राजऽअस्यः। हृष्यम्ऽइव॥ रक्षःऽभिन्नम्। यथा।
ष्टणंभ्र॥ मयि।इति। वेष्टताम्। मनः॥ पा। आऽचं। जनस्य। मधुकस्य। उ
ष्ठस्य। नलदस्य। वा॥ वत्रुरः। तगस्य। हस्ताभ्याम्॥ अनुऽरोधनम्। उ
त। तरा॥ द्वा॥ ७॥ दशम॥ दशमोऽनुवाकः॥ अनुवाके सावरः। ३०। स्व
। ध्रुवि॥ वत्र्व इशाम। अपाठकः॥ ॥ समूऽदानम्। वः। बृहस्पतिः। समऽ
दानम्। सविता। करत्॥ समऽदानम्। मित्रः। अर्यमा॥ समऽदानम्। २८
भगः। अश्विना॥ १॥ सम्। परमान्। सम्। अवमान्॥ अथो इति। सम्।

१४३

द्यामि। मध्यमान्॥ ॐआइंद्र। तान्। परि। अहाः। दाम्ना॥ तान्। अग्ने। सम्। द्या
वम्॥ अमी इति। ये। युधम्। आऽयंति। केतून्। कृत्वा। अनीकऽशः॥ इं
द्र। तान्। परि। अहाः। दाम्ना॥ तान्। अग्ने। सम्। द्या। त्वम्॥ २॥ ७॥ आऽदाने
न। समऽदानेन॥ अमित्रान्। आ। द्यामसि॥ अपानाः। ये। च। एषाम्। प्राणाः॥
असुना। असून्। सम्। अछिदन्॥ ध॥ इदं। आऽदानं। अकरं॥ तपसा। इन्द्रे
ण। सम्ऽशितम्॥ अमित्राः। ये। अत्र। नः। संति॥ तान्। अग्ने। आ। द्या। त्वम्॥
। पत्रा। एनान्। द्यताम्। इंद्राग्नी इति॥ सोमः। राजा। च। मेदिनौ॥ इंद्रः। मरु

त्वाद्र । आऽदानम् ॥ अमित्रेभ्यः । कृणोतु । नः ॥ द्वा ॥ ब ॥ प० ॥ यथा । मनः । म-
नःऽकेतैः ॥ परा । पतति । आशुऽमत् ॥ एव । त्वम् । कासे । प्र । पत ॥ मनसः ।
अनु । प्रऽवाय्यम् ॥ १ ॥ यथा । बाणः । सुऽसंशितः ॥ परा । पतति । आशुऽ-
मत् ॥ पत । पृथिव्याः । अनु । समऽवतम् ॥ २ ॥ यथा । सूर्यस्य । रश्मयः ।
परा । पतन्ति । आशुऽमत् ॥ एव । त्वम् । कासे । प्र । पत ॥ समुद्रस्य । अनु । वि-
क्षरम् ॥ ३ ॥ आऽअयने । ते । पराऽअयने । दूर्वा । रोहतु । पुष्पिणी ॥ उत्सः । १९८
वा । तत्र । जायताम् । ह्रदः । वा । पुण्डरीकऽवान् ॥ ४ ॥ अपाम् । इदम् । निऽअ-

५४

यनम् ॥ समुद्रस्य । निऽवेशनम् ॥ मध्ये । ह्रदस्य । नः । गृहाः ॥ पराचीना । मु-
खा । कृधि ॥ ५ ॥ हिमस्य । त्वा । जरायुणा ॥ शाले । परि । व्ययामसि ॥ शीतऽ-
ह्रदा । हि । नः । भुवः ॥ अग्निः । कृणोतु । भेषजम् ॥ द्वा ॥ ब ॥ प१ ॥ विश्वऽजित् ।
त्रायमाणायै । मा । परि । देहि ॥ त्रायमाणे । द्विऽपात् । च । सर्वम् । नः । रक्ष । च-
तुःऽपात् । यत् । च । नः । स्वम् ॥ १ ॥ त्रायमाणे । विश्वऽजिते । मा ॥ विश्वऽजित् ।
द्विऽपात् ॥ २ ॥ विश्वऽजित् । कल्याण्यै । मा ॥ कल्याणि । द्विऽपात् ॥ ३ ॥ कल्याणि ।
सर्वऽविदे । मा । परि । देहि ॥ सर्वऽवित् । द्विऽपात् । च । सर्वम् । नः । रक्ष । चतु०

पात्।यत्।च।नः।त्वम्॥प्र।च।मम्।नः।मेधे।प्रथमा॥गोभिः।अश्वेभिः।आ।
गहि॥त्वम्।सूर्यस्य।रश्मि॰भिः॥त्वम्।नः।असि।यज्ञिया॥मेधाम्।अ
हम्।प्रथमाम्॥ब्रह्मण्॰वतीम्।ब्रह्म॰जूताम्।ऋषि॰स्तुताम्॥प्र॰
पीताम्।ब्रह्मचारि॰भिः॥देवानाम्।अवसे।हुवे॥याम्।मेधाम्।ऋ
भवः।विदुः॥याम्।मेधाम्।असुराः।विदुः॥ऋषयः।भद्राम्।मेधाम्।याम्।
म्।विदुः॥ताम्।मयि।आ।वेशयामसि॥७॥याम्।ऋषयः।भूत॰कृतः॥ १८०
मेधाम्।मेधाविनः।विदुः॥तया।माम्।अद्य।मेधया॥अग्ने।मेधाविनम्।
१८५

कृणु॥८॥मेधाम्।सायम्।मेधाम्।प्रातः॥मेधाम्।मध्यंदिनं।परि॥मेधाम्।
सूर्यस्य।रश्मि॰भिः॥वचसा।आ।वेशयामहे॥९॥३॥प२।पिप्पली॥क्षि
प्त॰भेषजी॥उत।अतिविद्ध॰भेषजी॥ताम्।देवाः।सम्।अकल्पयन्॥इयम्।
जीवितवै।अलम्॥१॥पिप्पल्यः।सम्।अवदन्त।आ॰यतीः।जननात्।अ
धि॥यम्।जीवम्।अश्नवामहै॥न।सः।रिष्याति।पूरुषः॥२॥२।असुराः।
त्वा।नि।अखनन्॥देवाः।त्वा।उत्।अवपन्।पुनः॥वात॰कृतस्य।भेष
जीम्।अथो इति।क्षिप्तस्य।भेषजीम्॥३॥प्रत्नः।हि।कम्।इक्षुः।अध्वरेषु॥

श्री तं०शा५

सम्

सनात्।च।होता।नव्यः।च।सत्सि।स्वाम्।च।अग्ने।तन्वम्।पिप्रायस्व।अ
स्मभ्यम्।च।सौभगम्।आ।यजस्व॥१॥ज्येष्ठ॰घ्न्याम्।जातः।वि॰चृतोः।य
मस्य।मूल॰बर्हणात्।परि।पाहि।एनम्॥अति।एनम्।नेषत्।दुः॰इता
नि।विश्वा।दीर्घायु॰त्वाय।शत॰शारदाय॥२॥व्याघ्रे।अह्नि।अजनि
ष्ट।वीरः।नक्षत्र॰जाः।जायमानः।सु॰वीरः।सः।मा।वधीत्।पितरम्।वर्द्ध
मानः।मा।मातरम्।प्र।मिनीत्।जनित्रीम्॥३॥११०॥इमम्।मे।अग्ने। १८१
पुरुषम्।मुमुग्धि।अयम्।यः।बद्धः।सु॰यतः।लालपीति।अतः।अधि।

१२६

४०

त्ता।कृणवत्।भाग॰धेयम्।यदा।अनुत्॰मदितः।असति॥१॥अग्निः।ते।
नि।शमयतु।यदि।ते।मनः।उत्॰युतम्।कृणोमि।विद्वान्।भेषजम्।
यथा।अनुत्॰मदितः।असासि॥२॥देव॰एनसात्।उत्॰मदितम्।उत्॰
मत्तम्।रक्षसः।परि।कृणोमि।विद्वान्।भेषजम्।यदा।अनुत्॰मदि
तः।असति॥३॥पुनः।त्वा।दुः।अप्सरसः।पुनः।इन्द्रः।पुनः।भगः।पुनः।
त्वा।दुः।विश्वे।देवाः।यथा।अनुत्॰मदितः।असासि॥४॥मा।ज्येष्ठम्।व
धीत्।अयम्।अग्ने।एषाम्।मूल॰बर्हणात्।परि।पाहि।एनम्।सः।

MEMORIAL

स्वाहंः। पाशान्। विचृता। प्र॰ जानन्॥ उत्सम्। देवाः। अन्वजानंत्। विश्वे॥
।५। उते। मुंचामि। पाशान्। चम्॥ अग्ना। एषाम्॥ त्रयः। त्रि॰ त्रिः। उच्छिताः।
ये त्रिः। आसन्॥ सः। ग्राह्याः। पाशान्। विचृता। प्र॰ जानन्॥ पिता। पुत्रो।
मातरम्। मुंच। सर्वान्॥ ६। येत्रिः। पाशेभिः। परि॰ वित्ताः। वि॰ बद्धः॥ अंगे॰
अंगे। आर्पितः। उच्छितः। च॥ वि। ता। मुच्यंताम्। वि॰ मुचः। हि। संति। भ्रू १८२
ण॰ घ्नि। पूषन्। दुः॰ इतानि। मृक्ष्व॥ ७। ते। देवाः। अमृजत। एतत्। ए
नः॥ त्रितः। एनम्। मनुष्येषु। ममृजे॥ ततः। यदि। त्वा। ग्राहिः। आनशे॥

१४१

ताम्॥ ते। देवाः। ब्रह्मणा। नाशयंतु॥ ८। मरीचीः। धूमान्। प्र। विश। अनु
पाप्मन्॥ उत्॰ आरान्। गच्छ। उत। वा। नीहारान्॥ नदीनाम्। फेनान्। अ
नु। ताः। वि। नश्य॥ भ्रूण॰ घ्नि। पूषन्। दुः॰ इतानि। मृक्ष्व॥ ९। द्वादश॰
धा। नि॰ हितम्। त्रितस्य। अप॰ मृष्टम्। मनुष्य॰ एनसानि॥ ततः। यदि
त्वा। ग्राहिः। आनशे॥ ताम्॥ ते। देवाः। ब्रह्मणा। नाशयंतु॥ १०। ७॥ पञ्च प्रा
क् तस्मात् सप्तत्रिंशो॥ दशमोनुवाकः॥ स्याप ऋचा ३७॥ यत्। देवाः। देव॰
हेडनम्॥ देवासः। चकृम। वयम्॥ आदित्याः। तस्मात्। नः। यूयम्। ऋतस्य।

स्त तैनो मुंचत ॥ १ ॥ स्त तस्मात् । शतना । आदित्याः ॥ यजत्राः । मुंचत । इह । नः ॥
यज्ञम् । यत् । यज्ञ॰वाहसः ॥ शिदंतः । ना उप॰शि किम् ॥ २ ॥ मे इस्वता ।
यजमानाः । स्कृवा । आज्यानि । जुह्वतः ॥ अकामाः । विश्वेदेवाः । देवाः । दंतः ॥ शि ३
ना उपा । शि किमा ॥ ३ ॥ यत् । विद्वांसः । यत् । अविद्वांसः । एनांसि । चकृम । व
यम् ॥ यूयम् । नः । तस्मात् । मुंचत ॥ विश्वे । देवाः । सं॰जोषसः ॥ यदि । जा १८३
यत् । यदि । स्वपन् ॥ एनः । एनस्यः । अकरम् । भूतम् । मा । तस्मात् । तव्यम् ।
वा । द्रुपदात्॰इव । मुंचत । मा ॥ द्रुपदात्॰इव । मुमुचानः । स्विन्नः । स्ना

त्वा । मल॰आत्॰इव ॥ पूतम् । पवित्रेण॰इव । आज्यम् ॥ विश्वे । शुंभंतु । मा । एनसः ॥
इति ॥ ६ ॥ पप्रायत । यामम् । वक्रः । निःश्वनंतः । अश्वैः । काषीवणाः । अन्न॰वि
दन । विघया ॥ विवस्वति । राजनि । तत् । जुहोमि ॥ अथा । यज्ञियम् । मधु॰
मत् । अस्तु । नः । अन्नम् ॥ १ ॥ विवस्वतः । स्तेण वत् । नागं॰धेयम् । मधु॰भाग ।
मधुना । सम् । सृजाति ॥ मातुः । यत् । एनः । इषितम् । नः । आ॰अगन् ॥ यत् । वा ।
पिता । अप॰राद्धः । जिहीडे ॥ २ ॥ यदि । इदम् । मातुः । यदि । वा । पितुः । नः । प
रि॰भ्राता । पुत्रात् । चेतसः । एनः । आ । अगन् ॥ यावंतः । अस्मान् । पितरः । स

वांता।तेषाम्।सर्वेषाम्।शिवः।अस्तु।मन्युः॥३॥७॥अप॰मित्यम्।अप्र
तीत्तम्।यत्।अस्मि।यमस्य।येन।बलिना।चरामि॥इदम्।तत्।अग्ने।
अनृणः।भवामि॥चमन्।पाशान्।वि॰चृतम्।बद्ध।सर्वान्॥१॥इह।एव।
सन्तः।प्रति।दद्मः।एनत्।जीवाः।जीवेभ्यः।नि।हरामः।एनत्।अप॰मित्य
धान्यम्।यत्।जघस।अहम्॥इदम्।तत्।अग्ने।अनृणः।भवामि॥२॥अ १८४
नृणाः।अस्मिन्।अनृणाः।परस्मिन्॥तृतीये।लोके।अनृणाः।स्याम॥
ये।देव॰यानाः।पितृ॰यानाः।च।लोकाः॥सर्वान्।पथः।अनृणाः।आ।क्षि

१४८

येम॥३॥८॥यत्।हस्ताभ्याम्।चकृम।किल्बिषाणि॥अक्षाणाम्।ग
त्नुम्।उ~~स।अद्य॥अप्सरसौ।अनु।दत्ता~~प॰लिप्समानाः॥उग्रंपश्ये इत्यु
ग्रं॰पश्ये।उग्र॰जितौ।तत्।अद्य॥अप्सरसौ।अनु।दत्ताम्।ऋणम्।नः॥
१॥उग्रंपश्य इत्युग्रम्॰पश्य।राष्ट्र॰भृत्।किल्बिषाणि॥यत्।अक्ष॰
वृत्तम्।अनु।दत्तम्।नः।एतत्॥ऋणात्।नः।न।ऋणम्।एर्त्समानः॥य
मस्य।लोके।अधि॰रज्जुः।आ।अयत्॥२॥यस्मै।ऋणम्।यस्य।जायाम्।उ
प॰एमि।यम्।याचमानः।अभि॰एमि।देवाः॥ताः।वाचम्।वादिषुः।मा।उ

त॰ऋतम्। यत्॥ देवपत्नी इति देव॰पत्नी। अप्सरसौ। अधि। इतम्॥३॥ यत्।
अदीव्यन्। ऋणम्। अहम्। कृणोमि॥ अदास्यन्। अग्ने। उत। सम॰गृणा
मि॥ वैश्वानरः। प्रति। विध नः। अधि॰पाः। वसिष्ठः। उत्। इत्। नयाति।
सु॰कृतस्य। लोकम्॥ वैश्वानराय। प्रति। वेदयामि॥ यदि। ऋणम्। सम्॰
गरः। देवतासु॥ सः। एतान्। पाशान्। वि॰चृतम्। वेद। सर्वान्॥ अथ। पक्वे
न। सह। सम्। भवेम॥ वैश्वानरः। पविता। मा। पुनातु॥ यत्। सम्॰गरम्। १८२
अभि॰धावामि। आ॰शाम्॥ अनाजानन्। मनसा। याचमानः॥ यत्। तत्र।

१५०

एनः। अप। तत्। सुवामि॥३॥७॥ ५७ यत्। अन्तरिक्षम्। पृथिवीम्। उत। द्याम्॥
यत्। मातरम्। पितरम्। वा। जिहिंसिम॥ अयम्। तस्मात्। गार्ह॰पत्यः। नः।
अग्निः॥ उत्। इत्। नयाति। सु॰कृतस्य। लोकम्॥१॥ भूमिः। माता। अदितिः।
नः। जनित्रम्॥ भ्राता। अन्तरिक्षम्। अभि॰शस्त्याः। नः॥ द्यौः। नः। पिता। पित्र्या
त्। शम्। भवाति। जामिम्॥ ऋत्वा। मा। अव। पत्सि। लोकात्॥२॥ यत्र। सु॰
हार्दः। सु॰कृतः। मदन्ति॥ वि॰हाय। रोगम्। तन्वः। स्वायाः॥ अश्लोणाः। अङ्गैः।
अह्रुताः। स्वः॰गे॥ तत्र। पश्येम। पितरौ। च। पुत्रान्॥३॥ वि॰साना। पाशान्। वि।

यत् । त्वम् । मां । बध्यसे । यत् । वा । वा । ना । त्वयं । तस्मात् । गा । ई॰ ॥ ३ लि ३ +

वि । स्वः । अधि । अस्मत् ॥ या । उत । तमांसि । अधमानि । वारुणानि । ये ॥ दुः॰स्वप्न्यम् ।
दुः॰इतम् । निः । स्व । अस्मत् ॥ अथ । गच्छेम । सुकृतस्य । लोकम् ॥ धयत् । दा
रुणि । बध्यसे । यत् । वा । रज्जाम् ॥ पत्यः । नः । अग्निः ॥ उत । इत । नय । ति । सु॰
कृतस्य । लोकम् ॥ ५ ॥ उत् । अगाताम् । जगवती इति जग॰वती ॥ वि॰हृतौ ।
नामा । तारके इति ॥ प्र । इह । अमृतस्य । यच्छताम् ॥ प्र । एतु । बद्धक॰मोचनम् ॥ ६ ॥ वि ॥ १८६
जिहीष्व । लोकम् । कृणु ॥ बंधात् । मुंचासि । बद्धकम् ॥ योन्याः॰इव । प्र॰च्युतः ।
गर्भः ॥ पथः । सर्वान् । अनु । क्षिय ॥ ७ ॥ ७ ॥ पट । एतम् । नाग म । परि । ददामि । वि

द्वान् ॥ विश्व॰कर्मन् । प्रथम॰जाः । ऋतस्य ॥ अस्मा मे निः॰दत्तम् । जरसः । पर
स्तात् ॥ अछिन्नम् । तंतुम् । अनु । सम् । तरेम ॥ १ ॥ ततम् । तंतुम् । अनु । एके । त
रंति ॥ येषाम् । दत्तम् । पित्र्यम् । आ॰अयनेन ॥ अबंधु । एके । ददतः । प्र॰यच्छं
तः ॥ दातुम् । च । इत् । शिक्षान् । सः । स्वः । गः । एव ॥ २ ॥ अनु॰आरभेथाम् । अनु॰
संरभेथाम् ॥ एतम् । लोकम् । श्रत्॰दधानाः । सचंते ॥ यत् । वाम् । पक्वम् । परि॰
विष्टम् । अग्नौ । तस्य ॥ गुप्तये । दंपती इति दम्॰पती ॥ सम् । श्रयेथाम् ॥ ३ ॥ यज्ञ
म् । यंतम् । मनसा । बृहंतम् ॥ अनु॰आरोहामि । तपसा । स॰योनिः ॥ उप॰हूताः ।

MEMORIAL

अग्नेः। जरसः। पुरस्तात्॥ तृतीये। नाके। सधऽमादम्। मदेम॥ शुद्धाः। पू
ताः। योषितः। यज्ञियाः। इमाः॥ ब्रह्मणाम्। हस्तेषु। प्रऽपृथक्। सादयामि॥
यत्ऽकामः। इदम्। अभिऽसिंचामि। वः। अहम्॥ इंद्रः। मरुत्वान्। सः। दद
तु। तत्। मे॥ ४॥ एतम्। सधऽस्थाः। परि। वः। ददामि॥ यम्। शेवऽधिम्।
आऽवहात्। जातऽवेदाः॥ अनुऽआगंता। यजमानः। स्वस्ति॥ तम्। स्म। जानी
त। परमे। विऽओमन्॥ १॥ जानीत। स्म। एनम्। परमे। विऽओमन्॥ देवाः। सध- २८७
स्थाः। विद। लोकम्। अत्र॥ अनुऽआगंता। यजमानः। स्वस्ति॥ इष्टापूर्तम्।

स्म। कृणुत। आविः। अस्मै॥ ३ देवाः। पितरः। पितरः। देवाः॥ यः। अस्मि। सः।
अस्मि॥ ४ सः। पचामि। सः। ददामि॥ सः। यजे। सः। दत्तात्। मा। यूषम्॥ ४
नाके। राजन्। प्रति। तिष्ठ॥ तत्र। एतत्। प्रति। तिष्ठतु॥ विद्धि। पूर्तस्य। नः।
राजन्। सः। देव। सुऽमनाः। भव॥ ५॥ दिवः। नु। माम्। बृहतः। अंतरिक्षात्॥
अपाम्। स्तोकः। अभि। अपप्तत्। रसेन॥ सम्। इंद्रियेण। पयसा। अहम्।
अग्ने॥ छंदःऽभिः। यज्ञैः। सुऽकृताम्। कृतेन॥ १॥ यदि। वृक्षात्। अभि। अ
पप्तत्। फलम्। तत्॥ यदि। अंतरिक्षात्। सः। ऊं इति। वायुः। एव॥ यत्र। अस्पृ

दाता।तन्वम्।यत।वा।वाससः॥ आपः।नुदंत्र।निःऽऋतिम्।पराविः॥१२॥
अग्निऽअजनम्।सुरभिं।सा।सम्ऽऋद्धिः॥हिरण्यम्।वर्चः।तत।ऊंइति।
पूत्रिमम्।एव॥सर्वा।पवित्रा।विऽतता।अधि।अस्मत्॥तत।मा।तारी
त्।निःऽऋतिः।मा।इति।अरातिः॥१३॥७॥३॥अष्टत्रिंशो।वा।दशो।द्वादशो
नुवाकः॥॥स्था।पण॥॥वनस्पते।वीडुऽअंगः।हि।भूयाः।अस्मत्ऽसखा।
प्रऽतरणः।सुऽवीरः॥गोभिः।समऽनद्धः।असि।वीडयस्व॥आऽस्थाता।ते। १८८
जयतु।जेत्वानि॥१दिवः।पृथिव्याः।परि।ओजः।उत्ऽभृतम्॥वनस्पतिऽ

153

भ्यः।परि।आऽभृतम्।सहः॥अपाम्।ओज्मानम्।परि।गोभिः।आऽभृतम्॥इं
द्रस्य।वज्रम्।हविषा।रथम्।यज॥२इंद्रस्य।ओजः।मरुताम्।अनीकम्॥मि
त्रस्य।गर्भः।वरुणस्य।नाभिः॥सः।इमाम्।नः।हव्यऽदातिम्।जुषाणः॥देव
रथ।प्रति।हव्या।गृभाय॥३॥७॥उप।श्वासय।पृथिवीम्।उत।द्याम्॥पुरु
त्रा।ते।मनुताम्।विऽस्थितम्।जगत्॥सः।दुंदुभे।सऽजूः।इंद्रेण।देवैः॥
दूरात्।दवीयः।अप।सेध।शत्रून्॥४।आ।क्रंदय।बलम्।ओजः।नः।आ।धाः॥
अभि।स्तन।दुःऽइता।बाधमानः॥अप।सेध।दुंदुभे।दुच्छुनाम्।इतः।इंद्रस्य।

मुष्टिः॥ असि। वीडयस्व॥ प्र। अमूम्। जय। अन्ति। इमे। जयंतु। केतु॰मत्
दुंदुभिः॥ वावदीतु॥ सम्। अश्व॰पर्णाः। पतंतु। नः। नरः॥ अस्माकम्। इंद्र
रथिनः॥ जयंतु॥ द्या। छा। द्व। वि॰अध्वस्य। बलासस्य। यो जितस्य। वनस्पते॥
वि॰सल्पकस्य। ओषधे। मा॥ उत्। शिषः। पिशितम्। चन॥ १॥ यो। ते। बलास॥
तिष्ठतः॥ कक्षे। मुष्कौ। अप॰श्रितौ॥ वेद। अहम्। तस्य। भेषजम्। चीपु
द्रुः। अभि॰चक्षणम्॥ २॥ यः। अंग्यः। यः। कर्ण्यः। यः। अक्ष्योः। वि॰सल्पकः॥
वि। वृहामः॥ विसल्पकम्॥ वि॰अध्वम्। हृदय॰आमयम्॥ परा। तम्। १८८

१५४

अज्ञात॰नम्। यत्॰क्ष्मम्॥ अधरांचम्। अस्तु। वाम्। असि॥ ३॥ शक॰धूमम्। नक्षत्राणि॥
यत्। राजानम्। अकुर्वत॥ भद्र॰अहम्। अस्मै। प्र। अयच्छन्॥ इदम्। राष्ट्रम्।
असात्। इति॥ १॥ भद्र॰अहम्। नः। मध्यंदिने॥ भद्र॰अहम्। सायम्। अस्तु।
नः॥ भद्र॰अहम्। नः। अह्नाम्। प्रातः॥ रात्री। भद्र॰अहम्। अस्तु। नः॥ २॥ अ
होरात्राभ्याम्। नक्षत्रेभ्यः॥ सूर्याचंद्रमसाभ्याम्॥ भद्र॰अहम्। अस्मभ्यम्। राजन्॥ अष्ट। ३
शक॰धूम। त्वम्। कृधि॥ ३॥ यः। नः। भद्र॰अहम्। अकरः॥ सायम्। नक्तम्।
अथो इति। दिवा॥ तस्मै। ते। नक्षत्र॰राज॥ शक॰धूम। सदा। नमः॥ ४॥ अष्टौ॥

नगेन।मा।शोशापन।।साकम्।इद्रेण।मेदिना।।ल पो मि।नगिनम्।मा।।
अ पा द्रां ऊ।अ सतयः।।१ येन।हृद्दान्।अ त्ति॰अत्तवः।।नगेन।वर्चसा।
सह।।तेन।मा।नगिनम्।त्तणु।अप।।शयः।अंधः।यः।पुनः॰सरः।।न
गः।॰हृद्देष्ठु।आ॰हितः।।तेन।मा।नगिनम्।त्तणु।।अप द्रां ऊ।अ सतयः।।
३ रथ॰जिताम्।राथ॰जितेयीनाम्।।अप्सरसाम्।अयम्।स्मरः।।देवाः।।
प्र।हिणुत।स्मरम्।असौ।।माम्।अनु।शोचतु।।४ असौ।।मा।स्मरतात्।
इति।प्रियः।।मा।स्मरतात्।इति।।५।यथा।मम।स्मरत्।असौ।न।अमुष्य। १८०

अहम्।कदा।चन।।देवाः।प्र।हिणुत।स्मरम्।असौ।।६।उत्।मादयत।मरुतः।।
उत्।अंतरिक्ष।मादय।।अग्ने।उत्।मादय।त्वम्।असौ।७।८।।इदं।।नि।शी
र्षतः।नि।पत्ततः।।आध्यः।नि।तिरामि।ते।।देवाः।प्र।हिणुत।स्मरम्।असौ।।
१ अनु॰मते।अनु।इदम्।मन्यस्व।।आ॰कूते।सम्।इदम्।नमः।।देवाः।
प्र।हिणुत।स्मरम्।असौ।।माम्।अनु।शोचतु।।२ यत्।धावसि।त्रि॰योज
नम्।आ।श्विनम्।।ततः।त्वम्।पुनः।आ।अयसि।।पुत्राणां।नः।असः।पिता।।३
यं।।देवाः।स्मरं।असिंचन्।अप्॰सु।अंतः।शोशुचानं।सह।आध्या।।तं।

ता।नयामि।वरुणस्य।धर्मणा॥४॥यम्।विश्वे।देवाः।स्मरम्।असिंचन्।अप्०
सु॥५॥यम्।इंद्राणी।स्मरम्।असिंचत्।अप्०सु॥६॥यम्।इंद्राग्नी।इति।
स्मरम्।असिंचताम्।अप्०सु॥७॥यम्।मित्रावरुणौ।स्मरम्।असिंच
ताम्।अप्०सु।अंतः॥शोशुचानम्।सह।आध्या॥तम्।ता।तपामि।वरु
णस्य।धर्मणा॥८॥८॥यः।इमाम्।देवः।मेखलाम्।आ०बबंध॥यः
सम्०ननाह।यः।ऊं इति।नः।युयोज॥यस्य।देवस्य।प्र०शिषा।चरामः॥
सः।पारम्।इच्छात्।सः।ऊं इति।नः।विम्०चात्॥१॥आ०हुता।असि।अभि० १०९

हुता॥ऋषीणाम्।असि।आयुधम्॥पूर्वा।व्रतस्य।प्र०अश्नती॥वीर०घ्नी
भव।मेखले॥२॥मृत्योः।अहम्।ब्रह्म०चारी।यत्।अस्मि॥निः०याच
न्।भूतात्।पुरुषम्।यमाय॥तम्।अहम्।ब्रह्मणा।तपसा।श्रमेण॥
अनया।एनम्।मेखलया।सिनामि॥३॥श्रद्धायाः।दुहिता।तपसः।अधि॥
जाता॥स्वसा।ऋषीणाम्।भूत०कृताम्।बभूव॥सा।नः।मेखले।मतिम्॥
आ।धेहि।मेधाम्॥अथो इति।नः।धेहि।तपः।इंद्रियम्।च॥४॥याम्।त्वा।पूर्
वे।भूत०कृतः॥ऋषयः।परि०बधिरे॥सा।त्वम्।परि।स्वजस्व।माम्॥

MEMORIAL

दीर्घायुःऽत्वाय। मेखले॥५॥ अयम्। वज्रः। तर्पयताम्। ऋतस्य। अवा। अस्य।
राष्ट्रम्। अप। हन्तु। जीवितम्। शृणातु। ग्रीवाः। प्र। शृणातु। उष्णिहः। वृ-
त्रस्यऽइव। शचीऽपतिः॥१॥ अधरःऽअधरः। उत्तरेभ्यः। गूढः। पृथिव्याः।
मा। उत्। सृपत्। वज्रेण। अवऽहतः। शयाम्॥२॥ यः। जिनाति। तम्। अनु।
इच्छ॥ यः। जिनाति। तम्। इत्। जहि॥ जिनतः। वज्र। त्वम्। सीमन्तम्। अन्व-
ञ्चम्। अनु। पातय॥३॥७॥ यत्। अश्नामि। बलम्। कुर्वे॥ इत्थम्। वज्रम्।
आ। ददे॥ स्कन्धान्। अमुष्य। शातयन्॥ वृत्रस्यऽइव। शचीऽपतिः॥१॥ यत्।

पिबामि। सम्। पिबामि॥ समुद्रःऽइव। सम्ऽपिबः॥ प्राणान्। अमुष्य। सम्ऽ-
पाय। सम्। पिबामः। अमुम्। वयम्॥२॥ यत्। गिरामि। सम्। गिरामि॥ स-
मुद्रःऽइव। सम्ऽगिरः॥ प्राणान्। अमुष्य। सम्ऽगीर्य। सम्। गिरामः। अमुम्। व-
यम्॥३॥७॥ देवी। देव्याम्। अधि। जाता। पृथिव्याम्। असि। ओषधे॥ ताम्। त्वा।
निऽतत्नि। केशेभ्यः॥ दृंहणाय। खनामसि॥१॥ दृंह। प्रत्नान्। जनय। अजाता-
न्॥ जातान्। ऊं इति। वर्षीयसः। कृधि॥२॥ यः। ते। केशः। अवऽपद्यते। सऽमू-
लः। यः। च। वृश्चते॥ इदम्। तम्। विश्वऽभेषज्या॥ अभि। सिंचामि। वीरुधा॥३॥७॥

४

।द्रपायाम्।जमत॰अग्निः।अरवनत्।।दुहित्रोकेश॰वर्द्धनी।ताम्।वीत॰
हव्यः।आ।अनरत्।।असितस्य।गृहे।त्पः।।१।अती।भुना।मयाः।आ।सु।
वि॰आमेन।अनु॰मयाः।।कयाः।नडः॰इव।वर्द्धताम्।शीर्ष्णः।ते।असि
ताः।परि।।२ हंडाम्।लो।आ।अयां।यछ।।वि।मध्यम्।यमय।४ उष।धो।।केशाः।
नडः॰इव।वर्द्धताम्।।शीर्ष्णः।ते।असिताः।परि।।वम्।।वा।क्षम्।अ।छ॰
तम।।।अत्ति॰सुता।असि।उपभे।।इमम्।म।अघा।पुरुषम्।।क्लीबम्।
उपशिनम्।ऌषि।।य।क्लीबम्।ऌषि।उ॰पशिनम्।।आया।इति।करी। १८३

४५

रिणम्।ऌषि।।अथ।य।अस्य।इंद्रः।ग्रावं॰त्सम्।।उत्तेइति।नि।नतु।अं॥
।प।क्लीबक्लीबम्।वा।अकरम्।।व॰ध्रिम्।वा।अकरम्।।अरसा।अ
रसम्।वा।अकरम्।।कुरीरम्।अस्य।शीर्षाणि।।कुंबम्।वा।अधि॰निदधा
सि।।द्वे।इति।ते।नाड्यौ।देवकृते इति।देव॰कृते।।ययोः।तिष्ठति।वृ
ष्ण्यम्।।तेइति।ते।भिनद्मि।शम्यया।।अमुष्याः।अधि।मुष्कयोः।।१।यथा।
नडम्।कशिपुने।।स्त्रियः।भिंदंति।अश्मना।।एव।भिनद्मि।ते।शेपः।।अ
मुष्याः।अधि।मुष्कयोः।।४।।२।द्वा।नि॰अस्तिका।रूरोहिथ।।सुभगं॰कर॰

कस्णी। मम। शतम्। तव। प्र॰तानाः॥ त्रयः॰त्रिंशत्। नि॰तानाः। तया।
सहस्र॰पर्ण्या॥ हृदयम्। शोषयामि। ते॥१॥ शुष्यतु। मयि। ते। हृदयम्। अ
थो इति। शुष्यतु। आस्यम्॥ अथो इति। नि। शुष्य। माम्। कामेन॥ अथो इति।
शुष्क॰आस्या। चर॥२॥ सम्॰वननी। सम्॰उष्पला। बभ्रु। कल्याणि। सम्।
नुद॥ अमूम्। च। माम्। च। सम्। नुद। समानम्। हृदयम्। कृधि॥३॥ यथा। उदक
म्। अपपुषः। अप॰शुष्यति। आस्यम्॥ एव। नि। शुष्य। माम्। कामेन॥ अ
थो इति। शुष्क॰आस्या। चर॥४॥ यथा। नकुलः। वि॰छिद्य। सम्॰दधाति।

अहिम्। पुनः॥ एव। कामस्य। वि॰छिन्नम्। सम्। धेहि। वीर्य॰वति॥५॥५॥ यौ।
व्याघ्रौ। अव॰रूढौ॥ जिघत्सतः। पितरम्। मातरम्। च॥ तौ। दन्तौ। ब्रह्मणः॰
पते॥ शिवौ। कृणु। जातवेदः॥१॥ व्रीहिम्। अत्तम्। यवम्। अत्तम्॥ अ
थो इति। माषम्। अथो इति। तिलम्॥ एषः। वाम्। भागः। नि॰हितः। रत्न॰धे
याय। दन्तौ॥ मा। हिंसिष्टम्। पितरम्। मातरम्। च॥२॥ उप॰हूतौ॥ स॰युजौ॥
स्योनौ। दन्तौ। सु॰मंगलौ॥ अन्यत्र। वाम्॥ घोरम्। तन्वः। परा। एतु। दन्
तौ। मा। हिंसिष्टम्। पितरम्। मातरम्। च॥३॥ ६॥ दश॥ वाकुः॥ एनाः। सम्॰अ

कारत्॥ चष्टा। पोषाय। ध्रियताम्॥ इंद्रः। आ। स्थः। अधि। अब्रवत्॥ रुद्रः। नमे।
विकि। सच्च॥ १ नौ। हितेन। स्व०धितिना॥ मिश्रु। नम्। कर्णयोः। रुधि॥ अक
र्ता। मा। अश्विना। नदम॥ ततः। अस्तु। प्र०जया। बहु॥ २॥ यथा। चक्रुः। देव०
असुराः॥ यथा। मनुष्याः॥ उत। एव। सहस्र०पोषाय। कृणुतम्। नदम।
अश्विना॥ ३॥ उत। अयस्य। बहु। नवा। स्वेन। मन्सा। यव॥ मृणीहि। विश्वा।
पात्राणि॥ मा। चा। दिव्या। अशनिः। वधीत्॥ ४॥ आ०श्य। एव। तम्। आय। वम्।
देवमाय। त्राचा। अब०आवद्मसि॥ ततः। उत। अयस्य। घो०ः इवाम। सुद्रं० १८९

१९०

सः। अनुवत्। ६॥

इवा। एधि। अदितिः। प। अदिताः। ता। उप०सद्य। अदिताः। संतु॥ ५॥ यः। एत
तः। अदिताः। संतु॥ अत्ताः। संगा। अदिताः॥ ६॥ ७॥ यः। परः। सवत्तुः। पष्टिः॥ घृ
पंचदशः। प्रपाठकः॥ त्रयोदशमोऽनुवाकः॥ समाप्तः॥ ६॥ इति षष्ठं कांडं स
माप्तं॥ उं धीती। वा। ये। अनयन्। वाचः। अग्रम्॥ मनसा। वा। ये। अवदन्। ऋ
तानि॥ तृतीयेन। ब्रह्मणा। वावृधानाः॥ तुरीयेण। अमन्वत। नाम। धेनोः॥
१॥ सः। वेद। पुत्रः। पितरम्। सः। मातरम्॥ सः। सूनुः। भुवत्। भुवत्०मघः॥
सः। धाम्। अप्रेणाति। अन्तरिक्षम्। स्वः। सः॥ इदम्। विश्वम्। अभवत्। सः। आ॥

अन्नवत्॥ २॥ अध्वर्याणाम्। पितरम्। दिवं॰ बंधुम्॥ मातुः। गर्तम्। पितुः। अ
सुम्। युवानम्॥ यः। इमम्। यज्ञम्। मनसा॥ चिकेत॥ प्र। नः। वोचः। तम्।
इह। इह। ब्रवः॥ ३॥ अया। वि॰स्था। जनयन्। कर्वराणि॥ सः। हि। घृणिः।
उरुः। वरस्याय। गातुः॥ सः। प्रति॰उदेत्। धरुणम्। मध्वः। अग्रम्॥ स्वया। तन्वा।
तन्वा। तत्। ऋभ्वम्। ऐरयत्॥ ४॥ एकया। च। दश॰तिः। च। स्वभूते॥ द्वाभ्याम्। इ
ष्टये। विंशत्या। च॥ तिसृभिः। च। वहसे। त्रिंशता। च॥ वियुग्भिः। वा १८६
यो इति। इह। ताः। वि। मुंच॥ ५॥ यज्ञेन। यज्ञम्। अयजंत। देवाः॥ तानि। धर्माणि॥

१८७

श्रा॥ बभ्रुवासः॥ २+

प्रथमानि। आसन्॥ ते। ह। नाकम्। महिमानः। सचंत॥ यत्र। पूर्वे। साध्याः।
संति। देवाः॥ ६॥ यज्ञः। बभ्रुवासः। प्र। जज्ञे। सः। कं। इति। वहद्धेनुनः। स
देवानाम्। अधि॰पतिः। बभूव॥ सः। प्र। जज्ञे। सः। कं इति। वद्धेनुना॥
ऋषीणाम्। आहुतम्॥ ७॥ यत्। देवाः। देवान्। हविषा। अयजंत। अम
र्त्यान्। मनसा। अमर्त्येन॥ मदेम। तत्र। परमे। विऽओमन्॥ पश्येम। तत्। उ
त्॰इतौ। सूर्यस्य॥ ८॥ यत्। पुरुषेण। हविषा॥ यज्ञम्। देवाः। अतन्वत॥
अस्ति। नु। तस्मात्। ओजीयः। यत्। विहव्येन। ईजिरे॥ ९॥ मुग्धाः। देवाः।

उत। अन्ना। अयजंत। उत। गोः। अंगैः। पुरु॰भा। अयजंत। यः। इमम्। यु
ज्ञम्। मनसा। चिकेत। प्र। नः। वोचः। तम्। इह। इह। ब्रवः॥१०॥८॥१॥ अ
दितिः। द्यौः। अदितिः। अंतरिक्षम्। अदितिः। माता। सः। पिता। सः। पुत्रः॥
विश्वे। देवाः। अदितिः। पंच। जनाः। अदितिः। जातम्। अदितिः। जनित्वम्।
॥१॥ महीम्। ऊं इति। सु। मातरम्। सु॰व्रतानाम्। ऋतस्य। पत्नीम्। अव १६७
से। हुवामहे। तुवि॰क्षत्राम्। अजरंतीम्। उरूचीम्। सु॰शर्माणम्।
अदितिम्। सु॰प्रनीतिम्॥२॥ सु॰त्रामाणम्। पृथिवीम्। द्याम्। अनेहसम्॥
१६२

सु॰शर्माणम्। अदितिम्। सु॰प्रनीतिम्॥४॥ दैवीम्। नावम्। सु॰अरित्राम्।
अनागसः। अस्रवंतीम्। आ। रुहेम। स्वस्तये॥३॥ वाजस्य। नु। प्र॰सवे। मा
तरम्। महीम्। अदितिम्। नाम। वचसा। करामहे। यस्याः। उप॰स्थे। उरु।
अंतरिक्षम्॥ सा। नः। शर्म। त्रि॰वरूथम्। नि। यछतु॥४॥ दितेः। पुत्राणा
म्। अदितिः। अकारिषम्॥ अव। देवानाम्। बृहताम्। अनर्मणाम्॥ तेषाम्
हि। धाम। गभि॰सक्। समुद्रियम्॥ न। एनान्। नमसा। परः। अस्ति। कः। चन॥
॥५॥ तन्न। ता। अक्षि। त्रियश। प्रा। इह॥ बृहस्पतिः। पुरः॰एता। ते। अस्तु॥ अथ। इमा।

अस्याः। वृसात्। आ। पृथिव्याः॥ उस्रे इति। आरे॰शत्रुम्। कृणुहि। सर्व॰वीर
म्॥ द्या। प्र॰पथे। पथाम्। अजनिष्ट। पूषा॥ प्र॰पथे। दिवः। प्र॰पथे। पृथि
व्याः॥ उभे इति। अभि। प्रियतमे इति प्रिय॰तमे। सधस्थे इति सध॰स्थे॥
आ। च। परा। च। चरति। प्र॰जानन्॥१॥ पूषा। इमाः। आशाः। अनु। वेद। सर
वाः॥ सः। अस्मान्। अभय॰तमेन। नेषत्। स्वस्ति॰दाः। आघृणिः। सर्व॰
वीरः॥ अप्र॰युच्छन्। पुरः। एतु। प्र॰जानन्॥२॥ पूषन्। तव। व्रते। वय १५८
म्। न। रिष्येम। कदा। चन॥ स्तोतारः। ते। इह। स्मसि॥३॥ परि। पूषा। उ

१६३

सम्॰इतिः। वा। अश्वतां॥ प्रजा। प्रस्तेः। दुहितसौ। संविदाने इति॥७ लि२
रस्तात्॥ हस्तम्। दधातु। दक्षिणम्॥ पुनः। नः। नष्टम्। आ। अजतु॥ सम्।
नष्टेन। गमेमहि॥१०॥ छा॥ यः। ते। स्तनः। शशयुः। यः। मयः॰भूः॥ यः।
सुम्न॰युः। सु॰हवः। यः। सु॰दत्रः॥ येन। विश्वा। पुष्यसि। वार्याणि॥ सरस्व
ति। तम्। इह। धातवे। कः॥१॥ यः। ते। पृथुः। स्तनयित्नुः। यः। ऋष्वः। दैवः।
केतुः॥ विश्वम्। आ॰भूषति। इदम्॥ मा। नः। वधीः। विद्युता। देव। सस्यम्॥
मा। उत। वधीः। रश्मि॰भिः। सूर्यस्य॥२॥ सत्। ना। वा। मां। सम्॰विदाने॥ ये
नाः। सम्॰गच्छै। उपामाः। सः। शिक्षात्। चारु। वदामि। पितरः। सम्॰गतेषु॥३॥

नि

विद्म। ते। सभे। नाम॥ नरिष्टा। नाम। वै। असि॥ ये। ते। के। च। सभऽसदः। ते।
मे। सन्तु। सऽवाचसः॥४॥ एषाम्। अहम्। सम्ऽआसीनानाम्। वर्चः। विऽज्ञान
म्। आ। ददे॥ अस्याः। सर्वस्याः। सम्ऽसदः। माम्। इन्द्र। भगिनम्। कृणु॥५॥
मता। वः। मनः। पराऽगतम्॥ यत्। बद्धम्। इह। वा। इह। वा॥ तत्। वः। आ। वर्तया
मसि॥ मयि। वः। रमतात्। मताम्। मनः॥६॥ यथा। सूर्यः। नक्षत्राणाम्॥ उत्ऽ १८८
यन्। तेजांसि। आऽददे॥ एव। स्त्रीणाम्। च। पुंसाम्। च॥ द्विषताम्। वर्चः।
आ। ददे॥१॥ यावन्तः। मा। सम्ऽपत्नानाम्। आऽयन्तम्। प्रतिऽपश्यथ॥ उत्ऽ

१९४

यन्। सूर्यःऽइव। सुप्तानाम्॥ द्विषताम्। वर्चः। आ। ददे॥२॥८॥ प्रथमोऽनुवाकः॥
स्त्रा॥३॥ ऋचा॥२८॥ प्रथमत्रयोदशास्तकौ॥ अष्टावधो॥८॥ अभि। त्यम्। देवम्।
सवितारम्॥ ओण्योः। कविऽक्रतुम्॥ अर्चामि। सत्यऽसवम्। रत्नऽधाम्॥
अभि। प्रियम्। मतिम्॥१॥ ऊर्ध्वा। यस्य। अमतिः। भाः। अदिद्युतत्। सवीम
नि॥ हिरण्यऽपाणिः। अमिमीत। सुऽक्रतुः। कृपात्। स्वः॥२॥ सावीः। हि। देव।
प्रथमाय। पित्रे॥ वर्ष्माणम्। अस्मै। वरिमाणम्। अस्मै॥ अस्मै। अथ। अस्म
भ्यम्। सवितः। वार्याणि॥ दिवःऽदिवः। आ। सुव। भूरि। पश्वः॥३॥ दमूनाः। दे

वः। सविता। वरेण्यः॥ दधत्। रत्नम्। दक्षम्॥ पितृऽभ्यः। आयूंषि। पिबात्।
सोमम्। ममदत्। एनम्। इष्टे॥ परिऽज्मा। चित्। क्रमते। अस्य। धर्मणि।
धाताम्। सवितुः। सत्यऽसवाम्। सुऽचित्राम्॥ आ। अहम्। वृणे। सुऽमति
म्। विश्वऽवाराम्॥ याम्। अस्य। कण्वः। अदुहत्। प्रऽपीनाम्॥ सहस्र
धाराम्। महिषः। भगाय॥ ५॥ बृहस्पते। सवितः। वर्धय। एनम्। ज्योतय।
एनम्। महते। सौभगाय॥ सम्ऽशितम्। चित्। सम्ऽतरम्। सम्। शिशा २००
धि॥ विश्वे। एनम्। अनु। मदन्तु। देवाः॥ ६॥ धाता। दधातु। नः। रयिम्॥ ईशा

१८५

नः। जगतः। पतिः॥ सः। नः। पूर्णेन। यच्छतु॥ ७॥ धाता। दधातु। दाशुषे॥ प्राची
म्। जीवातुम्। अक्षिताम्॥ वयम्। देवस्य। धीमहि॥ सुऽमतिम्। विश्वऽ
राधसः॥ ८॥ धाता। विश्वा। वार्या। दधातु॥ प्रजाऽकामाय। दाशुषे। दुरोणे॥
तस्मै। देवाः। अमृतम्। सम्। व्ययन्तु॥ विश्वे। देवाः। अदितिः। सऽजोषाः॥ ९॥ धाता।
रातिः। सविता। इदम्। जुषन्ताम्॥ प्रजाऽपतिः। निधिऽपतिः। नः। अग्निः॥ त्वष्टा। वि
ष्णुः। प्रऽजया। सम्ऽरराणः॥ यजमानाय। द्रविणम्। दधातु॥ १०॥ ३॥ २॥
प्र। नभस्व। पृथिवि॥ भिन्धि। इदम्। दिव्यम्। नभः॥ उद्नः। दिव्यस्य। नः। धातः॥

ईशानः।विश्वस्य।दृतिम्॥४॥न।घ।त्वम्।ततापन।हिमः।जघान॥प्रानभ
ताम्।पृथिवी।जीरऽदानुः॥आपः।चित्।अस्मै।घृतम्।इत्।क्षरन्ति॥य
त्र।सोमः।सदम्।इत्।तत्र।भद्रम्॥५॥प्रजाऽपतिः।जनयति।प्रऽजाः।इ
माः॥धाता।दधातु।सुऽमनस्यमानः॥संऽजानानाः।संऽमनसः।
सऽयोनयः॥मयि।पुष्टम्।पुष्टऽपतिः।दधातु॥१॥अनु।अद्य।नः।अनुऽ
मतिः॥यज्ञम्।देवेषु।मन्यताम्॥अग्निः।च।हव्यऽवाहनः॥भवताम्।दा २०१
शुषे।मम॥१॥अनु।इत्।अनुऽमते।त्वम्।मंससे।शम्।च।नः।कृधि।जु
१९९

षस्व।हव्यम्।आऽहुतम्॥प्रऽजाम्।देवि।ररास्व।नः॥२॥अनु।मन्यता
म्।अनुऽमन्यमानः॥प्रजाऽवन्तम्।रयिम्।अक्षीयमाणम्॥तस्य।
वयम्।हेडसि।मा।अपि।भूम॥सुऽमृडीके।अस्य।सुऽमतौ।स्याम॥
३॥यत्।ते।नाम।सुऽहवम्।सुऽप्रनीते॥अनुऽमते।अनुऽमतम्।सु
दानु॥तेन।नः।यज्ञम्।पिपृहि।विश्वऽवारे॥रयिम्।नः।धेहि।सुऽभगे।
सुऽवीरम्॥४॥आ।इमम्।यज्ञम्।अनुऽमतिः।जगाम॥सुऽक्षेत्रतायै।सु
वीरतायै।सुऽजातम्॥भद्रा।हि।अस्याः।प्रऽमतिः।बभूव॥सा।इमम्।

MEMORIAL

यज्ञम्।अवत्रा।देव॰गोपा॥५॥अनु॰मतिः।सर्वम्।इदम्।बभूव।यत्।ति
ष्ठति।चरति।यत्।ऊं इति।च।विश्वम्।एजति॥तस्याः।ते।देवि।सु॰मतौ।
स्याम॥अनु॰मते।अनु।हि।मंससे।नः॥६॥सम्॰एत।विश्वे।वचसा।
पतिम्।दिवः॥एकः।वि॰भूः।अतिथिः।जनानाम्॥सः।पूर्व्यः।नूतनम्।
आ॰विवासत्।तम्।वर्त्तनिः।अनु।वावृते।एकम्।इत्।पुरु॥१०॥अयम्।
सहस्रम्।आ।नः।दृशे।कवीनाम्।मतिः।ज्योतिः।वि॰धर्मणि॥११॥ब्र 202
ध्नः।समीचीः।उषसः।सम्।ऐरयत्।अरेपसः।सं॰चेतसः।स्वसरे।मन्यु २०२

१५७

मत्॰तमाः।चिते।गोः॥१२॥७॥अनुअर्थसूक्त ५॥द्वितीयोनुवाकः।२।
२२।द्वद्वितीयेऽनुवाके।७॥दोषप्रभृतीत्येका॥१॥यत्।नः।इन्द्रः।अखनत्।
यत्।अग्निः॥विश्वे।देवाः।मरुतः।यत्।सु॰अर्काः।तत्।अस्मभ्यम्।सवि
ता।सत्य॰धर्मा॥प्रजा॰पतिः।अनु॰मतिः।नि।यच्छात्॥१॥ययोः।ओजसा।स्कभि
तानि।रजांसि॥यो।वीर्यैः।वीर॰तमा।शविष्ठा॥यौ।पत्येते इति।अप्रति॰
इते इति।सहः॰भिः॥विष्णुम्।अगन्।वरुणम्।पूर्व॰हूतिः॥२॥यस्य।
इदम्।प्र॰दिशि।यत्।वि॰रोचते।प्र।च।अनति।वि।च।चष्टे।शचीभिः॥पु

रा। देवस्य। धर्म्मणा॥ सहं॰न्तिः। विष्णुः। अगन्। वरुणम्। पूर्वं॰हूतिः॥३॥ विष्णोः।
नु। कम्। प्र। अवोचम्। वीर्याणि॥ यः। पार्थिवानि। वि॰ममे। रजांसि॥ यः। अ
स्कभायत्। उत्॰तरम्। सधं॰स्थं॥ वि॰चक्रमाणः। त्रेधा। उरु॰गायः॥१॥ प्र।
तत्। विष्णुः। स्तवते। वीर्याणि॥ मृगः। न। भीमः। कुचरः। गिरि॰स्थाः॥४। परा॰
वतः। आ। जगम्यात्। परस्याः॥२॥ यस्य। उरुषु। त्रिषु। वि॰क्रमणेषु॥ अधि॰
क्षियंति। भुवनानि। विश्वा॥ उरु। विष्णो इति। वि। क्रमस्व। उरु। क्षयाय। नः।
कृधि॥ घृतम्। घृत॰योने। पिब॥ प्र॰प्र। यज्ञ॰पतिम्। तिर॥३॥ इदम्। विष्णुः। २०३

१२८

वि। चक्रमे॥ त्रेधा। नि। दधे। पदा॥ सम्॰ऊढम्। अस्य। पांसुरे॥ त्रीणि।
पदा। वि। चक्रमे। विष्णुः। गोपाः। अदाभ्यः॥ इतः। धर्माणि। धारयन्॥ वि
ष्णोः। कर्म्माणि। पश्यत॥ यतः। व्रतानि। पस्पशे॥ इंद्रस्य। युज्यः। सखा॥
॥१०॥ तत्। विष्णोः। परमम्। पदम्॥ सदा। पश्यंति। सूरयः॥ दिवि॰
इव। चक्षुः। आ॰ततम्॥१॥ दिवः। विष्णो इति। उत। वा। पृथिव्याः। महः।
विष्णो इति। उरोः। अंतरिक्षात्॥ हस्तौ। पृणस्व। बहु॰भिः। वसव्यैः॥ आ॰
प्र। यच्छ। दक्षिणात्। आ। उत। सव्यात्॥२॥ इडा। एव। अस्मान्। अन्तु। वस्ता

म्। व्रतेन॥ यस्याः। पदे। पुनता। देव॰यंतः॥ घृत॰पदी। शक्करी॥ सोम॰
पृष्ठा॥ उप। यज्ञम्। अस्थित। वैश्व॰देवी॥ ३॥ वेदः। स्वस्तिः। द्रु॰घणः। स्व
स्तिः॥ परशुः। वेदिः। परशुः। नः। स्वस्ति॥ हविः॰कृतः। यज्ञियाः। यज्ञ॰
कामाः॥ ते। देवासः। यज्ञम्। इमम्। जुषंताम्॥ ४॥ अग्नाविष्णू इति। महि।
तत्। वाम्। महि॰त्वम्॥ पाथः। घृतस्य। गुह्यस्य। नाम॥ दमे॰दमे। सप्त। रत्ना।
दधाना। प्रति। वाम्। जिह्वा। घृतम्। आ। चरण्यात्॥ ५॥ अग्नाविष्णू इति।
महि। धाम। प्रियम्। वाम्॥ वीथः। घृतस्य। गुह्या। जुषाणौ॥ दमे॰दमे। सु॰स्तु २०७
दा।मा।१

त्या। वावृधाना॥ ६॥ प्रति। वाम्। जिह्वा। घृतम्। उत्। चरण्यात्॥ ६॥ सु॰आ
क्तम्। मे। द्यावापृथिवी इति। सु॰आक्तम्। मित्रः। अकः। अयम्॥ सु॰आक्त
म्। मे। ब्रह्मणः। पतिः। सु॰आक्तम्। सविता। करत्॥ ७॥ इंद्र। ऊतिं॰भिः। बहु
लाभिः। नः। अद्य॥ यावत्॰श्रेष्ठाभिः। मघ॰वन्। शूर। जिन्व॥ यः। नः। द्वेष्टि। अ
धरः। सः। पदीष्ट॥ यम्। ऊं इति। द्विष्मः। तम्। ऊं इति। प्राणः। जहातु॥ ८॥ उप।
प्रियम्। पनिप्नतम्। युवानम्। आहुति॰वृधम्॥ अगन्म। बिभ्रतः। नमः॥
दीर्घम्। आयुः। कृणोतु। मे॥ ९॥ सम्। मा। सिंचंतु। मरुतः। सम्। पूषा। सम्।

मा२

बृहस्पतिः॥सम्।मा।अयम्।अग्निः।सिंचतु॥प्रऽजया।च।धनेन।च।दीर्घ
म्।आयुः।कृणोतु।वा॥१०॥छ॥१॥अग्ने।जातान्।प्र।नुद।मे।सऽपत्नान्।
प्रति।अजातान्।जातऽवेदः।नुदस्व॥अधःऽपदम्।कृणुष्व।ये।पृतन्यवः॥
अनागसः।ते।वयम्।अदितये।स्याम॥१॥प्र।अन्यान्।सऽपत्नान्।स
हसा।सहस्व॥प्रति।अजातान्।जातऽवेदः।नुदस्व॥इदम्।राष्ट्रम्।पिपृ
हि।सौभगाय॥विश्वे।एनम्।अनु।मदन्तु।देवाः॥२॥इमाः।याः।ते।शतम्। २०५
हिराः॥सहस्रम्।धमनीः।उत॥तासाम्।ते।सर्वासाम्।अहम्।अश्म

२१०

=अपि१

ना।बिलम्।अधाम्॥३॥परि।संयोनः।अवरां।ते।कृणोमि॥मा।च।प्रऽजा।अग्नि।भूत। नि।१
मा।उत।स्रुतः॥अरस्च।च।अप्रजसं।कृणोमि॥अश्मानं।ते।अग्निऽभन्तं।
कृणोमि॥४॥अदृषो।नो।मधुसंकाशा।३।इति।मधुऽसंकाशोइति।मधुऽसंकाशे॥
अनीकम्।नो।सम्ऽअजनम्॥अन्तः।कृणुष्व।माम्।हृदि॥मनः।इत्।नो।
सह।असति॥५॥अभि।त्वा।मनुऽजातेन॥दधामि।मम।वाससा॥यथा।अ
सः।मम।केवलः॥न।अन्यासाम्।कीर्त्तयाः।चन॥इदम्।खनामि।भेषजम्।
माम्ऽपश्यम्।अभिऽरोरुदम्॥पराऽयतः।निऽवर्त्तनम्।आऽयतः।प्रतिऽ

नंदनम्।७।येन।नि॰चक्रे।आसुरी।इन्द्रम्।देवेभ्यः।परि।तेन।नि।कुर्वे।त्वा
म्।अहम्॥यथा।ते।असानि।सु॰प्रिया॥८॥प्रतीची।सोमम्।असि॥प्रतीची।
उत।सूर्यम्॥प्रतीची।विश्वान्।देवान्॥ताम्।त्वा।अच्छ॰आवदामसि॥९॥
अहम्।वदामि।न।इत्।त्वम्॥सभायाम्।अह।त्वम्।वद॥मम।इत्।असः।
त्वम्।केवलः॥न।अन्यासाम्।कीर्तयाः।चन॥१०॥यदि।वा।असि।तिरः॰
जनम्।यदि।वा।नद्यः।तिरः॥इयम्।ह।मह्यम्।त्वाम्।ओषधिः॥बद्ध्वा॰इव। २०५
नि॰आनयत्॥११॥तृतीयोऽनुवाकः॥३॥॥दिव्यम्।सु॰पर्णम्।पयसम्।

१३१

बृहन्तम्॥अपाम्।गर्भम्।वृषभम्।ओषधीनाम्॥अभीपतः।वृष्ट्या।त
र्पयन्तम्॥आ।नः।गो॰स्थे।रयि॰स्थाम्।स्थापयाति॥१॥यस्य।व्रतम्।प
शवः।यन्ति।सर्वे॥यस्य।व्रते।उप॰तिष्ठन्ते।आपः॥यस्य।व्रते।पुष्ट॰प
तिः।नि॰विष्टः॥तम्।सरस्वन्तम्।अवसे।हवामहे॥२॥आ।प्रत्यञ्चम्।
दाशुषे।दाश्वंसम्॥सरस्वन्तम्।पुष्ट॰पतिम्।रयि॰स्थाम्॥रायः।पोषम्।
श्रवस्युम्।वसानाः॥इह।हुवेम।सदनम्।रयीणाम्॥३॥अति।धन्वानि।अ
ति।अपः।ततर्द॥श्येनः।नृ॰चक्षाः।अवसान॰दर्शः॥तरन्।विश्वानि।अ

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
डाक्टर भाऊदाजी स्मारक

वरा। रजांसि॥ इंद्रेण। सख्या। शिवः। आ। जगम्यात्॥४॥ श्येनः। नृ॰चक्षाः।
दिव्यः। सु॰पर्णः॥ सहस्र॰पात्। शत॰योनिः। वयः॰धाः॥ सः। नः। नि। य
च्छात्। वसु। यत्। परा॰भृतम्॥ अस्माकम्। अस्तु। पितृषु। स्वधा॰वत्॥५॥
सोमारुद्रा। वि। वृहतम्। विषूचीम्॥ अमीवा। या। नः। गयम्। आ॰विवे
श॥ बाधेथाम्। दूरम्। निः॰ऋतिम्। पराचैः॥ कृतम्। चित्। एनः। प्र। मुमु
क्तम्। अस्मत्॥६॥ सोमारुद्रा। युवम्। एतानि। अस्मत्॥ विश्वा। तनूषु। भे २०७
षजा। नि। धत्तम्॥ अव। स्यतम्। मुंचतम्। यत्। नः। असत्॥ तनूषु। बद्धम्।

१७२

कृतम्। एनः। अस्मत्॥७॥ शिवाः। ते। एकाः। अशिवाः। ते। एकाः॥ सर्वाः। बिभ
र्षि। सु॰मनस्यमानः॥ तिस्रः। वाचः। नि॰हिताः। अंतः। अस्मिन्॥ तासाम्। एका।
वि। पपात। अनु। घोषम्॥८॥ उभा। जिग्यथुः। न। परा। जयेथे इति। न। परा।
जिग्ये। कतरः। चन। एनयोः॥ इंद्रः। च। विष्णो इति। यत्। अपस्पृधेथाम्॥
त्रेधा। सहस्रम्। वि। तत्। ऐरयेथाम्॥९॥ जनात्। विश्व॰जनीनात्॥ सिंधु
तः। परि। आ॰भृतम्॥ दूरात्। त्वा। मन्ये। उत्॰भृतम्॥ ईर्ष्यायाः। नाम। भेष
जम्॥१०॥३॥५॥ अग्नेः॰इव। अस्य। दहतः॥ दावस्य। दहतः। पृथक्॥ एताम्।

एतस्या। ईर्ष्याम्॥ उग्रा। अग्निम्ऽइव। शमय॥१॥ सिनीवालि। पृथुऽस्तु
के॥ या। देवानां। असि। स्वसा॥ जुषस्व। हव्यं। आऽहुतं॥ प्रऽजां। देवि।
दिदिड्ढि। नः॥२॥ या। सुऽबाहुः। सुऽअंगुरिः॥ सुऽसूमा। बहुऽसूवरी॥ त
स्यै। विश्पत्न्यै। हविः॥ सिनीवाल्यै। जुहोतन॥३॥ या। विश्पत्नी। इन्द्रम्। असि
प्रतीची॥ सहस्रऽस्तुका। अभिऽयंती। देवी॥ विष्णोः। पत्नि। तुभ्यं। राता। हवीं
षि॥ पतिं। देवि। राधसे। चोदयस्व॥४॥ कुहूं। देवीं। सुऽकृतं। विद्मनाऽ २०८
अपसम्॥ अस्मिन्। यज्ञे। सुऽहवा। जोहवीमि॥ सा। नः। रयिम्। विश्वऽवारं।

१२३

नि। यच्छात्। ददातु। वीरं। शतऽदायं। उक्थ्यं॥५॥ कुहूः। देवानां। अमृतस्य। प
त्नी॥ हव्या। नः। अस्य। हविषः। जुषेत॥ शृणोतु। यज्ञम्। उशती। नः। अद्य॥ रा
यः। पोषं। चिकितुषी। दधातु॥६॥ राकां। अहं। सुऽहवां। सुऽस्तुती। हुवे॥ शृणो
तु। नः। सुऽभगा। बोधतु। त्मना॥ सीव्यतु। अपः। सूच्या। अच्छिद्यमानया॥ ददा
तु। वीरं। शतऽदायं। उक्थ्यं॥७॥ याः। ते। राके। सुऽमतयः। सुऽपेशसः॥ याभिः। द
दासि। दाशुषे। वसूनि॥ ताभिः। नः। अद्य। सुऽमनाः। उपऽआगहि॥ सहस्रऽपोषं।
सुऽभगे। रराणा॥८॥ देवानां। पत्नीः। उशतीः। अवंतु। नः। प्र। अवंतु। नः। तुजये।

वा।ज॰सा।तये॥याः।पार्थिवासः।याः।अपां।अपि।व्रते॥ताः।नः।देवीः।सु॰ह
वाः।शर्म।यच्छंतु॥एता।उत।ग्नाः।व्यंतु।देव॰पत्नीः।इंद्राणी॥अग्ना यी।अ
श्विनी।राट्॥आ।रोदसी।वरुणानी।शृणोतु॥व्यंतु।देवीः।यः।ऋतुः।जनी
नाम्॥१०॥७॥१०॥यथा।वृक्षं।अशनिः।विश्वाहा।हंति।अप्रति।एव।अहं।
अद्य।कितवान्।अक्षैः।बध्यासं।अप्रति॥१॥तुराणां।अतुराणां॥विशां।
अवर्जुषीणां॥सं॰ऐतु।विश्वतः।भगः।अंतः॰हस्तं।कृतं।मम॥२॥ईडे।
अग्निं।स्व॰वसुं।नमः॰भिः॥इह।प्र॰सक्तः।वि।चयत्।कृतं।नः।रथैः॰इव॥ २०८
प्र।भर।वाजयत्॰भिः॥प्र॰दक्षिणं।मरुतां।स्तोमं।ऋध्यां॥३॥वयं।ज
येम।त्वया।युजा।वृतं।अस्माकं।अंशं।उत्।अव।भर॰भरे॥अस्मभ्यं।इं
द्र।वरीयः।सुगं।कृधि।प्र।शत्रूणां।मघ॰वन्।वृष्ण्या।रुज॥४॥अजेषं।त्वा।
सं॰लिखितं।अजैषं।उत।सं॰रुधं।अविं।वृकः।यथा।मथत्।एव।मथ्ना
मि।ते।कृतं॥५॥उत।प्र॰हां।अति॰दीवा।जयति।कृतं॰इव।श्वघ्नी।वि।चि
नोति।काले॥यः।देव॰कामः।न।धनं।रुणद्धि।सं।इत्।तं।रायः।सृजति।स्वधा
भिः॥६॥गोभिः।तरेम।अमतिं।दुः॰एवां।यवेन।वा।क्षुधं।पुरु॰हूत।विश्वे

वयं। राज॰सु। प्रथमाः। धनानि॥ अरिष्टासः। वृजनीभिः। जयेम॥ ७॥ कृतं।
मे। दक्षिणे। हस्ते॥ जयः। मे। सव्ये। आ॰हितः॥ गो॰जित्। भूयासं। अश्व॰जित्।
धनम्॰जयः। हिरण्य॰जित्॥ ८॥ अक्षाः। फल॰वतीं। दिवं। दत्त। गां। क्षीरि
णीं॰इव॥ सं। मा। कृतस्य। धारया॥ धनुः। स्नाव्ना॰इव। नह्यत॥ ९॥ बृहस्पतिः।
नः। परि। पातु। पश्चात्॥ उत। उत्॰तरस्मात्। अधरात्। अघ॰योः॥ इन्द्रः। पुरस्ता
त्। उत। मध्यतः। नः॥ सखा। सखि॰भ्यः। वरीयः। कृणोतु॥ १०॥ ७॥ चतुर्थो॰नु
वाकः॥॥ सं॰ज्ञानं। नः। स्वेभिः॥ सं॰ज्ञानं। अरणेभिः॥ सं॰ज्ञानं। अश्विना। युं २२८

१२५

वं॥ इह। अस्मासु। नि। यच्छतं॥ १॥ सं। जानामहै। मनसा। सं। चिकित्वा॥ मा। यु
ष्महि। मनसा। दैव्येन॥ मा। घोषाः। उत्। स्थुः। बहुले। वि॰निर्हते॥ मा। इषुः।
पप्तत्। इन्द्रस्य। अहनि। आ॰गते॥ २॥ अमुत्र॰भूयात्। अधि। यत्। यमस्य। बृ
हस्पतेः। अभि॰शस्तेः। अमुञ्चः॥ प्रति। औहतां। अश्विना। मृत्युं। अस्मत्।
देवानां। अग्ने। भिषजा। शचीभिः॥ ३॥ सं। क्रामतं। मा। जहीतं। शरीरं। प्राणा
पानौ। ते। सयुजौ। इह। स्तां॥ शतं। जीव। शरदः। वर्धमानः॥ अग्निः। ते। गो
पाः। अधि॰पाः। वसिष्ठः॥ ४॥ आयुः। यत्। ते। अति॰हितं। पराचैः॥ अपानः। प्रा

णः। पुनः। आ। तौ। इतां॥ अग्निः। तनूऽत्वा। अहः। निःऽऋतेः। उपऽस्थात्॥ त
त्। आत्मनि। पुनः। आ। विशयामि। ते॥ मा। मा। इमं। प्राणः। हासीत्। मो इति॥
अपानः। अवऽहाय। परा। गात्॥ सप्तऽऋषिऽभ्यः। एनं। परि। ददामि। ते। एनं।
स्वस्ति। जरसे। वहन्तु॥ ६॥ प्र। विशतं। प्राणापानौ। अनड्वाहौऽइव। व्रजं॥
अयं। जरिम्णः। शेवऽधिः। अरिष्टः। इह। वर्धतां॥ ७॥ आ। ते। प्राणं। सुवामसि॥
परा। यक्ष्मं। सुवामि। ते॥ आयुः। नः। विश्वतः। दधत्। अयं। अग्निः। वरेण्यः॥ ८॥
उत्। वयं। तमसः। परि। रोहन्तः। नाकं। उत्ऽतमं॥ देवं। देवऽत्रा। सूर्यं। अ २२२

गन्म। ज्योतिः। उत्ऽतमं॥ ९॥ ऋचं। साम। यजामहे॥ याभ्यां। कर्माणि। कुर्वते॥ ए
ते इति। सदसि। राजतः॥ यज्ञं। देवेषु। यच्छतः॥ १०॥ ऋचं। साम। यत्। अप्रा
क्षं। हविः। ओजः। यजुः। बलं॥ एषः। मा। तस्मात्। मा। हिंसीत्॥ वेदः। पृष्टः। शची
पते॥ ११॥ ये। ते। पन्थानः। अव। दिवः॥ येभिः। विश्वं। ऐरयः॥ तेभिः। सुम्नऽया। आ
धेहि। नः। वसो इति॥ १२॥ तिरश्चिऽराजेः। असितात्। पृदाकोः। परि। संऽभृतं॥ त
त्। कङ्कऽपर्वणः। विषं॥ इयं। वीरुत्। अनीनशत्॥ १३॥ इयं। वीरुत्। मधुऽजाता। म
धुऽश्चुत्। मधुला। मधूः॥ सा। विऽहुतस्य। भेषजी॥ अथो इति। मशकऽजम्भनी॥ १४॥

डाक्टर भाऊदाजी इत्यस्य स्मारकम्
Dr. BHAU DAJI MEMORIAL

पतः। दृष्टंप्य तमधीतं॥ ल तष्ठा त॥ निः। कया मसि॥ अर्नम्या तृ प्र॰ दं शिनः॥ म
शाकस्य। अरसं। विषं॥ ५। अयं। यः। वक्रः। वि॰ परुः। वि॰ अंगः॥ सुखानि। व
क्रा। वृ जिना। कृणो षि॥ तानि। चं। ब्रह्मणः। पते॥ इषीकां॰ इव। सं। नमः॥ ६॥ अर
सस्य। शर्कोटस्य। नीचीनस्य। उप॰ सर्पतः॥ विषं। हि। अस्य। आ॰ अदिषि॥ अथो
इति। एनं। अजीजभं॥ ७॥ न। ते। बाह्वोः। बलं। अस्ति॥ न। शीर्षे। न। उत। मध्यतः॥ अ
थ। किं। पापया। अमुया॥ पुच्छे। बिभर्षि। अर्भकं॥ ८॥ अदंति। त्वा। पिपीलिकाः॥ वि
वृश्चंति। मयूर्यः॥ सर्वे। भलाः। ब्रवाथ। शार्कोटं। अरसं। विषं॥ ९॥ यः। उभाभ्यां। १
222
१११

प्र॰ हरसि॥ पुच्छेन। च। आस्येन। च॥ आस्ये। न। ते। विषं॥ किं। ऊं इति। ते। पुच्छ॰ धौ॥
असत्॥ १०॥ १॥ यत्। आ॰ शसा। वदतः। मे। वि॰ चुक्षुभे॥ यत्। याचमानस्य।
चरतः। जनान्॥ अनु॥ यत्। आत्मनि। तन्वः। मे। वि॰ रिष्टं। सरस्वती। तत्। आ। पृ
णत्। घृतेन॥ १॥ सप्त। क्षरंति। शिशवे। मरुत्वते॥ पित्रे। पुत्रासः। अपि। अवी
२५ वृतन्। ऋतानि॥ उभे इति। इत्। अस्य। उभे इति। अस्य। राजतः॥ उभे इति। यतेते।
अस्या।२ उभे इति। उभे इति। पुष्यतः॥ २॥ इंद्रावरुणा। सुत॰ पौ। इमं। सुतं। सोमं। पिबतं। म
द्यं। धृतव्रतौ॥ युवोः। रथः। अध्वरः। देव॰ वीतये॥ प्रति। स्वसरं। उप। यातु।

पीतये॥२॥ इंद्रावरुणा। मधुमत्ऽतमस्य। वृष्णः॥ सोमस्य। वृषणा। आ। वृ
षेथां॥ इदं। वां। अंधः। परिऽसिक्तम्। आऽसद्य। अस्मिन्। बर्हिषि। मादये
थां॥३॥ यः। नः। शपात्। अशपतः॥ शपतः। यः। च। नः। शपात्॥ वृक्षःऽइव।
विद्युताऽहतः। आ। मूलात्। अनु। शुष्यतु॥४॥ पा॥७॥ पंचमो वाकः॥ ॥ ऊर्जं। बि
भ्रत्। वसुऽवनिः। सुऽमेधाः॥ अघोरेण। चक्षुषा। मित्रियेण। गृहान्। आ। ए
मि। सुऽमनाः। वंदमानः॥ रमध्वं। मा। बिभीत। मत्॥१॥ इमे। गृहाः। मयःऽभुवः। २१३
ऊर्जस्वंतः। पूर्णाः। वामेन। तिष्ठंतः॥ ते। नः। जानंतु। आऽयतः॥२॥ येषां। अधिऽ

पयस्वंतः॥२॥

१२९

एति। प्रऽवसन्॥ येषु। सौमनसः। बहुः॥ गृहान्। उप। ह्वयामहे॥ ते। नः। जा
नः। जानंतु। आऽयतः॥३॥ उपऽहूताः। भूरिऽधनाः॥ सखायः। स्वादुऽसंमुदः॥
अक्षुध्याः। अतृष्याः। स्त। गृहाः। मा। अस्मत्। बिभीतन॥४॥ उपऽहूताः। इह। गा
वः॥ उपऽहूताः। अजऽअवयः॥ अथो इति। अन्नस्य। कीलालः॥ उपऽहूतः। गृ
हेषु। नः॥ सूनृताऽवंतः। सुऽभगाः॥ इराऽवंतः। हसाऽमुदाः॥ अतृष्याः। अक्षुध्याः।
स्त॥ गृहाः। मा। अस्मत्। बिभीतन॥६॥ इह। एव। स्त। मा। अनु। गात॥ विश्वा। रूपा
णि। पुष्यत॥ आ। एष्यामि। भद्रेण। सह। भूयांसः। भवत। मया॥७॥ यत्। अग्निः। तप

सा।तपः॥उप०तप्यामहे।तपः॥प्रियाः।श्रुतस्य।भूयास्म॥आयुष्मंतः।सु०
मेधसः॥५॥अग्ने।तपः।तप्यामहे॥उप।तप्यामहे।तपः॥श्रुतानि।शृण्वंतः।
वयं॥आयुष्मंतः।सु०मेधसः॥६॥अयं।अग्निः।सत्०पतिः।वृद्ध०वृष्णः।
रथीं०इव।पत्तीन्।अजयत्।पुरः०हितः॥नाभा।पृथिव्यां।नि०हितः।दविद्युत
त्॥अधः०पदं।कृणुतां।ये।पृतन्यवः॥१०॥७॥पृतना०जितं।सहमानं।अग्निं॥
उक्थैः।हवामहे।परमात्।सध०स्थात्॥सः।नः।पर्षत्।अति।दुः०गानि।विश्वा॥
क्षामत्।देवः।अति।दुः०इतानि।अग्निः॥१॥इदं।यत्।कृष्णः।शकुनिः।अ २२८

भि०निष्पतन्।अपीपतत्॥आपः।मा।तस्मात्।सर्वस्मात्॥दुः०इतात्।पांतु।
अंहसः॥१॥इदं।यत्।कृष्णः।शकुनिः।अव०आमृक्षत्।निः०ऋते।ते।मुखेन॥अ
ग्निः।मा।तस्मात्।एनसः॥गार्ह०पत्यः।प्र।मुंचतु॥२॥प्रतीचीन०फलः।हि।त्वं॥
अपामार्ग।रुरोदिथ॥सर्वान्।मत्।शपथान्।अधि।वरीयः।यवयाः।इतः॥
॥यत्।दुः०कृतं।यत्।शमलं॥यत्।वा।चेरिम।पापया॥त्वया।तत्।विश्वतः०
मुख॥अपामार्ग।अप।मृज्महे॥१॥श्याव०दता।कुनखिना॥बंडेन।यत्।स
ह।आसिम॥अपामार्ग।त्वया।वयं॥सर्वं।तत्।अप।मृज्महे॥२॥यदि।अंतरि

पेषु॥ यत्। अस्य वनः। पुरावनः। उद्यमानं॥ तत्। आ। प्रसरणं॥ पुनः। अस्मान्। उ॰१

द्वे। यदि। वा। ते। आसा॥ यदि। वृद्धेषु। यदि। वा। उत्। सूप॰ ऐ३आ। १। पुनः। मा। आ।

ए। तु। इंद्रियं॥ पुनः। आ। त्मा। द्रविणं। ब्राह्मणं। च॥ पुनः। अग्नयः। धिष्ण्याः। य

था॰स्थाम॥ कल्पयंताम्। इह। एव। ॥८। सरस्वति। व्रतेषु। आ। ते। दिव्येषु। आ। द

वि। क्षम॰स्तु॥ जुषस्व। हव्यं। आ॰हुतं॥ प्र॰जां॥ हविः। रराथ। नः॥ एषा इदं। हव्यं। ने॰४

घृत॰वत्। सरस्वति॥ इदं। पितृणां। हविः। आस्यं। यत्॥ इमानि। ते। उदिता। शं॰

तमानि॥ तेभिः। वयं। मधु॰मंतः। स्याम॥ १०॥ शिवा। नः। शं॰तमा। त्वं॥ सु॰

मृडीका। सरस्वति॥ मा। ते। युयोम। सं॰दृशः॥ १। शं। नः। वातः। वातु॥ शं। नः। तप २१२

१८०

तु। सूर्यः॥ अहानि। शं। तवं। तु। नः॥ शं। रात्री। प्रति। धीयतां॥ शं। उषाः। नः। वि। उ

च्छतु॥ २। यत्। किं। च। असौ। मनसा। यत्। च। वाचा॥ यज्ञैः। जुहोति। हविषा। य

जुषा॥ तत्। मृत्युना। निः॰ऋतिः। सं॰विदाना॥ पुरा। सत्यात्। आ॰हुतिं। हंतु। अ

स्य॥ ३। या। उ॰क्षनाः। निः॰ऋतिः। आत्। ऊं इति। रक्षः॥ ते। अस्य। घ्नंतु। अन्

तेन। सत्यं॥ इंद्र॰इषिताः। देवाः। आज्यं। अस्य। मथ्नंतु॥ मा। तत्। सं। पादि। य

त्। असौ। जुहोति॥ ४। अजिर॰अधिराजौ॥ उग्रौ॥ संपातिनौ॰इव। आज्यं। ए

तस्य तः। हतां॥ यः। नः। कः। च। अति॰बाधयंति॥ पश्चा पांचौ। तौ। उग्रौ। बाहू

इति॥ अपि। नह्यामि। आस्यं॥ अग्नेः। देवस्य। मन्युना॥ तेन। ते। अवधिषं। ह
विः॥६॥ अप। नह्यामि। ते। बाहू इति॥ अपि। नह्यामि। आस्यं॥ अग्नेः। घोरस्य।
मन्युना॥ तेन। ते। अवधिषं। हविः॥७॥ परि। त्वा। अग्ने। पुरं। वयं॥ विप्रं। सहस्य।
धीमहि॥ धृषत्ऽवर्णं। दिवेऽदिवे॥ हंतारं। भंगुरऽवतः॥८॥ उत्। तिष्ठत।
अव। पश्यत॥ इंद्रस्य। भागं। ऋत्वियं॥ यदि। श्रातः। जुहोतन॥ यदि। अश्रातं।
ममत्तन॥९॥ श्रातं। हविः। ओ इति। सु। इंद्र। प्र। याहि॥ जगाम। सूरः। अध्व
नः। विऽमध्यं॥ परि। त्वा। आसते। निधिऽभिः। सखायः॥ कुलऽपाः। न।

२८९

व्राजऽपतिं। चरंतं॥१०॥३॥ श्रातं। मन्ये। ऊधनि। श्रातं। अग्नौ॥ सुऽशृतं। मन्ये।
त्। ऋतं। नवीयः॥ माध्यंदिनस्य। सवनस्य। दध्नः॥ पिब। इंद्र। वज्रिन्। पुरुऽकृ
त्। जुषाणः॥१॥ सं॰इद्धः। अग्निः। वृषणा। रयिः॥ दिवः॥ तप्तः। घर्मः। दुह्यते। वां। इ
षे। मधु॥ वयं। हि। वां। पुरुऽदमासः। अश्विना॥ हवामहे। सधऽमादेषु। कारवः॥
२॥ सं॰इद्धः। अग्निः। अश्विना॥ तप्तः। वां। घर्मः। आ। गतं॥ दुह्यंते। नूनं। वृषणा। इ
ह। धेनवः॥ दस्रा। मदंति। वेधसः॥३॥ स्वाहाऽकृतः। शुचिः। देवेषु। यज्ञः॥ यः। अश्वि
नोः। चमसः। देवऽपानः॥ तं। ऊं इति। विश्वे। अमृतासः। जुषाणः। गंधर्वस्य। प्रति।

MEMORIAL

आस्ना । रिहंति ॥४॥ यत् । उस्रियासु । आऽहुतं । घृतं । पयः । अयं । सः । वां ।
अश्विना । भागः । आ । गतं ॥ माध्वी इति । धर्त्तारा । विदथस्य । सत्पती इति सत्ऽ
पती ॥ तप्तं । घर्मं । पिबतं । रोचने । दिवः ॥ तप्तः । वां । घर्मः । नक्षतु । स्वऽहोता ॥ प्र ।
वां । अध्वर्युः । चरतु । प्रयस्वान् ॥ मधोः । दुग्धस्य । अश्विना । तनायाः । वीतं । पा
तं । पयसः । उस्रियायाः ॥६॥ उप । द्रव । पयसा । गोऽधुक् । ओषं । आ । घर्मे । सिंच ।
पयः । उस्रियायाः ॥ वि । नाकं । अख्यत् । सविता । वरेण्यः । अनुऽप्रयाणं । उ
षसः । विराजति ॥७॥ उप । ह्वये । सुऽदुघां । धेनुं । एतां । सुऽहस्तः । गोऽधुक् । उ २७

त । दोहत् । एनां ॥ श्रेष्ठं । सवं । सविता । साविषत् । नः । अभिऽइद्धः । घर्मः । तत् । ऊं इ
ति । सु । प्र । वोचत् ॥८॥ हिङ्ऽकृण्वती । वसुऽपत्नी । वसूनां । वत्सं । इच्छंती । मन
सा । निऽआगन् ॥ दुहां । अश्विऽभ्यां । पयः । अघ्न्या । इयं । सा । वर्द्धतां । महते । सौ
भगाय ॥९॥ जुष्टः । दमूनाः । अतिथिः । दुरोणे । इमं । नः । यज्ञं । उप । याहि । वि
द्वान् ॥ विश्वाः । अग्ने । अभिऽयुजः । विऽहत्य । शत्रुऽयतां । आ । भर । भोजनानि ।
॥१०॥ अग्ने । शर्द्ध । महते । सौभगाय ॥ तव । द्युम्नानि । उत्ऽतमानि । संतु ॥ सं ।
जाःऽपत्यं । सुऽयमं । आ । कृणुष्व । शत्रुऽयतां । अभि । तिष्ठ । महांसि ॥११॥ सुयव

स॰आ। तत्। नग॰वती॥ हि। त्वया॥ अध। वयं। नग॰वंतः। स्याम॥ अच्छि। द्र
द्रं। अघ्न्ये। विश्व॰दानीं॥ पिव। शुद्धं। उदकं। आ॰चरंती॥ ३।२। षष्ठो वाकः॥
अप॰चितां। लोहिनीनां॥ कृष्णा। मा। ता। इति। शुश्रुम॥ मूलं। दवस्य। मूलेन।
सर्वाः। विध्यामि। ताः। अहं॥ १। विध्यामि। आसां। प्रथमां॥ विध्यामि। उत।
मध्यमां॥ इयं। जघन्यां। आसां॥ आ। छिनद्मि। स्तुकां॰इव॥ २। त्वाष्ट्रेण। अहं। व
चसा॥ विता। ईर्ष्या। अमीमदं॥ अथो इति। यः। मन्युः। ते। प। ते। तं। ऊं इति। तं
शमयामसि॥ ३। व्रतेन। त्वा। व्रत॰पते। सं॰अक्तः॥ विश्वाहा। सु॰मनाः। दीदिहि। इ २९८
त्वां।
१८३

ह॥ तं। त्वा। वयं। जात॰वेदः। सं॰इद्धं॥ प्रजा॰वंतः। उप। सदेम। सर्वे॥ ४। प्रजा
वती। रिशेका॥ प। पद॰ज्ञाः। स्थार मतयः॥ सं॰हिताः। विश्व॰नाम्नीः॥ उप
मा। देवीः। देवेभिः। आ। इत॥ इमं। गो॰स्थं। इदं। सदः॥ घृतेन। अस्मान्। सं। उक्ष
त॥ ५। आ। सु॰स्रसः। सु॰स्रः॥ असतीभ्यः। असत्॰तराः॥ सेहोः। अरस॰
तराः। लवणात्॥ वि॰क्लेदीयसीः॥ १। याः। ग्रैव्याः। अप॰चितः॥ अथो इति।
याः। उप॰पक्ष्याः॥ वि॰जाम्नि। याः। अप॰चितः। स्वयं॰स्रसः॥ ८। यः। कीक
साः। प्र॰शृणाति॥ तलीद्यं। अव॰तिष्ठति॥ निः। आस्तं। सर्वं। जायान्यं॥ यः। कः।

चा।ककुदि।स्थितः॥८॥पत्नी।जायान्यः।पतति॥सः॥आ॥विशति।पुरुषं॥४
तता।अक्षितस्य।भेषजं॥उत्तयोः।सु॰हतस्य।च॥१०॥ब्र॥विद्म।वै।ते।जा
यान्य।जानं॥यतः।जायान्य।जायसे॥कथं।ह।तत्र।त्वं।हनः॥यस्य।कृण्मः।
हविः।गृहे॥१॥वृषत्।पिब।कलशे।सोमं।इंद्र॥वृत्र॰हा।शूर।सं॰अरा
वस्व।नां॥माध्यंदिने।सवने।आ॥वृषस्व॥रयि॰स्थानः।रयिं।अस्मासु।धे
हि॥२॥सां॰तपनाः।इदं।हविः॥मरुतः।तत्।जुजुष्टन॥अस्माक।ऊती।रिशा
दसः॥३॥यः।नः।मर्तः।मरुतः।दुः॰हृणायुः॥तिरः।चित्तानि।वसवः।जिघांस २२८

सति॥द्रुहः।पाशान्।प्रति।मुंचतां।सः॥तपिष्ठेन।तपसा।हंतन।तं॥४॥सं॰
वत्सरीणाः।मरुतः।सु॰अर्काः॥उरु॰क्षयाः।स॰गणाः।मानुषासः॥ते।अ
स्मत्।पाशान्।प्र।मुंचंतु।एनसः॥सां॰तपनाः।मत्सराः।मादयिष्णवः॥५॥
वि।त।मुंचत।नि।रशानां॥वि।यौ।क्रौ।वि।नि॰योजनं॥इह।एव।चंतं।अजरसः॥
एधि।अग्ने॥६॥अस्मै।क्षत्राणि।धारयंतं।अग्ने॥युनज्मि।च।ब्रह्मणा।
दैव्येन॥हवि।दिदिहि।अस्मभ्यं।द्रविणा।इह।भद्रं॥प्र।इमं।वोचः।हविः॰दां।देव दां।
तासु॥७॥अयत्।ता।देवाः।अनु॰एषन्।भाग॰धेयं॥अमा॰वास्ये।सं॰वसंतः।म

हि॰ग्वा॥ तेन। नः। यज्ञं। पिपृहि। विश्व॰वारं॥ रयिं। नः। धेहि। सु॰भगे। सु॰वीरं॥
॥५॥ अहं। एव। अस्मि। अमा॰वास्या॥ मां। आ। वसंति। सु॰कृतः। मयि। इमे॥
मयि। देवाः। उभये। साध्याः। च। इंद्र॰ज्येष्ठाः। सं। अगच्छंत। सर्वे॥ ए। आ। अ
गन्। रात्री। सं॰गमनी। वसूनां॥ ऊर्जं। पुष्टं। वसु। आ॰वेशयंती॥ अमा॰वा
स्यायै। हविषा। विधेम॥ ऊर्जं। दुहाना। पयसा। नः। आ। अगन्॥१०॥७॥ अमा॰
वास्ये। न। त्वत्। एतानि। अन्यः। विश्वा। रूपाणि। परि॰भूः। जजान॥ यत्॰का
माः। ते। जुहुमः। तत्। नः। अस्तु॥ वयं। स्याम। पतयः। रयीणां॥१। पूर्णा। प्र २२०

२८५

श्चात्। उत। पूर्णा। पुरस्तात्॥ उत्। मध्यतः। पौर्ण॰मासी। जिगाय॥ तस्यां। दे
वाः। सं॰वसंतः। महि॰त्वा॥ मि नाकस्य। पृष्ठे। सं। इषा। मदेम॥२॥ वृषभं। वा
जिनं। वयं॥ पौर्ण॰मासं। यजामहे॥ सः। नः। ददातु। अक्षितां॥ रयिं। अ
नुप॰दस्वतीं॥३॥ प्रजा॰पते। न। त्वत्। एतानि। अन्यः। विश्वा। रूपाणि। प
रि॰भूः। जजान॥ यत्॰कामाः। ते। जुहुमः। तत्। नः। अस्तु॥ वयं। स्याम। पत
यः। रयीणां॥४॥ पौर्ण॰मासी। प्रथमा। यज्ञिया। आसीत्। अह्नां। रात्रीणां।
अति॰शर्वरेषु॥ ये। त्वां। यज्ञैः। यज्ञिये। अर्धयंति। अमी इति। ते। नाके।

सु॰हुतः। प्र॰विष्टाः॥ ५॥ पूर्वं॰अपरं। चरतः। मायया। एतौ। शिशू इति।
क्रीडंतौ। परि। यातः। अर्णवं॥ विश्वा। अन्यः। भुवना। वि॰चष्टे। ऋतू-
न्। अन्यः। वि॰दधत्। जायते। नवः॥ ६॥ नवः॰नवः। भवसि। जायमानः॥ अ-
ह्नां। केतुः। उषसां। एषि। अग्रं॥ भागं। देवेभ्यः। वि। दधासि। आ॰यन्॥ प्र।
चंद्रमः। तिरसे। दीर्घं। आयुः॥ ७॥ सोमस्य। अंशो इति। युधां। पते॥ अनूनः।
नाम। वा। असि। अनूनं। दर्श। मा। कृधि॥ प्र॰जया। च। धनेन। च॥ ८॥ दर्शः।
असि। दर्शतः। असि। सम्॰अग्रः। असि। सं॰अंतः॥ सं॰अग्रः। सं॰अंतः॥ २२१

भूयासं। गोभिः॥ अश्वैः। प्र॰जया। पशु॰भिः। गृहैः। धनेन॥ ९॥ यः। अस्मान्।
द्वेष्टि। यं। वयं। द्विष्मः॥ तस्य। त्वं। प्राणेन। आ। प्यायस्व॥ आ। वयं। प्यासिषी-
महि। गोभिः। अश्वैः। प्र॰जया। पशु॰भिः। गृहैः। धनेन॥ १०॥ यं। देवाः। अं-
शुं। आ॰प्याययंति॥ यं। अक्षितं। अक्षिताः। भक्षयंति॥ तेन। अस्मान्। इंद्रः।
वरुणः। बृहस्पतिः॥ आ। प्याययंतु। भुवनस्य। गोपाः॥ ११॥ ७॥ सप्तमोऽनुवा-
कः॥ अभि। अर्चत। सु॰स्तुतिं। गव्यं। आजिं॥ अस्मासु। भद्रा। द्रविणानि। धत्त॥
इमं। यज्ञं। नयत। देवता। नः॥ घृतस्य। धाराः। मधु॰मत्। पवंतां॥ १॥ मयि। अ

MEMORIAL

यो। अग्निं। गृह्णामि॥ सह। क्षत्रेण। वर्चसा। बलेन॥ मयि। प्र०जां। मयि। आ
युः। दधामि॥ स्वाहा। मयि। अग्निं॥२॥ इह। एव। अग्ने। अधि। धारय। रयिं॥ मा।
त्वा। नि। क्रन्। पूर्व०चित्ताः। नि०कारिणः॥ क्षत्रेण। अग्ने। सु०यमं। अस्तु। तुभ्यं॥
उप०सत्ता। वर्द्धतां॥ ते। अनिः०सृतः॥३॥ अनु। अग्निः। उषसां। अग्रं। अ
ख्यत्॥ अनु। अहानि। प्रथमानि। प्रथमः। जात०वेदाः॥ अनु। सूर्यः। उषसः।
अनु। रश्मीन्॥ अनु। द्यावापृथिवी इति। आ। विवेश॥४॥ प्रति। अग्निः। उ
षसां। अग्रं। अख्यत्। प्रति। अहानि। प्रथमः। जात०वेदाः॥ प्रति। सूर्यस्य। 222

८५९

पुरु०त्रा। च। रश्मीन्॥ प्रति। द्यावापृथिवी इति। आ। ततान॥५॥ घृतं। ते। अग्ने।
दिव्ये। सध०स्थे॥ घृतेन। त्वां। मनुः। अद्य। सं। इंधे॥ घृतं। ते। देवीः। नप्त्यः।
आ। वहंतु॥ घृतं। तुभ्यं। दुहृतां। गावः। अग्ने॥६॥ अप्०सु। ते। राजन्। वरु
ण॥ गृहः॥ हिरण्ययः। मिथः॥ ततः। धृत०व्रतः। राजा॥ सर्वा। धामानि। मुंचतु॥
१॥ धाम्नः०धाम्नः। राजन्॥ इतः। वरुण। मुंच। नः॥ यत्। आपः। अघ्न्याः। इति॥
वरुण। इति। यत्। ऊचिम॥ ततः। वरुण। मुंच। नः॥२॥ उत्। उत्०तमं। वरुण।
पाशं। अस्मत्॥ अव। अधमं। वि। मध्यमं। श्रथाय॥ अध। वयं। आदित्य। व्र

ते । तव । अनागसः । ते । वयं । अदितये । स्याम ॥ ७ ॥ प्र । अस्मत् । पाशान् । वरुण ।
मुंच । सर्वान् । ये । उत्ऽतमाः । अधमाः । वारुणाः । ये ॥ दुःऽस्वप्न्यं । दुःऽइतं । निः । स्व ।
अस्मत् ॥ अध । गच्छेम । सुऽकृतस्य । लोकं ॥ १० ॥ ८ ॥ अनाधृष्यः । जातऽवेदाः । अम
र्त्यः ॥ विऽराट् । अग्ने । क्षत्रऽभृत् । दीदिहि । इह ॥ विश्वाः । अमीवाः । प्रऽमुंचन् ।
मानुषीभिः ॥ शिवाभिः । अद्य । परि । पाहि । नः । गयं ॥ १ ॥ इन्द्र । क्षत्रं । अभि । वामं ।
ओजः । अजायथाः । वृषभ । चर्षणीनां ॥ अप । अनुदः । जनं । अमित्रऽयंतं । उरुं ।
देवेभ्यः । अकृणोः । ऊं इति । लोकं ॥ २ ॥ मृगः । न । भीमः । कुऽचरः । गिरिऽस्थाः ॥ पराऽ २२३

वतः । आ । जगन्थ । परस्याः ॥ सृकं । संऽशाय । पविं । इन्द्र । तिग्मं ॥ वि । शत्रून् । ता
ढि । वि । मृधः । नुदस्व ॥ ३ ॥ त्यं । ऊं इति । सु । वाजिनं । देवऽजूतं ॥ सहःऽवानं ।
तरुतारं । रथानां ॥ अरिष्टऽनेमिं । पृतनाऽजिं । आशुं ॥ स्वस्तये । तार्क्ष्यं । इह । आ ।
हुवेम ॥ १ ॥ त्रातारं । इन्द्रं । अवितारं । इन्द्रं ॥ हवेऽहवे । सुऽहवं । शूरं । इन्द्रं ॥ हुवे ।
नु । शक्रं । पुरुऽहूतं । इन्द्रं ॥ स्वस्ति । नः । इन्द्रः । मघऽवान् । कृणोतु ॥ १ ॥ यः । अग्नौ । रु
द्रः । यः । अप्ऽसु । अन्तः ॥ यः । ओषधीः । वीरुधः । आऽविवेश ॥ यः । इमा । विश्वा । भुव
नानि । चक्लृपे ॥ तस्मै । रुद्राय । नमः । अस्तु । अग्नये ॥ १ ॥ अप । इहि । अरिः । असि ।

विषे१

अरसः। वि। असि॥ विषं। अप्स्वछाः॥ विषं। इत्। वि। अप्स्वछाः॥ अहिं। एव। अभि॰

अपेहि। तं। जहि॥७॥ अपः। दिव्याः। अव। यिषं। रसेन। सो। अप्स्वहि॥ पयस्वा

न्। अग्ने। आ। अगमं॥ तं। मा। सं। सृज। वर्चसा॥८॥ सं। मा। अग्ने। वर्चसा। सृज॥

सं। प्र॰जया। सं। आ। युषा॥ विद्युः। मे। अस्य। देवाः। इंद्रः। विद्यात्। सह। ऋषि॰

भिः॥९॥ इदं। अपः। प्र। वहत॥ अवद्यं। च। मलं। च। यत्॥ यत्। च। अभि॰दुद्रोह।

अनृतं॥ यत्। च। शेपे। अभीरुणं॥१०॥ एधः। असि। एधिषीय। सं॰इत्। असि। २२०

सं। एधिषीय॥ तेजः। असि। तेजः। मयि। धेहि॥११॥ अपि। वृश्च। पुराण॰वत्॥

१८८

व्रतते॰इव। गुष्पितं॥ ओजः। दासस्य। दंभय॥१२॥ वयं। तत्। अस्य। सं॰भृतं। व

सु। इंद्रेण। वि। भजामहे॥ म्लापयामि। भ्रजः। शिभ्रं। वरुणस्य। व्रतेन। ते॥

॥१३॥ यथा। शेपः। अप॰अयाति॥ स्त्रीषु। च। असत्। अनावयाः॥ अवस्थस्य।

क्नदि॰वतः॥ शांकुरस्य। नि॰तोदिनः॥ यत्। आ॰ततं। अव। तत्। तनु॥ यत्। उ

३त त्॰तं। नि। तत्। तनु॥१४॥ वधा। वत्। विंश॥२३॥ इंद्रः। सु॰त्रामा। स्व॰वान्। अवः॰

भिः॥ सु॰मृडीकः। भवतु। विश्व॰वेदाः॥ बाधतां। द्वेषः। अभयं। नः। कृणोतु॥ सु॰

वीर्यस्य। पतयः। स्याम॥१॥ सः। सु॰त्रामा। स्व॰वान्। इंद्रः। अस्मत्। आरात्। चित्।

द्विषः। सम्ऽनुतः। युयोत॥ तस्य। वयं। सु॰मतौ। यज्ञियस्य॥ अपि। भद्रे। सौमन
से। स्याम॥२॥ इंद्रेण। मन्युना। वयं॥ अभि। स्याम। पृतन्यतः॥ घ्नंतः। वृत्राणि।
अप्रति॥३॥ ध्रुवं। ध्रुवेण। हविषा॥ अव। सोमं। नयामसि॥ यथा। नः। इंद्रः।
केवलीः॥ विशः। सं॰मनसः। करत्॥४॥ उत्। अस्य। श्यावौ। विथुरौ। गृध्रौ।
द्यां॰इव। पेततुः॥ उच्छोचन॰प्रशोचनौ। अस्य॥ उत्॰शोचनौ। हृदः॥५॥ अहं।
एनौ। उत्। अतिष्ठिपं॥ गावौ। श्रांतसदौ॰इव॥ कुर्कुरौ॰इव। कूजंतौ॥ उत्॰
अवंतौ। वृकौ॰इव॥६॥ आ॰तोदिनौ। नि॰तोदिनौ॥ अथो इति। सं॰तोदिनौ। २२५

उत। अपि। नह्यामि। अस्य। मेढ्रं॥ यः। इतः। स्त्री॥ पुमान्। जभार॥७॥ असदन्।
गावः। सदन॥ अपप्तत्। वसतिं। वयः॥ आ॰स्थाने। पर्वताः। अस्थुः॥ स्थाम्नि।
वृक्कौ। अतिष्ठिपं॥१॥ यत्। अद्य। त्वा। प्र॰यति। यज्ञे। अस्मिन्॥ होतः। चिकि
त्वन्। अवृणीमहि। इह॥ ध्रुवं। अयः। ध्रुवं। उत। शविष्ठ॥ प्र॰विद्वान्। यज्ञं। उ
प। याहि। सोमं॥१॥ सं। इंद्र। नः। मनसा। नेष। गोभिः॥ सं। सूरि॰भिः। हरि॰व
न्। सं। स्वस्त्या॥ सं। ब्रह्मणा। देव॰हितं। यत्। अस्ति॥ सं। देवानां। सु॰मतौ।
यज्ञियानां॥१०॥३॥॥ यान्। आ॰अवहः। उशतः। देव। देवान्॥ तान्। प्र। इ

रय। स्वा। अग्ने। सध॰स्थाः। जक्षि॰वांसः। पपि॰वांसः। मधूनि। अस्मै। धत्त। व
सवः। वसूनि॥१८॥ सु॰गाः। वः। देवाः। सदनाः। अकर्म। ये। आ॰जग्म। सवना।
मा। जुषाणाः। वहमानाः। भरमाणाः। स्वा। वसूनि। वसुं। घर्मं। दिवं। आ। रो
हत। अनु॥१९॥ यज्ञ। यज्ञं। गच्छ। यज्ञ॰पतिं। गच्छ। स्वां। योनिं। गच्छ। स्वाहा॥२०॥ एषः।
ते। यज्ञ। यज्ञ॰पते। सह॰सूक्त॰वाकः। सु॰वीर्यः। स्वाहा॥२१॥ वषट्॰हुतेभ्यः।
वषट्। अहुतेभ्यः। देवाः। गातु॰विदः। गातुं। वित्वा। गातुं। इत। मनसः। प
ते। इमं। नः। दिवि। देवेषु। यज्ञं। स्वाहा। दिवि। स्वाहा। पृथिव्यां। स्वाहा। अन्त २२८

१५१

रिक्षे। स्वाहा। वाते। धां। स्वाहा॥२२॥ मां। बर्हिः। अक्तं। हविषा। घृतेन। सं। इन्द्रेण। व
सुना। सं। मरुत्॰भिः। सं। देवैः। विश्वे॰भिः। देवेभिः। अक्तं। इन्द्रं। गच्छतु। हविः।
स्वाहा॥७॥ परि। स्तृणीहि। परि। धेहि। वेदिं। मा। जामिं। मोषीः। अमुया। शया
नां। होतृ॰सदनं। हरितं। हिरण्ययं। निष्काः॥४॥ एते। यजमानस्य। अस्य। लोके।
पा। परि॰आवर्ते। दुः॰स्वप्न्यात्। पापात्। स्वप्न्यात्। अनृत्याः। अप्सा। अहं।
अंतरात्। एव। पराः। स्वप्न॰मुखाः। शुचः॥ [illegible] यत्। स्वप्ने। अन्नं। अश्नामि। न। प्रा
तः। अधि॰गम्यते। सर्वं। तत्। अस्तु। मे। शिवं। नहि। तत्। दृश्यते। दिवा॥१०॥ नमः।

MEMORIAL

त्वा।गोपा।पृथिवी।त्वं।।अंतः।सिद्धाय।मृत्यवे।।मेहामि।ऊर्द्ध्वः।तिष्ठन्।।मा।मा।
हिंसिषुः।ईश्वराः।।११।।एकविंशत्यां।।८।। ।।कः।अस्याः।नः।द्रुहः।अवद्य॰वत्याः।।
उत्।नेष्यति।क्षत्रियः।वस्यः।इच्छन्।।कः।यज्ञ॰कामः।कः।ऊं इति।पूर्ति॰
कामः।।कः।देवेषु।वनुते।दीर्घं।आयुः।।१।।कः।पृश्निं।धेनुं।वरुणेन।दत्तां।।
अथर्वणे।सुदुघां।नित्य॰वत्सां।।बृहस्पतिना।सख्यं।जुषाणः।यथा॰वशं।
तन्वः।कल्पयाति।।२।।अप।कामन्।पौरुषेयात्।।वृणानः।दैव्यं।वचः।।प्र॰
नीतीः।अभि॰आवर्तस्व।।विश्वेभिः।सखि॰भिः।सह।।३।।यतः।अस्मृति।चरम्। 229

१५२

किं।वितः।अग्ने।।उप॰आरिमा।वरणे।जात॰वेदः।।ततः।पाहि।त्वं।नः।।४।।प्र॰चेतसः।।
सुतः।सखि॰त्वं।अमृत॰त्वं।अस्तु।नः।।५।।अव।दिवः।तारयंति।।सप्त।सूर्यस्य।
रश्मयः।।आपः।समुद्रियाः।धाराः।।ताः।नः।शल्यं।असिस्रसन्।।६।।यः।नः।
स्वायत्।दिप्सति।यः।नः।आविः।स्वः।।विद्वान्।अरणः।वा।नः।अग्ने।प्रतीची।
एतु।अरणी।दत्वती।तान्।।मा।एषां।अग्ने।वास्तु।भूत्।मो इति।अपत्यं।।७।।यः।
नः।सुप्तान्।जाग्रतः।वा।अभि॰दासात्।।तिष्ठतः।वा।चरतः।जात॰वेदः।।वैश्वा॰
नरेण।स॰युजा।स॰जोषाः।।तान्।प्रतीचः।निः।दह।जात॰वेदः।।८।।इदं।उग्राय।

वृत्रवो।मैत्रः।यः।अहत्।उतनू०वशी॥घृतेन।कलिं।शिक्षामि॥सः।नः।मृ
डाति।ईदृशे॥८॥घृतं।अप्सराभ्यः।वह।त्वं।अग्ने।पांसून्।अक्षेभ्यः।सिक
ताः।अपः।च॥यथा०भागं।हव्य०दातिं।जुषाणाः॥मदंति।देवाः।उभयानि।ह
व्या॥९॥अप्सरसः।सध०मादं।मदंति।हविः०धानं।अंतरा।सूर्यं।च॥ताः।
मे।हस्तौ।सं।सृजंतु।घृतेन।सप०त्नं।मे।कितवं।रंधयंतु॥१०॥३॥आदिन
वं।प्रति०दीव्ने।घृतेन।अस्मान्।अभि।क्षर॥वृक्षं०इव।अशन्या।जहि।यः।
अस्मान्।प्रति०दीव्यति॥१॥यः।नः।द्युवे।धनं।इदं।चकार।यः।अक्षाणां।ग्ल 228

१४३

हनं।शेषणं।च।सः।नः।देवः।हविः।इदं।जुषाणः॥गंधर्वेभिः।सध०मादं।म
देम॥२॥सं०वसवः।इति।वः।नाम०धेयं।उग्रं०पश्याः।राष्ट्र०भृतः।हि।अ
क्षाः॥तेभ्यः।वः।इंदवः।हविषा।विधेम॥वयं।स्याम।पतयः।रयीणां॥३॥दे
वान्।यत्।नाथितः।हुवे॥ब्रह्म०चर्यं।यत्।ऊषिम॥अक्षान्।यत्।बभ्रून्।
आ०लभे॥ते।नः।मृडंतु।ईदृशे॥४॥अग्ने।इंद्रः।च।दाशुषे।हतः।वृत्राणि।अ
प्रति॥उभा।हि।वृत्रहन्०तमा॥५॥याभ्यां।अजयन्।स्वः।अग्रे।एव।यौ।आ०त
स्थतुः।भुवनानि।विश्वा॥प्र०चर्षणी।इति।प्र०चर्षणी।वृषणा।वज्र०बाहू।इति।वज्र०बा

हंति ॥ अग्निः । इंद्रः । वृत्रऽहन्ना । कु । वा । अहं ॥ घाउपमा । देवाः । अयनीत । वमसे
ना । बृहस्पतिः ॥ इंद्राग्नीऽइति । नः । आ । विश । यजमानाय । सुन्वते ॥७॥ इंद्रस्य । अ
द्धिः । असि । सोमऽधनः ॥ आत्मा । देवानां । उत । मानुष्याणां ॥ इहा । प्रऽजाः ।
जनया । याः । ता । आसु । याः ॥ अन्यत्र । इह । ताः । ते । रमंतां ॥८॥ स्वं । तन्नो । इति । द्यावा
पृथिवी । इति ॥ अंतिऽसुम्ने । इत्यंतिऽसुम्ने । महिव्रते इति महिऽव्रते ॥ आपः । स
प्त । सुस्रुवुः । देवीः ॥ ताः । नः । मुंचंतु । अंहसः ॥ त्वा । मुंचंतु । मत्येका ॥१०॥ दा । दृ २२८
ष्टिकोऽदृष्टऽवंदेन ॥ उत । अमर्माः ॥ ष्टिंधि । दृष्टिकं ॥ यथा । हतऽविष्टा । असि ॥

॥२५८

अमुष्मै । शेष्याऽवते ॥१॥ दृष्टा । असि । दृष्टिका ॥ विषा । विषातकी ॥ असि । अप
सिऽवृत्ता । यथा । असमि ॥ ऊष । तस्य । वृशाऽश्वा ॥२॥ आ । ते । दद । दावत्तणेभ्यः ॥
आ । ते । अहं । हृदयात् । ददे ॥ आ । ते । मुखस्य । संऽकाशात् ॥ सर्वीत् । व
र्चः ॥ आ । ददे ॥३॥ प्रऽहतः । ये । तु । विऽआध्यः ॥ प्राग्रः । तु । ध्वसः । प्रोषि । इति । अस
स्तयः ॥ अग्निः । रक्षस्विनीः । हंतु । सोमः । हंतु । दुरस्यतीः ॥४॥ प्रापता । इतः ।
पापि । लक्ष्मि ॥ नश्य । इतः । प्र । अमुतः । पत ॥ अयस्मयेन । अंकेन ॥ द्विषाते ।
त्वा । आ । सजामसि ॥ पाया । मा । लक्ष्मीः । पतया । लूः । अजुष्टा । अति । वस्कंद ।

वंदनः ०इव। इंद्रं॥ अन्यत्रा। अस्मत्। सवितः। तां। इतः। क्षुः॥ हिरण्य० हस्तः॥
वस्तोनः। रसणः॥ ६। एक० शतं। नृचक्षुः। मर्त्यस्य। साकं॥ तच्चा। जन्तुषः।
अधिजाताः॥ तासां। पापिष्ठाः। निः इतः। प्र। हिएमः॥ शिवाः। अस्मत्यं। जा
त० वेदः। नियच्छ॥ ७। एताः। एनाः। वि० आकरं॥ खिन्नागाः। विष्ठिताः ०इ
वा॥ धारमंतां। पुष्पाः। नृदमीः॥ याः। पापीः। ताः। अनीनशं॥ ८। नमः। क्रूराय।
च्यवनाय॥ वाहनाय। धूम्र। वा॥ नमः। शीताय। पूर्वकाम० कृत्वने॥ ९॥ 230
यः। आन्यघः। उत्तयं० घः। अति० एति। इमं। मंडूकं। अत्ति। एव। अव्रतः॥

१८५

॥१०॥ आ। मुंडिः। इंद्र। हरिं० त्तिः॥ या। हि। म मूरो म० त्तिः॥ मा। चा। को। वित्। वि।
यमन्। विं न। पाशिनः। अति। धन्व। इव। तान्। इहि॥ ११॥ मर्म्माणि॥ त।
वर्म्मणा। छादयामि॥ सोमः। चा। राजा। अमृतेन। अनुवस्ताम्॥ उरोः। व
रीयः। वरुणः॥ ते। कृणोतु॥ जयंतं। चा। अनु। आ। देवाः। मदंतु॥ १२॥ ३॥ अ
नुवाक। अर्थसूक्त १६ अत्यो षोडशा ऋचा ३२ पुरो द्वात्रिंशक उच्याते॥ ॥३॥
श्री संवत् १९८५ वर्षे श्रावण सुदि १५ शुक्रे पं० न कल्पीबहस्य तेन स्व ॥१९६
रितं॥ श्री सेठ शिवसत्य॥ श्रीः॥ ॥श्रीः॥ ॥श्रीः॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीः॥

स्वस्ति श्री

श्री गणेशायनमः

ऋग्वेदशांगवःगावा ।

गो
कौशाकसगोत्र
चोटी मा नो श्रवटंक
वांश्या मात्रऋदालक देवराज तैत्रिप्रवरः रै
शौनकी शाखा
ब्रह्मवेदाय ॥ देवशर्मा ॥ दुआसरदेवा

PAGE(S)MISSING

NOT AVAILBLE

1-149

NOT AVAILABLE

का॰ ८ प्रपा॰ १७ अनु॰ १ [illegible] दशमानुवाक २

आ। राजभिः। अग्ने। लभते। अनु। वरलाम्॥ उरोः। वरीयः। वरुणः। ते। कृणोतु॥ अयम्। तम्। आ। अ-

४ नुमद्वाः॥ [illegible]॥ सप्तमं कांडं समाप्तम्॥ २८॥ छ॥ श्रीः॥ ओं॥ अन्तकाय। मृत्यवे॥

नमः॥ प्राणाः। अपानाः॥ इह। ते। रमन्ताम्॥ इह। अयम्। अस्तु। पुरुषः। सह। असुना॥ सू-

र्यस्य। भागे। अमृतस्य। लोके॥ १ उत्। एनम्। भगः। अग्रभीत्। उत्। एनम्। सोमः। अं-

शुऽमान्॥ उत्। एनम्। मरुतः। देवाः। उत्। इन्द्राग्नी इति। स्वस्तये॥ २ इह। ते। असुः।

इह। प्राणः। इह। आयुः। इह। ते। मनः॥ उत्। त्वा। निःऽऋत्याः। पाशेभ्यः। दैव्याः।

वाचा। भरामसि॥ ३ उत्। क्राम। अतः। पुरुष। मा। अव। पत्थाः। मृत्योः। पड्वीशम्।

अवऽमुंचमानः॥ मा। छित्थाः। अस्मात्। लोकात्। अग्नेः। सूर्यस्य। सम्ऽदृशः॥ ४

तुभ्यम्। वातः। पवताम्। मातरिश्वा। तुभ्यम्। वर्षन्तु। अमृतानि। आपः॥ सूर्यः। ते। त-

न्वे। शम्। तपाति॥ त्वाम्। मृत्युः। दयताम्। मा। प्रऽमेष्ठाः॥ ५ उत्ऽयानम्। ते। पुरुष।

ना॥ अप॰यानम्॥ जीवातुम्॥ ते॥ दक्ष॰तातिम्॥ कृणोमि॥ आ॥ हि॥ रोह॥ इमम्॥ अमृ
तम्॥ सुख॰रथम्॥ रथम्॥ अथ॥ जिर्विः॥ विदथम्॥ आ॥ वदासि॥ ६॥ मा॥ ते॥ मनः॥ तत्र॥ गात्॥
मा॥ तिरः॥ भूत्॥ मा॥ जीवेभ्यः॥ प्र॥ मदः॥ मा॥ अनु॥ गाः॥ पितॄन्॥ विश्वे॥ देवाः॥ अभि॥
रक्षन्तु॥ त्वा॥ इह॥ ७॥ मा॥ गतानाम्॥ आ॥ दीधीथाः॥ ये॥ नयन्ति॥ परा॰वतम्॥ आ॥ रोह॥ त
मसः॥ ज्योतिः॥ आ॥ इहि॥ आ॥ ते॥ हस्तौ॥ रभामहे॥ ८॥ श्यामः॥ च॥ त्वा॥ मा॥ शबलः॥ च॥ मा॥
प्र॰इषितौ॥ यमस्य॥ यौ॥ पथि॰रक्षी॥ इति॥ पथि॰रक्षी॥ श्वानौ॥ अर्वाङ्॥ आ॥ इहि॥ मा॥
वि॥ दीध्यः॥ मा॥ अत्र॥ तिष्ठः॥ पराक्॰मनाः॥ ९॥ मा॥ एतम्॥ पन्थाम्॥ अनु॥ गाः॥ भीमः॥ ए
षः॥ येन॥ पूर्वम्॥ न॥ इयथ॥ तम्॥ ब्रवीमि॥ तमः॥ एतत्॥ पुरुष॥ मा॥ प्र॥ पत्थाः॥ भयम्॥ प
रस्तात्॥ अभयम्॥ ते॥ अर्वाक्॥ १०॥ ७॥ १॥ रक्षन्तु॥ त्वा॥ अग्नयः॥ ये॥ अप्॰सु॥ अन्तः॥ १५०
रक्षतु॥ त्वा॥ मनुष्याः॥ यम्॥ इन्धते॥ वैश्वानरः॥ रक्षतु॥ जात॰वेदाः॥ दिव्यः॥ त्वा॥ मा॥ प्र

धाक्॥ विद्युता॥ सह॥ ११॥ मा॥ त्वा॥ क्रव्य॰अत्॥ अभि॥ मंस्त॥ आरात्॥ सम्॰कसुकात्॥
चर॥ रक्षतु॥ त्वा॥ द्यौः॥ रक्षतु॥ पृथिवी॥ सूर्यः॥ च॥ त्वा॥ रक्षताम्॥ चन्द्रमाः॥ च॥ अन्तरिक्षम्॥
रक्षतु॥ देव॰हेत्याः॥ १२॥ बोधः॥ च॥ त्वा॥ प्रति॰बोधः॥ च॥ रक्षताम्॥ अस्वप्नः॥ च॥ त्वा॥
अनव॰द्राणः॥ च॥ रक्षताम्॥ गोपायन्॥ च॥ त्वा॥ जागृविः॥ च॥ रक्षताम्॥ ते॥ त्वा॥ रक्ष
न्तु॥ ते॥ त्वा॥ गोपायन्तु॥ तेभ्यः॥ नमः॥ तेभ्यः॥ स्वाहा॥ १३॥ जीवेभ्यः॥ त्वा॥ सम्॰उदे॥ वायुः॥ इन्द्रः॥
धाता॥ दधातु॥ सविता॥ त्रायमाणः॥ मा॥ त्वा॥ प्राणः॥ बलम्॥ हासीत्॥ असुम्॥ ते॥ अनु॥ ह्व
यामसि॥ १४॥ मा॥ त्वा॥ जम्भः॥ सम्॰हनुः॥ मा॥ तमः॥ विदत्॥ मा॥ जिह्वा॥ आ॥ बर्हिः॥ प्र॰मयुः॥ कथा॥
स्याः॥ १५॥ उत्॥ त्वा॥ आदित्याः॥ वसवः॥ भरन्तु॥ उत्॥ इन्द्राग्नी इति॥ स्वस्तये॥ उत्॥ त्वा॥ द्यौः
॥ उत्॥ पृथिवी॥ उत्॥ प्रजा॰पतिः॥ अग्रभीत्॥ उत्॥ त्वा॥ मृत्योः॥ ओषधयः॥ सोम॰राज्ञीः॥
अपीपरन्॥ १७॥ अयम्॥ देवाः॥ इह॥ एव॥ अस्तु॥ अयम्॥ मा॥ अमुतः॥ गात्॥ इतः॥ इमम्॥ सहस्र
॰वीर्येण॥ मृत्योः॥ उत्॥ पारयामसि॥ १८॥ उत्॥ त्वा॥ मृत्योः॥ अपीपरम्॥ सम्॥ धमन्तु॥ व

५६८

यः०धस्मः॥ मा। आ। व्यस्तः०केशप्रा॥ मा। आ। अघ०रुदः। रुदन्॥ आ। हि। धर्म। आवि-
दम्। आ। पुनः। आ। अगाः। पुनः०नवः॥ सर्व०अंगा। सर्वम्। ते। चक्षुः। सर्वम्। आयुः
ः। च। ते। अविदम्॥ १०॥ वि। अवात्। ते। ज्योतिः। अभूत्। अप। त्वत्। तमः। अक्रमीत्। अ-
प। त्वत्। मृत्युम्। निःऽऋतिम्। अप। यक्ष्मम्। नि। दध्मसि॥ ११॥ ७॥ र॥ आ। रभस्व। इ-
माम्। अमृतस्य। श्नुष्टिम्। अच्छिद्यमाना। जरत्०अष्टिः। अस्तु। ते। असुम्। ते। आ-
युः। पुनः। आ। भरामि। रजः। तमः। मा। उप। गाः। मा। प्र। मेष्ठाः॥ १॥ जीवताम्। ज्योतिः।
अभि०एहि। अर्वाङ्। आ। त्वा। हरामि। शत०शारदाय। अव०मुञ्चन्। मृत्यु०पाशान्।
अशस्तिम्। द्राघीयः। आयुः। प्र०तरम्। ते। दधामि॥ २॥ वातात्। ते। प्राणम्। अविद- ७५१
म्। सूर्यात्। चक्षुः। अहम्। तव। यत्। ते। मनः। त्वयि। तत्। धारयामि। सम्। विश्वैः। अं-
गैः। वद। जिह्वया। अलपन्॥ ३॥ प्राणेन। त्वा। द्विऽपदाम्। चतुःऽपदाम्। अग्निम्०इव।
जातम्। अभि। सम्। धमामि। नमः। ते। मृत्यो इति। चक्षुषे। नमः। प्राणाय। ते। अकरम्॥

पर

सूर

अयम्। जीवतु। मा। मृत। इमम्। सम्। ईरयामसि। कृणोमि। अस्मै। भेषजम्। मृ-
त्यो इति। मा। पुरुषम्। वधीः॥ ५॥ जीवलाम्। नघ०रिषाम्। जीवन्तीम्। ओषधीम्। अहम्। अप२
त्रायमाणाम्। सहमानाम्। सहस्वतीम्। इह। हुवे। अस्मै। अरिष्ट०तातये॥ ६॥
४७-१ अधि। ब्रूहि। मा। आ। रभथाः। सृज। इमम्। तव। एव। सन्। सर्व०हायाः। इह। अस्तु॥
भवाशर्वौ। मृडतम्। शर्म। यच्छतम्। अप०सिध्य। दुः०इतम्। धत्तम्। आयुः॥ ७॥
अस्मै। मृत्यो इति। अधि। ब्रूहि। इमम्। दयस्व। उत्। इतः। अयम्। एतु॥ अरिष्टः।
सर्व०अंगः। सु०श्रुत्। जरसा। शत०हायनः। आत्मना। भुजम्। अश्नुताम्॥ ८॥
देवानाम्। हेतिः। परि। त्वा। वृणक्तु। पारयामि। त्वा। रजसः। उत्। त्वा। मृत्योः। अपी-
परम्॥ आरात्। अग्निम्। क्रव्य०अदम्। निः०ऊहम्। जीवा०तवे। ते। परि०धिम्।
दधामि॥ ९॥ यत्। ते। नि०यानम्। रजसम्। मृत्यो इति। अनव०धर्ष्यम्॥ पथः। इमम्। तस्मा-
त्। रक्षन्तः। ब्रह्म। अस्मै। वर्म। कृण्मसि॥ १०॥ ८॥ र॥ कृणोमि। ते। प्राणापानौ। जराम्।

रि

मृत्युम्।दीर्घम्।आयुः।स्वस्ति॥वैवस्वतेन।प्रऽहितान्।यमऽदूतान्।चरतः।अप।सेधा
मि।सर्वान्॥आरात्।आरात्।निःऽऋतिम्।पराः।ग्राहिम्।क्रव्यऽअदः।पिशाचान्॥
रक्षः।यत्।सर्वम्।दुःऽभूतम्।तत्।तमःऽइव।अप।हन्मसि॥२॥अग्नेः।ते।प्राणम्।अमृ
तात्।आयुष्मतः।वन्वे।जातऽवेदसः॥यथा।न।रिष्याः।अमृतः।सऽजूः।असः।तत्
ते।कृणोमि।तत्।ऊं इति।ते।सम्।ऋध्यताम्॥३॥शिवे इति।ते।स्ताम्।द्यावापृ
थिवी इति।असंतापे इति।अभिश्रियौ।शम्।ते।सूर्यः।आ।तपतु।शम्
वातः।वातु।ते।हृदे॥शिवाः।अभि।क्षरन्तु।त्वा।आपः।दिव्याः।पयस्वतीः॥४॥शि
वाः।ते।सन्तु।ओषधयः॥उत्।त्वा।अहार्षम्।अधरस्याः॥उत्ऽतराम्।पृथिवीम्।अधि॥
तत्र।त्वा।आदित्यौ।रक्षताम्॥सूर्याचन्द्रमसौ।उभा॥५॥यत्।ते।वासः।परिऽधानम्॥ १५।
याम्।नीविम्।कृणुषे।त्वम्॥शिवम्।ते।तन्वे।तत्।कृण्मः।संऽस्पर्शम्।अद्रूक्ष्णम्।अ
स्तु।ते॥६॥यत्।क्षुरेण।मर्चयता।सुऽतेजसा।वप्ता।वपसि।केशऽश्मश्रु॥शुभम्।मुखम्।

रक्षम्।मा।नः।आयुः।प्र।मोषीः॥७॥शिवौ।ते।स्ताम्।व्रीहिऽयवौ।अबलासौ।अदोमधौ॥
एतौ।यक्ष्मम्।वि।बाधेते इति।एतौ।मुञ्चतः।अंहसः॥यत्।अश्नासि।पिबसि।धान्यम्
॥धान्यम्।कृष्याः।पयः।यत्।आद्यम्।यत्।अनाद्यम्॥सर्वम्।ते।अन्नम्।अविषम्।कृणोमि॥
॥८॥अह्ने।च।त्वा।रात्रये।च।उभाभ्याम्।परि।दद्मसि॥अरायेभ्यः।जिघत्सुभ्यः।इ
मम्।मे।परि।रक्षत॥९॥शतम्।ते।अयुतम्।हायनान्।द्वे इति।युगे इति।त्रीणि।
चत्वारि।कृण्मः॥इन्द्राग्नी इति।विश्वे।देवाः।ते।अनु।मन्यन्ताम्।अहृणीयमानाः॥१०॥श
रदे।त्वा।हेमन्ताय।वसन्ताय।ग्रीष्माय।परि।दद्मसि॥वर्षाणि।तुभ्यम्।स्योनानि।येषु।
वर्धन्ते।ओषधीः॥११॥मृत्युः।ईशे।द्विऽपदाम्।मृत्युः।ईशे।चतुःऽपदाम्॥तस्मात्।त्वाम्।
मृत्योः।गोऽपतेः।उत्।भरामि।सः।मा।बिभेः॥१२॥सः।अरिष्टः।न।मरिष्यसि।न।मरिष्य
सि।मा।बिभेः॥न।वै।तत्र।म्रियन्ते।नो इति।यन्ति।अधमम्।तमः॥१३॥सर्वः।वै।तत्र।जीवति।
गौः।अश्वः।पुरुषः।पशुः॥यत्र।इदम्।ब्रह्म।क्रियते।परिऽधिः।जीवनाय।कम्॥परि

प्रथमोऽनुवाकः।५

आ। पातु। समाने। अहः॥ अपि। धाराः। सर्वधुः। अप्रमृष्टिः। मृत्युः। तस्य। अपि। जीवः॥ मा। तु
दात्। स्रिसुः॥ असुः। शरीरम्॥ ६॥ ये। मृत्यवः। एकम्ऽशतम्॥ याः। नाष्ट्राः॥ अतिऽतार्याः॥ मुं
चन्तु। तस्मात्। याम्। देवाः॥ अग्नेः। वैश्वानरात्। अधि॥ ७॥ अग्नेः। शरीरम्॥ असि। पार
यिष्णु। रक्षःऽहा। असि। सपत्नऽहा॥ अथो इति। अमीवऽचातनः॥ पूतद्रुः। नाम। भेषजम्
म्॥ ८॥ ७॥ रक्षःऽहनम्॥ वाजिनम्। आ। जिघर्मि॥ मित्रम्। प्रथिष्ठम्। उप। यामि। शर
र्म॥ शिशानः। अग्निः॥ क्रतुऽभिः। सम्ऽइद्धः॥ सः। नः। दिवा। सः। रिषः। पातु। नक्तम्॥ १॥
अयःऽदंष्ट्रः। अर्चिषा। यातुऽधानान्। उप। स्पृश। जातऽवेदः। सम्ऽइद्धः॥ आ। जिह्वया।
मूरऽदेवान्। रभस्व॥ क्रव्यऽअदः। वृष्ट्वी। अपि। धत्स्व। आसन्॥ २॥ उभा। उभयाविन्
उप। धेहि। दंष्ट्रौ॥ हिंस्रः। शिशानः। अवरम्। परम्। च॥ उत। अन्तरिक्षे। परि। याहि। अग्ने॥ १५
जम्भैः। सम्। धेहि। अभि। यातुऽधानान्॥ ३॥ अग्ने। त्वचम्। यातुऽधानस्य। भिन्धि
हिंस्रा। अशनिः। हरसा। हन्तु। एनम्॥ प्र। पर्वाणि। जातऽवेदः। शृणीहि॥ क्रव्यऽअत्।

क्रविष्णुः। वि। चिनोतु। वृक्णम्॥ ४॥ यत्र। इदानीम्। पश्यसि। जातऽवेदः। तिष्ठन्तम्। अग्ने
उत वा। चरन्तम्॥ उत। अन्तरिक्षे। पतन्तम्॥ यातुऽधानम्। तम्। अस्ता। विध्य। शर्वा २०
शिशानः॥ ५॥ उत। आऽभृतैः। इषुम्। सम्ऽनममानः॥ अग्ने। वाचा। शल्यान्। अशनिऽभिः। दिहा
नः॥ ताभिः। विध्य। हृदये। यातुऽधानान्॥ प्रतीचः। बाहून्। प्रति। भङ्ग्धि। एषाम्॥ ६॥ उत
आऽरब्धान्। स्पृणुहि। जातऽवेदः॥ उत। आऽरेभाणान्। ऋष्टिऽभिः। यातुऽधानान्॥ अग्ने
पूर्वः। नि। जहि। शोशुचानः। आमऽअदः। क्ष्विङ्काः। तम्। अदन्तु। एनीः॥ ७॥ इह। प्र। ब्रूहि
यतमः। सः। अग्ने। यातुऽधानः। यः। इदम्। कृणोति॥ तम्। आऽरभस्व। सम्ऽइधा। यविष्ठ
४ नृऽचक्षसः। चक्षुषे। रन्धय। एनम्॥ ८॥ तीक्ष्णेन। अग्ने। चक्षुषा। रक्ष। यज्ञम्॥ प्राञ्चम् व-
वसुऽभ्यः। प्र। नय। प्रऽचेतः॥ हिंस्रम्। रक्षांसि। अभि। शोशुचानम्॥ मा। त्वा। दभन्।
यातुऽधानाः। नृऽचक्षः॥ ९॥ नृऽचक्षाः। रक्षः। परि। पश्य। विक्षु। तस्य। त्रीणि। प्रति। शृ
णीहि। अग्रा। तस्य। अग्ने। पृष्टीः। हरसा। शृणीहि। त्रेधा। मूलम्। यातुऽधानस्य। वृ

अ॥१०॥७॥६॥ त्रिः। यातुऽधानः। प्रऽसितिम्। ते। एतु। ऋतम्। यः। अग्ने। अनृतेन।
हन्ति। तम्। अर्चिषा। स्फूर्जयन्। जातऽवेदः। समऽअक्षम्। एनम्। गृणते। नि। वृङ्धि।
यत्। अग्ने। अद्य। मिथुना। शपतः। यत्। वाचः। तृष्टम्। जनयन्त। रेभाः। मन्योः। मनसः।
शरव्या। जायते। या। तया। विध्य। हृदये। यातुऽधानान्॥ परा। शृणीहि। तपसा। यातु-
ऽधानान्। परा। अग्ने। रक्षः। हरसा। शृणीहि। परा। अर्चिषा। मूरऽदेवान्। शृणीहि।
अ परा। असुऽतृपः। शोशुचतः। शृणीहि॥ परा। अद्य। देवाः। वृजिनम्। शृणन्तु। प्रत्यक्।
एनम्। शपथाः। यन्तु। तृष्टाः। वाचाऽस्तेनम्। शरवः। ऋच्छन्तु। मर्मन्। विश्वस्य। एतु।
प्रऽसितिम्। यातुऽधानः॥ यः। पौरुषेयेण। क्रविषा। समऽअङ्क्ते। यः। अश्व्येन। पशुना।
यातुऽधानः। यः। अघ्न्यायाः। भरति। क्षीरम्। अग्ने। तेषाम्। शीर्षाणि। हरसा।
अपि। वृश्च॥ विषम्। गवाम्। यातुऽधानाः। भरन्ताम्। आ। वृश्चन्ताम्। अदितये। दुःऽ-
एवाः। परा। एनान्। देवः। सविता। ददातु। परा। भागम्। ओषधीनाम्। जयन्ताम्॥ स-

शो

री मु॰वत्सरीणम्। पयः। उस्रियायाः। तस्य। मा। अशीत्। यातुऽधानः। नृऽचक्षः॥ पीयूषम्।
अग्ने। यतमः। तितृप्सात्। तम्। प्रत्यञ्चम्। अर्चिषा। विध्य। मर्मणि॥७॥ सना। दस्वद्र। ध्येयस
अमानः। अग्ने। अधरात्। उदक्तात्। त्वम्। पश्चात्। उत। रक्ष। पुरस्तात्। प्रति। ते। ते। अ-
जरासः। तपिष्ठाः। अघऽशंसम्। शोशुचतः। दहन्तु॥ पश्चात्। पुरस्तात्। अधरात्। उत्।
उत्ऽतरात्। कविः। काव्येन। परि। पाहि। अग्ने॥ सखा। सखायम्। अजरः। जरिम्णे। अग्ने।
मर्तान्। अमर्त्यः। त्वम्। नः॥११॥७॥७॥ तत्। अग्ने। चक्षुः। प्रति। धेहि। रेभे। शफऽआरुज-
॥ येन। पश्यसि। यातुऽधानम्॥ अथर्वऽवत्। ज्योतिषा। दैव्येन॥ सत्यम्। धूर्वन्तम्। अचि-
तम्। नि। ओष॥ परि। ... विषेण। भङ्गुरऽवतः॥ प्रति। स्म। रक्षसः। दह। अग्ने।
तिग्मेन। शोचिषा। तपुःऽअग्राभिः। अर्चिःऽभिः॥२॥ वि। ज्योतिषा। बृहता। भाति। अग्निः॥
आविः। विश्वानि। कृणुते। महिऽत्वा॥ प्र। अदेवीः। मायाः। सहते। दुःऽएवाः॥ शिशीते।
शृङ्गे इति। रक्षसे। विऽनिक्षे॥८॥ त्य इति। नु। शृङ्गे इति। अजरे इति। जातऽवेदः॥ ति

ग्नाः स्ती इति त्रिग्म॰दस्ती ॥ अर्हत्संशिता इति अर्हत्॰संशिता ॥ ता। यातुऽधानम्। दुःऽहार्द्माः। प्र
ति॰दासंतम्। किमीदिनम्॥ त्रयः। चमूः। अर्चिक्षता। नु॰वृहः॥ धिनिरुद्धः॥ प्र। अग्निः। रक्षां
सि। सेधति। शुक्र॰शोचिः। अमर्त्यः॥ शुचिः। पावकः। ईड्यः॥ १॥ ॥ इंद्रासोमा। त
पतम्। रक्षः। उब्जतम्। नि। अर्पयतम्। वृषणा। तमः॰वृधः। परा। शृणीतम्। अचितः।
नि। ओषतम्। हतम्। नुदेथाम्। नि। शिशीतम्। अत्रिणः॥१॥ इंद्रासोमा। सम्। अघ॰शं
सम्। अभि। अघम्॥ तपुः। ययस्तु। चरुः। अग्निवान्॰इव॥ ब्रह्म॰द्विषे। क्रव्य॰अ
दे। घोर॰चक्षसे॥ द्वेषः। धत्तम्। अनवायम्। किमीदिने॥२॥ इंद्रासोमा। दुः॰कृतः।
वव्रे। अन्तः॥ अनारंभणे। तमसि। प्र। विध्यतम्॥ यथा। न। अतः। पुनः। एकः। च
न। उत्॰अयत्॥ तत्। वाम्। अस्तु। सहसे। मन्यु॰मत्। शवः॥३॥ इंद्रासोमा। वर्तय
तम्। दिवः। वधम्॥ सम्। पृथिव्याः। अघ॰शंसाय। तर्हणम्॥ उत्। तक्षतम्। स्वर्य
म्। पर्वतेभ्यः॥ येन। रक्षः। वावृधानम्। नि॰जूर्वथः॥४॥ इंद्रासोमा। वर्तयतम्। १५५

दिवः। परि। अग्नि॰तप्तेभिः। युवम्। अश्मन्हन्म॰भिः॥ तपुः॰वधेभिः। अजरेभिः। अ
त्रिणः। नि। पर्शाने। विध्यतम्। यन्तु। नि॰स्वरम्॥५॥ इंद्रासोमा। परि। वाम्। भूतु। विश्वतः॥
इयम्। मतिः। कक्ष्या। अश्वा॰इव। वाजिना॥ याम्। वाम्। होत्राम्। परि॰हिनोमि। मेधया॥
इमा। ब्रह्माणि। नृपतीइवेति नृपती॰इव। जिन्वतम्॥६॥ प्रति। स्मरेथाम्। तुजयत्
॰भिः। एवैः॥ हतम्। द्रुहः। रक्षसः। भंगुर॰वतः॥ इंद्रासोमा। दुः॰कृते। मा। सु॰गम्। भूत्।
यः। मा। कदा। चित्। अभि॰दासति। द्रुहः॥७॥ यः। मा। पाकेन। मनसा। चरन्तम्॥ अभि॰
चष्टे। अनृतेभिः। वचः॰भिः॥ आपः॰इव। काशिना। सम्॰गृभीताः॥ असन्। अस्तु।
असतः। इंद्र। वक्ता॥८॥ ये। पाक॰शंसम्। वि॰हरन्ते। एवैः॥ ये। वा। भद्रम्। दूषयन्ति।
स्वधाभिः॥ अहये। वा। तान्। प्र॰ददातु। सोमः॥ आ। वा। दधातु। निः॰ऋतेः। उप॰स्थे॥
यः। नः। रसम्। दिप्सति। पित्वः। अग्ने। यः। अश्वानाम्। यः। गवाम्। यः। तनूनाम्॥ रिपुः। स्तेनः।

स्तेय॰ सत् । दक्षम् । एतु ॥ नि । सः । हीयताम् । तन्वा । तना । च ॥ १ ॥ ७ ॥ ८ ॥ पुरः । स ॥ अस्तु ।
तन्वा । तना । च ॥ तिस्रः । पृथिवीः । अधः । अस्तु । विश्वाः ॥ प्रति । शुष्यतु । यशः । अस्य । देवाः ॥
यः । माम् । दिवा । दिप्सति । यः । च । नक्तम् ॥ ॥ शत्रुं विशानम् । चिकित्वः । जनाय । सत् । च । अ
सत् । च । वचसी इति । पस्पृधाते इति ॥ तयोः । यत् । सत्यम् । यतरत् । ऋजीयः । तत् । इत् ।
सोमः । अवति । हंति । असत् ॥ न । वै । ऊं इति । सोमः । वृजिनं । हिनोति ॥ न । क्षत्रियम् ।
मिथुया । धारयंतम् ॥ हंति । रक्षः । हंति । असत् । वदंतम् । उभौ । इंद्रस्य । प्रसितौ । शयाते
इति ॥ २ ॥ यदि । वा । अहम् । अनृत॰देवः । अस्मि । मोघम् । वा । देवान् । अपि॰ऊहे । अ
ग्ने ॥ किम् । अस्मभ्यम् । जात॰वेदः । हृणीषे । द्रोघ॰वाचः । ते । निः॰ऋथम् । सचन्ताम् ॥ ७५
॥ अद्य । मुरीय । यदि । यातु॰धानः । अस्मि । यदि । वा । आयुः । ततप । पुरुषस्य ॥ अध ।
सः । वीरैः । दश॰भिः । वि । यूयाः ॥ यः । मा । मोघम् । यातु॰धान । इति । आह ॥ यः । मा ।

अयातु॰धानम् । यातु॰धान॰ इति । आह ॥ यः । वा । रक्षाः । शुचिः । अस्मि । इति । आह ॥ इंद्रः । तम् ।
हंतु । महता । वधेन ॥ विश्वस्य । जंतोः । अधमः । पदीष्ट ॥ प्र । या । जिगाति । खर्गला॰
इव । नक्तम् । अप॰द्रुहा । तन्वम् । गूहमाना ॥ वव्रान् । अनंतान् । अव । सा । पदीष्ट ॥
ग्रावाणः । घ्नंतु । रक्षसः । उप॰अब्दैः ॥ वि । तिष्ठध्वम् । मरुतः । विक्षु । इच्छत ॥ गृभायत ।
रक्षसः । सम् । पिनष्टन ॥ वयः । ये । भूत्वी । पतयंति । नक्त॰भिः ॥ ये । वा । रिपः । दधिरे ।
देवे । अध्वरे ॥ प्र । वर्तय । दिवः । अश्मानम् । इंद्र ॥ सोम॰शितम् । मघ॰वन् । सम् । शि
शाधि ॥ प्राक्तात् । अपाक्तात् । अधरात् । उदक्तात् ॥ अभि । जहि । रक्षसः । पर्वतेन ॥ एते ।
उ । त्ये । इति । पतयंति । श्व॰यातवः ॥ इंद्रम् । दिप्संति । दिप्सवः । अदाभ्यम् ॥ शिशी
ते । शक्रः । पिशुनेभ्यः । वधम् । नूनम् । सृजत् । अशनिम् । यातु॰मत्॰भ्यः ॥ १ ॥ ७ ॥ १० ॥
इंद्रः । यातूनाम् । अभवत् । पराशरः ॥ हविः॰मथीनाम् । अभि । आ॰विवासताम् ॥ अभि ।
इत् । ऊं इति । शक्रः । परशुः । यथा । वनम् । पात्रा॰इव । भिंदन् । सतः । एति । रक्षसः ॥ १

१९३

उ॰रूस्क॰ध्यातुम्। अ॒शु॒गुन्न्‌ऋ॰पातुम्। जुहि। अप॰यस्तुम्। उत। को॰र॰यातुम्॥ स्तु पूर्व॰
यस्तुम्। उत। गृध्र॰यातुम्। सुपर्ण॰इव। प्र। मृण। रक्षः। इन्द्र॥ मा। नः। रक्षः। अभि। न
ट्। यातुम॰मावताम्। अप। उच्छतु। मिथुना। या। किमीदिना॥ पृथिवी। नः। पार्थिवात्। पा
तु। अंहसः॥ अन्तरिक्षम्। दिव्यात्। पातु। अस्मान्॥ इन्द्र। जहि। पुमांसम्। यातु॰धा
नम्। उत। स्त्रियम्। मायया। शाशदानाम्॥ वि॰ग्रीवासः। मूर॰देवाः। ऋदन्तु। मा। ते। दृ
शन्। सूर्यम्। उत॰चरन्तम्॥ प्रति। चक्ष्व। वि। चक्ष्व। इन्द्रः। च। सोम। जागृतम्॥ रक्षो
भ्यः। वधम्। अस्यतम्। अशनिम्। यातुमत्॰भ्यः॥ ५॥ ७॥ ११॥ अयम्। प्रति॰सरः। म
णिः। वीरः। वीराय। बध्यते। वीर्य॰वान्। सपत्न॰हा। शूर॰वीरः। परि॰पानः। सु॰
मङ्गलः॥ १॥ अयम्। मणिः। सपत्न॰हा। सु॰वीरः। सहस्वान्। वाजी। सहमानः। उग्रः।
प्रत्यक्। कृत्याः। दूषयन्। एति। वीरः॥ अनेन। इन्द्रः। मणिना। वृत्रम्। अहन्। अने
न। असुरान्। परा। अभावयत्। मनीषी। अनेन। अजयत्। द्यावापृथिवी इति। उभे

इमे इति। अनेन। अजयत्। प्र॰दिशः। चतस्रः॥ अयम्। स्राक्त्यः। मणिः। प्रति॰
वर्तः। प्रति॰सरः॥ ओजस्वान्। वि॰मृधः। वशी। सः। अस्मान्। पातु। सर्वतः॥ ४॥ तत्। अग्नि
ः। आह। तत्। ऊं इति। सोमः। आह। बृहस्पतिः। सविता। तत्। इन्द्रः॥ ते। मे। देवाः। पु
रः॰हिताः। प्रतीचीः। कृत्याः। प्रति॰सरैः। अजन्तु॥ ५॥ अन्तः। दधे। द्यावापृथिवी इति।
उत। अहः। उत। सूर्यम्॥ ते। मे। देवाः। पुरः॰हिताः। प्रतीचीः। कृत्याः। प्रति॰सरैः। अ
जन्तु॥ ६॥ ये। स्राक्त्यम्। मणिम्। जनाः। वर्माणि। कृण्वते॥ सूर्यः॰इव। दिवम्। आ॰रुह्य। वि।
कृत्याः। बाधते। वशी॥ ७॥ स्राक्त्येन। मणिना। ऋषिणा॰इव। मनीषिणा। अजैषम्। सर्वाः।
पृतनाः॥ वि। मृधः। हन्मि। रक्षसः॥ ८॥ याः। कृत्याः। आङ्गिरसीः। याः। कृत्याः। आसुरी
ः। याः। कृत्याः। स्वयम्॰कृताः। याः। ऊं इति। च। अन्येभिः। आ॰भृताः॥ उभयीः। ताः। प
रा। यन्तु। परा॰वतः। नवतिम्। नाव्याः। अति॥ ९॥ अस्मै। मणिम्। वर्म। बध्नन्तु। देवाः। इन्द्र
ः। विष्णुः। सविता। रुद्रः। अग्निः॥ प्रजा॰पतिः। परमे॰स्थी। वि॰राट्। वैश्वानरः। ऋषयः

सा॒स्तृतः॥१०॥७॥१२॥ उत्तऽतमः। असि। ओषधीनाम्। अनड्वान्। जगताम्ऽइव। व्याघ्रः।
श्वपदाम्ऽइव। यम्। ऐच्छाम। अविदाम। तम्। प्रतिऽस्पाशनम्। अन्तितम्॥१॥ सः। इत्। व्या
घ्रः। भवति। अथो इति। सिंहः। अथो इति। वृषा। अथो इति। सपत्नऽकर्शनः। यः। बिभर्ति। इ
मम्। मणिम्॥२॥ न। एनम्। घ्नन्ति। अप्सरसः। न। गन्धर्वाः। न। मर्त्याः। सर्वाः। दिशः। वि। राजति।
यः। बिभर्ति। इमम्। मणिम्॥३॥ कश्यपः। त्वाम्। असृजत। कश्यपः। त्वा। सम्। ऐरयत।
अबिभः। त्वा। इन्द्रः। मानुषे। बिभ्रत्। सम्ऽश्रेषिणे। अजयत्। मणिम्। सहस्रऽवीर्यम्।
वर्म। देवाः। अकृण्वत॥४॥ यः। त्वा। कृत्याभिः। यः। त्वा। दीक्षाभिः। यज्ञैः। यः। त्वा। जिघांसति।
प्रत्यक्। त्वम्। इन्द्र। तम्। जहि। वज्रेण। शतऽपर्वणा॥५॥ अयम्। इत्। वै। प्रतिऽवर्तः। १८
ओजस्वान्। सम्ऽजयः। मणिः। प्रऽजाम्। धनम्। च। रक्षतु। परिऽपाणः। सुऽमङ्गलः॥६॥ १५०
असपत्नम्। नः। अधरात्। असपत्नम्। नः। उत्तरात्। इन्द्र। असपत्नम्। नः। पश्चात्।
ज्योतिः। शूर। पुरः। कृधि॥७॥ वर्म। मे। द्यावापृथिवी इति। वर्म। अहः। वर्म। सूर्यः। वर्म।

मे। इन्द्रः। च। अग्निः। च। वर्म। धाता। दधातु। मे॥८॥ ऐन्द्राग्नम्। वर्म। बहुलम्। यत्। उग्रम्। वि
श्वे। देवाः। न। अतिऽविध्यन्ति। सर्वे। तत्। मा। तनूम्। त्रायताम्। सर्वतः। बृहत्। आयुष्मा
न्। जरत्ऽअष्टिः। यथा। असानि॥९॥ आ। मा। अरुक्षत्। देवऽमणिः। मह्यै। अरिष्टऽतातये।
इमम्। मेथिम्। अभिऽसंविशध्वम्। तनूऽपानम्। त्रिऽवरूथम्। ओजसे॥१०॥ अस्मिन्।
इन्द्रः। नि। दधातु। नृम्णम्। इमम्। देवासः। अभिऽसंविशध्वम्। दीर्घायुऽत्वाय। शतऽशा
रदाय। आयुष्मान्। जरत्ऽअष्टिः। यथा। असत्॥११॥ स्वस्तिऽदाः। विशाम्। पतिः। वृत्रऽ
हा। विऽमृधः। वशी। इन्द्रः। बध्नातु। ते। मणिम्। जिगीवान्। अपराऽजितः। सोमऽपाः। अ
भयम्ऽकरः। वृषा। सः। त्वा। रक्षतु। सर्वतः। दिवा। नक्तम्। च। विश्वतः॥१२॥७॥१३॥ यो
तो। माता। उतऽमर्माऽगा। जाता। यस्य। पतिऽवेदनौ॥ कुंभऽनामा। तन्मा। गृधतु। अभिऽनिंश
। उत। वृष्ऽणः॥१॥ पुनः। अनुऽअनुपश्यतो। शाकी। नो। को। अमु॥ न। लिखतु। समा। पुनः। अ
वमु॥ मा। श्रेष्मा। वर्षिऽवासस्य॥ रूसऽग्रीवमु। मुऽमोलिनम्॥२॥ मा। समा। सम। उ

८६ १५

सृपः ।। ऊरू इति । मा । अव । सृपः । अन्तरा ।। कृणोमि । अस्यै । भेषजम् । बजम् । दुः॰नाम॰चा-
तनम् ।।३।। दुः॰नामा । च । सु॰नामा । च । उभा । सम्॰वृतम् । इच्छतः ।। अरायान् । अप । हन्-
मः ।। सु॰नामा । स्त्रैणम् । इच्छताम् ।।४।। यः । कृष्णः । केशी । असुरः । स्तम्ब॰जः । उत । तुण्डि-
कः ।। अरायान् । अस्याः । मुष्काभ्याम् । भंससः । अप । हन्मसि ।।५।। अनु॰जिघ्रम् । प्र॰मृ-
शन्तम् ।। क्रव्य॰अदम् । उत । रेरिहम् ।। अरायान् । श्व॰किष्किणः । बजः । पिङ्गः । अ-
नीनशत् ।।६।। यः । त्वा । स्वप्ने । नि॰पद्यते ।। भ्राता । भूत्वा । पिता॰इव । च ।। बजः । तान् ।
सहताम् । इतः ।। क्लीब॰रूपान् । तिरीटिनः ।।७।। यः । त्वा । स्वपन्तीम् । त्सरति ।। यः । त्वा । दि-
प्सति । जाग्रतीम् ।। छायाम्॰इव । प्र । तान् । सूर्यः ।। परि॰क्रामन् । अनीनशत् ।।८।। यः । कृ-
णोति । मृत॰वत्साम् । अव॰तोकाम् । इमाम् । स्त्रियम् ।। तम् । ओषधे । त्वम् । नाशय । अ-
स्याः । कमलम् । अञ्जिवम् ।।९।। ये । शालाः । परि॰नृत्यन्ति ।। सायम् । गर्दभ॰नादिनः ।।
कुसूलाः । ये । च । कुक्षिलाः ।। ककुभाः । करुमाः । स्रिमाः ।। तान् । ओषधे । त्वम् । गन्धेन ।

विषूचीनान् । वि । नाशय ।।१०।।७।।१४।। ये । कुकुन्धाः । कुकूरभाः ।। कृत्तीः । दूर्शानि । बि-
भ्रति ।। क्लीबाः॰इव । प्र॰नृत्यन्तः ।। वने । ये । कुर्वते । घोषम् ।। तान् । इतः । नाशयामसि
।।११।। ये । सूर्यम् । न । तितिक्षन्ते । आ॰तपन्तम् । अमुम् । दिवः ।। अरायान् । बस्त॰वासि-
नः ।। दुः॰गन्धीन् । लोहित॰आस्यान् ।। मककान् । नाशयामसि ।।१२।। यः । आत्मानम् ।
अति॰मात्रम् ।। अंसे । आ॰धाय । बिभ्रति ।। स्त्रीणाम् । श्रोणि॰प्रतोदिनः ।। इन्द्र । रक्षां-
सि । नाशय ।।१३।। ये । पूर्वे । वध्वः । यन्ति । हस्ते । शृङ्गाणि । बिभ्रतः ।। आपाके॰स्थाः । प्र॰
हासिनः । स्तम्बे । ये । कुर्वते । ज्योतिः ।। तान् । इतः । नाशयामसि ।।१४।। येषाम् । पश्चात् । प्र॰
पदानि ।। पुरः । पार्ष्णीः । पुरः । मुखा ।। खल॰जाः । शकधूम॰जाः ।। उरुण्डाः । ये । च । मट्मटाः
।। कुम्भ॰मुष्काः । अयाशवः ।। तान् । अस्याः । ब्रह्मणः । पते ।। प्रति॰बोधेन । नाशय ।।१५।। प-
र्यस्त॰अक्षाः । अप्र॰चङ्कशाः ।। अस्त्रैणाः । सन्तु । पण्डगाः ।। अव । भेषज । पादय ।। यः ।
इमाम् । सम्॰विवृत्सति ।। अपतिः । स्व॰पतिम् । स्त्रियम् ।।१६।। उत्॰हर्षिणम् । मुनि॰केश॰

PAGE(S)MISSING

NOT AVAILBLE

160-169

मा॥ जंगुयंतम्। मुरीमृशम्॥ उपु०एघंतम्। उदुंबलम्॥ तुाएलम्। तुन। शा०उंठम्॥ पु
दा। प्रविध्य। पाष्णी। स्त्रा। लीम्। गोः०इव। स्पंदना॥ ७॥ यः। तु। गर्भम्। प्रतिं०मृशात्। जा
नम्। वा। मारयाति। इति॥ पिंगः। तम्। उग्रऽधन्वा। कृणोतु। हृदयऽविधम्॥ ८॥ ये। अम्ना
ः। जातान्। मारयंति॥ सूतिकाः। अनुऽशेरते॥ स्त्रीऽभागान्। पिंगः। गंधर्वान्॥ वातः।
अभ्रम्ऽइव। अजतु॥ ९॥ परिऽसृष्टम्। धारयतु॥ यत्। हितम्। मा। अव। पादि। तत्॥
गर्भम्। ते। उग्रौ। रक्षताम्। भेषजौ। नीविऽभार्यौ॥ १०॥ ७॥ १५॥ पविऽनसात्। तंगल्वा
त्॥ छायकात्। उत। नग्नकात्॥ प्रऽजायै। पत्ये। त्वा। पिंगः॥ परि। पातु। किमीदिनः॥
द्विऽआस्यात्। चतुःऽअक्षात्। पंचऽपादात्। अनंगुरेः॥ वृंतात्। अभि। प्रऽसर्पतः
॥ परि। पाहि। वरीवृतात्॥ ११॥ ये। आमम्। मांसम्। अदंति॥ पौरुषेयम्। च। ये। क्र
विः॥ गर्भान्। खादंति। केशऽवाः॥ तान्। इतः। नाशयामसि॥ १२॥ ये। सूर्यात्। परिऽ
सर्पंति॥ स्नुषाऽइव। श्वशुरात्। अधि॥ बजः। च। तेषाम्। पिंगः। च। हृदये। अधि॥

MEMORIAL

नि। विध्यताम्॥ १३॥ पिंगः। रक्ष। जायमानम्॥ मा। पुमांसम्। स्त्रियम्। क्रन्॥ आंडऽअदः। ग
र्भान्। मा। दभन्॥ बाधस्व। इतः। किमीदिनः॥ १४॥ अप्रजाःऽत्वम्। मार्तऽवत्सम्। आत्
रात्। गर्भम्। अवऽरम्॥ वृक्षात्ऽइव। स्रजम्। कृत्वा। अप्रिये। प्रति। मुंच। तत्॥ १५
तृतीयोऽनु वाकः॥ ४ ॥ १६॥ ७॥ २६॥ याः। बभ्रवः। याः। च। शुक्राः। रोहिणीः। उत। पृश्नयः॥ असिक्नीः। कृष्णाः। ओ
षधीः॥ सर्वाः। अच्छऽवदामसि॥ १॥ त्रायंताम्। इमम्। पुरुषम्॥ यक्ष्मात्। देवऽइषि
तात्। अधि॥ यासाम्। द्यौः। पिता। पृथिवी। माता। समुद्रः। मूलम्। वीरुधाम्। बभू
२ व॥ २॥ आपः। अग्रम्। दिव्याः। ओषधयः॥ ताः। यक्ष्मम्। एनस्यम्॥ अंगात्ऽअं
गात्। अनीनशन्॥ ३॥ प्रऽस्तृणतीः। स्तंबिनीः। एकऽशुंगाः। प्रऽतन्वतीः॥ ओषधीः
आ। वदामि॥ अंशुऽमतीः। कांडिनीः। याः। विऽशाखाः॥ हुवे। ते। वीरुधः। वैश्वऽ
देवीः॥ उग्राः। पुरुषऽजीवनीः॥ ४॥ यत्। वः। सहः। सहमानाः॥ वीर्यम्। यत्। च। वः॥

बलम्॥ तेन। इमम्। अस्मात्। यक्ष्मात्॥ पुरुषम्। मुंचत। ओषधीः॥ अथो इति।
लोमिं। जेषजम्॥५॥ जीवलाम्। अघ०कृषाम्। जीवंतीम्। ओषधीम्। अहम्॥ अ
रुंधतीम्। उत्०नयंतम्। पुष्पाम्। मधु०मतीम्। इह। हुवे॥ अस्मै। अरिष्ट०तात
ये॥६॥ इह। आ। यंतु। प्र०चेतसः॥ मेदिनीः॥ वचसः। मम॥ यथा। इमम्। पारया
मसि॥ पुरुषम। दुः०इतात्। अधि॥७ अग्नेः। घासः। अपाम्। गर्भः॥ याः। रोहंति। २०५
पुनः०नवाः॥ ध्रुवाः। सहस्र०नाम्नीः॥ जेषजीः। संतु। आ०भृताः॥८॥ अव०कश०उ
लाः। उद०क०आत्मानः। ओषधयः॥ वि। ऋषंतु। दुः०इतम्। तीक्ष्ण०शृंग्यः॥९॥ उत्०

१७१ शुंभतीः। पुष्पवतीः॥ उग्राः। याः। विष०दूषणीः॥ अथो इति। बलास०नाशनीः॥ १७१
कृत्या०दूषणीः। चयाः॥ ताः। इह। आ। यंतु। ओषधीः॥१०॥१७॥ अप०क्रीताः।
सहीयसीः॥ वीरुधः। याः। अभि०स्तुताः॥ त्रायंताम्। अस्मिन्। ग्रामे। गाम्। अश्व

मम्। पुरुषम्। पशुम्॥११॥ मधु०मत्। मूलम्। मधु०मत्। अग्रम्। आसाम्॥ मधु०मत्। मध्य
म्। वीरुधाम्। बभूव॥ मधु०मत्। पर्णम्। मधु०मत्। पुष्पम्। आसाम्॥ मधोः। सम्०
भक्ताः। अमृतस्य। भक्षः॥ घृतम्। अन्नम्। दुह्रताम्। गो०पुरो गवम्॥१२॥ यावं
तीः। कियतीः। च। इमाः॥ पृथिव्याम्। अधि। ओषधीः॥ ताः। मा। सहस्र०पर्ण्यः॥ मृ
त्योः। मुंचंतु। अंहसः॥१३॥ वैयाघ्रः। मणिः। वीरुधाम्। त्रायमाणः। अभिशस्ति०
पाः॥ अमीवाः। सर्वाः। रक्षांसि॥ अप। हंतु। अधि। दूरम्। अस्मत्॥१४॥ सिंहस्य०इ
व। स्तनथोः। सम्। विजंते॥ अग्नेः। इव। विजंते। आ०भृताभ्यः॥ गवाम्। यक्ष्मः
। पुरुषाणाम्। वीरुत्०भिः॥ अति०नुत्तः। नाव्याः। एतु। स्रोत्याः॥१५॥ मुमुचानाः
। ओषधयः। अग्नेः। वैश्वानरात्। अधि॥ भूमिम्। सम्०तन्वतीः। इत॥ यासाम्।
राजा। वनस्पतिः॥१६॥ याः। रोहंति। आंगिरसीः॥ पर्वतेषु। समेषु। याः॥ ताः। नः।

प्रस्तवतीः। शिवाः।। ओषधीः। सन्तु। शम्। हृदे। याः।। अभि। सुदना। वक्षणी। कृत्या।। याः। च। बु
पशस्मि। च। स्तुवा।। अप्रक्तताः। जानीमः। चक्षुः।। याः। च। विन्न। बृहसं०। इत्थम्।। ८।।
सर्वाः। सम्०अग्राः। ओषधीः।। बोधंतु। वचसः। मम।। यथा। इमम्। पारयामसि
पुरुषम्। दुः०इतात्। अधि।। ९।। अश्वत्थः। दर्भः। वीरुधाम्।। सोमः। राजा। अमृ
तम्। हविः।। व्रीहिः। यवः। च। भेषजौ।। दिवः। पुत्रौ। अमर्त्यौ।। १०।। ६।। १८
उत्। जिहीध्वे। स्तनयति। अभि०क्रंदति। ओषधीः।। यदा। वः। पृश्नि०मातरः।। पर्ज
न्यः। रेतसा। अवति।। १।। तस्य। अमृतस्य। इमम्। बलम्।। पुरुषम्। पाययामसि।। अ
थो इति। कृणोमि। भेषजम्।। यथा। असत्। शत०हायनः।। २।। वराहः।। वे
द। वीरुधम्।। नकुलः। वेद। भेषजीम्।। सर्पाः। गंधर्वाः। याः। विदुः।। ताः। अ
स्मै। अवसे। हुवे।। ३।। याः। सु०पर्णाः। आंगिरसीः।। दिव्याः। याः। रघटः। वि
दुः।। वयांसि। हंसाः। याः। विदुः।। याः। च। सर्वे। पतत्रिणः।। मृगाः। याः। विदुः। ओष
धीः।। ताः। अस्मै। अवसे। हुवे।। ४।। यावतीनाम्। ओषधीनाम्।। गावः। प्र०अश्नं
ति। अघ्न्याः।। यावतीनाम्। अज०अवयः।। तावतीः। तुभ्यम्। ओषधीः।। शर्म। यच्छंतु
आ०भृताः।। यावतीषु। मनुष्याः।। भेषजम्। भिषजः। विदुः।। तावतीः। विश्व०भे
षजीः।। आ। भरामि। त्वाम्। अभि।। ५।। पुष्प०वतीः। प्रसू०मतीः।। फलिनीः। अफ़लाः
उत।। सम्मातरः०इव। दुह्राम्।। अस्मै। अरिष्ट०तातये।। ७।। उत्। त्वा। आ। अहार्षम्।
पंच०शलात्।। अथो इति। दश०शलात्। उत।। अथो इति। यमस्य। पड्वीशात्।। विश्व
स्मात्। देव०किल्बिषात्।। ८।। ६।। १९।। इंद्रः। मंथतु। मंथिता।। शक्रः। शूरः। पुरम्०
दरः।। यथा। हनाम। सेनाः।। अमित्राणाम्। सहस्र०शः।। १।। पूति०रज्जुः। उप०ध्मा
नी।। पूतिम्। सेनाम्। कृणोतु। ताम्।। धूमम्। अग्निम्। परा०दृश्य।। अमित्राः। हृत्०सु

प

स्तु॥ आ। दधताम्। नयमा॥२॥ अमून्। अश्वत्थ। निः। शृणीहि। खाद। अमून्। खदि
रं। अजिरम्॥ ताजद्भंग इव। भज्यंताम्॥ हंतु। एनान्। वधकः। वधैः॥३॥ परुषान्।
अमून्। परुष। आह्वः। कृणोतु॥ हंतु। एनान्। वधकः। वधैः॥ क्षिप्रम्। शरः०इव। भ
ज्यंताम्। बृहत्०जालेन। संऽमिताः॥४॥ अंतरिक्षम्। जालम्। आसीत्॥ जाल०दंडा
ः। दिशः। महीः॥ तेन। अभि०धाय। दस्यूनाम्॥ शक्रः। सेनाम्। अप। अवपत्॥५॥ बृ
हत्। हि। जालम्। बृहतः॥ शक्रस्य। वाजिनी०वतः॥ तेन। शत्रून्। अभि। सर्वान्। नि। उ
ब्ज। यथा। न। मुच्यातै। कतमः। चन। एषाम्॥६॥ बृहत्। ते। जालम्। बृहतः। इंद्र।
शूर। सहस्र०अर्घस्य। शत०वीर्यस्य॥ तेन। शतम्। सहस्रम्। अयुतम्। नि०अर्बु
दम्॥ जघान। शक्रः। दस्यूनाम्। अभि०धाय। सेनया॥७॥ अयम्। लोकः। जालम्। आ
सीत्॥ शक्रस्य। महतः। महान्॥ तेन। अहम्। इंद्र०जालेन। अमून्। तमसा। अभि। ११२

दधामि। सर्वान्॥८॥ सेदिः। उग्रा। वि०ऋद्धिः॥ आर्तिः। च। अनप०वाचना॥ श्र
मः। तंद्रीः। च। मोहः। च। तैः। अमून्। अभि। दधामि। सर्वान्॥९॥ मृत्यवे। अमून्। प्र।
यच्छामि। मृत्यु०पाशैः। अमी इति। सिताः॥ मृत्योः। ये। अघलाः। दूताः। तेभ्यः। ए
नान्। प्रति। नयामि। बद्ध्वा॥१०॥ छा॥२०॥ नयत। अमून्। मृत्यु०दूताः। यम०दूताः। अप
उंभत॥ परः०सहस्राः। हन्यंताम्। तृणेढु। एनान्। मत्यम्। भवस्य॥११॥ साध्याः। एक
म्। जाल०दंडम्॥ उत्०यत्य। यंति। ओजसा॥ रुद्राः। एकम्। वसवः। एकम्॥ आदि
त्यैः। एकः। उत्०यतः॥१२॥ विश्वे। देवाः। उपरिष्टात्॥ उब्जंतः। यंतु। ओजसा॥ मध्ये
न। घ्नंतः। यंतु। सेनाम्। अंगिरसः। महीम्॥१३॥ वनस्पतीन्। वानस्पत्यान्॥ ओषधीः।
उत। वीरुधः॥ द्वि०पात्। चतुः०पात्। इष्णामि॥ यथा। सेनाम्। अमूम्। हनन्॥१४॥
गंधर्व०अप्सरसः। सर्पान्॥ देवान्। पुण्य०जनान्। पितॄन्॥ दृष्टान्। अदृष्टान्।

इष्णामि॥ यथा॥ सेनाम्। अमित्रान्। हनन्॥ ५॥ इमम्। उग्राः। मृत्युऽपाशाः॥ यान्।
आऽक्रम्य न। मुच्यसे॥ अमुष्याः। हन्तु। सेनायाः॥ इदम्। कूटम्। सहस्रऽशः॥
६॥ घर्मः। सम्ऽइद्धः। अग्निना॥ अयम्। होमः। सहस्रऽहः॥ भवः। च। पृश्निऽबा
हुः। च॥ शर्व। सेनाम्। अमूम्। हतम्॥ ७॥ मृत्योः। आषम्। आ। पद्यन्ताम्॥ क्षुधम्।
सेदिम्। वधम्। भयम्॥ इन्द्रः। च। अक्षुऽजालाभ्याम्॥ शर्व। सेनाम्। अमूम्। ह
तम्॥ ८॥ पराऽजिताः। प्र। त्रसित। अमित्राः॥ नुत्ताः। धावत। ब्रह्मणा॥ बृहस्पतिऽ
प्रनुत्तानाम्॥ मा। अमीषाम्॥ मोचि। कः। चन॥ ९॥ अव। पद्यन्ताम्। एषाम्। आ
युधानि॥ मा। शकन्। प्रतिऽधाम्। इषुम्॥ अथ। एषाम्। बहु। बिभ्यताम्॥ इषवः
घ्नन्तु। मर्मणि॥ १०॥ सम्। क्रोशताम्। एनाम्। द्यावापृथिवी इति। सम्। अन्तरि १९४
क्षम्। सह। देवताभिः॥ मा। ज्ञातारम्। मा। प्रतिऽस्थाम्। विदन्त॥ मिथः। विघ्नानाः॥

उप। यन्तु। मृत्युम्॥ ११॥ दिशः। चतस्रः। अश्वतर्यः। देवऽरथस्य। पुरोडाशाः। श
फाः। अन्तरिक्षम्। उद्धिः॥ द्यावापृथिवी इति। पक्षसी इति। ऋतवः। अभीशवः॥ ॥
अन्तःऽदेशाः। किंऽकराः। वाक्। परिऽरथ्यम्॥ १॥ सम्ऽवत्सरः। रथः। परिऽ
वत्सरः। रथऽउपस्थः॥ विऽराट्। ईषा। अग्निः। रथऽमुखम्॥ इन्द्रः। सव्यऽस्थाः॥
चन्द्रमाः। सारथिः॥ १२॥ इतः। जय। इतः। वि। जय। सम्। जय। जय। स्वाहा॥ इमे। जयन्तु।
पराः। अमी इति। जयन्ताम्। स्वाहा। एभ्यः। दुःऽआहा। अमीभ्यः॥ नीलऽलोहितेन।
चतुर्थोऽनुवाकः अमून्। अभिऽअवतनोमि॥ १३॥ ६॥ २१॥ कुतः। तौ। जातौ। कतमः। सः। अर्धः॥ क
स्मात्। लोकात्। कतमस्याः। पृथिव्याः॥ वत्सौ। विऽराजः। सलिलात्। उत्। ऐताम्॥
तौ। त्वा। पृच्छामि। कतरेण। दुग्धा॥ १॥ यः। अक्रन्दयत्। सलिलम्। महिऽत्वा। योनिम्।
कृत्वा। त्रिऽभुजम्। शयानः॥ वत्सः। कामऽदुघः। विऽराजः॥ सः। गुहा। चक्रे। तन्वः। प

रा। चि॰॥रा॥या। सि। त्री। सि। इद्दे। तिस्रय पाम्॥ चतुर्थम्। वि॰ सुन क्षिा वास्म्॥ अग्ला॥ एन्
तु। विधातु। तपसा॥ वि॰ पः॰ चितु॥ यस्मिन्। एकम्॥ युज्पा ता। यस्मिन्। एकम्॥ २
वृहतः। परिसामानि॥ षष्ठात्। पंच अधि निः॰ मिता॥ वृहत्। वृहती॥ निः॰ मि
तम्॥ कुतः। अधि वृहती मी ता॥ ८॥ वृहती। परि मात्रायाः॥ मातुः। मात्रा अधि
निः॰ मिता॥ माया॥ ह। जज्ञे॥ मायायाः॥ मायायाः। मातली परि। प। वैश्वानरस्य
प्रति॰ मा। उपरि॥ द्यौः॥ यावत्। रोदसी इति॥ वि॰ वबाधे। अग्निः॥ ततः। षष्ठात्
आ। अमुतः। यंति। स्तोमाः॥ उत्। इतः। यंति। अभि। षष्ठम्। अह्नः॥ ९॥ षट्। त्वा। पृच्छा
मः। ऋषयः। कश्यप। इमे। त्वम्। हि। युक्तम्। युयुक्षे। योग्यम्। च॥ वि॰ राजम्॥
आहुः। ब्रह्मणः। पितरम्॥ ताम्। नः। वि। धेहि। यतिऽधा। सखिऽभ्यः॥ १॥ याम्।
प्र॰ च्युताम्। अनु। यज्ञाः। प्र॰ च्यवन्ते॥ उप॰ तिष्ठन्ति। उप॰ तिष्ठमानाम्॥ यस्याः। -

व्रते। प्र॰ सवे। यक्षम्। एजति॥ सा॥ वि॰ राट्। ऋषयः। परमे। वि॰ ओमन्॥ २॥ अप्राणा।
एति। प्राणेन। प्राणतीनाम्॥ वि॰ राट्। स्व॰ राजम्। अभि। एति। पश्चात्॥ विश्वम्। मृ
शंतीम्। अभि॰ रूपाम्॥ वि॰ राजम्॥ पश्यन्ति। त्वे इति। न। त्वे इति। पश्यन्ति। एनाम्॥ ए
कः॥ वि॰ राजः। मिथुन॰ त्वम्। प्र। वेद॥ कः। ऋतून्। कः। ऊं इति। कल्पम्। अस्याः॥ क्र
मान्। कः। अस्याः। कतिऽधा। वि॰ दुग्धान्। कः। अस्याः। धाम। कतिऽधा। वि॰ उष्टीः
॥ ११॥ इयम्। एव। सा। या। प्रथमा। वि॰ औच्छत्। आसु। इतरासु। चरति। प्र॰ विष्टा॥
ने इति॥ समानम्। यानि। अनु। सम॰ चरेते इति॥ सूर्यपत्नी इति। सूर्य॰ पत्नी॥ सम्
चरतः। प्रजानती इति प्र॰ जानती॥ केतुमती इति केतु॰ मती। अजरे इति। द्विस्
रतसा॥ १॥ ऋतस्य पंथाम्। अनु। तिस्रः। आ। अगुः॥ त्रयः। घर्माः। अनु। रेतः। आ।
अगुः॥ प्र॰ जाम्। एका। जिन्वति। ऊर्जम्। एका। राष्ट्रम्। एका। रक्षति। देव॰ यूनाम्॥

यास

अग्नी वो मेष अदधुः। या। उरी। आसीत्। पुरुषस्य पृष्ठौ। तु कथ्य। कल्पयंतः। गाय
त्रीम्। त्रि० स्तुभम्। जगती म्। अनुष्टुभम्॥ दन्। अर्कान्। यजमानाय। स्वः। आ० भ
रन्ती॥२ पंच विं० अष्टी॥ अनु पंच। दाहश। गोमा। पंक्ति० नाम्नीम्। संतत। अनु पंच
पंच दिशम्। पूयु० दृशीनात्। कृशाः॥ ता। एक० मूर्धी। अग्नि। लोकम्। एकत्वम्॥८॥ षट्
जाता। भूता। प्रथम० जा। ऋतस्य। षट्। जं इति। सामानि। षट्। अहम्। वदंति॥ षट्०
योगम्। सीरम्। अनु साम० साम॥ षट्। आहुः। द्यावा पृथिवीः। षट्। उर्वीः॥ ष
ट्। आहुः॥ ता तान्। षट्। जं इति। मासः। उष्णान्॥ ऋतुमानः। भूता। यतमः। अति०रि
क्तः॥ सप्त सु० पूर्णाः। कवयः। नि। सेदुः। सप्त। छंदांसि। अनु सप्त। दीक्षाः॥
सप्त। होमाः। समि० इध्मः। दासप्त। मधूनि। सप्त। ऋतवः। दासप्त॥ सप्त। आज्यानि।
परि। ऋतम्। आयन्। ताः। सप्त० गृध्राः। इति। शुश्रुम। वयम्॥७॥ सप्त। छंदांसि॥

उप

चतुः० उत्तराणि। अन्यः। अन्यस्मिन्। अधि। आ० अर्पितानि॥ कथम्।
स्तोमाः। प्रति। तिष्ठंति। तस्मिन्। तानि। स्तोमेषु। कथम्। आर्पितानि॥८।
कथम्। गायत्री। त्रि० वृतम्। वि। आप। कथम्। त्रि० स्तुप्। पं चदशेन।
कल्पते॥ त्रयः० त्रिंशेन। जगती। कथम्॥ अनुष्टुप्। कथम्। एक० विंश
॥१०॥ ७॥२२॥ अष्टौ। जा। ता। भूता। प्रथम० जा। ऋतस्य। अष्ट। इंद्र। ऋत्वि
जः। दैव्याः। य। अष्ट० योनिः। अदितिः। अष्ट० पुत्रा। अष्टमीम्। रात्रिम्।
अभि। हव्यम्। एति॥९॥ इत्थम्। श्रेयः। मन्यमाना। इदम्। आ। [illegible] अगमम्। ३
युष्माकम्। सख्ये। अहम्। अस्मि। शावा। समान० जन्मा। क्रतुः। अस्मि। व
॥ शिवः॥ सं०। सवर्णा। समम्। यरति। प्र० जानन्॥ अष्ट। इंद्रस्य। षट्। यमस्य।
ऋषीणाम्। सप्त। सप्त० धा॥ अपः। मनुष्यान्। उ औषधीः॥ तान्। जं इति। पंच।

अनु। सुचिरा॥ ३॥ केक्तो॥ इंद्रस्य। कुंडपाय्यानि। गृहपतिः॥ वशम्। पीयूषम्। प्रथ

मम्। कुलानां॥ ३॥ पर्थं अप्यूर्धा। यत्तुत्स। चतुः० धा॥ देवानाम्। मनुष्याणाम्। अ

सुराणाम्। उत। ऋषीणाम्॥ ४॥ कः। नु। गौः। कः। एक० ऋषिः॥ किम्। उं इति। धाम

का। ६। आ० शिषः॥ यक्षम्। पृथिव्याम्। एक० ऋतु॥ एक० ऋतुः। कतमः। नु।

स ॥ ५॥ एकः। गौः। एकः। एक० ऋषिः॥ एकम्। धाम। एक० धा। आ० शिषः॥

यक्षम्। पृथिव्याम्। एक० ऋतु॥ एक० ऋतुः। न। अति। रिच्यते॥ ६॥ छ॥ २४॥ रि

वि० राट्। वि। इदम्। अग्रे। आसीत्॥ तस्याः। जातायाः। सर्वम्। अबिभेत्। इ

यम्। एव। इदम्। भविष्यति। इति॥ १॥ सा। उत्। अक्रामत्। सा। गार्हपत्ये। नि। अ

क्रामत्। गृह० मेधी। गृह० पतिः। भवति। यः। एवम्। वेद॥ २॥ सा। आ० हवनी १७७

ये। नि॥ यंति। अस्य। देवाः। देव० हूतिम्। प्रियः। देवानाम्। भवति। यः॥ ३॥ सा।

२४ ऊर्जे ... [illegible] ... कामेनीअग्नी

दक्षिण० अग्नौ। नि॥ यज्ञ० र्तः। दक्षिणीयः। वासतेयः। भवति॥ ४॥ सा। स

भायाम्। नि॥ यंति। अस्य। सभाम्। सभ्यः। भवति॥ ५॥ सा। सम्० इतौ। नि॥ अस्य

सम्० इतिम्। साम्० इत्यः। भवति॥ ६॥ सा। आ० मंत्रणे। नि। अक्रामत्॥ यंति। अस्य

आ० मंत्रणम्। आ० मंत्रणीयः। भवति। यः॥ ७॥ छ॥ २५॥ सा। अंतरिक्षे। चतुः० धा॥

वि० क्रांता। अतिष्ठत्॥ १॥ ताम्। देव० मनुष्याः। अब्रुवन्॥ इयम्। एव। तत्। वेद। यत्

उभये। उप० जीवेम। इमाम्। उप। ह्वयामहै। इति॥ २॥ ताम्। उप। अह्वयंत॥ ३॥ ऊं

र्जे। आ। इहि। स्वधे। आ। इहि। सूनृते। आ। इहि। इरावति। आ। इहि। इति॥ ४॥ त

स्याः। इंद्रः। वत्सः। आसीत्॥ गायत्री। अभि० धानी। अभ्रम्। ऊधः॥ बृहत्। च। रथम्०

तरम्। च। द्वौ। स्तनौ। आस्ताम्॥ यज्ञा० यज्ञियम्। च। वामदेव्यम्। च। द्वौ॥ ५॥ ओषधी

। एव। रथंतरेण॥ देवाः। अदुह्रन्॥ व्यचः। बृहता॥ ६॥ अपः। वामदेव्येन॥

यज्ञम्। यज्ञायज्ञियेन॥ ७॥ ओषधीः। एव। अस्मै। रथंतरम्। दुहे॥ व्यचः। बृह

... [illegible] ...

THE ASIATIC SOCIETY OF BOMBAY

तु॥२॥ अपः। याम्॰। दव्यम्॥ यज्ञम्। यज्ञायज्ञियम्। यः॥१॥छा॥२६॥ सा। वनस्पतीन्।
आ। अगच्छत्॥ ताम्। वनस्पतयः। अघ्नत॥ सा। सम्॰वत्सरे। सम्। अभवत्॥ तस्मा-
त्। वनस्पतीनाम्॥ सम्॰वत्सरे। वृक्णम्। अपि। रोहति॥ वृश्चते। अस्य। अप्रियः।
भ्रातृव्यः। यः॥१॥ सा। पितॄन्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। पितरः। अघ्नत॥ सा। मासि। सम्॥
तस्मात्। पितृ॰भ्यः। मासि। उप॰मास्यम्। ददति॥ प्र। पितृ॰यानम्। पन्थाम्। जाना
ति। यः॥२॥ सा। देवान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। देवाः। अघ्नत॥ सा। अर्ध॰मासे। सम्॥
तस्मात्। देवेभ्यः। अर्ध॰मासे। वषट्। कुर्वन्ति॥ प्र। देव॰यानम्। पन्थाम्। जानाति। य
ः॥३॥ सा। मनुष्यान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। मनुष्याः। अघ्नत॥ सा। सद्यः। सम्। अभ
वत्॥ तस्मात्। मनुष्येभ्यः। उभ॰युद्युः। उप। हरन्ति॥ उप। अस्य। गृहे। हरन्ति। यः॥ ११८
॥४॥छा॥२७॥ सा। असुरान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। असुराः। उप। अह्वयन्त। माये।
आ। इहि। इति॥ तस्याः। वि॰रोचनः। प्राह्रादिः। वत्सः। आसीत्॥ अयः॰पात्रम्।

पात्रम्॥ ताम्। द्वि॰मूर्धा। आर्त्व्यः। अधोक्॥ ताम्। मायाम्। एव। अधोक्॥ ताम्।
मायाम्। असुराः। उप। जीवन्ति॥ उप॰जीवनीयः। भवति। यः॥१॥ सा। पितॄन्। आ।
अगच्छत्॥ ताम्। पितरः। उप। अह्वयन्त। स्वधे। आ। इहि॥ तस्याः। यमः। राजा। व
त्सः। आसीत्। रजत॰पात्रम्। पात्रम्॥ ताम्। अन्तकः। मार्त्यवः। अधोक्॥ ता
म्। स्वधाम्। एव। अधोक्॥ ताम्। स्वधाम्। पितरः। उप। जीवन्ति॥ उप॰जीवनीयः
॥२॥ सा। मनुष्यान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। मनुष्याः। उप। अह्वयन्त। इरा॰वति।
आ। इहि॥ तस्याः। मनुः। वैवस्वतः। वत्सः। आसीत्॥ पृथिवी। पात्रम्॥ ताम्। पृ
थी। वैन्यः। अधोक्॥ ताम्। कृषिम्। च। सस्यम्। च। अधोक्॥ ते। कृषिम्। च। सस्य
म्। च। मनुष्याः। उप। जीवन्ति॥ कृष्ट॰राधिः। उप॰जीवनीयः॥३॥ सा। सप्त॰ऋषीन्।
आ। अगच्छत्॥ ताम्। सप्त॰ऋषयः। उप। अह्वयन्त। ब्रह्मण्॰वति। आ। इहि॥

तामू। ...ाउदा। २९

तस्याः। सोमः। राजा। वत्सः। आसीत्। छंदः। पात्रम्॥ ताम्। बृहस्पतिः। आंगिर
सः। अधोक्॥ ब्रह्म। च। तपः। च। अधोक्॥ तत्। ब्रह्म। च। तपः। च। सप्त॰ऋषयः।
उप। जीवंति॥ ब्रह्म॰वर्चसी। उप॰जीवनीयः॥ ४॥ ७॥ २८॥ सा। देवान्। आ। अगच्छत्।
ताम्। देवाः। उप। अह्वयंत॥ ऊर्जे। आ। इहि॥ तस्याः। इंद्रः। वत्सः। आसीत्। चम
सः। पात्रम्॥ ताम्। देवः। सविता। अधोक्॥ ताम्। ऊर्जाम्। एव। अधोक्॥ ताम्। ऊ
र्जाम्। देवाः। उप। जीवंति। उप॰जीवनीयः॥ १॥ सा। गंधर्व॰अप्सरसः। आ। अ
गच्छत्॥ ताम्। गंधर्व॰अप्सरसः। उप। अह्वयंत॥ पुण्य॰गंधे। आ। इहि॥ तस्याः।
चित्र॰रथः। सौर्य॰वर्चसः। वत्सः। आसीत्॥ पुष्कर॰पर्णम्। पात्रम्॥ ताम्। वसु
॰रुचिः। सौर्य॰वर्चसः। अधोक्॥ ताम्। पुण्यम्। एव। गंधम्। अधोक्॥ तम्।
पुण्यम्। गंधम्। गंधर्व॰अप्सरसः। उप। जीवंति॥ पुण्य॰गंधिः। उप॰जीवनी ११२

२।

यः॥ २॥ सा। इतर॰जनान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्। इतर॰जनाः। उप। अह्वयंत॥ ति
रः॰धे। आ। इहि॥ तस्याः। कुबेरः। वैश्रवणः। वत्सः। आसीत्॥ आम॰पात्रम्।
पात्रम्॥ ताम्। रजत॰नाभिः। काबेरकः। अधोक्॥ ताम्। तिरः॰धाम्। एव। अ
धोक्॥ ताम्। तिरः॰धाम्। इतर॰जनाः। उप। जीवंति॥ तिरः। धत्ते। सर्वम्। पाप्मा
नम्। उप॰जीवनीयः॥ ३॥ सा। उत्। अक्रामत्॥ सा। सर्पान्। आ। अगच्छत्॥ ताम्।
सर्पाः। उप। अह्वयंत॥ विष॰वति। आ। इहि॥ इति॥ तस्याः। तक्षकः। वैशालेयः॥
वत्सः। आसीत्॥ अलाबु॰पात्रम्। पात्रम्॥ ताम्। धृत॰राष्ट्रः। ऐरा॰वतः। अधोक्॥
ताम्। विषम्। एव। अधोक्॥ तत्। विषम्। सर्पाः। उप। जीवंति। उप॰जीवनीयः। भ
वति। यः॥ ४॥ ७॥ २९॥ तत्। अस्मै। एवम्। विदुषे। अलाबुना। अभि॰सिंचेत्। प्र
ति॰आहन्यात्॥ न। च। प्रति॰आहन्यात्। मनसा। त्वा। प्रति॰आहन्मि। इति। प्रति॰

अा२

आ । स्थाता । रा । यत् । प्रति । आऽदंति । विषम् । एव । तत् । प्रति । आऽलंति ॥ २ विषम् । एव
अस्य । अप्रियम् । भ्रातृव्यम् । अनु । विऽसिच्यते । यः । एवम् । वेद ॥ ८ ॥ ६ ॥ २० ॥ विरा
ड्वा ये तु ॥ षट्पर्यायाः । अनुवाकाः । प्रथमे ॥ कथा २१ पर्यास
पर्यसाने ॥ ६७ ॥ ६ ॥ अष्टमं कांडं समाप्तम् ॥ ६ ॥ श्री ॥ ॐ दिवः । पृथिव्याः । अंतरि
क्षात् । समुद्रात् ॥ अग्नेः । वातात् । मधुऽकशा । हि । जज्ञे ॥ ताम् । चायित्वा । अमृतम्
वसानाम् ॥ हृत्ऽभिः । प्रऽजाः । प्रति । नंदंति । सर्वाः ॥ १ ॥ महत् । पयः । विश्वऽरूपम् ॥
अस्याः । समुद्रस्य । उत । रेतः । आहुः ॥ यतः । आऽएति । मधुऽकशा । ररा
णा ॥ ततः । प्राणः । तत् । अमृतम् । निऽविष्टम् ॥ २ ॥ पश्यंति । अस्याः । चरितम् । पृ
थिव्याम् ॥ पृथक् । नरः । बहुऽधा । मीमांसमानाः ॥ अग्नेः । वातात् । मधुऽकशा ।
हि । जज्ञे ॥ मरुताम् । उग्रा । नप्तिः ॥ ३ ॥ माता । आदित्यानाम् । दुहिता । वसूनाम् ।
प्राणः । प्रऽजानाम् । अमृतस्य । नाभिः ॥ हिरण्यऽवर्णा । मधुऽकशा । घृताची । म

MEMORIAL

हान् । भर्गः । चरति । मर्त्येषु ॥ ४ ॥ मधोः । कशाम् । अजनयंत । देवाः ॥ तस्याः । गर्भः । अ
भवत् । विश्वऽरूपः ॥ तम् । जातम् । तरुणम् । पिपर्ति । माता ॥ सः । जातः । विश्वा । भु
वना । वि । चष्टे ॥ ५ ॥ कः । तम् । प्र । वेद । कः । ऊं इति । तम् । चिकेत ॥ यः । अस्याः । हृदः
। कलशः । सोमऽधानः । अक्षितः ॥ ब्रह्मा । सुऽमेधाः । सः । अस्मिन् । मदेत ॥ ६ ॥ सः ।
तौ । प्र । वेद । सः । ऊं इति । तौ । चिकेत । यौ । अस्याः । स्तनौ । सहस्रऽधारौ । अक्षितौ ॥
ऊर्जम् । दुहाते इति । अनपऽस्फुरंतौ ॥ ७ ॥ हिङ्ऽकरिक्रती । बृहती । वयःऽधाः । उच्चैःऽ
घोषा । अभिऽएति । या । व्रतम् ॥ त्रीन् । घर्मान् । अभि । वावशाना ॥ मिमाति । मायुम् । प
यते । पयःऽभिः ॥ ८ ॥ याम् । आऽपीनाम् । उपऽसीदंति । आपः । शाक्वराः । वृषभाः । ये ।
स्वऽराजः ॥ ते । वर्षंति । ते । वर्षयंति । तत्ऽविदे । कामम् । ऊर्जम् । आपः ॥ ९ ॥ स्तनयित्नुः
ते । वाक् । प्रजाऽपते । वृषा । शुष्मम् । क्षिपसि । भूम्याम् । अधि ॥ अग्नेः । वातात् । मधुऽ

कशायाः। गर्भः॥ मरुताम्। उग्रा। नप्तिः॥ १०॥ १॥ ६॥ यथा। सोमः। प्रातःऽसवने। अश्विनोः।
भवति। प्रियः। एव। मे। अश्विना। वर्चः। आत्मनि। ध्रियताम्॥ १॥ सोमः। द्वितीये। सवने॥
इन्द्राग्न्योः। भवति॥ प्रियः। इन्द्राग्नी इति। वर्चः॥ २॥ यथा। सोमः। तृतीये। सवने॥ ऋभूणाम्। भ
वति। प्रियः। एव। मे। ऋभवः। वर्चः। आत्मनि। ध्रियताम्॥ ३ मधु। जनिषीय। मधु। वंशिषीय॥
पयस्वान्। अग्ने। आ। अगमम्। तम्। मा। सम्। सृज। वर्चसा॥ ४॥ सं मास्त्र इद्धे वस्ता। पा॥ य
था। मधु। मधुऽकृतः॥ सम्ऽभरन्ति। मधौ। अधि॥ एव। मे। अश्विना। वर्चः॥ आत्मनि। ध्रिय
ताम्॥ ५॥ यथा। मक्षाः। इदम्। मधु। निऽअञ्जन्ति। मधौ। अधि॥ एव। मे। अश्विना। वर्चः॥ ते
तेजः। बलम्। ओजः। च। ध्रियताम्॥ ६॥ यत्। गिरिषु। पर्वतेषु॥ गोषु। अश्वेषु। यत्। मधु॥ १८१
सुरायाम्। सिच्यमानायाम्॥ यत्। तत्र। मधु। तत्। मयि॥ ७॥ अश्विना। सारघेण। मा॥ म
धुना। अङ्क्तम्। शुभः। पती इति॥ यथा। वर्चस्वतीम्। वाचम्॥ आऽवदानि। जनान्। अनु॥

स्तनयित्नुः। ते। वाक्। प्रजाऽपते॥ वृषा। शुष्मम्। क्षिपसि। भूम्याम्। दिवि॥ ताम्। पश
वः। उप। जीवन्ति। सर्वे। तेनो इति। सा। इषम्। ऊर्जम्। पिपर्ति॥ १०॥ पृथिवी। दण्डः। अन्त
रिक्षम्। गर्भः॥ द्यौः। कशा। विऽद्युत्। प्रऽकशः। हिरण्ययः। बिन्दुः॥ ११ यः। वै। कशा
याः। सप्त। मधूनि। वेद। मधुऽमान्। भवति॥ ब्राह्मणः। च। राजा। च। धेनुः। च। अनड्
वान्। च। व्रीहिः। च। यवः। च। मधु। सप्तमम्॥ १२॥ मधुऽमान्। भवति॥ मधुऽमत्। अस्य। आ
हार्यम्। भवति॥ मधुऽमतः। लोकान्। जयति। यः। एवम्। वेद॥ १३ यत्। वीध्रे। स्तनय
ति। प्रजाऽपतिः। एव॥ तत्। प्रजाऽभ्यः। प्रादुः। भवति॥ तस्मात्। प्राचीनऽउपवीतः॥ ति
ष्ठे। प्रजाऽपते। अनु। मा। बुध्यस्व। इति॥ अनु। एनम्। प्रजाः॥ अनु। प्रजाऽपतिः॥ बुध्यते
। यः। एवम्। वेद॥ १४॥ ८॥ २॥ सपत्नऽहनम्। ऋषभम्। घृतेन। कामयमानम्। हविषा॥ ऋ
विष्म। आऽजेन॥ नीचैः। सपत्नान्। मम। पादय। अभि। इन्द्रः॥ मह्ता। वीर्येण॥ १॥

यत्। मे। मनसः। न। प्रियम्। न। चक्षुषः॥ यत्। मे। बभस्ति। न। अभि॰नंदति॥ तत्।
दुः॰स्वप्न्यम्। प्रति। मुंचामि। सऽपत्ने। कामम्। स्तुत्वा॥ उत्। अहम्। भिदेयम्॥२॥ ख २
दुः॰स्वप्न्यम्। काम। दुः॰इतम्। च। काम॥ अप्रजस्ताम्। अस्वगताम्। अवर्तिम्। उ-
ग्रः। ईशानः। प्रति। मुंच। तस्मिन्॥ यः। अस्मभ्यम्। अंहुरणा। चिकित्सात्॥३॥ नुदस्व।
काम। प्र। नुदस्व। काम॥ अवर्तिम्। यंतु। मम। ये। सऽपत्नाः॥ तेषाम्। नुत्तानाम्। अ-
धमा। तमांसि॥ अग्ने। वास्तूनि। निः। दह। त्वम्॥४॥ सा। ते। काम। दुहिता। धेनुः। उच्यते।
॥ याम्। आहुः। वाचम्। कवयः। वि॰राजम्॥ तया। सऽपत्नान्। परि। वृङ्ग्धि। ये। मम॥
परि। एनान्। प्राणः। पशवः। जीवनम्। वृणक्तु॥५॥ कामस्य। इंद्रस्य। वरुणस्य। राज्ञः॥ १९२
विष्णोः। बलेन। सवितुः। सवेन॥ अग्नेः। होत्रेण। प्र। नुदे। सऽपत्नान्। शम्बी॰इव।
नावम्। उदकेषु। धीराः॥६॥ अध्यक्षः। वाजी। मम। कामः। उग्रः। कृणोतु। मह्यम्।

असपत्नम्। एव॥ विश्वे। देवाः। मम। नाथम्। भवंतु॥ सर्वे। देवाः। हवम्। आ। यं-
तु। इमम्॥७॥ इदम्। आज्यम्। घृत॰वत्। जुषाणाः॥ काम॰ज्येष्ठाः। इह। मादयध्वम्॥
कृण्वंतः। मह्यम्। असपत्नम्। एव॥८॥ इंद्राग्नी इति। काम। सऽरथम्। हि। भूत्वा॥ नी-
चैः। सऽपत्नान्। मम। पादयाथः॥ तेषाम्। पन्नानाम्। अधमा। तमांसि॥ अग्ने। वास्तूनि।
५ नि अनु॰निर्दह। त्वम्॥९॥ जहि। त्वम्। काम। मम। ये। सऽपत्नाः॥ अंधा। तमांसि। अव। पादय।
एनान्॥ निः॰इंद्रियाः। अरसाः। संतु। सर्वे॥ मा। ते। जीविषुः। कतमत्। चन। अहः॥१०॥
॥छ॥२॥ अवधीत्। कामः। मम। ये। सऽपत्नाः॥ उरुम्। लोकम्। अकरत्। मह्यम्। ए-
धतुम्॥ मह्यम्। नमंताम्। प्र॰दिशः। चतस्रः॥ मह्यम्। षट्। उर्वीः। घृतम्। आ। वहंतु॥
ते। अधराञ्चः। प्र। प्लवंताम्। छिन्ना। नौः॰इव। बंधनात्॥ न। सायक॰प्रनुत्ता-
नाम्॥ पुनः। अस्ति। नि॰वर्तनम्॥१२॥ अग्निः। यवः। इंद्रः। यवः। सोमः। यवः॥ यव॰या-

वानः। देवाः। यवयंतु। एनम्॥ असर्वऽवीरः। चरतु। प्रऽनुत्तः। द्वेष्यः। मित्राणाम्।
परिऽवर्ग्यः। स्वानाम्॥ उत। पृथिव्याम्। अव। स्यंति। विऽद्युतः॥ उग्रः। वः। देवः। प्र।
मृणत्। सऽपत्नान्॥१॥ च्युता। च। इयम्। बृहती॥ अच्युता। च। विऽद्युत्। बिभर्ति। स्तन
यित्नून्। च। सर्वान्॥ उत्ऽयन्। आदित्यः। द्रविणेन। तेजसा॥ नीचैः। सऽपत्नान्। नुदताम्।
मे। सहस्वान्॥२॥ यत्। ते। काम। शर्म। त्रिऽवरूथम्। उद्भु। ब्रह्म। वर्म। विऽततम्। अ
व्या नतिऽव्याध्यम्। कृतम्॥ तेन। सऽपत्नान्। परि। वृङ्ग्धि। ये। मम। परि। एनान्। प्राणः। प
शवः। जीवनम्। वृणक्तु॥५॥ येन। देवाः। असुरान्। प्र। अनुदंत॥ येन। इंद्रः। दस्यू
न्। अधमम्। तमः। निनाय॥ तेन। त्वम्। काम। मम। ये। सऽपत्नाः॥ तान्। अस्मात्। लो १०२
कात्। प्र। नुदस्व। दूरम्॥६॥ यथा। देवाः। असुरान्। प्र। अनुदंत॥ यथा। इंद्रः। द
स्यून्। अधमम्। तमः। बबाधे॥ तथा। त्वम्। काम। मम। ये। सऽपत्नाः॥ तान्। अस्मात्।

लोकात्। प्र। नुदस्व। दूरम्॥७॥ कामः। जज्ञे। प्रथमः। न। एनम्। देवाः। आपुः। पि
तरः। न। मर्त्याः॥ ततः। त्वम्। असि। ज्यायान्। विश्वहा। महान्॥ तस्मै। ते। काम। नमः।
इत्। कृणोमि॥८॥ यावती इति। द्यावापृथिवी इति। वरिम्णा॥ यावत्। आपः। सिस्य
दुः। यावत्। अग्निः॥१०॥७॥४ यावतीः। दिशः। प्रऽदिशः। विषूचीः। यावतीः। आ
शाः। अभिऽचक्षणाः। दिवः॥१॥ यावतीः। भृंगाः। जत्वः। कुरूरवः। यावतीः। वघाः॥
वृक्षऽसर्प्यः। बभूवुः॥२॥ ज्यायान्। निऽमिषतः। असि। तिष्ठतः॥ ज्यायान्। समुद्रा
त्। असि। काम। मन्यो इति॥३॥ न। वै। वातः। चन। कामम्। आप्नोति। न। अग्निः। सूर्यः। न।
उत। चंद्रमाः॥ ततः। त्वम्। असि। ज्यायान्। विश्वहा। महान्॥ तस्मै। ते। काम। नमः।
इत्। कृणोमि॥४॥ याः। ते। शिवाः। तन्वः। काम। भद्राः। याभिः। सत्यम्। भवति। य
त्। वृणीषे॥ ताभिः। त्वम्। अस्मान्। अभि। संऽविशस्व। अन्यत्र। पापीः। अप। वेशय

प्रथमा शया। धियः॥ प॥ छ॥ प॥ उप॰ मितम्। प्रति॰ मितम्॥ अथो इति। परि॰ मिताम्। उ
नुवाक न॥ शा॰ नाया। विश्व॰ वारायाः॥ नुह्यानि। वि। हृतामसि॥ १ यता। ता। नद्धम्॥ विश्व॰
वार॥ पाशस्य। ग्रंथिः। वा। अयः। सतः॥ २ बृहस्पतिः॰ इव। अहम्। बलम्॥ वा। वा। वि।
सं स्रं शयामि। तत्॥ २॥ आ। ययाम्। सम्। वबन्ध। ग्रंथीन्। वकारा। ता। हृदन॥ प
रूषि। विद्वान्। शस्त्रा॰ इव॥ इन्द्रा। वि। हृतामसि॥ ३ वृंशानाम्। ता। नह्ना
नाम्॥ प्राणा। इस्य। टनास्य। वा॥ पुंसां णाम्। विश्व॰ वारा। त॥ नद्धानि। वि। हृ
तामसि॥ ४॥ सम्॰ दंशानाम्। पुन् दानाम्॥ परि॰ स्वंजल्यस्य। वा॥ इदम्। मा
नस्य। पत्न्याः। नद्धानि। वि। हृतामसि॥ ५॥ यानि। तु। अन्तः। सन्यानि॥ आ॰ ब ॥ १६४
धुः। रण्याय। कम्॥ प्रा। तु। तानि। हृतामसि॥ शिवा। मानस्य। पत्निनः॥ उद्धिता
तान्। न। वा। ६॥ द विष॰ धा नम्। अग्नि॰ शा॰ नम्। पत्नीनाम्। सदनम्। सदः॥ स

दः। देवानाम्। असि। दवि। शाले॥ ७ अप्सु स्मे॥ अ। पुशम्। वि॰ ततम्। सु दस्त्र॰
असम्। विष्णु॰ वति॥ ८॥ अप्सः। नद्धमा। अग्नि॰ ष्ठितम्॥ अप्लरणा। वि। हृतामसि॥ ८॥
अधः। या। शाले। प्रति॰ गृह्णाति। यन्। वा। अस्सि। मिता। चमा। उभौ। मानस्य। प
त्नि। तौ। जीवताम्। गृह दृष्टी इति। गृहतु॰ अष्टी॥ ९॥ अमुत्र। एनम्। आ। गच्छता
त्॥ हृढा। नद्धा। परिष्कृता। यस्याः। ता। विहृतामसि॥ अंगम्॰ अंगम्। परु॰
परुः॥ १०॥ छ। ६॥ यः। त्वा। शाले। नि॰ मिमाय। सम्॰ जभार। वनस्पतीन्॥ प्र॰
जायै। चक्रे। त्वा। शाले॥ परमे॰ ष्ठी॥ प्रजा॰ पतिः॥ १ नमः। तस्मै। नमः। दात्रे॥
शाला॰ पतये। वा। नमः॥ नमः। अग्नये। प्र॰ चरते॥ पुरुषाय। वा। ते। नम
ः॥ २॥ गोभ्यः। अश्वेभ्यः। नमः। यत्। शालायाम्॥ वि॰ जायते॥ विजा॰ वति। प्रजा॰
वति॥ वि। ता। पाशान्। हृतामसि॥ ३॥ अग्निम्। अंतः। छादयसि॥ पुरुषान्। प

धूपं

श्रृ॰रि॥ सुदा॥ विजस्॰वति। प्रजा॰वति॥ वि। नु। पाशान्। चृतामसि॥४॥ अ
न्तरा। द्याम्। च। पृथिवीम्। च। यत्। व्यचः॥ तेन। शालाम्। प्रति। गृह्णामि
त। इमाम्॥ यत्। अन्तरिक्षम्। रजसः। वि॰मानम्॥ तत्। कृण्वे। अहम्। उ
दरम्। शेवधि॰भ्यः॥ तेन। शालाम्। प्रति। गृह्णामि। तस्मै॥५॥ ऊर्जस्वती। पय
स्वती॥ पृथिव्याम्। नि॰मिता॥ मिता॥ विश्व॰अन्नम्। बिभ्रती। शाले॥ मा। हिं
सीः। प्रति॰गृह्णतः॥६॥ तृणैः। आ॰वृता। पलदान्। वसाना॥ रात्री॰इव। शा
ला। जगतः। नि॰वेशनी॥ मिता। पृथिव्याम्। तिष्ठसि। हस्तिनी॰इव। पत्॰व
ती॥७॥ इटस्य। ते। वि। चृतामि। अपि॰नद्धम्। अप॰ऊर्णुवन्॥ वरुणेन। सम्॰
उब्जिताम्॥ मित्रः। प्रातः। वि। कुब्जतु॥८॥ ब्रह्मणा। शालाम्। नि॰मिताम्। कवि॰
भिः। नि॰मिताम्। मिताम्॥ इन्द्राग्नी इति। रक्षताम्। शालाम्। अमृतौ। सोम्यम्।

सदः॥९॥ कुलायः। अधि। कुलायम्। कोशे। कोशः। सम्॰उब्जितः॥ तत्र। मर्तः
। वि। जायताम्॥ यस्मात्। विश्वम्। प्र॰जायते॥१०॥७॥१॥ या। द्वि॰पक्षा। चतुः॰
पक्षा। षट्॰पक्षा। या। नि॰मीयते॥ अष्टा॰पक्षाम्। दश॰पक्षाम्। शालाम्। मा
नस्य। पत्नीम्। अग्निः। गर्भः॰इव। आ। शये॥११॥ प्रतीचीम्। त्वा। प्रतीचीनः। शाले।
प्र। एमि। अहिंसतीम्॥ अग्निः। हि। अन्तः। आपः। च। ऋतस्य। प्रथमा। द्वाः॥ इमा।
आपः। प्र॰भृत्य॰का॥३॥ मा। नः। पाशम्। प्रति। मुचः। गुरुः। भारः। लघुः। भव॥ वधूम्॰
इव। त्वा। शाले॥ यत्र॰कामम्। भरामसि॥४॥ प्राच्याः। दिशः। शालायाः। नमः। म
हिम्ने। स्वाहा॥ देवेभ्यः। स्वाह्येभ्यः॥५॥ दक्षिणायाः। दिशः॥६॥ प्रतीच्याः। दिश
ः॥७॥ उदीच्याः। दिशः॥८॥ ध्रुवायाः। दिशः॥९॥ ऊर्ध्वायाः। दिशः। शालायाः।
१०॥ दिशः॰दिशः। शालायाः। नमः। महिम्ने। स्वाहा। देवेभ्यः। स्वाह्येभ्यः॥११॥

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

पंचुली श्रीवीश्वनासुनाछा प ठ नार्थे

॥ छ॥ ८॥ साहस्रः। त्वेषः। ऋषभः। पयस्वान्॥ विश्वा। रूपाणि। वक्षणासु। बि
भ्रत्॥ भद्रम्। दात्रे। यजमानाय। शिक्षन्॥ बार्हस्पत्यः। उस्रियः। तन्तुम्। आ। अ
तान्॥ १॥ अपाम्। यः। अग्रे। प्रतिमा। बभूव। प्र० भूः। सर्वस्मै। पृथिवी० इव।
देवी॥ पिता। वत्सानाम्। पतिः। अघ्न्यानाम्॥ साहस्रे। पोषे। अपि। नः। कृणो
तु॥ २॥ पुमान्। अन्तः० वान्। स्थविरः। पयस्वान्॥ वसोः। कबन्धम्। ऋषभः। बिभ
र्ति॥ तम्। इन्द्राय। पथि० भिः। देव० यानैः॥ हुतम्। अग्निः। वहतु। जात० वे
दाः॥ ३॥ पिता। वत्सानाम्। पतिः। अघ्न्यानाम्॥ अथो इति। पिता। महताम्। गर्गरा
णाम्॥ वत्सः। जरायु। प्रति० धुक्। पीयूषः॥ आमिक्षा। घृतम्। तत्। ऊं इति। अस्य १८५
रेतः॥ ४॥ देवानाम्। भागः। उप० नाहः। एषः॥ अपाम्। रसः। ओषधीनाम्। घृत
स्य॥ सोमस्य। भक्षम्। अवृणीत। शक्रः॥ बृहन्। अद्रिः। अभवत्। यत्। शरीरम्॥
॥ ५॥

सोमेन। पूर्णम्। कलशम्। बिभर्षि॥ त्वष्टा। रूपाणाम्। जनिता। पशूनाम्॥ शि
वाः। ते। सन्तु। प्र० जन्वः। इह। याः। इमाः॥ नि। अस्मभ्यम्। स्व० धिते। यच्छ। याः।
अमूः॥ ६॥ आज्यम्। बिभर्ति। घृतम्। अस्य। रेतः॥ साहस्रः। पोषः। तम्। ऊं इति।
यज्ञम्। आहुः॥ इन्द्रस्य। रूपम्। ऋषभः। वसानः॥ सः। अस्मान्। देवाः। शिवः। २१
आ। एतु। दत्तः॥ ७॥ इन्द्रस्य। ओजः। वरुणस्य। बाहू इति॥ अश्विनोः। अंसौ। म
रुताम्। इयम्। ककुत्॥ बृहस्पतिम्। सम्० भृतम्। एतम्। आहुः॥ ये। धीरास
ः। कवयः। ये। मनीषिणः॥ ८॥ दैवीः। विशः। पयस्वान्। आ। तनोषि॥ त्वाम्। इन्द्रम्।
त्वाम्। सरस्वन्तम्। आहुः॥ सहस्रम्। सः। एक० मुखाः। ददाति॥ यः। ब्राह्मणे।
ऋषभम्। आ० जुहोति॥ ९॥ बृहस्पतिः। सविता। ते। वयः। दधौ॥ त्वष्टुः। वायोः।
परि। आत्मा। ते। आ० भृतः॥ अन्तरिक्षे। मनसा। त्वा। जुहोमि॥ बर्हिः। ते। द्यावा-

पृथिवी इति। उभे इति। स्ताम्। १०। आ। एनः। इंद्र०इवा। दिविष्णु। गो। इष्ठ। एति
विं०धा। करत्। तस्य। सप्तगस्य। अंगानि। अल्ला। सम्। स्तोकु। नुद्यन्। ११। पार्श्वे
इति। आ। स्ताम्। अनु०मयाः। मगस्या। आ। स्ताम्। अनु०रजौ। ४। अब्रवीं
तो। अब्रवीत्। मित्रः। ममा। हलो। केवलौ। इति। २। नसत्। आसीत्। आदित्या
नाम्। श्रोणी इति। आ। स्ताम्। रुद्रस्य। तः। ५। छ। छम। वातस्य। देवस्य। तनाधूनो
ति। उषधीः। ३। गुदाः। आसन्। सिनीवाल्याः। स्तर्याः। यथा। अकवन्।
उत्तृणा। अक्रवन्। पृदः। सप्तनम्। यत्। अकल्पयन्। ४। क्रोडः। आसीत्। शामि०
२५ शँसस्य। सोमस्य। कलशः। धृतः। देवाः। सम्०गत्य। यत्। सर्वे। सप्तनम्। वि० १८०
अकल्पयन्। ५। ला। ऊष्मिकाः। सरमा। यि। कूर्मिभ्यः। अदधुः। शफान्। उव
ध्यम्। अस्य। कीटेभ्यः। श०वर्तिभ्यः। अधारयन्। ६। शृंगाभ्याम्। रक्षा। स्त

वृति। अवर्तिम्। दत्रा। यत्कुषा। श्लोति। नदम्। कर्णाभ्याम्। गवाम्। यः। पति।
अध्याः। ७। शत०याजम्। सः। यणता। ना। एनम्। इच्छंति। अग्नयः। जिन्वंति।
विश्वे। तम्। देवाः। यः। ब्राह्मणे। सप्तनम्। आ०जुहोति। ८। ब्राह्मणे। अथ। स
पनम्। देवा। वरीयः। लणु। तामनः। ऊष्मिम्। सः। अघ्यानाम्। स्वो। गोस्थे। अप
पश्यात्। ९। गावः। संतु। प्र०जाः। संतु। अथो इति। अस्तु। तनू०बलम्। तत्। स
र्वम्। अनु। मन्यंताम्। देवाः। सप्तनम्०दायिने। १०। अयम्। पिपानः। इंद्रः। इत्। र
यिम्। दधातु। वतनीम्। अयम्। धेनुम्। स्तु०दुघाम्। नित्य०वत्साम्। यशम्। दु
हाम्। विपः०चितम्। परः। दिवः। ११। पिशंग०रूपः। नभसः। वयः०धाः। ऐंद्रः। शु
ष्मः। विश्व०रूपः। नः। आ। अगन्। आयुः। अस्मभ्यम्। दधत्। प्र०जाम्। च। रा
यः। च। पोषैः। अभि। नः। सचताम्। १२। उपाइदा। उप०पर्चना। आ। स्मिन्। गो०स्थे।

उपाह्वयानः॥उपाशवनस्यायतनारतः॥उपाइंद्राणयावीर्यम्॥७॥एतम्।वः।यु
वानम्।प्रतिदध्मः।अत्र॥तेन।क्रीडंतीः।चरत।वशान्।अनु॥मानः।हासिष्ट।
जनुषा।सु०भागाः।रायः।पोषेः।अभिनः।सचध्वम्॥१४॥छा।१०॥आ।नय।ए
तम्।आ।रभस्व॥सु०कृताम्।लोकम्।अपि।गच्छतु।प्र०जानन्॥तीर्त्वा।तमांसि।
बहुधा।महांति॥अजः।नाकम्।आ।क्रमताम्।तृतीयम्॥१॥इंद्राय।भागम्।परि।
त्वा।नयामि॥अस्मिन्।[illegible]।यज्ञे।यजमानाय।सूरिम्॥यत्।नः।द्विषंति।अनु।ता
न्।रभस्व॥अनागसः।यजमानस्य।वीराः॥२॥प्र।पदः।अव।नेनिग्धि।दुः०चरितम्।
यत्।चचार।शुद्धैः।शफैः।आ।क्रमताम्।प्र०जानन्॥तीर्त्वा।तमांसि।बहु०धा।१८ १८८
वि०पश्यन्॥अजः।नाकम्।आ।क्रमताम्।तृतीयम्॥३॥अनु।छ्य।श्यामेन।त्व
चम्।एताम्।वि०शस्तः।यथा०परु।असिना।मा।अभि।मंस्थाः॥मा।अभि।द्रुहः॥
श्री

परु०शः।कल्पय।एनम्॥तृतीये।नाके।अधि।वि।श्रय।एनम्॥४॥
ऋचा।कुंभीम्।अधि।अग्नौ।श्रयामि॥आ।सिंच।उदकम्।अव।धे
हि।एनम्॥परि।धत्त।धत्त।अग्निना।शमितारः॥शृतः।गच्छतु।सुकृ
ताम्।यत्र।लोकः॥५॥उत्।क्राम।अतः।परि।च।इतः।अतप्तः॥
तप्तात्।चरोः।अधि।नाकम्।तृतीयम्॥अग्नेः।अग्निः।अधि।सम्।
बभूविथ॥ज्योतिष्मंतम्।अभि।लोकम्।जय।एतम्॥६॥अजः।
अग्निः।अजम्।ऊं इति।ज्योतिः।आहुः।अजम्।जीवता।ब्रह्मणे।
देयम्।आहुः॥अजः।तमांसि।अप।हंति।दूरम्॥अस्मिन्।
लोके।श्रत्०दधानेन।दत्तः॥७॥पंच०ओदनः।पंच०धा।वि।क्र
मताम्।आ०क्रंस्यमानः।त्रीणि।ज्योतींषि॥ईजानानाम्।सु०
कृताम्।प्र।इहि।मध्यम्॥तृतीये।नाके।अधि।वि।श्रयस्व॥८॥
अजः।आरोह।सु०कृताम्।यत्र।लोकः॥शरभः।न।चत्तः।अति

दुः॰गानि। एषः॥ पंचौं॰दनः। ब्रह्मणे। दीयमानः। सः। दातारम्। तृप्त्या
तर्पयति॥ ५॥ प्रजः॥ त्रि॰नाके। त्रि॰दिवे। त्रि॰पृष्ठे। नाकस्य। पृष्ठे।
द॰दि॰वांसम्। दधाति॥ पंच॰ओदनः। ब्रह्मणे। दीयमानः। विश्व॰रूपा॥
धेनुः॰। कामदुघा। असि। एका॥ १०॥ १॥ एतत्। वः। ज्योतिः॰। पितरः। तृती
यम्॥ पंच॰ओदनम्। ब्रह्मणे। अजम्। ददाति॥ प्रजः। तमांसि। अप।
हंति। दूरम्। अस्मिन्। लोके। श्रत्॰दधानेन। दत्तः॥ ११॥ ईजानानाम्।
सु॰कृताम्। लोकम्। ईप्सन्। पंच॰ओदनम्। ब्रह्मणे। अजम्। ददाति॥
स॰। वि॰आप्तिम्। अभि। लोकम्। जय। एतम्। शिवः। अस्मभ्यम्।
प्रति॰गृहीतः। अस्तु॥ १२॥ अजः। हि। अग्नेः। अजनिष्ट। शोकात्॥ विप्रः।
विप्रस्य। सहसः। विपः॰चित्॥ इष्टम्। पूर्तम्। अभि॰पूर्तम्। वषट्॰
कृतम्। तत्। देवाः। ऋतु॰शः। कल्पयंतु॥ १३॥ अमा॰उतम्। वासः। दधात॥ १४॥
हिरण्यम्। अपि। दक्षिणाम्। तथा॥

पं॰उली॥ विंशति॥ प

लोकान्। सम्। आप्नोति॥ याः। दिव्याः। याः। च। पार्थिवाः॥ ४॥ एताः। याः। अजा॰उप
यंति। धाराः। सोम्याः। देवीः। घृत॰पृष्ठाः। मधु॰श्चुतः॥ स्तनाः। पृथिवीम्।
उत। द्याम्। नाकस्य। पृष्ठात्। अधि। सप्त॰रश्मौ॥ ५॥ अजः। असि। अज। स्वः
॰गः। असि॥ त्वया। लोकम्। अंगिरसः। प्र। अजानन्॥ तम्। लोकम्। पुण्य
म्। प्र। ज्ञेषम्॥ ६॥ येन। सहस्रम्। वहसि। येन। अग्ने। सर्व॰वेदसम्॥ तेन।
इमम्। यज्ञम्। नः। वह। स्वः। देवेषु। गंतवे॥ ७॥ अजः। पक्वः। स्वः॰गे। लो
के। दधाति। पंच॰ओदनः। निः॰ऋतिम्। बाधमानः॥ तेन। लोकान्। सूर्य॰व
तः। जयेम॥ ८॥ यम्। ब्राह्मणे। नि॰दधे। यम्। च। विक्षु॥ याः। वि॰प्रुषः। ओदना
नाम्। अजस्य। सर्वम्। तत्। अग्ने। सु॰कृतस्य। लोके॥ जानीतात्। नः। सम्॰गमने।
पथीनाम्॥ ९॥ अजः। वै। इदम्। अग्रे। वि। अक्रमत्॥ तस्य। उरः। इयम्। अभ

युङ्गा॥यतु
अग्नः।पंच
चुडनः॥१
अपरि॰मि
तम्।एवा
श्रुम्।अग्नि
ति।अपरि
।मितमा।३

भुवन्।घोः।इष्टम्॥अंतरिक्षाम।मध्यम्।दिशः॥पार्श्वे इति।समुद्रौ।कुक्षी इ
ति॥१०॥छ॥१॥सत्यम्।वाऽऋतम्।वाच कुक्षी इति।विश्वम्॥सत्यम्।श्रद्धा।प्रा
णः।वि॰राट्।शिरः॥एषः।वै।अपरि॰मितम्।लोकम्।अव।रुंधे॥यः।अग्नि
म्।पंच॰चुडनम्॥दक्षिणा॰ज्योतिषम्।ददाति॥२॥न।अस्य।अस्थीनि॥नंघा
नृ॥नाम गृः।निः।धायत॥सर्वम्।एनम्।सम्॰आदाय।इदं॰इदम्।अ।वशये
त॥३॥इदम्॰इदम्।एव।अस्य।रूपं।भवति॥तेन।एनम्।सम्।गमयति॥इषम्
मदः।ऊर्जम्।अस्मै।दुहे॥यः।अग्निम्।पंच॰चुडनम्॥दक्षिणा॰ज्योतिषम्
ददाति॥४॥पंचरुक्मा।पंचानवानि।वस्त्रा॥पंच।अस्मै।धेनवः।काम॰दुघाः १९
भवंति॥यः।अग्निम्॥पं॥पंचरुक्मा।ज्योतिः।अस्मै।भवंति॥वर्म।वासांसि
तन्वे।भवंति॥स्वः॰गम्।लोकम्।अश्नुते॥यः।अग्निम्।पंच॰चुडनम्॥दक्षि

णा॰ज्योतिषम्।ददाति॥५॥या।ह।सर्वम।पतिम्।विंद्वा।अथ।अन्यम्।विं
दाते।अपरम्।पंच॰चुडनम्।च।तौ।अग्निम्॥ददातः।न।वि।योषतः॥७॥समा
न।लोकः।भवति॥पुनः॰भुवा।अपरः।पतिः॥यः।अग्निं।पंच॰चुडनम्॥दक्षि-
णा॰ज्योतिषम्।ददाति॥८॥अनुहू।सर्व॰वसाम।धेनुम्।अनड्वाहम्।उप॰व
र्हणम्।वासः।हिरण्यम्।इत्वा॥ते।यंति।दिवम्।उत्॰तमाम्॥९॥आत्मानम्
पितरम्।पुत्रम्॥पौत्रम्।पितामहम्॥जायाम्।जनित्रीम्।मातरम्॥ये।प्रिया
ः।तान्।उप॰ह्वये॥१०॥छ॥१२॥यः।वै।निदधम्।नाम।ऋतुम्।वेद॥ए
षः।वै।नि॰दघः।नाम।ऋतुः।यत्।अग्निः।पंच॰चुडनः॥नि॰।एव।अप्रिय
स्य।भ्रातृव्यस्य॥प्रियम्।दहति।भवति।आत्मना॥यः।अग्निम्।पंच॰चुड
नम्॥दक्षिणा॰ज्योतिषम्।ददाति॥१॥वै।ऊर्वी[illegible]म्।नाम।ऊर्वतीम्॰ऊ-

र्वतीम्। एव। अप्रियस्य। भ्रातृव्यस्य॥ श्रियम्। आ। दत्ते॥ वि। ऊर्वन्। नाम।
॥२॥ वि। स्मृ० यत्तम्। नाम॥ संयतीम्० संयतीम्। एव॥ वि। स्मृ० यन्। ना
म॥३॥ वि। पिन्वं तम्। नाम॥ पिन्वतीम्० पिन्वतीम्। एव॥ वि। पिन्वन्। ना
॥४॥ वि। उत्त० यतम्। नाम॥ उद्यतीम्० उद्यतीम्। एव॥ वि। उत्० यन्। नाम॥
यः॥ वि। अभि० भुवन्। नाम॥ रात्रम्। वदा। अभिजवंतीम्० अभिजवंतीम्।
एव॥ अप्रियस्य। भ्रातृव्यस्य॥ श्रियम्। आ। दत्ते॥ एषः॥ वि। अभि० भूः॥ ना
म॥ रात्रः॥ यत्। अपि०। पंक्त० त्रुदनः॥ निः। एव। अप्रियस्य। भ्रातृव्यस्य॥ श्रि
यम्। ददाति। नयति। आत्मना॥ यः। अपगम्। पंक्त० त्रुदनम्। दद्विर० ज्योति
षम्। ददाति॥ ६॥ अपगम्। वा। पत्नी। पं० तयां त्रुदनानु॥ सर्वाः॥ दिशः॥ सम०
मन्तसः॥ सप्तरीतः॥ स० अंतादशाः॥ प्रतिगृह्णीं॥ ता। एतम्॥ ७॥ ताः॥ ता र

दोत्रा तया उन्मम्। एतम्॥ तां यमोः॥ आज्यम्। हविः॥ इदम्। अतृदो मि॥ ८॥ ६॥१॥
यः॥ विधात्। श्र[illegible] जाति० अद्रूसम्॥ पञ्चति॥ यस्याः सम० भाराः॥ [illegible]॥ यस्याः अ
न्तुक्रम॥ १ साभत्नी यस्याः लोमानि॥ यजुः॥ हृदयम्। उच्यते॥ परि० स्त्रस्रण म्
इत्। हविः॥ २॥ यत्। वि। अतिथि० पतिः॥ अतिथीन्॥ प्रति० पश्यति॥ देव० यज
नम्। प्र। ईक्षते॥ ३ यत्। अभि० वदति। दीक्षाम्। उप। एति॥ यत्। उदकम्। याचति।
अपः। प्र। नयति॥ ४॥ याः॥ एव। यज्ञे। आपः॥ प्र० नीयंते। ताः। एव। ताः॥ ५॥ य
त्। तर्पणम्। आ० हरंति॥ यः। एव। अग्नीषोमीयः पशुः॥ बध्यते। सः। एव॥
सः॥ ६॥ यत्। आ० वसथान्। कल्पयंति॥ सदः० हविर्धानानि। एव। तत्। कल्पयं
ति॥ ७॥ यत्। उप० स्तृणंति। बर्हिः। एव। तत्॥ ८॥ यत्। उपरि० शयनम्। आ० ह
रंति। स्वर्ग्यः० गम्। एव। तेन। लोकम्। अव। रुन्धे॥ ९॥ यत्। कशिपु० उपबर्हणम्।

MEMORIAL

आपा० दसंति॥ परि० धयः॥ एवा। ता॥१०॥ यता आपां जन० अन्यं गनम्। आपा० दरंति॥
आपाज्यम्। एवा। तन्॥११॥ यता धुरा। परि० वे खा। ता। रखा। दमा। आपा० दरंति॥ धुरोज
शौ। एवा। ता॥१२॥ यता अग्रन० ले तम्। कयंति॥ द्विः० लतम्। एवा। तता कयंति॥
॥१३॥ याग्री दयः। याव्यानिः० उद्यंति॥ अपुंशवनं एवा। ते॥१४ या। नि० उत्तर खलु०
मुसलानि॥ ग्रावाणः। एवा। ता॥१५ शूर्पम्। पवित्रम्। उद्याः। लाजी। यां॥ आपि० सपत्नी
ः॥ आपत्नी॥१६ स्त्रुक्। दर्विः। नेक्षणम्। आ० यक्षनमा॥ द्रोण० कलशाः। कुम्भ्यः। वाय
व्यानि॥ पात्राणि। इयम्। एवा। लो० ष्टाजिनम्॥१७॥ ७॥ १९॥ यजमान० ब्राह्मणाम्।
वैः। एतत्॥ अतिथि० पतिः। कुरुता॥ यता आहा० र्याणि। प्र० ईक्षते॥ इदम्। भूया १९२
ः॥ इदा३ म्। इति॥१॥ यता आहु। श्राता इति॥ प्राणम्। एवा। तना वर्षीयाँ
सम्। कुरुता॥ उपा० दरति। द्विषः आ। सादयति॥३॥ तत्परम्। आ० संनानाम्॥ अ
तिथिः। आत्मना। अनुद्धोति॥४॥ स्रुक्। यां। हस्तेन। प्रा। णोः। मीः। शूर्पा। स्फ्यक० कारेण।
वषट्० कारेण। पाः। एतत्। वै। प्रियाः। प्रियाः। प्रियाः। चतुः। स्विष्टः। स्वः० गमा। लोक
मागमयंति। यता अतिथयः॥५॥ सः। यः। एवम्। विद्वान्॥ नाद्विषन्। अश्नीयात्। या ३
नाद्विषतः। अन्नम् अश्नीयात्॥ ना। मीमांसितस्य॥ ना। मीमांसमानस्य॥७॥ सर्वः।
वा। एषः। जग्ध० पाप्मा॥ यस्य। अन्नम्। अश्नंति॥ ना। सर्वः। वा। एषः। अजग्ध० पाप्मा॥
यस्य। अन्नम्। ना। अश्नंति॥८॥ सर्वदा। वा। एषः। युक्त० ग्रावा॥ आर्द्र० पवित्रः। वित
त० अध्वरः॥ आहृत० यज्ञक्रतुः। यः। उप० दसति॥१० प्राजा० पत्यः। वा। एतस्य॥
यज्ञः। वि० ततः। यः॥११ प्रजा० पतेः। वा। एषः। वि० क्रमान्। अनु० विक्रमते। यः। उ
प० दसति॥१२ यः। अतिथीनाम्। सः। आ० हवनीयः। यः। वेश्मनि। सः। गार्ह० प
त्यः। यस्मिन्। पचंति। सः। दक्षिणा० अग्निः॥१३॥ ७॥ १७ इष्टम्। वा। एषः।

इर्दमा। वा॥ गृहाणाम्। अश्नाति॥ यः। इर्दः। अतिथये। अश्नाति॥ १ पयः। वा॥ वि
एषः। रसम्। वा॥ २ ऊर्जम्। वा॥ वि। एषः। स्फातिं। वा॥ ३ प्र॰ जाम्। वा॥ वि। एषः। पशू
न्। वा॥ ४॥ कीर्त्तिम्। वा॥ वि। एषः। यशः। वा॥ ५॥ श्रियम्। वा॥ वि। एषः। सम्॰ विदम्। वा
॥ ६॥ गृहाणाम्॥ अश्नाति। यः। इर्दः। अतिथेः। अश्नाति॥ ६॥ एषः। वि। अतिथिः
यत्। श्री। श्रियः। तस्मात्। इर्दः। न। अश्नीयात्। अति॰ न॰ यति। अतिथौ। अश्नी
यात्॥ यशस्यः। साम्॰ ज्ञायः। यशस्यः। अवि॰ छेदाय। तत्। व्रतम्॥ ८ एतत्। वा। अं
इति। स्वा। दीयः॥ यत्। अधि॰ गवम्। क्षीरम्। वा॥ मांसम्। वा। तत्। एव। न। अश्नीया
त्॥ ९॥ छ॥ १८॥ सः। यः। एवम्। विद्वान्। क्षीरम्॥ उप॰ सिच्य। उप॰ दसति॥ याव- १९२
त्। अग्निष्टोमेन। इष्ट्वा॥ सु॰ समृद्धेन। अव॰ रुन्धे॥ तावत्। एनेन। अवरुं
धे॥ १॥ विद्वान्। सर्पिः। उप॰ सिच्य॥ यावत्। अति॰ रात्रेण। इष्ट्वा॥ विद्वान्। मां

धु। उप॰ सिच्य॥ यावत्। सत्र॰ सद्येन। इष्ट्वा॥ ३॥ विद्वान्। मांसम्। उप॰ सिच्य॥
यावत्। द्वादशा॰ अहेन। इष्ट्वा॥ सु॰ समृद्धेन। अव॰ रुन्धे॥ तावत्। एनेन। अ
वरुंधे॥ ४॥ सः। यः। एवम्। विद्वान्। उदकम्। उप॰ सिच्य। उप॰ दसति॥ प्र॰ जानाम्
प्र॰ जननाय। गच्छति॥ प्रति॰ स्थाम्। प्रियः। प्रजानाम्। भवति॥ यः। एवम्। विद्वान्। उ
दकम्॥ उप॰ सिच्य। उप॰ दसति॥ ५॥ छ॥ १९॥ तस्मै। उषाः। हिं। कृ। णोति॥ स
विता। प्रस्तौति॥ बृहस्पतिः। उद्गीथम्। उत्। गायति॥ त्वष्टा। पुष्ट्या। प्रति। हरति॥
विश्वे। देवाः। निधनम्॥ नि॰ धनम्। रूपम्। प्र॰ जायते॥ पशूनाम्। भवति। यः। ए
वम्॥ वेद॥ १ तस्मै। उत्॰ यन्। सूर्यः॥ हिं। कृ। णोति॥ सम्॰ गवः। प्र॥ मध्यंदिनः।
उत्। गायति॥ अपर॰ अह्नः। प्रति। हरति॥ अस्तम्॰ यन्। नि॰ धनम्॥ २ तस्मै। अ
भ्रः। जायन्। हिं। कृ। णोति॥ स्तनयन्। प्रस्तौति॥ वि॰ द्योतमानः। प्रति। हरति॥ व

र्षन्।उ त्।गायति॥उ त्०गृह्णमनि॥नि०धनम्॥२॥प्रतिष्ठीन।अभिपश्यन्ति।दि॒ग्भ्यो
लो॒ति॥अग्नि।वृद्धिः।प्रश्नो॒ति॥उदकम्।याव॒ति।उत्।गायति।उप॒ह्रति।प्रति।
ह्रति॥उत्०क्षिपम्।नि०धनम्॥नि०धनम्।उत्०गायत॥प्र॒ष्टुनाम्।प्र
व॒ति।यः।एवम्।वेद॥४॥६॥२०॥यत्।स्त्॒स्म।कृपति।आ।आवयति।एवा
तत्॥१॥यत्।प्रति०गृह्लोति॥गृति०आश्रावयति।एवनत्॥२॥यत्।परि०वृ
ष्टाः।पात्र०दस्ताः॥हविर्यो।अप्सरा।यु।ग्रु०पघ्नंत॥यम्स०प्रच्छ्यर्यवाः
एवात॥२॥तर्षम्।न्नाकः।युना।आ॒हेता॥४॥यत्।वि।प्रति०थि०पतिः।प्रति
थीन॥परि०विष्णा।गृहानां।उप०उद्दिति॥प्रवृ०गृह्यम्।एवातत्।उपु०प्र १९४
क्षेति॥५॥यना।सगायन्ति।दहिसा०।सगायति॥यना।अनु०तिष्ठता।उत्
प्रकस्यति।एवातत्॥६॥सः।उप०हूतः।पृथिव्याम्।गायति॥उप०हूतः।

तस्मिन्।यत्।पृथिव्याम्।विश्व०रूपं॥७॥उप०हूतः।अंतरिक्षे।गायति॥उप०हूतः।तस्मिन्।यत्।अंतरिक्षे।विश्व०रूपं॥८॥उप०हूतः।
दिवि।गायति॥उप०हूतः।तस्मिन्।यत्।दिवि।विश्व०रूपम्॥९॥उ
प०हूतः।दिक्षु।गायति॥उप०हूतः।तस्मिन्।यत्।दिक्षु।विश्व०
रूपम्॥१०॥उप०हूतः।लोकेषु।गायति॥उप०हूतः।तस्मिन्।यत्।लो
केषु।विश्व०रूपम्॥११॥सः।उप०हूत।उप०हूतः॥१२॥आप्नोति।इम
म्।लोकम्।आप्नोति।अमुम्॥१३॥ज्योतिष्मतः।लोकान्।गच्छति।यः॥१४
॥७॥७॥२१॥प्रजा०पतिः।वै।परमे॰ष्ठी।वै।श्रेष्ठः।इति॥इन्द्रः।शिरः।अग्निः
।ललाटम्।यमः।ककुदम्।१॥सोमः।राजा।मस्तिष्कः।द्यौः।उत्तर०हनुः
।पृथिवी।अधर०हनुः।विद्युत्।जिह्वा।मरुतः।दन्ताः।रेवतीः।ग्रीवाः।८

ला लिका॥ स्कं धाः॥ धर्मः॥ वक्षा॥२॥ विश्वम॥ वायुः॥ स्युः॥ गः॥ जोकः॥ लेखा
०क्रनु॥ विं०धस्ती॥ नि०वृक्षः॥४ शेपूनः॥ क्रोडः॥ अंतरिक्षम॥ पा॥ गुस्यम॥
वृहस्पतिः॥ क्रतु॥ जुहूतीः॥ कीकसा॥६॥५॥ दुवानम॥ पत्नीः॥ सुख्यः॥
उपू०सस्त॥ पर्शवः॥६॥ मित्रः॥ यावरुणा॥ यो॥ अंसे॥ वक्षा॥ चु॥ अ सूर्यमा
यौ॥ दोषणी इति॥ मुहा०दुवः॥ बाहू इति॥ इंद्राणी॥ भसत॥ वायुः॥ पुच्छम॥ प

श्री

वमानः॥ लाजाः॥८ प्रला॥ यो॥ सूत्रम॥ यो॥ श्रोणी इति॥ बलम॥ उरू इति॥९॥ धा

१ ३ा

ता॥ सविता॥ यो॥ अष्ठीवंतौ॥ जंघाः॥ गंधर्वाः॥ अप्सरसः॥ कुष्ठिकाः॥ अदिति॥ १९५
॥ शफाः॥१०॥ चेतः॥ हृदयम॥ यक्नम॥ मुखा॥ सुतम॥ पुरितत॥ स्थूना॥ क्रो
शिः॥ इरमवानिष्ठुः॥ पर्वताः॥ प्लाशयः॥११॥ क्रोधः॥ वृक्को॥ मन्युः॥ आंडौ॥
प्र०गा॥ शेपः॥१३॥ नदी॥ सूत्री॥ वर्षस्य पतयः॥ स्तनाः॥ स्तनयित्नुः॥ ऊधः॥१४॥

विश्व० व्यचाः॥ चर्म॥ ओषधयः॥ लोमानि॥ नक्षत्राणि॥ रूपम॥१५॥ देव० जना
॥ गुदाः॥ मनुष्याः॥ आंत्राणि॥ अत्राः॥ उदरम॥१६॥ रक्षांसि॥ लोहितम॥ इ
तरज०नाः॥ ऊवध्यम॥१७॥ अभ्रम॥ पीवा॥ मज्जा॥ नि०धनम॥१८॥ अग्निः॥ आ
सीनः॥ उत्थितः॥ अश्विनः॥१९॥ इंद्रः॥ प्राङ्तिष्ठन॥ दक्षिणा॥ तिष्ठन॥ यमः॥
॥२०॥ प्रत्यङ्तिष्ठन॥ धाता॥ उदङ्तिष्ठन॥ सविता॥२१॥ तृणानि॥ प्र० आप्तः॥
सोमः॥ राजा॥२२॥ मित्रः॥ ईक्षमाणः॥ आवृत्तः॥ आ०नंदः॥२३॥ युज्यमानः॥ विश्व०
देवाः॥ युक्तः॥ प्रजा०पतिः॥ वि०मुक्तः॥ सर्वम॥२४॥ एतत्॥ वै॥ विश्व०रूपम॥ स
र्व०रूपम॥ गो०रूपम॥२५॥ उपैनम॥ विश्व०रूपाः॥ सर्व०रूपाः॥ पशवः॥ ति
ष्ठंति॥ यः॥ एवम॥ वेद॥२६॥ छ॥२२॥ शीर्षक्तिम॥ शीर्ष० आमयम॥ कर्ण० शूल
म॥ विलोहितम॥ सर्वम॥ शीर्षण्यम॥ ते॥ रोगम॥ बहिः॥ निः॥ मंत्रयामहे॥१

४ा ग नति

कर्मण्याम्॥तु॥कं कुर्षेयः॥कुर्स॰शृल्मम्॥वि॰सल्पकम्॥२॥यस्मादुत
द॥प्र॰च्यक्तं॥यदमत॥कुर्मतः॥आस्यतः॥३॥यः॥लुणोति॥प्र॰मोतम्॥अंध
मा॥लुणोति॥तुँ स्यम्॥४॥अंग॰निदम्॥अंगु॰ स्वरम्॥विश्व॰अग्पम॥विं
सल्पकम्॥सर्वम्॥शीर्षण्यम्॥तु॥रोमम्॥वृद्धिः॥५॥यस्य जीमः॥गुतिं॰
शः॥उत॰वपयति॥तुँ स्यम॥तुकानम्॥विश्व॰शरदम्॥वृद्धिः॥६॥यः॥उ
रूइति॥अनु॰सर्पति॥अधोइति॥एतिगवीनिके इति॥यदमक॥तु॥अंतः॥
अंगेभ्यः॥वृद्धिः॥७॥यदिकामत॥अप॰कामत॥इदस्यात॥जायत॥पस्मि
दः॥तुलासम्॥अंगेभ्यः॥वृद्धिः॥८॥दुरिमारात्॥तु॥अंगेभ्यः॥अज्ञाम्॥अं
तरा॥उदसत॥यदमु॰धाम्॥अंतः॥आत्मनः॥वृद्धिः॥निः॥मंत्र्यामदे॥९॥
पास्य॥तुलास॥गवः॥हरम॥पुष्य॥आमयत्॥यदमानम्॥सर्वेषाम्॥

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

विषम्॥निः॥अवायम्॥अदम॥यत॥१०॥छ॥२७॥वृद्धिः॥बिल्वम्॥निः॥रूपयुत॥
कारस्वादम्॥तवक॥उदसत॥१॥उदसत॥तु॥ओमनः॥नाव्यतः॥इदस्यात॥अधि॥ पदं
यदमाणाम्॥सार्वेषाम्॥विषम्॥निः॥अवोयम्॥अदम्॥यत॥२॥यः॥स्रीमानम्॥
वि॰रूगंति॥हृदनिम॥ग्रति॥अपघ्लीः॥अस्थिसंतीः॥अनामुयाः॥निः॥रुवेत्र॥वृद्धि
ः॥बिल्वम्॥३॥यः॥इदस्यम॥उप॰रूषंति॥अनु॰तन्वंति कीकसाः॥४॥यः॥प
र्श्वे इति॥उप॰रुषंति॥अनु॰निदंति॥हृष्टीः॥५॥यः॥तिरश्चीः॥उप॰रूषंति॥
अपघ्लीः॥वृहणान्तु॥ति॥६॥यः॥गुदः॥अनु॰सर्पंति॥आंत्राणि॥मोदयंति॥यु
॥७॥यः॥मज्ञः॥निः॰धयंति॥परूंषि॥वि॰रूगंति॥यु॥अस्थिसंतीः॥अनामुयाः॥निः
ः॥रुवत्र॥वृद्धिः॥बिल्वम्॥८॥यः॥अंगानि॥मदयंति॥यदमासः॥रोपणाः॥तव॥य
दमाणाम्॥सार्वेषाम्॥विषम्॥निः॥अवोयम्॥अदम॥यत॥१०॥वि॰सल्पकस्य॥वि॰

नवदशापरे त्रिंशो अनुवाकः

द्रधस्य। वाजी॰ कारस्य। वा। अप्लङ्गेः॥ यद्मसणाम्। स्वार्वपाम। विषम्। निः। अ
वोचम्। अभ्यवन्त॥१०॥ पादम्याम्। तु। गाकुं॰ प्याम्॥ श्रोलिं॰ प्याम्। पासि। नंस-
सः॥ अप्रस्याता। अर्धली॥ उशि दन्त्यः शीर्ष्णः॥ रामम्। अनीनशाता॥११॥ समु
तो। शीर्ष्णः। कृपा। लस्तनि॥ कृष्यस्य। वायः॥ विदुः॥ उत॰ यन्तो। आदित्या। रश्मि॰ चि-
॥ शीर्ष्णः। रोहमा। अनी नशः॥ अंगं॰ पेदम्। अशीशमुः॥१२॥ ७॥ २४॥ अस्य।
वामस्य। पलितस्य। होतुः॥ तस्य। भ्राता। मध्यमः। अस्ति। अश्नः॥ तृतीयः। भ्रा
ता। घृतपृष्ठः। अस्य॥ अत्र। अपश्यम्। विश्पतिं। सप्त॰ पुत्रम्॥१॥ सप्त। युं
जंति। रथम्। एक॰ चक्रम्। एकः। अश्वः। वहति। सप्त॰ नामा॥ त्रि॰ नाभि। च- १९१
क्रम्। अजरम्। अनर्वम्॥ यत्र। इमा॥ विश्वा। भुवना। अधि। तस्थुः॥२॥ इमम्।
रथम्। अधि। ये। सप्त। तस्थुः। सप्त॰ चक्रम्। सप्त। वहंति। अश्वाः॥ सप्त। स्वसा-

रः। अभि। सम्। नवंते॥ यत्र। गवाम्। नि॰हिता। सप्त। नाम॥३॥ कः। ददर्श। प्र
थमम्। जायमानम्। अस्थ॰न्वंतम्। यत्। अनस्था। बिभर्ति॥ भूम्याः। असुः।
असृक्। क्व। आत्मा। क्व। स्वित्। कः। विद्वांसम्। उप। गात्। प्रष्टुम्। एतत्। इह। ब्रवी
तु। यः॰ ईम्। अंग। वेद। अस्य। वामस्य। नि॰हितम्। पदम्। वेः। शीर्ष्णः। क्षीरम्।
दुह्रते। गावः। अस्य। वव्रिम्। वसानाः। उदकम्। पदा। अपुः॥ पाकः। पृ
च्छामि। मनसा। अवि॰जानन्। देवानाम्। एना। नि॰हिता। पदानि। वत्से। वष्क
ये। अधि। सप्त। तंतून्। वि। तत्निरे। कवयः। ओतवै। ऊं इति॥५॥ अचिकित्वान्।
चिकितुषः। चित्। अत्र। कवीन्। पृच्छामि। विद्मने। न। विद्वान्। वि। यः। तस्तंभ-
षट्। इमा। रजांसि। अजस्य। रूपे। किम्। अपि। स्वित्। एकम्॥६॥ माता। पितरम्।
ऋते। आ। बभाज। धीती। अग्रे। मनसा। सम्। हि। जग्मे। सा। बीभत्सुः। ग
ती १

त्रि त्रिउलिउ

र्०रसा॥नि॰विद्धा॥नमस्यंतः॥इत्॥उप॰वाकम्॥ईयुः॥युक्ता॥माता॥आसीत्॥
धुरि॥दक्षिणायाः॥अतिष्ठत्॥गर्भः॥वृजनीषु॥अंतः॥अमीमेत्॥वत्सः॥अनु॥गाम्॥
अपश्यत्॥विश्व॰रूप्यम्॥त्रिषु॥योजनेषु॥९॥तिस्रः॥मातॄः॥त्रीन्॥पितॄन्॥बि
त ४ भ्रत्॥एकः॥ऊर्ध्वः॥तस्थौ॥न॥ईम्॥अव॥ग्लपयंति॥मंत्रयंते॥दिवः॥अमुष्य॥पृ
ष्ठे॥विश्व॰विदम्॥वाचम्॥अविश्व॰विंनाम्॥१०॥छा॥२५॥पं॰च॰अरे॥चक्रे॥परि॰
वर्तमाने॥यस्मिन्॥आ॰तस्थुः॥भुवनानि॥विश्वा॥तस्य॥न॥अक्षः॥तप्यते॥भूरि॰
भारः॥सनात्॥एव॥न॥छिद्यते॥स॰नाभिः॥पंच॰पादम्॥पितरम्॥द्वादश॰आ
कृतिम्॥दिवः॥आहुः॥परे॥अर्धे॥पुरीषिणम्॥अथ॥इमे॥अन्ये॥उपरे॥वि॰ १९८
चक्षणम्॥सप्त॰चक्रे॥षट्॰अरे॥आहुः॥अर्पितम्॥१२॥द्वादश॰अरम्॥नहि॥
तत्॥जराय॥वर्वर्ति॥चक्रम्॥परि॥द्याम्॥ऋतस्य॥आ॥पुत्राः॥अग्ने॥मिथुनासः॥

अत्र॥सप्त॥शतानि॥विंशतिः॥च॥तस्थुः॥१३॥सं॰नेमि॥चक्रम्॥अजरम्॥वि॥
ववृते॥उत्तानायाम्॥दश॥युक्ताः॥वहंति॥सूर्यस्य॥चक्षुः॥रजसा॥एति॥
आ॰वृतम्॥यस्मिन्॥आ॰तस्थुः॥भुवनानि॥विश्वा॥१४॥स्त्रियः॥सतीः॥
तान्॥ऊं इति॥मे॥पुंसः॥आहुः॥पश्यत्॥अक्षण्॰वान्॥न॥वि॥चेतत्॥
अंधः॥कविः॥यः॥पुत्रः॥सः॥ईम्॥आ॥चिकेत॥यः॥ताः॥वि॰जानात्॥स
ः॥पितुः॥पिता॥असत्॥१५॥साकम्॰जानाम्॥सप्तथम्॥आहुः॥एक॰ज त ६
म्॥षट्॥इत्॥यमाः॥ऋषयः॥देव॰जाः॥इति॥तेषाम्॥इष्टानि॥वि॰हिता॥
नि॥धाम॰शः॥स्थात्रे॥रेजंते॥वि॰कृतानि॥रूप॰शः॥१६॥अवः॥परेण॥
परः॥एना॥अवरेण॥पदा॥वत्सम्॥बिभ्रती॥गौः॥उत्॥अस्थात्॥सा॥क
द्री ची॥कम्॥स्वित्॥अर्धम्॥परा॥अगात्॥क्व॥स्वित्॥सूते॥नहि॥यूथे॥अंतः॥

न॥९॥ अवः। परेण। पितरम्। यः। अस्य। वेद। अवः। परेण। परः। एना।
अवरेण। कविऽयमानः। कः। इह। प्र। वोचत्। देवम्। मनः। कुतः। अधि।
वां ३ प्रऽजातम्॥८॥ ये। अर्वाञ्चः। तान्। ऊं इति। पराचः। आहुः। ये। पराञ्चः। ता
न्। ऊं इति। अर्वाचः। आहुः। इन्द्रः। च। या। चक्रथुः। सोम। तानि। धुरा। न। युक्ताः। धु:४
रजसः। वहन्ति॥९॥ द्वा। सुऽपर्णा। सऽयुजा। सखाया। समानम्। वृक्षम्। परि।
सस्वजाते इति। तयोः। अन्यः। पिप्पलम्। स्वादु। अत्ति। अनश्नन्। अन्यः।
अभि। चाकशीति॥१०॥ यस्मिन्। वृक्षे। मधुऽअदः। सुऽपर्णाः। निऽविशन्ते।
१२४ सुवते। च। अधि। विश्वे। तस्य। इत्। आहुः। पिप्पलम्। स्वादु। अग्रे। तत्। न। उ १९९
त्। न। नशत्। यः। पितरम्। न। वेद॥११॥ यत्र। सुऽपर्णाः। अमृतस्य। भागम्। अ
निऽमेषम्। विदथा। अभि। स्वरन्ति॥ इना। विश्वस्य। भुवनस्य। गोपाः।

सः। धीरः। पाकम्। अत्र। आ। विवेश॥१२॥ ॥२८॥ यत्। गायत्रे। अधि। गायत्र
म्। आऽहितम्। त्रैस्तुभम्। वा। त्रैस्तुभात्। निःऽअतक्षत। यत्। वा। जगत्। जग
ति। आऽहितम्। पदम्। ये। इत्। तत्। विदुः। ते। अमृतऽत्वम्। आनशुः॥१॥
गायत्रेण। प्रति। मिमीते। अर्कम्। अर्केण। साम। त्रैस्तुभेन। वाकम्। वाकेन।
वाकम्। द्विऽपदा। चतुःऽपदा। अक्षरेण। मिमते। सप्त। वाणीः॥२॥ जगता। सिन्धुम्।
दिवि। अस्कभायत्। रथम्ऽतरे। सूर्यम्। परि। अपश्यत्। गायत्रस्य। सम्ऽइ
धः। तिस्रः। आहुः। ततः। महा। प्र। रिरिचे। महिऽत्वा॥३॥ उपह्वय इत्येकः॥४
हिङ्ऽकृण्वती। वसुऽपत्नी। वसूनाम्। वत्सम्। इच्छन्ती। मनसा। अभि। आऽगात्॥
दुहाम्। अश्विऽभ्याम्। पयः। अघ्न्या। इयम्। सा। वर्धताम्। महते। सौभगाय॥
गौः। अमीमेत्। अनु। वत्सम्। मिषन्तम्। मूर्धानम्। हिङ्। अकृणोत्। मातवै॥

ऽं इति। सृक्वाणम्। घर्मम्। अभि। वावशाना॥ मिमाति। मायुम्। पयते। पयःऽ-
भिः॥ ८॥ अयम्। सः। शिंक्ते। येन। गौः। अभिऽवृता। मिमाति। मायुम्। ध्वसनौ। अ-
धि। श्रिता॥ सा। चित्तिऽभिः। नि। हि। चकार। मर्त्यान्। विऽद्युत्। भवंती। प्रति। वव्रिम्।
औहत॥ ९॥ अनत्। शये। तुरऽगातु। जीवम्। एजत्। ध्रुवम्। मध्ये। आ। पस्त्या-
नाम्॥ जीवः। मृतस्य। चरति। स्वधाभिः। अमर्त्यः। मर्त्येन। सऽयोनिः॥ ०॥ विऽधु-
म्। दद्राणम्। सलिलस्य। पृष्ठे। युवानम्। संतम्। पलितः। जगार॥ देवस्य। पश्य।
काव्यम्। महिऽत्वा। अद्य। ममार। सः। ह्यः। सम्। आन॥ यः। ईम्। चकार। न। सः। अस्य।
२०० वेद। यः। ईम्। ददर्श। हिरुक्। इत्। नु। तस्मात्॥ सः। मातुः। योना। परिऽवीतः। २००
अंतः। बहुऽप्रजाः। निःऽऋतिः। आ। विवेश॥ १०॥ ७॥ २७॥ अपश्यम्। गोपाम्।
१ नि० अनिऽपद्यमानम्। आ। च। परा। च। पथिऽभिः। चरंतम्॥ सः। सध्रीचीः। सः। विषूचीः।

वसानः। आ। वरीवर्ति। भुवनेषु। अंतरिति॥ १॥ द्यौः। नः। पिता। जनिता। नाभिः। अत्र
। बंधुः। नः। माता। पृथिवी। मही। इयम्॥ उत्तानयोः। चम्वोः। योनिः। अंतः। अत्र।
पिता। दुहितुः। गर्भम्। आ। अधात्॥ २॥ पृच्छामि। त्वा। परम्। अंतम्। पृथिव्याः। पृ-
च्छामि। वृष्णः। अश्वस्य। रेतः। पृच्छामि। विश्वस्य। भुवनस्य। नाभिम्॥ पृच्छामि।
वाचः। परमम्। विऽओम॥ ३॥ इयम्। वेदिः। परः। अंतः। पृथिव्याः॥ अयम्। सोमः।
वृष्णः। अश्वस्य। रेतः॥ अयम्। यज्ञः। विश्वस्य। भुवनस्य। नाभिः॥ ब्रह्मा। अयम्।
वाचः। परमम्। विऽओम॥ ४॥ न। वि। जानामि। यदिऽव। इदम्। अस्मि। निण्यः। सम्ऽ
नद्धः। मनसा। चरामि॥ यदा। मा। आ। अगन्। प्रथमऽजाः। ऋतस्य। आत्। इत्। वा-
चः। अश्नुवे। भागम्। अस्याः॥ ५॥ अपाङ्। प्राङ्। एति। स्वधया। गृभीतः। अमर्त्यः।
मर्त्येन। सऽयोनिः॥ ता। शश्वंता। विषूचीना। विऽयंता। नि। अन्यम्। चिक्युः। न।

मित्रो का यदमृतक ७३

नि॥ त्रि॰पुः। अन्यम्॥ ६॥ सूज्ञ। अर्द्ध॰गुनगि। भुवनस्य। रतसः॥ विक्षेभा। तिष्ठंति। प्र॰दि
शाम्। वि॰धर्मणि॥ ता। धीतिं। विः। मनसा। तुवि। पृष्ठ॰वितः॥ परि॰भुवः। परसि। नृवंति॥ वि
श्वतः॥ ३॥ ऋचः। अक्षरे। परमे। वि॰ओमन्॥ यस्मिन्। देवाः। अधि। विश्वे। नि॰सेदुः॥ ४
यः। तत्। न। वेद। किम्। ऋचा। करिष्यति॥ ये। इत्। तत्। विदुः। ते। अमी इति। सम्। आ
सते॥ ऋचः। पदम्। मात्रया। कल्पयंतः। अर्द्ध॰ऋचेन। चक्लृपुः। विश्वम्। एजत्॥
८८ त्रि॰पात्। ब्रह्म। पुरु॰रूपम्। वि। तष्टे॥ तेन। जीवंति। प्र॰दिशः। चतस्रः॥ ४॥ सूयव
सात्। हि। एक॰का॥ ४०॥ छारः॥ गौः। इत्। मिमाय। सलिलानि। तक्षती॥ एक॰पदी। द्वि॰प
दी। सा। चतुः॰पदी॥ अष्टा॰पदी। नव॰पदी। बभूवुषी। सहस्र॰अक्षरा। भुवनस्य २०१
पङ्क्तिः। तस्याः। समुद्राः। अधि। वि। क्षरंति॥ १॥ शकृत्। नियानं। मिं॰ओकाः। र॥ अपात। एति
प्रथमा। पतत्॰वतीनाम्॥ कः। तत्। वाम्। मित्रावरुणा। आ। चिकेत। गर्भः। भारम्।

भरति। आ। चित्। अस्याः॥ ऋतम्। पिपर्ति। अनृतम्। नि। पाति॥ २॥ वि॰राट्। वाक्
वि॰राट्। पृथिवी॥ वि॰राट्। अंतरिक्षम्। वि॰राट्। प्रजा॰पतिः॥ वि॰राट्। मृत्युः॥
साध्यानाम्। अधि॰राजः। बभूव। तस्य। भूतम्। भव्यम्। वशे। सः। मे। भूतम्।
भव्यम्। वशे। कृणोतु॥ ४॥ शक॰मयम्। धूमम्। आरात्। अपश्यम्। विषुव॰वता।
परः। एना। अवरेण॥ उक्षाणम्। पृश्निम्। अपचंत। वीराः॥ तानि। धर्माणि। प्र
थमानि। आसन्॥ त्रयः। केशिनः। ऋतु॰था। वि। चक्षते॥ सम्॰वत्सरे। वपते॥
एकः। एषाम्॥ विश्वम्। अन्यः। अभि॰चष्टे। शचीभिः॥ ध्राजिः। एकस्य। ददृशे
न। रूपम्॥ ५॥ चत्वारि। वाक्। परि॰मिता। पदानि॥ तानि। विदुः। ब्राह्मणाः। ये। म
नीषिणः॥ गुहा। त्रीणि। नि॰हिता। न। इंगयंति॥ तुरीयम्। वाचः। मनुष्याः। वदंति॥
॥ ७॥ इंद्रम्। मित्रम्। वरुणम्। अग्निम्। आहुः॥ अथो इति। दिव्यः। सः। सु॰पर्णः॥

गरुत्मान्॥ एकम्। सत्। विप्राः। बहुधा। वदन्ति॥ अग्निम्। यमम्। मातरिश्वान-
म्। आहुः॥१०॥छ॥३०॥ इति नवमं कांडं समाप्तम्॥छ॥ शुभं भूयात्॥छ॥ यां। क-
ल्पयन्ति। वहतौ। वधूम्॰इव॥ विश्व॰रूपाम्। हस्त॰कृताम्। चिकित्सवः॥ सा। आ-
रात्। एतु। अप। नुदाम। एनाम्॥१॥ शीर्षण्॰वती। नस्वती। कर्णिनी॥ कृत्या॰कृ-
ता। सम्॰भृता। विश्व॰रूपा॥ सा। आरात्। एतु। अप। नुदामः। एनाम्॥२॥ शूद्र॰कृ-
ता। राज॰कृता। स्त्री॰कृता। ब्रह्म॰भिः। कृता॥ जाया। पत्या। नुत्ता॰इव। कर्ता-
रम्। बन्धु। ऋच्छतु॥३॥ अनया॰मि ऐकता॥४॥ अघम्। अस्तु। अघ॰कृते। शप-
थः। शपथि॰यते॥ प्रत्यक्। प्रति॰प्रहिण्मः॥ यथा। कृत्या॰कृतम्। हनत्॥५॥ प्र-
तीचीनः। आङ्गिरसः॥ अधि॰अक्षः। नः। पुरः॰हितः॥ प्रतीचीः। कृत्याः। आ॰
कृत्य। अमून्। कृत्या॰कृतः। जहि॥६॥ यः। त्वा। उवाच। परा। इहि। इति। प्रति॰

कूलम्। उत्॰आय्यम्॥ तम्। कृत्ये। अभि॰नि॰वर्तस्व॥ मा। अस्मान्। इच्छः। अ-
नागसः॥७॥ यः। ते। परूंषि। सम्॰दधौ। रथस्य॰इव। ऋभुः। धिया॥ तम्। गच्छ। त-
त्र। ते। अयनम्। अज्ञातः। ते। अयम्। जनः॥८॥ ये। त्वा। कृत्वा। आ॰लेभिरे। विद्व-
लाः। अभि॰चारिणः॥ शम्॰भु। इदम्। कृत्या॰दूषणम्। प्रति॰वर्त्म। पुनः॰सर-
म्। तेन। त्वा। स्नपयामसि॥९॥ यत्। दुः॰भगाम्। प्र॰स्नपिताम्॥ मृत॰वत्सा-
म्। उप॰ईयिम॥ अप। एतु। सर्वम्। मत्। पापम्। द्रविणम्। मा। उप। तिष्ठतु॥१०॥
॥छ॥१॥ यत्। ते। पितृ॰भ्यः। ददतः। यज्ञे। वा। नाम। जगृहुः॥ सम्॰देश्यात्। स-
र्वस्मात्। पापात्॥ इमाः। मुञ्चन्तु। त्वा। ओषधीः॥११॥ देव॰एनसात्। पित्र्यात्। नाम॰ग्रा-
हात्॥ सम्॰देश्यात्। अभि॰नि॰कृतात्॥ मुञ्चन्तु। त्वा। वीरुधः। वीर्येण। ब्रह्म-
णा। ऋक्॰भिः। पयसा। ऋषीणाम्॥१२॥ यथा। वातः। च्यवयति। भूम्याः। रेणुम्। अन्-

MEMORIAL

तस्मिन्। शताम्। यु॰ पुत्रम्॥ एव। मन। सर्वम्। कुः॰ तम्। प्रल॰ नु सम्। अप॰ अयति॥ ति
॥३॥ अप॰ कामा। नानद्तीं॥ वि॰ नद्या। गर्द॰ गा॰ इव॥ कर्दन। न दास्व। इतः। भूता॥
प्रलसा॥ वीर्य॰ घतौ॥४॥ अयम्। पथाः। स्थौ। इति। या। नृयामः॥ अपि
॰ प्रविता। म। प्राति। भुाः। आदिम्यः॥ तन। पुनि। वाहि। मंगतौ। अनस्य तो॰ इ
या। वांशीना॥ विश्व॰ हृया। कृस्तु॰ पिनि॥५॥ पस्क। तु। यो। तीं। अप॰ थमा। त।
अपूर्वा। का॥ अन्य गा॥ अस्म। ता। अप्रयना॥ शत्रु वा॥ पास्ता। इहि। नवति। मा। ना
व्या॰। अति। कुः॰ गाः। स्त्री। आः। मा। स्त्राणि। पः। पस्म इद्वि॥६॥ वात॰ इव।
वृक्षान्। नि। मृणीहि। पाश्या। मा। गाम्। अश्वम्। पुरुषम्। उत। शि। घ्नः। ए २०२
षाम्॥ कुर्वन्न। नि॰ वर्य॰ इतः। स्रृयो। अप्रजा। स॰ आय्। सो। भूया॥७॥ याम्
तां। वहिः। षिा। याम्। श्मशाने। स्तेी। ता। या। म। वलग म। वा। नि॰ खनुः॥

अग्नौ। वा। वा। गार्ह॰ पत्ये। अभि॰ चरुः॥ पाकम्। सन्तम्। धीर॰ तराः। अनो
अनागसम्॥८॥ उप॰ आहृताम्। अनु॰ बुधम्। नि॰ रस्ततम्॥ विस्नाता
३ श्री रि। अनु। विदताम्। कर्त्रम्॥ ततः। एतु। यतः। आ॰ हृताम्॥ तत्। अश्व॰ इवा
वि। वृत्य। ताम्॥ ९॥ कुः॰ स्त्याः। स्तः। प्र॰ जाम्॥१०॥ स्तु॰ आय सा। असस्य। सति॥
नः। गृह्य॥ विता। ता। स्याः। यति॰ ज्ञा। पस्वि॥ उत। तिष्ठ। इव। परा। इहि। इ
तः॥ अज्ञता। किम्। इह। इछसि॥ १०॥ ३॥ २॥ ग्रीवा। तु। ते। पास्ते। चु॥
अपि। कुर्यामि। निः। द्रवी। इं॰ आग्नी। इति। अस्मान। इहताम्॥ यो। प्र॰ जा
नाम्। प्रजा। वती। इति। प्रजा॰ वती॥१॥ सोम। राजा। अपि॰ पाः। मृडता। सु। नु
न तस्पन। पतयः। मृडयन्तु॥२॥ भ॰ वा। शर्वौ। अस्यताम्॥ पा॰ पो। सौ। स्याः
॰ सा। कु॰ स्ता। वि॰ घुतम्॥ देव॰ हेतिम्॥३॥ यदि। आ॰ इयथ। द्वि॰ पदी

या।उ॰ष॰पदी॥स्या॰सता॥सम्॰स्पा॥वि॰ध्य॰स्त्या॥सा।इतः।अपृष्ठ॰पदी॥
सूर्या॥कुन्ता।परा।इहि।कुष्णु।ने॥४॥अभि॰अस्ता।अपा॰अस्ता॥स्तु॰अस्तं
सता॥सर्वम्।नसंती॥कुःकृतम्।परा।इहि॥ज्ञानी।हि।सख्या।कृत।सम्॥कुहि
ता॰इवा।पितरम्।स्वमा॥पा।परम्।इहि।सख्या।मा।तिष्ठ॥वृ।हस्य॰इवा।पदम्॥
नय॥मृगः।सः।मृग॰युः।अमुं।नया॥नि॰कर्तुम्।अदीति॥५॥उत।दंति।हृ
र्वं॰आ।सिनम्॥वृति॰आ।दयः।अपरः।इच्छा॥उत।हर्वस्य।नि॰घृतः॥नि।
दंति।अपरः।अति॥७॥एतत॥हि।श्रृणु॥मा।वचन॥अथ।इहि।यतः।आ॰ २०४
इयथ॥यः।आ।चकास।तम्।प्रति।अनागः॰हया।वो।नीमा।सख्या।मा।नु
।गाम्।अश्वम्।पुरुषम्।वधीः॥यत्र॰यत्र।असि।नि॰हिता॥ततः।त्वा।उ
ता।स्थापयामसि॥पुरुष।तां।नधीयसी।भव॥८॥यदि।स्थ।तम्।सा।अ॰स्ता॥ज

केन।अपृषि।हिता॰इव॥सर्वः॥सम्॰नुध्या।इतः।सख्या॥कुन्त।कर्ति।ज्ञा।हि
एमु।सि॥१०॥सख्या॰सत।वृजा।गिनः॥अभि॰नि।कारिणः॥भू॰गाम्॥मृली।हि।
सख्यो।मा।उत।शिषः॥अप्रहृन्।सख्या॰सतः।गृहि॥११॥यथा।स्तवयं।कुरुयति।न
मस्तः।प।सिरा।त्रिम्।जदति।उषसः।या।केन॥एषा।अदम्।सर्वम्।कृ॰कृतम्॥
कर्तम्।सख्या॰सता।सतम्॥कृत्वी॰इवा।सह।कृ॰कृतम्।जदामि॥१२॥७॥३॥
केन।पार्ष्णी।इति।आभृते।पुरुषस्य॰मांसम्॥केन।मांसम्।सम्॰आनम्।केन।
गुल्फौ॥केन।अंगुलीः।पेशनीः।केन।खानि॥केन।उत॰श्लंखौ।मध्यतः।कः।प्र
ति॰स्थाम्॥१॥कस्मात्।नु।गुल्फौ।अधरौ।अकृण्वन्॥अष्ठीवंतौ।उत्तरौ।पुरुषस्य ४
स्य।जंघे।इति।नि॰ऋत्य।नि।अदधुः।क्व।स्वित्।जानुनोः।संधी।इति।सम्॰धी।कः।उ
इति।तत्।चिकेत॥२॥चतुः॰तयम्।युज्यते।संहित॰अंतम्॥जानुभ्याम्।ऊर्ध्वम्।शिथि

रमा। कथं धुम्। ओ गो। इति। पत। गुरू इति। कः। ॐ इति। तत। जजान॥ या या म्। ऋषि
सिंधम्। सु० स्थम्। बृहस्पा।३। कति। दृवाः। कतम्। ते। आसन्। ये। उस। ग्रीवाः। वि
क्युः। प्रुस्तष्ट र्षे॥ कति। स्तनौ। वि। अदृधुः। कः। कफोडौ॥ कति। स्कंधान्। कति। पृष्ठी
ः। आविन्चुन॥४॥ कः। अस्य। बाहू इति। समं। अगुरत॥ वीर्यम्। करवात्। इति। अंसौ।-
कः। अस्या। ततु। दृव॥ ऊ। सिंधं। अधि। प्रा। दधो॥५॥ कः। सप्त। खानि। वि। ततर्द। शी
र्षाणि। कर्णौ इमौ। नासिके। इति। चक्षणी इति। मुखम्॥ यषम्। पुरुत्रा। वि० गयस्य
मुलनि। चतुः० पादः। द्वि० पदः। यन्ति। याम॥ ६॥ न्वो। दि। जिज्ञाम्। अस्थ
ता। पुरु। धाम्। अधाम्। दीम्। अधि। शिश्राय। याचम्। सः। का। वरी। वृ। नि। वन। स्त्र २०५
अन्तः। अप। वसनं। कः। ॐ इति। ततु। विकेन॥७॥ मुस्ति। ज्ञान। अस्य। यतमः
नु। लाम्। कुपा। किम्। प्रथमः। यः। कपालम्॥ नौ। या। वि। यम्। न्वो॥ पुरुस
स्या। दिवम्। सुरो। कतमः। सः। दृवः॥८॥ प्रियं० अप्रिया। नि। वहु। स्व। स्वम्।
संबाधं० तंद्रीः। असा० नुदान। उग्रैः। नंदनम्। कस्मात्। वहति। पुरुषः॥९॥ आर्ति
ः। अवर्तिः। निः० सीति। कुतः। नु। पुरुषम्। अमतिं। राद्धिः। समं० सद्धिः। अर्तिः० राद्धिः॥
मतिः। उत्० इतय। ओं॥१०॥ ह॥ कः। अस्मिन्। आपः। वि। अदधात्। विषु० व
तः। पुरु० वृतः। सिन्धु० सत्याय। जातः। तीव्राः। अरुणाः। लोहिनीः। ताम्र० धूम्राः
ऊर्ध्वाः। अवाचीः। पुरुषे। तिरश्चीः॥११॥ कः। अस्मिन्। रूपम्। अदधात्। कः। मह्मानम्
च। नाम। च॥ गातुम्। कः। अस्मिन्। कः। केतुम्॥ कः। चरित्राणि। पुरुषे॥१२॥ कः। अस्मि
न्। प्राणम्। अवयत्॥ कः। अपानम्। व्यानम्। ॐ इति। समं० आनम्। अस्मिन्।
कः। दृवः। अधि। सि। धाय। पुरुषे॥१३॥ कः। अस्मिन्। यज्ञम्। अदधात्॥ एकः। दृवः।
अधि। पुरुषे॥ पुरुषे॥ कः। अस्मिन्। सत्यम्। कः। अनृतम्॥ कुतः। मृत्युः। कुतः। अमृ

तम्॥ ४॥ कः। आस्मै। वासः। परि। अदधात्॥ कः। अस्य। आयुः। अकल्पयत्॥ बलम्।
मा। कः। अस्मै। प्र। अयच्छत्॥ कः। अस्य। अकल्पयत्। जवम्॥ ५॥ केन। आपः। अ
नु। अतनुत॥ केन। अहः। अकरोत्। रुचे॥ उषसम्। केन। अनु। ऐन्ध॥ केन। सायम्
०भवम्। ददे॥ ६॥ कः। अस्मिन्। रेतः। नि। अदधात्॥ तन्तुः। आ। तायताम्। इति॥ मे
धाम्। कः। अस्मिन्। अधि। औहत्॥ कः। बाणम्। कः। नृतः। दधौ॥ ७॥ केन। इमाम्
भूमिम्। और्णोत्॥ केन। परि। अभवत्। दिवम्॥ केन। अभि। मह्ना। पर्वतान्॥ केन। क
र्माणि। पुरुषः॥ ८॥ केन। पर्जन्यम्। अनु। एति॥ केन। सोमम्। विऽचक्षणम्॥ केन। यज्ञम्।
च। श्रद्धाम्। च॥ केन। अस्मिन्। नि०हितम्। मनः॥ ९॥ केन। श्रोत्रियम्। आप्नोति॥ २०५
केन। इमम्। परमे०स्थिनम्॥ केन। इमम्। अग्निम्। पुरुषः॥ केन। सम्०वत्सरम्।
ममे॥ १०॥ ७॥ ५॥ ब्रह्म। श्रोत्रियम्। आप्नोति॥ ब्रह्म। इमम्। परमे०स्थिनम्॥ ब्र

ह्म। इमम्। अग्निम्। पुरुषः॥ ब्रह्म। सम्०वत्सरम्। ममे॥ १॥ केन। देवान्। अनु
क्षियति॥ केन। दैव०जनीः। विशः॥ केन। इदम्। अन्यत्। नक्षत्रम्॥ केन। सत्। क्ष
त्रम्। उच्यते॥ २॥ ब्रह्म। देवान्। अनु। क्षियति॥ ब्रह्म। दैव०जनीः। विशः॥ ब्रह्म-
इदम्। अन्यत्। नक्षत्रम्॥ ब्रह्म। सत्। क्षत्रम्। उच्यते॥ ३॥ केन। इयम्। भूमिः। वि०
हिता॥ केन। द्यौः। उत्०तरा। हिता॥ केन। इदम्। ऊर्ध्वम्। तिर्यक्। च। अन्तरिक्षम्।
व्यचः। हितम्॥ ४॥ ब्रह्मणा। भूमिः। वि०हिता॥ ब्रह्म। द्यौः। उत्०तरा। हिता॥ ब्र
ह्म। इदम्। ऊर्ध्वम्। तिर्यक्। च। अन्तरिक्षम्। व्यचः। हितम्॥ ५॥ मूर्धानम्। अस्य। सम्
सीव्य। अथर्वा। हृदयम्। च। यत्॥ मस्तिष्कात्। ऊर्ध्वः। प्र। ऐरयत्॥ पवमानः। अ
धि। शीर्षतः॥ ६॥ तत्। वै। अथर्वणः॥ शिरः॥ देव०कोशः। सम्०उब्जितः॥ तत्। प्राणः।
अभि। रक्षति॥ शिरः। अन्नम्। अथो इति। मनः॥ ७॥ ऊर्ध्वः। नु। सृष्टा३ः। तिर्यङ्।

नु । स्पृशः ॥ ३ ॥ सर्वाः । दिशः ॥ पुरुषः । आ । बभूव । आम् ॥ पुरम् । यः । ब्रह्मणः । वेद । य
स्याः । पुरुषः । उच्यते ॥ २८ ॥ यः । वै । ताम् । ब्रह्मणः । वेद । अमृतेन । आऽवृताम् । पु
रम् ॥ तस्मै । ब्रह्म । च । ब्राह्माः । च । चक्षुः । प्राणम् । प्रऽजाम् । ददुः ॥ २९ ॥ न । वै । त
म् । चक्षुः । जहाति । न । प्राणः । जरसः । पुरा ॥ पुरम् । यः । ब्रह्मणः । वेद । यस्याः । पु
रुषः । उच्यते ॥ ३० ॥ अष्टाऽचक्रा । नवऽद्वारा ॥ देवानाम् । पूः । अयोध्या ॥ तस्याम् । हि
रण्ययः । कोशः । स्वःऽगः । ज्योतिषा । आऽवृतः ॥ ३१ ॥ तस्मिन् । हिरण्यये । कोशे । त्रिऽअ
रे । त्रिऽप्रतिस्थिते ॥ तस्मिन् । यत् । यक्षम् । आत्मन्ऽवत् ॥ तत् । वै । ब्रह्मऽवि
दः । विदुः ॥ ३२ ॥ प्रऽभ्राजमानाम् । हरिणीम् । यशसा । सम्ऽपरिऽवृताम् ॥ पुरम् । हिरण्
ययीम् । ब्रह्मा । आ । विवेश । अपराऽजिताम् ॥ ३३ ॥ ६ ॥ ५ ॥ अयम् । मे । वरणः । मणिः ।
सपत्नऽक्षयणः । वृषा ॥ तेन । आ । रभस्व । त्वम् । शत्रून् । प्र । मृणीहि । दुरस्यतः ॥ १ ॥ प्र ।

एनान् । शृणीहि । प्र । मृण । आ । रभस्व ॥ मणिः । ते । अस्तु । पुरःऽएता । पुरस्तात् ॥ अ
वारयन्त । वरणेन । देवाः । अभिऽआचारम् । असुराणाम् । श्वःऽश्वः ॥ २ ॥ अयम् । मणिः
। वरणः । विश्वऽभेषजः । सहस्रऽअक्षः । हरितः । हिरण्ययः ॥ सः । ते । शत्रून् । अधरा
न् । पादयाति ॥ पूर्वः । तान् । दभ्नुहि । ये । त्वा । द्विषन्ति ॥ ३ ॥ अयम् । ते । कृत्याम् । विऽतताम् ॥
पौरुषेयात् । अयम् । भयात् ॥ अयम् । त्वा । सर्वस्मात् । पापात् ॥ वरणः । वारयिष्य
ते ॥ ४ ॥ वरणो वारयाता । इत्येका ॥ स्वप्नम् । सुप्त्वा । यदि । पश्यासि । पापम् । मृ
त। गः । सृतिम् । यति । धावात् । अजुष्टाम् ॥ परिऽक्षवात् । शकुनेः । पापऽवादात् ॥ अयम्
मणिः । वरणः । वारयिष्यते ॥ ६ ॥ अरात्याः । त्वा । निःऽऋत्याः । अभिऽचारात् । अथो इति । भ
यात् ॥ मृत्योः । ओजीयसः । वधात् । वरणः । वारयिष्यते ॥ ७ ॥ यत् । मे । माता । यत् । मे । पि
ता ॥ भ्रातरः । यत् । च । मे । स्वाः ॥ यत् । एनः । चकृम । वयम् ॥ ततः । नः । वारयिष्यते । अयम् । दे

MEMORIAL

वः । वनस्पतिभिः ॥ ६ ॥ वरणेन । प्रऽव्यथिताः ॥ भ्रातृव्याः । मे । सऽबंधवः । असूर्तम् ।
रजः । अपि । अगुः ॥ ते । यन्तु । अधमम् ॥ तमः ॥ ७ ॥ अरिष्टः । अहम् । अरिष्टऽगुः । आयुष्मान् । स
र्वऽपूरुषः । तम् । मा । अयम् । वरणः । मणिः । परि । पातु । दिशःऽदिशः ॥ १० ॥ ७ ॥ ७ ॥ अ
यम् । मे । वरणः । उरसि । राजा । देवः । वनस्पतिः ॥ सः । मे । शत्रून् । वि । बाधताम् । इ
न्द्रः । दस्यून्ऽइव । असुरान् ॥ १ ॥ इमम् । बिभर्मि । वरणम् । आयुष्मान् । शतऽशार
दः ॥ सः । मे । राष्ट्रम् । च । क्षत्रम् । च । पशून् । ओजः । च । मे । दधत् ॥ २ ॥ यथा । वातः । वन
स्पतीन् । वृक्षान् । भनक्ति । ओजसा ॥ एव । सऽपत्नान् । मे । भङ्ग्धि ॥ पूर्वान् । जातान् ॥ २०८
जातान् । उत । अपरान् । वरणः । त्वा । अभि । रक्षतु ॥ ३ ॥ यथा । वातः । च । अग्निः । च । वृ
क्षान् । प्सातः । वनस्पतीन् ॥ सऽपत्नान् । मे । साहि ॥ पूर्वान् ॥ ४ ॥ यथा । वातेन । प्रऽ
क्षीणाः । वृक्षाः । शेरे । निऽअर्पिताः ॥ एव । सऽपत्नान् । त्वम् । मम । प्र । क्षिणीहि । नि ।

अर्पय ॥ पूर्वान् । जातान् । उत । अपरान् ॥ वरणः । त्वा । अभि । रक्षतु ॥ ५ ॥ तान् ।
त्वम् । प्र । छिन्धि । वरण । पुरा । दिष्टात् । पुरा । आयुषः ॥ यः । एनम् । पशुषु । दिप्सति ।
यः । च । अस्य । राष्ट्रऽदिप्सकः ॥ ६ ॥ यथा । सूर्यः । अतिऽभाति । यथा । अस्मिन् । तेजः ।
आऽहितम् ॥ एव । मे । वरणः । मणिः । कीर्तिम् । भूतिम् । नि । यच्छतु ॥ तेजसा । मा । सम् ।
उक्षतु ॥ यशसा । सम् । अनक्तु । मा ॥ ७ ॥ यथा । यशः । चन्द्रमसि । आदित्ये । च । नृऽ
चक्षसि ॥ ८ ॥ यशः । पृथिव्याम् ॥ यथा । अस्मिन् । जातऽवेदसि ॥ यथा । यशः । कन्य
याम् ॥ ९ ॥ यथा । अस्मिन् । सम्ऽभृते । रथे ॥ १० ॥ ७ ॥ ८ ॥ यशः । सोमऽपीथे । मधुऽ
पर्के । यथा । यशः ॥ ११ ॥ यशः । अग्निऽहोत्रे । वषट्ऽकारे । यथा । यशः ॥ १२ ॥ यशः । य
जमाने । यथा । अस्मिन् । यज्ञे । आऽहितम् ॥ १३ ॥ यथा । यशः । प्रजाऽपतौ ॥ यथा । अ
स्मिन् । परमेऽस्थिनि ॥ यथा । देवेषु । अमृतम् ॥ यथा । एषु । सत्यम् । आऽहितम् ॥ १५ ॥ ह

धाम। वरुणः। मृत्तिः। कीर्तिम्। सुतम्। नि। यच्छतु॥ तत्। सोमा। सम्। उत्क्रुशः। यश-
सा। सम्। अनुक्रमा॥ ६॥ ७॥ ८॥ इन्द्रस्य। प्रथमः। रथः। देवानाम्। अप-
रः। रथः। वरुणस्य। तृतीयः। इत्। अहीनाम्। अपमा। रथः। स्थाणुम्। आरत्
अथ। तः। अथ। अवर्तत॥ १॥ दर्भः। शोचिः। तरूणकम्। अश्वस्य। वारः। परुषस्य
। वारः। रथस्य। बन्धुरम्॥ २॥ अव। श्वेत। पदा। जहि। पूर्वेण। च। अपरेण। च॥ ३
उदप्लुतम्ऽइव। दारु। अहीनाम्॥ अरसम्। विषम्। वाः। उग्रम्॥ ३॥ अरम्ऽघुष
ः। निऽमज्ज्य। उन्ऽमज्य। पुनः। अब्रवीत्॥ उदप्लुतम्ऽइव। दारु। अहीनाम्। अ-
रसम्। विषम्। वाः। उग्रम्॥ ४॥ पैद्वः। हन्ति। कसर्णीलम्। पैद्वः। श्वित्रम्। उत २०९
असितम्॥ पैद्वः। रथर्व्याः। शिरः। सम्। भिनत्तु। पृदाकः॥ ५॥ पैद्व। प्र। इहि। प्र-
थमः॥ अनु। त्वा। वयम्। आ। इमसि॥ अहीन्। वि। अस्यतात्। पथः॥ येन। स्म।

वयम्। आऽइमसि॥ ६॥ इदम्। पैद्वः। अजायत॥ इदम्। अस्य। पराऽअयनम्॥ इमानि
अर्वतः। पदा। अहिऽघ्न्यः। वाजिनीऽवतः॥ ७॥ संऽयतम्। न। वि। स्परत्॥ विऽआत्त-
म्। न। सम्। यमत्॥ अस्मिन्। क्षेत्रे। द्वौ। अही इति। स्त्री। च। पुमान्। च। तौ। उभौ। अरसा
॥ ८॥ अरसासः। इह। अहयः। ये। अन्ति। ये। च। दूरके॥ घनेन। हन्मि। वृश्चिकम्। अहि-
म्। दण्डेन। आऽगतम्॥ अघऽअश्वस्य। इदम्। भेषजम्॥ उभयोः। स्वजस्य। च॥ इन्द्रः।
मा। अहिम्। अरन्धयत्। अहिम्। पैद्वः। अरन्धयत्॥ ९॥ १०॥ पैद्वस्य। मन्महे। व-
यम्॥ स्थिरस्य। स्थिरऽधाम्नः॥ इमे। पश्चा। पृदाकवः। प्रऽदीध्यतः। आसते॥ ११॥ न
ष्ट। असवः। नृष्ट। विषम्। हताः। इन्द्रेण। वज्रिणा॥ जघान। इन्द्रः। जघ्निम। वयम्॥ १२॥
हताः। तिरश्चिऽराजयः। निऽपिष्टासः। पृदाकवः॥ दर्विम्। करिक्रतम्। श्वित्रम्। द-
र्भेषु। असितम्। जहि॥ १३॥ कैराति़का। कुमारिका। सका। खनति। भेषजम्॥ हिरण्ययी-

ति॥ अग्रि॰ति॥ गिरीणाम्। उपऽसानुषु॥ प्रथमा। अगन्। सुवा। निबध्न॥ ह्रियैता
अपरा॰जितः। असः। वि। स्वर्गस्य। गं। नन्। ह्। ऋनयेः। हस्तिकस्य। यु॥ पइंद्रः। मुनि
अभिमा। अरंधयत्॥ मित्रः। युः। वस्तिणः। युः। वाता। पर्जन्या। उग्रा॥ १ इंद्रः। मु। अभिमु
अरंधयत्॥ हस्तुमं। यु। हद्८ऋम्। यु। हृदयकम्॥ स्वर्गम्। तिस्रि॰ राम्॥ कृस्तुरी
नाम्। दशनेनसिम्॥ ७॥ इंद्रः। गृधानु। प्रथमम्। [illegible] जनिताम्। अगा। तम्। नम्। उं
इति। त्रलमाम्नानाम्॥ क॰॥ सुता। तनाम्। अमृतः। रस्य॥ ॥ समा। दि। शी। वीति। अग्र
णम्॥ प्यो। जि। स्तु॰ इपा। कयर्म्॥ सिंधाः॥ मध्यम्। पुरा॰ इद्रम्। वि। अनिजम्। अग्निः। विष २१०
माणो। अपदीनाम्। सर्वेषाम्। विषम्॥ पस्स वदेउ। सिंधवः॥ धुताः। तिस्रि॰ राजस्य॥ ॥
नि॰ पिस्रासः। हस्तकवः॥ १०॥ ७॥ ११॥ ते षधीनाम्। अदमा। इतो॥ उर्वसि॰ इवासा २१०
धु॰ या॥ नयनमी। अपर्ना ४॰ इवा। आप्ला। नि ७॰ एऽआता। विषम्॥ १॥ यतः। अग्नौ। स्तार्थवि
—

इंद्रस्य प्रथमेःद्वितीयेनुवाकः॥

षमा॥ हृष्ट्रियाम्। त्रेषधी। क्षायतः॥ का। हु। विषम्। कन। कृयम्॥ नि ७॰ एऽअप्सा। इन्द्रा। ता।
विषम्॥ २॥ या। अग्नि॰णाः। त्रेषधि॰ णाः। अपलिनाम्॥ या। अस्तु॰ णाः। वि॰ धनाः। अ।
॰ पुरुवु६॥ यस्मा। णता। निबधुं। धा। मर्दीति॥ तस्मै। स्वर्पत्यः। नमसा॥ विधेम॥ ३॥
तौदीनाम। असि। कन्या॥ घृताचीनाम्। याः। अपसि॥ अपदः॰ पुरुहूता। पुरम्। अपा॥ इदेवि
षु॰ हृषणाम्॥ ४॥ अंगमन्॰ अंगात्। पा। यथ। पूय। हृदस्यम्। पसि वर्णया॥ अयथा। विषस्य यता।
तेज॥ अपाची नमा। नस्। इन्द्र। ता॥ पा॥ अपुरा। अनृत। विषम्। अपरोत॥ विष। विषम्। अग्र
का। अपि। अग्निः। विषम्। आपाल। निः। अपयात। सोम॥ निः। अनयीत॥ इंद्रस्य। अनु। अनु
गात॥ विषम्। अदित। अमृता॥ ५॥ ७॥ १२॥ इंद्रस्य। उग्रस्य। इंद्रस्य। संदम स्तु॥ इंद्रस्य। व
नमो स्तु॥ इंद्रस्य। वीर्यम्। स्तु॥ इंद्रस्य। नृमणं स्तु॥ जिष्णु। यो गन्या। अलु॰ योगेः। वृषासु
नृष्णि॥ १॥ योगन्या। सत्र॰ योगेः। वः॥ त्या गन्या। इंद्र॰ यागेः। वः॥ रे योगन्या। सोम॰ वी

तेः। वृः॥४॥ योगस्य। अप्सु॰ योगैः। वृः॥ पुनर्भ्युः॥ ५॥ इन्द्रस्य। ओजः। स्थ॥ इन्द्रस्य। सहः॥
स्थ॥ इन्द्रस्य। बलम्। स्थ॥ इन्द्रस्य। वीर्यम्। स्थ॥ इन्द्रस्य। नृम्णम्। स्थ॥ जिष्णवे। योगाय॥
विश्वानि। मा। भूतानि। उप। तिष्ठन्तु॥ युक्ताः। मे। आपः। स्थ॥ ६॥ अग्नेः। भागः। स्थ॥ अ
पाम्। शुक्रम्। आपः। देवीः॥ वर्चः। अस्मासु। धत्त॥ प्रजा॰ पतेः॥ वः। धाम्ना। अस्मै
लोकाय। सादये॥ ७॥ इन्द्रस्य। भागः। सोमस्य। भागः॥ ९॥ वरुणस्य। भागः॥ १०॥ ७॥ मि
त्रावरुणयोः। भागः। यमस्य। भागः। पितृणाम्। भागः॥ देवस्य। सवितुः॰ भागः॥
स्थ॥ अपाम्। शुक्रम्। आपः। देवीः॥ वर्चः। अस्मासु। धत्त॥ प्रजा॰ पतेः॥ वः। धाम्ना॥ २११
अमुष्मै। लोकाय। सादये॥ ७॥ यः। वः। आपः। अपाम्। भागः। अप्॰ सु। अन्तः॥ यजु-
ष्यः। देव॰ यजनः॥ इदम्। तम्। अति। सृजामि॥ तम्। मा। अभि॰ अव॰ निक्षि॥ तेन। तम्। अभि
॰ अति॰ सृजामः॥ यः। अस्मान्। द्वेष्टि। यम्। वयम्। द्विष्मः॥ तम्। वधेयम्। तम्। स्तृषीय॥

अपं॥ नृ घः॥ अप
सः ६

अनेन। ब्रह्मणा। अनेन। कर्मणा॥ अनया। मेन्या॥ ५॥ अपाम्। ऊर्मिः॥ अप्॰ सु॥ ७॥ अपा
म्। वृषभः॥ अप्॰ सु॥ ८॥ अपाम्। हिरण्य॰ गर्भः॥ अप्॰ सु॥ ९॥ यः। वः। आपः। अपाम्।
अश्मा। पृश्निः। दिव्यः॥ अप्॰ सु। अन्तः॥ यजुष्यः॥ देव॰ यजनः॥ इदम्। तम्। अति। सृजामि॥
तम्। मा। तेन। तम्॥ १०॥ ७॥ १४॥ यः। वः। आपः। अपाम्। अग्नयः॥ अप्॰ सु। अन्तः॥ य
जुष्याः। देव॰ यजनाः॥ इदम्। तान्। अति। सृजामि॥ तान्। मा। अभि॰ अव॰ निक्षि॥ तैः। तम्। अभि
॰ अति॰ सृजामः॥ यः। अस्मान्। द्वेष्टि। यम्। वयम्। द्विष्मः॥ तम्। वधेयम्। तम्। स्तृषीय॥
अनेन। ब्रह्मणा। अनेन। कर्मणा। अनया। मेन्या॥ १॥ यत्। अर्वाचीनम्। त्रि॰ हायनात्। अ
नृतम्। किम्। च। ऊदिम॥ आपः। मा। तस्मात्। सर्वस्मात्। दुः॰ इतात्। पान्तु। अंहसः॥ २॥
समुद्रम्। वः। प्र। हिनोमि॥ स्वाम्। योनिम्। अपि। इतन॥ अरिष्टाः। सर्व॰ हायसः॥ मा
च। नः। किम्। चन। आममत्॥ ३॥ अरिप्राः। आपः। अप। रिप्रम्। अस्मत्॥ प्र। अस्मत्

एनः । दुः० हृतम् । स्तु० अतीषाः ॥ यं दुः० स्वप्न्यम् । यमलम् । युनक्तु ॥ ४ ॥ विष्णोः । क्रमः । असि ।
सपत्न० हा । पृथिवी० संशितः । अग्नि० तेजाः । पृथिवीम् । अनु । वि । क्रमे । अहम् । पृथि
व्याः । तम् । निः । भजामः । यः । अस्मान् । द्वेष्टि । यम् । वयम् । द्विष्मः । सः । मा । जीवीत् ।
तम् । प्राणः । जहातु ॥ ५ ॥ सपत्न० हा । अन्तरिक्ष० संशितः । वायु० तेजाः । अन्तरि
क्षम् । अनु । वि । क्रमे । अहम् । अन्तरिक्षात् । तम् ॥ सपत्न० हा । द्यौ० संशितः । सूर्य
तेजाः ॥ दिवम् । अनु । वि । क्रमे । अहम् । दिवः । तम् ॥ ७ ॥ सपत्न० हा । दिक्० संशितः । मन
तेजाः ॥ दिशः । अनु । वि । क्रमे । अहम् । दिक्० भ्यः । तम् ॥ ८ ॥ सपत्न० हा । आशा० संशि
तः । वात० तेजाः ॥ आशाः । अनु । वि । क्रमे । अहम् ॥ आशा० भ्यः । तम् ॥ ९ ॥ सपत्न० हा
। ऋक्० संशितः । साम० तेजाः ॥ ऋचः । अनु । वि । क्रमे । अहम् ॥ ऋक्० भ्यः । तम् ॥ १० ॥
॥ ७ ॥ १५ ॥ सपत्न० हा । यज्ञ० संशितः । ब्रह्म० तेजाः । यज्ञम् । अनु । वि । क्रमे । अहम् । यज्ञात् ।

DAJI MEMORIAL

तम् ॥ १ ॥ सपत्न० हा । ओषधी० संशितः । सोम० तेजाः ॥ ओषधीः । अनु । वि । क्रमे । अहम् । ओ
षधी० भ्यः । तम् ॥ २ ॥ सपत्न० हा । अप्सु० संशितः । वरुण० तेजाः ॥ अपः । अनु । वि । क्रमे । अ
हम् ॥ अत्० भ्यः । तम् ॥ ३ ॥ सपत्न० हा । कृषि० संशितः । अन्न० तेजाः ॥ कृषिम् । अनु
वि । क्रमे । अहम् ॥ कृष्याः । तम् ॥ ४ ॥ विष्णोः । क्रमः । असि । सपत्न० हा ॥ प्राण० संशितः ।
पुरुष० तेजाः ॥ प्राणम् । अनु । वि । क्रमे । अहम् ॥ प्राणात् । तम् । निः । भजामः ॥ यः । अस्मान्
। द्वेष्टि । यम् । वयम् । द्विष्मः ॥ सः । मा । जीवीत् । तम् । प्राणः । जहातु ॥ ५ ॥ जितम् । अस्माकम्
उत्० भिन्नम् । अस्माकम् ॥ अभि । अस्थाम् । विश्वाः । पृतनाः । अरातीः ॥ इदम् । अहम् । अ
मुष्यायणस्य । अमुष्याः । पुत्रस्य । वर्चः । तेजः । प्राणम् । आयुः ॥ नि । वेष्टयामि ॥ इदम् ।
एनम् । अधराञ्चम् । पादयामि ॥ ६ ॥ सूर्यस्य । आ० वृतम् । अनु० आवर्ते । दक्षिणाम् । अनु
आ० वृतम् ॥ सा । मे । द्रविणम् ॥ यच्छतु ॥ सा । मे । ब्राह्मण० वर्चसम् ॥ दिशः । ज्योतिष्मः

नीः॥ अपि॰ आवर्त्ति॥ ताः॥ मुञ्चामि॥ मायच्छंतु॥ ताः॥ मे॥ ऽस्तु॰ सबीन॥ अपि॰
आवर्त्ति॥ ते॥ मे॥ द्रविणम्॥ आयच्छंतु॥ ते॥ मे॥ ७॥ अग्ने॰ अपि॰ आवर्त्ति॥ तत्॥ मे॥ द्र
विणम्॥ आयच्छंतु॥ तत्॥ मे॥ १०॥ ६॥ १५॥ आप्लवनात्॥ अपि॰ आवर्त्ति॥ ते॥ मे॥ द्रविण
म्॥ आयच्छंतु॥ ते॥ मे॥ आप्लवन॰ वर्चसम्॥ १॥ यम्॥ वयम्॥ नगयस्मा॥ तम्॥ वधैः॥ स्तृ
णवाम॥ ह॥ वि॰ आत्त॰ परमे॰ ष्ठिनेः॥ अप्लसा॥ आ॥ अपीपदम्॥ तम्॥ २॥ विश्वान
रस्य॥ द्रंष्ट्रा॥ याम्॥ हतिः॥ तम्॥ सम्॥ अधात्॥ अपि॥ इयम्॥ तम्॥ सा॥ आ॰ हुतिः॥
समृता॥ देवी॥ सहीयसी॥ ३॥ रा॰ ज्ञः॥ वरुणस्य॥ बधः॥ असि॥ सः॥ अमुम्॥ आमुष्या
यणम्॥ अमुष्याः॥ पुत्रम्॥ अन्ने॥ प्राणे॥ बधान॥ ४॥ यत्॥ ते॥ अन्नम्॥ भुवः॥ पते॥
आ॰ क्षियति॥ पृथिवीम्॥ अनु॥ तस्य॥ नः॥ त्वम्॥ भुवः॥ पते॥ सम्॰ प्रयच्छ॥ प्रजा॰ प
ते॥ ५॥ आपः॥ दिव्याः इति॥ इन्द्र॥ यस्मा इति॥ इन्द्र॥ अपाम्॥ अस्मै॥ यक्ष्मम्॥ प्र॥ हरामि॥ ११३

विंशति

यच्छ॰ तुष्टी॥ च॰ णिधस्य॥ विजान॥ सः॥ अस्य॥ संगतनि॥ प्रश्रणा॥ तु॥ सवर्मा॥ तत्॥
मे॥ देवाः॥ अनु॥ जानंतु॥ विश्वे॥ १०॥ ६॥ १७॥ अरातिः॰ योः॥ भ्रातृव्यस्य॥ दुः॰ हार्दः॥
द्विषतः॥ शिरः॥ अपि॥ वृश्चामि॥ ओजसा॥ १॥ वर्म॥ मह्यम्॥ अयम्॥ मणिः॥ फालात्॥ जा
तः॥ करिष्यति॥ पूर्णः॥ मंथेन॥ मा॥ आ॥ अगमत्॥ रसेन॥ सह॥ वर्चसा॥ २॥ यत्॥ त्वा॥ शि
क्वः॥ परा॰ अवधीत्॥ तक्षा॥ हस्तेन॥ वास्या॥ आपः॥ त्वा॥ तस्मात्॥ जीवलाः॥ पुनन्तु॥ शुच
यः॥ शुचिम्॥ ३॥ हिरण्य॰ स्रक्॥ अयम्॥ मणिः॥ श्रद्धाम्॥ यज्ञम्॥ महः॥ दधत्॥ गृहे॥ व
सतु॥ नः॥ अतिथिः॥ ४॥ तस्मै॥ घृतम्॥ सुराम्॥ मधु॥ अन्नम्॰ अन्नम्॥ क्षदामहे॥ सः॥ नः॥
पिता॰ इव॥ पुत्रेभ्यः॥ श्रेयः॰ श्रेयः॥ चिकित्सतु॥ भूयः॰ भूयः॥ श्वः॰ श्वः॥ देवेभ्यः॥
मणिः॥ आ॰ इत्य॥ ५॥ यम्॥ अबध्नात्॥ बृहस्पतिः॥ मणिम्॥ फालम्॥ घृत॰ श्चुतम्॥ उ
ग्रम्॥ खदिरम्॥ ओजसे॥ तम्॥ अग्निः॥ प्रति॥ अमुंचत॥ सः॥ अस्मै॥ दुहे॥ आज्यम्॥ भूयः

य॰ भूयः। श्वः॰ श्वः॥ तेन। त्वम्। द्विषतः। जहि॥६॥ तम्। इंद्रः। प्रति। अमुंचत। ओजसे।
वीर्याय। कम्॥ सः। अस्मै। बलम्। इत्। दुहे॥ भूय॰ भूयः॥७॥ तम्। सोमः। प्रति। अ-
मुंचत॥ महे। श्रोत्राय। चक्षसे॥ अस्मै। वर्चः। इत्॥८॥ तम्। सूर्यः। प्रति। अमुंचत। तेन।
इमाः। अजयत्। दिशः॥ अस्मै। भूतिम्। इत्॥९॥ बृहस्पतिः। मणिम्। फालम्। घृत॰श्चु-
तम्॥ उग्रम्। खदिरम्। ओजसे॥ तम्। बिभ्रत्। चंद्रमाः। मणिम्। असुराणाम्। पुरः।
अजयत्। दानवानाम्। हिरण्ययीः॥ अस्मै। श्रियम्। इत्। दुहे॥१०॥६॥१॥ बृहस्प-
तिः। वाताय। मणिम्। आशवे॥ सः। अस्मै। वाजिनम्। दुहे॥१॥ तेन। इमाम्। मणिना। कृ-
षिम्। अश्विनौ। अभि। रक्षतः॥ सः। भिषक्॰भ्याम्। महः। दुहे॥२॥ तम्। बिभ्रत्। सविता। म- २१४
णिम्॥ तेन। इदम्। अजयत्। स्वः॥ सः। अस्मै। सूनृताम्। दुहे॥३॥ तम्। आपः। बिभ्रती-
ः। मणिम्॥ सदा। धावंति। अक्षिताः॥ सः। आभ्यः। अमृतम्। इत्। दुहे॥४॥ तम्। राजा।

म॰ द॰ १३

पंवुलीश्रीवक्स्तवीश्च नापीनी हैं।

वरुणः। मणिम्। प्रति। अमुंचत। शम्॰भुवम्॥ सः। अस्मै। सत्यम्। इत्॥५॥ तम्।
देवाः। बिभ्रतः। मणिम्॥ सर्वान्। लोकान्। युधा। अजयन्॥ सः। एभ्यः। जितिम्। इत्॥६॥ यम्।
अबध्नात्। बृहस्पतिः। वातस्य। मणिम्। आशवम्। तम्। इमम्। देवताः। मणिम्॥ प्रति।
अमुंचत। शम्॰भुवम्॥ सः। आभ्यः। विश्वम्। इत्। दुहे॥ भूय॰ भूयः। श्वः॰ श्वः॥ ते-
न। त्वम्। द्विषतः। जहि॥७॥ ऋतवः। तम्। अबध्नत। आर्तवाः। तम्। अबध्नत॥ सम्॰व-
त्सरः। तम्। बद्ध्वा। सर्वम्। भूतम्। वि। रक्षति॥८॥ अन्तः॰देशाः। अबध्नत। प्र॰दिशः।
तम्। अबध्नत॥ प्रजापति॰सृष्टः। मणिः। द्विषतः। मे। अधरान्। अकः॥९॥ अथर्वाण-
ः। अबध्नत। आथर्वणाः। अबध्नत॥ तैः। मेदिनः। अंगिरसः॥ दस्यूनाम्। बिभिदुः। ५१
पुरः॥ तेन। त्वम्। द्विषतः। जहि॥१०॥७॥१०॥ तम्। धाता। प्रति। अमुंचत॥ सः। भूतम्। वि।
अकल्पयत्॥ तेन। त्वम्। द्विषतः। जहि॥१॥ यम्। अबध्नात्। बृहस्पतिः। देवेभ्यः। अ-

स्वर॰ हि तिम्॥ सः॥ मा॥ अथम्॥ मा॥ निः॥ आ॥ अगमन्त॥ रसेन॥ सुह॥ वर्चसा॥ २॥ अगन्
मन्त॥ सह॥ गतोनिस॥ अजा॥ वि॰ भि॥ अन्येन॥ अ॰ गयास॥ सुह॥ ३॥ अगमन्त॥ सुदर्शी॥ द्वि॰ अ
वान्यस्म॥ मलसा॥ ईश्वा॥ सुह॥ ४॥ अगमन्त॥ म[illegible]॥ घृतस्य॥ धारया॥ कीलालेन॥ मणि
ः॥ सुह॥ ५॥ अगमन्त॥ ऊर्जयस॥ पयसा॥ सुह॥ द्रविसोन॥ श्रिया॥ सुह॥ ६॥ अगमन्त॥ ते
जसा॥ त्वि[illegible]॥ सुह॥ यशसा॥ कीर्त्या॥ सुह॥ ७॥ यन्मा॥ अपव्रता॥ एदुस्पतिभ॥ द्वावना॥
अस्वर॰ हितिम्॥ सः॥ मा॥ अथम॥ मा॥ निः॥ आ॥ अगमन्त॥ सर्वसिन्धिः॥ कुत्तिभिः॥ सुह॥ ८
तम्॥ इमम्॥ देवतः॥ मनि ना॥ मह्यम्॥ ददतु॥ पुरुरूप॥ अग्नि॰ तुम॥ दृश॰ वर्द्धनम्॥ सु
प्रभ॰ देवम्॥ मणिना॥ ९॥ मलेशा॥ तेजसा॥ सुह॥ प्रतिमुञ्चामि॥ मे॥ शिवम्॥ असपत्न॥ २१५
सपत्न॰ वासु॰ प्रमान॥ मा॥ अधरान्॥ अपक्षः॥ १०॥ ७॥ २०॥ उत्त॰ तरम्॥ द्विषतः॥ मा॥
अयम्॥ मणिः॥ सणोतु॥ देव॰ जाः॥ यस्य॥ लोकाः॥ इमे॥ त्रयः॥ पयम॥ कुर्यम्॥ उप॰ आ 3

यंत्रा तृतीयो ऽनुवाकः।

साता॥ सः॥ मा॥ अथम्॥ अधिरोहतु॥ मणिः॥ श्रैष्ठ्याय॥ मूर्द्धतः॥ १॥ यम्॥ देवाः॥ पितु
सः॥ मनुष्याः॥ उप॰ जीवन्ति॥ सर्वदा॥ सः॥ मा॥ अथम्॥ अधिरोहतु॥ मणिः॥ श्रैष्ठ्याय॥ मू
र्द्धतः॥ २॥ यथा॥ बीजम्॥ उर्वरायाम्॥ सह॥ फालेन॥ रोहति॥ एवा॥ मयि॥ प्र॰ जा॥ पशवः॥
अन्नम्॰ अनम्॥ वि॥ रोहतु॥ ३॥ यस्मै॥ त्वा॥ यज्ञ॰ वर्द्धन॥ मणे॥ प्रति॰ अमुञ्चम्॥ शिव
म्॥ तम्॥ त्वम्॥ शतम्॰ दक्षिण॥ मणे॥ श्रैष्ठ्याय॥ जिन्वतात्॥ ४॥ एतम्॥ इध्मम्॥ सम्॰ आहि
तम्॥ जुषाणः॥ अग्ने॥ प्रति॥ हर्य॥ होमैः॥ तस्मिन्॥ विदेम॥ सु॰ मतिम्॥ स्वस्ति॥ प्र॰ जाम्॥
चक्षुः॥ पशून्॥ सम्॰ इद्ध॥ जात॰ वेदसि॥ ब्रह्मणा॥ ५॥ ७॥ २१॥ कस्मिन्॥ अंगे॥ तपः॥ अ
स्य॥ अधि॥ तिष्ठति॥ कस्मिन्॥ अंगे॥ ऋतम्॥ अस्य॥ अधि॥ आ॰ हितम्॥ क्व॥ व्रतम्॥ क्व॥ श्र
द्धा॥ अस्य॥ तिष्ठति॥ कस्मिन्॥ अंगे॥ सत्यम्॥ अस्य॥ प्रति॰ स्थितम्॥ १॥ कस्मात्॥ अं
गात्॥ दीप्यते॥ अग्निः॥ अस्य॥ कस्मात्॥ अंगात्॥ पवते॥ मातरिश्वा॥ कस्मात्॥ अंगात्

वि। मिमीते। अधिऽपूर्णम्। स्कंभं तस्य मिमन्नः॥ अंगम्॥२॥ कस्मिन्। अंगे। तिष्ठ
ति। भूमिः। अस्य। कस्मिन्। अंगे। तिष्ठति। अंतरिक्षम्॥ कस्मिन्। अंगे। तिष्ठति। आऽ
हिता। द्यौः। कस्मिन्। अंगे। तिष्ठति। उत्तरम्। दिवः॥३॥ क्व। प्रऽइप्सन्। दीप्यते। ऊर्ध्व
ः। अग्निः॥ क्व। प्रऽइप्सन्। पवते। मातरिश्वा। यत्र। प्रऽईप्सन्तीः। अभिऽयंति। आऽवृ
तः। स्कंभम्। तम्। ब्रूहि। कतमः। स्वित्। एव। सः॥४॥ क्व। अर्धऽमासाः। क्व। यंति। मासाः॥
सम्ऽवत्सरेण। सह। सम्ऽविदानाः॥ यत्र। यंति। ऋतवः। यत्र। आऽर्तवाः। स्कंभम्॥५॥
प्र० क्व। प्रेप्सन्ती इति प्रऽईप्सन्ती। युवती इति। विरूपे इति विऽरूपे॥ अहोरात्रे इति। द्रव
तः। संविदाने इति सम्ऽविदाने॥ यत्र। प्रऽईप्सन्तीः। अभिऽयंति। आपः। स्कंभम्॥६॥ यस् २१६
मिन्। स्तब्ध्वा। प्रजाऽपतिः॥ लोकान्। सर्वान्। अधारयत्॥ स्कंभम्। तम्। ब्रूहि। कतमः। स्वि
त्। एव। सः॥७॥ यत्। परमम्। अवमम्। यत्। च। मध्यमम्॥ प्रजाऽपतिः। ससृजे। विश्वऽ

रूपम्॥ कियता। स्कंभः। प्र। विवेश। तत्र। यत्। न। प्रऽअविशत्॥ कियत्
तत्। बभूव॥८॥ कियता। स्कंभः। प्र। विवेश। भूतम्॥ कियत्। भविष्यत्। अ
नुऽआशये। अस्य॥ एकम्। यत्। अंगम्। अकृणोत्। सहस्रऽधा॥ कियता॥
स्कंभः। प्र। विवेश। तत्र॥९॥ यत्र। लोकान्। च। कोशान्। च। आपः। ब्रह्म
जनाः। विदुः। असत्। च। यत्र। सत्। च। अंतः। स्कंभम्। तम्। ब्रूहि। कतमः॥ स्वि
त्। एव। सः॥१०॥६॥३२॥ यत्र। तपः। पराऽक्रम्य। व्रतम्। धारयति। उत्ऽतरम्॥
ऋतम्। च। यत्र। श्रद्धा। च। आपः। ब्रह्म। सम्ऽआहिताः॥ स्कंभम्॥११॥ यस्मिन्। त ३ ब
भूमिः। अंतरिक्षम्॥ द्यौः। यस्मिन्। अधि। आऽहिता॥ यत्र। अग्निः। चंद्रमाः। सू
र्यः॥ वातः। तिष्ठंति। आऽर्पिताः। स्कंभम्॥१२॥ यस्य। त्रयःऽत्रिंशत्। देवाः॥ अंगे॥
सर्वे। सम्ऽआहिताः॥ स्कंभम्॥१३॥ यत्र। ऋषयः। प्रथमऽजाः॥ ऋचः। साम। यजुः

गुः। मही॥ एकऋ० ऋषिः। यस्मिन्। आर्पिताः। स्कं० नम्॥४ यत्र। अमृतम्। च। मृत्युः
ः। च। पुरुषे। अधि। समाहितौ॥ इति सम्० आहितौ॥ समुद्रः। यस्य। नाड्यः॥ पुरु-
षे। अधि। सम्० आहिताः। स्कं० नम्॥५ यस्य। चतस्रः। प्र०दिशः। नाड्यः॥ तिष्ठं-
ति। प्र०थमाः॥ यज्ञः। यत्र। परा० क्रांतः। स्कं० नम्॥७॥ तम्। ब्रूहि। कतमः। स्वित्।
एव। सः॥६॥ ये। पुरुषे। ब्रह्म। विदुः॥ ते। विदुः। परम्० स्थिनम्। यः॥ वेद। पर-
मे० स्थिनम्। यः। च। वेद। प्रजा० पतिम्। ज्येष्ठम्। ये। ब्राह्मणम्। विदुः॥ ते। स्कंभ-
म्। अनु० संविदुः॥७॥ यस्य। शिरः। वैश्वानरः॥ चक्षुः। अंगिरसः। अभवन्॥ अं-
गानि। यस्य। यातवः। स्कं० नम्। तम्। ब्रूहि। कतमः। स्वित्। एव। सः॥८ यस्य। ब्र-
ह्म। मुखम्। आहुः॥ जिह्वाम्। मधु० कशाम्। उत॥ वि० राजम्। ऊधः। यस्य। आहुः।
स्कं० नम्॥९ यस्मात्। ऋचः। अप० अतक्षन्॥ यजुः। यस्मात्। अप० अकषन्॥
पं

सामानि। यस्य। लोमानि। अथर्व० अंगिरसः। मुखम्। स्कं० नम्। तम्। ब्रूहि। कतम
ः। स्वित्। एव। सः॥१०॥ ६॥ २३॥ असत्० शाखाम्। प्र०तिष्ठंतीम्॥ परमम्० इव॥
जनाः। विदुः॥ उतो इति। सत्। मन्यंते। अवरे। ये। ते। शाखाम्। उप० आसते॥
यत्र। आदित्याः। च। रुद्राः। च। वसवः। च। सम्० आहिताः॥ भूतम्। च। यत्र। भ-
व्यम्। च। सर्वे। लोकाः। प्रति० स्थिताः। स्कं० नम्। तम्। ब्रूहि। कतमः। स्वित्। एव। सः॥
२॥ यस्य। त्रयः० त्रिंशत्। देवाः॥ नि० धिम्। रक्षंति। सर्वदा॥ नि० धिम्। तम्। अद्य।
कः। वेद॥ यम्। देवाः। अभि० रक्षथ॥ यत्र। देवाः। ब्रह्म० विदः॥ ब्रह्म। ज्येष्ठम्। उ
प० आसते॥ यः। वै। तान्। विद्यात्। प्रति० अक्षम्॥ सः। ब्रह्मा। वेदिता। स्यात्॥ बृहं-
तः। नाम। ते। देवाः॥ ये। असतः। परि। जज्ञिरे॥ एकम्। तत्। अंगम्। स्कंभस्य। अ-
सत्। आहुः। परः। जनाः॥ ५॥ यत्र। स्कं०। प्र० जनयन्। पुराणम्। वि० अवर्तयत्॥

MEMORIAL

एकस्मात् । तत् । अंगम् । स्कंभस्य । पुराणम् । अनु॰संविदुः ॥६॥ यस्य । त्रयः॰त्रिंशत् ।
देवाः । अंगे । गात्रा । विभेजिरे । तान् । वै । त्रयः॰त्रिंशत् । देवान् । एके । ब्रह्म॰वि-
दः । विदुः ॥७॥ हिरण्य॰गर्भम् । परमम् । अनति॰उद्यम् । जनाः । विदुः । स्कंभः । तत् । अ-
ग्रे । प्र । असिंचत् । हिरण्यम् । लोके । अंतरा ॥८॥ स्कंभे । लोकाः । स्कंभे । तपः । स्कंभे । अ-
धि । ऋतम् । आ॰हितम् ॥ स्कंभ । त्वा । वेद । प्रति॰अक्षम् । इंद्रे । सर्वम् । सम्॰आहि-
तम् ॥९॥ इंद्रे । लोकाः । इंद्रे । तपः । इंद्रे । अधि । ऋतम् । आ॰हितम् ॥ इंद्रम् । त्वा । वेद । प्रति-
॰अक्षम् । स्कंभे । सर्वम् । प्रति॰स्थितम् ॥१०॥ ॥६॥ ॥२४॥ नाम । नाम्ना । जोहवीति । पुरा । सू-
र्यात् । पुरा । उषसः ॥ यत् । अजः । प्रथमम् । सम्॰बभूव । सः । ह । तत् । स्व॰राज्यम् । २१८
इयाय ॥ यस्मात् । न । अन्यत् । परम् । अस्ति । भूतम् ॥१॥ यस्य । भूमिः । प्र॰मा । अंत-
रिक्षम् । उत । उदरम् ॥ दिवम् । यः । चक्रे । मूर्धानम् । तस्मै । ज्येष्ठाय । ब्रह्मणे । नमः ॥२

४

यस्य । सूर्यः । चक्षुः । चंद्रमाः । च । पुनः॰नवः ॥ अग्निम् । यः । चक्रे । आस्यम् । तस्मै ॥३
यस्य । वातः । प्राणापानौ ॥ चक्षुः । अंगिरसः । अभवन् ॥ दिशः । यः । चक्रे । प्र॰ज्ञा-
नीः ॥ तस्मै । ज्येष्ठाय । ब्रह्मणे । नमः ॥४॥ स्कंभः । दाधार । द्यावापृथिवी इति । उभे इति ।
इमे इति ॥ स्कंभः । दाधार । उरु । अंतरिक्षम् ॥ स्कंभः । दाधार । प्र॰दिशः । षट् । उर्वी-
ः ॥ स्कंभे । इदम् । विश्वम् । भुवनम् । आ । विवेश ॥५॥ यः । श्रमात् । तपसः । जातः ॥ लोका-
न् । सर्वान् । सम्॰आनशे ॥ सोमम् । यः । चक्रे । केवलम् । तस्मै । ज्येष्ठाय । ब्रह्मणे । नमः
॥६॥ कथम् । वातः । न । इलयति । कथम् । न । रमते । मनः ॥ किम् । आपः । सत्यम् । प्र॰ईप्सं-
तीः । न । इलयंति । कदा । चन ॥७॥ महत् । यक्षम् । भुवनस्य । मध्ये । तपसि । क्रांतम् । स-
लिलस्य । पृष्ठे ॥ तस्मिन् । श्रयंते । ये । ऊं इति । के । च । देवाः ॥ वृक्षस्य । स्कंधः । परि-
तः॰इव । शाखाः ॥८॥ यस्मै । हस्ताभ्याम् । पादाभ्याम् । वाचा । श्रोत्रेण । चक्षुषा ॥ य-

स्मै। दुवाः। सदस्य। अग्निम्॥ प्र० यच्छति। वि० मित्वा। मितम्॥ स्कम्भम्। तम्। ब्रूहि। कतम्
मः। स्वित्। एव। सः॥८॥ अपान्। तस्य। अद्भुतम्। तमसा। वि० आहृतः। सः। पाप्मना। सर्वाणि।
तानि। अस्मिन्। ज्योतींषि। यानि। त्रीणि। प्रजा० पतौ॥१०॥ यः। वेतसम्। हिरण्ययम्। तिष्ठन्तम्।
सलिले। वेद। सः। वै। गुह्यः। प्रजा० पतिः॥११॥ तन्त्रम्। एके इति। युवती इति। वि० रूपे इ
ति। वि० क्राम। अभि० आक्रामम्। वयतः। षट्० मयूखम्॥ प्र। अन्या। तन्तून्। तिरते।
धत्ते। अन्या॥ न। अप। वृञ्जाते इति। न। गमातः। अन्तम्॥१२॥ तयोः। अहम्। परिनृ
त्यन्त्योः० इव॥ न। वि। जानामि। यतरा। परस्तात्॥ पुमान्। एनत्। वयति। उत्। गृणत्ति॥
पुमान्। एनत्। वि। जभार। अधि। नाके॥१३॥ इमे। मयूखाः। उप। तस्तभुः। दिवम्। सा २१९
मानि। चक्रुः। तसराणि। वातवे॥१४॥ ७॥२५॥ यः। श्रुतम्। च। भव्यम्। च। सर्वम्। य
ः। च। अधि० तिष्ठति॥ स्वः। यस्य। च। केवलम्॥ तस्मै। ज्येष्ठाय। ब्रह्मणे। नमः॥१॥

स्कम्भेन। इमे इति। वि स्तभिते इति। द्यौः। च। भूमिः। च। तिष्ठतः।
स्कम्भे। इदम्। सर्वम्। आत्मन्० वत्। यत्। प्राणत्। नि० मिषत्। च। यत्॥२॥ तिस्रः। ह
प्रजाः। अति० आयम्। आयन्। नि। अन्याः। अर्कम्। अभितः। अविशन्त। बृह
न्। ह। तस्थौ। रजसः। वि० मानः। हरितः। हरिणीः। आ। विवेश॥३॥ द्वादश। प्र०
धयः। चक्रम्। एकम्। त्रीणि। नभ्यानि। कः। ऊँ इति। तत्। चिकेत। तत्र। आ० हताः। त्री
णि। शतानि। शङ्कवः। षष्टिः। च। खीलाः। अविचाचलाः। ये॥४॥ इदम्। सवितः।
वि। जानीहि। षट्। यमाः। एकः। एक० जः। तस्मिन्। ह। अपि० त्वम्। इच्छन्ते। ये।
एषाम्। एकः। एक० जः॥५॥ आविः। सत्। नि० हितम्। गुहा। जरत्। नाम। महत्।
पदम्। तत्र। इदम्। सर्वम्। आ० अर्पितम्। एजत्। प्राणत्। प्रति० स्थितम्॥६॥
एक० चक्रम्। वर्तते। एक० नेमि। सहस्र० अक्षरम्। प्र। पुरः। नि। पश्चा॥

धा। वि। जायाते। अर्द्धेन। ३ स्. २१॥ ... न॥ ऊ-

अर्द्धेन। विश्वम्। भुवनम्। जजान। यत्। अस्य। अर्द्धम्। क्व। तत्। बभूव॥ ७॥ पं-
च॰वाही। वहति। अग्रम्। एषां। प्रष्टयः। युक्ताः॥ अनु॰संवहंति। अयातम्।
अस्य। ददृशे। न। यातम्। परम्। नेदीयः। अवरम्। दवीयः॥ ८॥ ति-
र्यक्॰बिलः। चमसः। ऊर्द्ध्व॰बुध्नः॥ तस्मिन्। यशः॥ नि॰हितम्। विश्व॰रूपम्।
तत्। आसत। ऋषयः। सप्त। साकम्। ये। अस्य। गोपाः। महतः। बभूवुः
॥ ९॥ या। पुरस्तात्। युज्यते। या। च। पश्चात्। या। विश्वतः। युज्यते। या। च। स-
र्वतः। यया। यज्ञः। प्राङ्। तायते। ताम्। त्वा। पृच्छामि। कतमा। सा। ऋचाम्
॥ १०॥ यत्। एजति। पतति। यत्। च। तिष्ठति। प्राणत्। अप्राणत्। नि॰ २२८
मिषत्। च। यत्। भुवत्। तत्। दाधार। पृथिवीम्। विश्व॰रूपम्। तत्। सम्॰भू-
य। भवति। एकम्। एव॥ ११॥ अनंतम्। वि॰ततम्। पुरु॰त्रा। अनंतम्। अंत॰वत्
च। समंते इति सम्॰अंते। ते। नाक॰पालः। चरति। वि॰चिन्वन्। विद्वान्। भू-

विश्वम्। भुवनम्। जजान। यत्। अस्य। अर्द्धम्। कतमः। सः। केतुः॥ १३॥ ऊर्द्ध्वम्। भरंतम्।
उदकम्। कुंभेन॰इव। उत्॰हार्यम्॥ पश्यंति। सर्वे। चक्षुषा॥ न। सर्वे। मनसा। विदुः
॥ १४॥ दूरे। पूर्णेन। वसति। दूरे। ऊनेन। हीयते॥ महत्। यक्षम्। भुवनस्य। मध्ये। तस्मै।
बलिम्। राष्ट्र॰भृतः। भरंति॥ १५॥ यतः। सूर्यः। उत्॰एति। अस्तम्। यत्र। च। गच्छति॥ तत्।
एव। मन्ये। अहम्। ज्येष्ठम्॥ तत्। ऊं इति। न। अति। एति। किम्। चन॥ १६॥ ये। अर्वाक्। मध्ये।
उत। वा। पुराणम्॥ वेदम्। विद्वांसम्। अभितः। वदंति॥ आदित्यम्। एव। ते। परि। वदंति।
सर्वे। अग्निम्। द्वितीयम्। त्रि॰वृतम्। च। हंसम्॥ १७॥ सहस्र॰अह्न्यम्। वि॰यतौ। अ-
स्य। पक्षौ॥ हरेः। हंसस्य। पततः। स्वः॰गम्॥ सः। देवान्। सर्वान्। उरसि। उप॰दद्य। स-
म्॰पश्यन्। याति। भुवनानि। विश्वा॥ १८॥ सत्येन। ऊर्द्ध्वः। तपति॥ ब्रह्मणा। अर्वाङ्।
वि। पश्यति॥ प्राणेन। तिर्यङ्। प्र। अनिति॥ यस्मिन्। ज्येष्ठम्। अधि। श्रितम्॥ १९॥ यः। वि-

ते इति ॥ विद्यात् । अरणी इति ॥ यान्यम् । नि॰ मुख्यता । वस्तु ॥ सः ॥ विद्वान् । श्रेष्ठम् ।
मन्येत ॥ सः ॥ विद्यात् । आलम्बनम् । मूढत् ॥ १० ॥ छ ॥ २७ ॥ अपात् । अग्नेः सम् । अनुवृत ॥
सः ॥ अग्नेः स्य । अपो । अभरत् ॥ व ऊ॰ पात् । गुरु । गोप्य ॥ सर्वम् । अपा । अद्भुत । गौ
ऽस्तम ॥ ११ ॥ गोप्य । गवृत् ॥ अपायो इति । अन्नम् । अद्भुत । अङ्गुः ॥ वः ॥ द्रवम् । उत्तर॰ वं
तम् ॥ उ पु॰ आसत ॥ सनातनम् ॥ १२ ॥ सनातनम् । एनम् । आ कुं ॥ उत । अध । स्यु
त । विनः॰ नवः ॥ अद्वेरा जे इति ॥ आजाय्यतौ इति ॥ अन्यः । अन्यस्य त्र पर्यम ॥ ७ ॥ श्रु
तम् । सुदक्षम् । अश्रुतम् । नि॰ अश्रुतम् ॥ अश्राम॰ खेयम् । खम् । अस्मिन् । नि॰ विश्वम् ॥ २२१
तत् । अस्य । भूति । अपि॰ पश्यतः । इथ ॥ तस्मात् । द्रवः । राजन्तो । एषः । एतत् ॥ ८ ॥ ना
नात् । एकम् । अमृतीयः॰ कम् ॥ उत । एकम् । नंस्य । हृश्यत ॥ ततः । पारि॰ स्तु जीयसी ॥ स्व
द्रवतास्सा । ममा । प्रिया ॥ ५ ॥ इयम् । कल्याणी ॥ अजरा मर्त्यस्य । अमृतता गृहे ॥ य

स्मै सता । शयस्सः ॥ यः । युका सजगास्सः ॥ ६ ॥ यम् । स्त्री । यम् । त्वमसि । अयसि ॥ च
म् । कुमारः । उत वा । कुमारी ॥ यम् । जीर्णः । दण्डेन वञ्चसि ॥ यम् । जातः । भवसि ॥ विश्व
तः मुखः ॥ ७ ॥ उत । एषाम् । पिता । उत वा । पुत्रः । एषाम् ॥ उत । एषाम् । ज्येष्ठः । उत
वा । कनिष्ठः ॥ एकः । ह । देवः । मनसि । ग॰ विष्टः । प्रथमः । जातः । सः । उ इति
गर्भे अन्तः ॥ ८ ॥ पूर्णात् । पूर्णम् । उत् । अचति ॥ पूर्णम् । पूर्णेन । सिच्य
ते ॥ उतो इति । तत् । अद्य । विद्याम ॥ यतः । तत् । परि॰ सिच्यते ॥ ९ ॥ एषा । सन
त्नी । सनम् । एव । जाता । एषा । पुराणी । परि । सर्वम् । बभूव ॥ मही । देवी । उ
षसः । वि॰ भाति । सा । एकेन॰ एकेन । मिषता । वि । चष्टे ॥ १० ॥ छ ॥ २८ ॥ अ
विः । वै । नाम । देवता । ऋतेन । आस्ते । परि॰ वृता ॥ तस्याः रूपेण इमे । वृ
क्षाः । हरिताः । हरित॰ स्रजः ॥ ११ ॥ अन्ति । सन्तम् । न । जहाति ॥ अन्ति । सन्तम् । न । पश्य

ति॥ दिव स्य पृष्ठ। का व्यमानाम् मारा ना गी वृति॥ ४॥ प्र ह्वार्च एन इषि ता।
स॥ ताः। वदंति। यथा० यथम्॥ वदंती। यत्र गच्छंति॥ तत्। प्राकुः॥ आ लभम्
म्। मृदत्॥ ३॥ यस्मात् देवाः। चाम् अनु ष्ठाः। वा॥ प्राशः॥ नाकिः० इव। स्त्रिताः॥ [illegible]
म्। वा। पुष्पम्। छुष्ठा मि॥ यत्र तता। मा यथा। दितम्॥ ४॥ यत्रि। वातम इषि
ः। प्र० वानि॥ य। दसंत। पंच दिशः। सध्री चीः॥ य। आ० ऊतिम्। अति० अनयं
त। देवाः॥ अपाम्। नेनाः। कतमे॥ त। आसन्॥ ५॥ इमाम्। एषाम्। द्याविय
वस्तो एकः॥ अंत। स्तिम। पसि एकः। ऋतुवा॥ दिव्यम्। एषाम्। ददात। यः॥ वि
ता॥ विश्वाः। आशाः। प्राति अद्वंति। एकाः॥ यः। विधाता। कर्म। वि० ततम्।
यस्मिन्। आ० आताः। प्र० जाः। इमाः॥ स्तर्कम्। स्तर्कस्य। यः। विधाता॥ सः॥ विधा
ता। आलभम्। मृदत्॥ ७॥ वदंत अप्तम्। कर्मे। वि० ततम्। यस्मिन्। आ० आताः॥

प्र० जाः। इमाः॥ स्तर्कम्। स्तर्कस्य। अपतम्। वद॥ अथो इति। यत्। आलभम्। मृ
दत्॥ ८॥ यत्। अन्तरा। द्यावा। पृथिवी इति॥ अग्निः॥ ऐत्। प्र० दहन्। विश्व० दाव्य
॥ यत्र। अतिष्ठन्। एक० पत्नीः। परस्तात्॥ क्व० इव। आसीत्। मातरिश्वा तदानी
म्॥ ९॥ अप्सु० स्त। आसीत्। मातरिश्वा तदानीं॥ प्र० विष्टाः। प्र० विष्टाः॥ देवाः। सलि
लानि। आसन्॥ बृहत्। ह। तस्थौ। रजसः। वि० मानः॥ पवमानः। हरितः। आ। वि
वेश॥ १०॥ उत्तरेण० इव। गायत्रीम्। अमृते। अधि। वि। चक्रमे॥ साम्ना। ये। साम
सम्० विदुः॥ अजः। तत्। ददृशे। क्व॥ ११॥ नि० वेशनः। सम्० गमनः। वसूनाम्॥ दे
वः० इव। सविता। सत्य० धर्मा॥ इंद्रः। न। तस्थौ। सम्० अरे। धनानाम्॥ १२॥ पुंडरीकम्
नव० द्वारम्॥ त्रिभिः। गुणेभिः। आ० वृतम्॥ तस्मिन्। यत्। यक्षम्। आत्मन्० वत्
तत्। वै। ब्रह्मविदः। विदुः॥ १३॥ अकामः। धीरः। अमृतः। स्वयं० भूः। रसेन॥

D.R. BHANDARKAR MEMORIAL

दी का

तृप्तः । न । कुतः । चन । ऊनः ॥ तम् । एव । विद्वान् । न । बिभाय । मृत्योः ॥ आत्मानम् । धी
रम् । अजरम् । युवानम् ॥ ४४ ॥ छ ॥ २१ ॥ अघऽयताम् । अपि । नह्य । मुखानि ॥ सऽप
त्नेषु । वज्रम् । अर्पय । एतम् ॥ इन्द्रेण । दत्ता । प्रथमा । शतऽओदना ॥ भ्रातृव्यऽघ्नी ॥
यजमानस्य । गातुः ॥ १ ॥ वेदिः । ते । चर्म । भवतु ॥ बर्हिः । लोमानि । यानि । ते ॥ एषा । त्वा ।
रशना । अग्रभीत् ॥ ग्रावा । त्वा । एषः । अधि । नृत्यतु ॥ २ ॥ बालाः । ते । प्रऽउक्षणीः । सन्तु ॥
जिह्वा । सम् । मार्ष्टु । अघ्न्ये ॥ शुद्धा । त्वम् । यज्ञिया । भूत्वा ॥ दिवम् । प्र । इहि । शतऽओदने ॥ ३ ॥
यः । शतऽओदनाम् । पचति ॥ कामऽप्रेण । सः । कल्पते ॥ प्रीताः । हि । अस्य । ऋत्विजः । स
र्वे । यन्ति । यथाऽयथम् ॥ ४ ॥ सः । स्वःऽगम् । आ । रोहति ॥ यत्र । अदः । त्रिऽदिवम् । दिवः ॥ २२३
अपूपऽनाभिम् । कृत्वा ॥ यः । ददाति । शतऽओदनाम् ॥ ५ ॥ सः । तान् । लोकान् । सम् । आ
प्नोति ॥ ये । दिव्याः । ये । च । पार्थिवाः ॥ हिरण्यऽज्योतिषम् । कृत्वा ॥ यः । ददाति । शतऽओ

7

दनाम् ॥ ६ ॥ ये । ते । देवि । शमितारः । पक्तारः । ये । च । ते । जनाः ॥ ते । त्वा । सर्वे । गोप्स्यन्ति ॥
मा । एभ्यः । भैषीः । शतऽओदने ॥ ७ ॥ वसवः । त्वा । दक्षिणतः ॥ उत्तरात् । मरुतः । त्वा ॥ आ
दित्याः । पश्चात् । गोप्स्यन्ति ॥ सा । अग्निऽस्तोमम् । अति । द्रव ॥ ८ ॥ देवाः । पितरः । मनुष्याः
॥ गन्धर्वऽअप्सरसः । च । ये ॥ ते । त्वा । सर्वे । गोप्स्यन्ति ॥ सा । अतिऽरात्रम् । अति । द्रव
॥ ९ ॥ अन्तरिक्षम् । दिवम् । भूमिम् ॥ आदित्यान् । मरुतः । दिशः ॥ लोकान् । सः ॥
सर्वान् । आप्नोति ॥ यः । ददाति । शतऽओदनाम् ॥ १० ॥ छ ॥ २२ ॥ घृतम् । प्रऽउक्षन्ती । सुऽ
भगा ॥ देवी । देवान् । गमिष्यति ॥ पक्तारम् । अघ्न्ये । मा । हिंसीः ॥ दिवम् । प्र । इहि । शतऽओ
दने ॥ ११ ॥ ये । देवाः । दिविऽसदः ॥ अन्तरिक्षऽसदः । च । ये ॥ ये
च । इमे । भूम्याम् । अधि ॥ तेभ्यः । त्वम् । धुक्ष्व । सर्वदा ॥ क्षीरम् । सर्पिः । अथो इति । मधु
॥ १२ ॥ यत् । ते । शिरः । यत् । ते । मुखम् ॥ यौ । कर्णौ । ये । च । ते । हनू इति ॥ आमिक्षाम् ॥

उक्तनाम्। दात्रे। सीरम्॥ ३॥ यौ। तु। त्रुस्त्रौ ये इति। नासिके इति। ये इति। श्रंगे इति। ये इ
ति। चु। तु। आदित्ता इति॥ १४॥ यत्। तु। क्रोमा। यत्। क्रस्त्यम्॥ कुरि० तत्। सुद० कीका
३ मत- ।पा॥ यत्। तो। यस्न। ये इति। स्त्रेतु इति। यत्। आंत्रम्। याः। वा। तु। गुद॥ यः। तु। प्लाशि
ः। यः। वनिष्टुः॥ यौ। कुक्षी इति। यत्। चार्मणी॥ १ यत्। तु। मज्जा। यत्। अस्थि। यत्। माँ
सम्। यत्। वा लोहिताम्॥ यौ। तु। बाहू इति। य इति। दोषिविती इति। यौ। अंसौ। या
वा। तु। ककुता॥ याः। ते। ग्रीवाः। याः। स्कंधाः। याः। पृष्टीः। याः। पार्श्वैः॥ १४॥
२१॥ यौ। तु। ऊरू इति। अष्ठीवंतौ॥ य इति। श्रोणी इति। या। वा। तु। भसत्॥ १॥ यत्। २२४
तु। पुच्छम्। या। ते। बालाः॥ यत्। ऊधः। या। वा। तु। स्तनाः॥ याः। ते। जंघाः। याः।
कुष्ठिकाः॥ कुरराः। या। वा। तु। शफाः॥ ३॥ यत्। तु। चर्म। शत० उदने॥ या। नि। लोमा-
।नि। अघ्ने॥ आमिक्षम्। उक्तनाम्। दात्रे। सीरम्। सर्पिः॥ अथो इति। मधु॥ ४॥ क्रोडो।

ते। स्त्राम्। पुरोडाशौ। आज्येन। अभि० घारितौ॥ तौ। पक्षौ। देवि। कृत्वा॥ सा। पक्ता
रम्। दिवम्। वह॥ ५॥ उलूखले। मुसले। यः। च। चर्मणि॥ यः। वा। शूर्पे। तण्डुलः।
क कणः॥ यं। वा। वातः। मातरिश्वा। पवमानः। ममाथ। अग्निः। तत्। होता। सु० हुत
म्। कृणोतु॥ ६॥ अपः। देवीः। मधुमतीः। घृत० श्चुतः॥ ब्रह्मणाम्। हस्तेषु। प्र०
पृथक्। सादयामि॥ यत्० कामः। इदम्। अभि० सिंचामि। वः। अहम्॥ तत्। मे। सम्
ऋध्यताम्। वयम्। स्याम। पतयः। रयीणाम्॥ ७॥ ६॥ २२॥ नमः। ते। जायमा
नायै॥ जातायै। उत। ते। नमः॥ बालेभ्यः। शफेभ्यः। रूपाय। अघ्न्ये। ते। नमः॥ १॥
यः। विद्यात्। सप्त। प्र० वतः॥ सप्त। विद्यात्। परा० वतः॥ शिरः। यज्ञस्य। यः। वि
द्यात्। सः। वशाम्। प्रति। गृह्णीयात्॥ २॥ वेद। अहम्। सप्त। प्र० वतः॥ सप्त। वेद।
परा० वतः॥ शिरः। यज्ञस्य। अहम्। वेद॥ सोमम्। च। अस्याम्। वि० चक्षणम्॥ ३

यया॥द्यौः॥यया॥पृथिवी॥यया॥आपः॥गुपिताः॥इमाः॥वशाम्॥सहस्र॰धा
राम्॥ब्रह्मणा॥अछ॰आवदामसि॥४॥शतम्॥कंसाः॥शतम्॥दोग्धारः॥शत
म्॥गोप्तारः॥अधि॥पृष्ठे॥अस्याः॥ये॥देवाः॥तस्याम्॥प्राणंति॥ते॥वशाम्॥
विदुः॥एकधा॥५॥यज्ञ॰पदी॥इरा॰क्षीरा॥स्वधा॰प्राणा॥महीलुका॥वशा॥
पर्जन्य॰पत्नी॥देवान्॥अपि॥एति॥ब्रह्मणा॥६॥अनु॥त्वा॥अग्निः॥प्र॥अविशत्॥
अनु॥सोमः॥वशे॥त्वा॥ऊधः॥ते॥भद्रे॥पर्जन्यः॥विद्युतः॥ते॥स्तनाः॥वशे॥७
अपः॥त्वम्॥धुक्षे॥प्रथमाः॥उर्वराः॥अपराः॥वशे॥तृतीयम्॥राष्ट्रम्॥धुक्षे॥अ
न्नम्॥क्षीरम्॥वशे॥त्वम्॥८॥यत्॥आदित्यैः॥हूयमाना॥उप॰अतिष्ठः॥ऋत॰व
रि॥इंद्रः॥सहस्रम्॥पात्रान्॥सोमम्॥त्वा॥अपाययत्॥वशे॥९॥यत्॥अनूची॥इंद्र
म्॥ऐः॥आत्॥त्वा॥ऋषभः॥अह्वयत्॥तस्मात्॥ते॥वृत्र॰हा॥पयः॥क्षीरम्॥क्रुद्धः॥अह २२५

रत्॥वशे॥१०॥यत्॥ते॥क्रुद्धः॥धन॰पतिः॥आ॥क्षीरम्॥अहरत्॥वशे॥
इदम्॥तत्॥अद्य॥नाकः॥त्रिषु॥पात्रेषु॥रक्षति॥११॥त्रिषु॥पात्रेषु॥तम्॥सोमम्॥
आ॥देवी॥अहरत्॥वशा॥अथर्वा॥यत्र॥दीक्षितः॥बर्हिषि॥आस्त॥हिरण्यये॥
१२॥सम्॥हि॥सोमेन॥अगत॥सम्॥ऊं इति॥सर्वेण॥पत्॰वता॥वशा॥समुद्रम्॥
अधि॥अस्थात्॥गंधर्वैः॥कलि॰भिः॥सह॥१३॥सम्॥हि॥वातेन॥अगत॥सम्॥ऊं इति॥
सर्वैः॥पतत्रि॰भिः॥वशा॥समुद्रे॥प्र॥अनृत्यत्॥ऋचः॥सामानि॥बिभ्रती॥१४॥
सम्॥हि॥सूर्येण॥अगत॥सम्॥ऊं इति॥सर्वेण॥चक्षुषा॥वशा॥समुद्रम्॥अति॥
अख्यत्॥भद्रा॥ज्योतींषि॥बिभ्रती॥१५॥अभि॰वृता॥हिरण्येन॥यत्॥अतिष्ठः॥
ऋत॰वरि॥अश्वः॥समुद्रः॥भूत्वा॥अधि॥अस्कंदत्॥वशे॥त्वा॥१६॥तत्॥भद्राः॥सम्॥
अगच्छंत॥वशा॥देष्ट्री॥अथो इति॥स्वधा॥अथर्वा॥यत्र॥दीक्षितः॥बर्हिषि॥आस्त॥हि

रण्याय॥७॥ वृषा। मता। ता। राजन्यस्य॥ वृषा। मता। ता। स्य। व। तय॥ वृषायम॥ वृषो। अ
सुधम्॥ तत। चितम्। अगायत॥ ६॥ ऊर्ध्वः। विं कुः। उत। अस्य रत। प्रलाणः। कउ-
दात। अधि तनः। धम। यशिष्ठ। वृषो॥ ततस देनात। अगायत॥ ५॥ आरन्य। तु। गाथा-
ः। अनुवन॥ अश्वि कास्यः। जन्म। वृषो॥ पाजस्यत। गशो। यशः॥ तनेयः। रश्मय
तय॥ १०॥ ६॥ २४॥ ईर्मान्यम्। अयनम्। जातम्॥ स्तोभि॰ व्याम। चावशो। तय। अं
त्रेन्य। जाशिरो। अत्राः॥ उदस्त। अधिवीरुधम्॥ १॥ यत। उदस्म। वरुतस्य। अनु॰जा
विशाया॥ वृषो॥ तत्त्व। अस्ना। उत। अकृयत॥ सः। पहि। नेत्रम्। अपेत। तय॥ २॥
स्वार्य गर्तः। अतुपंत॥ गायमानात। अस्तुरवः॥ सस्व वाहितोम्। आक्रा। वृषा ॥२२६॥
इति॥ प्रत्न॰ पिः। क्रतुः। सः। दि। अस्याः। वंधुम॥ ३॥ सुधस्य एत। सम्। स्वजाति। यः॥
अस्याः। एव। इता। वृषी॥ तरांसि। यशाः। अनुवत। तसां। यथुम। अनवत। वृ

शा॥ ४॥ वृषाय। शम्। प्रति। अगृह्णत॥ वृषा। स्वयम्। अधारयत॥ वृषायम्॥
अंतः। अविशत। उदनः। बलणा। सदा॥ ५॥ वृषा। एवा। अपरतम्। आकुः॥
वृषाम्। मधुम्। उपस्। आसत॥ वृषा। इदम्। सर्वम्। अनुवत॥ दवा। मनुष्याः॥
असुराः। पितरः। ऋषयः॥ ६॥ य। एवम्। विद्यात्॥ सः। वृषाम्। प्रति। गृह्णीयात्॥
तथा हि। वृशः। सर्व॰पात॥ इहाद्। दात्रे। अनन्य॰ स्फुरन्॥ ७॥ तिस्रः। जिह्वाः। व
रुणस्य। अंतः। दीद्यति। आसनि॥ तासाम्। या। मध्ये। राजति॥ सा। वृशा। दुःप्रति
॰ग्रहा॥ ८॥ वृतः॰ धा॥ रेतः। अभवत्। वृशायम्॥ आपः। उरस्यम्। अमृतम्। उरी-
यम्। यशः। उरस्यम्। पशवः। उरस्यम्॥ ९॥ वृशा। द्यौः। वृशा। पृथिवी। वृशा। विष्णु-
ः। प्रजा॰पतिः॥ वृशायाः। दुग्धम्। अपिवन्॥ साध्याः। वसवः। च। ये॥ १०॥ वृशायाः
। दुग्धम्। पीत्वा॥ साध्याः। वसवः। च। ये॥ ते। वै। ब्रध्नस्य। विष्टपि। पयः। अस्याः। उप-

आसते॥३३॥सोमम्।एनाम्।एके।दुदुह्रे।घृतम्।एके।उप।आसते॥ये।एव
म्।विदुषे।वशाम्।ददुः॥ते।गताः।त्रि॰दिवम्।दिवः॥३३॥ब्राह्मणेभ्यः।वशाम्।
दत्त्वा।सर्वान्।लोकान्।सम्।अश्नुते॥ऋतम्।हि।अस्याम्।आऽअर्पितम्।अपि।ब्रह्म।
अथो इति।तपः॥३३॥वशाम्।देवाः।उप।जीवंति।वशाम्।मनुष्याः।उत।वशा।
इदम्।सर्वम्।अभवत्॥यावत्।सूर्यः।वि॰पश्यति॥३४॥छ॥२५॥इति दशमं
कांडं समाप्तम्॥छ॥शुभं भवतु॥कल्याणमस्तु॥श्रीः॥छ॥मंगलमस्तु॥छ॥
॥ॐ॥अग्ने।जायस्व।अदितिः।नाथिता।इयम्।ब्रह्म॰ओदनम्।पचति।पुत्र॰
कामा॥सप्त॰ऋषयः।भूत॰कृतः।ते।त्वा।मंथंतु।प्र॰जया।सह।इह॥१॥कृ
णुत।धूमम्।वृषणः।सखायः॥अद्रोघ॰अविता।वाचम्।अच्छ।अयम्।अ
ग्निः।पृतनाषाट्।सु॰वीरः॥येन।देवाः।असहंत।दस्यून्॥२॥अग्ने।अजनिष्ठाः॥

DR. BHAU DAJI

महते।वीर्याय॥ब्रह्म॰ओदनाय।पक्तवे।जात॰वेदः॥सप्त॰ऋषयः।भू
त॰कृतः॥ते।त्वा।अजीजनन्॥अस्यै।रयिम्।सर्व॰वीरम्।नि।यच्छ॥३॥सम्
॰इद्धः।अग्ने।सम्॰इधा।सम्।इध्यस्व॥विद्वान्।देवान्।यज्ञियान्।आ।इह।
वक्षः॥तेभ्यः।हविः।श्रपयन्।जात॰वेदः॥उत्॰तमम्।नाकम्।अधि।रो
हय।इमम्॥४॥त्रेधा।भागः।नि॰हितः।यः।पुरा।वः॥देवानाम्।पितॄणाम्।मर्त्या
नाम्॥अंशान्।जानीध्वम्।वि।भजामि।तान्।वः॥यः।देवानाम्।सः।इमाम्।पा
रयाति॥५॥अग्ने।सहस्वान्।अभि॰भूः।अभि।इत्।असि॥नीचः।नि।उब्ज।
द्विषतः।सपत्नान्॥इयम्।मात्रा।मीयमाना॥मिता।च।सं॰जातान्।बलि
॰हृतः।कृणोतु॥६॥साकम्।सं॰जातैः।पयसा।सह।एधि॥उत्।उब्ज।एना
म्।महते।वीर्याय॥ऊर्ध्वः।नाकस्य।अधि।रोह।विष्टपम्॥स्वः॰गः।लोकः।इ

ति। यम। वसंति॥७॥ इयम्। मही। प्रति। गृह्णातु। चर्म। पृथिवी। देवी। सुऽमन
स्यमाना॥ अथ। गच्छेम। सुऽकृतस्य। लोकम्॥८॥ एतौ। ग्रावाणौ। सऽयुजा। यु
ङ्ग्धि। चर्मणि। निः। भिन्धि। अंशून्। यजमानाय। साधु॥ अवऽघ्नती। नि। जहि।
याः। इमाम्। पृतन्यवः। ऊर्ध्वम्। प्रऽजाम्। उत्ऽभरन्ती। उत्। ऊह॥९॥ गृहाण। ग्रावाणौ। सऽकृ
तौ। वीर। हस्ते। आ। ते। देवाः। यज्ञियाः। यज्ञम्। अगुः॥ त्रयः। वराः। यतमान्। त्वम्। वृ
णीषे। ताः। ते। सम्ऽऋद्धीः। इह। राधयामि॥१०॥७॥१॥ इयम्। ते। धीतिः। इदम्। ऊं इति। ते
जनित्रम्। गृह्णातु। त्वाम्। अदितिः। शूरऽपुत्रा॥ परा। पुनीहि। याः। इमाम्। पृतन्यवः।
अस्यै। रयिम्। सर्वऽवीरम्। नि। यच्छ॥११॥ उपऽश्वसे। द्रुवाय। सीदत। यूयम्॥ वि। विच्य
ध्वम्। यज्ञियासः। तुषैः॥ श्रिया। समानान्। अति। सर्वान्। स्याम॥ अधःऽपदम्। द्विषतः। पा २२८
दयामि॥१२॥ परा। इहि। नारि। पुनः। आ। इहि। क्षिप्रम्। अपाम्। त्वा। गोऽस्थः। अधि। अरुक्षत्
भराय॥ तासाम्। गृह्णीतात्। यतमाः। यज्ञियाः। असन्॥ विऽभाज्य। धीरी। इतराः। जही

दीतात्॥१३॥ आ। इमाः। अगुः। योषितः। शुम्भमानाः॥ उत्। तिष्ठ। नारि। तवसम्। रभस्व॥ सुऽ
पत्नी। पत्या। प्रऽजया। प्रजाऽवती॥ आ। त्वा। अगन्। यज्ञः। प्रति। कुम्भम्। गृभाय॥१४॥ ऊर्जः। भागः।
निऽहितः। यः। पुरा। वः॥ ऋषिऽप्रशिष्टा। अपः। आ। भर। एताः॥ अयम्। यज्ञः। गातुऽवित्।
नाथऽवित्। प्रजाऽवित्। उग्रः। पशुऽवित्। वीरऽवित्। वः। अस्तु॥१५॥ अग्ने। चरुः। यज्ञियः।
त्वा। अधि। अरुक्षत्॥ शुचिः। तपिष्ठः। तपसा। तप। एनम्॥ आर्षेयाः। दैवाः। अभिऽसंगत्य।
भागम्। इमम्। तपिष्ठाः। ऋतुऽभिः। तपन्तु॥१६॥ शुद्धाः। पूताः। योषितः। यज्ञियाः। इमाः॥ आपः। च
रुम्। अव। सर्पन्तु। शुभ्राः॥ अदुः। प्रऽजाम्। बहुलान्। पशून्। नः॥ पक्ता। ओदनस्य। सुऽकृता
म्। एतु। लोकम्॥१७॥ ब्रह्मणा। शुद्धाः। उत। पूताः। घृतेन। सोमस्य। अंशवः। तण्डुलाः। यज्ञियाः।
इमे॥ अपः। प्र। विशत। प्रति। गृह्णातु। वः। चरुः॥ इमम्। पक्त्वा। सुऽकृताम्। इत। लोकम्॥
॥१८॥ उरुः। प्रथस्व। महता। महिम्ना॥ सहस्रऽपृष्ठः। सुऽकृतस्य। लोके॥ पितामहाः। पि

तस्य। अ॒ग्ने॒। गाः। उ॒प॒। गाः॥ अ॒द्भ्यः। पृ॒क्ताः। पृ॒च॒। द्यु॒शाः। त॒। अ॒स्मि॒॥ १८॥ सु॒द॒क्ष॒। ह॒व्याः। शत॒ध॒म॒
अ॒सि॒न्निः। शु॒द्ध॒। दु॒र्नः। द्य॒वि॒यानाः। स्वः॑। रा॒ग॒॥ अ॒मृ॒तः। तु॒। आ। द्य॒म॒मि॒। अ॒ग्ने॒। य॒मः। अ॒स्तृ॒
नाः॥ अ॒ग्नि॒। द्वा॒रा॒य॒। अ॒मृ॒ता॒नाः। म॒द्भ्यः। एव॥ १॥ ७॥ २॥ उ॒त। ए॒मि॒। ये॒दि॒म। अ॒ग्ने॒। य॒क्ष॒। व॒र्ह्
य॒। ए॒ना॒म्। अ॒नु॒। द॒स्व॒। र॒क्ष॒। अ॒ग्ने॒। त॒र॒म्। धे॒हि॒। ए॒ना॒म्॥ अ॒ध्याः। सु॒मा॒ना॒। नाः। अ॒ति॒। स॒प॒न्ना॒। स्या॒म्॥
अ॒धुः। पु॒द॒म्। द्वि॒ष॒तः। पा॒द॒या॒मि॒॥ १॥ अ॒ग्नि॒। आ॒क्र॒स्व॒। पृ॒श्रु॒। नि॒। सु॒दा॒। ए॒ना॒म्। अ॒
य॒ड॒। ए॒ना॒म्। द्यु॒व॒न्त॒नि॒। सु॒दा॒। ए॒धि॒॥ मा। वा॒। गा॒। अ॒पा॒। पु॒त॒। शा॒प॒थ॒॥ मा। अ॒ग्नि॒। या॒रः॥
स्वा॒। दो॒ते॒। अ॒न॒मी॒वाः। वि॒रा॒ज॒॥ २॥ सु॒त॒। ना॒तु॒। आ॒। म॒न॒स्या॒। द्वि॒ना॒। ए॒षा॒॥ शु॒द्ध॒। दु॒न
स्य॒। वि॒। प्रि॒न॒। व॒ष्टि॒। अ॒ग्ने॒। अ॒शा॒। द्रो॒म॒। श्रु॒द्धा॒म्। उ॒प। अ॒धु॒। द्वि॒। ना॒रि॒। त॒त्र॒। दु॒न॒म्। अ॒ २२९
सा॒द्य॒। दि॒वा॒न॒म्॥ ३॥ अ॒दि॒तिः। द॒स्त॒। स्तु॒। य॒म्। ए॒ना॒म। द्वि॒ती॒य॒म्। स॒। सु॒। स॒ह॒य॒॥
सु॒त॒। ले॒त॒। या॒म्। अ॒प॒। ह॒व॒न॒॥ सा॒। गा॒। अ॒मि॒। वि॒ड॒वी। दु॒न॒स्य॒। द॒वि॒। व॒घ॒म्। अ॒धि॒

ह॒न॒म्। चि॒नो॒तु॒॥ ४॥ ह॒त॒म्। या॒। ह॒व्य॒म्। उ॒प॒। सी॒द॒न्तु॒। दे॒वाः॥ नि॒। अ॒ग्ने॒। अ॒ग्नेः। प्र॒न॒म॒
ना॒न॒। प्रा॒सी॒द॒। सो॒मे॒न॒। ह॒त॒। उ॒ठ॒। सी॒द॒। शु॒द्ध॒॥ अ॒पा॒। वृ॒या॒॥ ला॒। मा॒। रि॒षु॒न्। अ॒ग्ने॒। अ॒
स्तु॒। त॒॥ सो॒म॒। रा॒ज॒न्। स॒म्। शा॒न॒म्। आ॒। व॒प॒। प॒यः॥ स्तु॒। अ॒ल॒ण॒। यु॒त॒मे॒। या॒तु॒
पु॒। सी॒द॒न्। रु॒ष्टि॒न्। अ॒पा॒। वृ॒या॒न्। त॒प॒सः। अ॒धि॒। जा॒ता॒न्॥ शु॒द्ध॒। दु॒न॒। स्तु॒। द॒वा॒। जो॒। द॒वी॒
मि॒॥ ५॥ शु॒द्धाः। इ॒त॒। ओ॒षि॒त॒म्। यो॒जि॒य॒। द्य॒माः॥ शु॒द्ध॒। ए॒न॒। द॒स्तो॒। अ॒ग्ने॒। इ॒थ॒क॒। सा॒द॒
या॒मि॒॥ य॒त॒। का॒मा॒। इ॒द॒म्। अ॒ग्नि॒। सि॒ञ्चा॒मि॒। व॒॥ अ॒द्भ्यः॥ इ॒न्द्र॒। म॒रु॒त्व॒न्। सः। द॒धा॒तु॒
इ॒द॒म्। मे॒॥ ६॥ इ॒द॒म्। मे॒। ज्यो॒तिः॥ अ॒मृ॒त॒म्। हि॒र॒ण्य॒य॒म्॥ पु॒ध॒म्। दो॒ग्ध॒। का॒म॒। दु॒घ॒
म्। ए॒षा॥ इ॒द॒म्। ध॒न॒म्। नि॒। द॒धा॒। ब्रा॒ह्म॒णे॒षु॒। सा॒प॒वा॒। प॒न्था॒म्। पि॒तृ॒। य॒न्य॒। स्व॒ग॒ध॒॥
॥ ७॥ अ॒ग्नौ॒। तु॒ष॒न्। आ। व॒प॒। जा॒न॒। क॒द॒सि॒॥ पु॒रः। कं॒। शु॒क॒न्। अ॒प॒। मृ॒ड्वि॒। ह॒र॒म्॥ ह॒त॒म्
शु॒क्र॒म्। गृ॒ह॒। राज॒स्य॒। भा॒ग॒म्॥ अ॒थो॒। इ॒ति॒। वि॒द्वाः। नि॒। स॒न्ति॒। भा॒ग॒। ध॒य॒म्॥ ८॥ आ॒म्

नः। पक्वाः॥ विद्धि। सु॒ब्धतः॥ पथम्। स्व॒ः यम्। अ॒धिरो॒ह्याएनम्॥ येनारोह्ता। प
स्मा। आ॒०पद्येयता। वयम्॥ उत्त॒०तमम्। नाकम्। पूरम्म्। वि०तुम॥१०॥ ७॥ ३॥ बुध्नेः। अ॒
ध्व॒र्योईति। सुरक्मा। एतता। वि। मृद्धि॥ अोज्यम्या। लोकम्। ऊ॒एचु॒ हि। त्व॒०। विद्वान्॥ धृतन्॥
गात्रः। अनुस्सर्वा। वि। मृद्धि॥ स्ता॒प्वो। पंथत्म। पुरस्तायः। स्वः॒०गः॥ १॥ जुग्रो। रसम्। सु०
मस्म्। अ॒पा। वृपा। ए॒न्यः॥ अ॒प्रजह्ल एगाः। यत्॒ाम्। यां। उप॒सी। दन्॥ तु॒री। वि। एतन्। अथमा
नाः। तु॒रस्वन्त॥ अ॒प्तार्धुयाः। ता॒। मा। रिषन्। नृ॒०। अ॒षिताः॥ अ॒प्तार्धीयम्। नि। द॒ाधातु। दु
ना। आ॒॥ ना। अ॒नसर्ष्याणाम्। अपि। अ॒स्त्रोत्रः॥ अ॒पुग्धे। मा। गो॒। हा। मुरुतम्। यासा। वी। वि
श्वेदेवाः। अ॒गिरसां। नुपृष्कमा। ३॥ युशम्। उत्तनम्। सत्म्। इता। त्र॒०पीनाम्॥ त्रु॒मासम्। २३०
खि॒नुम्। सत्तमा। रम्णाम्॥ अ॒गा॒० ह॒ूत्युमा। ऊ॒ता। दीर्घम्। आ॒युः॥ रुप्या। वा। पो। ओ। उप
या। सा॒दम्॥ ४ वृष॒णः। अ॒सि। स्वः॒ गः॥ सपीनां। आर्षियान्। गत्॥ सु०स॒तम्। लो॒को। सी

दृ॥ तत्र। नौ। संस्कृ॒तम्॥ प स्तम्। ०अ॒पा। चित्तु। स्था। अ॒नु०सं अयसः। अ॒गे॥ पृथः। कृ॒ल्पयुः।
दृ॒व॒०याना॒॥ एतेः। स्तु॒०ता॒तोः। अ॒नु॒गछेम्। यु॒शम्॥ नाके। ति॒ष्ठतम्। अधि। स॒ह्म॒०स्थौ।
१॥ यन्न्। दुवाः। ज्यो॒ति॒र्षा। धाम्। ऊ॒त॒०अ॒यन्॥ अ॒ग्न॒ो। तु॒धूनं। पृ॒थ्वा। सु॒०त॒स्य। लो॒कम्॥
तन्। नागेष्म। स्तु॒०त॒स्य। लोकम्। स्वः। आ॒०रो॒हन्तः। अ॒पि। नाकम्। उ॒त्त॒०तुमम्॥ ३॥ ७॥ ४॥
नयस्था। वि। मृढतम्। मा। अ॒नु। याततम्। त्वन्त्यता। इति। त्वन्त॒० पती॥ पशु॒०पता। इति॒। पशु॒०पती॥
नम्। वा॒म्॥ प्रति॒०हिताम्। आ॒०यन्ताम्। मा॥ विस्ता॒ष्टम्। मा। नः। हिं॒सि॒ष्टम्। हि॒०पन्। मा। च
७४ तुष्पदे॥ १॥ शुनोकौ। राष्ट्र॒। मा। शासीरा। ति। कर्तम्॥ अ॒ग्नि॒ जी॒त्व॒ चयः। शृ॒ण्व॒थ॥ या। चा॒। स्
ता॒। अ॒वि॒ध्वा॒वः॥ मत्रियाः॥ ता॒। पशु॒०पता॒। वयंसा। ता। वि॒०धुसे। मा। वि॒दं॒ता॒। र॥ अं॒ वस्या।
ता। आ॒प्याय्न। याहा। यु॒। ता॒। भूयाः। रोपन्वः॥ नम्॥ ता। रुद्रो। स॒एनः॥ स॒ दुग्ध॒०अ॒प्सायः। अ॒प्स॒म॒
र्थ॥ ३॥ गुरम्। भे॒सन्ता॥ ता। नमः। स॒एनः। उ॒तु॒राना॒। अ॒यवा॒ता॒। उ॒ता॥ अ॒ग्नि॒०वर्याता॒। दि॒वः। प
रि। अ॒न्तरिक्षा। या। ता॒। नम॥ ४ मुरुत्वान्। पशु॒०पता॒। यानि। च। दूंसि। ता॒। नय॒। जुषोतु

पायन्सुम०हाग्नि॥प्रतीचीनान्या॥तु॥नमः॥प॥अंगेभ्यः॥तु॥नुदरस्य॥जिह्वायै॥अप
स्यायां॥तु॥दृत०भ्यः॥गुह्याय॥तु॥नमः॥५॥अपस्वा॥नील०शिखंडिने॥सहस्र०अपदे
ण्याज्ञिनः॥रुद्रणे॥अष्ट्रके०घातिना॥तन्नाम॥सम॥अराम॥द्वि॥७ संनुः॥भुवः॥प
सिरुणक्तु॥विध्वतः॥आपरः०इवा॥अग्निः॥पसिंरुणक्तु॥नः॥भुवः॥मा॥नुः॥अग्नि
मीस्तु॥नमः॥अस्तु॥अस्मै॥८॥वृतुः॥नमः॥अपु०टोकं॥भुयाय॥दश॥दश॥पृथु
०पृ॥तु॥नमः॥तु॥तवक्षमे॥पंच॥पुराक॥वि०नस्ता॥गाय॥अश्व॥सुसाः॥अप०
अपूर्व॥९॥तव॥तन्त्रः॥प्रु०दिश॥तव॥घोः॥तव॥पृथिवी॥तव॥इदम्॥उग्रा॥उरु
अंतरिक्षम्॥तव॥इदम्॥सर्वम्॥आत्मन्वत्॥यत्॥प्राणत्॥पृथिवीम्॥अनु॥१०॥ २३१
॥६॥प॥उरुः॥कोश॥वसु०धानः॥तव॥अयम्॥यस्मिन्॥इमा॥विश्वा॥भुवनानि॥अं
तः॥सः॥नुः॥मृड॥पशु०पा॥तु॥नमः॥तु॥पुरः॥को॥शस्॥अग्नि०पाः॥श्वानः॥पुरः॥अ
अ यं॥धूरूप॥वि०कश्पः॥१॥धनुः॥विजपीः॥इत्तम॥हिरण्यय॥सहस्र०घ्नम॥
र्भं

शत०वधम॥शिखंडिन॥रुद्रस्य॥इषुः॥चरन्ति॥देवा॥हेतिः॥नस्यै॥नमः॥यतमस्या
म॥दिशि॥इतः॥२॥यः॥अग्नि०यमत्॥नि०जयन्ति॥यम॥रुद्र॥नि०रिपतिघ्नंति॥पश्चात्
अनु०प्रयुंक्ते॥नम॥विद्वस्य॥पृहनीः॰इवा॥३॥भुवा॥रुद्रो॥सयुजस्सं०विदानौ॥
उभौ॥उग्रौ॥चरतः॥वीर्याय॥ता॥भ्यम॥नमः॥यतमस्यम॥दिशि॥इतः॥४॥नमः॥तु॥अस्तु
आयत॥नमः॥अस्तु॥पुरा०यात॥नमः॥तु॥रुद्र॥तिष्ठत॥आसीनाय॥उत॥तु॥नमः
प॥नमः॥सायम॥नमः॥प्रातः॥नमः॥रात्र्या॥नमः॥दिवा॥भुवाय॥शर्वाय॥उभा
भ्याम॥अकरम॥नमः॥५॥सहस्र०अक्षम॥अति०पश्यम॥पुरस्तात्॥रुद्रम॥अस्यन्तम॥
विपश्चितम॥विपः॥वितम॥मा॥उपा॥आराम॥जिह्वया॥ईयमानम॥७॥श्यावा०अश्वम॥कृष्ण
म॥असितम॥मृणन्तम॥भीमम॥रथम॥केशिनः॥पादयन्तम॥पूर्वे॥प्रति॥इमः॥नमः॥
अस्तु॥अस्मै॥८॥मा॥नुः॥अभि॥स्राः॥मत्यम॥देव०हेतिम॥मा॥नुः॥क्रुधः॥पशु०प

तु।नमः।तु।अन्यत्र।अस्मत्।दिव्याम्।शाखाम्।वि।धूनु।९।मा।नः।हिंसीः।अधि
।ब्रूहि।परि।नः।वृङ्धि।मा।क्रुधः।मा।त्वया।समा।अराम।हि।१०।६।५।मा।नः।गोषु
पुरुषेषु।मा।गृधः।नः।अगो॰अवि॰षु।अन्यत्र।उग्र।वि।वर्तय।पियारु॰प्रजां
प्र॰गाम।जहि।१।यस्य।तक्मा।कासिका।हेतिः।एकम्।अश्वस्य॰इव।वृषणः।क्रन्दः
एति।अभि॰पूर्वम्।निः॰नयते।अस्मै।रा।यः।अन्तः।तिष्ठति।वि॰रक्षेन।अयक्ष्म
उदः।नः।प्र॰मृतेन।द्विषाप्रश्नन।तस्मै।नमः।दश॰भिः।शक्वरीभिः।३।अन्य॰मत्।अन्तरि
।पुराकाम।मृगाः।वनेहिताः।हंसाः।सु॰पर्णाः।शकुनाः।वयांसि।तव।यक्षम्।पशु॰
पते।अप्सु॰अन्तः।उपन्मा।सरन्ति।दिव्याः।आपः।वृधा।४।शिंशुमाराः।अजगराः
।पुरीकयाः।जषाः।मत्स्याः।रजसाः।यभ्यः।अस्यसि।न।ते।दूरम्।न।परि॰स्था।अ
स्ति।ते।भव।सद्यः।सर्वान्।परि।पश्यसि।भूमिम्।पूर्वस्मात्।हंसि।उत्तरस्मिन्।समुद्रे
।५।मा।नः।रुद्र।तक्मना।मा।विषेण।मा।नः।सम्।स्राः।दिव्येन।अग्निना।अन्यत्र।अ

स्मत्।वि॰द्युतम्।पातय।एताम्।६।भवः।दिवः।भवः।ईशे।पृथिव्याः।भवः।आ।
पप्रौ।उरु।अन्तरिक्षम्।तस्मै।नमः।यतमस्याम्।दिशि।इतः।७।भव।राजन्।यज॰मा
नाय।मृड।पशूनाम्।हि।पशु॰पतिः।बभूथ।यः।श्रत्॰दधाति।सन्ति।देवाः।इति।च
तुः॰पदे।द्वि॰पदे।अस्य।मृड।८।मा।नः।महान्तम्।उत।मा।नः।अर्भकम्।मा।नः।व
हन्तम्।उत।मा।नः।वक्ष्यतः।मा।नः।हिंसीः।पितरम्।मा।तरम्।च।स्वाम्।तन्वम्।रुद्र
मा।रिरिषः।नः।९।रुद्रस्य।ऐलबकारेभ्यः।असंसूक्त॰गिलेभ्यः।इदम्।महा॰
आस्येभ्यः।श्व॰भ्यः।अकरम्।नमः।१०।नमः।ते।घोषिणीभ्यः।नमः।ते।केशि
नीभ्यः।नमः।नमः॰कृताभ्यः।नमः।सम्॰भुञ्जतीभ्यः।नमः।ते।देव।सेनाभ्यः।
स्वस्ति।नः।अभयम्।च।नः।११।८।३।तस्य।उदन्वतः।बृहस्पतिः।शिरः।उल्मुक॰
म्।१।द्यौः।च।पृथिवी।इति।श्रोत्रे।इति।सूर्याचन्द्रमसौ।अक्षिणी।इति।सप्त॰ऋषयः।

प्राणापानाः ॥२॥ चक्षुः । मुसलम् । कामः । उलूखलम् ॥३॥ दितिः । शूर्पम् । अदितिः । शूर्प॰
ग्राही ॥ वातः । अप । अविनक् ॥४॥ अश्वाः । कणाः । गावः । तण्डुलाः । मशकाः । तुषाः
॥५॥ कब्रु । फलीऽकरणाः । शरः । अभ्रम् ॥६॥ श्यामम् । अयः । अस्य । मांसानि । लो
हितम् । अस्य । लोहितम् ॥७॥ त्रपु । भस्म । हरितम् । वर्णः । पुष्करम् । अस्य । गन्धः ॥८॥ ख
लः । पात्रम् । स्फ्यौ । अंसौ । ईषे इति । अनूक्ये इति ॥९॥ आन्त्राणि । जत्रवः । गुदाः । वर
त्राः ॥१०॥ इयम् । एव । पृथिवी । कुम्भी । भवति । राध्यमानस्य । ओदनस्य । द्यौः । अपिऽधान
म् ॥११॥ सीताः । पर्शवः । सिकताः । ऊबध्यम् ॥१२॥ ऋतम् । हस्त॰अवनेजनम् । कुल्या
उप॰सेचनम् ॥१३॥ ऋचा । कुम्भी । अधिऽहिता । आर्त्विज्येन । प्र॰इषिता ॥१४॥ ब्रह्मणा । २२१
परि॰गृहीता ॥ साम्ना । परि॰ऊढा ॥१५॥ बृहत् । आ॰यवनम् । रथम्ऽतरम् । दर्विः ॥१६॥ ऋ
तवः । पक्तारः । आर्तवाः । सम् । इन्धते ॥१७॥ चरुम् । पञ्चऽबिलम् । उखम् । घर्मः । अभि ।

इन्धे ॥१८॥ ओदनेन । यज्ञ॰वचः । सर्वे । लोकाः । सम्ऽआप्याः ॥१९॥ यस्मिन् । समुद्रः । द्यौः ।
भूमिः ॥ त्रयः । अवर॰परम् । श्रिताः ॥२०॥ यस्य । देवाः । अकल्पन्त । उत्॰शिष्टे । षट् । अ
शीतयः ॥२१॥ तम् । त्वा । ओदनस्य । पृच्छामि । यः । अस्य । महिमा । महान् ॥२२॥ सः । यः । ओदन
स्य । महिमानम् । विद्यात् ॥२३॥ न । अल्पः । इति । ब्रूयात् । न । अनुप॰सेचनः । इति । न
इदम् । च । किम् । च । इति ॥२४॥ यावत् । दाता । अभि॰मनस्येत । तत् । न । अति । वदेत्
॥२५॥ ब्रह्म॰वादिनः । वदन्ति । पराञ्चम् । ओदनम् । प्र । आशीः । प्रत्यञ्चाम् । इति ॥२६॥
त्वम् । ओदनम् । प्र । आशीः । त्वाम् । ओदनाः ३ इति ॥२७॥ पराञ्चम् । च । एनम् । प्र॰आशीः । प्रा
णाः । त्वा । हास्यन्ति । इति । एनम् । आह ॥२८॥ प्रत्यञ्चम् । च । एनम् । प्र॰आशीः । अपाना
ः । त्वा । हास्यन्ति । इति । एनम् । आह ॥२९॥ न । एव । अहम् । ओदनम् ॥ न । माम् । ओदनः
॥३०॥ ओदनः । एव । ओदनम् । प्र । आशीत् ॥३१॥ ३ ॥ ० ॥ ततः । च । एनम् । अन्येन । शी

सूर्या। प्र० आशीः। येन। च। एतम्। पूर्वे। ऋषयः। प्र० आश्नन्॥ १॥ ज्येष्ठतः। ते। प्र०
जा। मरिष्यति। इति। एनम्। आह। तम्। वै। अहम्। न। अर्वाञ्चम्। न। पराञ्चम्। न। प्र
त्यञ्चम्॥ २ बृहस्पतिना। शीर्ष्णा॥ ४॥ तेन। एनम्। प्र। आशिषम्। तेन। एनम्। अजी
गमम्॥ ५॥ एषः। वा। ओदनः। सर्व० अङ्गः। सर्व० परुः। सर्व० तनूः॥ सर्व० अङ्गः। एव।
सर्व० परुः। सर्व० तनूः। सम्। भवति। यः। एवम्। वेद॥ ६॥ एनम्। अन्याभ्याम्। श्रोत्राभ्या
म्। प्र० आशीः। याभ्याम्। च॥ बधिरः। भविष्यति। इति। द्यावापृथिवीभ्याम्। श्रोत्राभ्या
म्॥ ताभ्याम्। एनम्। प्र। आशिषम्॥ ताभ्याम्। एनम्॥ १ एनम्। अन्याभ्याम्। अक्षी
भ्याम्। प्र० आशीः। याभ्याम्। च॥ अन्धः। भविष्यसि। इति। सूर्याचन्द्रमसाभ्याम्। २३४
अक्षीभ्याम्॥ ताभ्याम्। एनम्। प्र। आशिषम्॥ ताभ्याम्। एनम्॥ ३॥ एनम्। अन्येन
मुखेन। प्र० आशीः। यया। च। जिह्वया॥ तु। मरिष्यति। इति। अग्नेः। जिह्वया। तया
येन। च॥ मुखतः। ते। प्र० जा। मरिष्यति। इति। ब्रह्मणा। मुखेन॥ तेन। एनम्। प्र। आशि धं।
षम्। तेन। एनम्॥ एनम्। अन्यया। जिह्वया। प्र० आशीः॥ ३१

तेनं। एनम्। प्र। आशिषम्। तेन॥ एनम्॥ ५॥ एनम्। अन्यैः। दन्तैः। प्र० आशीः। यैः। च॥
दन्ताः। ते। शत्स्यन्ति। इति। ऋतु० भिः। दन्तैः॥ तैः। एनम्। प्र। आशिषम्। तैः। एनम्॥ ६
एनम्। अन्यैः। प्राणापानैः। प्र० आशीः। यैः। च॥ प्राणापानाः। त्वा। हास्यन्ति। इति॥
सप्तर्षि० भिः। प्राणापानैः॥ तैः। एनम्। प्र। आशिषम्। तैः। एनम्॥ ७॥ एनम्। अन्ये
न। व्यचसा। प्र० आशीः। येन। च॥ राज० यक्ष्मः। त्वा। हनिष्यति। इति। अन्तरिक्षेण। व्यच
सा। तेन। एनम्। प्र। आशिषम्। तेन। एनम्॥ ८॥ अन्येन। पृष्ठेन। प्र० आशीः॥ वि० द्यु
त्। त्वा। हनिष्यति। इति। दिवा। पृष्ठेन॥ ९॥ अन्येन। उरसा। प्र० आशीः। कृष्याः। न
राथ्स्यसि। इति। पृथिव्या। उरसा॥ १०॥ अन्येन। उदरेण। प्र० आशीः॥ उदर० दार
ः। त्वा। हनिष्यति। इति। सत्येन। उदरेण॥ ११॥ एनम्। अन्येन। वस्तिना। प्र० आशी
ः॥ येन। च॥ अप० सु। मरिष्यति। इति। समुद्रस्य। वस्तिना॥ तेन। एनम्। प्र। आशि

षम्॥ ततः। च। एनम्॥१२॥ एनम्। अन्याभ्याम्। ऊरुऽभ्याम्। प्रऽआशीः। याभ्याम्। च।
ऊरू इति। ऋतु। मरिष्यतः। इति। मित्रावरुणयोः। ऊरुऽभ्याम्॥ ताभ्याम्। एनम्। प्र।
अप्राशिषम्। ताभ्याम्। एनम्॥१३॥ अन्याभ्याम्। अष्ठीवत्ऽभ्याम्। प्रऽआशीः। स्रा-
मः। भविष्यसि। इति। ऋभूणाम्। अष्ठीवत्ऽभ्याम्॥१४॥ अन्याभ्याम्। पादाभ्याम्। प्रऽ
आशीः॥ बहुऽचारी। भविष्यसि। इति। अश्विनोः। पादाभ्याम्॥१५॥ अन्याभ्याम्। प्र-
ऽपदाभ्याम्। प्रऽआशीः॥ सर्पः। त्वा। हनिष्यति। इति। सवितुः। प्रऽपदाभ्याम्॥१६॥
एनम्। अन्याभ्याम्। हस्ताभ्याम्। प्रऽआशीः। याभ्याम्। च। ब्राह्मणम्। हनिष्यसि।
इति। ऋतस्य। हस्ताभ्याम्॥ ताभ्याम्। एनम्। प्र। अप्राशिषम्। ताभ्याम्। एनम्॥१७॥ तत- २३५
ः। च। एनम्। अन्यया। प्रतिऽस्थया। प्रऽआशीः। यया। च। एतम्। पूर्वे। ऋषयः। प्रऽआ-
श्नन्॥ अप्रतिऽस्थानः। अनायतनः। मरिष्यसि। इति। एनम्। आह॥ तम्। वै। अहम्।

४

अर्वाञ्चम्। न। पराञ्चम्। न। प्रत्यञ्चम्। सत्यम्। प्रतिऽस्थाय। तया। एनम्। प्र। अप्रा-
शिषम्। तया। एनम्। अजीगमम्। एषः। वै। ओदनः। सर्वऽअङ्गः। सर्वऽपरुः। स-
र्वऽतनूः॥ सर्वऽअङ्गः। एव। सर्वऽपरुः। सर्वऽतनूः। सम्। भवति। यः॥ ७॥१८॥३॥
एतत्। वै। ब्रध्नस्य। विष्टपम्। यत्। ओदनः॥१॥ ब्रध्नऽलोकः। भवति। ब्रध्नस्य। विष्टपि-
श्रयति। यः। एवम्। वेद॥२॥ एतस्मात्। वै। ओदनात्। त्रयःऽत्रिंशतम्। लोकान्। निः।
अमिमीत। प्रजाऽपतिः॥३॥ तेषाम्। प्रऽज्ञानाय। यज्ञम्। असृजत॥४॥ सः। यः। एव-
म्। विदुषः॥ उपऽद्रष्टा। भवति। प्राणम्। रुणद्धि॥५॥ न। च। प्राणम्। रुणद्धि। सर्व-
ऽज्यानिम्। जीयते॥६॥ न। च। सर्वऽज्यानिम्। जीयते॥ पुरा। एनम्। जरसः। प्राणः।
जहाति॥७॥ ७॥ १०॥ प्राणाय। नमः। यस्य। सर्वम्। इदम्। वशे। यः। भूतः। सर्वस्य।
ईश्वरः॥ यस्मिन्। सर्वम्। प्रतिऽस्थितम्॥१॥ नमः। ते। प्राण। क्रन्दाय। नमः। ते। स्तनयि-

नाके॥ नमः॥ ते॥ प्राण॥ वि॰क्रन्दाते॥ नमः॥ ते॥ प्राण॥ वर्षते॥२॥ यत्॥ प्राणः॥ स्तनयित्नुना॥
अभि॰क्रन्दति॥ ओषधीः॥ प्र॥ वीयन्ते॥ गर्भान्॥ दधते॥ अथो इति॥ बह्वीः॥ वि॥ जायन्ते॥ यत्॥
प्राणः॥ ऋतौ॥ आ॰गते॥ अभि॰क्रन्दति॥ ओषधीः॥ सर्वम्॥ तदा॥ प्र॥ मोदते॥ यत्॥ किम्॥ च॥
भूम्याम्॥ अधि॥४॥ यदा॥ प्राणः॥ अभि॰अवर्षीत्॥ वर्षेण॥ पृथिवीम्॥ महीम्॥ पशवः॥
तत्॥ प्र॥ मोदन्ते॥ महः॥ वै॥ नः॥ भविष्यति॥५॥ अभि॰वृष्टाः॥ ओषधयः॥ प्राणेन॥ सम्॥ अ-
वादिरन्॥ आयुः॥ वै॥ नः॥ प्र॥ अतीतरः॥ सर्वाः॥ नः॥ सुरभीः॥ अकः॥६॥ नमः॥ ते॥ अस्तु॥
आ॰यते॥ नमः॥ अस्तु॥ परा॰यते॥ नमः॥ ते॥ प्राण॥ तिष्ठते॥ आसीनाय॥ उत॥ ते॥ नमः॥-
॥७॥ नमः॥ ते॥ प्राण॥ प्राणते॥ नमः॥ अस्तु॥ अपानते॥ पराचीनाय॥ ते॥ नमः॥ प्रतीची- २२६
नाय॥ ते॥ नमः॥ सर्वस्मै॥ ते॥ इदम्॥ नमः॥८॥ या॥ ते॥ प्राण॥ प्रिया॥ तनूः॥ यो इति॥ ते॥
प्राण॥ प्रेयसी॥ अथो इति॥ यत्॥ भेषजम्॥ तव॥ तस्य॥ नः॥ धेहि॥ जीवसे॥९॥ प्राणः॥ प्र॰

जाः॥ अनु॥ वस्ते॥ पिता॥ पुत्रम्॰इव॥ प्रियम्॥ प्राणः॥ ह॥ सर्वस्य॥ ईश्वरः॥ यत्॥ च॥ प्राणति॥ यत्॥
च॥ न॥१०॥ (१)॥१॥ प्राणः॥ मृत्युः॥ प्राणः॥ तक्मा॥ प्राणम्॥ देवाः॥ उप॥ आसते॥ प्राणः॥ ह॥ स-
त्य॰वादिनम्॥ उत्॰तमे॥ लोके॥ आ॥ दधत्॥१॥ प्राणः॥ वि॰राट्॥ प्राणः॥ देष्ट्री॥ प्राणम्॥ सर्वे॥
उप॥ आसते॥ प्राणः॥ ह॥ सूर्यः॥ चन्द्रमाः॥ प्राणम्॥ आहुः॥ प्रजा॰पतिम्॥२॥ प्राणापानौ॥ व्रीहि-
॰यवौ॥ अनड्वान्॥ प्राणः॥ उच्यते॥ यवे॥ ह॥ प्राणः॥ आ॰हितः॥ अपानः॥ व्रीहिः॥ उच्यते॥३॥
अप॥ अनति॥ प्र॥ अनति॥ पुरुषः॥ गर्भे॥ अन्तरा॥ यदा॥ त्वम्॥ प्राण॥ जिन्वसि॥ अथ॥ सः॥ जायते॥
पुनः॥४॥ प्राणम्॥ आहुः॥ मातरिश्वानम्॥ वातः॥ ह॥ प्राणः॥ उच्यते॥ ॥ प्राणे॥ ह॥ भूतम्॥ भव्यम्॥
च॥ प्राणे॥ सर्वम्॥ प्रति॰स्थितम्॥५॥ आथर्वणीः॥ आङ्गिरसीः॥ दैवीः॥ मनुष्य॰जाः॥ उत॥
ओषधयः॥ प्र॥ जायन्ते॥ यदा॥ त्वम्॥ प्राण॥ जिन्वसि॥ यदा॥ प्राणः॥ अभि॰अवर्षीत्॥ वर्षेण॥ पृ-
थिवीम्॥ महीम्॥ ओषधयः॥ प्र॥ जायन्ते॥ अथो इति॥ याः॥ काः॥ च॥ वीरुधः॥७॥ यः॥ ते॥ प्राण॥
इदम्॥ वेद॥ यस्मिन्॥ च॥ असि॥ प्रति॰स्थितः॥ सर्वे॥ तस्मै॥ बलिम्॥ हरान्॥ अमुष्मिन्॥ लोके॥

। क । उत्ऽतमे ॥ ८ ॥ यथा । प्राण । बलिऽहृतः । तुभ्यम् । सर्वाः । प्रऽजाः । इमाः । एव । तस्मै । ब-
लिम् । हरान् ॥ यः । त्वा । शृणवत् । सुऽश्रवः ॥ ९ ॥ अन्तः । गर्भः । चरति । देवतासु । आऽभू-
तः । भूतः । सः । ऊं इति । जायते । पुनरिति ॥ सः । भूतः । भव्यम् । भविष्यत् । पिता । पुत्रम् । प्र । विवेश । श-
चीभिः ॥ १० ॥ छ ॥ ११ ॥ एकम् । पादम् । न । उत् । खिदति । सलिलात् । हंसः । उत्ऽचरन् । यत्
। अङ्ग । सः । तम् । उत्ऽखिदेत् ॥ न । एव । अद्य । न । श्वः । स्यात् ॥ न । रात्री । न । अहः । स्यात् ।
न । वि । उच्छेत् । कदा । चन ॥ १ ॥ अष्टाऽचक्रम् । वर्तते । एकऽनेमि । सहस्रऽअक्षरम् । प्र । पुरः
। नि । पश्चा ॥ अर्धेन । विश्वम् । भुवनम् । जजान । यत् । अस्य । अर्धम् । कतमः । सः । के-
॥ २ तुः ॥ २ ॥ यः । अस्य । विश्वऽजन्मनः । ईशे । विश्वस्य । चेष्टतः । अन्येषु । क्षिप्रऽधन्वने ॥ तस्मै । प्रा-
ण । नमः । अस्तु । ते ॥ ३ ॥ यः । अस्य । सर्वऽजन्मनः । ईशे । सर्वस्य । चेष्टतः । अतन्द्रः । ब्रह्मणा ।
धीरः । प्राणः । मा । अनु । तिष्ठतु ॥ ४ ॥ ऊर्ध्वः । सुप्तेषु । जागार । ननु । तिर्यङ् । नि । पद्यते ॥ न । सुप्त-
म् । अस्य । सुप्तेषु । अनु । शुश्राव । कः । चन ॥ ५ ॥ प्राण । मा । मत् । परिऽआवृतः । न । मत् । अ-

MEMORIAL

अन्यः । प्रविश्यसि ॥ अपाम् । गर्भम्ऽइव । जीवसे । प्राण । बध्नामि । त्वा । मयि ॥ ६ ॥ छ ॥
१२ ॥ ब्रह्मऽचारी । इष्णन् । चरति । रोदसी इति । उभे इति । तस्मिन् । देवाः । सम्ऽमनसः ।
भवन्ति । सः । दाधार । पृथिवीम् । दिवम् । च । सः । आऽचार्यम् । तपसा । पिपर्ति ॥ १ ॥ ब्रह्म-
ऽचारिणम् । पितरः । देवऽजनाः । पृथक् । देवाः । अनुऽसंयन्ति । सर्वे ॥ गन्धर्वाः । एनम् ।
अनु । आयन् । त्रयःऽत्रिंशत् । त्रिऽशताः । षट्ऽसहस्राः ॥ सर्वान् । सः । देवान् । तपसा । पि-
पर्ति ॥ २ ॥ आऽचार्यः । उपऽनयमानः । ब्रह्मऽचारिणम् । कृणुते । गर्भम् । अन्तः ॥ तम् । रात्री-
ः । तिस्रः । उदरे । बिभर्ति ॥ तम् । जातम् । द्रष्टुम् । अभिऽसंयन्ति । देवाः ॥ ३ ॥ इयम् । सम्-
ऽइत् । पृथिवी । द्यौः । द्वितीया । उत । अन्तरिक्षम् । सम्ऽइधा । पृणाति ॥ ब्रह्मऽचारी । स-
म्ऽइधा । मेखलया । श्रमेण । लोकान् । तपसा । पिपर्ति ॥ ४ ॥ पूर्वः । जातः । ब्रह्मणः । ब्र-
ह्मऽचारी ॥ घर्मम् । वसानः । तपसा । उत् । अतिष्ठत् ॥ तस्मात् । जातम् । ब्राह्मणम् । ब्रह्म-
ज्येष्ठम् ॥ देवाः । च । सर्वे । अमृतेन । साकम् ॥ ५ ॥ ब्रह्मऽचारी । एति । सम्ऽइधा । सम्ऽइद्धः ॥

= तस्मिन्। देवाः। सम्ऽमनसः। भवन्ति॥ इमाम्। भूमिम्। पृथिवीम्। ब्रह्मऽचारी॥ ३५
कार्ष्णम्। वसानः। दीक्षितः। दीर्घऽश्मश्रुः॥ सः। सद्यः। एति। पूर्वस्मात्। उत्तरम्। समुद्र-
म्॥ लोकान्। सम्ऽगृभ्य। मुहुः। आऽचरिक्रत्॥६॥ ब्रह्मऽचारी। जनयन्। ब्रह्म। अ-
पः। लोकम्। प्रजाऽपतिम्। परमेऽस्थिनम्। विऽराजम्॥ गर्भः। भूत्वा। अमृतस्य। योनौ।
इन्द्रः। ह। भूत्वा। असुरान्। ततर्ह॥७॥ आचार्यः। ततक्ष। नभसी इति। उभे इति। इमे
उर्वी इति। गम्भीरे इति। पृथिवीम्। दिवम्। च। ते इति। रक्षति। तपसा। ब्रह्मऽचारी। भिक्षाम्।
आ। जभार। प्रथमः। दिवम्। च॥ ते इति। कृत्वा। सम्ऽइधौ। उप। आस्ते। तयोः। आर्पिता।
भुवनानि। विश्वा॥९॥ अर्वाक्। अन्यः। परः। अन्यः। दिवः। पृष्ठात्। गुहा। निधी इति निऽ-
धी। निऽहितौ। ब्राह्मणस्य॥ तौ। रक्षति। तपसा। ब्रह्मऽचारी। तत्। केवलम्। कृणुते। २२०
ब्रह्म। विद्वान्॥१०॥६॥२॥ अर्वाक्। अन्यः। इतः। अन्यः। पृथिव्याः। अग्नी इति। सम्-
ऽएतः। नभसी इति। अन्तरा। इमे इति॥ तयोः। श्रयन्ते। रश्मयः। अधि। दृढाः। तान्। आ।
तिष्ठति। तपसा। ब्रह्मऽचारी॥११॥ अभिऽक्रन्दन्। स्तनयन्। अरुणः। शितिङ्गः। बृहत्। शे-

पः। अनु। भूमौ। जभार। ब्रह्मऽचारी॥ सिञ्चति। सानौ। रेतः॥ पृथिव्याम्। तेन।
जीवन्ति। प्रऽदिशः। चतस्रः॥१२॥ अग्नौ। सूर्ये। चन्द्रमसि। मातरिश्वन्। ब्रह्मऽचारी।
अप्ऽसु। सम्ऽइधम्। आ। दधाति॥ तासाम्। अर्चींषि। पृथक्। अभ्रे। चरन्ति। ता-
साम्। आज्यम्। पुरुषः। वर्षम्। आपः॥१३॥ आचार्यः। मृत्युः। वरुणः। सोमः। ओषधयः।
पयः॥ जीमूताः। आसन्। सत्वानः॥ तैः। इदम्। स्वः। आऽभृतम्॥१४॥ अमा। घृतम्। कृणुते।
केवलम्। आचार्यः। भूत्वा। वरुणः॥ यत्ऽयत्। ऐच्छत्। प्रजाऽपतौ॥ तत्। ब्रह्मऽचारी।
प्र। अयच्छत्। स्वान्। मित्रः। अधि। आत्मनः॥१५॥ आचार्यः। ब्रह्मऽचारी॥ ब्रह्मऽचारी। प्रजा-
ऽपतिः॥ प्रजाऽपतिः। वि। राजति॥ विऽराट्। इन्द्रः। अभवत्। वशी॥१६॥ ब्रह्मऽचर्येण। त-
पसा। राजा। राष्ट्रम्। वि। रक्षति॥ आचार्यः। ब्रह्मऽचर्येण। ब्रह्मऽचारिणम्। इच्छते॥१७॥
ब्रह्मऽचर्येण। कन्या॥ युवानम्। विन्दते। पतिम्॥ अनड्वान्। ब्रह्मऽचर्येण। अश्वः-

धाः।स॒मा।जि॒गी॒षु॒ति॥८ ब्र॒ह्म॒॰चा॒र्ये॑ण।तप॑सा॥दे॒वाः।मृ॒त्युम्।अप॑।अ॒घ्न॒त॥इन्द्रः॑।ह॒।ब्र॒ह्म॒॰च॒र्ये॑-
ण॥दे॒वेभ्यः॑।स्वः॑।आ।अ॒भ॒र॒त्॥१९॥ ओष॑धयः।भू॒त॒॰भ॒व्यम्।अ॒हो॒रा॒त्रे इति॑।वन॒स्पतिः॑॥-
सम्॰व॒त्स॒रः।स॒ह।ऋ॒तु॒॰भिः॑।ते।जा॒ताः।ब्र॒ह्म॒॰चा॒रिणः॑॥२०॥ पार्थि॑वाः।दि॒व्याः॥
प॒शवः॑।आ॒र॒ण्याः।ग्रा॒म्याः।च॒।ये॥अ॒प॒क्षाः।प॒क्षिणः॑।च॒।ये॥ते।जा॒ताः।ब्र॒ह्म॒॰चा॒रिणः॑
॥२१॥ पृथ॑क्।सर्वे॑।प्रा॒जा॒॰प॒त्याः॥प्रा॒णान्।आ॒त्म॒॰सु॒।बि॒भ्र॒ति॒॥तान्।सर्वा॑न्।ब्रह्म॑।र॒क्ष॒ति॒।
ब्र॒ह्म॒॰चा॒रिणि॑।आ॒॰भृ॒तम्॥२२॥ दे॒वाना॑म्।ए॒तत्।प॒रि॒॰सू॒तम्॥अन॑॰अ॒भि॒॰आ॒रू॒ढ॒म्।च॒र॒-
ति॒।रोच॑मानम्॥तस्मा॑त्।जा॒तम्।ब्राह्म॑णम्।ब्रह्म॑।ज्ये॒ष्ठम्॥दे॒वाः।च॒।सर्वे॑।अ॒मृते॑न।
सा॒कम्॥२३॥ ब्र॒ह्म॒॰चा॒री।ब्रह्म॑।भ्राज॑त्।बि॒भ॒र्ति॒॥तस्मि॑न्।दे॒वाः।अधि॑।विश्वे॑।स॒म्॰ओ॒ताः
॥प्रा॒णा॒पा॒नौ।ज॒नय॑न्।आत्।वि॒॰आ॒नम्॥वाच॑म्।मनः॑।हृद॑यम्।ब्रह्म॑।मे॒धाम्॥२४॥ च॒-
क्षुः॑।श्रोत्र॑म्।यशः॑।अ॒स्मासु॑।धे॒हि॒॥अन्न॑म्।रेतः॑।लोहि॑तम्।उ॒दर॑म्॥२५॥ तानि॑।क॒ल्प-

यन्।ब्र॒ह्म॒॰चा॒री।स॒लि॒लस्य॑।पृ॒ष्ठे॥तपः॑।अ॒ति॒ष्ठ॒त्।त॒प्यमा॑नः।स॒मु॒द्रे॥सः।स्ना॒-
तः।ब॒भ्रुः।पि॒ङ्ग॒लः॥पृ॒थि॒व्याम्।ब॒हु।रो॒च॒ते॒॥२६॥ ॥१५॥ अ॒ग्निम्।ब्रू॒मः॒।वन॒स्पती॑न्॥
ओष॑धीः।उ॒त।वी॒रुधः॑॥इन्द्र॑म्।बृह॒स्पति॑म्।सूर्य॑म्॥ते।नः॒।मु॒ञ्च॒न्तु॒।अंह॑सः॥१॥ ब्रू॒-
मः॒।राजा॑नम्।वरु॑णम्॥मि॒त्रम्।विष्णु॑म्।अथो॒ इति॑।भग॑म्॥अंश॑म्।वि॒वस्व॑न्तम्।
ब्रू॒मः॒।ते॥२॥ ब्रू॒मः।दे॒वम्।स॒वि॒तार॑म्॥धा॒तार॑म्।उ॒त।पू॒षण॑म्॥त्वष्टा॑रम्।अ॒ग्रि॒-
यम्।ब्रू॒मः॒।ते॥३॥ ग॒न्ध॒र्व॒॰अ॒प्स॒रसः॑।ब्रू॒मः॒॥अ॒श्विना॑।ब्रह्म॑णः।पति॑म्॥अ॒र्य॒मा॒।
नाम॑।यः।दे॒वः।ते॥४॥ अ॒हो॒रा॒त्रे इति॑।इ॒दम्।ब्रू॒मः॒॥सू॒र्या॒च॒न्द्र॒मसौ॑।उ॒भा॥वि॒-
श्वा॒न्।आ॒दि॒त्यान्।ब्रू॒मः॒।ते॥५॥ वात॑म्।ब्रू॒मः॒।प॒र्जन्य॑म्॥अ॒न्तरि॑क्षम्।अथो॒ इति॑।दि॒-
शः॑॥आशाः॑।च॒।सर्वाः॑।ब्रू॒मः॒।ते।नः॒।मु॒ञ्च॒न्तु॒।अंह॑सः॥६॥ मु॒ञ्च॒न्तु॒।मा॒।श॒प॒थ्या॑त्।अ॒हो॒-
रा॒त्रे इति॑।अथो॒ इति॑।उ॒षसः॑॥सोमः॑।मा॒।दे॒वः।मु॒ञ्च॒तु॒।यम्।आ॒हुः।च॒न्द्रमाः॑।इति॑॥७

पार्थिवाः। दिव्याः। पशवः॥ आरण्याः। उत। ये। मृगाः॥ शकुंतान्। पक्षिणः। ब्रूमः॥ ते॥
नः। मुंचंतु। अंहसः॥ ८॥ भवाशर्वौ। इदम्। ब्रूमः॥ रुद्रम्। पशुऽपतिः। च। यः॥ इषूः। याः
एषाम्। सम्ऽविद्म॥ ताः। नः। संतु। सदम्। शिवाः॥ ९॥ दिवम्। ब्रूमः। नक्षत्राणि॥ भू
मिम्। यक्षाणि। पर्वतान्॥ समुद्राः। नद्यः। वेशंताः॥ ते। नः। मुंचंतु। अंहसः॥ १०॥ ७॥
॥ १५॥ सप्तऽऋषीन्। वै। इदम्। ब्रूमः॥ अपः। देवीः। प्रजाऽपतिम्॥ पितॄन्। यमऽश्रेष्ठान्।
ब्रूमः॥ ते॥ ११॥ ये। देवाः। दिविऽसदः॥ अंतरिक्षऽसदः। च। ये॥ पृथिव्याम्। शक्राः। ये।
श्रिताः॥ ते॥ १२॥ आदित्याः। रुद्राः। वसवः॥ दिवि। देवाः। अथर्वाणः॥ अंगिरसः। म
नीषिणः॥ ते॥ १३॥ यज्ञम्। ब्रूमः। यजमानम्॥ ऋचः। सामानि। भेषजा॥ यजूंषि। होत्राः।
ब्रूमः॥ ते॥ १४॥ पंच। राज्यानि। वीरुधाम्॥ सोमऽश्रेष्ठानि। ब्रूमः॥ दर्भः। भंगः। यवः। स
हः॥ ते॥ १५॥ अरायान्। ब्रूमः। रक्षांसि॥ सर्पान्। पुण्यऽजनान्। पितॄन्॥ मृत्यून्। एकऽ २८०

॥ तीवं ८० १४ ॥

शतम्। ब्रूमः॥ ते॥ १६॥ ऋतून्। ब्रूमः। ऋतुऽपतीन्॥ आर्तवान्। उत। हायनान्॥ समाः॥
सम्ऽवत्सरान्। मासान्॥ ते॥ १७॥ आ। इत। देवाः। दक्षिणतः॥ पश्चात्। प्रांचः। उत्ऽए
त॥ पुरस्तात्। उत्तरात्। शक्राः॥ विश्वे। देवाः। सम्ऽएत्य। ते॥ १८॥ विश्वान्। देवान्। इदम्।
ब्रूमः॥ सत्यऽसंधान्। ऋतऽवृधः॥ विश्वाभिः। पत्नीभिः। सह। ते॥ १९॥ सर्वान्। देवान्। इद
म्। ब्रूमः॥ ब्रूमः सत्यऽसंधान्॥ ऋतऽवृधः॥ सर्वाभिः। पत्नीभिः। सह। ते॥ २०॥ भूतम्।
ब्रूमः। भूतऽपतिम्॥ भूतानाम्। उत। यः। वशी॥ भूतानि। सर्वा। सम्ऽगत्य॥ ते। नः। मुंचं
तु। अंहसः॥ २१॥ याः। देवीः। पंच। प्रऽदिशः॥ ये। देवाः। द्वादश। ऋतवः॥ सम्ऽवत्स
रस्य। ये। दंष्ट्राः॥ ते। नः। संतु। सदम्। शिवाः॥ २२॥ यत्। मातली। रथऽक्रीतम्। अमृ
तम्। वेद। भेषजम्॥ तत्। इंद्रः। अप्ऽसु। प्र। अवेशयत्॥ तत्। आपः। दत्त। भेषजम्।
॥ २३॥ ७॥ १४॥ उत्ऽशिष्टे। नाम। रूपम्। च। उत्ऽशिष्टे। लोकः। आऽहितः॥ उत्ऽ

शिष्टा। इंद्रः। यो अग्निः। यो विश्वम्। अंतः। समृ० आहितम्॥१॥ उत० शिष्टा। द्यावापृ
थिवी इति। विश्वम्। ऋतम्। समृ० आहितम्॥ आपः। समुद्रः। उत० शिष्टा। यं इमाः। वा
तः। आ० हितः॥२॥ सन्। उत० शिष्टा। असन्। यो उ लो॥ मृत्युः। पाजः। प्रजा० पतिः॥ लो
कः। उत० शिष्टा। आ० यत्ताः॥ ऊः। यो दः। यो अर्पिताः। मयि॥३॥ इदः। इंद्रः। स्थिरः
न्यः॥ ब्रह्म। विश्व० रूपः॥ दर्श। नाभिम्। इव। सुर्वतः। यः क्रमः। उत० शिष्टा। दुर्वताः
श्रिताः॥४॥ ऋक्। साम। यजुः। उत० शिष्टा॥ उत० गीथः। प्र० स्तुतम्। स्तुतम्॥ हिं० का
रः। उत० शिष्टा। स्वरः। साम्नः॥ मेडिः। प्रातता। मयि॥५॥ ऐंद्राग्नम्। पावमानम्। महा० २४१
नाम्नीः। महा० व्रतम्॥ उत० शिष्टा। यज्ञस्य अंगानि॥ अंतः। गर्भः। इव। मातरि॥६॥ रा
ज० सूयम्। वाज० पेयम्॥ अग्नि० ष्टोमः। ततः। अध्वरः॥ अर्क० अश्वमेधौ। उत० शि
ष्टा॥ जीव० बर्हिः। मदि० न्तमः॥७॥ अग्नि० आधेयम्। अथो इति। दीक्षा॥ काम० प्र

ने०

छंदसा। सह॥ उत० सन्नाः। यज्ञाः। सत्राणि॥ उत० शिष्टा। अधि समृ० आहिताः॥८
अग्नि० होत्रम्। च। श्रद्धा॥ यो॥ वषट्० कारः। व्रतम्। तपः। दक्षिणा। इष्टम्। पूर्तम्। च॥
उत० शिष्टा॥ अधि समृ० आहिताः॥९॥ एक० रात्रः। द्वि० रात्रः। सद्यः क्रीः। प्रक्रीः। उ
क्थ्यः॥ आ० ऊतम्। नि० हितम्। उत० शिष्टा। यज्ञस्य अणूनि विद्यया॥१०॥ ७॥ ११
चतुः० रात्रः। पंच० रात्रः॥ षट्० रात्रः। यो उभयः सह॥ षोडशी॥ सप्त० रात्रः। यो उ
त० शिष्टात्। यज्ञिरे। साकम्॥ ये। यज्ञाः। अमृते। अधि० हिताः॥११॥ प्रति० हारः। निधनम्॥
विजि। विश्व० जित्। यो अभि० जित्। च। यः॥ साह्न अति० रात्रौ। उत० शिष्टा॥ द्वादश० अह
ः। अर्पिता ता। मयि॥१२॥ सूनृता। संनतिः। क्षेमः॥ स्वधा। ऊर्जा। अमृतम्। सहः॥ उ
त० शिष्टा। सर्वा प्रत्यंचः कामाः। कामेन। तर्पिताः॥१३॥ नव। भूमीः। समुद्राः॥ उत० शि
ष्टा। अधि श्रिताः॥ दिवः। आ। सूर्यः। भाति। उत० शिष्टा॥ अहः। रात्रे इति। अर्पिता

मयि॥४॥उत्ऽदृत्यम्।विश्वऽवंतम्॥या।वायशाः।गुहाऽहिताः॥बिभर्ति।भर्ता।वि
श्वस्य॥उत्ऽशिष्टः।जनितुः।पिता॥पा।पिता।जनितुः।उत्ऽशिष्टः॥असोः।पौत्रः।पि
तामहः॥सः।क्षियति।विश्वस्य।ईशानः॥वृषा।भूम्याम्।अतिऽघ्न्यः॥६॥ऋतम्।
सत्यम्।तपः।राष्ट्रम्॥श्रमः।धर्मः।च।कर्म।च॥भूतम्।भविष्यत्।उत्ऽशिष्टे।वीर्य
म्।लक्ष्मीः॥बलम्।बले॥७॥सम्ऽऋद्धिः।ओजः।आऽकूतिः।क्षत्रम्।राष्ट्रम्।षट्।उ
र्व्यः॥सम्ऽवत्सरः।अधि।उत्ऽशिष्टे॥इडा।प्रऽएषाः।ग्रहाः।हविः॥८॥चतुःऽहो
तारः॥आऽप्रियः॥चातुःऽमास्यानि।निऽविदः॥उत्ऽशिष्टे।यज्ञाः।होत्राः॥पशुऽबंधाः
॥तत्।इष्टयः॥९॥अर्धऽमासाः॥च।मासाः।च॥आर्तवाः।ऋतुऽभिः।सह॥उत्ऽशिष्टे
घोषिणीः।आपः।स्तनयित्नुः।श्रुतिः।मही॥२०॥[illegible]॥शर्कराः।सिकताः।अश्मा
नः॥ओषधयः।वीरुधः।तृणा॥अभ्राणि।विऽद्युतः।वर्षम्॥उत्ऽशिष्टे।सम्ऽश्रिता।श्रि

MEMORIAL

ता॥१॥राद्धिः।प्रऽआप्तिः।सम्ऽआप्तिः।विऽआप्तिः।महः।एधतुः॥अतिऽआप्तिः।उ
त्ऽशिष्टे।भूतिः।च॥आऽहिता।निऽहिता।हिता॥२॥यत्।च।प्राणति।प्राणेन।यत्।च।
पश्यति।चक्षुषा॥उत्ऽशिष्टात्।जज्ञिरे।सर्वे॥दिवि।देवाः।दिविऽश्रितः॥३॥ऋचः।
सामानि।छंदांसि॥पुराणम्।यजुषा।सह॥४ प्राणापानौ।चक्षुः।श्रोत्रम्॥अक्षि
तिः।च।क्षितिः।च।या॥५॥आऽनंदाः।मोदाः।प्रऽमुदः॥अभिमोदऽमुदः।च।ये॥६॥देवा
ः।पितरः।मनुष्याः॥गंधर्वऽअप्सरसः।च।ये॥उत्ऽशिष्टात्।जज्ञिरे।सर्वे॥दिवि।देवाः
दिविऽश्रितः॥७॥८॥यत्।मन्युः।जायाम्।आऽअवहत्॥सम्ऽकल्पस्य।गृहात्।
अधि॥कः।आसन्।जन्याः॥के।वराः॥कः।ऊं इति।ज्येष्ठऽवरः।अभवत्॥१॥तपः।च।ए
व।आस्ताम्।कर्म।च॥अंतः।महति।अर्णवे॥ते।आसन्।जन्याः॥ते।वराः॥ब्रह्म।ज्ये
ष्ठऽवरः।अभवत्॥२॥दश।साकम्।अजायंत॥देवाः।देवेभ्यः।पुरा॥यः।वै।तान्।
विद्यात्।प्रतिऽअक्षम्॥सः।वै।अद्य।महत्।वदेत्॥३॥प्राणापानौ।चक्षुः।श्रोत्र

म् ॥ अक्षितिः । च । क्षितिः । च । या ॥ व्यान॰उदानौ । वाक् । मनः ॥ ते । वै । आ॰कूतिम् । आ ।
अवहन् ॥४॥ अजाताः । आसन् । ऋतवः ॥ अथो इति । धाता । बृहस्पतिः ॥ इन्द्राग्नी इति ।
अश्विना । तर्हि । कम् । ते । ज्येष्ठम् । उप । आसत ॥५॥ तपः । च । एव । आस्ताम् । कर्म । च ।
अन्तः । महति । अर्णवे । तपः । ह । जज्ञे । कर्मणः ॥ तत् । ते । ज्येष्ठम् । उप । आसत ॥६॥ या ।
इत । आसीत् । भूमिः । पूर्वा ॥ याम् । अद्धातयः । इत् । विदुः ॥ यः । वै । ताम् । विद्यात् । ना॰
मथा । सः । मन्येत । पुराण॰वित् ॥७॥ कुतः । इन्द्रः । कुतः । सोमः ॥ कुतः । अग्निः । अजाय
त ॥ कुतः । त्वष्टा । सम् । अभवत् ॥ कुतः । धाता । अजायत ॥८॥ इन्द्रात् । इन्द्रः । सोमात् । सो
मः ॥ अग्नेः । अग्निः । अजायत ॥ त्वष्टा । ह । जज्ञे । त्वष्टुः ॥ धातुः । धाता । अजायत ॥९॥ ये । ते । २४
आसन् । दश । जाताः ॥ देवाः । देवेभ्यः । पुरा ॥ पुत्रेभ्यः । लोकम् । दत्त्वा । कस्मिन् । ते । लो
के । आसते ॥१०॥ ॥२१॥ यदा । केशान् । अस्थि । स्नाव । मांसम् । मज्जानम् । आ॰अ
भरत् ॥ शरीरम् । कृत्वा । पाद॰वत् ॥ कम् । लोकम् । अनु । प्र । अविशत् ॥१॥ कुतः । केशान् ।

कुतः । स्नाव । कुतः । अस्थीनि । आ । अभरत् ॥ अङ्गा । पर्वाणि । मज्जानम् ॥ कः । मांसम् ।
कुतः । आ । अभरत् ॥२॥ सम्॰सिचः । नाम । ते । देवाः ॥ ये । सम्॰भारान् । सम्॰अभर
न् ॥ सर्वम् । सम्॰सिच्य । मर्त्यम् ॥ देवाः । पुरुषम् । आ । अविशन् ॥३॥ ऊरू इति । पादौ ।
अष्ठीवन्तौ । शिरः । हस्तौ । अथो इति । मुखम् ॥ पृष्टीः । बर्जह्ये इति । पार्श्वे इति । कः ।
तत् । सम् । अदधात् । ऋषिः ॥ शिरः । हस्तौ । अथो इति । मुखम् ॥ जिह्वाम् । ग्रीवाः । च । की
कसाः ॥ त्वचा । प्र॰आवृत्य । सर्वम् । तत् ॥ सम्॰धा । सम् । अदधात् । मही ॥४॥ यत् । तत् ।
शरीरम् । अशयत् ॥ सम्॰धया । सम्॰हितम् । महत् ॥ येन । इदम् । अद्य । रोचते ॥ कः ।
अस्मिन् । वर्णम् । आ । अभरत् ॥५॥ सर्वे । देवाः । उप । अशिक्षन् ॥ तत् । अजानात् ।
वधूः । सती ॥ ईशा । वशस्य । या । जाया ॥ सा । अस्मिन् । वर्णम् । आ । अभरत् ॥६॥ यदा ।
त्वष्टा । वि॰अतृणत् ॥ पिता । त्वष्टुः । यः । उत्॰तरः ॥ गृहम् । कृत्वा । मर्त्यम् ॥ देवाः । पुरुषम् ।
आ । अविशन् ॥७॥ स्वप्नः । वै । तन्द्रीः । निः॰ऋतिः ॥ पाप्मानः । नाम । देवताः ॥ जरा ।

स्वा॰स्वप्नम्। पाजित्वम्॥ शरीरम्। अनु। प्र। अविशन्॥ ९॥ स्तेयम्। दुः॰कृतम्। वृजिन
म्॥ सत्यम्। यज्ञः। यशः। बृहत्॥ बलम्। क्षत्रम्। ओजः। च। शरीरम्॥ १०॥ ६॥ २२॥
भूतिः। च। वा। अभूतिः। च। रातयः। अरातयः। च। याः॥ क्षुधः। च। सर्वाः। तृष्णाः। च॥ शरीर
म्। अनु। प्र। अविशन्॥ १॥ निन्दाः। च। वा। अनिन्दाः। च। यत्। च। हन्त। इति। न। इति। च॥
शरीरम्। श्रद्धा। दक्षिणा॥ अश्रद्धा। च। अनु। प्र। अविशन्॥ २॥ विद्याः। च। वा। अवि
द्याः। च। यत्। च। अन्यत्। उप॰देश्यम्॥ ३॥ शरीरम्। ब्रह्म। प्र। अविशन्॥ ऋचः। सा
म। अथो इति। यजुः॥ ३॥ आ॰नन्दाः। मोदाः। प्र॰मुदः॥ अभि॰मोद॰मुदः। च। ये॥ हु
सः। नरिष्टा। नृत्तानि। शरीरम्। अनु। प्र। अविशन्॥ ४॥ आ॰लापाः। च। प्र॰लापाः। २५५
च। अभि॰लाप॰लपः। च। ये॥ शरीरम्। सर्वे। प्र। अविशन्॥ आ॰युजः। प्र॰युजः। यु
जः॥ ५॥ प्राणापानौ। चक्षुः। श्रोत्रम्। अक्षितिः। च। क्षितिः। च। याः॥ व्यानउदानौ। वा
क्। मनः। शरीरेण। ताः। ईयन्ते॥ ६॥ आ॰शिषः। च। प्र॰शिषः। च। सम्॰शिषः। वि॰शि

षः। च। याः॥ चित्तानि। सर्वे। सम्॰कल्पाः। शरीरम्। अनु। प्र। अविशन्॥ ७॥ आस्ते-
यीः। च। वास्तेयीः। च। त्वरणाः। कृपणाः। च। याः॥ गुह्याः। शुक्राः। स्थूलाः। अपः॥
ताः। बीभत्सौ। असादयन्॥ ८॥ अस्थि। कृत्वा। सम्॰इधम्॥ तत्। अष्ट। आपः। अ
सादयन्॥ रेतः। कृत्वा। आज्यम्। देवाः। पुरुषम्। आ। प्र। अविशन्॥ ९॥ याः। आपः।
याः। च। देवताः॥ या। विराट्। ब्रह्मणा। सह॥ शरीरम्। ब्रह्म। प्र। अविशत्॥ शरी-
रे। अधि। प्रजा॰पतिः॥ १०॥ सूर्यः। चक्षुः। वातः। प्राणम्॥ पुरुषस्य। वि। भेजिरे॥
अथ। अस्य। इतरम्। आत्मानम्॥ देवाः। प्र। अयच्छन्। अग्नये॥ ११॥ तस्मात्। वै।
विद्वान्। पुरुषम्। इदम्। ब्रह्म। इति। मन्येत॥ सर्वाः। हि। अस्मिन्। देवताः॥ गावः। गो
स्थे॰इव। आसते॥ १२॥ प्रथमेन। प्र॰मारेण। त्रेधा। वि॰स्वङ्। वि। गच्छति॥ अदः।
एकेन। गच्छति। अदः। एकेन। गच्छति। इह। एकेन। नि। सेवते॥ १३॥ अप्॰सु। स्तीमासु

वृद्धाः स्थ ॥ शासिरम् । अपंतुरा । हितम् ॥ तस्मिन् । शाकः । अधि । अपंतुरा ॥ तस्मात् । शाकम् । अ
धि । उत्थातु ॥ १४ ॥ ६ ॥ २ ॥ ये । बाहवः । याः । इषवः । धन्वनाम् । वीर्याणि । च ॥ असी
न् । परशून् । आयुधम् ॥ चित्त॰आकूतम् । च । यत् । हृदि ॥ सर्वम् । तत् । अर्बुदे । त्वम् ॥
अमित्रेभ्यः । दृशे । कुरु ॥ उत् । त॰ आरान् । च । प्र । दर्शय ॥ १ ॥ उत् । तिष्ठत । सम् । नह्य
ध्वम् ॥ मित्राः । देव॰जनाः । यूयम् ॥ सम्॰दृष्टाः । गुप्ताः । वः । सन्तु ॥ याः । नः । मित्राणि
अर्बुदे ॥ २ ॥ उत् । तिष्ठतम् । आ । रभेथाम् ॥ आदान॰संदानाभ्याम् ॥ अमित्राणा
म् । सेनाः । अभि । धत्तम् । अर्बुदे ॥ ३ ॥ अर्बुदिः । नाम । यः । देवः ॥ ईशानः । च । नि॰
अर्बुदिः ॥ याभ्याम् । अन्तरिक्षम् । आऽवृतम् ॥ इयम् । च । पृथिवी । मही ॥ ताभ्याम् । २८५
इन्द्रमेदि॰भ्याम् ॥ अहम् । जितम् । अनु । एमि । सेनया ॥ ४ ॥ उत् । तिष्ठ । त्वम् । देव॰
जन ॥ अर्बुदे । सेनया । सह ॥ भंजन् । अमित्राणाम् । सेनाम् ॥ भोगेभिः । परि । वारय ॥
॥ ५ ॥

०

सप्त । जातान् । नि॰अर्बुदे ॥ उत् । आराणाम् । सम्॰ईक्षयन् ॥ तेभिः । त्वम् । आज्ये । हु
ते ॥ सर्वैः । उत् । तिष्ठ । सेनया ॥ ६ ॥ प्रति॰घ्नाना । अश्रु॰मुखी ॥ कृधु॰कर्णी । च । क्रोशतु
॥ वि॰केशी । पुरुषे । हते ॥ रदिते । अर्बुदे । तव ॥ ७ ॥ सम्॰कर्षन्ती । करूकरम् ॥ मन-
सा । पुत्रम् । इच्छन्ती ॥ पतिम् । भ्रातरम् । आत् । स्वान् ॥ रदिते ॥ ८ ॥ अलिक्लवाः । जाष्क॰म
दाः ॥ गृध्राः । श्येनाः । पतत्रिणः ॥ ध्वांक्षाः । शकुनयः । तृप्यन्तु ॥ अमित्रेषु । सम्॰ई
क्षयन् । रदिते ॥ ९ ॥ अथो इति । सर्वम् । श्वापदम् ॥ मक्षिका । तृप्यतु । क्रिमिः ॥ पौरुषेये ।
अधि । कुणपे । रदिते ॥ १० ॥ ६ ॥ २४ ॥ आ । गृह्णीतम् । सम् । बृहतम् । प्राणापानान् । नि॰
अर्बुदे ॥ नि॰वाशाः । घोषाः । सम् । यन्तु ॥ अमित्रेषु । सम्॰ईक्षयन् । रदिते ॥ ११ ॥ उ   अर्बुदे । तव
त् । वेपय । सम् । विग्नाः । नाम् । मित्रा । अमित्रान् । सम् । सृज ॥ उरु॰ग्राहैः । बाहु॰अङ्क
ः ॥ विध्य । अमित्रान् । नि॰अर्बुदे ॥ १२ ॥ मुह्यन्तु । एषाम् । बाहवः ॥ चित्त॰आकूतम्

यायन्। क्रुद्धे॥ मा। एषाम्। उत्। शाषि। किम्। चन॥ रदिता। अर्बुदे। तव। अन्तः। प्रति०घ्नाना
। सम्। अधावन्तु। उरसि। पटूरौ। आघ्नानाः। अधारिणीः। वि०केश्यः॥ रुदत्यः। पुरुषे। ह
ते। रदिते। अर्बुदे। तव॥४॥ श्वन्०वतीः। अप्सरसः। रूपकाः। उत। अर्बुदे॥ अन्तः०
पात्रे। रेरिहतीम्॥ रिशाम्। दुर्निहित०एषिणीम्॥ सर्वाः। ताः। अर्बुदे। त्वम्॥ अमि
त्रेभ्यः। दृशे। कुरु॥ उत्०आरान्। च। प्र। दर्शय॥५॥ खडूरे। अधि०चङ्क्रमाम्॥ ख
र्विकाम्। खर्व०वासिनीम्॥ याः। उत्०आराः। अन्तः०हिताः॥ गन्धर्व०अप्सरसः॥
याः। च॥ इतर०जनाः। रक्षांसि॥६॥ चतुः०दंष्ट्रान्। श्याव०दतः॥ कुम्भ०मुष्कान्।
असृक्०मुखान्॥ स्व०भ्यसाः। ये। च। उत्०भ्यसाः॥७॥ उत्। वेपय। त्वम्। अर्बुदे॥ २४५
अमित्राणाम्। अमूः। सिचः॥ जयन्। च। जिष्णुः। च। अमित्रान्। जयताम्। इन्द्र०मे
दिनौ॥८॥ प्र०ब्लीनः। मृदितः। शयाम्। हतः। अमित्रः। नि०अर्बुदे॥ अग्नि०जिह्वा। धू
मऽशिखाः॥ जयन्तीः। यन्तु। सेनया॥९॥ तया। अर्बुदे। प्र०नुत्तानाम्॥ इन्द्रः। हन्तु। व
रम्०वरम्॥ अमित्राणाम्। शची०पतिः॥ मा। अमीषाम्। मोचि। कः। चन॥१०॥
॥ उत्। कसन्तु। हृदयानि॥ ऊर्ध्वः। प्राणः। उत्। ईषतु॥ शौष्क०आस्यम्। अनु। व
र्तताम्। अमित्रान्। मा। उत। मित्रिणः॥११॥ ये। च। धीराः। ये। च। अधीराः। पराञ्चः। ब
धिराः। च। ये॥ तमसाः। ये। च। तूपराः॥ अथो इति। बस्त०अभिवासिनः॥ सर्वान्।
तान्। अर्बुदे। त्वम्। अमित्रेभ्यः। दृशे। कुरु॥ उत्०आरान्। च। प्र। दर्शय॥१२॥ अर्बु
दिः। च। त्रि०संधिः। च॥ अमित्रान्। नः। वि। विध्यताम्॥ यथा। एषाम्। इन्द्र। वृत्र०हन्॥
हनाम। शची०पते॥ अमित्राणाम्। सहस्र०शः॥१३॥ वनस्पतीन्। वानस्पत्यान्। ओषधीः
। उत। वीरुधः॥ गन्धर्व०अप्सरसः। सर्पान्। देवान्। पुण्य०जनान्। पितॄन्॥ सर्वान्।
तान्। अर्बुदे। त्वम्। अमित्रेभ्यः। दृशे। कुरु॥ उत्०आरान्। च। प्र। दर्शय॥१४॥ ईशाम्

वः। मरुत्। आदित्याः। आदित्य। अग्नेः। पतिः। ईशा। मा। वः। इन्द्रः। ग्राः। अग्निः। वा। धाता। मि
त्रः। ऋ॰ जा॰ पतिः। ईशा। मा। वः। अष्टय। यज्ञः। अमित्रम्। सम्॰ ईडयन्। रुदित।
अर्बुदा। तक्मा। लक्ष्म। सार्वम्। ईशना। उत। तिष्ठन्तु। सम्। न। द्युम्नम्। मि
त्रः। दक्॰ गाना। श्रुयम्। इमम्। सम्॰ ग्राम। मा। सम्॰ जि। पृथा॰ लोकम्। वि
ति। द्युम्नम्। ६। छा। २। उतो। तिष्ठन्तु। सम्। न। द्युम्नम्। उत॰ स्वरा। कुत्॰ जिः। सु
दा। सर्पाः। इत्तर॰ जना। रक्षांसि। अमित्रम्। अनु। धावतु। ईशा। मा। वः। वद॰
राधसम्। त्रि॰ [illegible] सोम। अक्रूणाः। कुत्॰ जिः। सुदा। या। अन्तरिक्षे। या। दिवि।
पृथिव्याम्। या। वा। मानवाः। त्रि॰ संधः। अं॰ का। न। वा। असि। कुं। नाम। मनः। उ। पतत्
सतम्। २। अप्र॰ मुखाः। सूची। मुखाः। आप्याः। इति। विकृत॰ मुखाः।
क्रव्य॰ अप्स। वात॰ रं। दसः। अन्या। सर्गं। अमित्रान्। वाजः। त्रि॰ संधिना। ३।

ऽन्तः। यद्। द्विजा। तु॰ वेदना। आत्। द्विषः। अप्राणा। बृहुः। त्रि॰ संधेः। इन्द्रः। सेना। मुनि-
ता। अप्सरसा। मा। परोभ्यः। ततः। तिष्ठाः। या। देव॰ जना। अर्बुदे। सेनया। सह। जयाः। बुनितः। वु।
प्रानुतिः। त्रि॰ संधेः। प्राणुतिः। प्रिया। शितिपदी। सं। धृत्वा। राष्ट्र्याः। इयं। संभु।
पदा। सत्यम्। मित्रेन्द्र। त्रिवृत्। त्रि॰ संधेः। सह। इन्द्र। सेनया। जितेः। अप्राणाः।
सं। तु। वृतवसः। ७। अप॰ मसः। अनुवृत्। पुरोहितः। ये। नयन्ति। देवेन। सिद्धे। द्विपी। ये।
वदन्ति। स्वापक। मदिष्टाः। सं। इन्द्रं। तु। वा। मु॰ प्रदः। गद्दुषः। जनन्ये। इन्द्र। ८।
का। मृ। इन्द्र। स्तम्। सं॰ धमम्। सं॰ प्रथन्ता। ब्रह्मणा। चार्षृहस्पते। अप।
अमुह। इन्द्र॰ सं॰ धयस्व। स्ववन्तू। देवान्। इन्द्र। कुवो। इतः। उयन्ता। मा। अ
मुतः। छाप्॥ त्रि॰ हस्पतिः। आंगिरसः। लक्षणः। ब्रह्म॰ संधिताः।
वृम॰ गृ ह्री। सं। पतत्। वृ। धु॰ कु। णी। वा। क्रो। श। त्रि॰ संधे॥
सेनया। जितेः। ९६

=प्रस्तुर०हुपस्ती।वृधं।त्रि०संधिम्।दिवि।।=आ।=स श्रुपुर्
१०।६॥ येन।=असौ।गु ब्र।=आदित्य।ऊनौ।इंद्र।च।ति
संधिम्।देवाः।=अनुदृत्।जूम्भो।।=च।बलाय।च।११ स्तननि।
का नः।सं।=ऋतुनां।देवाः।=आ०कूट्य।।=अनपा।बृहस्पतिः=आंगिरसः
वज्रं।यं।=आसिंचत।=असुर०हुपस्तीं।वृधं।१२ बृहस्पतिः=आंगिरसः।वज्रं
यं।आसिंचत।=असुर०हुपस्ती।वृधं।तेन।=अहं।=अमूं।सेनां।नि।लिंपामि।बृहस्पते
=अमित्रस्य।हन्मि।ओजसा।१३ सर्वे।देवाः।=अति०आयंति।ये।=अश्नंति।वषट्कृतम्।
इमां।जुषध्वं।=आ०हुतिं।इतः।=अपराम।=अमुताः।१४ सर्वे।देवाः।=अति०प्र...त्रि०सं
धे।=आ०हुतिं।प्रियां।सं०धां।महतीम्।इह।तु।वपट्कृतः=प्रस्तुरा।जिता।पराजुः

२८

अमित्राणां।मी।इह।प्रसु०अग्राणि।आ।अंबुत्रा।इंद्र।एषां।मा।प्राक्ष्णन्।अति।प्रतिशु
॥मा।शकन्।प्रति०धाम्।इषुम्।।आदित्यः।एषाम्।अस्त्रम्।वि।नाशयतु।चंद्
रमाः।युताम्।=अमतस्य।पंथाम्॥६॥यदि।प्रेयुः।देवपुरा।ब्रह्म।वर्माणि।चक्रिरे।७।।=तनू०पानं।=अ
नु०वर्तयिन्।कृत्युः।नः।चा।उरः०क्षितम्॥त्रि०संधे।जा।इहि।सेनया।।उ।यते।=अमि
त्रान्।प्र।पुष्पस्व।।८।।त्रि०संधे।तमसा।त्वम्।अमित्रान्।परि।वारय।।पृषत्०आ
ज्य०प्रनुत्तानाम्॥मा।=अमी।षाम्।मोचि।कः।चन॥९॥शितिपदी।सम्।पततु।=अमि
त्राणाम्।=अमूः।सिचः।मुह्यन्तु।=अद्य।=अमूः।सेनाः।=अमित्राणाम्।न्यर्बुदे।=अर्बु
दे॥७॥१०॥२६॥मूढाः।=अमित्राः।नि०=अर्बुदे।जहि।एषाम्।वरम्०वरम्॥=अ
नया।जहि।सेनया॥१॥यः।च।कवची।यः।च।अकवचः।=अमित्रः।यः।च।=अज्मनि॥
ज्या०पाशैः।कवच०पाशैः।=अज्मना।=अभि०हितः।शयाम्।२।।या।वन्निन।मे॥

या । वृमर्गस्य ॥ अमित्रैः । याः । च । निर्मितैः ॥ सर्वान् । तान् । अर्बुदे । हतान् । श्या
नाः । अदन्तु । भूम्याम् ॥ ॥ याः । रथिनः । याः । अरथाः । असादाः । याः । च । सादिनः ॥
सर्वान् । अदन्तु । तान् । हतान् । गृध्राः । श्येनाः । पतत्रिणः ॥ २ ॥ सहस्रं०कुणपा ।
शेताम् । आमित्री । सेना । समं०आरे । वधानाम् ॥ वि०विद्धा । ककजा०कृता ॥
॥ ॥ मर्माविधम् । रोरुवतम् । सुपर्णैः । अदन्तु । दुः०चितम् । मृदितम् । शयान
म् ॥ यः । इमाम् । प्रतीचीम् । आ०हुतिम् । अमित्रः । नः । युयुत्सति ॥ ४ ॥ याम् । देवाः ।
अनु०तिष्ठन्ति ॥ यस्याः । न । अस्ति । वि०राधनम् ॥ तया । इन्द्रः । हन्तु । वृत्र०हा । व
ज्रेण । त्रि०संधिना ॥ ४ ॥ ॐ वज्रेण त्रिसंधिना ॥ ७ ॥ ७ ॥ २ ॥ इति एकादशमं कांडं स २४९
माप्तम् ॥ ७ ॥ श्रीः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीः ॥ ॐ सत्यम् । बृहत् । ऋतम् । उग्रम् । दीक्षा ।
तपः । ब्रह्म । यज्ञः । पृथिवीम् । धारयन्ति ॥ सा । नः । भूतस्य । भव्यस्य । पत्नी । उरुम् ।

लोकम् । पृथिवी । नः । कृणोतु ॥ १ ॥ असम्०बाधम् । बध्यतः । मानवानाम् ॥ यस्याः ।
उत्०वतः । प्र०वतः । समम् । बहु ॥ नाना०वीर्याः । ओषधीः । या । बिभर्ति ॥ पृथिवी । नः ।
प्रथताम् । राध्यताम् । नः ॥ २ ॥ यस्याम् । समुद्रः । उत । सिन्धुः । आपः ॥ यस्याम् ।
अन्नम् । कृष्टयः । सम्०बभूवुः ॥ यस्याम् । इदम् । जिन्वति । प्राणत् । एजत् ॥ सा । नः । भू
मिः । पूर्व०पेये । दधातु ॥ ३ ॥ यस्याः । चतस्रः । प्र०दिशः । पृथिव्याः ॥ यस्याम् । अ
न्नम् । कृष्टयः । सम्०बभूवुः ॥ या । बिभर्ति । बहु०धा । प्राणत् । एजत् ॥ सा । नः । भू
मिः । गोषु । अपि । अन्ने । दधातु ॥ ४ ॥ यस्याम् । पूर्वे । पूर्व०जनाः । वि०चक्रिरे । यस्या
२५२ म् । देवाः । असुरान् । अभि०वर्तयन् ॥ गवाम् । अश्वानाम् । वयसः । च । वि०स्था । भगम् ।
वर्चः । पृथिवी । नः । दधातु ॥ ५ ॥ विश्वम्०भरा । वसु०धानी । प्रति०स्था । हिरण्य०वक्षाः ।
जगतः । नि०वेशनी ॥ वैश्वानरम् । बिभ्रती । भूमिः । अग्निम् । इन्द्र०ऋषभा । द्रविणे ।

नः । दधातु ॥६॥ याम् । रक्षन्ति । अस्वप्नाः । विश्वऽदानीम् । देवाः । भूमिम् । पृथिवीम् ।
अप्रऽमादम् ॥ सा । नः । मधु । प्रियम् । दुहाम् । अथो इति । उक्षतु । वर्चसा ॥७॥ या ।
अर्णवे । अधि । सलिलम् । अग्रे । आसीत् ॥ याम् । मायाभिः । अनुऽअचरन् ॥
मनीषिणः ॥ यस्याः । हृदयम् । परमे । विऽओमन् ॥ सत्येन । आऽवृतम् । अमृतम् ।
पृथिव्याः ॥ सा । नः । भूमिः । त्विषिम् । बलम् । राष्ट्रे । दधातु । उत्ऽतमे ॥८॥ यस्याम् । आ
पः । परिऽचराः । समानीः ॥ अहोरात्रे इति । अप्रऽमादम् । क्षरन्ति ॥ सा । भूमिः । भूरिऽ
धारा । पयः । दुहाम् । अथो इति । उक्षतु । वर्चसा ॥९॥ याम् । अश्विनौ । अमिमाता
म् ॥ विष्णुः । यस्याम् । विऽचक्रमे ॥ इन्द्रः । याम् । चक्रे । आत्मने । अनमित्राम् । शची
ऽपतिः ॥ सा । नः । भूमिः । वि । सृजताम् । माता । पुत्राय । मे । पयः ॥१०॥ गि
रयः । ते । पर्वताः । हिमऽवन्तः ॥ अरण्यम् । ते । पृथिवि । स्योनम् । अस्तु ॥ बभ्रुम् । कृ

ष्णाम् । रोहिणीम् । विश्वऽरूपाम् ॥ ध्रुवाम् । भूमिम् । पृथिवीम् । इन्द्रऽगुप्ताम् ॥ अ
जीतः । अहतः । अक्षतः ॥ अधि । अस्थाम् । पृथिवीम् । अहम् ॥११॥ यत् । ते । मध्यम् ।
पृथिवि । यत् । च । नभ्यम् । याः । ते । ऊर्जः । तन्वः । सम्ऽबभूवुः ॥ तासु । नः । धेहि ।
अभि । नः । पवस्व ॥ माता । भूमिः । पुत्रः । अहम् । पृथिव्याः ॥ पर्जन्यः । पिता । सः । ऊं
इति । नः । पिपर्तु ॥१२॥ यस्याम् । वेदिम् । परिऽगृह्णन्ति । भूम्याम् ॥ यस्याम् । यज्ञम् । तन्वते
। विश्वऽकर्माणः ॥ यस्याम् । मीयन्ते । स्वरवः । पृथिव्याम् ॥ ऊर्ध्वाः । शुक्राः । आऽहुत्याः
। पुरस्तात् ॥ सा । नः । भूमिः । वर्धयत् । वर्धमाना ॥१३॥ यः । नः । द्वेषत् । पृथिवि । यः । पृत
न्यात् ॥ यः । अभिऽदासात् । मनसा । यः । वधेन ॥ तम् । नः । भूमे । रन्धय । पूर्वऽकृत्वरि
॥१४॥ त्वत् । जाताः । त्वयि । चरन्ति । मर्त्याः ॥ त्वम् । बिभर्षि । द्विऽपदः । त्वम् । चतुःऽपदः ॥
तव । इमे । पृथिवि । पञ्च । मानवाः ॥ येभ्यः । ज्योतिः । अमृतम् । मर्त्येभ्यः ॥ उत्ऽय
न् । सूर्यः । रश्मिऽभिः । आऽतनोति ॥१५॥ ताः । नः । प्रऽजाः । सम् । दुह्रताम् । सम्ऽअ

आ॥ वाचः॥ मधु॥ पृथिवि॥ धेहि॥ मह्यम्॥ १६॥ विश्वं०स्वम्॥ मातरम्॥ ओषधीनाम्॥
ध्रुवाम्॥ भूमिम्॥ पृथिवीम्॥ धर्मणा॥ धृताम्॥ शिवाम्॥ स्योनाम्॥ अनु॥ चरेम॥ विश्व
ऽहा॥ १७॥ महत्॥ सध०स्थम्॥ महती॥ बभूविथ॥ महान्॥ वेगः॥ एजथुः॥ वेपथुः॥
ते॥ महान्॥ त्वा॥ इन्द्रः॥ रक्षति॥ अप्र०मादम्॥ सा॥ नः॥ भूमे॥ प्र॥ रोचय॥ हिरण्य
स्य०इव॥ सम्०दृशि॥ मा॥ नः॥ द्विक्षत॥ कः॥ चन॥ अग्निः॥ भूम्याम्॥ ओषधीषु॥
अग्निम्॥ आपः॥ बिभ्रति॥ अग्निः॥ अश्म०सु॥ अग्निः॥ अन्तः॥ पुरुषेषु॥ गोषु॥ अश्वे
षु॥ अग्नयः॥ १९॥ अग्निः॥ दिवः॥ आ॥ तपति॥ अग्नेः॥ देवस्य॥ उरु॥ अन्तरिक्षम्॥ अ
ग्निम्॥ मर्तासः॥ इन्धते॥ हव्य०वाहम्॥ घृत०प्रियम्॥ २०॥ ७॥ १॥ अग्नि०वासाः॥
पृथिवी॥ असित०ज्ञूः॥ त्विषि०मन्तम्॥ सम्०शितम्॥ मा॥ कृणोतु॥ भूम्याम्॥ देवेभ्यः॥ २५१
ददति॥ यज्ञम्॥ हव्यम्॥ अरम्०कृतम्॥ भूम्याम्॥ मनुष्याः॥ जीवन्ति॥ स्वधया॥ अन्नेन॥
मर्त्याः॥ सा॥ नः॥ भूमिः॥ प्राणम्॥ आयुः॥ दधातु॥ जरत्०अष्टिम्॥ मा॥ पृथिवी॥ कृणो

तु॥ २२॥ यः॥ ते॥ गन्धः॥ पृथिवि॥ सम्०बभूव॥ यम्॥ बिभ्रति॥ ओषधयः॥ यम्॥ आपः
॥ यम्॥ गन्धर्वाः॥ अप्सरसः॥ च॥ भेजिरे॥ तेन॥ मा॥ सुरभिम्॥ कृणु॥ मा॥ नः॥
द्विक्षत॥ कः॥ चन॥ गन्धः॥ पुष्करम्॥ आ०विवेश॥ यम्॥ सम्०जभ्रुः॥ सूर्या
याः॥ वि०वाहे॥ अमर्त्याः॥ पृथिवि॥ गन्धम्॥ अग्रे॥ तेन॥ मा॥ सुरभिम्॥ कृणु॥
॥ २४॥ यः॥ ते॥ गन्धः॥ पुरुषेषु॥ स्त्रीषु॥ पुंसु॥ भगः॥ रुचिः॥ यः॥ अश्वेषु॥ वीरे
षु॥ यः॥ मृगेषु॥ उत॥ हस्तिषु॥ कन्यायाम्॥ वर्चः॥ यत्॥ भूमे॥ तेन॥ अस्मान्॥
अपि॥ सम्॥ सृज॥ मा॥ नः॥ द्विक्षत॥ कः॥ चन॥ शिला॥ भूमिः॥ अश्मा॥ पांसुः॥
सा॥ भूमिः॥ सम्०धृता॥ धृता॥ तस्यै॥ हिरण्य०वक्षसे॥ पृथिव्यै॥ अकरम्॥
नमः॥ २६॥ यस्याम्॥ वृक्षाः॥ वानस्पत्याः॥ ध्रुवाः॥ तिष्ठन्ति॥ विश्वहा॥ पृथिवीम्॥
विश्व०धायसम्॥ धृताम्॥ अच्छ॥ आ॥ वदामसि॥ २७॥ उत्०ईराणाः॥ उत॥ आ

सीनाः। तिष्ठंतः। प्र०क्रामंतः। पत्०भ्याम्। दक्षिण०सव्याभ्याम्। मा। व्यथिष्महि। भू
म्याम्॥२८॥ वि०मृग्वरीम्। पृथिवीम्। आ। वदामि। क्षमाम्। भूमिम्। ब्रह्मणा। वावृधा
नाम्॥ ऊर्जम्। पुष्टम्। बिभ्रतीम्। अन्न०भागम्। घृतम्। त्वा। अभि। नि। सीदेम। भूमे
॥२९॥ शुद्धाः। नः। आपः। तन्वे। क्षरंतु। यः। नः। सेदुः। अप्रिये। तम्। नि। दध्मः। पवि
त्रेण। पृथिवि। मा। उत्। पुनामि॥१०॥३०॥ याः। ते। प्राचीः। प्र०दिशः। याः। उदीचीः॥
याः। ते। भूमे। अधरात्। याः। च। पश्चात्। स्योनाः। ताः। मह्यम्। चरते। भवंतु। मा। नि।
पप्तम्। भुवने। शिश्रियाणः॥३१॥ मा। नः। पश्चात्। मा। पुरस्तात्। नुदिष्ठाः। मा। उत्तरात्। २५२
अधरात्। उत॥ स्वस्ति। भूमे। नः। भव॥ मा। विदन्। परि०पंथिनः॥ वरीयः। यावय। व
धम्॥३२॥ यावत्। ते। अभि। वि०पश्यामि। भूमे। सूर्येण। मेदिना॥ तावत्। मे।
चक्षुः। मा। मेष्ट। उत्तराम्०उत्तराम्। समाम्॥३३॥ यत्। शयानः। परि०आवर्ते। द
क्षिणम्। सव्यम्। अभि। भूमे। पार्श्वम्॥ उत्तानाः। त्वा। प्रतीचीम्। यत्। पृष्टीभिः। अ

धि०शेमहे॥ मा। हिंसीः। तत्र। नः। भूमे। सर्वस्य। प्रति०शीवरि॥३४॥ यत्। ते। भूमे।
वि०खनामि॥ क्षिप्रम्। तत्। अपि। रोहतु॥ मा। ते। मर्म। वि०मृग्वरि॥ मा। ते। हृदयम्।
अर्पिपम्॥३५॥ ग्रीष्मः। ते। भूमे। वर्षाणि। शरत्। हेमंतः। शिशिरः। वसंतः॥ ऋतवः। ते।
वि०हिताः। हायनीः। अहोरात्रे इति। पृथिवि। नः। दुहाताम्॥ या। अप। सर्पम्। वि
जमाना। वि०मृग्वरी॥ यस्याम्। आसन्। अग्नयः॥ ये। अप्०सु। अंतः॥ या। दस्यू
न्। ददती॥ देव०पीयून्। इंद्रम्। वृणाना। पृथिवी। न। वृत्रम्॥ शक्राय। दध्रे। वृष
भाय। वृष्णे॥३७॥ यस्याम्। सदोहविर्धाने इति सदः०हविर्धाने॥ यूपः। यस्याम्।
नि०मीयते॥ ब्रह्माणः। यस्याम्। अर्चंति॥ ऋक्०भिः। साम्ना। यजुः०विदः। यु
ज्यंते। यस्याम्। ऋत्विजः। सोमम्। इंद्राय। पातवे॥३८॥ यस्याम्। पूर्वे। भूत०कृतः।
ऋषयः। गाः। उत्। आनृचुः॥ सप्त। सत्रेण। वेधसः। यज्ञेन। तपसा। सह॥३९॥

सा । नः । भूमिः । आशाः । दिशः । तु ॥ यतः । धनम् । कामयमानः ॥ भगः । अनु०प्रयुक्तः । इ-
न्द्रः । एतु । पुरः०गवः ॥ १० ॥ ४ ॥ यस्याम् । गायंति । नृत्यंति । भूम्याम् । मर्त्याः । वि०ऐ-
लबाः ॥ युध्यंते । यस्याम् । आ०क्रंदः ॥ यस्याम् । वदति । दुंदुभिः ॥ सा । नः । भूमिः । प्र । नु-
दताम् ॥ स०पत्नान् । असपत्नान् । मा । पृथिवी । कृणोतु ॥ १ ॥ यस्याम् । अन्नम् । व्री-
हि०यवौ ॥ यस्याः । इमाः । पंच । कृष्टयः ॥ भूम्यै । पर्जन्य०पत्न्यै ॥ नमः । अस्तु । वर्ष०
मेदसे ॥ २ ॥ यस्याः । पुरः । देव०कृताः ॥ क्षेत्रे । यस्याः । वि०कुर्वते ॥ प्रजा०पतिः । पृ-
थिवीम् । विश्व०गर्भाम् ॥ आशाम्०आशाम् । रण्याम् । नः । कृणोतु ॥ ३ ॥ नि०धिम् । बि-
भ्रती । बहुधा । गुहा । वसु । मणिम् । हिरण्यम् । पृथिवी । ददातु । मे ॥ वसूनि । नः । व-
सु०दाः । रासमाना ॥ देवी । दधातु । सु०मनस्यमाना ॥ ४ ॥ जनम् । बिभ्रती । बहुधा ।
वि०वाचसम् । नाना०धर्माणम् । पृथिवी । यथा०ओकसम् ॥ सहस्रम् । धाराः । द्रवि-

५

णस्य । मे । दुहाम् ॥ ध्रुवा०इव । धेनुः । अनप०स्फुरंती ॥ यः । ते । सर्पः । वृश्चिकः ।
तृष्ट०दंश्मा ॥ हेमंत०जब्धः । भृमलः । गुहा । शये ॥ क्रिमिः । जिन्वत् । पृथिवि । य-
त्०यत् । एजति ॥ प्रावृषि ॥ तत् । नः । सर्पत् । मा । उप । सृपत् ॥ यत् । शिवम् । तेन ।
नः । मृड ॥ ६ ॥ ये । ते । पंथानः । बहवः । जन०अयनाः ॥ रथस्य । वर्त्म । अनसः । च । या-
तवे ॥ यैः । सम्०चरंति । उभये । भद्र०पापाः ॥ तम् । पंथानम् । जयेम ॥ अनमि-
त्रम् । अतस्करम् । यत् । शिवम् । तेन । नः । मृड ॥ ७ ॥ मल्वम् । बिभ्रती । गुरु०भृत् । भद्र-
०पापस्य । नि०धनम् । तितिक्षुः ॥ वराहेण । पृथिवी । सम्०विदाना ॥ सूकराय । वि-
जिहीते । मृगाय ॥ ये । ते । आरण्याः । पशवः । मृगाः । वने । हिताः ॥ सिंहाः । व्याघ्राः । पुरु-
ष०अदः । चरंति ॥ उलम् । वृकम् । पृथिवि । दुच्छुनाम् । इतः ॥ ऋक्षीकाम् । रक्षः । अप-
बाधय । अस्मत् ॥ ९ ॥ ये । गंधर्वाः । अप्सरसः । ये । च । अरायाः । किमीदिनः ॥ पि-

शायाना। सर्वा। रक्षांसि। तान्। अस्मत्। भूमे। यवय॥१०॥ ध्या॥ याम्। द्वि॰पादः।
पक्षिणः। सम्॰पतंति। हंसाः। सु॰पर्णाः। शकुनाः। वयांसि॥ यस्याम्। वातः। मा
तरिश्वा। ईयते। रजांसि। कृण्वन्। च्यवयन्। च। वृक्षान्। वातस्य। प्र॰वाम्। उप
॰वाम्। अनु। वाति। अर्चिः॥१॥ यस्याम्। कृष्णम्। अरुणम्। च। संहिते इति
सम्॰हिते। अहोरात्रे इति। विहिते इति वि॰हिते॥ भूम्याम्। अधि। वर्षेण। भू
मिः। पृथिवी। वृता॰आवृता। सा। नः। दधातु। भद्रया। प्रिये। धामनि॰धामनि॥२
द्यौः। च। मे। इदम्। पृथिवी। च। अंतरिक्षम्। च। मे। व्यचः॥ अग्निः। सूर्यः। आपः। २५४
मेधाम्। विश्वे। देवाः। च। सम्। ददुः॥३॥ अहम्। अस्मि। सहमानः। उत्तरः। नाम। भू
म्याम्॥ अभीषाट्। अस्मि। विश्वाषाट्। आशाम्॰आशाम्। विषासहिः॥४॥
अदः। यत्। देवि। प्रथमाना। पुरस्तात्। देवैः। उक्ता। वि॰असर्पः। महि॰त्वम्। आ।

त्वा। सु॰भूतम्। अविशत्। तदानीम्॥ अकल्पयथाः। प्र॰दिशः। चतस्रः॥५॥ ये। ग्रा
माः। यत्। अरण्यम्॥ याः। सभाः। अधि। भूम्याम्॥ ये। सम्॰ग्रामाः। सम्॰इतयः॥ तेषु
चारु। वदेम। ते॥६॥ अश्वः॰इव। रजः। दुधुवे। वि। तान्। जनान्। ये। आ॰अक्षियन्। पृथि
वीम्। यान्। अजायत॥ मंद्रा। अग्र॰इत्वरी। भुवनस्य। गोपाः। वनस्पतीनाम्। गृभिः।
ओषधीनाम्॥७॥ यत्। वदामि। मधु॰मत्। तत्। वदामि॥ यत्। ईक्षे। तत्। वनंति। मा॥
त्विषि॰मान्। अस्मि। जूति॰मान्। अव। अन्यान्। हन्मि। दोधतः॥८॥ शंति॰वा। सुर
भिः। स्योना। कीलाल॰ऊध्नी। पयस्वती॥ भूमिः। अधि। ब्रवीतु। मे। पृथिवी। पयसा।
सह॥९॥ याम्। अन्वैच्छत्। हविषा। विश्व॰कर्मा॥ अन्तः। अर्णवे। रजसि। प्र॰
विष्टाम्॥ भुजिष्यम्। पात्रम्। नि॰हितम्। गुहा। यत्। आविः। भोगे। अभवत्। मातृ॰मत्
॰भ्यः॥१०॥ त्वम्। असि। आ॰वपनी। जनानाम्। अदितिः। काम॰दुघा। पप्रथाना॥ य

ता। ता। जनम्। तत्। ते। आ। हरयामि॥ प्रजा॰पतिः। प्रथम॰जाः। ऋतस्य॥११॥ उप॰स्थाः

ते। अनमीवाः। अयक्ष्माः। अस्मभ्यम्। सन्तु। पृथिवि। प्र॰सूताः। दीर्घम्। नः। आयुः।

प्रति॰बुध्यमानाः। वयम्। तुभ्यम्। बलि॰हृतः। स्याम॥१२॥ भूमि। मातः। नि। धेहि। मा॥

भद्रया। सु॰प्रति॰स्थितम्॥ सम्॰विदाना। दिवा। कवे॥ श्रियाम्। मा। धेहि। भूत्याम्॥ त्यै॥

॥१३॥ ७॥ १॥ नडम्। आ। रोह। न। ते। अत्र। लोकः॥ इदम्। सीसम्। भाग॰धेयम्। ते।

आ। इहि॥ यः। गोषु। यक्ष्मः। पुरुषेषु। यक्ष्मः॥ तेन। त्वम्। साकम्। अधराङ्॰। परा।

इहि॥१॥ अघ॰शंस॰दुःशंसाभ्याम्। करेण। अनु॰करेण। च॥ यक्ष्मम्। च। सर्वम्। २५५

तेन। इतः। मृत्युम्। च। निः। अजामसि॥ निः। इतः। मृत्युम्। निः॰ऋतिम्॥ निः। अरातिम्।

अजामसि॥ यः। नः। द्वेष्टि। तम्। अद्धि। अग्ने। अक्रव्य॰अत्॥ यम्। ऊं इति। द्विष्मः।

तम्। ऊं इति। ते। प्र। सुवामसि॥३॥ यदि। अग्निः। क्रव्य॰अत्। यदि। वा। व्याघ्रः। इमम्।

गो॰स्थम्। प्र॰विवेश। अनि॰ओकाः॥ तम्। माष॰आज्यम्। कृत्वा। प्र। हिणोमि। दूरम्॥ सः। गच्छतु। अप्सु॰सदः। अपि। अग्नीन्॥४॥ यत्। त्वा। क्रुद्धाः। प्र॰चक्रुः। मन्युना। पुरुषे। मृते॥ सु॰कल्पम्। अग्ने। तत्। त्वया। पुनः। त्वा। उत्। दीपयामसि॥५॥ पुनः। त्वा। आदित्याः। रुद्राः। वसवः॥ पुनः। ब्रह्मा। वसु॰नीतिः। अग्ने॥ पुनः। त्वा। ब्रह्मणः। पतिः। आ। अधात्। दीर्घायु॰त्वाय। शत॰शारदाय॥६॥ यः। अग्निः। क्रव्य॰अत्। प्र॰विवेश। नः। गृहम्॥ इमम्। पश्यन्। इतरम्। जात॰वेदसम्॥ तम्। हरामि। पितृ॰यज्ञाय। दूरम्॥ सः। घर्मम्। इन्धाम्। परमे। सध॰स्थे॥७॥ क्रव्य॰अदम्। अग्निम्। प्र। हिणोमि। दूरम्। यम॰राज्ञः। गच्छतु। रिप्र॰वाहः॥ इह। अयम्। इतरः। अप्यम॥

जात॰वेदाः। देवः। देवेभ्यः। हव्यम्। वहतु। प्र॰जानन्॥८॥ क्रव्य॰अदम्। अग्निम्। इषितः। ह

रामि। जनान्। दृंहन्तम्। वज्रेण। मृत्युम्॥ नि। तम्। शास्मि। गार्हपत्येन। विद्वा

न॥ पितॄणाम्। लोके। अपि। भागः। अस्तु॥ ८। क्रव्य॰अदम्। अग्निम्। शशमानम्।
उक्थ्यम्। प्र। हिणोमि। पथि॰भिः। पितृ॰यानैः॥ मा। देव॰यानैः। पुनः। आ।
गाः। अत्र। एव। एधि। पितृषु। जागृहि। त्वम्॥ १०॥ ३॥ १॥ सम्॰इधानाः। सु॰मं॰कसुक
कम्। स्वस्तये। शुद्धाः। भवंतः। शुचयः। पावकाः॥ जहाति। रिप्रम्। अति। एनः। ए
ति॥ सम्॰इद्धः। अग्निः। सु॰पुना। पुनाति॥ १। देवः। अग्निः। सम्॰कसुकः। दिवः। पृ
थिव्याः। अपि। आ। अरुहत्। मुच्यमानः॥ निः। एनसः। अमुमोक्। अस्मान्। अशस्त्याः॥ २॥
अस्मिन्। वयम्। सम्॰कसुके। अग्नौ। रिप्राणि। मृज्महे॥ अभूम। यज्ञियाः
शुद्धाः। प्र। नः। आयूंषि। तारिषत्॥ ३॥ सम्॰कसुकः। वि॰कसुकः। निः॰ऋ २५१
थ्यः। यः। च। नि॰स्वरः॥ ते। यक्ष्मम्। सम्॰वेदसः। दूरात्। दूरम्। अनीनशन्।
॥ ४॥ यः। नः। अश्वेषु। वीरेषु। यः। नः। गोषु। अजा॰अविषु॥ क्रव्य॰अदम्। निः।

नुदामसि॥ यः। अग्निः। जन॰योपनः॥ ५॥ अन्येभ्यः। त्वा। पुरुषेभ्यः। गोभ्यः
। अश्वेभ्यः। त्वा॥ निः। क्रव्य॰अदम्। नुदामसि। यः। अग्निः। जीवित॰योपनः॥ ६
यस्मिन्। देवाः। अमृजत। यस्मिन्। मनुष्याः। उत॥ तस्मिन्। घृत॰स्तावः। मृष्ट्वा।
त्वम्। अग्ने। दिवम्। रुह॥ ७॥ सम्॰इद्धः। अग्ने। आ॰हुत। सः। नः। मा। अपि॰
॰अप॰क्रमीः॥ तत्र। एव। दीदिहि। दिवि। ज्योक्। च। सूर्यम्। दृशे॥ ८॥ सीसे। मृ
ड्ढ्वम्। नडे। मृड्ढ्वम्। अग्नौ। सम्॰कसुके। च। यत्॥ अथो इति। अव्याम्। रामाया
म्। शीर्षक्तिम्। उप॰बर्हणे॥ ९॥ सीसे। मलम्। सादयित्वा। शीर्षक्तिम्। उप॰बर्ह
णे॥ अव्याम्। असिक्न्याम्। मृष्ट्वा। शुद्धाः। भवत। यज्ञियाः॥ १०॥ ४॥ परम्। मृत्यो
इति। अनु। परा। इहि। पन्थाम्। यः। ते। एषः। इतरः। देव॰यानात्॥ चक्षुष्मते।
शृण्वते। ते। ब्रवीमि। इह। इमे। वीराः। बहवः। भवन्तु॥ इमे। जीवाः। वि। मृतैः॥

आ।अववृत्रन्।अभूत्।भद्रा।देव॰हूतिः।नः।अद्य।प्राञ्चः।अगाम।नृतये॥
हसाय॥सु॰वीरासः।विदथम्।आ।वदेम॥इमम्।जीवेभ्यः।परि॰धिम्।दधा
मि।मा।एषाम्।नु।गात्।अपरः।अर्थम्।एतम्॥शतम्।जीवन्तः।शरदः।पुरू
चीः।तिरः।मृत्युम्।दधताम्।पर्वतेन॥२आ।रोहत।आयुः।जरसम्।वृणाना
॥अनु॰पूर्वम्।यतमानाः।यति।स्थ॥तान्।वः।त्वष्टा।सु॰जनिमा।स॰जोषा॰
॥सर्वम्।आयुः।नयतु।जीवनाय॥४यथा।अहानि।अनु॰पूर्वम्।भवन्ति।य
था।ऋतवः।ऋतु॰भिः।यन्ति।साकम्।यथा।न।पूर्वम्।अपरः।जहाति॥एव।धा २५७
तः।आयूंषि।कल्पय।एषाम्॥५अश्म॰न्वती।रीयते।सम्।रभध्वम्॥वीरयध्वम्
प्र।तरत।सखायः॥अत्र।जहीत।ये।असन्।दुः॰एवाः॥अनमीवान्।उत्।तरेम
अभि।वाजान्।उत्।तिष्ठत।प्र।तरत।सखायः॥अश्म॰न्वती।नदी।स्यन्दते।इय

म्॥अत्र।जहीत।ये।असन्।अशिवाः॥शिवान्।स्योनान्।उत्।तरेम।अभि।वाजा
न्॥७॥वैश्व॰देवीम्।वर्चसे।आ।रभध्वम्।शुद्धाः।भवन्तः।शुचयः।पावकाः॥अ
ति॰क्रामन्तः।दुः॰इता।पदानि।शतम्।हिमाः।सर्व॰वीराः।मदेम॥८।उदीचीनैः॥
पथि॰भिः।वायुमत्॰भिः॥अति॰क्रामन्तः।अवरान्।परा॰भिः॥त्रिः।सप्त।कृत्वः।ऋष
यः।परा॰इताः॥मृत्युम्।प्रति।औहन्।पद॰योपनेन॥९॥मृत्योः।पदम्।योपय
न्तः।आ।इत।द्राघीयः।आयुः।प्र॰तरम्।दधानाः।आसीनाः।मृत्युम्।नुदत।सध
॰स्थे।अथ।जीवासः।विदथम्।आ।वदेम॥१०॥६॥॥इमाः।नारीः।अविधवाः।सु
॰पत्नीः।आ॰अञ्जनेन।सर्पिषा।सम्।स्पृशन्ताम्।अनश्रवः।अनमीवाः।सु॰रत्नाः
आ।रोहन्तु।जनयः।योनिम्।अग्रे॥११॥वि॰आकरोमि।हविषा।अहम्।एतौ।तौ।ब्र
ह्मणा।वि।अहम्।कल्पयामि॥स्वधाम्।पितृ॰भ्यः।अजराम्।कृणोमि।दीर्घेण।

आयुष्मा। समा। इमा। ना। श्रुगा। मि॥ २ यः। नुः। अग्नि॥। पितरः। हृत॰ स्तु। अंत्व॥ आ॰ वि
विशन्तु। अमृत मर्त्यम्। म षि। अदमा। तम्। परि। गृह्णामि। देवम्। मा। सः। अस्मान्
द्विक्षता। मा। वयम्। तम्॥ ३॥ अप॰ आ वयम्। गार्हपत्या। तो। क्रव्य॰ अमृता। त्रा। इति
दक्षिणा॥ प्रियम्। पितृभ्यः। आत्मानं। ब्रह्मलं ध्यः। संगु ता। प्रियम्। द्वि। गा। गृ॰ धनम्। अ
॰ दाय अत्रा। हिरण्या। ति। अपक्व्या॥ अग्निः। छत्रस्य। ज्यष्टस्य। यः। क्रव्य॰ अति। अग्निः
आ। हितः॥ ४॥ यः। तो। सुषाल। यत। वृनुता। यत। वा। वस्नेन। विंदा। सर्वतो। मर्त्यस्य। नना
न। अस्ति। क्रव्य॰ अनाम्। इत। अग्नि॰ आ। हितः॥ ५॥ अयज्ञियः। हत॰ वर्चाः। भव
ति॥ न। एनेन। हविः। अत्तस्व॥ छिना। ति। कृ। त्या। गोः। धनात्। यम्। क्रव्य॰ अनु। अ २५
नु॰ वर्तते॥ ६॥ मुहुः। गृध्यैः। प्र। वदति। आर्तिम्। मर्त्यः। निः॰ इत्य। क्रव्य॰ अग्नि
यान्। अग्निः। अन्तिकात्। अनु॰ विद्वान्। वि॰ ताव्यति॥ ७॥ आ ददामि। गृहाः। सम्

MEMORIAL

सृजता॥ स्त्रियः। यत्। मृत्यात्। पतिभि। कुल। एव। विद्वान्। एष। यः। क्रव्य॰ अत्तृ
निः॰ आ दधति। यतः। दि षम्। शामलम्। यतम्। यत। वा। दुः॰ कृतम्॥ आपः। मा। तस्मात्
शुंभंतु। अग्नेः। सम॰ कसुका। ता। यत॥ १०॥ ६॥ १०॥ नाः। अधरात्। उदीचीः। आ। अ
ववृत्रन्॥ ऋ॰ जानतीः। पृथि॰ भिः। दे॰ यानैः॥ पर्वतस्य। वृषभस्य। अधि। पृष्ठे। न
वाः। चरंति। सरितः। पुराणीः॥ ११॥ अग्नेः। अ क्रव्य॰ भूत्। निः। क्रव्य॰ अप स्मा। नु दा। अ
देव यजनम्। वह॥ १२॥ इमम्। क्रव्य॰ अत्। आ। विवेश। अयम्। क्रव्य॰ अप स्मा। अनु
अग्नात्॥ व्याघ्रौ। लेख्यो। नाना। नम्॥ तम्। हरामि। शिव॰ अपरम्॥ १३॥ अंतः॰ धिः। दे
वानाम्। परि॰ धिः। मनुष्याणाम्। अग्निः। गार्हपत्यः। उभयान्। अन्तरा। श्रितः॥ १४॥
जीवानाम्। आयुः। प्रतिर। त्वम्। अग्ने। पितृणाम्। लोकम्। अपि। गच्छंतु। ये। मृताः॥
सु॰ गार्हपत्यः। वि॰ तपन्। अराति। उषाम्॰ उषाम्। श्रेयसीम्। धेहि। अस्मै॥ १५॥

सार्वसेना। अग्नेः। सहस्मानः। सं॰पन्नन्॥ आ। एषाम्। ऊर्जम्। रयिम्। अस्मासु। आ। धत्त
॥१॥ इमम्। इन्द्रम्। वह्निम्। पप्रिम्॥ अनु॰ आरभध्वम्॥ सः। वः। निः। वसत्। कुः। इतान्
अवधात्॥ तेन। अपहता। शस्तम्। आ॰पतन्तम्। तेन। रुद्रस्य। परि। पाता। अस्मान्॥२॥
अनु। द्वास्त्वा। सुवम्। अनु॰ आरभध्वम्॥ सः। वः। निः। वसत्। कुः। इता। ता। अवधात्
आ। रोहत। सवितुः। नावम्। एताम्॥ षट्॰जिः। उर्वीः। निः। अमतिम्। तारम्॥३॥ अ
होरात्रे इति। अनु॰ एषि। निः। अन्नानि। सोम्याः। तिष्ठन्। प्र॰तरणः। सु॰वीराः। अननु
राना। सु॰मनसः। तान्। बिभ्रत्। ज्योक्। एव। नः। पुरुस्सं॰गंधिः। एधि॥४॥ तान्। द्वयाः
आ। वृश्चन्तु। पापम्। जीवन्तु। सर्वदा॥ अ॰क्रव्य॰ अत्। यानम्। अग्निः। अन्तिकात्। अनु
अक्षः इव। अनु॰ वपता। नडम्॥१०॥ ॥११॥ ये। अश्रद्धाः। धन॰काम्याः। प्राता॥ क्र
व्य॰ अदा। सम्॰ आसते॥ ते। वै। अन्येषाम्। कुम्भीम्। परि॰आदधति। सर्वदा॥ २५९
प्र॰ इव। पिपतिषन्ति। मनसा। मुहुः। आ। वर्तन्ते। पुनः॥ क्रव्य॰ अत्। यान्। अग्निः। अन्
तिकात्। अनु॰ विद्वान्। वि॰ताव्रति॥१२॥ अविः। कृष्णाः। भाग॰धेयम्। पशूनाम्। सीस
म्। क्रव्य॰अत्। अपि। चन्द्रम्। ता। आहुः। माषाः। पिष्टाः। भाग॰धेयम्। ते। हव्यम्।
अरण्यया। आ। गह्वरम्। सचस्व॥१३॥ इषीकाम्। जरतीम्। इष्ट्वा। तिल्पिञ्जम्। दण्डनम्।
नडम्॥ तम्। इन्द्रः। इध्मम्। कृत्वा। यमस्य। अग्निम्। निः॰आदधौ॥१४॥ प्रत्यञ्चम्। अर्कम्।
प्रति॰अर्पयित्वा। प्र॰विद्वान्। पन्थाम्। वि। हि। आ॰विवेश॥ परा। अमीषाम्। असून्।
दिदेश। दीर्घेण। आयुषा। सम्। इमान्। सृजामि॥१५॥ ॥१२॥ उप्त्वा। पुंसः। अधिमन्ति
तो। चर्म्म। हविः। तत्र। क्षमस्व। अनभो। दिथा। तु। यावन्तो। अग्ने। प्रथमम्। सम्॰ई
युः। ताः। वामम्। वयः। सुम्॰राज्यम्। समानम्॥१॥ ताः। ब्रह्मा। यक्षुः। तानि। वीर्याणि
। तावत्। तेजः। तत्। इतिधा। वाजिनानि॥ अग्निः। शरीरम्। सचताम्। यदा। एधः॥ अथ

प्र॰क्षान्। मिथुना। सम्। भवाथः॥ सम्। अस्मिन्। लोके। सम्। ऊं इति। देव॰याने।
सम्। स्म। सम्॰एतम्। यम॰राज्येषु॥ इतः। पवित्रैः। उत्पातन। कायम्। आम। यत्र।
ता। रेतः। अधि॰वाम्। सम्॰बभूव॥ ७॥ आपः। पुत्रासः। अभि। सम्। विशध्वम्। इमम्।
जीवम्। जीव॰धन्याः। सम्॰एत्य॥ तासम्। भजध्वम्। अमृतम्। यम्। आहुः॥ यम्।
उ॰दनम्। पचति। वाम्। जनित्री॥ ८॥ यम्। वाम्। पिता। पचति। यम्। वाम्। माता। रिप्रात्॥
निः॰मुक्त्यै। शमलात्। च। वाचः॥ सः। उ॰दनः। शत॰धारः। स्वः॰गः। उभे इति। वि।
आप। नभसी इति। महि॰त्वा॥ ९॥ उभे इति। नभसी इति। उभयान्। च। लोकान्। ये।
यज्वनाम्। अभि॰जिताः। स्वः॰गाः॥ तेषाम्। ज्योतिष्मान्। मधु॰मान्। यः। अग्रे। त २०
स्मिन्। पुत्रैः। जरसि। सम्। श्रयेथाम्॥ १०॥ प्राचीम्॰प्राचीम्। प्र॰दिशम्। आ। रभे
थाम्॥ एतम्। लोकम्। श्रत्॰दधानाः। सचन्ते॥ यत्। वाम्। पक्वम्। परि॰विष्टम्॥

अग्नौ। तस्य। गुप्त्यै। दंपती इति दम्॰पती॥ सम्। श्रयेथाम्॥ ११॥ दक्षिणाम्॰
दिशम्। अभि। नक्षमाणौ। परि॰आवर्तेथाम्। अभि। पात्रम्। एतत्॥ तस्मिन्। वाम्। यम
यमः। पितृ॰भिः। सम्॰विदानः। पक्वाय। शर्म। बहुलम्। नि। यच्छात्॥ १२॥ प्रतीची। दिशा
म्। इयम्। इत्। वरम्॥ यस्याम्। सोमः। अधि॰पाः। मृडिता। च॥ तस्याम्। श्रयेथा
म्। सु॰कृतः। सचेथाम्। अध। पक्वान्। मिथुना। सम्। भवाथः॥ १३॥ उत्तरम्। राष्ट्र
म्। प्र॰जया। उत्॰तर॰वत्। दिशाम्। उदीची। कृणवत्। नः। अग्रम्॥ पाङ्क्तम्। छन्दः। पु
रुषः। बभूव॥ विश्वैः। विश्व॰अङ्गैः। सह। सम्। भवेम॥ १४॥ छ॥ १३॥ ध्रुवा।
इयम्। वि॰राट्। नमः। अस्तु। अस्यै॥ शिवा। पुत्रेभ्यः। उत। मह्यम्। अस्तु॥ सा। नः।
देवि। अदिते। विश्व॰वारे। इर्यः॰इव। गोपाः। अभि। रक्ष। पक्वम्॥ १५॥ पिता॰इव। पु
त्रान्। अभि। सम्। स्वजस्व। नः। शिवाः। नः। वाताः। इह। वान्तु। भूमौ॥ यम्। उ॰दनम्।

पक्नः॥ दे॒वान् इति॑ इ॒ष्टा॥ न॒मा॒ । नुः॥ तप॑॥ ऊ॒न । सत्य॒म् । यु॒ । वर्त्तुः॥ र॥ यत॒० यत्ता॒ । सु॒ हः
शकु॒नः । आ॒ । इ॒ष्टा । गृ॒ह्या॥ सरु॒न् । वि॒० सा॒त्त॒म् । बि॒ । लो॒ । आ॒० सु॒ । सा॒धा॒ । यत॒ । वा॒ । दा॒सी
आ॒ । दे॒० दृष्ट्वा॒ । सु॒म॒० आ॒ । रा॒क्रे॒॥ उ॒ । हृस्वर्न्नेम॒ । मु॒क्ष॒नम्॒ । श्रु॒ग॒ता॒ । आ॒प॒ । ग॥ अ॥ आ॒प्यम्॒ ।
ग्रावा॒ । इ॒त्थु॒० ज॒ष्ट्वः । व॒यः॥० भाः । हु॒तः । पु॒वि॒त्रैः । अप॒ । दृं॒ । उ॒ । रक्षः॥ आ॒ । रो॒द॒ । य॒म
मृ॒द्धि॒ । शर्म॒ । यु॒ष्ठा॒॥ मा॒ । दंप॒त्नी॒ । इति॒ । दम॒० पत्नी॒॥ पो॒ । अस्म॒ । आ॒धम॒ । नि॒ । गा॒ । ता॒म॒॥ ४ वनस्प
ति॒ः । सु॒ । दा॒ । दे॒वैः । नः॒ । आ॒ । आ॒गु॒ना॒ । रक्षः॒ । पि॒शा॒चा॒ । नो॒ । अप॒ । प॒० बाधमानः॥ सः । उत्
श्र॒या॒तु॒ । प्र । व॒द॒ । ति॒ । वा॒च॒म् । तेन॑ । लो॒का॒न् । अ॒भि॒ । सर्वा॑न् । ज॒ये॒म॒॥ ५॥ सु॒ह॒ । मे॒धा॒ २५१
पृ॒शा॒कः । प॒रि॒ । अ॒गृ॒क्तू॒न्॥ यः । हृ॒षा॒नो॒ । ज्यो॒ति॒ष्मा॒न॒ । उ॒ । ता॒ । य॒ह॒ । यु॒ । कश्म॒ । त्रयः॥० त्रिंशत्
। दे॒वताः॒ । ता॒म् । स॒वं॒ । ता॒॥ सः । नः॒ । स्वः॒० ग॒म् । अ॒भि॒ । नृ॒षि॒ । लो॒कम्॥ स्वः॒० गम॒ । लो॒कम्
अ॒भि॒ । नः॒ । नया॒सि॥ सम् । जा॒य॒या॒ । सह॒ । पु॒त्रैः॥ स्या॒म॒ । ग॒च्छा॒मि॒ । द॒क्ष॒म् । अ॒पन्नुम्॥

आ॒ । ए॒तु॒ । अ॒त्र॒ । आ॒मा॒ । नुः । ता॒रीता॒ । निः॒० स्त॒निः॒ । मो॒ । इति॒ । अ॒प॒स्म॒ति॒॥ ७॥ य॒ । द्धि॒म् । पा॒ । प्रा॒नम्॒ ।
अ॒ति॒ । ता॒नो॒ । अ॒या॒म्॥ तमः॒ । वि॒ । अ॒स्या॒ । प्र॒ । वृ॒दा॒ । सि॒ । वृं॒न्तु॒॥ वा॒न॒स्प॒त्यः॒ । उ॒त॒० यन्तः॒ । मा॒
जि॒ह्वि॒ । सीः॒ । मा॒ । तं॒डु॒ल॒म् । वि॒ । शा॒रीः॒ । दे॒व॒० यं॒त॒म्॥ ८॥ वि॒श्व॒० व्य॒चाः॒ । घृ॒त॒० पृ॒ष्ठः॒ । प॒
वि॒ष्ठ॒ना॒ । स॒० यो॒निः॒ । लो॒कम्॒ । उ॒प॒ । या॒हि॒ । ए॒तम्॥ व॒र्ष॒० वृ॒द्धम्॒ । उ॒प॒ । य॒च्छ॒ । शू॒र्पम्॥ उ॒प॒
म॒ । पु॒ना॒ । कण॒म् । अ॒प॒ । त॒त॒ । वि॒न॒क्तु॒॥ ९॥ त्रयः॒ । लो॒काः॒ । स॒म्० मि॒ताः॒ । ब्रा॒ह्म॒णे॒न॒॥ द्यौः॒ । ए॒
वा॒ । अ॒सि॒ । पृ॒थि॒वी॒ । अ॒ग्नि॒ । त॒स्मिन्॥ अ॒ष्ट॒ना॒ । गृ॒भी॒ता॒ । अ॒नु॒० आ॒स॒न्न॒ । था॒म॒॥ आ॒ । पा॒व
ना॒म॒ । पु॒न॒न्त्वा॒ । अ॒यं॒ । उ॒ । शू॒र्पम्॥ १०॥ ७॥ १४॥ इ॒ध्म॒क॒ । रू॒पा॒णि॒ । न॒ । क्रु॒ध॒ । प॒श्च॒ना॒म्॥ ए॒क॒-
० रू॒पः॒ । न॒वा॒सि॒ । स॒म॒ । स॒म्० वृ॒धम्॥ ए॒ता॒म् । व॒च॒म् । जो॒ष्ठि॒नी॒म॒ । ता॒म॒ । नु॒द॒स्व॒॥ आ॒ । वा॒-
श्रुं॒गा॒ति॒ । मृ॒लो॒गः॒० इ॒व॒ । व॒स्त्रा॒॥ १॥ पृ॒थि॒वीम्॒ । या॒ । पृ॒थि॒व्या॒म॒ । अ॒पा॒ । वि॒शा॒या॒मि॒॥ तु॒ष्टा॒॥
का॒भा॒नी॒॥ वि॒श्वे॒त॒॥ त॒ । ए॒षा॒॥ य॒त॒० य॒न्ता॒ । घृ॒त॒म् । लि॒खि॒त॒म् । अ॒प॒र्प॒णे॒न॥ त॒न॒ । मा॒ । स्तु

स्योः। अग्ने। अपक्तितं। वपामि॥ रजनिर्री॰ इवा जाति। द्यासि॥ सूनुम्। सम्। ग्रा। द्यम्
मि। पृथिवीम्। पृथिव्या॥ उषा। ऊर्जी॥ वधस्म। मा। व्यथिष्ठाः। यज्ञ॰ अङ्गुधेः। आज्ये
अति॰ सक्ता॥३॥ अग्निः। पंचन्। रक्षतु। द्यौ। इरस्मान्। इंद्र। अनु। रक्षतु। दाक्षिणात्। मरुत्या
न्॥ वरुणः। द्या। इंदू। दानां। भूकलौ। श्रुती। द्या॥४॥ उतरात्। द्या। सोमः। सम्। द्दाति॥ ५॥ पू
ताः। पवित्रैः। पवंतां। अन्नात्। दिवम्। वा। यंति। पृथिवीम्। च। लोकान्॥ ताः। जीवला
ः। जीव॰ धन्याः। प्रति॰ स्थाः। पात्रे। आ॰ सिक्ताः। परि। अग्निः। इध्मम्॥ प अपा। यंति
दिवं। पृथिवीम्। सचेतां॥ रम्याः। सचंतां॥ अधि। अंतरिक्षं। मा। शुद्धाः। सलीः। ता २६२
ः। ऊर्जं। हंति। शुंधंता। एव॥ ताः। नः। स्वः॰ गम्। अपि। लोकम्। नयंतु॥६॥ उत॰ इवा
स॰ वीः॥ ७॥ उता। सम्॰ मिता। सः॥ उता। शुक्राः। शुचयः। च। अमृता। सः॥ ताः। ओदन
म्। दंपती॰ भ्याम्। प्रति॰ शिष्टाः। आपः॰ शिक्षंती। पचत। सु॰ नाथाः॥८॥ सम्॰ ख्या

ताः। लोकाः। पृथिवीम्। सचंतां। प्राण अपानैः। सम्॰ मिताः। ओषधीभिः। अ
सम्॰ ख्याताः। अप्॰ उष्मनः। स्व॰ वर्णाः। सर्वम्। वि। आपुः। शुचयः।
शुचिं॰ अम्॥ ९॥ उत। यो। धंति। अपि। वृंजंति। त ताः। फेनम्। अस्यंति। बहु
कं। लानि। च। बिंदून्॥ योषां॰ इव। दृष्ट्वा। पतिम्। ऋत्वियाय। एतैः। तंडुलैः
भवतु। सम्। आपः॥१०॥ उत्। स्थापय। सीदतः। बुध्ने। एनान्। अत॰ भिः। आ
त्मानम्। अपि। सम्। स्पृशंताम्॥ अमासि। पात्रैः। उदकम्। यत्। एतत्। मि
ताः। तंडुलाः। प्रदिशः। यदि। इमाः॥११॥ ७॥ १५॥ ग्रा। यच्छ। पर्शुम्। अरंया। आ
हरा। त्वरयं। अपि। सित। ओषधीः। दांतु। पर्वन्॥ यासाम्। सोमः। परि। राज्यम्। ब
भूव। अमन्युताः। नः। वीरुधः। भवंतु॥ १॥ नवम्। बर्हिः। ओदनाय। स्तृणीत।

प्रियम्। हृदः। यक्ष्मणः। वृञ्जु। उप। स्तुतः। तस्मिन्। देवाः। सह। देवीः। विशन्तु। इमम्।
प्राः। अश्नन्तु। स्तुत० दिशः। निः० सध॥ वनस्पतेः। रेस्मीस्मि। आस्ते। द्युः। बुद्धिः॥ अ
ग्नेः० स्तोमैः। सम्० मितः। देवतानि॥ ब्रह्मन्० इव। रूपम्। सु० शमन्। स्व
धिया॥ एना। एतस्य। पसि पात्रं। दृश्याम्॥ पश्याम्। शिरतं० स्तुम निधि० पा
अग्नि। इष्टात॥ स्त्रुम। पृथेन। अग्नि। अश्व वाते॥ उपस एनम्। जीवान्। पितस्व
पुत्राः। एतम्। स्वः० गम्। गमय। अस्मा। अग्नेः॥४॥ धीनौ। प्रियस्व। धरुणि।
पृथिव्याः॥ अच्युतम्। द्या। देवतस्। यवयो। तम्। द्या। दंपती इति दम्० पती॥
जीवन्तौ। जीव० पुत्रौ॥ उत। वासयाथः। पसि अग्नि० धान्मत॥५॥ सर्वान्। स
म्० आगाः। अप्रि० जित्। लोकान्॥ यावन्तः। कामाः। समम्। अतीतपः। तान्॥ वि
गाहथाम्। आ० यवनम्। यो दर्विः। एकस्मिन्। पात्रम्। अधि। उत। हरा। एनम्॥

उपसि स्तृणीहि। पृथयस्व। पुरस्तात्। घृतेन। पात्रम्। अग्नि। धारय। एतत्॥ वाश्रा० इ
व। उस्रा। तस्ताम्। स्तन स्तुम॥ इमम्। देवासः। अभि० हिड्० कृणोत॥७॥ उप। अ
स्तरीः। अकरः। लोकम्। एतम्॥ उरुः। पृथुः। नाम। असमः। स्वः० गः। तस्मिन्। श्र
यातै। महिषः। सु० पर्णः। देवाः। एनम्। देवताभ्यः। प्रयच्छान्॥८॥ यत्। रस्तोजा
या। पचति। यत्। परः० परः। पतिः। वा। जाया। यत्। तिरः। सम्। तत्। सृजेथाम्। सह
दा। याम्। तत्। प्रेस्तु॥ सम्० पादयन्तौ। सह। लोकम्। एकम्॥९॥ यावन्तः। अ
स्याः। पृथिवीम्। सचन्ते। अस्मत्। पुत्राः। पसिय। सम्० बभूवुः॥ सर्वान्। तान्।
उप। पात्रे। ह्वयेथाम्। नाभिम्। जानानाः। शिशवः। सम्० आयन्॥१०॥७॥११
वसोः। याः। धाराः। मधुना। प्र० पीनाः॥ घृतेन। मिश्राः। अमृतस्य। धारयः॥ ना ने-
सर्वाः। ताः। अपचन्द्रो। स्वः० गः॥ षष्ट्याम्। शरत्० सु। निधि० पाः। अभि। इच्छात्।

MEMORIAL

नि॰धिम। निधि॰पाः। अग्नि। एनम्। इच्छात। अनीश्वराः। अचित्ताः। सं॰उ। या। अग्ने।
अस्मात्। क्रिं। दैत्याः। नि॰हितः। स्वः॰गः। त्रीणि। कां। ज्ञे। त्रीन्। स्वः॰गान्। अपरूपान्।
।२ अग्निः। रक्षस्तपत्। यत्। वि॰स्येम। क्रव्य॰अत्। पिशाचैः। इदम्। प्रोषास्तु। नु
दाम्। एनम्। अप॰रुध्यमानः। अस्मत्। आदित्याः। एनम्। अङ्गिरसः। सं॰नाम्।। ३ ।।
आदित्यो। अं॰गिरसः॰ अः। मधु। इदम्। घृतान्। मिश्रम्। प्रति। वदयामि। शुद्ध॰ह॰
स्तौ। ब्राह्मणस्य। अनि॰हया। एनम्। स्वः॰गम्। स्व सानौ। अपि। हन्तम्।। ४ ।। इदम्। त्र
आपम्। उत॰तमम्। काक्षम्। अस्य। यस्मात्। लोकात्। पुरम्॰स्थौ। सम्॰आपत्।।
आ। सिं॰चौ। सर्पिः। घृत॰वत्। सम्। अङ्ग्धि।। एषः। भागः। अंगिरसः। नः। अत्र। अपा।। २५४
सुद्धा। स्यैतनपसः। द्रुवता। यः।। नि॰धिम्। शेवः॰धिम्। परि। दद्मः। एतम्। गात्रः। नः।
घृता। अपरोगात्। मा। सम्॰स्थात्।। मा। अस्मान्। अन्य। स्मौ। उत। सृज। ता। पुरा। मत्।।

अमम्। पचामि। अमम्। ददामि।। ममाहृत। ॐ। इति। कर्मणि। करुणे। अधिगाया।।
कौमारः। लोकः। अजनि। पुत्रः।। अनु॰आसरः धाम। वयः। उत्तर॰वत्।। ७ ।। नि
कि। क्षिषम्। अत्र। अनः। [illegible]। आ॰भारः। अस्ति।। नयत। मित्रिः। सम्॰अममानः।
एति।। अहन्नम्। पाप्मन्। नि॰हितम्। नः। एतत्।। प्रकाश्यम्। पृथः। तनः। आ। विशा
ति। प्रियम्। प्रियाणाम्। स्नणयाम्। नमः। तायन्ति। यतमे। द्विषन्ति।। धेनुः। अन
ड्वान्। वयः॰वयः। आ॰यत्। एव। पौरुषेयम्। अप। मृत्युम्। नुदन्तु।। ८ ।। सम्। अ
न्यम्। विदुः। अन्यः। अन्यम्।। यः। तु॰षधीः। स। सत्तो। यः। चु सिं। [illegible]।। देवाः। एवा
। दिवि। आ॰तपन्ति।। दि सर्पम्। ज्योतिः। प वस्तः। वसु। वै।। १०।। ७।। १३।। एषा। ब्रह्म
नु सख। सम्। भवथ।। अनस्ताः। स। ते। पुरा। का। याः। अग्ने। द्वात्र। एतत्। आत्मानम्।।
पत्सि। अपयाथ।। अप॰मा॰उत्तमो। वा सेः। पुरुषम्। नुदन्। सः।। यतो। आ दिः। [illegible]

यता।सम०इ्याम्।यता।वा।वदस।।अन्तम्।वित्त०काम्या।स्तमानमातउम्।अपिनिस्
म्०वस्ता।नि।।त।निमन्मेसर्कम्।शामलम्।सादयाथ।।२।।वर्षम्।वनुष्ठ।अपिगच्छा
।दुवानां।वस्न।भूमम्।पसिवत्ता।पातुया।सि।।विश्व०व्यथा।।घृत०कुमूः।गृविष्टना।।
सम०यानि।६।लोकम्।उपायाद्धिाएतम्।।३।।तन्वाम्।स्वयं०गः।सुकृ०धा।।पियुन्।।
यथम्।विदा।आत्मना।अन्य०वर्मा।नि।।अपाअपा।जिता।ल्लुन्तां।माकुशतीम्।तु।नानः।।या।।
लोहिनी।।नाम्।।ता।अग्नी।गुहे।भि।।४।।प्राच्यां।दिशा।अग्नाये।अधि०एताय।।सि
ताय।रक्षित्रा।आदित्याय।इषुभ्य०मात।।एतम्।पसिद्धनुः।।तम्।नुः।गोपायत।।अ।
अस्मा।कम्।अय०एतनोः।।दिष्ट।मा।नुः।अञाजुरसो।नि।नेषु।तां।जुसा।मृत्या।अपरि
नुः।दद्यात्।।अथ।पृकेना।सूदा।समो।गुवुम्।।५।।दक्षिणा।ये।यां।दिशो।इंद्र।य।अ
धि०पताय।।तिरस्थि०राजाय।रक्षित्रा।यमाय।इषुभ्य०मात।।६।।प्रती।च्ये।यां।दिशो।व

सणाय।अधि०पताय।।पृदाकवा।रक्षित्रा।अन्नाय।इषुभ्य०मात।।७।।उदी।च्ये।यां।दि
शो।सोमाय।अधि०पताय।।स्वजाय।रक्षित्रा।अशन्यै।इषुभ्य०मही।।८।।ध्रुवा।ये।यां।।
दिशा।विष्णवा।अधि०पतये।।कल्माष०ग्रीवाय।रक्षित्रा।उवीरुधः।इषुभ्य०मत।
भ्यः।।९।।ऊर्ध्वायै।यां।दिशा।बृहस्पतये।।अधि०पताय।।श्वित्राय।रक्षित्रा।वर्षाय।
इषुभ्य०मात।।एतम्।पसिद्धनुः।तम्।नः।गोपायत।।आ।अस्मा।कम्।आ०एतनाः।।
दिष्ट।मा।नुः।अञाजुरसो।नि।नेषु।तां।जुसा।मृत्या।अपरिनुः।दद्या[illegible]तु।अथ।पृकेन-
सूदा।समो।गवेम्।।१०।।छ।।१०।।दत्तमि।इति।एवा।भूया।तां।अनु।या।एना।मा।अस्त-
सेन।।वशा।मा।ब्रह्म०भ्य।याकृत०ग्रः।तत।प्रजा०वत्।अपत्य०वत्।।१।।प्रजं०जयः।।
सः।वि।क्री।णी।तु।पुरुषु०जिः।चु।उपो।दस्यति।।यः।आ।वीयन्त्यः।याकृतो०च्यः।।दुवान्।
मा।गामाना।दिवस्मी।।२।।कूटया।अस्य।सम्।शीर्यंते।श्रोणया।काटम्।अदीति।सं०ड

थान्दल्लां।तु।गृहा।।कालाय्मदीयातु।स्वम॥३॥वि०जोहितः।अधि०स्था
नास्ता।शाक्नः।विंदति।गो०मनिमा।तथम।वृशायमः।सुम०विधमा॥कुरद्यादि
उच्येसे॥२॥पादाः।अस्याः।अधि०स्थानात॥विलिकिकुध।नामो।विंदति॥अ
नामनाम्रसम।शीर्षं।तु॥याः।मुखन।उप०जिघ्रनि।यः।अस्याः।कासो
आ०स्कुनो।तो॥पासः।दावक्षुरश्वतु॥जरमा।ऊर्वी।इति।मन्यता।फनी
यः।लपुतु।स्वम॥८॥यतो।अस्याः।कास्मो।चितो।ला।गाया।आलस्नना।कः॥वि
तो।प्र०लोनति।तनः।किशोराः।त्रियंता।वृसानो।वाबाहुस्कः।रकः॥७॥अ
स्याः।गो०फलो।सख्याः।लोमानां।स्म।अर्गीदिडतो॥तनः।ऊमाराः।त्रियंतु॥
यहमः।विंदति।अनामनात॥६॥यतो।अस्याः।पन्नेसन।मोशराता।दासी।स
म०अस्यनति॥तनः।अप०ऊपमा।जायातु।तस्मात।अवि०एमता।एनस्तः॥९॥

वासुदेव

२५१

जायमाना।अपि।जायतो।दृवाना।स०आस्लणाना।वृशा।तस्मात।व्रल०क्षा।
दयाः।एषा॥तता।अाकुः।स्वस्या।गो०फनम॥१०॥छ॥१९॥या।एनामा।विनमो
अया०यंति।तषमा।दिव०स्ना।वृशा।ब्रल०ज्येयमा।ततो।अक्रुवनो।यिध।एनु
ना।नि०प्रियाया।तो॥११॥यः।आर्षेयिभ्यः।याचत०यः।दृवानसमा।गामे।ना।दि
ति॥आ।सः।दवक्षाः।रश्वाना।आल्लणान्नमा।वोमन्या।क्षा॥१२॥यः।अस्याः।स्या।
वृशा०भोगः॥अन्याम।इच्छेतु।नदिसः।हिंस्लो।अस्ला।पुत्रमो।याविनामा॥
वाना।दिसति॥१३॥अथस्य।शोयू०धिः।नि०दिनः।आप्लणान्नमा।तथम।वृशा॥नाम
एनतो।अछ०आयंति।यस्मिन।कास्मिन।वा।जायस्ता॥१४॥स्वम।एनतो।अछ०आयं
ति।यतो।वृशाम।आल्लणाः।अपि॥अथ।एनाना।अन्यस्मिन्।ऊनीयातो।एवा।अ
स्याः।नि०राधनम॥१५॥वास्ता।एया।आ।त्रेदायसंतो॥अविशोत०गदा।सती॥१६॥

६ ए २ नी

वशाम् । च । विऽघातुं । नारदः ॥ ब्राह्मणाः । तर्हि । एष्याः ॥ ६ ॥ यः । एनाम् । अवशाम् ।
आह । देवानाम् । निऽहितम् । निऽधिम् ॥ उभौ । तस्मै । भवाशर्वौ । परिऽक्रम्य । इ-
षुम् । अस्यतः ॥ ७ ॥ यः । अस्याः । ऊधः । न । वेद । अथो इति । अस्याः । स्तनान् । उ-
त ॥ उभयेन । एव । अस्मै । दुहे । दातुम् । च । शक्नवत् । वशाम् ॥ ८ ॥ दुरदभ्ना ।
एनम् । आ । शये । याचिताम् । च । न । दित्सति ॥ न । अस्मै । कामाः । सम् । ऋध्यन्ते ॥
याम् । अदत्त्वा । चिकीर्षति ॥ ९ ॥ देवाः । वशाम् । अयाचन् । मुखम् । कृत्वा । ब्राह्मण-
म् ॥ तेषाम् । सर्वेषाम् । अददत् । हेडम् । नि । एति । मानुषः ॥ १० ॥ हेडम् । प-
शूनाम् । नि । एति । ब्राह्मणेभ्यः । अददत् । वशाम् ॥ देवानाम् । निऽहितम् । भागम् । २६७
मर्त्यः । चेत् । निऽप्रियायते ॥ ११ ॥ यत् । अन्ये । शतम् । याचेयुः ॥ ब्राह्मणाः । गोऽ
पतिम् । वशाम् ॥ अथ । एनाम् । देवाः । अब्रुवन् । एवम् । ह । विदुषः । वशा ॥ १२ ॥ यः ।

एवम् । विदुषे । अदत्त्वा ॥ अथ । अन्येभ्यः । ददत् । वशाम् ॥ दुःऽगा । तस्मै । अधिऽस्था-
ने ॥ पृथिवी । सहऽदेवता ॥ १३ ॥ देवाः । वशाम् । अयाचन् । यस्मिन् । अग्रे । अजायत ॥
ताम् । एताम् । विद्यात् । नारदः । सह । देवैः । उत् । आजत् ॥ १४ ॥ अनपत्यम् । अल्पऽप-
शुम् । वशा । कृणोति । पूरुषम् ॥ ब्राह्मणैः । च । याचिताम् ॥ अथ । एनाम् । निऽप्रि-
यायते ॥ १५ ॥ अग्नीषोमाभ्याम् । कामाय । मित्राय । वरुणाय । च ॥ तेभ्यः । याचन्ति ।
ब्राह्मणाः ॥ तेषु । आ । वृश्च्यते । अददत् ॥ १६ ॥ यावत् । अस्याः । गोऽपतिः । न । उपऽशृ-
णुयात् । ऋचः । स्वयम् ॥ चरेत् । अस्य । तावत् । गोषु । न । अस्य । श्रुत्वा । गृहे । वसे-
त् ॥ १७ ॥ यः । अस्याः । ऋचः । उपऽश्रुत्य । अथ । गोषु । अचीचरत् ॥ आयुः । च । तस्य ।
भूतिम् । च । देवाः । वृश्चन्ति । हीडिताः ॥ १८ ॥ वशा । चरन्ती । बहुऽधा । देवानाम् । निऽ-
हितः । निऽधिः ॥ आविः । कृणुष्व । रूपाणि । यदा । स्थाम । जिघांसति ॥ १९ ॥ आविः । आ-

मानम्। सृणुत। यत्। दाशः। मा। जिहिंसति॥ अथो इति। ह। ब्रह्म०भ्यः। वशा। या।
ऽआप्यं। सृणुत। मनः॥१०॥ ७॥२१॥ मनसा। सम्। आ। कल्पयति। तत्। देवान्। अपि।
गच्छति॥ ततः। ह। ब्रह्माणः। वशाम्॥ उप०प्रयंति। याचितुम्॥११॥ स्वधा०कारे।
ण। पितृ०भ्यः। यज्ञेन। देवताभ्यः। दानेन। राजन्यः। वशायाः। मातुः। हेडम्। न।
गच्छति॥१२॥ वशा। माता। राजन्यस्य। तथा। संभूतम्। अग्र०शः। तस्याः। आहुः।
अनर्पणम्। यत्। ब्रह्म०भ्यः। प्र०दीयते॥१३॥ यथा। आज्यम्। प्र०गृहीतम्। आ०
लुंपेत्। स्रुचः। अग्नये। एव। ह। ब्रह्म०भ्यः। वशाम्। अग्नये। आ। वृश्चते। अप्र०
ददत्॥१४॥ पुरोडाश०वत्सा। सु०दुघा। लोके। अस्मै। उप। तिष्ठति॥ सा। अस्मै।
सर्वान्। कामान्। वशा। प्र०ददुषे। दुहे॥ प्र। सर्वान्। कामान्। सम्०राज्ये। वशा। प्र
०ददुषे। दुहे॥१५॥ अथ। आकूतः। नरकम्। लोकम्। नि०रुंधानस्य। याचिताम्॥१६॥

प्र०वीयमाना। चरति। क्रुद्धा। गो०पतये। वशा। वेहतम्। मा। मन्यमानः। मृत्योः
पाशेषु। बध्यताम्॥१७॥ यः। वेहतम्। मन्यमानः॥ अमा। च। पचते। वशाम्॥ अ
पि। अस्य। पुत्रान्। पौत्रान्। च। याचयते। बृहस्पतिः॥१८॥ महत्। एषा। अव। तप
ति। चरंती। गोषु। गौः। अपि॥ अथो इति। ह। गो०पतये। वशा। अददुषे। विषम्।
दुहे॥१९॥ प्रियम्। पशूनाम्। भवति। यत्। ब्रह्म०भ्यः। प्र०दीयते॥ अथो इति।
वशायाः। तत्। प्रियम्। यत्। देवत्रा। हविः। स्यात्॥२०॥ ७॥२२॥ याः। वशाः। उ
त्०अकल्पयन्। देवाः। यज्ञात्। उत्०एत्य। तासाम्। वि०लिप्त्यम्। भीमाम्। उ
त्०आ०अकुरुत। नारदः॥२१॥ ताम्। देवाः। अमीमांसंत। वशा। इयम्। अवशा।
इति॥ ताम्। अब्रवीत्। नारदः। एषा। वशानाम्। वश०तमा। इति॥२२॥ कति। नु। व
शाः। नारद। याः। त्वम्। वेत्थ। मनुष्य०जाः॥ ताः। त्वा। पृच्छामि। विद्वांसम्। क

MEMORIAL

स्याः। न। अश्नीयात्। अब्राह्मणः॥२॥ वि॰लिप्त्या। बृहस्पते। या। वा। सूतऽवशा।
वशा। वशा॥ तस्याः। न। अश्नीयात्। अब्राह्मणः॥ यः। आ॰शंसेत। भूत्याम्॥४॥
नमः। ते। अस्तु। नारदि। अनुऽस्थु। विदुषा। वशा॥ कतमा। आसाम्। भीम॰तमा॥
याम्। अदत्त्वा। परा॰भवेत्॥५॥ विऽलिप्ती। या। बृहस्पते। अथो इति। सूतऽ
वशा। वशा॥ तस्याः। न। अश्नीयात्। अब्राह्मणः॥ यः। आ॰शंसेत। भूत्याम्।
॥६॥ त्रीणि। वै। वशाऽजातानि॥ वि॰लिप्ती। सूत॰वशा। वशा॥ ताः। प्र। यच्छेत्। ब्र
ह्मऽभ्यः॥ सः। अनाव्रस्कः। प्रजा॰पतौ॥७॥ एतत्। वः। ब्राह्मणाः। हविः। इति। म २५९
न्वीत। याचितः। वशाम्। च। इत्। एनम्। याचेयुः॥ या। भीमा। अदत्ऽवुषः। गृहे॥८॥
देवाः। वशाम्। परि। अवदन्॥ न। नः। अदात्। इति। हीडिताः॥ एताभिः। ऋक्॰
ऽभिः। भेदम्॥ तस्मात्। वै। सः। परा। अभवत्॥९॥ उत। एनाम्। भेदः। न। अददात्॥

त

वो:

वशाम्। इन्द्रेण। याचितः॥ तस्मात्। तम्। देवाः। आगसः। अवृश्चन्। अहम्॰
उत्तरे॥१०॥ ये। वशायाः। अदानाय। वदन्ति। परि॰रापिणः। इन्द्रस्य। मन्यवे।
जाल्माः। आ। वृश्चन्ते। अचित्त्या॥११॥ ये। गो॰पतिम्। परा॰नीय। अथ। आहुः॥
मा। ददाः। इति। रुद्रस्य। अस्ताम्। ते। हेतिम्॥ परि। यन्ति। अचित्त्या॥१२॥ यदि। हुता
म्। यदि। अहुताम्॥ अमा। च। पचति। वशाम्॥ देवान्। स॰ब्राह्मणान्। ऋत्वा॥
जिह्मः। लोकात्। निः। ऋच्छति॥१३॥७॥३॥ श्रमेण। तपसा। सृष्टा॥ ब्रह्मणा। वि
त्ता। ऋते। श्रिता॥१॥ सत्येन। आ॰वृता॥ श्रिया। प्रा॰वृता। यशसा। परि॰वृता॥ स्व
धया। परि॰हिता। श्रद्धया। परि॰ऊढा॥ दीक्षया। गुप्ता। यज्ञे॥ प्रति॰स्थिता। लो
कः। नि॰धनम्॥ ब्रह्म। पद॰वायम्। ब्राह्मणः। अधि॰पतिः॥२॥ ताम्। आ॰ददा
नस्य। ब्रह्म॰गवीम्॥ जिनतः। ब्राह्मणम्। क्षत्रियस्य॥ अप। क्रामति। सूनृता॥

वीर्यम्। च। पुण्या। लक्ष्मीः।।५।।छ।।२४।। ओजः। च। तेजः। च। सहः। च। बलम्। च। वाक्।
च। इंद्रियम्। च। श्रीः। च। धर्मः। च।।१।। ब्रह्म। च। क्षत्रम्। च। राष्ट्रम्। च। विशः। च। त्वि-
षिः। च। यशः। च। वर्चः। च। द्रविणम्। च।।२।। आयुः। च। रूपम्। च। नाम। च। कीर्तिः।
च। प्राणः। च। अपानः। च। चक्षुः। च। श्रोत्रम्। च।।३।। पयः। च। रसः। च। अन्नम्। च।।
अन्न॰अद्यम्। च।। ऋतम्। च। सत्यम्। च। इष्टम्। च। पूर्तम्। च। प्र॰जा। च। पशवः
। च।।४।। तानि। सर्वाणि। अप। क्रामंति। ब्रह्म॰गवीम्। आ॰ददानस्य।। जिनतः। ब्रा-
ह्मणम्। क्षत्रियस्य।।५।।छ।।२५।। सा। एषा। भीमा। ब्रह्म॰गवी।। अघ॰विषा। सा॰ २१०
क्षात्। कृत्या। कूल्बजम्। आ॰वृता।।१।। सर्वाणि। अस्याम्। घोराणि। सर्वे। च। मृ-
त्यवः।। सर्वाणि। अस्याम्। क्रूराणि। सर्वे। पुरुष॰वधाः।।२।। सा। ब्रह्म॰ज्यम्।
देव॰पीयुम्। ब्रह्म॰गवी। आ॰दीयमाना।। मृत्योः। पड्वीशे। आ। द्यति।।४।। मे-

निः। शत॰वधा। हि। सा। ब्रह्म॰ज्यस्य। क्षितिः। हि। सा।।५।। तस्मात्। वै। ब्राह्म-
णानाम्। गौः। दुः॰आधर्षा। वि॰जानता।।६।। वज्रः। धावंती। वैश्वानरः। उत्॰
वीता।।७।। हेतिः। शफान्। उत्॰खिदंती। महा॰देवः। अपि॰ईक्षमाणा।।८
क्षुर॰पविः। ईक्षमाणा। वाश्यमाना। अभि। स्फूर्जति।।९।। मृत्युः। हिं॰कृण्व-
ती। उग्रः। देवः। पुच्छम्। परि॰अस्यंती।।१०।। सर्व॰ज्यानिः। कर्णौ। वरी॰वर्ज-
यंती।। राज॰यक्ष्मः। मेहंती।।११।। मेनिः। दुह्यमाना।। शीर्षक्तिः। दुग्धा।।१२।।
सेदिः। उप॰तिष्ठंती। मिथः॰योधः। परा॰मृष्टा।।१३।। शरव्या। मुखे। अपि॰
नह्यमाने।। ऋतिः। हन्यमाना।।१४।। अघ॰विषा। नि॰पतंती। तमः। नि॰पतिता।।१५
अनु॰गच्छंती। प्राणान्। उप। दासयति।। ब्रह्म॰गवी। ब्रह्म॰ज्यस्य।।१६।।छ।।२६।।
वैरम्। वि॰कृत्यमाना। पौत्र॰आद्यम्। वि॰भाज्यमाना।।१। देव॰हेतिः। ह्रि-

यमाणा॥ वि॰सङ्किः। कृता॥२ पाप्मा॥ अधि॰धीयमाना॥ पा॰सृच्यमा॥ अव॰धी
यमाना।२ विषम। प्र॰यस्यन्ती॥३ तुक्ता। प्र॰यस्ता॥४ अवमा। पुच्यमाना। कृ॰ःख
ज्यमा। पुष्का।५ हल॰बर्हणी॥ पुरि॰आक्रीयमाणा॥ हितिः। पुरि॰आस्रा-
ता।६। अप्सम॰शा। गुंधिना। श्रुका। उद्धीयमाणा॥ आशीविषः। उद्धृताः॥७॥
अस्तृतिः। उप॰क्षीयमाणा। पुरस्॰स्तृतिः। उप॰कृता॥८ शार्वः। कुठः। पृशप
माना॥ शिमिदा। पृशिता॥९॥ अपक्रान्तिः। अप्रशपमाना॥ निः॰स्तृतिः। अशिता॥१०
अशिना। नौका। ता। छिन्नं। त्रि। अस्ल॰गवी॥ अस्ल॰ऽपमा। अस्मात्। वो। अनु भा २०१
ता। या॥११॥ छा॥२७॥ तस्याः। आ॰ दनम। ऋच्या॥ मुनिः। आ॰ शासनम्। वु
लुगः। जबध्यम॥१ अस्वगतस्य परि॰कृता॥२ अग्निः। क्रव्य॰अत्ता। दुःखा॥
अस्ल॰गवी। अस्ल॰ऽपमा। प्र॰विशप्त अपत्तिं॥३॥ सर्पाः। अस्य। अंगा। पर्वा। सू

ऽमनि। ऋश्यवत्॥१ छिनत्ति। अस्य। पितृ॰बंधु॥ परा भावयति। मातृ॰बंधु॥ पा
चि॰वा हनौ। ज्ञातीन्। सर्वान्। अपि। ज्ञापयति॥ अस्ल॰गवी। अस्ल॰ऽपस्य। दे-
त्रियाणाम्। अपुनः। दीयमाना॥ अवास्तुम्। एनम्। अस्वगम्॥ अप्रजसम्। कु-
रोति। अपुरा॰पुरणः। भवति। क्षीयतां॥ यः। एवम्। विदुषः। ब्राह्मणस्य। क्षत्रि-
यः। गाम्। आ॰ दत्ते॥६॥ छा॥२८॥ क्षिप्रम्। वै। तस्याः। आ॰ दहनेः। गृध्राः। कुर्व-
त। ऐलवम्॥१ तस्याः। आ॰ दहनम्। परि। नृत्यन्ति। केशिनीः। आ॰ घ्नानाः। पा-
णिना। उरसि। कुर्वाणाः। पापम्। ऐलवम्॥२ तस्याः। वास्तुषु। वृकाः। कुर्वत॥
ऐलवम्॥३ क्षिप्रम्। वै। तस्य। पृच्छन्ति॥ यत्। तत्। आसीत्। इदम्। नु। ता३त्
इति॥४ छिंधि। आ। छिंधि। प्र। छिंधि॥ अपि। क्षापय। क्षापय॥५ आ॰ददानम्।
आंगिरसि। ब्रह्म॰ज्यम्। उप। दासय॥६ विश्व॰देवी। हि। उच्यसे। कृत्या। कुल्व-

जम्। आ० रुजा॥ ७॥ उदस्तौ। सनु० उदस्तौ॥ अ ले ण। वज्र। ० हुर० पतिः। शयु
ः। सृअ। वि। धा। वा। यम॥ ८॥ आ। दस्रो॥ जिन। तामा। वर्द्धः॥ इष्ठम। ष्ठरसे। चा। आ०
शिषः॥ १०॥ आ० दायाजीतम्। जीतायां। जोके। अमु। ष्मिन्। अ। यच्छसि॥ ११॥ अप्सु
पद० वी। न्यां॥ आ ले ण स्या। अग्नि० शस्त्या॥ १२॥ मुनिः। शारण्या। नया॥ भुघात
अघ० विषा। नया॥ १३॥ आ। ह्यु। वा। शिरः। जुह्वि॥ अल० अस्या। सत० आगसः॥
दय० पीयोः। अराधसः॥ १४॥ वया। घ० पूर्व्यम्। त्रिदितम्॥ अग्निः। दद्। रुद्रः। उ०
चितम्॥ १५॥ ७॥ २०॥ वृश्च। प्र। वृश्च। सम्। वृश्च। दह। प्र। दह। सम्। दह॥ ११॥ २७२
अल० अपम्। दुवि। अघ्ने। आ। मूलात्। अनु० सं। दह। यथा। अस्तत्। यम०
सादनात्॥ पा पु० लोक। परा० वतः॥ ३॥ एव। त्वम्। दुवि। अघ्ने॥ अल० अ
स्या। सत० आगसः। दय० पीयोः। अराधसः॥ वज्रेण। शत० पर्वणा। तीक्ष्णे
न। हुर० स्रष्टिना॥ ५॥ प्र। स्कन्धान्। प्र। शिरः। जुह्वि॥ ४॥ लोमानि। अस्य। सम्। छिन्
धि। त्वचम्। अस्य। वि। वेष्टय॥ ७॥ मांसानि। अस्य। शातय। स्नावानि। अस्य। सम्
वृह॥ ८॥ अस्थीनि। अस्य। पीडय। मज्जानम्। अस्य। निः। जुह्वि॥ ९॥ सर्वा। अस्य।
अङ्गा। पर्वाणि। वि। श्रथय॥ १०॥ अग्निः। एनम्। क्रव्य० अत्। पृथिव्याः। नुदताम्।
उत्। ओषतु॥ वायुः। अन्तरिक्षात्। महतः। वरिम्णः॥ ११॥ सूर्यः। एनम्। दिवः।
प्र। नुदताम्। नि। ओषतु॥ १२॥ ७॥ २०॥ द्वादशमं काण्डं समाप्तम्॥ ७॥ श्रीगणे
शाय नमः॥ श्रीगुरुभ्यो नमः॥ उत्० एहि। वाजिन्। यः। अप्सु। अन्तः। इदम्। रा
ष्ट्रम्। प्र। विश। सून्ऋता० वत्॥ यः। रोहितः। विश्वम्। इदम्। जजान। सः। त्वा॥
राष्ट्राय। सु० भृतम्। बिभर्तु॥ १॥ उत्। वाजः। आ। गन्। यः। अप्० सु। अन्तः॥ वि
शः। आ। रोह। त्वत्० योनयः। याः॥ सोमम्। दधानः। अपः। ओषधीः। गाः॥ चतुः० पदः।

अ १।

द्रिः॰पदः। आ। वसायोइ्हा। रुरूयम्। उग्राः। मरुतः। पृश्नि॰मातरः। इक्षणा।
स्तुजा। जा। मृणीता। शक्नूना। आ। त्वे। ता। रा। दिल्लिः। श्रृणवृना। स्तुः॰ दानुवः॥ त्रिः॰ सु
स्त्रासः। मरुतः। स्वाङ्कु॰ संमुदः। रूदः। रूरोद्रा। रा। दिल्लिः। आ। रूरोद्रा। ग
जनीनाम्। जन्तु षाम्। उप॰ स्तुम्॥ ता। सिः। सम॰ स्नुम्। अनु। अपि। विंदुना। घटी
उवीः॥ गाउम्। प्र॰पश्यना। इद्। राष्ट्रम्। आ। अप। लुधा॥ ४ आ। ना। राष्ट्रम्। इ्दा। से
स्कुतु हितः। अपदाषीता। वि। आ। स्तुना। मघ। अजन्यम्। ता। अप। रूता। नक्षिता। द्यावा
पृथिवी इति। रुवतीनिः॥ कामम्मा। उदाथाम्। इद्। शाकरी। निः॥ ५। रा। दिल्लिः। द्या
वा पृथिवी इति। जुजानू॥ तत्र। ततुमे। परमे॰ स्तुवी॥ तुनानु॥ तत्र। शिश्रि। य। अजु
ः। एक॰पादः। अद्दता। द्यावापृथिवी इति। बलेन॥ ६। रा। हितः। द्यावापृथिवी
इति। अद्दता। तेना। स्वः। स्तनितम्। तेना। नाकः॥ तेना। अन्तरिक्षम्। वि॰मिता। र

...MEMORIAL

अस्ति॥ तने। दवाः। प्रमनेश। पनु। प्रचिदंत्र॥ ७॥ विशेहितः। प्रमत्यात। वक्ष॰कु
पश्च। सप्त॰ आकृ वाणः। प्र॰रूतेन। रूद्धः। य। दिवम्। रूद्धो। महता। महिम्ना। सम्रती
राष्ट्रम्। प्रन क्रुपियंसा। घृतेन। ता। याः॥ ते। स्हः। प्र॰स्ता। याः। तौ। आ॰रूद्रः॥ यानि
आ॰प्रणा। सि। दिवेश। पंतरिक्षम्॥ ता। सामृ। जजेरा। पयसा। वृदृ। घानः। विशि
रो। गृह्ण। गृदि। रा। हितः॥ ८॥ याः। ते। विरः। तपसा। सम्॰नजुवुः। वसेष। गायत्रीर
अनीताः। इहा। पा। प्रगुः॥ ताः। वा। पा। विरांचु। मनसा। शिवेन॥ सम्॰ मता। वक्ष
अग्नि। एचा। रा। हितः॥ ९॥ १०॥ ऊर्ध्वः। ता। हितः। पाचीना। को। पश्चात्॥ वि सारू
पा। हि। जनयत्र। पुरः। कविः॥ तिग्मनः। अग्निः। ज्योतिषा। वि। भाति॥ तृतीये। न। केरज
सि। प्रियाणि॥ १॥ सुद॰ स्ट॰ शृंगः। वृषभः। जात॰ वेदः। घृत॰ पादृतः। सोम॰ पृष्ठः।
सु॰वीरः। मा। माहः। सीदः। नाधितः। नाइत्रा। वा। जहानि॥ गो॰ पोषम्। वम्। वीर॰
पोषम्। यावोद्रि। २। रौहितेः। यज्ञस्य। जनिता। मुखम्। शाया। रो। हिता। यो। वाचो। श्रोत्रेण।

मनसा। गुहा। न॥ १॥ ८ तम्। देवाः। प्रति। सुऽमनस्यमानाः॥ सः। मा। रोहितः। साम्ऽ
इत्ति। रोहतु। यज्ञ॥ ३॥ रोहितः। यज्ञम्। वि। अदधात्। विश्वऽकर्मणे। तस्मात्। तेजांसि।
उप। मा। इमानि। आ। अगुः। वोचेयम्। ते। नाभिम्। भुवनस्य। अधि। मज्मनि॥ आ।
त्वा। रुरोह। बृहती। उत। पङ्क्तिः॥ (आ। त्वा। रुरोह। रोहितः। रेतसा। सह) ककुप्।
वर्चसा। जातऽवेदः॥ आ। त्वा। रुरोह। उष्णिहाऽअक्षरः। वषट्ऽकारः॥ आ। त्वा।
रुरोह। रोहितः। रेतसा। सह॥ अयम्। वस्ते। गर्भम्। पृथिव्याः॥ दिवम्। वस्ते।
अयम्। अन्तरिक्षम्॥ अयम्। ब्रध्नस्य। विष्टपि। स्वः। लोकान्। वि। आनशे॥
वाचःऽपते। पृथिवी। नः। स्योना। स्योना। योनिः। तल्पा। नः। सुऽशेवा॥ १४॥
इह। एव। प्राणः। सख्ये। नः। अस्तु। तम्। त्वा। परमेऽस्थिन्। परि। अग्निः। आयुषा।
वर्चसा। सौ। दधातु॥ पते। सेनवः॥ १॥ ... पंचोसी ... ३

पं दका। श्रीनारायण रि७

वः। पंच। ये। नः॥ वैश्वऽकर्मणाः। परि। ये। सम्ऽबभूवुः॥ परि। रोहितः। आयुषा।
वर्चसा। दधातु॥ वाचःऽपते। सौमनसम्। मनः। च॥ गोऽस्थे। नः। गाः। जनय।
योनिषु। अग्ने॥ इह। एव। प्राणः। सख्ये। नः। अस्तु॥ तम्। त्वा। परमेष्ठिन्। प
रि। रोहितः। आयुषा। वर्चसा। दधातु॥ ९॥ परि। त्वा। धात्। सविता। देवः। अ
ग्निः॥ वर्चसा। मित्रावरुणौ। अभि। त्वा। सर्वाः। अरातीः। अवऽक्रामन्। आ। इहि। इ
दम्। राष्ट्रम्। अकरः। सूनृतऽवत्॥ १०॥ छ॥ २॥ यम्। त्वा। पृषती। रथे। प्रष्टिः। व
हति। रोहित॥ शुभा। यासि। रिणन्। अपः॥ ११॥ अनुऽव्रता। रोहिणी। रोहितस्य।
सूरिः। सुऽवर्णा। बृहती। सुऽवर्चाः॥ तया। वाजान्। विश्वऽरूपान्। जयेम॥ त
या। विश्वाः। पृतनाः। अभि। स्याम॥ १२॥ इदम्। सदः। रोहिणी॥ रोहितस्य।
असौ। पन्थाः। पृषती। येन। याति॥ ताम्। गन्धर्वाः। कश्यपाः। उत्। नयन्ति।

पदकांड १३

तामा। रक्षंति। कवयः। अप्र०मादम्॥ ३॥ सूर्यस्य। अश्वाः। हरयः। केतु०मंतः।
सदा। वहंति। अमृताः। सु०खम्। रथम्। घृत०पावा। रोहितः। भ्राजमानः। दि
वम्। देवः। पृषतीम्। आ। विवेश॥ ४॥ यः। रोहितः। वृषभः। तिग्म०शृंगः। प
रि। अग्निम्। परि। सूर्यम्। बभूव। यः। वि०स्तभ्नाति। पृथिवीम्। दिवम्। च। तस्मा
त्। देवाः। अधि। सृष्टीः। सृजंते॥ रोहितः। दिवम्। आ। अरुहत्। महतः। परि।
अर्णवात्॥ सर्वाः। रुरोह। रोहितः। रुहः॥ ६॥ वि। मिमीष्व। पयस्वतीम्। घृताची
म्। देवानाम्। धेनुः। अनप०स्पृक्। एषा॥ इंद्रः। सोमम्। पिबतु। क्षेमः। अस्तु। अ
ग्निः। प्र। स्तौतु। वि। मृधः। नुदस्व॥ ७॥ सम्०इद्धः। अग्निः। सम्०इधानः। घृत०वृ २७५
द्धः। घृत०आहुतः। अभीषाट्। विश्वाषाट्। अग्निः। स०पत्नान्। हंतु। ये। म
म। हंतु। एनान्। प्र। दहतु। अरिः। यः। नः। पृतन्यति। क्रव्य०अदा। अग्नि

८

ना। वयम्। स०पत्नान्। प्र। दहामसि॥ १०॥ अवाचीनान्। अव। जहि। इंद्र। व
ज्रेण। बाहु०मान्॥ अध। स०पत्नान्। मामकान्। अग्नेः। तेजः०भिः। आ। अ
दिषि॥ १०॥ ७॥ २॥ अग्ने। स०पत्नान्। अधरान्। पादय। अस्मत्। व्यथय।
स०जातम्। उत्०पिपानम्। बृहस्पते॥ इंद्राग्नी इति। मित्रावरुणौ। अधरा। प
द्यंताम्। अप्रति०मन्यूयमानाः॥ १३॥ उत्०यन्। त्वम्। देव। सूर्य॥ स०पत्नान्।
अव। मे। जहि। अव। एनान्। अश्मना। जहि॥ ते। यंतु। अधमम्। तमः॥ १४॥ व
त्सः। वि०राजः। वृषभः। मतीनाम्। आ। रुरोह। शुक्र०पृष्ठः। अंतरिक्षम्॥
घृतेन। अर्कम्। अभि। अर्चंति। वत्सम्। ब्रह्म। संतम्। ब्रह्मणा। वर्धयंति॥ १५॥
दिवम्। च। रोह। पृथिवीम्। च। रोह। राष्ट्रम्। च। रोह। द्रविणम्। च। रोह॥ सं
प्र०जाम्। च। रोह। अमृतम्। च। रोह। रोहितेन। तन्वम्। सम्। स्पृशस्व॥ १६॥ ये। देवाः।

१५

राष्ट्र॰ भृतः। अपराजितः। यंति। स्वर्यम्॥ तेः। तु। राक्षितः। सम्॰ विदानः॥ राष्ट्रमा धु
कातु। सु॰ मनस्यमानः॥ ५॥ उत। वा। यशाः। अलं॰ कृताः। वदंति॥ अधः॰ गतः।
हस्यः। वा। वदंतु॥ तिरः। समुद्रम्। अति। राषसो। अर्णवम्॥ राक्षितो। धा। वस्त्र
शिवीः इति। अधि॰ ष्टितः। इति॥ वसु॰ जित्। गो॰ जित्। संधन॰ जित्॥ ४ सहस्रम्।
अस्य। ज निमा नि। सहस्रधा। वोयेन्म। तु। नाभिम्। भुवनस्य। अधि मृष्मनि॥ ७॥
यशांयासि। अं॰ दिशः। दिशः। वा॥ यशाः। पृश्नि नाम। उत। वृषणी नाम॥ यशाः।
पृथिव्याः। अदित्याः। उप॰ स्थे। अहम्। भूयासम्। सविता। इव। चारुः॥ ८॥ २७४
अमुत्रा। सन्। इह। वृत्त। इतः। सन्। तानि। पश्यसि॥ इतः। पश्यंति। रोचनम्। दि
वि। स्वर्यम्। विपः॰ चितम्॥ देवः। देवान्। मर्चयसि। अंतः। चरसि। अर्णवा॥ स
मानम्। अग्निम्। इंधते। तम्। विदुः। कवयः। परासः॥ १०॥ अवः। परेण। इति। इध

सिर अवमरे से तिपूर्वा

१५ १५॥

॥१०॥ ७॥ ४॥ एक॰ पदी। द्वि॰ पदी। सा। चतुः॰ पदी॥ अष्टा॰ पदी। नव॰ पदी। बभू
वुषी। सहस्र॰ अक्षरा। भुवनस्य। पंक्तिः। तस्याः। समुद्राः। अधि। वि। क्षरंति
॥ ७॥ आ॰ रोहन्। धाम्। अमृतः। प्र। अवाम्। धवसा॥ उत। वा। यशाः। अलं॰ कृताः।
वदंति। अधः॰ गतः। हस्यः। वा। वदंति॥ २। वदततो। तु। अमुष्य। यतो। तु। आ॰ कम
णम्। दिवि॥ यतः। तु। सध॰ स्थम्। परामो। वि॰ ऊमन॥ ३ सूर्यः। धाम्। सूर्यः। पृथिवी
म्। सूर्यः। आपः। अति। पश्यति॥ सूर्यः। भूतस्य। एकम्। चक्षुः। आ। रुरोह। दि
वम्। महीम्॥ ४॥ उर्वीः। आसन्। परि॰ धयः। वेदिः। भूमिः। अकल्पत। तत्र। एतौ।
अग्नी इति। आ। अधत्त। हिमम्। घ्रंसम्। च। राक्षितः। ५ हिमम्। घ्रंसम्। च। आ॰ धा
य। यूपान्। कृत्वा। पर्वतान्॥ वर्ष॰ आज्यौ। अग्नी इति। ईजाते इति। रा क्षितस्यः। स्व
ः॰ विदः॥ ७॥ स्वः॰ विदः। राक्षितस्य। ब्रह्मणा। अग्निः। समा। इध्यते॥ तस्मात्। घ्रंसः।

(८)

तस्मात् । हिमः । तस्मात् । यशः । अजायत ॥ ९ ब्रह्मणो । अग्नी इति विवृध्यानो ॥
ब्रह्म० वृद्धो । ब्रह्म० आ ज्ञातो ॥ ब्रह्म० इद्धो । अग्नी इति ईंगातु इति ॥ रोहितस्य ।
स्वः० विदः ॥ ९ स ओ अन्यः । सम० आहितः । अ० स्तु । अन्यः । समा इ [illegible] ज्यातु ॥ १०
॥ ७ ॥ पयसा । वासः । पुरि० श्रुं जनी । यम् । वा । इन्द्रः । ब्रह्मणः । पतिः ॥ ब्रह्म० इद्धो । अ
ग्नी इति ईंगातु इति ॥ रोहितस्य । स्वः० विदः ॥ १ ॥ बहिम् । उत्तमम् । कल्पयित्वा ॥
दिक्षु । लवा । दक्षिणाम् ॥ भूं सम् । तत् । अग्निम् । लवा । वृकास्य विश्वम् । आलम्
न० वत् ॥ वार्षण्ये आज्येन । राहितः ॥ २ ॥ वृषभा । आज्यः । भूं सः । अग्निः । वेदि
ष्टभिः । अकल्पयत् ॥ तत्र । एतान् । पर्वतान् । अग्निः ॥ गीः० भिः । ऊर्ध्वान् । अकल्पय २११
त ॥ ३ ॥ गीः० भिः । उद्भुनी । कल्पयित्वा । रोहितः । रमिम् । अब्रवीत ॥ यस्मि इदम् ।
सर्वम् । जायतम् । यत् । भूतम् । यत् । च । भाव्यम् ॥ ४ ॥ सः । यज्ञः । प्रथमः । भूतः ॥

पब्रला । ज्ञो । वी । जगा । च

०व्यः । अजायत ॥ तस्मात् । ह । यज्ञे । इदम् । सर्वम् ॥ यत् । किम् । च । इद
म् । वि० राजति ॥ राहितेन । ऋषिणा । आ० भृतम् ॥ ५ यः । च । गाम् । पदा । स्फु
रति ॥ प्रत्यङ् । सूर्यम् । च । मेहति ॥ तस्य । वृश्चामि । ते । मूलम् ॥ न । छायाम् ।
करवः । अपरम् ॥ ६ यः । मा । अभि० छायाम् । अति० एषि । माम् । च । अग्नि
म् । च । अन्तरा ॥ तस्य । वृश्चामि । ते । मूलम् ॥ न । छायाम् । करवः । अपरम् ।
॥ ७ ॥ यः । अद्य । देव । सूर्य ॥ त्वाम् । च । माम् । च । अन्तरा । अयति ॥ दुः० स्व
प्न्यम् । तस्मिन् । शमलम् ॥ दुः० इतानि । च । मृज्महे ॥ ८ ॥ मा । प्र । गाम । प
थः । वयम् ॥ मा । यज्ञात् । इन्द्र । सोमिनः ॥ मा । अन्तः । स्थुः । नः । अरातयः ॥ ९
यः । यज्ञस्य । प्र० साधनः । तन्तुः । देवेषु । आ० ततः ॥ तम् । आ० हुतम् । अ

नी

मी श्रीमुद्रि॥१०॥ श्रा॥ ६ उत। अस्य। केतवः। दिवि॥ शुक्राः। भ्राजंतः। ईरते॥ आ
आदित्यस्य। नृ०चक्षसः॥ महि०व्रतस्य। मीढुषः॥ १ दिशाम्। ग्र० शानीं। मुं॥
स्वरयंतम्। अर्चिषा॥ सु०पक्षम्। आशुं। पतयंतम्। अर्णवे॥ स्तवाम। सूर्य
म्। भुवनस्य। गोपाम्॥ यः। रश्मि०भिः। दिशः। आ०भाति। सर्वाः॥ यत॥ श्रा
ष्ठ०। प्रत्य। श्रा। स्वधया। यासि। शीभम्॥ नानारूपे इति। नाना०रूपे॥ अह्नी
इति। कर्षिमायया॥ तत्। आदित्य। महि। तत्। ते। महि। श्रवः॥ यत्। एकः। विश्व
म्। परि। भूम। जायसे॥ ३ विप०चितम्। तरणिम्। भ्राजमानम्॥ वहंति। यम्। ह
रितः। सप्त। बह्वीः॥ स्रुतात्। यम्। अत्रिः। दिवम्। उत०निनाय्य। तम्। त्वा। पश्य
ति। परि०यातम्। आजिम्॥ मा। त्वा। दभन्। परि०यातम्। आजिम्॥ स्वस्ति

कुः। गाना। अति। याहि। शीभम्॥ दिवम्। च। सूर्य। पृथिवीम्। च। देवीम्॥ अहो
रात्रे इति। वि०मिमानः। यत्। एषि॥ स्वस्ति। ते। सूर्य। चरसे। रथाय॥ येन।
उभौ। अंतौ। परि०यासि। सद्यः॥ यम्। ते। वहंति। हरितः। वहिष्ठाः॥ शतम्।
अश्वाः। यदि। वा। सप्त। बह्वीः॥ सु०खम्। सूर्य। रथम्। अंशु०मंतम्। स्योनम्।
सु०वह्निम्। अधि। तिष्ठ। वाजिनम्॥ यम्। ते। वहंति। हरितः। वहिष्ठाः। शतम्।
अश्वाः। यदि। वा। सप्त। बह्वीः॥ ७ सप्त। सूर्यः। हरितः। यातवे। रथे॥ हिरण्य०त्व
चसः। बृहतीः। अयुक्त॥ अमोचि। शुक्रः। रजसः। पुरस्तात्॥ वि०धूय। देवः। त
मः। दिवम्। आ। अरुहत्॥ ८ उत्। केतुना। बृहता। देवः। आ। अगन्॥ अप। अ
वृक्। तमः। अभि। ज्योतिः। अश्रैत्॥ दिव्यः। सु०पर्णः। सः। वीरः॥ वि। अख्यत्। अ
दितेः। पुत्रः। भुवनानि। विश्वा॥ ९॥ उत्०यन्। रश्मीन्। आ। तनुषे॥ विश्वा। रू

MEMORIAL

प॰ ३॥ वा॥ अ॰ ५

पारिणम्। पुत्र्यसि॥ उत। समुद्रः। क्रतुना। वि। भासि॥ सर्वान्। लोकान्। परिऽभूः।
भ्राजमानः॥१०॥३॥ पूर्वऽअपरम्। चरतः। मायया। एतौ। शिशू इति। क्रीडं-
तौ। परि। यातः। अर्णवम्॥ विश्वा। अन्यः। भुवना। विऽचष्टे। हैरण्यैः। अन्यम्। ह-
रितः। वहंति॥११॥ दिवि। त्वा। अत्रिः। अधारयत्। सूर्य। मासाय। कर्तवे॥ सः। ए-
षि। सुऽधृतः। तपन्। विश्वा। भूता। अवऽचाकशत्॥१२॥ उभौ। अंतौ। सम्। अर्षसि।
वत्सः। संमातरौऽइव॥ ननु। एतत्। इतः। पुरा। ब्रह्म। देवाः। अमी इति। वि-
दुः॥१३॥ यत्। समुद्रम्। अनु। श्रितम्। तत्। सिसासति। सूर्यः॥ अध्वा। अस्य। विऽत-
तः। महान्। पूर्वः। च। अपरः। च। यः॥१४॥ तम्। सम्। आप्नोति। जूतिऽभिः। ततः। न। अप- २७९
चिकित्सति॥ तेन। अमृतस्य। भक्षम्। देवानाम्। न। अव। रुंधते॥१५॥ उत्। ऊं इ-
ति। त्यम्। जातऽवेदसम्। देवम्। वहंति। केतवः॥ दृशे। विश्वाय। सूर्यम्॥१६॥ अप।

त्यं

त्ये। तायवः। यथा। नक्षत्रा। यंति। अक्तुऽभिः॥ सूराय। विश्वऽचक्षसे॥१७॥ अदृ-
श्रन्। अस्य। केतवः। वि। रश्मयः। जनान्। अनु॥ भ्राजंतः। अग्नयः। यथा॥१८॥ त-
रणिः। विश्वऽदर्शतः। ज्योतिःऽकृत्। असि। सूर्य॥ विश्वम्। आ। भासि। रोचन॥१९॥
प्रत्यङ्। देवानाम्। विशः। प्रत्यङ्। उत्। एषि। मानुषीः॥ प्रत्यङ्। विश्वम्। स्वः। दृ-
शे॥२०॥ येन। पावक। चक्षसा। भुरण्यंतम्। जनान्। अनु॥ त्वम्। वरुण। पश्य-
सि॥२१॥ वि। द्याम्। एषि। रजः। पृथु। अहा। मिमानः। अक्तुऽभिः॥ पश्यन्। जन्मानि। सू-
र्य॥२२॥ सप्त। त्वा। हरितः। रथे। वहंति। देव। सूर्य॥ शोचिःऽकेशम्। विऽचक्षण॥२३॥
अयुक्त। सप्त। शुंध्युवः। सूरः। रथस्य। नप्त्यः॥ ताभिः। याति। स्वयुक्तिऽभिः॥२४॥ रोहि-
तः। दिवम्। आ। अरुहत्। तपसा। तपस्वी॥ सः। योनिम्। आ। एति। सः। ऊं इति। जा-
यते। पुनः॥ सः। देवानाम्। अधिऽपतिः। बभूव॥२५॥ यः। विश्वऽचर्षणिः। उत। वि-

श्वतः॰मुखः। यः। विश्वतः॰पाणिः। उत। विश्वतः॰हस्तः॥ सम्। बाहु॰भ्याम्। ध
मति। सम्। पतत्रैः। द्यावाभूमी इति। जनयन्। देवः। एकः॥ १॥ एक॰पात्। द्वि
॰पदः। भूयः। वि। चक्रमे। द्वि॰पात्। त्रि॰पदम्। अभि। एति। पश्चात्॥ द्वि॰पात्
ह। षट्॰पदः। भूयः। वि। चक्रमे। ते। एक॰पदः। तन्वम्। सम्। आसते॥ २॥ अ
तन्द्रः। यास्यन्। हरितः। यत्। आ॰अस्थात्॥ द्वे इति। रूपे इति। कृणुते। रोच
मानः॥ केतु॰मान्। उत्॰यन्। सहमानः। रजांसि। विश्वा। आदित्य। प्र॰वतः।
वि। भासि॥ ३॥ बट्। महान्। असि। सूर्य। बट्। आदित्य। महान्। असि॥ महः।
ते। सतः। महिमा॥ बम्। आदित्य। महान्। असि॥ ५॥ रोचसे। दिवि। रोचसे। २८७
अन्तरिक्षे। पतंग। पृथिव्याम्। रोचसे। रोचसे। अप्॰सु। अन्तः॥ उभा। समुद्रौ।
रुच्या। वि। आ। पिथ। देवः। देवः। असि। महिषः। स्वः॰जित्॥ १०॥ छ॥ ५॥ अर्वाक्॰प

३५१

रश्मिन्। प्र॰च्यवनः। वि॰अध्वः। आ॰अशुः। वि॰पः॰चित्। पतयन्। पतंगः॥ विष्णुः।
वि॰चक्रे। श्राक्ता। अधि॰तिष्ठन्॥ त्र। कृनास। सवान्। विश्वम्। एजत्॥ १॥
चित्रः। चिकितान्। महिषः। स्व॰पुर्णः। आ॰रोचयन्। रोदसी इति। अन्तरिक्ष
म्॥ अहा। रात्री इति। परि। सूर्यम्। वसाने इति। प्र। अस्य। विश्वा। तिरतः। वी
र्याणि॥ २॥ तिग्मः। वि॰भ्राजन्। तन्वम्। शिशानः। अरम्॰गमासः। प्र॰वतः। अ
रणः॥ ज्योतिष्मान्। पक्षी। महिषः। वयः॰धाः। विश्वाः। आ। अस्थात्। प्र॰
दिशः। कल्पमानः॥ ३॥ चित्रम्। देवानाम्। केतुः। अनीकम्॥ ज्योतिष्मान्। प्र
॰दिशः। सूर्यः। उत्॰यन्॥ दिवा॰करः। अति। द्युम्नैः। तमांसि। विश्वा। अता
रीत्। दुः॰इतानि। शुक्रः॥ ४॥ चित्रम्। देवानाम्। उत्। अगात्। अनीकम्। चक्षुः।
मित्रस्य। वरुणस्य। अग्नेः॥ आ। अप्राः। द्यावापृथिवी इति। अन्तरिक्षम्। सूर्यः॥

आत्मा। जगतः। तस्थुषः। च॥५॥ उच्चा। पतन्तम्। अरुणम्। सु०पर्णम्॥ मध्ये। दि
वः। तरणिम्। भ्राजमानम्॥ पश्याम। त्वा। सवितारम्। यम्। आहुः॥ अजस्रम्।
ज्योतिः। यत्। अविन्दत्। अत्रिः॥६॥ दिवः। पृष्ठे। धावमानम्। सु०पर्णम्। अ
दित्याः। पुत्रम्। नाथ०कामः। उप। यामि। भीतः॥ सः। नः। सूर्य। प्र। तिर। दी
र्घम्। आयुः॥ मा। रिषाम। सु०मतौ। ते। स्याम॥७॥ सहस्राह्न्यमि [illegible] न
रोहितः। कालः। अभवत्। रोहितः। अग्रे। प्रजा०पतिः॥ रोहितः। यज्ञाना
म्। मुखम्॥ रोहितः। स्वः। आ। अभरत्॥८॥ रोहितः। लोकः। अभवत्। रोहि
तः। अति। अतपत्। दिवम्॥ रोहितः। रश्मि०भिः। भूमिम्। समुद्रम्। अनु। स
म्। चरत्॥१०॥७॥१०॥ सर्वाः। दिशः। सम्। अचरत्। रोहितः। अधि०पतिः। दि
वः॥ दिवम्। समुद्रम्। आत्। भूमिम्। सर्वम्। भूतम्। वि। रक्षति॥१॥ आ०रोह- २९१

न्। शुक्रः। बृहतीः। अतन्द्रः॥ द्वे इति। रूपे इति। कृणुते। रोचमानः॥ चित्रः।
चिकित्वान्। महिषः। वातम्। आ०याः। यावतः। लोकान्। अभि। यत्। वि०भा
ति॥ अभि। अन्यत्। एति। परि। अन्यत्। अस्यते। अहोरात्राभ्याम्। महिषः।
कल्पमानः॥ सूर्यम्। वयम्। रजसि। क्षियन्तम्॥ गातु०विदम्। हवामहे। नाध
मानाः॥ पृथिवी०प्रः। महिषः। नाधमानस्य। गातुः॥ अदब्ध०चक्षुः। परि। वि
श्वम्। बभूव॥ विश्वम्। सम्०पश्यन्। सु०विदत्रः। यजत्रः॥ इदम्। शृणोतु। य
त्। अहम्। ब्रवीमि॥४॥ परि। अस्य। महिमा। पृथिवीम्। समुद्रम्॥ ज्योतिषा। वि
०भ्राजन्। परि। द्याम्। अन्तरिक्षम्॥ सर्वम्। सम्०पश्यन्। सु०विदत्रः। यजत्र
ः॥ इदम्। शृणोतु। यत्। अहम्। ब्रवीमि॥५॥ अबोधि। अग्निः। सम्०इधा। जनाना
म्॥ प्रति। धेनुम्०इव। आ०यतीम्। उषसम्॥ यह्वाः०इव। प्र। वयाम्। उत्

न॰जिष्ठ्वनाः। ग्रा। पानक। स्त्रि। स्त्रु। लु। नाकम्। अस॰छ्या। ५॥ ७॥ ११॥ द्वितीयानुवा
कः॥ षष्ठ्या॥ यः। इमे इति। द्यावापृथिवी इति। जजान। यः। द्रापिम्। कृत्वा। भुवना
नि। वस्ते। यस्मिन्। क्षियंति। प्र॰दिशः। षट्। उर्वीः। याः। पतंगः। अनु। वि॰चा
कशीति॥ तस्य। देवस्य। क्रुद्धस्य। एतत्। आगः। यः। एवम्। विद्वांसम्। ब्रा
ह्मणम्। जिनाति॥ उत्। वेपय। रोहित। प्र। क्षिणीहि। ब्रह्म॰ज्यस्य। प्रति। मु
ञ्च। पाशान्॥ यस्मात्। वाताः। ऋतु॰था। पवंते। यस्मात्। समुद्राः। अधि। वि
॰क्षरंति। तस्य॥ २॥ यः। मारयति। प्राणयति। यस्मात्। प्राणंति। भुवनानि। विश्वा।
तस्य॥ ३॥ यः। प्राणेन। द्यावापृथिवी इति। तर्पयंति। अपानेन। समुद्रस्य। ज २८
ठरम्। यः। पिपर्ति। तस्य॥ ४॥ यस्मिन्। वि॰राट्। परमे॰स्थी। प्रजा॰पतिः॥ अ
ग्निः। वैश्वानरः। सह। पंक्त्या। श्रितः॥ यः। परस्य। प्राणम्। परमस्य। तेजः।

आ॰ददे। तस्य॥ ५॥ यस्मिन्। षट्। उर्वीः। पंच। प्र॰दिशः। अधि। श्रिताः। चतस्रः।
आपः। यज्ञस्य। त्रयः। अक्षराः। यः। अंतरा। रोदसी इति। क्रुद्धः। चक्षुषा। ऐ ३
क्षत। तस्य॥ ६॥ यः। अन्न॰अदः। अन्न॰पतिः। बभूव। ब्रह्मणः। पतिः। उत। यः॥
भूतः। भुवनस्य। यः। पतिः। तस्य॥ ७॥ अहः॰रात्रैः। वि॰मितम्। त्रिं
शत्। अंगम्। त्रयः॰दशम्। मासम्। यः। निः॰मिमीते। तस्य॥ ८॥ कृष्णम्। नि॰या
नम्। हरयः। सु॰पर्णाः। अपः। वसानाः। दिवम्। उत्। पतंति॥ ते। आ। अववृत्र
न्। सदनात्। ऋतस्य। तस्य॥ ९॥ यत्। ते। चंद्रम्। कश्यप। रोचन॰वत्। यत्।
सम्॰हितम्। पुष्कलम्। चित्र॰भानु॥ यस्मिन्। सूर्याः। आर्पिताः। सप्त। साकम्।
तस्य॥ १०॥ ७॥ ११॥ बृहत्। एनम्। अनु। वस्ते। पुरस्तात्॥ रथम्॰तरम्। प्रति। गृ
ह्णाति। पश्चात्॥ ज्योतिः। वसाने इति। सदम्। अप्र॰मादम्। तस्य॥ १॥ बृहत्। अन्य

तः। पुरः। आसीत्॥ रथम्॰ तुरम्। अनु। अतः। स। अनु। इति। सं॰ जनो। स। द्री। यी। इ
ति॥ यतः। राद्विम्। अजनयंत। देवाः। तस्य॥ ३॥ सः। वरुणः। सायम्। अग्निः॥
भवति॥ सः। मित्रः। भवति। प्रातः। उत्॰यन्॥ सः। सविता। भूत्वा। अंतरिक्षेण।
याति॥ सः। इंद्रः। भूत्वा। तपति। मध्यतः। दिवम्। तस्य॥ १३॥ सहस्र॰अह्न्यम्। वि
॰यत्ति। अस्य। पक्षौ। हरेः। हंसस्य। पततः। स्वः॰गम्॥ सः। देवान्। सर्वान्। उर
सि। उप॰सद्य। सम्॰पश्यन्। याति। भुवनानि। विश्वा। तस्य॥ १४॥ अयम्। सः। दे
वः। अप्॰सु। अंतः॥ सहस्र॰मूलः। पुरु॰शाकः। अत्त्रिः। यः। इदम्। विश्वम्।
भुवनम्। जजान। तस्य॥ १५॥ शुक्रम्। वहंति। हरयः। रघु॰स्यदः॥ देवम्। दिवि। व
र्चसा। भ्राजमानम्॥ यस्य। ऊर्ध्वाः। दिवम्। तन्वः। तपंति। अर्वाङ्। सु॰वर्णैः।
पटरैः। वि। भाति। तस्य॥ १६॥ येन। आदित्यान्। हरितः। सम्॰वहंति॥ येन। यज्ञेन।

MEMORIAL

बहवः। यंति। प्र॰जानंतः॥ यत्। एकम्। ज्योतिः। बहु॰धा। वि॰भाति। तस्य॥ १७॥
सप्त। युंजंति। रथम्। एक॰चक्रम्। एकः। अश्वः। वहति। सप्त॰नामा॥ त्रि॰ना
भि। चक्रम्। अजरम्। अनर्वम्। यत्र। इमा। विश्वा। भुवना। अधि। तस्थुः। तस्य
॥ १८॥ अष्ट॰धा। युक्तः। वहति। वह्निः। उग्रः॥ पिता। देवानाम्। जनिता। मतीनाम्॥
सूत्रस्य। तंतुम्। मनसा। मिमानः। सर्वाः। दिशः। पवते। मातरिश्वा। तस्य॥ १९॥ सम्यं
चम्। तंतुम्। प्र॰दिशः। अनु। सर्वाः। अंतः। गायत्र्याम्। अमृतस्य। गर्भे। तस्य॥ २०॥
॥ १०॥ ६॥ १३॥ नि॰म्रुचः। तिस्रः। वि॰उषः। ह। तिस्रः। त्रीणि। रजांसि। दिवः। अंगाः
तिस्रः॥ विद्म। ते। अग्ने। त्रेधा। जनित्रम्। त्रेधा। देवानाम्। जनिमानि। विद्म॥
तस्य॥ २१॥ वि। यः। और्णोत्। पृथिवीम्। जायमानः॥ आ। समुद्रम्। अदधात्। अंत
रिक्षे। तस्य॥ २२॥ त्वम्। अग्ने। क्रतु॰भिः। केतु॰भिः। हितः। अर्कः। सम्॰इद्धः। उत्।

ऽपारा। यथ्याः॥ दिवि॥ किम्। अग्निं। आर्चन्। मरुतः। इन्द्र॰मातरः॥ यत्। रात्रि
तम्। अपगन्यन्त। देवाः॥ तस्य। इयः। आक्र॰दाः। अज॰दाः। यस्य। विश्वे। उप
॰आसत। प्र॰शिषम्। यस्य। देवाः॥ यः। सः। अस्य। द्वि॰पदः। यः। चतुः॰प
दः। तस्य॥ ४ एक॰पात्। द्वि॰पदः। भूयः। वि। चक्रमे। द्वि॰पात्। त्रि॰पादम्। अभि।
एति। पश्चात्॥ चतुः॰पात्। चक्रे। द्वि॰पदाम्। अभि॰स्वरे॥ सम्॰पश्यन्। पङ्क्तिं।
उप॰तिष्ठमानः॥ तस्य। देवस्य। क्रुद्धस्य। एतत्। आगः॥ यः। एवम्। विद्वांसं।
सम्। ब्राह्मणम्। जिनाति॥ उत्। वेपय। रोहित। प्र। क्षिणीहि। ब्रह्म॰ज्यस्य। प्र
ति। मुञ्च। पाशान्॥ ५ सत्याः। पुत्रः। अर्जुनः। सात्याः। वत्सः। अगायत॥ सः। दु
धाम्। अपि। दुहिता॥ ... ॥ ७॥ १४॥ पङ्क्तिं शत्॥ सः। एति।
सविता। स्वः। दिवः। पृष्ठे। अव॰चाकशत्॥ रश्मि॰भिः। नभः। आ॰भृतम्। मह २८४

इन्द्रः। एति। आ॰वृतः॥ १ सः। धाता। सः। वि॰धर्ता। सः। वायुः। नभः। उत्॰
श्रितम्॥ सः। अर्यमा। सः। वरुणः॥ सः। रुद्रः। सः। महा॰देवः॥ सः। अग्निः। स
ः। ऊं इति। सूर्यः। सः। ऊं इति। एव। महा॰यमः॥ तम्। वत्साः। उप। तिष्ठन्ति। एक॰शी
र्षाणः। युताः। दश॥ पश्चात्। प्राञ्चः। आ। तन्वन्ति। यत्। उत्॰एति। वि। भासति॥ तस्य।
एषः। मारुतः। गणः॥ सः। एति। शिक्या॰कृतः॥ रश्मि॰भिः। नभः। आ॰भृतम्॥ मह
इन्द्रः। एति। आ॰वृतः॥ तस्य। इमे। नव। कोशाः॥ वि॰स्तम्भाः। नव॰धा। हिताः॥ स
ः। प्र॰जाभ्यः। वि। पश्यति॥ यत्। च। प्राणति। यत्। च। न॥ तम्। इदम्। नि॰गतम्। सह
ः॥ सः। एषः। एकः। एक॰वृत्। एकः। एव॥ एते। अस्मिन्। देवाः। एक॰वृतः। भव
न्ति॥ ॥ ७॥ १५॥ यथोद्देश॥ कीर्तिः। च। यशः। च। अम्भः। च। नभः। च। ब्राह्मण॰वर्च
सम्। च। अन्नम्। च। अन्न॰अद्यम्। च॥ यः। एतम्। देवम्। एक॰वृतम्। वेद॥ द्वि

तीयः। न। तृतीयः॥ चतुर्थः। न। अपि। उच्यते॥ न। पंचमः। न। षष्ठः॥ सप्तमः। न॥
अपि। उच्यते॥ न। अष्टमः। न। नवमः। दशमः। न। अपि। उच्यते॥ सः। सर्वस्मै॥
वि। पश्यति। यत्। च। प्राणति। यत्। च। न॥ तम्। इदम्। नि॰गतम्। सहः। सः। एषः
। एकः। एक॰वृत्। एकः। एव॥ सर्वे। अस्मिन्। देवाः। एक॰वृतः। भवंति॥ ॥६॥
१५॥ अष्टौ च॥ ब्रह्म। च। तपः। च। कीर्तिः। च। यशः। च। अंभः। च। नभः। च। ब्राह्म
ण॰वर्चसम्। च। अन्नम्। च। अन्न॰अद्यम्। च॥ ऋतम्। च। भव्यम्। च। श्रद्धाम्। च
रुचिः। च। स्वः॰गः। च। स्वधा। च॥ यः। एतम्। देवम्। एक॰वृतम्। वेद॥ सः। ए २८५
व। मृत्युः। सः। अमृतम्॥ सः। अभ्वम्। सः। रक्षः॥ सः। रुद्रः। वसु॰वनिः। वसु॰
देये। नमः॰वाके। वषट्॰कारः। अनु। सम्॰हितः॥ तस्य। इमाः। सर्वाः। यातवः॥
उप। प्र॰शिषम्। आसते॥ तस्य। अमू। सर्वा। नक्षत्रा॥ वशे। चंद्रमसा। सह॥

॥ ॥६॥१७॥ परःसचा॥ सः। वै। अह्नः। अजायत॥ तस्मात्। अहः। अजायत॥
वै। रात्र्याः। अजायत। तस्मात्। रात्रिः। अजायत॥ वै। अंतरिक्षात्। अजायत। त
स्मात्। अंतरिक्षम्। अजायत॥ वै। वायोः। अजायत। तस्मात्। वायुः। अजायत॥
वै। दिवः। अजायत। तस्मात्। द्यौः। अधि। अजायत॥ वै। दिक्॰भ्यः। अजायत। तस्मा-
त्। दिशः। अजायंत॥ वै। भूमेः। अजायत। तस्मात्। भूमिः। अजायत॥ वै। अग्ने
ः। अजायत। तस्मात्। अग्निः। अजायत॥ वै। अप्॰भ्यः। अजायत। तस्मात्। आपः।
अजायंत॥ वै। ऋक्॰भ्यः। अजायत। तस्मात्। ऋचः। अजायंत॥ सः। वै। यज्ञात्।
अजायत। तस्मात्। यज्ञः। अजायत॥ सः। यज्ञः। तस्य। यज्ञः॥ सः। यज्ञस्य। शिरः-
ःकृतम्॥ सः। स्तनयति। सः। वि। द्योतते॥ सः। ऊं इति। अश्मानम्। अस्यति॥ पा
पाय। वा। भद्राय। वा। पुरुषाय। असुराय। वा॥ यत्। वा। कृणोषि। ओषधीः॥

यतो । वा । वर्षसि । पृथिव्याः । यतः । वा । न्युग्रम् । अवीवृधः ॥ तावान् । नः । मघ॰वन् ।
ते।२ महिमा ॥ उपो इति । ते । तन्वः । शतम् ॥ उपो इति । ते । बध्वे । बद्धानि । यदि । वा । असि । नि
॰अर्बुदम् ॥ ॥ ६ ॥ १८ ॥ सप्तदश ॥ भूयान् । इन्द्रः । नमुरात् । भूयान् । इन्द्र । असि ।
मृत्यु॰भ्यः ॥ भूयान् । अरात्याः । शच्याः । पतिः । त्वम् । इन्द्र । असि । वि॰भूः । प्र॰भूः ॥
इति । त्वा । उप । आस्महे । वयम् ॥ नमः । ते । अस्तु । पश्यत । पश्य । मा । पश्यत ॥ अन्न
॰अद्येन । यशसा । तेजसा । ब्राह्मण॰वर्चसेन ॥ अम्भः । अमः । महः । सहः । इ
ति ॥ अरुणम् । रजतम् । रजः । सहः । इति ॥ ॥ ६ ॥ १९ ॥ षट् । जा । व्यसः ॥ उरुः । २८६
पृथुः । सु॰भूः । भुवः । इति । प्रथः । वरः । व्यचः । लोकः । इति ॥ भवत्॰वसुः । इद
त्॰वसुः । संयत्॰वसुः । आयत्॰वसुः ॥ इति । त्वा । उप । आस्महे । वयम् ॥ नम
ः । ते । अस्तु । पश्यत । पश्य । मा । पश्यत ॥ अन्न॰अद्येन । यशसा । तेजसा । ब्राह्म

ण॰वर्चसेन ॥ ६ ॥ त्रयोदशं कांडं समाप्तम् ॥ ६ ॥ शुभं भवतु ॥ श्रीः ॥ सत्ये
न । उत्॰तभिता । भूमिः । सूर्येण । उत्॰तभिता । द्यौः ॥ ऋतेन । आदित्याः । तिष्ठन्ति । दिवि ।
सोमः । अधि । श्रितः ॥ १ ॥ सोमेन । आदित्याः । बलिनः । सोमेन । पृथिवी । मही ॥ अ
थो इति । नक्षत्राणाम् । एषाम् । उप॰स्थे । सोमः । आ॰हितः ॥ २ ॥ सोमम् । मन्यते ।
पपि॰वान् । यत् । सम्॰पिंषन्ति । ओषधिम् ॥ सोमम् । यम् । ब्रह्माणः । विदुः । न । तस्य ।
अश्नाति । पार्थिवः ॥ ३ ॥ यत् । त्वा । सोम । प्र॰पिबन्ति । ततः । आ । प्यायसे । पुनः ॥ वा
युः । सोमस्य । रक्षिता । समानाम् । मासः । आ॰कृतिः ॥ ४ ॥ आच्छत्॰विधानैः । गु
पितः । बार्हतैः । सोम । रक्षितः ॥ ग्राव्णाम् । इत् । शृण्वन् । तिष्ठसि । न । ते । अश्ना
ति । पार्थिवः ॥ चित्तिः । आः । उप॰बर्हणम् । चक्षुः । आः । अभि॰अंजनम् ॥ द्यौः ।
भूमिः । कोशः । आसीत् । यत् । अयात् । सूर्या । पतिम् ॥ ६ ॥ रैभी । आसीत् । अनु॰दे

यी॥ नाराशंसी। न्य्ऽओचनी॥ सूर्यायाः। भद्रम्। इत्। वासः। गाथया। एति। परिऽ
कृता॥ ७ स्तोमाः। आसन्। प्रतिऽधयः। कुरीरम्। छंदः। ओपशः। सूर्यायाः। अश्वि
ना। वरा। अग्निः। आसीत्। पुरःऽगवः॥ ८ सोमः। वधूऽयुः। अभवत्। अश्विना।
आस्ताम्। उभा। वरा॥ सूर्याम्। यत्। पत्ये। शंसंतीम्। मनसा। सविता। अददात्॥ ९
मनः। अस्याः। अनः। आसीत्॥ द्यौः। आसीत्। उत। छदिः॥ शुक्रौ। अनड्वाहौ। आ
स्ताम्॥ यत्। अयात्। सूर्या। पतिम्॥ १०॥ ७॥ १॥ ऋक्ऽसामाभ्याम्। अभिऽहितौ।
गावौ। ते। सामनौ। ऐताम्॥ श्रोत्रम्। इति। ते। चक्रे इति। आस्ताम्। दिवि। पंथाः। २०१
चराचरः॥ १॥ शुची इति। ते। चक्रे इति। यात्याः। विऽआनः। अक्षः। आऽहतः॥
अनः। मनःऽमयम्। सूर्या। आ। अरोहत्। प्रऽयती। पतिम्॥ २ सूर्यायाः। वहतुः
। प्र। अगात्। सविता। यम्। अवऽअसृजत्॥ मघासु। हन्यंते। गावः। फल्गुनी

षु। वि। उह्यते॥ ३ यत्। अश्विना। पृच्छमानौ। अयातम्। त्रिऽचक्रेण। वहतु
म्। सूर्यायाः॥ क्व। एकम्। चक्रम्। वाम्। आसीत्॥ क्व। देष्ट्राय। तस्थथुः॥ ४
यत्। अयातम्। शुभः। पती इति। वरेऽयम्। सूर्याम्। उप॥ विश्वे। देवाः। अनु। ता
त्। वाम्। अजानन्॥ पुत्रः। पितरम्। अवृणीत। पूषा॥ ५॥ द्वे इति। ते। चक्रे इति।
सूर्ये। ब्रह्माणः। ऋतुऽथा। विदुः॥ अथ। एकम्। चक्रम्। यत्। गुहा। तत्। अद्धा
तयः। इत्। विदुः॥ अर्यमणम्। यजामहे। सुऽबंधुम्। पतिऽवेदनम्॥ उर्वारु
कम्ऽइव। बंधनात्। प्र। इतः। मुंचामि। न। अमुतः॥ ७॥ प्र। इतः। मुंचामि। न। अमु
तः॥ सुऽबद्धाम्। अमुतः। करम्॥ यथा। इयम्। इंद्र। मीढ्वः॥ सुऽपुत्रा। सुऽभ
गा। असति॥ ८॥ प्र। त्वा। मुंचामि। वरुणस्य। पाशात्॥ येन। त्वा। अबध्नात्। सवि
ता। सुऽशेवाः॥ ऋतस्य। योनौ। सुऽकृतस्य। लोके॥ स्योनम्। ते। अस्तु। सहऽ

६९

संनजाये॥ एनाऽगमः॥ आऽहतः। नचरत्। इरस्य०मदन्। अग्निना। वा। आ। वृदताम्।
राधन॥ गृहान्। गच्छ। गृह०पत्नी। यथा। असः॥ वशिनी। त्वम्। विदथम्। आ। व
दासि॥ १०॥ ७॥ २६॥ इह। प्रियम्। प्र०जायै। ते। सम्। ऋध्यताम्॥ अस्मिन्। गृहे। गा
र्ह०पत्याय। जागृहि॥ एना। पत्या। तन्वम्। सम्। स्पृशस्व॥ अथ। जिव्रिः। विदथम्।
आ। वदासि॥ १॥ इह। एव। स्तम्। मा। वि। यौष्टम्॥ विश्वम्। आयुः। वि। अश्नुत
म्॥ क्रीडन्तौ। पुत्रैः। नप्तृ०भिः। मोदमानौ। स्व०अस्तकौ॥ २ पूर्वापरं नाकानद
ः॥ ४ परा। देहि। शामुल्यम्। ब्रह्म०भ्यः। वि। भज। वसु॥ कृत्या। एषा। पत्०वती॥
भूत्वा॥ आ। जाया। विशते। पतिम्॥ ५ नील०लोहितम्। भवति। कृत्या। आसक्तिः २८८
ः। वि। अज्यते॥ एधन्ते। अस्याः। ज्ञातयः। पतिः। बन्धेषु। बध्यते॥ ६ अश्लीला। त
नूः। भवति। रुशती। पापया। अमुया॥ पतिः। यत्। वध्वः। वाससः। स्वम्। अंग

म्। अभि०जस्युते॥ ७॥ आ०शसनम्। वि०शसनम्॥ अथो इति। अधि०विक
र्तनम्॥ सूर्यायाः। पश्य। रूपाणि॥ तानि। ब्रह्मा। उत। शुम्भति॥ ८ तृष्टम्। एतत्।
कटुकम्। अपाष्ठ०वत्। विष०वत्। न। एतत्। अत्तवे॥ सूर्याम्। यः। ब्रह्मा। वि
द्यात्। सः। इत्। वाधू०यम्। अर्हति॥ ९ सः। इत्। तत्। स्योनम्। हरति। ब्रह्मा। वासः। सु
०मंगलम्॥ प्रायश्चित्तिम्। यः। अधि०एति॥ येन। जाया। न। रिष्यति॥ १०॥ ७॥ २॥ यु
वम्। भगम्। सम्। भरतम्। सम्०ऋद्धम्। ऋतम्। वदन्तौ। ऋत०उद्येषु॥ ब्रह्मणः।
पते। पतिम्। अस्यै। रोचय॥ चारु। सम्०भलः। वदतु। वाचम्। एताम्॥ १॥ इह। इत्।
असाथ। न। परः। गमाथ॥ इमम्। गावः। प्र०जया। वर्धयाथ॥ शुभम्। यतीः। उ
स्रियाः। सोम०वर्चसः॥ विश्वे। देवाः। क्रन्। इह। वः। मनांसि॥ २ इमम्। गावः। प्र०
जया। सम्। विशाथ॥ अयम्। देवानाम्। न। मिनाति। भागम्॥ अस्मै। वः। पूषा। म

रुकः । या । सावीः । अस्मे । वः । धना । सविता । सुवाति ॥ ३ अपन्ह सरा । राजकः । संतु ॥
पंथानः । यनि । सरवास्यः । यंति । नः । वार०थम् ॥ सम् । जगेन । सम् । अर्यमा । स-
म् । भग । ता । स्त्रगतुं । वर्चसा ॥ ३ । यत् । च । वर्चः । अक्षेषु । सुरायाम् । च । यत् । आ०हि-
तम् ॥ यत् । गोषु । अश्विना । वर्चः ॥ तेन । इमाम् । वर्चसा । अवतम् ॥ ३ ॥ येन । म-
हा०नघ्न्याः । जघनम् । अश्विना । येन । वा । सुरा । येन । अक्षाः । अभि । असिच्य-
न्त । तेन । इमाम् । वर्चसा । अवतम् ॥ ३ । यः । अनिध्मः । दीदयत् । अप्०सु । अंतः । य-
म् । विप्रासः । ईळते । अध्वरेषु । अपाम् । नपात् । मधु०मतीः । अपः । दाः ॥ याभिः ।
इंद्रः । ववृधे । वीर्याय । वान् ॥ ३ इदम् । अहम् । रुशंतम् । ग्राभम् ॥ तनू०दूषिम् । अ-
प । ऊहामि ॥ यः । भद्रः । रोचनः । तम् । उत् । अचामि ॥ ३ ॥ आ । अस्यै । ब्राह्मणाः । स्न-
पनीः । हरंतु । अवीर०घ्नीः । उत् । अजंतु । आपः ॥ अर्यम्णः । अग्निम् । परि । एतु । पू-

सा३ षन् ॥ प्रति । ईक्षंताम् । श्वशुरः । देवरः । च ॥ ३ ॥ शम् । ते । हिरण्यम् । शम् । ऊं इ-
ति । आपः ॥ शम् । मेथिः । भवतु । शम् । युगस्य । तर्द्म ॥ शम् । ते । आपः । शत०
पवित्राः । भवंतु । शम् । ऊं इति । पत्या । तन्वम् । सम् । स्पृशस्व ॥ १० ॥ छा ॥ ४ ॥ खे ।
रथस्य । खे । अनसः । खे । युगस्य । शतक्रतो इति शत०क्रतो ॥ अपालाम् ।
इंद्र । त्रिः । पूत्वी । अकृणोः । सूर्य०त्वचम् ॥ ३ ॥ आ०शासाना । सौमनसम् । प्र०जा-
म् । सौभाग्यम् । रयिम् ॥ पत्युः । अनु०व्रता । भूत्वा । सम् । नह्यस्व । अमृताय ।
कम् ॥ ३ यथा । सिंधुः । नदीनाम् ॥ साम्०राज्यम् । सुषुवे । वृषा ॥ एव । त्वम् । सम्०
राज्ञी । एधि । पत्युः । अस्तम् । परा०इत्य ॥ ३ सम्०राज्ञी । एधि । श्वशुरेषु ॥ सम्०
राज्ञी । उत । देवृषु ॥ ननांदुः । सम्०राज्ञी । एधि । सम्०राज्ञी । उत । श्वश्र्वाः ॥ ४ ॥
याः । अकृन्तन् । अवयन् । याः । अतन्वत ॥ याः । च । देवीः । अंतान् । अभितः । अददंत ।

ताः । वा । आजरसः । सम् । व्ययंतु ॥ आयुष्मती । इदम् । परि । धत्स्व । वासः ॥ पुरी । वाम् । स
दंति । वि । नयंति । अधात् । दीर्घम् । अस्मै । अ० स्ति । तिमा । दीर्घ । नसः ॥ वाम मा । पिद्र०
प्याः । या । इदम् । सम्० ईरिरे ॥ मयः । पतिभ्यः । जनायः । परि० स्वजे ॥ ... स्योनम् । अ
वम् । अ० गाय । धारयामि ॥ तां ॥ अश्मानम् । देव्याः । पृथिव्याः । उप० स्थे ॥ तम् । आ ।
तिष्ठ । अनु० आद्याः । सु० वर्चाः ॥ दीर्घम् । ते । आयुः । सविता । कृणोतु ॥ ५ ॥ येन । अ
ग्निः । अस्याः । भूम्याः । हस्तम् । जग्राह । दक्षिणम् ॥ तेन । गृह्णामि । ते । हस्तम् ॥
मा । व्यथिष्ठाः । मया । सह । प्र० जया । च । धनेन । च ॥ ६ ॥ देवः । ते । सविता । ह २५०
स्तम् । गृह्णातु ॥ सोमः । राजा । सु० प्र० जसम् । कृणोतु ॥ अग्निः । सु० भगाम् । जा
त० वेदाः । पत्ये । पत्नीम् । जरत्० अष्टिम् । कृणोतु ॥ ७ ॥ गृह्णामि । ते । सौभग० त्वा
य । हस्तम् । मया । पत्या । जरत्० अष्टिः । यथा । असः ॥ भगः । अर्यमा । सविता । पु

रम्० धिः । मह्यम् । त्वा । अदुः । गार्ह० पत्याय । देवाः ॥ १० ॥ छा ॥ पा ॥ [illegible] ता ।
हस्तम् । अग्रहीत् । सविता । हस्तम् । अग्रहीत् ॥ पत्नी । त्वम् । असि । धर्मणा । [illegible] अह
म् । गृह० पतिः । तव ॥ ११ ॥ मम । इयम् । अस्तु । पोष्या । मह्यम् । त्वा । अदात् । बृहस्प
तिः ॥ मया । पत्या । प्रजा० वति । सम् । जीव । शरदः । शतम् ॥ १२ ॥ त्वष्टा । वासः । वि । अ
दधात् । शुभे । कम् ॥ बृहस्पतेः । प्र० शिषा । कवीनाम् ॥ तेन । इमाम् । नारीम् । स
विता । भगः । च ॥ सूर्याम्० इव । परि । धत्ताम् । प्र० जया ॥ १३ ॥ इंद्राग्नी इति । द्यावापृथि
वी इति । मातरिश्वा । मित्रावरुणा । भगः । अश्विना । उभा ॥ बृहस्पतिः । मरुतः । ब्र
ह्म । सोमः ॥ इमाम् । नारीम् । प्र० जया । वर्धयंतु ॥ १४ ॥ बृहस्पतिः । प्रथमः । सूर्या
याः । शीर्षे । केशान् । अकल्पयत् ॥ तेन । इमाम् । अश्विना । नारीम् । पत्ये । सम्
शोभयामसि ॥ इदम् । तत् । रूपम् । यत् । अवस्त । योषा । जायाम् । जिज्ञासे । म

ता

नसा। यस्तीम्॥ ताम्। अनु। अर्चि। ह्यः। सरिय०भिः। नक्ष०ग्रेशः। कः। इमान्। विद्वा
न्। वि। चचर्त। पाशान्॥ ६॥ अदन्। विष्यामि। मयि। रूपम्। अस्याः॥ वदन्। इत
पश्यन्। मनसः। कुलायम्॥ न। स्तेयम्। अद्मि। मनसा। उत्। अमुच्ये। स्वयम्। श्र
श्नानः। वरुणस्य। पाशान्॥ ७॥ प्र। त्वा। मुंचामि। वरुणस्य। पाशात्॥ येन। आ। अ
बध्नात्। सविता। सु०शेवाः॥ उरुम्। लोकम्। सु०गम्। अत्र। पंथाम्॥ कृणोमि

श्रा तुभ्यम्। सह०पत्न्यै। वधु॥ ८॥ उत्। यच्छध्वम्। अप। रक्षः। हनाथ॥ इमाम्। नारी
माम्। सु०कृते। दधात॥ धाता। विपः०चित्। पतिम्। अस्यै। विवेद॥ भगः।
राजा। पुरः। एतु। प्र०जानन्॥ ९॥ भगः। ततक्ष। चतुरः। पादान्॥ भगः। ततक्ष। च २९१
त्वारि। उष्पलानि॥ त्वष्टा। पिपेश। मध्यतः। अनु। वर्ध्रान्। सा। नः। अस्तु। सु०
मंगली॥ १०॥ सु०किंशुकम्। वहतुम्। विश्व०रूपम्। हिरण्य०वर्णम्। सु०वृत

म्। सु०चक्रम्। आ। रोह। सूर्ये। अमृतस्य। लोकम्। स्योनम्। पतिभ्यः। व
हतुम्। कृणु। त्वम्॥ ११॥ अभ्रातृ०घ्नीम्। वरुण। अपशु०घ्नीम्। बृहस्पते॥ इन्द्र। अप
ति०घ्नीम्। पुत्रिणीम्। आ। अस्मभ्यम्। सवितः। वह॥ १२॥ मा। हिंसिष्टम्। कुमार्यम्।
स्थूणे इति। देव०कृते। पथि॥ शालायाः। देव्याः। द्वारम्। स्योनम्। कृण्मः। वधू०पथ
म्॥ १३॥ ब्रह्म। अपरम्। युज्यताम्। ब्रह्म। पूर्वम्। ब्रह्म। अन्ततः। मध्यतः। ब्रह्म। सर्वतः॥
अनाव्याधाम्। देव०पुराम्। प्र०पद्य॥ शिवा। स्योना। पति०लोके। वि। राज॥ १४॥
॥ ७॥ ६॥ तुभ्यम्। अग्रे। परि। अवहन्॥ सूर्याम्। वहतुना। सह॥ सः। नः। पति०भ्यः॥
श्री जायाम्। दाः। अग्ने। प्र०जया। सह॥ १॥ पुनरिति। पत्नीम्। अग्निः। अदात्। आयुषा। सह। वर्च
सा॥ दीर्घ०आयुः। अस्याः। यः। पतिः। जीवाति। शरदः। शतम्॥ २॥ सोमस्य। जाया। प्र
थमम्। गंधर्वः। ते। अपरः। पतिः॥ तृतीयः। अग्निः। ते। पतिः। तुरीयः। ते। मनुष्य०जाः॥ ३॥

सोमः। अदत्। गंधर्वाय। गंधर्वः। अदत्। अग्नये। रयिम्। च। पुत्रान्। च। अदात्।
अग्निः। मह्यम्। अथो इति। इमाम्॥४॥ आ। वाम्। अगन्। सु॰मतिः। वाजिनीवसू इति वा
जिनी॰वसू। नि। अश्विना। हृत्॰सु। कामाः। अरंसत। अभूतम्। गोपा। मिथुना। शुभः॰
पती इति॥ प्रियाः। अर्यम्णः। दुर्यान्। अशीमहि॥ सा। मंदसाना। मनसा। शिवेन। र
यिम्। धेहि। सर्व॰वीरम्। वचस्यम्॥ सु॰गम्। तीर्थम्। सु॰प्रपानम्। शुभः। पती इति
स्थाणुम्। पथि॰स्थाम्। अप। दुः॰मतिम्। हतम्॥ [illegible] ओषधयः। याः। नद्यः। यानि। क्षेत्रा
णि। या। वना। ताः। त्वा। वधु। प्रजा॰वतीम्। पत्ये। रक्षंतु। रक्षसः॥ [illegible] आ। इमम्। पंथा
म्। अरुक्षाम। सु॰गम्। स्वस्ति॰वाहनम्। यस्मिन्। वीरः। न। रिष्यति। अन्येषाम्। २०
विंदते। वसु॥ इदम्। सु। मे। नरः। शृणुत। यया। आ॰शिषा। दंपती इति दम्॰पती। वा
मम्। अश्नुतः॥ गंधर्वाः। अप्सरसः। च। देवीः। एषु। वानस्पत्येषु। ये। अधि। तस्थुः॥

स्योनाः। ते। अस्यै। वध्वै। भवंतु। मा। हिंसिषुः। वहतुम्। उह्यमानम्॥ ये। वध्वः। चंद्रम्।
वहतुम्। यक्ष्माः। यंति। जनान्। अनु। पुनः। तान्। यज्ञियाः। देवाः। नयंतु। यतः। आ
॰गताः॥१०॥७॥१॥ मा। विदन्। परि॰पंथिनः। ये। आ॰सीदंति। दंपती इति दम्॰
पती॥ सु॰गेन। दुः॰गम्। अति। इताम्। अप। द्रांतु। अरातयः॥ सम्॰काशयामि। व
हतुम्। ब्रह्मणा। गृहैः। अघोरेण। चक्षुषा। मित्रियेण॥ परि॰आनद्धम्। विश्व॰
रूपम्। यत्। अस्ति। स्योनम्। पति॰भ्यः। सविता। तत्। कृणोतु॥ शिवा। नारी। इय
म्। अस्तम्। आ। अगन्। इमम्। धाता। लोकम्। अस्यै। दिदेश॥ ताम्। अर्यमा। भ
गः। अश्विना। उभा। प्रजा॰पतिः। प्र॰जया। वर्धयंतु॥ आत्मन्॰वती। उर्वरा। नारी।
इयम्। आ। अगन्। तस्याम्। नरः। वपत। बीजम्। अस्याम्। सा। वः। प्र॰जाम्। जनयत्।
वक्षणाभ्यः। बिभ्रती। दुग्धम्। ऋषभस्य। रेतः॥४॥ प्रति। तिष्ठ। वि॰राट्। असि। विष्णुः॰

१

ःइवा।स्वदा।सुरस्वति।।सिनीवालि।प्र।जायतां।।भगस्य।सु०मतौ।असत्।।५
उत।वः।ऊर्मिः।शम्याः।दुह्रा।आपः।योक्त्राणि।मुंचत।।मा।अपकृ०सतौ।वि०एन
सौ।अघ्न्यौ।अशुनम्।आ।अरताम्।।६ अघोर०चक्षुः।अपतिऽघ्नी।स्योना।शु
ग्मा।सु०शेवा।सु०यमा।गृहेभ्यः।।वीर०सूः।देव०कामा।।सम्।त्वया।एधिषी
महि।सु०मनस्यमाना।।७।।अदेव०घ्नी।अपति०घ्नी।इह।एधि।।शिवा।पशु०भ्यः।
सु०यमा।सु०वर्चाः।।प्रजा०वती।वीर०सूः।देव०कामा।।स्योना।इमम्।अग्निम्।।
गार्ह०पत्यम्।सपर्य।।८।।उत्।तिष्ठ।इतः।किम्।इच्छंती।इदम्।आ।अगाः।।अहम्। ६
त्वा।ईडे।अभि०भूः।स्वात्।गृहात्।।शून्य०एषी।निः०ऋते।या।आ०जगंथ।।उत्। २९७
तिष्ठ।अराताम्।प्र।पत।मा।इह।रंस्थाः।।९।।यदा।गार्ह०पत्यम्।असपर्यैत्।।पूर्वम्।
अग्निम्।वधूः।इयम्।।अधा।सरस्वत्यै।नारि।पितृ०भ्यः।च।नमः।कुरु।।१०।।६।।

शर्म।वर्म।एतत्।आ।हर।।अस्यै।नार्यै।उप०स्तरे।।सिनीवालि।
प्र।जायतां।।भगस्य।सु०मतौ।असत्।।११ यं।बल्वजम्।नि०अस्यथ।।
चर्म।च।उप०स्तृणीथन।।तत्।आ।रोहतु।सु०प्रजाः।या।कन्या।विंद
ते।पतिम्।।१२ उप।स्तृणीहि।बल्वजम्।अधि।चर्मणि।रोहिते।।तत्र।उ
प०विश्य।सु०प्रजाः।इमम्।अग्निम्।सपर्यतु।।१३ आ।रोह।चर्म।उप।सी
द०अग्निम्।एषः।देवः।हंति।रक्षांसि।सर्वा।।इह।प्र०जाम्।जनय।पत्ये।
अस्मै।सु०ज्यैष्ठ्यः।भवत्।पुत्रः।ते।एषः।।१४ वि।तिष्ठंताम्।मातुः।अस्याः
।उप०स्थात्।।नाना०रूपाः।पशवः।जायमानाः।।सु०मंगली।प्र०तरणी।गृ
हाणाम्।उपसीद।इमम्।अग्निम्।।सम्०पत्नी।प्रति।भूष।इह।देवान्।।१५।।

सु॰मंगली। प्र॰तरणी। गृहाणाम्। सु॰शेवा। पत्ये। श्वशुराय। शम्॰भूः।
स्योना। श्वश्र्वै। प्र। गृहान्। विश। इमान्॥ ६॥ स्योना। भव। श्वशुरेभ्यः।
स्योना। पत्ये। गृहेभ्यः॥ स्योना। अस्यै। सर्वस्यै। विशे॥ स्योना। पुष्टाय। एषाम्।
भव॥ ७॥ सु॰मंगलीः। इयम्। वधूः। इमाम्। सम्॰एत। पश्यत॥ सौभाग्यम्।
अस्यै। दत्त्वा। दौः॰भाग्यैः। वि॰परा॰इतन॥ ८॥ याः। दुः॰हार्दः। युवतयः। याः। च।
इह। जरतीः। अपि। वर्चः। नु। अस्यै। सम्। दत्त॥ अथ। अस्तम्। वि॰परा॰इतन॥ ९॥
रुक्म॰प्रस्तरणम्। वह्यम्। विश्वा। रूपाणि। बिभ्रतम्॥ आ। अरोहत्। सूर्या।
सावित्री। बृहते। सौभगाय। कम्॥ १०॥ ६॥ १॥ आ। रोहत। तल्पम्। सु॰मनस्य॰
माना। इह। प्र॰जाम्। जनय। पत्ये। अस्मै॥ इन्द्राणी॰इव। सु॰बुधा। बुध्यमाना॥

MEMORIAL

ज्योतिः॰अग्राः। उषसः। प्रति। जागरासि॥ ११॥ देवाः। अग्रे। नि। अपद्यन्त। पत्नीः। स॰
म्। अस्पृशन्त। तन्वः। तनूभिः॥ सूर्या॰इव। नारि। विश्व॰रूपा। महि॰त्वा। प्र॰जा॰
॰वती। पत्या। सम्। भव। इह॥ १२॥ उत्। तिष्ठ। इतः। विश्वावसो इति विश्व॰वसो। न॰
मसा। ईडामहे। त्वा॥ जामिम्। इच्छ। पितृ॰सदम्। नि॰अक्ताम्॥ सः। ते। भागः। ज॰
नुषा। तस्य। विद्धि॥ १३॥ अप्सरसः। सधम्॰मादम्। मदन्ति। हविः॰धानम्। अन्तरा।
सूर्यम्। च॥ ताः। ते। जनित्रम्। अभि। ताः। परा। इहि॥ नमः। ते। गन्धर्व॰ऋतुना।
कृणोमि॥ १४॥ नमः। गन्धर्वस्य। नमसे। नमः। भामाय। चक्षुषे। च। कृण्मः॥ विश्वाव॰
सो इति। ब्रह्मणा। ते। नमः॥ अभि। जायाः। अप्सरसः। परा। इहि॥ १५॥ राया। वय॰
म्। सु॰मनसः। स्याम। उत्। इतः। गन्धर्वम्। आ। अवीवृताम॥ अगन्। सः। देवः।
परमम्। सध॰स्थम्। अगन्म। यत्र। प्र॰तिरन्ते। आयुः॥ १६॥ सम्। पितरौ। ऋत्विये।

स्त॥ग्रथा।मृ।मा।ता।पिता।या।रतस्स॥नुवाथः॥मर्य॰इवा।यो।षाम्।अधि।मरा।इया।
एना।म्।प्रु॰गा।म।सएवाथाम्।इदा।उष्ठ।तम्।रयिम्॥७॥ताम्।पूषन्।शि।व॰तमा।
म्।आ।ईरयस्व॥यस्याम्।बीजम्।मनुष्याः।वपंति॥या।नः।उरू।इति।उशती॥
।वि॰श्रयाति॥यस्याम्।उशन्तः।प्र॰हरेम।शेपः॥आ।रोह।ऊरुम्।उप।धत्स्व।
हस्तम्।परि।स्वजस्व।जायाम्।सु॰मनस्यमानः॥प्र॰जाम्।कृण्वाथाम्।इह।मो
दमानौ॥दीर्घम्।वाम्।आयुः।सविता।कृणोतु॥८॥आ।वाम्।प्र॰जाम्।जनयतु।
प्र॰जा॰पतिः॥अहो।रात्राभ्याम्।सम्।अनक्तु।अर्यमा॥अदुः॰मंगली।पति॰
लोकम्।आ।विश॥शम्।नः।भवद्वि॰पात्।शम्।चतुः॰पात्॥१०॥७॥१०॥इति।द्वि।
तम्।मनुना।साकम्।एतत्।वाधू॰यम्।वासः।वध्वः।च।वस्त्रम्॥यः।ब्रह्मणे।
चिकितुषे।ददाति।सः।इत्।रक्षांसि।तल्पानि।हंति॥१॥यम्।ब्रह्मा।दक्षः।ब्रह्म॰भा। २९५
गम्।वधू॰योः॥वाधू॰यम्।वासः।वध्वः।च।वस्त्रम्॥युवम्।ब्रह्मणे।अनु॰म
न्यमानौ।बृहस्पते।साकम्।इंद्रः।च।दत्तम्॥स्योनात्।योनेः।अधि।बुध्यमा
नौ।हसामुदौ।महसा।मोदमानौ॥सुगू।सुपुत्रौ।सुगृहौ।तराथः॥जीवौ।उषसः।वि॰भातीः॥ त
॥नवम्।वसानः।सुरभिः।सु॰वासाः।उत्॰आगा
म्।जीवः।उषसः।वि॰भातीः॥आंडात्।पतत्री॰इव।अमुक्षि।विश्वस्मात्।एनसः।
परि॥शुंभनी।इति।द्यावा॰पृथिवी।इति।अंतिसुम्ने।इति।अंतिसुम्ने।
महि॰व्रते॥आपः।सप्त।सुस्रुवुः।देवीः।ताः।नः।मुंचंतु।अंहसः॥सूर्यायै।देवेभ्यः।मित्राय।वरुणाय।च॥ये।भूतस्य।प्र॰
चेतसः।तेभ्यः।इदम्।अकरम्।नमः॥य।ऋते।चित्।अभि॰श्रिषः।पुरा।जत्रुभ्यः।
आ॰तृदः॥सम्॰धाता।सम्॰धिम्।मघ॰वा।पुरु॰वसुः॥निः॰कर्ता।वि॰हुतम्।
पुनः॥८॥अप।अस्मत्।तमः।उच्छतु।नीलम्।पिशंगम्।उत।लोहितम्।यत्॥निः॰दह
नी।या।पृषातकी।अस्मिन्।ताम्।स्थाणौ।अधि।आ।सजामि॥सत्याकृतीः।लक्ष्याः॥

PAGE(S)MISSING

NOT AVAILBLE

296

उप॰वासने। यावंततः। राज्ञः। वरुणस्य। पाशाः॥ वि॰स्यडयः। याः। अस्मम्॰स्यः
यः। याः॥ अस्मिन्। तानः। स्थानौ। अधिसादयामि॥ एयामि। मा। वि॰तमा। तरुः॥ स्या
म्। बि। नायुं। वाससः। तस्य। अग्रे। चर्म। वनस्पतिनी। विमा। ततु॥ ऊमा। वुयमु।
रिषाम्॥१०॥ ७॥११॥ ये। अंतः। यावतीः॥ सिचः। ये। ओतवः। ये। च। तंतवः॥ वासः।
यत्। पत्नीभिः। उतम्। तत्। नः। स्योनम्। उप। स्पृशात्॥१॥ उशतीः। कन्यलाः। इमाः।
पितृ॰लोकात्। पतिम्। यतीः॥ अव। दीक्षाम्। असृक्षत। स्वाहा॥ बृहस्पतिना। अ
व॰सृष्टाम्॥ विश्वे। देवाः। अधारयन्॥ वर्चः। गोषु। प्र॰विष्टम्। यत्। तेन। इमाम्।
सम्। सृजामसि॥२॥ तेजः। गोषु। प्र॰विष्टम्। यत्। तेन॥४॥ भगः। गोषु। प्र॰विष्टम्। य २९९
त्। तेन॥५॥ यशः। गोषु। प्र॰विष्टम्। यत्। तेन॥६॥ पयः। गोषु। प्र॰विष्टम्। यत्। तेन॥७ २६९
बृहस्पतिना। अव॰सृष्टाम्। विश्वे। देवाः। अधारयन्॥ रसः। गोषु। प्र॰विष्टः। यति

ष्ठा२ का॰१४ २ नू।

न॥ इमाम्। सम्। सृजामसि॥८॥ यदि। इमे। केशिनः। जनाः॥ गृहे। ते। सम्॰अनर्ति
षुः। रोदेन। कृण्वंतः। अघम्॥ अग्निः। त्वा। तस्मात्। एनसः॥ सविता। च। प्र। मुंचता
म्॥९॥ यदि। इयम्। दुहिता। तव॥ वि॰केशी। अरुदत्। गृहे॥ रोदेन। कृण्वती। अघ
म्॥१०॥ ७॥१२॥ यत्। जामयः। यत्। युवतयः। गृहे। ते। सम्॰अनर्तिषुः॥ रोदेन।
कृण्वतीः। अघम्॥ यत्। ते। प्र॰जायाम्। पशुषु। यत्। वा। गृहेषु। नि॰स्थितम्॥ अ
श्री पृ घ॰कृद्भिः। अघम्। कृतम्॥ अग्निः। त्वा। तस्मात्। एनसः॥ सविता। च। प्र। मुंचताम्॥२
इयम्। नारी। उप। ब्रूते। पूल्यानि। आ॰वपंतिका॥ दीर्घ॰आयुः। अस्तु। मे। पतिः। जी
वाति। शरदः। शतम्॥३॥ इह। इमौ। इंद्र। सम्। नुद। चक्रवाका॰इव। दंपती॥ इति दम्॰प
ती॥ प्र॰जया। एनौ। सु॰अस्तकौ॥ विश्वम्। आयुः। वि। अश्नुताम्॥४॥ यत्। आ॰सद्या
म्। उप॰धाने। यत्। वा। उप॰वासने। कृतम्॥ विवाहे। कृत्याम्। याम्। चक्रुः॥ आ॰

स्वा नेताम् । नि । दध्मसि ॥ पा ॥ यता । दुःऽहार्दम् । यता । शाम्ऽलम् ॥ विऽवाहे । वहतौ । सू
यताम् ॥ न ता । सम्ऽगलस्य । कंबले ॥ मृज्महे । दुःऽकृतम् । वयम् ॥ सम्ऽगलो । मलम्
स्यात् । दधियिबा ॥ कंबले । दुःऽकृतम् । वयम् ॥ अरिष्मा । यज्ञियाः । शुद्धाः ॥ प्र । नः । आयूं
षि । तारिषत् ॥ ७ ॥ कृत्रिमः । कंटकः । शतऽदन् । यः ॥ एषः ॥ अप । अस्याः । केश्यम् । म
लम् ॥ अप । शीर्षण्यम् । लिखात् ॥ ८ ॥ अंगात्ऽअंगात् । वयम् । अस्याः ॥ अप । य
क्ष्मम् । नि । दध्मसि ॥ तत् । मा । प्र । आपत् । पृथिवीम् । मा । उत । देवान् ॥ दिवम् । मा । प्र ।
आपत् । उरु । अन्तरिक्षम् ॥ अपः । मा । प्र । आपत् । मलम् । एतत् । अग्ने ॥ यमम् । मा ।
प्र । आपत् । पितॄन् । च । सर्वान् ॥ ९ ॥ सम् । त्वा । नह्यामि । पयसा । पृथिव्याः ॥ सम् ।
त्वा । नह्यामि । पयसा । ओषधीनाम् ॥ सम् । त्वा । नह्यामि । प्रऽजया । धनेन ॥ सा । सम्ऽ
नद्धा । सनुहि । वाजम् । आ । इमम् ॥ १० ॥ छ ॥ १३ ॥ अमः । अहम् । अस्मि । सा । त्वम् ॥

सा । अहम् । अस्मि । साम । अहम् । अस्मि । ऋक् । त्वम् ॥ द्यौः । अहम् । पृथिवी । त्वम् ॥ तौ । इह । सम् । भ
वाव ॥ प्रऽजाम् । आ । जनयावहै ॥ १ ॥ जनियन्ति । नौ । अग्रवः ॥ पुत्रिऽयन्ति । सुऽदा
नवः ॥ अरिष्टासू इति अरिष्टऽसू । सचेवहि । बृहते । वाजऽसातये ॥ २ ॥ ये ॥
पितरः । वधूऽदर्शाः ॥ इमम् । वहतुम् । आ । अगमन् ॥ ते । अस्यै । वध्वै । सम्ऽपत्न्यै ॥
प्रजाऽवत् । शर्म । यच्छन्तु ॥ ३ ॥ या । इदम् । पूर्वा । आ । अगन् । रशनाऽयमाना ॥ प्रऽजाम्
अस्यै । द्रविणम् । च । इह । दत्त्वा ॥ ताम् । वहन्तु । अगतस्य । अनु । पन्थाम् ॥ वि
राट् । इयम् । सुऽप्रजाः । अति । अजैषीत् ॥ ४ ॥ प्र । बुध्यस्व । सुऽबुधा । बुध्यमाना ॥
दीर्घायुऽत्वाय । शतऽशारदाय ॥ गृहान् । गच्छ । गृहऽपत्नी । यथा । असः ॥ दीर्घम्
ते । आयुः । सविता । कृणोतु ॥ ५ ॥ छ ॥ १४ ॥ पंचदशासप्ततिसराः ॥ छ ॥ चतुर्द
शमं कांडं समाप्तम् ॥ छ ॥ श्रीः ॥ शुभं भवतु ॥ कल्याणमस्तु ॥ छ ॥ श्रीः ॥ श्रीः ॥

९

व्रात्यः। आसीत्। ईयमानः। एव। सः। प्रजा॰पतिम्। सम्। ऐरयत्॥ सः। प्र
जा॰पतिः। सु॰वर्णम्। आत्मन्। अपश्यत्॥ तत्। प्र। अजनयत्॥ तत्। ए
कम्। अभवत्। तत्। ललामम्। अभवत्॥ तत्। महत्। अभवत्॥ तत्।
ज्येष्ठम्। अभवत्॥ तत्। ब्रह्म। अभवत्॥ तत्। तपः। अभवत्॥ तत्। सत्य
म्। अभवत्॥ तेन। प्र। अजायत॥ सः। अवर्धत। सः। महान्। अभवत्॥ सः।
महा॰देवः। अभवत्॥ सः। देवानाम्। ईशाम्। परि। ऐत्॥ सः। ईशानः।
अभवत्॥ सः। एक॰व्रात्यः। अभवत्॥ सः। धनुः। आ। अदत्त॥ तत्। ए
व। इन्द्र॰धनुः॥ नीलम्। अस्य। उदरम्॥ लोहितम्। पृष्ठम्॥ नीलेन। २९०
एव। अप्रियम्। भ्रातृव्यम्। प्र। ऊर्णोति॥ लोहितेन। द्विषन्तम्। विध्य

ति। इति। ब्रह्म॰वादिनः। वदन्ति॥ ६॥१॥ सः। उत्। अतिष्ठत्। सः। प्राचीम्। दि
शम्। अनु। वि। अचलत्॥ तम्। बृहत्। च। रथम्॰तरम्। च। आदित्याः। च। वि
श्वे। च। देवाः। अनु॰वि॰अचलन्॥ बृहते। च। वै। सः। रथम्॰तराय। च। आदि
त्येभ्यः। च। विश्वेभ्यः। च। देवेभ्यः। आ। वृश्चते। यः। एवम्। विद्वांसम्।
व्रात्यम्। उप॰वदति॥ बृहतः। च। वै। सः। रथम्॰तरस्य। च। आदित्यानाम्।
च। विश्वेषाम्। च। देवानाम्। प्रियम्। धाम। भवति॥ तस्य। प्राच्याम्। दिशि॥
श्रद्धा। पुंश्चली। मित्रः। मागधः। वि॰ज्ञानम्। वासः। अहः। उष्णीषम्। रात्री।
केशाः। हरितौ। प्र॰वर्तौ। कल्मलिः। मणिः॥ भूतम्। च। भविष्यत्। च। परि॰
स्कन्दौ। मनः। वि॰पथम्॥ मातरिश्वा। च। पवमानः। च। विपथ॰वाहौ। वातः। सा
रथिः। रेष्मा। प्र॰तोदः॥ कीर्तिः। च। यशः। च। पुरः॰सरौ। आ। एनम्। कीर्तिः।

यज्ञायज्ञियाय। च। वै। सः। वाम॰देव्याय। च। यज्ञाय। च।
गछति। आ। यशः। गछति। यः। एवम्। वेद॥ १॥ सः। दक्षिणाम्। दिशम्॥ त
म्। यज्ञायज्ञियम्। च। वाम॰देव्यम्। च। यज्ञः। च। यजमानः। च। पशवः। च। अ
नु॰व्यचलन्॥ यज्ञायज्ञियस्य। च। वै। सः। वाम॰देव्यस्य। च। यज्ञस्य। च। यज
मानस्य। च। पशूनाम्। च। प्रियम्। धाम। भवति॥ य॰॥ तस्य। दक्षिणायाम्। दिशि॥
उषाः। पुंश्चली। मन्त्रः। मागधः। अमा॰वास्या। च। पौर्ण॰मासी। च॥ २॥ सः। प्रती
चीम्। दिशम्॥ तम्। वैरूपम्। च। वैराजम्। च। आपः। च। वरुणः। च। राजा। अ
नु॰व्यचलन्॥ वैरूपाय। च। वै। सः। वैराजाय। च। अप्॰भ्यः। च। वरुणाय। च। रा
राज्ञे। आ। वृश्च्यात्॥ वैरूपस्य। च। वै। सः। वैराजस्य। च। अपाम्। च। ... च। व
रुणस्य। च। राज्ञः। प्रियम्। धाम। भवति॥ तस्य। प्रतीच्याम्। दिशि॥ इरा। पुंश्चली।
हसः। मागधः। अहः। च। रात्री। च॥ ३॥ सः। उत्। अतिष्ठत्॥ सः। उदीचीम्। दिशम्॥

४

आ। अनु। वि। अचलत्॥ तम्। श्यैतम्। च। नौधसम्। च। सप्त॰ऋषयः। च। सोमः। च।
राजा। अनु॰व्यचलन्॥ श्यैताय। च। वै। सः। नौधसाय। च। सप्तर्षि॰भ्यः। च। सो
माय। च। राज्ञे। आ। वृश्च्यात्॥ यः। एवम्। विद्वांसम्। व्रात्यम्। उप॰वदति॥ श्यै
तस्य। च। वै। सः। नौधसस्य। च। सप्त॰ऋषीणाम्। च। सोमस्य। च। राज्ञः। प्रियम्। धा
म। भवति॥ तस्य। उदीच्याम्। दिशि॥ वि॰द्युत्। पुंश्चली। स्तनयित्नुः। मागधः॥
वि॰ज्ञानम्। वासः। अहः। उष्णीषम्। रात्री। केशाः। हरितौ। प्र॰वर्तौ। कल्म
लिः। मणिः॥ श्रुतम्। च। वि॰श्रुतम्। च। परि॰स्कन्दौ। मनः। वि॰पथम्॥ मातरि
श्वा। च। पवमानः। च। विपथ॰वाहौ। वातः। सारथिः। रेष्मा। प्र॰तोदः। कीर्तिः
च। यशः। च। पुरः॰सरौ। आ। एनम्। कीर्तिः। गछति। आ। यशः। गछति। यः॥ ६॥
॥ २॥ सः। सम्॰वत्सरम्। ऊर्ध्वः। अतिष्ठत्॥ तम्। देवाः। अब्रुवन्। व्रात्य। किम्।

नु। तिष्ठसि। इति॥ स। अब्रवीत्॥ आ॰ संदीनाम्। स्तमाग्र ऋतु। इति॥ तस्मै। प्राच्या
या। आ॰ संदीम्। समा। अग्रत्न्॥ तस्याः। ग्रीष्मः। [illegible] वसंतः। वा। द्वौ पादौ। आ॰ सा
रत्ने३ म॥ शतम्। सा। वर्षाः। वा। द्वौ॥ बृहत्। या। रथंतरम्। वा। अनू॰ ये। इति॥ स स्ता
मो। यज्ञायज्ञियम्। वा। वामदेव्यम्। वा। तिरश्चि। इति॥ स क। ग्रो। न। तं तव। यज्ञ
चि। तिर्यञ्चौ। व। आ॰ स्वसा। द्रप्स। उप॰ बर्हिणा मा॥ सा। आ॰ सा। ग्रम
॰गीथः। उप॰ श्रुयः॥ ताम्। आ॰ संदीम्। बा। अ। आ। मुरोहत्॥ तस्या। [illegible]
नाः। पुरि॰ स्कंदाः। आसन्॥ सम्॰ कृत्याः। [illegible]। विश्वानि। भूतानि॥ उप॰ [illegible]
विश्वानि। एव। अस्या। भूतानि॥ उप॰ स। जयंति। य। [illegible]॥ तस्मै। प्राच्या। दिश
ः॥ वासंतौ। मासौ। गोप्तारौ। अकुर्वन्॥ बृहत्। च। रथंतरम्। च। अनु॰ स्थाता
रौ। वासंतौ। एनम्। मासौ। प्राच्याः। दिशः। गोपायतः॥ बृहत्। च। रथंतरम्। २०१

ऐदं १

च। अनु। तिष्ठतः। य॥ तस्मै। दक्षिणायाः। दिशः॥ ग्रैष्मौ। मासौ। गोप्तारौ। अकु
र्वन्। यज्ञायज्ञियम्। च। वामदेव्यम्। च॥ ग्रैष्मौ॥ एनम्। मासौ। दक्षिणायाः। दि
शः। गोपायतः॥ यज्ञायज्ञियम्। च। वामदेव्यम्। च॥ तस्मै। प्रतीच्याः। दिशः। वार्षि
कौ। मासौ। गोप्तारौ। अकुर्वन्। विरूपम्। च। विराजम्। च॥ वार्षिकौ। एनम्। मा
सौ। प्रतीच्याः। दिशः। गोपायतः॥ विरूपम्। च। विराजम्। च॥ तस्मै। उदीच्याः। दि
शः॥ शारदौ। मासौ। गोप्तारौ। अकुर्वन्॥ श्यैतम्। च। नौधसम्। च॥ शारदौ। ए
नम्। मासौ। उदीच्याः। दिशः। गोपायतः। श्यैतम्। च। नौधसम्। च॥ तस्मै। ध्रुवा
याः। दिशः॥ हैमनौ। मासौ। गोप्तारौ। अकुर्वन्॥ भूमिम्। च। अग्निम्। च॥ हैमनौ।
एनम्। मासौ। ध्रुवायाः। दिशः। गोपायतः। भूमिम्। च। अग्निम्। च॥ तस्मै। ऊर्ध्वायाः।
दिशः॥ शैशिरौ। मासौ। गोप्तारौ। अकुर्वन्॥ दिवम्। च। आदित्यम्। च॥ अनु॰ स्था

MEMORIAL

४

नारिसौ। शिशिरौ। एनम्। मासौ। ऊर्ध्वायाः। दिशः। गोपायतः॥ द्यौः। च। आदित्यः।
च। अनु। तिष्ठतः। यः। ए॥ छ॥ ४॥ तस्मै। प्राच्याः। दिशः। अंतः॰देशात्। भवम्। इ
ष्वु॰आसम्। अनु॰स्थातारम्॥ अकुर्वन्॥ भवः। एनम्। इष्वु॰आसः। प्राच्याः। दिश
ः॥ अंतः॰देशात्। अनु॰स्थाता॥ अनु। तिष्ठति॥ न। एनम्। शर्वः। न। भवः। न। ईशा
नः। न। अस्य। पशून्। न। समानान्। हिनस्ति। यः॥ तस्मै। दक्षिणायाः। दिशः। अं
तः॰देशात्। शर्वम्। इष्वु॰आसम्॥ शर्वः। एनम्। इष्वु॰आसः। दक्षिणायाः। दिशः॥
तस्मै। प्रतीच्याः। दिशः। अंतः॰देशात्। पशु॰पतिम्। इष्वु॰आसम्॥ पशु॰पतिः। ए
नम्। इष्वु॰आसः। प्रतीच्याः। दिशः॥ तस्मै। उदीच्याः। दिशः। अंतः॰देशात्। उग्रम्॥ ३०१
देवम्। इष्वु॰आसम्॥ उग्रः। एनम्। देवः। इष्वु॰आसः। उदीच्याः। दिशः॥ तस्मै। ध्रु
वायाः। दिशः॥ अंतः॰देशात्। रुद्रम्। इष्वु॰आसम्। रुद्रः। एनम्। इष्वु॰आसः॥

ध्रुवायाः। दिशः॥ तस्मै। ऊर्ध्वायाः। दिशः। अंतः॰देशात्॥ महा॰देवम्। इष्वु॰आ
सम्। महा॰देवः। एनम्। इष्वु॰आसः॥ ऊर्ध्वायाः। दिशः। अंतः॰देशात्। अनु॰
स्थाता॥ तस्मै। सर्वेभ्यः। अंतः॰देशेभ्यः॥ ईशानम्। इष्वु॰आसम्। अनु॰स्थाता
रम्। अकुर्वन्॥ ईशानः। एनम्। इष्वु॰आसः। सर्वेभ्यः। अंतः॰देशेभ्यः। अनु॰
स्थाता। अनु। तिष्ठति॥ न। एनम्। शर्वः। न। भवः। न। ईशानः॥ न। अस्य। पशून्। न।
समानान्। हिनस्ति। यः॥ छ॥ ५॥ सः। ध्रुवाम्। दिशम्। अनु। वि। अचलत्॥ तम्।
भूमिः। च। अग्निः। च। ओषधयः। च। वनस्पतयः। च। वानस्पत्याः। च। वीरुधः। च। अ
नु॰व्यचलन्॥ भूमेः। च। वै। सः। अग्नेः। च। ओषधीनाम्। च। वनस्पतीनाम्। च। वान
स्पत्यानाम्। च। वीरुधाम्। च। प्रियम्। धाम। भवति। यः॥ सः। ऊर्ध्वाम्। दिशम्॥ तम्
ऋतम्। च। सत्यम्। च। सूर्यः। च। चंद्रः। च। नक्षत्राणि। च॥ ऋतस्य। च। वै। सः। सत्यस्य।

च। सूर्यस्य। च। चंद्रस्य। च। नक्षत्राणाम्। च॥ सः। उत्०तमाम्। दिशम्॥ तम्। ऋचः।
च। सामानि। च। यजूंषि। च। ब्रह्म। च॥ ऋचाम्। च। वै। सः। साम्नाम्। च। यजुषाम्। च। ब्र
ह्मणः। च॥ सः। बृहतीम्। दिशम्॥ तम्। इतिहा०सः। च। पुराणम्। च। गाथाः। च।
नाराशंसीः। च। इतिह०सस्य। च। वै। सः। पुराणस्य। च। गाथानाम्। च। नारा
शंसीनाम्। च॥ सः। परमाम्। दिशम्॥ तम्। आ०हवनीयः। च। गार्ह०पत्यः। च।
दक्षिण०अग्निः। च। यज्ञः। च। यजमानः। च। पशवः। च। आ०हवनीयस्य। च।
वै। सः। गार्ह०पत्यस्य। च। दक्षिण०अग्नेः। च। यज्ञः। च। यजमानस्य। च। पशूनाम्।
च॥ आ०हवनीयस्य। च। वै। सः। गार्ह०पत्यस्य। च। दक्षिण०अग्नेः। च। यज्ञस्य। ३०२
च। यजमानस्य। च। पशूनाम्। च॥ सः। अनादिष्टाम्। दिशम्॥ तम्। ऋतवः। च। आ
र्तवाः। च। लोकाः। च। लौक्याः। च। मासाः। च। अर्ध०मासाः। च। अहोरात्रे

इति। च॥ ऋतूनाम्। च। वै। सः। आर्तवानाम्। च। लोकानाम्। च। लौक्यानाम्।
च। मासानाम्। च। अर्ध०मासानाम्। च। अहोरात्रयोः। च॥ सः। अनावृत्ताम्।
दिशम्। अनु। वि। अचलत्॥ ततः। न। आ०वर्त्स्यन्। अमन्यत॥ तम्। दितिः। च। अ
दितिः। च। इडा। च। इन्द्राणी। च। अनु०व्यचलन्॥ दितेः। च। वै। सः। अदितेः। च।
इडायाः। च। इन्द्राण्याः। च। प्रियम्॥ सः। दिशः। अनु। वि। अचलत्॥ तम्। वि०रा
ट्। अनु। वि। अचलत्॥ सर्वे। च। देवाः। सर्वाः। च। देवताः॥ वि०राजः। च। वै। सः।
सर्वेषाम्। च। देवानाम्॥ सर्वासाम्। च। देवतानाम्। प्रियम्॥ सः। सर्वान्। अंतः
०देशान्। अनु। वि। अचलत्॥ तम्। प्रजा०पतिः। च। परमे०स्थी। च। पिता। च। पि
तामहः। च। अनु०वि०अचलन्॥ प्रजा०पतेः। च। वै। सः। परमे०स्थिनः। च। पितुः।
च। पितामहस्य। च। प्रियम्। धाम। भवति। यः॥ ६॥ ५॥ सः। महिमा। सद्रुः। भू

प्रथमोऽनुवाकः ॥१

वा। अंतम्। पृथिव्याः। अगच्छत्॥ सः। समुद्रः। अभवत्॥ तम्। प्रजा०पतिः। च। प
रमे०ष्ठी। च। पिता। च। पितामहः। च। आपः। च। श्रद्धा। च। वर्षम्। भूत्वा। अनु०
व्यवर्तयंत॥ आ। एनम्। आपः। गच्छति॥ आ। एनम्। श्रद्धा। गच्छति॥ आ। एनम्।
वर्षम्। गच्छति। यः॥ तम्। श्रद्धा। च। यज्ञः। च। लोकः। च। अन्नम्। च। अन्न०अद्य
म्। च। भूत्वा॥ अभि०पर्यावर्तंत॥ आ। एनम्। श्रद्धा। गच्छति॥ आ। एनम्। यज्ञः। ग
च्छति। आ। एनम्। लोकः। गच्छति॥ आ। एनम्। अन्नम्। गच्छति। आ। एनम्। अ
न्न०अद्यम्। गच्छति। यः॥७॥१॥ व्रा॥ आद्यः सप्त पर्यायाः॥७॥१॥ सः। अरज्यत॥ २०४
ततः। राजन्यः। अजायत॥ सः। विशः। स०बंधून्। अन्नम्। अन्न०अद्यम्। अभि०उत्
3 अतिष्ठत्॥ विशाम्। च। वै। सः। सं०बंधूनाम्। च। अन्नस्य। च। अन्न०अद्यस्य। च। प्रिय
म्। धाम। भवति। यः॥८॥ सः। विशः। अनु। वि। अचलत्॥ तम्। सभा। च। सम्०

इतिः। च। सेना। च। सुरा। च। अनु०व्यचलन्॥ सभायाः। च। वै। सः। सम्०इते
ः। च। सेनायाः। च। सुरायाः। च। प्रियम्॥ धाम। भवति। यः। एवम्। वेद॥९॥ त
त्। यस्य। एवम्। विद्वान्। व्रात्यः॥ राज्ञः। अतिथिः। गृहान्। आ०गच्छेत्॥ श्रेयां
सम्। एनम्। आत्मनः। मानयेत्॥ तथा। क्षत्राय। न। आ। वृश्चते॥ तथा। राष्ट्राय। न।
आ। वृश्चते॥ अतः। वै। ब्रह्म। च। क्षत्रम्। च। उत्। अतिष्ठताम्॥ ते इति। अब्रूताम्॥
कम्। प्र। विशाव। इति॥ बृहस्पतिम्। एव। ब्रह्म। प्र०विशतु॥ इंद्रम्। क्षत्रम्। त
था। वै। इति॥ अतः। वै। बृहस्पतिम्। एव। ब्रह्म। प्र। अविशत्॥ इंद्रम्। क्षत्रम्॥ इय
म्। वै। ॐ इति। पृथिवी। बृहस्पतिः। द्यौः। एव। इंद्रः॥ अयम्। वै। ॐ इति। अग्नि
ः। ब्रह्म। असौ। आदित्यः। क्षत्रम्॥ आ। एनम्। ब्रह्म। गच्छति॥ ब्रह्म०वर्चसी।
भवति॥ यः। पृथिवीम्। बृहस्पतिम्। अग्निम्। ब्रह्म। वेद॥ आ। एनम्। इंद्रियम्।

गच्छति। इंद्रिय॰वान्। भवति॥ यः। आदित्यम्। तत्रम्। दिवम्। इंद्रम्। वेद॥ ब्रा॥
॥१०॥ ब्राह्मः। अतिथिं। स्वयम्। एनम्। अभि॰उदेत्य। ब्रूयात्॥ ब्रा॰ब्रा॰ क्व। अवा
त्सीः। ब्रा॰ब्रा॰ उदकम्॥ ब्रा॰ब्रा॰ तर्पयंतु। ब्रा॰ब्रा॰ यथा। ते। प्रियम्। तथा। अस्तु॥ ब्रा
ब्रा॰ यथा। ते। वशः। तथा। अस्तु॥ ब्रा॰ब्रा॰ यथा। ते। नि॰कामः। तथा। अस्तु। इति॥
यत्। एनम्। आह। ब्रात्य। क्व। अवात्सीः। इति। पथः। एव। तेन। देव॰यानान्।
अव। रुंधे॥ ब्रात्य। उदकम्। इति॥ अपः। एव। तेन। अव। रुंधे॥ ब्रा॰ब्रा॰ तर्पयं
तु। इति॥ प्राणम्। एव। तेन। वर्षीयांसं। कुरुते॥ यत्। एनम्। आह। ब्रात्य। यथा
ते। प्रियम्। तथा। अस्तु। इति॥ प्रियम्। एव। तेन। अव। रुंधे॥ आ। एनम्। प्रिय २७५
म्। गच्छति॥ प्रियः। प्रियस्य। भवति। यः। एवम्। वेद॥ ते। वशः। तथा। अस्तु। इति॥ वश
म्। एव॥ एनम्। वशं। गच्छति॥ वशी। वशिनाम्। भवति॥ यत्। एनम्। आह। ब्रात्य।

यथा। ते। नि॰कामः। तथा। अस्तु। इति॥ नि॰कामम्। एव। तेन। अव। रुंधे। आ।
एनम्। नि॰कामः। गच्छति॥ नि॰कामः। नि॰कामस्य। भवति। यः। एवम्। वेद॥
॥६॥११॥ ब्रा॰अं। उद्धृतेषु। अग्निषु। अधि॰श्रिते। अग्नि॰होत्रे। अतिथिः।
गृहान्। आ॰गच्छेत्॥ स्वयम्। एनम्। अभि॰उदेत्य। ब्रूयात्॥ ब्रात्य। अति
सृज। होष्यामि। इति॥ सः। च। अति॰सृजेत्। जुहुयात्॥ न। च। अति॰सृजेत्
न। जुहुयात्॥ सः। यः। एवम्। विद्वान्। ब्रात्येन। अति॰सृष्टः। जुहोति॥ प्र। पि
तृ॰यानम्। पंथाम्। जानाति॥ प्र। देव॰यानम्॥ न। देवेषु। आ। वृश्चते। हुतम्।
अस्य। भवति॥ परि। अस्य। अस्मिन्। लोके। आ॰यतनम्। शिष्यते। यः। एवम्।
विद्वान्। ब्रात्येन। अति॰सृष्टः। जुहोति॥ अथ। यः। एवम्। विद्वान्। ब्रात्येन। अ
नति॰सृष्टः। जुहोति॥ न। पितृ॰यानम्। पंथाम्। जानाति। न। देव॰यानम्॥ प्र।

।देवेभ्यः। वृश्च्यात्॥ अकृतम्। अस्य। भवति॥ न। अस्य। अस्मिन्। लोके। आ॰य
तनम्। शिष्यते॥ यः। एवम्। विदुषा। आर्षेणे॥ अनति॰सृष्टः। जुहोति॥ ६॥ १२॥
प्राज्यः। एकम्। रात्रिम्। अतिथिः। गृहे। वसति॥ याः। पृथिव्याम्। पुण्याः। लोकाः॥
तान्। एव। तेन। अव। रुंधे॥ प्राज्यः। द्वितीयम्। रात्रिम्। याः। अंतरिक्षे। पुण्याः॥
प्राज्यः। तृतीयम्। रात्रिम्। याः। दिवि। पुण्याः। प्राज्यः। चतुर्थीम्। रात्रिम्। अतिथि
॥ः। याः। पुण्यानाम्। पुण्याः॥ तेन। यस्य। एवम्। विद्वान्। प्राज्यः॥ अपरि॰मिता
ः। रात्रीः। अतिथिः। गृहे। वसति॥ याः। एव। अपरि॰मिताः। पुण्याः। लो
काः। तान्। एव। तेन। अव। रुंधे॥ अथ। यस्य। अब्राह्मः। ब्राह्म॰ब्रुवः॥ न ३०५
म॰लिब्रती। अतिथिः। गृहान्। आ॰ गच्छेत्॥ कर्षेत्। एनम्। न। च। एनम्। क
र्षेत्॥ अस्यै। देवतायै। उदकम्। याचामि। इमाम्॥ देवताम्। वासये। इमाम्।

इमाम्॥ देवताम्। परि। वेवेष्मि। इति॥ एनम्। परि। वेविष्यात्॥ तस्याम्।
एव। अस्य। तत्। देवतायाम्॥ हुतम्। भवति। यः। एवम्। वेद॥ ७॥ १॥ ॥ सः
यत्। प्राचीम्। दिशम्। अनु। वि॰ अचलत्। मारुतम्। शर्धः। भूत्वा। अनु॰ व्य
चलत्॥ मनः। अन्न॰ अदम्। कृत्वा॥ मनसा। अन्न॰ आदेन। अन्नम्। अत्ति।
यः। एवम्। वेद॥ यत्। दक्षिणाम्। दिशम्। अनु। वि॰ अचलत्॥ इन्द्रः। भू
त्वा। अनु॰ व्यचलत्॥ बलम्। अन्न॰ अदम्। कृत्वा। बलेन। अन्न॰ आदेन
अन्नम्। यत्। प्रतीचीम्। दिशम्। अनु। वि॰ अचलत्॥ वरुणः। राजा। भूत्वा।
अनु॰ व्यचलत्॥ अपः। अन्न॰ अदीः। कृत्वा॥ [illegible]त॰भिः। अन्न॰ अदीभिः
अन्नम्॥ यत्। उदीचीम्। दिशम्। अनु। वि॰ अचलत्॥ सोमम्। राजानम्। भूत्वा

अनु॰ व्यचलत॥ सप्तर्षि॰ भिः। कृत्ता। आ॰ कृतिभ्रौ॥ अन्न॰ अदीमा। राया॥
आ॰ कृया। अन्न॰ अघा॥ अन्नम्॥ यत। ध्रुवाम्। दिशम्। अनु। वि॰ अयचलत
विष्णुः। सृवा। अनु॰ व्यचलत॥ वि॰ राजम्। अन्न॰ अदीमा। राया॥ वि॰ राजा
अन्न॰ अघा॥ अन्नम्॥ यत। पृश्नत। अनु। वि॰ अचलत॥ रुद्रः। सृवा। अ
नु॰ व्यचलत॥ तुष्टीः। अन्न॰ अदीः। रया॥ तुष्टीभिः। अन्न॰ अदी भिः।
अन्नम्॥ यत। पितृन॥ अनु। वि॰ अचलत॥ यमः। राजा। सृवा। अनु॰ व्यच
त॥ स्वधा॰ कारम्। अन्न॰ अदम्। सृवा॥ स्वधा॰ कारेण। अन्न॰ आदन्। अ
म्। यत। मनुष्यान्। अनु। वि॰ अचलत॥ अग्निः। सृवा। अनु॰ व्यचलत॥ स्वा
हा॰ कारम्। अन्न॰ अदम्। स्वाहा॰ कारेण। अन्न॰ आदन्। यत। ऊर्ध्वाम्।

MEMORIAL

दिशम्॥ अनु। वि॰ अचलत॥ बृहस्पतिः। सृवा। अनु॰ व्यचलत॥ वष
ट॰ कारम्। अन्न॰ अदम्॥ वषट॰ कारेण। अन्न॰ आदन॥ यत। देवान्।
अनु। वि॰ अचलत॥ ईशानः। सृवा। अनु॰ व्यचलत। मन्युम्। अन्न॰ अद
म्। मन्युना। अन्न॰ आदन॥ यत। प्र॰ जाः। अनु। वि॰ अचलत॥ प्रजा॰ प
तिः। सृवा। अनु॰ व्यचलत॥ प्राणम्। अन्न॰ अदम्॥ प्राणेन। अन्न॰ अद
न॥ सः। यत। सर्वान्। अन्तः॰ देशान्। अनु। वि। व अचलत॥ परमे॰ ष्ठी
सृवा। अनु॰ व्यचलत॥ ब्रह्म। अन्न॰ अदम्। सृवा॥ ब्रह्मणा। अन्न॰ अ
दन्। अन्नम्। अतितीयः। एवम्। वेद॥ ७॥ १५॥ तस्य। व्रात्यस्य। सप्त। प्रा
णाः। सप्त। अपानाः। सप्त। वि॰ आनाः॥ यः। अस्य। प्रथमः। प्राणः। ऊर्ध्वः।
नाम। अयम्। सः। अग्निः॥ अस्य। द्वितीयः। प्राणः। प्र॰ ऊढः। नाम। असौ।

६ १

सः। आदित्यः॥ अस्य। तृतीयः। प्राणः। अभि०उक्तः। नाम। असौ। चंद्रमाः॥
यः। अस्य। चतुर्थः। प्राणः॥ वि०भूः। नाम। अयम्। सः। पवमानः। अस्य। पंचम
ः। प्राणः॥ योनिः। नाम। ताः। इमाः। आपः॥ अस्य। षष्ठः। प्राणः। प्रियः। नाम। ते।
इमे। पशवः॥ अस्य। सप्तमः। प्राणः। अपरि०मितः। नाम। ताः। इमाः। प्रजाः॥
॥ छ॥ १५॥ प्रथमः। अपानः। सा। पौर्ण०मासी॥ द्वितीयः। अपानः। सा। अष्टका॥
तृतीयः। अपानः। सा। अमा०वास्या॥ चतुर्थः। अपानः। सा। श्रद्धा॥ पंचमः।
अपानः। सा। दीक्षा॥ षष्ठः। अपानः। सः। यज्ञः॥ सप्तमः। अपानः॥ ताः। इमाः।
दक्षिणाः॥ छ॥ १६॥ अस्य। प्रथमः। वि०आनः। सा। इयम्। भूमिः॥ अस्य। द्वि ३०८
तीयः। वि०आनः। तत्। अंतरिक्षम्॥ अस्य। तृतीयः। वि०आनः। सा। द्यौः। अ
स्य। चतुर्थः। वि०आनः। तानि। नक्षत्राणि॥ अस्य। पंचमः। वि०आनः। ताः। ऋ

तवः॥ अस्य। षष्ठः। वि०आनः। ताः। आर्तवाः। यः। अस्य। सप्तमः। वि०आन
ः। सः। सम्०वत्सरः॥ समानम्। अर्थम्। परि। यंति। देवाः। सम्०वत्सरम्। वै।
एतत्। ऋतवः। अनु०परियंति। प्राणम्। यः॥ यत्। आदित्यम्। अग्नि०संविश
ति॥ अमा०वास्याम्। वा। एव। तत्। पौर्ण०मासीम्। वा॥ एकम्। तत्। षष्ठम्। अ
मृत०त्वम्। इति॥ आ०कृतिः। एव॥ १८॥ छ॥ तस्य। प्राणस्य॥ यत्। अस्य। दक्षिण
म्। अक्षि। असौ। सः। आदित्यः॥ यत्। अस्य। सव्यम्। अक्षि। असौ। सः। चंद्रमाः॥
यः। अस्य। दक्षिणः। कर्णः। अयम्। सः। अग्निः। यः। अस्य। सव्यः। कर्णः। अ
यम्। सः। पवमानः। अहोरात्रे इति। नासिके इति। दितिः। च। अदितिः। च। शीर्ष
कपाले इति। शीर्ष०कपाले॥ सम्०वत्सरः। शिरः॥ अन्नात्। प्रत्यङ्। प्राणम्। आरा
न्यात्। प्राङ्। नमः। प्राणाय॥ छ॥ २०॥ पंचदशमं कांडं समाप्तम्॥ छ॥ श्री॥ कृष्णः॥
॥ जयतु॥ छ॥

द्वा २

उँ अग्नि॰स्कम्भः। अपाम्। वृषभः॥ अपति॰स्कम्भः। अप्सु। यः। दिव्याः॥ कृशनाः। पृश्नि॰
॰रुजन्। मृणन्। प्र॰मृणन्॥ म्रोकः। मनः॰हाः। खनः। निः॰दाहः॥ आत्म॰दू-
षिः। तनू॰दूषिः॥ इदम्। तम्। अपति॰स्कम्भम्॥ तम्। मा। अग्नि॰खनित्रैः॥ तेन
तम्। अग्नि॰। अपति॰स्कम्भम्॥ यः। अस्मान्। द्वेष्टि। यम्। वयम्। द्विष्मः॥ अपाम्।
अयम्। असि। समुद्रम्। वः। अग्नि॰अवसृजामि॥ यः। अप्॰सु। अग्निः। अ-
ति। तम्। सृजामि। म्रोकम्। खनिम्। तनू॰दूषिम्॥ यः। वः। आपः। अग्निः। आ॰वि-
वेश॥ सः। एषः। यत्। वः। घोरम्। तत्। एतत्॥ इन्द्रस्य। वः। इन्द्रियेण। अभि। सिंचेत्॥ २०९
घा। अस्म त। न॥ अरिप्राः। आपः। अप। रिप्रम्। अस्मत्॥ प्र। एनः। वहन्तु। प्र। दुः॰स्वप्न्यम्। वहन्तु॥ शि-
वेन। मा। चक्षुषा। पश्यत। आपः॥ शिवया। तन्वा। उप। स्पृशत। त्वचम्। मे॥ शि-
वान्। अग्नीन्। अप्सु॰सदः। हवामहे॥ मयि। क्षत्रम्। वर्चः। आ। धत्त। देवीः॥ ७॥१॥

निः। कृ॰। अर्म॰एषः। ऊर्जा। मधु॰मती। वाक्॥ मधु॰मती। स्थ। मधु॰मतीम्। वाच-
म्। उदेयम्॥ उप॰हूतः। मे। गोपाः। उप॰हूतः। गोपीथः॥ सु॰श्रुतौ। कर्णौ। भ-
द्र॰श्रुतौ। कर्णौ॥ भद्रम्। श्लोकम्। श्रूयासम्॥ सु॰श्रुतिः। च। मा। उप॰श्रुतिः।
च। मा। हासिष्टाम्॥ सौपर्णम्। चक्षुः। अजस्रम्। ज्योतिः॥ ऋषीणाम्। प्र॰स्तरः।
असि॥ नमः। अस्तु। दैव्याय। प्र॰स्तराय॥६॥२॥ मूर्धा। अहम्। रयीणाम्। मूर्धा।
समानानाम्। भूयासम्॥ रुजः। च। मा॥ वेनः। च। मा। हासिष्टाम्। मूर्धा। च। मा। वि॰
धर्मा। च। मा। हासिष्टाम्॥ उर्वः। च। मा। चमसः। च। मा। हासिष्टाम्। धर्ता। च। मा। व-
रुणः। च। मा। हासिष्टाम्॥ वि॰मोकः। च। मा। आर्द्र॰पविः। च। मा। हासिष्टाम्॥ आर्द्र-
॰दानुः। च। मा। मातरिश्वा। च। मा। हासिष्टाम्॥ बृहस्पतिः। मे। आत्मा। नृ॰मणाः
नाम। हृद्यः॥ असन्तापम्। मे। हृदयम्। उर्वी। गव्यूतिः॥ समुद्रः। अस्मि। वि॰ध-

र्मणा ॥ ७ ॥ ३ ॥ नाभिः । अहम् । रयीणाम् ॥ नाभिः । समानानाम् । भूयासम् ॥ सुऽआ
सत् । असि । सुऽउषाः । अमृतः । मर्त्येषु । आ ॥ मा । माम् । प्राणः । हासीत् । मो इति । अ
पानः ॥ अवऽहाय । परा । अगात् ॥ सूर्यः । मा । अह्नः । पातु । अग्निः । पृथिव्याः । वायुः
। अन्तरिक्षात् ॥ यमः । मनुष्येभ्यः । सरस्वती । पार्थिवेभ्यः ॥ प्राणापानौ । मा । मा । हा
सिष्टम् ॥ मा । जने । प्र । मेषि ॥ स्वस्ति । अद्य । उषसः । दोषसः । च । सर्वाः । आपः । सर्व
ऽगणः । अशीय ॥ शक्वरीः । स्थ । पशवः । मा । उप । स्थेषुः ॥ मित्रावरुणौ । मे । प्राणा
पानौ ॥ अग्निः । मे । दक्षम् । दधातु ॥ ७ ॥ ४ ॥ विद्म । ते । स्वप्न । जनित्रम् ॥ ग्राह्याः । पु
त्रः । असि । यमस्य । करणः ॥ अन्तकः । असि । मृत्युः । असि ॥ तम् । त्वा । स्वप्न । तथा । स ३१
म् । विद्म ॥ सः । नः । स्वप्न । दुःऽस्वप्न्यात् । पाहि ॥ जनित्रम् ॥ निःऽऋत्याः । पुत्रः ॥ जनि
त्रम् । अभूत्याः । पुत्रः ॥ जनित्रम् । निःऽभूत्याः । पुत्रः ॥ जनित्रम् । पराऽभूत्याः । पुत्रः ॥

विद्म । ते । स्वप्न । जनित्रम् ॥ देवऽजामीनाम् । पुत्रः । असि । यमस्य । करणः । अन्त
कः । असि । मृत्युः । असि ॥ तम् । त्वा । स्वप्न । तथा । सम् । विद्म ॥ सः । नः । स्वप्न । दुःऽ
स्वप्न्यात् । पाहि ॥ ७ ॥ ५ ॥ अजैष्म । अद्य । असनाम । च । अभूम । अनागसः । वय
म् ॥ उषः । यस्मात् । दुःऽस्वप्न्यात् । अभैष्म । तत् । अप । उच्छतु ॥ द्विषते । तत् । परा
वह ॥ शपते । तत् । परा । वह ॥ यम् । द्विष्मः । यः । च । नः । द्वेष्टि । तस्मै । एनत् । गमय
म् ॥ उषाः । देवी । वाचा । सम्ऽविदाना । वाक् । देवी । उषसा । सम्ऽविदाना ॥ उषः
पतिः । वाचः । पतिना । सम्ऽविदानः ॥ वाचः । पतिः । उषःऽपतिना । सम्ऽविदानः ॥ ते
अमुष्मै । परा । वहन्तु । अरायान् । दुःऽनाम्नः । सदान्वाः ॥ कुम्भीकाः । दूषीकाः । पी
यकान् ॥ जाग्रत्ऽदुःस्वप्न्यम् । स्वप्नेऽदुःस्वप्न्यम् ॥ अनागमिष्यतः । वरान् । अ
वित्तेः । सम्ऽकल्पान् । अमुच्याः । द्रुहः । पाशान् ॥ तत् । अमुष्मै । अग्ने । द्विषः ॥

परा। वृहंतु। वज्रैः। यथा। असत्। विऽधुरः। न। साधुः॥ ६॥ ५॥ तत्। एनम्। वि
ध्यामि। अभूत्याः। एनम्। विध्यामि। निःऽभूत्याः। एनम्। विध्यामि। पराऽभूत्याः।
एनम्। विध्यामि। ग्राह्याः। एनम्। विध्यामि। तमसा। एनम्। विध्यामि। देवा
नाम्। एनम्। घोरैः। क्रूरैः। प्रऽएषैः। अभिऽप्रेष्यामि॥ वैश्वानरस्य। दंष्ट्र एनं
योः। अपि। दधामि॥ एव। अनेवा। अव। सा। गरत्। यः। अस्मान्। द्वेष्टि। तम्। आत्
मा। द्वेष्टु। यम्। वयम्। द्विष्मः। सः। आत्मानम्। द्वेष्टु। निः। द्विषंतम्। दिवः। निः। पृथि
व्याः॥ निः। अंतरिक्षात्। भजाम। सुऽयामन्। चाक्षुष॥ इदम्। अहम्। आमुष्यायणे।
आमुष्याः। पुत्रे। दुःऽस्वप्न्यम्। मृजे॥ यत्। अदःऽअदः। अभिऽअगच्छन्। य २११
त्। दोषा। यत्। पूर्वाम्। रात्रिम्॥ यत्। जाग्रत्। यत्। सुप्तः॥ यत्। दिवा। यत्। नक्तम्॥
यत्। अहःऽअहः। अभिऽगच्छामि॥ तस्मात्। एनम्। अवगाय॥ तम्। जहि। तेन। मंद

६१

स्व। तस्य। पृष्टीः। अपि। शृणीहि। सः। मा। जीवीत्। तम्। प्राणः। जहातु॥ ७॥ ६॥ जि
तम्। अस्माकम्। उत्ऽभिन्नम्। अस्माकम्। ऋतम्। अस्माकम्। तेजः। अस्माकम्।
ब्रह्म। अस्माकम्। स्वः। अस्माकम्। यज्ञः। अस्माकम्। पशवः। अस्माकम्। प्र
ऽजाः। अस्माकम्। वीराः। अस्माकम्। तस्मात्। अमुम्। निः। भजामः। अमुम्। आमु
ष्यायणम्। अमुष्याः। पुत्रम्। असौ। यः॥ सः। ग्राह्याः। पाशात्। मा। मोचि। तस्य
इदम्। वर्चः। तेजः। प्राणम्। आयुः। नि। वेष्टयामि। इदम्। एनम्। अधरांचम्। पाद
यामि॥ सः। निःऽभूत्याः। पाशात्॥ सः। अभूत्याः। पाशात्॥ सः। निःऽभूत्याः। पाशा
त्॥ सः। पराऽभूत्याः। पाशात्॥ सः। देवऽजामीनाम्। पाशात्॥ सः। बृहस्पतेः। पाशा
त्॥ सः। प्रजाऽपतेः। पाशात्॥ सः। ऋषीणाम्। पाशात्॥ सः। आर्षेयाणाम्। पाशात्॥
सः। अंगिरसाम्। पाशात्॥ सः। आंगिरसानाम्। पाशात्॥ सः। अथर्वणाम्। पाशात्॥

सः। आथर्वणानाम्। पाशात्॥ सः। वनस्पतीनाम्। पाशात्॥ सः। वानस्पत्यानाम्।
पाशात्॥ सः। ऋतूनाम्। पाशात्॥ सः। आर्तवानाम्। पाशात्॥ सः। मासानाम्। पाशा-
त्॥ सः। अर्द्ध०मासानाम्। पाशात्॥ सः। अहोरात्रयोः। पाशात्॥ सः। अह्नोः। सम्०
यतोः। पाशात्॥ सः। द्यावापृथिव्योः। पाशात्॥ सः। इन्द्राग्न्योः। पाशात्॥ सः। मित्रा
वरुणयोः। पाशात्॥ सः। राज्ञः। वरुणस्य। पाशात्॥ अस्माकम्॥ सत्यम्। अस्मा
कम्॥ तेजः। अस्माकम्॥ ब्रह्म। अस्माकम्। स्वः। अस्माकम्॥ यज्ञः। अस्माकम्॥
पशवः। अस्माकम्॥ प्र०जाः। अस्माकम्॥ वीराः। अस्माकम्॥ तस्मात्। अमुम्।
निः। भजामः। अमुम्। आमुष्यायणम्। अमुष्याः। पुत्रम्। असौ। यः॥ सः। मृत्योः। ३१२
पड्बीशात्। पाशात्। मा। मोचि॥ तस्य। इदम्। वर्चः। तेजः। प्राणम्। आयुः। नि। वेष्टयामि॥
इदम्। एनम्। अधराञ्चम्। पादयामि॥ ७॥ १०॥ जितम्। अस्माकम्। उत्०भिन्नम्। अस्मा

कम्॥ अभि। अस्थाम्। विश्वाः। पृतनाः। अरातीः॥ तत्। अग्निः। आह। तत्। ऊं इति। सो
मः। आह। पूषा। मा। धात्। सु०कृतस्य। लोके॥ अगन्म। स्वः। स्वः। अगन्म॥ सम्। सू
र्यस्य। ज्योतिषा। अगन्म॥ वस्यः०भूयाय। वसु०मान्। यज्ञः॥ वसु। वंशिषीय॥ वसु
०मान्। भूयासम्॥ वसु। मयि। धेहि॥ ६॥ ११॥ षोडशमं काण्डं समाप्तम्॥ श्रीः॥ ॥
ॐ वि०ससहिम्। सहमानम्॥ ससहानम्। सहीयांसम्॥ सहमानम्। सहः०जि
तम्। स्वः०जितम्। गो०जितम्। संधन०जितम्॥ ईड्यम्। नाम। ह्वे। इन्द्रम्। आयुष्मा
न्। भूयासम्॥ १ इन्द्रम्। प्रियः। देवानाम्। भूयासम्॥ २ प्रियः। प्र०जानाम्। भूयास
म्॥ प्रियः। पशूनाम्। भूयासम्॥ ४ वि०ससहिम्। सहमानम्। ससहानम्॥ सहीयां
सम्॥ सहमानम्। सहः०जितम्। स्वः०जितम्। गो०जितम्। संधन०जितम्॥ ईड्यम्। ना
म। ह्वे। इन्द्रम्॥ प्रियः। समानानाम्। भूयासम्॥ उत्। इहि। उत्। इहि। सूर्य। वर्चसा॥
मा। अभि०उत्०इहि॥ द्विषन्। च। मह्यम्। रध्यतु॥ मा। च। अहम्। द्विषते। रधम्॥ तव-

हतः। विष्णो इति। वृष्णो इति। कृं०धा। वीर्याणि॥ त्वम्। नः। पृणीहि। पशुऽभिः। विश्वऽरूपैः॥
सुऽधायाम्। मा। धेहि। परमे। विऽओमन्॥६॥ उत्। इहि। उत्। इहि। सूर्य। वर्चसा॥
मा। अभि। उत्ऽइहि। यान्। च। पश्यामि। यान्। च। न। तेषु। मा। सुऽमतिम्। कृधि। त
वा ७॥ मा। त्वा। दभन्। सलिले। अप्ऽसु। अन्तः। ये। पाशिनः। उपऽतिष्ठन्ति। अत्र। हि
त्वा। अशस्तिम्। दिवम्। आ। अरुक्षः। एताम्॥ सः। नः। मृड। सुऽमतौ। ते। स्याम।
तव॥८॥ त्वम्। नः। इन्द्र। महते। सौभगाय। अदब्धेभिः। परि। पाहि। अक्तुऽभिः। तव॥
९॥ त्वम्। नः। इन्द्र। ऊतिऽभिः। शिवाभिः। शम्ऽतमः। भव॥ आऽरोहन्। त्रिऽदिवम्।
दिवः। गृणानः। सोमऽपीतये। प्रियऽधामा। स्वस्तये। तव॥१०॥७॥१॥ त्वम्। इन्द्र। ३१७
असि। विश्वऽजित्। सर्वऽवित्। पुरुऽहूतः। त्वम्। इन्द्र॥ त्वम्। इन्द्र। इमम्। सुऽहवम्।
स्तोमम्। आ। ईरयस्व॥ सः। नः। मृड। सुऽमतौ। ते। स्याम। तव॥११॥ अदब्धः। दिवि।
पृथिव्याम्। उत। असि। न। ते। आपुः। महिमानम्। अन्तरिक्षे॥ अदब्धेन। ब्रह्मणा। वृ

४
धा। नः। सः। त्वम्। नः। इन्द्र। दिवि। सन्। शर्म। यच्छ। तव॥१२॥ या। ते। इन्द्र। तनूः। अप्ऽसु। या।
पृथिव्याम्। या। अन्तः। अग्नौ। या। ते। इन्द्र। पवमाने। स्वःऽविदि। यया। इ
न्द्र। तन्वा। अन्तरिक्षम्। विऽआपिथ। तया। नः। इन्द्र। तन्वा। शर्म। यच्छ। तव॥१३॥ त्वाम्।
इन्द्र। ब्रह्मणा। वर्धयन्तः। सत्रम्। नि। सेदुः। ऋषयः। नाधमानाः। तव॥१४॥ त्वम्। तृतम्।
त्वम्। परि। एषि। उत्सम्॥ सहस्रऽधारम्। विदथम्। स्वःऽविदम्। तव॥१५॥ त्वम्। रक्ष
से। प्रऽदिशः। चतस्रः। त्वम्। शोचिषा। नभसी इति। वि। भासि॥ त्वम्। इमा। विश्वा। भु
वना। अनु। तिष्ठसे। ऋतस्य। पन्थाम्। अनु। एषि। विद्वान्। तव॥१६॥ पञ्चऽभिः। परा
ङ्। तपसि। एकया। अर्वाङ्। अशस्तिम्। एषि। सुऽदिनः। बाधमानः। तव॥१७॥ इन्द्र
त्वम्। इन्द्रः। त्वम्। महाऽइन्द्रः। त्वम्। लोकः। त्वम्। प्रजाऽपतिः॥ तुभ्यम्। यज्ञः। वि। ता
यते। तुभ्यम्। जुह्वति। जुह्वतः। तव॥१८॥ असति। सत्। प्रतिऽस्थितम्। सति। भूतम्।

प्रति॰स्थितम्॥ स्थितम्। हि। नक्षे। आ॰हितम्॥ नक्षम्। स्थूणा। प्रति॰स्थितम्॥ तव। इ
न्द्र। वि॰स्थः। इति। बहु॰धा। वीर्याणि॥ त्वम्। नः। हरिणी। हि। पुरु॰जि॰त्। विश्व॰रूप। स्व॰
धायाम्॥ मा। धेहि। परमा। वि॰त्रुमन॥ ९॥ स्त्रक्त्यः। असि। भ्राजः। असि॥ सः। यथा।
त्वम्। भ्राजता। भ्राजः। असि। एव। अहम्। भ्राजता। भ्राज्यासम्॥ १०॥ ७॥ रुचि
ः। असि। रोचः। असि॥ सः। यथा। त्वम्। रुच्या। रोचः। असि॥ एव। अहम्। पशु॰
भिः। च। ब्राह्मण॰वर्चसेन। च। रुचिषीय॥ ११॥ उत्॰यते। नमः। उत्॰आयते। न
मः॥ उत्॰इताय। नमः॥ वि॰राजे। नमः। स्व॰राजे। नमः। सम्॰राजे। नमः॥ १२॥ अस्त
म्॰यते। नमः। अस्तम्॰एष्यते। नमः॥ अस्तम्॰इताय। नमः॥ वि॰राजे। नमः। २१
स्व॰राजे। नमः। सम्॰राजे। नमः॥ १३॥ उत्। अगात्। अयम्। आदित्यः॥ विश्वेन।
तपसा। सह॥ सप॰त्नान्। मह्यम्। रन्धयन्॥ मा। च। अहम्। द्विषते। रधम्॥ तव।

इन्द्र। वि॰स्थः। इति। बहु॰धा। वीर्याणि॥ त्वम्। नः। हरिणी। हि। पुरु॰जि॰त्। विश्व॰
रूप। स्व॰धायाम्॥ मा। धेहि। परमे। वि॰त्रुमन॥ १४॥ आदित्य। नावम्। आ। अ
रुक्षः। शत॰अरित्राम्। स्वस्तये॥ अहः। मा। अति। अपीपरः॥ रात्रिम्। सत्रा।
अति। पारय॥ १५॥ सूर्य। नावम्। आ। अरुक्षः। शत॰अरित्राम्। स्वस्तये॥ रात्रि
म्। मा। अति। अपीपरः॥ अहः। सत्रा। अति। पारय॥ १६॥ प्रजा॰पतेः। आ॰वृतः। ब्रह्म
णा। वर्मणा। अहम्। कश्यपस्य। ज्योतिषा। वर्चसा। च॥ जरत्॰अष्टिः। कृत॰वी
र्यः। वि॰हायाः॥ सहस्र॰आयुः। सु॰कृतः। चरेयम्॥ १७॥ परि॰वृतः। ब्रह्मणा।
वर्मणा। अहम्॥ कश्यपस्य। ज्योतिषा। वर्चसा। च॥ मा। मा। प्र। आपन्। इषवः।
दैव्याः। याः॥ मा। मानुषीः। अव॰सृष्टाः। वधाय॥ १८॥ ऋतेन। गुप्तः। ऋतु॰भिः। च।
सर्वैः॥ भूतेन। गुप्तः। भव्येन। च। अहम्॥ मा। मा। प्र। आपत्। पाप्मा। मा। उत। मृ

प्रा॥४३५० ४८७

थुः॥अनः॥दृशि॥अदमा॥सुजिलेनावाचः॥९॥अग्निमग्ना॥गो॥खा॥परिप
विश्वतः॥उतव्यन॥सुर्यः॥नुदनामा॥मृत्यु॰पाशान्॥वि॰उत्सं॥तं॥उषः
पर्णा॥धु्रवाः॥सुदस्तमा॥प्राणा॥मयि॥आयतं॥नामा॥१०॥छ॥२॥सुद
नामा॥स्थायतं॥नामा॥१॥इत्येतत्अनुक्रांतं॥चत्रिंशाद्विपासहि॥छ॥सं
क्रामे॥काउंसमाप्तम्॥छ॥श्रीः॥संवत्॥१५२१वर्षे॥अश्विन्॥सुदि१३॥गुरो॥
सूर्य॥अथर्ववेदाध्यायी॥आ॰श्रंतर॥नागरज्ञातीय॥पंचली॥श्री॥कुंवे॥
सुली[redacted]ना॥धर्मदं[redacted]एतेषु॥पद॥हरिलिकालिखितं॥छ॥श्रीः॥
इति॥कल्याणमस्तु॥छ॥सुजं॥नवत्॥छ॥श्रीः॥शिवमस्तु॥छ॥श्रीः॥मंगल
मस्तु॥छ॥श्रीः॥सर्वजगतः॥छ॥एवं॥सूक्तसंख्या॥ ॥एवं॥ऋचासंख्या
॥ ॥एवं॥अनुवाकसंख्या॥ ॥श्रीः॥शुभं॥भवतु॥श्रीः॥

आदावे

कां5.१८ मुख

॥ॐनमोः १ श्री गुरु

रोगि बाधि

ओ३ इति वित्।

॥ॐ॥ नमोऽथर्ववेदाय॥ ओ३ इति॥ ...त्। सखायम्। सख्या। ववृत्याम्॥ तिरः। पुरु। चित्। अ-
र्णवम्। जगन्वान्॥ पितुः। नपातम्। आ। दधीत। वेधाः॥ अधि। क्षमि। प्रऽतरम्। दी-
ध्यानः॥१॥ न। ते। सखा। सख्यम्। वष्टि। एतत्॥ सऽलक्ष्मा। यत्। विषुऽरूपा। भवाति॥ म-
हः। पुत्रासः। असुरस्य। वीराः॥ दिवः। धर्तारः। उर्विया। परि। ख्यन्॥२॥ उशन्ति। घ। ते। अ-
मृतासः। एतत्। एकस्य। चित्। त्यजसम्। मर्त्यस्य॥ नि। ते। मनः। मनसि। धायि। अस्मे
इति। जन्युः। पतिः। तन्वम्। आ। विविश्याः॥३॥ न। यत्। पुरा। चकृम। कत्। ह। नूनम्॥ ऋतम्।
वदन्तः। अनृतम्। रपेम॥ गन्धर्वः। अप्ऽसु। अप्या। च। योषा। सा। नौ। नाभिः। परमम्। जा-
मि। तत्। नौ॥४॥ गर्भे। नु। नौ। जनिता। दम्पती इति दम्ऽपती। कः। देवः। त्वष्टा। सविता। वि-
श्वऽरूपः॥ नकिः। अस्य। प्र। मिनन्ति। व्रतानि। वेद। नौ। अस्य। पृथिवी। उत। द्यौः॥
५॥ कः। अद्य। युङ्क्ते। धुरि। गाः। ऋतस्य। शिमीऽवतः। भामिनः। दुःऽहृणायून्॥ आसन्ऽइ-
षून्। हृत्ऽस्वसः। मयःऽभून्। यः। एषाम्। भृत्याम्। ऋणधत्। सः। जीवात्॥६॥ कः। अस्य १

वेद। प्रथमस्य। अह्नः। कः। ईम्। ददर्श। कः। इह। प्र। वोचत्॥ बृहत्। मित्रस्य। वरुण-
स्य। धाम। कत्। ऊँ इति। ब्रवः। आहनः। वीच्या। नॄन्॥७॥ यमस्य। मा। यम्यम्। कामः।
आ। अगन्। समाने। योनौ। सहऽशेय्याय॥ जायाऽइव। पत्ये। तन्वम्। रिरिच्याम्॥ वि।
चित्। वृहेव। रथ्याऽइव। चक्रा॥८॥ न। तिष्ठन्ति। न। नि। मिषन्ति। एते। देवानाम्। स्पशः।
इह। ये। चरन्ति॥ अन्येन। माम्। आहनः। याहि। तूयम्। तेन। वि। वृह। रथ्याऽइव। चक्रा॥९॥
रात्रीभिः। अस्मै। अहऽभिः। दशस्येत्। सूर्यस्य। चक्षुः। मुहुः। उत्। मिमीयात्॥ दि-
वा। पृथिव्या। मिथुना। सबन्धू इति सऽबन्धू॥ यमीः। यमस्य। विवृहात्। अजामि॥
१०॥ आ। घ। ता। गच्छान्। उत्ऽतरा। युगानि। यत्र। जामयः। कृणवन्। अजामि॥
उप। बर्बृहि। वृषभाय। बाहुम्॥ अन्यम्। इच्छस्व। सुऽभगे। पतिम्। मत्॥११॥ किम्।
भ्राता। असत्। यत्। अनाथम्। भवाति। किम्। ऊँ इति। स्वसा। यत्। निःऽऋतिः।
निऽगच्छात्॥ कामऽमूता। बहु। एतत्। रपामि। तन्वा। मे। तन्वम्। सम्। पिपृग्धि॥१२॥

का

नाभे। नाप्त्यम्। यस्मिन्। अंशः। अर्हणम्। अस्मि॥ न। ते। तन्वम्। तन्वा। सम्। पपृच्याम्॥
अन्येन। मत्। प्र॰मुदः। कल्पयस्व॥ न। ते। भ्राता। सु॰भगे। वष्टि। एतत्॥ ३॥ नो
ॐ इति। ते। तन्वम्। तन्वा। सम्। पपृच्याम्॥ पापम्। आहुः। यः। स्वसारम्॥ नि॰
गच्छात्॥ असम्॰यत्। एतत्। मनसः। हृदः। मे॥ भ्राता। स्वसुः। शयने। यत्।
शयीय॥ ४॥ बतः। बत। असि। यम। न। एव। ते॥ मनः। हृदयम्। च। अविदा
म॥ अन्या। किल। त्वाम्। कक्ष्या॰इव। युक्तम्॥ परि। स्वजाते। लिबुजा॰इव। वृक्ष
म्॥ ५॥ अन्यम्। ॐ इति। सु। त्वम्। यमि। अन्यः। ॐ इति। त्वाम्॥ परि। स्वजाते। लिबुजा॰इ
व। वृक्षम्॥ तस्य। वा। त्वम्। मनः। इच्छ। सः। वा। तव॥ अध। कृणुष्व। सम्॰विदम्। सु॰
भद्राम्॥ ६॥ त्रीणि। छन्दांसि। कवयः। वि। येतिरे॥ पुरु॰रूपम्। दर्शतम्। विश्व॰
चक्षणम्॥ आपः। वाताः। ओषधयः। तानि। एकस्मिन्। भुवने। आर्पितानि॥ २
७॥ वृषा। वृष्णे। दुदुहे। दोहसा। दिवः॥ पयांसि। यह्वः। अदितेः। अदाभ्यः॥ विश्वम्।

सः। वेद। वरुणः। यथा। धिया॥ सः। यज्ञियः। यजति। यज्ञियान्। ऋतून्॥ १॥ रप
त्। गन्धर्वीः। अप्या। च। योषणा॥ नदस्य। नादे। परि। पातु। नः। मनः॥ इष्टस्य
मध्ये। अदितिः। नि। धातु। नः॥ भ्राता। नः। ज्येष्ठः। प्रथमः। वि। वोचति॥ २॥ सो
इति। चित्। नु। भद्रा। क्षु॰मती। यशस्वती॥ उषाः। उवास। मनवे। स्वः॰व
ती॥ यत्। ईम्। उशन्तम्। उशताम्। अनु। क्रतुम्॥ अग्निम्। होतारम्। विदथा
य। जीजनन्॥ ३॥ अध। त्यम्। द्रप्सम्। वि॰भ्वम्। वि॰चक्षणम्॥ विः। आ
५ भरत्। इषितः। श्येनः। अध्वरे॥ यदि। विशः। वृणते। दस्मम्। आर्याः॥
अग्निम्। होतारम्। अध। धीः। अजायत॥ ४॥ सदा। असि। रण्वः। यवसा॰इव।
पुष्यते॥ होत्राभिः। अग्ने। मनुषः। सु॰अध्वरः॥ विप्रस्य। वा। यत्। शशमानः।
उक्थ्यः॥ वाजम्। स॰सवान्। उप॰यासि। भूरि॰भिः॥ ५॥ उत्। ईरय। पितरा। जारः
आ। भगम्॥ इयक्षति। हर्यतः। हृत्तः। इष्यति॥ विवक्ति। वह्निः। सु॰अपस्यते।

पद१८ धि३ रव्य१

मखः॥ तवि॒ष्यंता॑। अ॒ध्व॒रः। वे॑पंता। सुती॥ २ यंः। ता। अग्ने। सुऽमतिम्। मं। अग्ने। प्र॒दं॑त॥ सं
संदृस्सुः। सूनो॒ इति॑। अ॒न्ति। सः। प्र। स्पृ॒रा॥ इ॒ष॒म्। दं॒धा॑नः। वं॒ह॒माना॑नः। प्राश्चैः॥ अ॒श्वै
सः। घृ॒ऽमान्। अ॒म॒ऽवान्। भूषति। घून्। ४॥ श्रु॒धि॑नः। अ॒ग्ने॒। सद॑ने। स॒ध॒ऽस्थे॥
३ यु॒क्ष्व। रथ॑म्। अ॒मृत॑स्य। द्र॒वि॒त्नुम्॥ आ। नः॑। वृह॒। रोद॑सी इति॑। दे॒वऽपु॑त्रे इ
ति॑ दे॒वऽपु॑त्रे॥ मा॑कि॑ः। दे॒वा॒ना॑म्। अप॑। भू॒ः। इ॒ह। स्याः॥ ५ यत्। अग्ने। ए॒षा। स
म्ऽइतिः। भवा॑ति॥ दे॒वी। दे॒वेषु॑। य॒ज॒ता। य॒ज॒त्र॥ रत्ना॑। च॒। यत्। वि॒ऽभजा॑सि। स्व॒
सु५ धा॒ऽवः॥ भा॒गम्। नः॒। अत्र॑। वसु॑ऽमन्तम्। वी॒ता॒त्॥ ६॥ अन्व॑ग्निः। उ॒षसा॑म्। अग्र॑म्। अ॒ख्य॒त्॥ ७॥ सं
वा॒। द्यौ। हो॒मा॥ पृ॒थि॒वी इति॑ ऋ॒तेन॑॥ सृ॒ष्टि॒ऽस्था॒वा॑। भव॑तः। स॒त्यऽवा॑चा। दे॒
वः। यत्। मर्त॑न्। य॒ज॒ध्या॑य। कृ॒ण्वन्॥ सीद॑त्। होता॑। प्र॒त्यङ्। स्वम्। अ॒सुम्।
यन्॥ ८॥ दे॒वः। दे॒वाना॑म्। परि॑ऽभूः। ऋ॒तेन॑॥ वह॑। नः। ह॒व्यम्। प्र॒थ॒मः। चि॒कि
त्वान्॥ धू॒मऽके॑तुः। स॒मि॒त्ऽभाः। ऋ॒जीकः॥ म॒न्द्रः। होता॑। नित्यः। वा॒चा। यजी
२

४ २१५

जी॒यान्॥ १०॥ ३॥ अर्चा॑मि। वा॒म्। वर्धा॑य। अपः। घृ॒त॒स्नू॒ इति॑ घृ॒त॒ऽस्नू॒॥ द्यां
वा॒भूमी॒ इति॑। शृ॒णुतम्। रोद॑सी इति॑ मे॥ अहा॑। यत्। दे॒वाः। असु॑ऽनीतिम्। आ॒
यन्॥ मधु॑। नः॒। अत्र॑। पि॒तरा॑। शि॒शी॒ताम्॥ १॥ स्वा॒वृक्। दे॒वस्य॑। अ॒मृत॑म्।
यदि॑। गोः॥ अतः॑। जा॒तासः॑। धा॒रय॑न्त। उ॒र्वी इति॑॥ विश्वे॑। दे॒वाः। अनु॑। तत्। ते॒।
यजुः। गुः॥ दु॒हे। यत्। एनी॑। दि॒व्यम्। घृ॒तम्। वाः॥ २॥ किम्। स्वि॒त्। नः॒। राजा॑।
ज॒गृ॒हे। कत्। अ॒स्य॒॥ अति॑। व्र॒तम्। च॒कृ॒म॒। कः। वि। वे॒द॒॥ मि॒त्रः। चि॒त्। हि।
२५ स्म॒। जु॒हु॒रा॒णः॥ दे॒वान्। श्लोकः। न। या॒ताम्। अपि॑। वाजः। अस्ति॑॥ ३॥ दुः॒ऽमन्तु॑।
अत्र॑। अ॒मृत॑स्य। नाम॑॥ सऽल॑क्ष्मा। यत्। विषु॑ऽरूपा। भवा॑ति॥ य॒मस्य॑। यः।
म॒नव॑ते। सु॒ऽमन्तु॑॥ अग्ने॑। तम्। ऋ॒ष्व॒। पा॒हि॒। अप्र॑ऽयुच्छन्॥ ४॥ यस्मि॑न्। दे॒वाः। वि॒
दथे॑। मा॒दय॑न्ते॥ वि॒वस्व॑तः। सद॑ने। धा॒रय॑न्ते॥ सूर्ये॑। ज्योतिः॑। अद॑धुः। मा॒सि। अ॒
क्तून्॥ परि॑। द्यो॒त॒निम्। च॒र॒तः। अज॑स्रा॥ ५॥ यस्मि॑न्। दे॒वाः। मन्म॑नि। स॒म्ऽचर॑

ए॥ ॐ नमोऽथर्ववेदाय ॥ ओ३ इति । [illegible] चित् । सखायम् । सख्या । ववृत्याम् ॥ तिरः । पुरु । चित् । अ-
र्णवम् । जगन्वान् ॥ पितुः । नपातम् । आ । दधीत । वेधाः ॥ अधि । क्षमि । प्रऽतरम् । दी-
ध्यानः ॥१॥ न । ते । सखा । सख्यम् । वष्टि । एतत् ॥ सऽलक्ष्मा । यत् । विषुऽरूपा । भवाति ॥ म-
हः । पुत्रासः । असुरस्य । वीराः ॥ दिवः । धर्तारः । उर्विया । परि । ख्यन् ॥२॥ उशन्ति । घ । ते । अ-
मृतासः । एतत् । एकस्य । चित् । त्यजसम् । मर्त्यस्य ॥ नि । ते । मनः । मनसि । धायि । अस्मे ।
इति । जन्युः । पतिः । तन्वम् । आ । विविश्याः ॥३॥ न । यत् । पुरा । चकृम । कत् । ह । नूनम् । ऋतम् ।
वदन्तः । अनृतम् । रपेम ॥ गन्धर्वः । अप्ऽसु । अप्या । च । योषा ॥ सा । नौ । नाभिः । परमम् । जा-
मि । तत् । नौ ॥४॥ गर्भे । नु । नौ । जनिता । दम्पती इति दम्ऽपती । कः ॥ देवः । त्वष्टा । सविता । वि-
श्वऽरूपः ॥ नकिः । अस्य । प्र । मिनन्ति । व्रतानि ॥ वेद । नौ । अस्य । पृथिवी । उत । द्यौः ॥
५॥ कः । अद्य । युङ्क्ते । धुरि । गाः । ऋतस्य ॥ शिमीऽवतः । भामिनः । दुःऽहृणायून् ॥ आसन्ऽइ-
षून् । हृत्ऽस्वसः । मयःऽभून् ॥ यः । एषाम् । भृत्याम् । ऋणधत् । सः । जीवात् ॥६॥ कः । अ- १

स्य । वेद । प्रथमस्य । अह्नः ॥ कः । ईम् । ददर्श । कः । इह । प्र । वोचत् ॥ बृहत् । मित्रस्य । वरुण-
स्य । धाम । कत् । ऊं इति । ब्रवः । आहनः । वीच्या । नॄन् ॥७॥ यमस्य । मा । यम्यम् । कामः ।
आ । अगन् । समाने । योनौ । सहऽशेय्याय ॥ जायाऽइव । पत्ये । तन्वम् । रिरिच्याम् ॥ वि-
चित् । वृहाऽइव । रथ्याऽइव । चक्रा ॥८॥ न । तिष्ठन्ति । न । नि । मिषन्ति । एते । देवानाम् । स्पशः ।
इह । ये । चरन्ति ॥ अन्येन । माम् । आहनः । याहि । तूयम् ॥ तेन । वि । वृह । रथ्याऽइव । चक्रा ॥९॥
रात्रीभिः । अस्मै । अहऽभिः । दशस्येत् ॥ सूर्यस्य । चक्षुः । मुहुः । उत् । मिमीयात् ॥ दि-
वा । पृथिव्या । मिथुना । सबन्धू इति सऽबन्धू ॥ यमीः । यमस्य । विवृहात् । अजामि ॥
१०॥ आ । घ । ता । गच्छान् । उत्ऽतरा । युगानि ॥ यत्र । जामयः । कृणवन् । अजामि ॥
उप । बर्बृहि । वृषभाय । बाहुम् ॥ अन्यम् । इच्छस्व । सुऽभगे । पतिम् । मत् ॥१॥ किम् ।
भ्राता । असत् । यत् । अनाथम् । भवाति ॥ किम् । ऊं इति । स्वसा । यत् । निःऽऋतिः ।
निऽगच्छात् ॥ कामऽमूता । बहु । एतत् । रपामि ॥ तन्वा । मे । तन्वम् । सम् । पिपृग्धि ॥२॥
का

नं।वे। ना।यं।मृ।यं।मि। -अंत्र। -अूद्हम्। -अस्मि॥ नं।से।तम्रम्। त।च्या। सं।मु।पृ।द्व्याम्॥
-अन्येन।मंत।च्र॰हृदः। कल्पयस्व॥ नं।ते। च्यांता। स्तु॰भेगे। वृष्टि। ए।तंत॥ ३॥ ना।वे।
ऊं इति। ते। तेन्नूम। ए।च्या। संमु।पृद्व्याम्॥ पापम। -आङ्कः। यंः। स्वसारम॥ नि॰
गंछात्॥ -असमृ॰यंत। ए।तंत। मंनसः। हृदः। मे॥ -अता। स्य।सुः। शंयने। यंत।
शाईया॥ ४॥ बृतेः। बृत। -अस्ति।यमृ। नं। एव। ने॥ मंनः। ऊंदःयम। वा। -अविदा
मृ॥ -अन्यां। किं।लचांमृ। कुल्या॰इव। सुकंमृ॥ पंरिस्य ज्ञाति। लिङ्कजाइव। चृद्दा
मृ॥ ५॥ -अन्यंः। ऊं इति। स्तुं। यंमि। -अन्यंः। ऊं इति। चां॥ पंसिस्य ज्ञाति। लिङ्कजा॰इ
वा। चृद्दंमृ॥ तंस्य। वाचं मृ। मंनः। उछ। संः। वा। तंव॥ -अंक्ष। वरण्स्य। समृ॰ विदामसुं॰
मंड्रामृ।६॥ त्रीणि। छंदांसि। कवंयः। वि। येतिरे॥ पुरु॰स्रूपंम्। ददृशतंमृ। वि
श्वं॰ बक्तणामु॥ -आपः। वांताः। ओषधयः। तांनि। एकस्मिन्। भुवंने। -आर्पितानि।
७। वृंषा। वृष्णे। दुदुहे। दोहसा। दिवंः॥ पंयांसि। यह्वंः। -अदितेः। -अदाभ्यः। विश्वम्। २

सः। वेद। वंरुणः। यंथा। धियां॥ सः। यज्ञियः। यजति। यज्ञियान्। ऋतून्।८॥ रंप
त। गंधर्वीः। -अप्या। चा। योषणा॥ नदस्य। नादें। पंरि। पातु। नः। मंनः॥ इष्टस्य
मध्ये। -अदितिः। नि। धातु। नः॥ -आता। नः। ज्येष्ठः। प्रथमः। वि। वोचति।९॥ सो
रति। वितनु। च। इडा॥ छु॰मंती। यशस्वती॥ उषाः। उवास। मंनवे। स्वः॰व
ती॥ यंत। ईम। उशंतमृ। उशती। नामृ। -अंतु। क्रंतुमृ॥ -आग्निमृ। होतारं। विदथा
या। जीजंनन्॥ १०॥ छा।२॥ -अध। त्यंम। द्रप्सम्। वि॰भ्वमृ। विचक्षणमृ॥ विः। -आ
२५ -अभ। -अंकृत। इषिरः। श्येनः। -अध्वरे॥ यंदि। विशः। वृणते। दस्ममृ। -आर्याः॥
-अग्निम। होतारमृ। -अध। धीः। -अजायत॥ १॥ सदा। -असि। रण्वः। यंवसा॰इव।
पुष्यते॥ होत्राभिः। -अग्ने। मंनुषः। स्व॰अध्वरः॥ विप्रस्य। वा। यंत। शशमानः।
उक्थ्यः॥ वांजम्। ससवांन्। उपयांसि। भूरि॰भिः॥ २॥ उत्। ईरय। पितंरा। जारः।
-आ। भंगमृ॥ इंयंक्षति। हर्यतः। हृत्तः। इष्यति॥ विवक्ति। वह्निः। स्व॰अपस्यते।

पद१८ श्रि २ रथा १

मखः॥ तविष्यंते। अस्मरः। वेपते। मती॥ २ यः। ते। अग्ने। सुम्ऽमतिम्। मर्तः। अक्षत्। सहंत॥ सं
संहसः। सूनो इति। अतिसः। प्र। शृण्वे॥ इषम्। दधानः। वहमानः। अश्वैः॥ आ
सः। द्युऽमान्। अमऽवान्। भूषति। द्यून्॥ ३॥ अग्ने। सुम्नऽसदने। सधऽस्थे॥
३ ऊर्ध्वः। रथम्। अमृतस्य। द्रविणुम्॥ आ। नः। वहा। रोदसी इति। देवपुत्रे इ
ति देवऽपुत्रे॥ माकिः। देवानाम्। अपऽभूः। इह। स्याः॥ ४॥ यत्। अग्ने। एषां। सं
मऽइतिः। भवाति॥ देवी। देवेषु। यजता। यजत्र॥ रत्ना। च। यत्। विऽभजासि। स्व
सु५ धाऽवः॥ भागम्। नः। अत्र। वसुऽमंतम्। वीतात्॥ ५॥ अनु। अग्निः। उषसाम्। अग्रम्। अ
ख्यत्। अनु। अहानि। प्रथमः। जातऽवेदाः॥ अनु। सूर्यस्य। पुरुऽत्रा। च। रश्मीन्। अनु। द्या
वाऽपृथिवी इति। आ। ततान॥ ६ ३
वीन्॥ धूमऽकेतुः। सुऽमनाः। ऋजीकः॥ मंद्रः। होता। नित्यः। वाचा। य

Y

२११३

जीयान्॥ १०॥ ७॥ ३॥ अर्चामि। वाम्। वर्धाय। अपः। घृतस्नू इति घृतऽस्नू॥ द्यावा
भूमी इति। शृणुतम्। रोदसी इति। मे॥ अहा। यत्। देवाः। असुऽनीतिम्। आ
यन्॥ मध्वा। नः। अत्र। पितरा। शिशीताम्॥ १॥ स्वावृक्। देवस्य। अमृतम्। यदि।
गोः॥ अतः। जातासः। धारयंत। उर्वी इति॥ विश्वे। देवाः। अनु। तत्। ते।
यजुः। गुः। दुहे। यत्। एनी। दिव्यम्। घृतम्। वाः॥ २॥ किम्। स्वित्। नः। राजाना।
गृहे। कत्। अस्य॥ अति। व्रतम्। चकृम। कः। वि। वेद॥ मित्रः। चित्। हि।
द५ स्म। जुहुराणः। देवान्। श्लोकः। न। याताम्। अपि। वाजः। अस्ति॥ ३॥ दुःऽमर्तु।
अमृतस्य। नाम॥ सऽलक्ष्मा। यत्। विषुऽरूपा। भवाति॥ यमस्य। यः।
मनवते। सुऽमंतु॥ अग्ने। तम्। ऋष्व। पाहि। अप्रऽयुच्छन्॥ ४॥ यस्मिन्। देवाः। वि
दथे। मादयंते। विवस्वतः। सदने। धारयंते॥ सूर्ये। ज्योतिः। अदधुः। मासि। अ
क्तून्॥ परि। द्योतनिम्। चरतः। अजस्रा॥ ५॥ यस्मिन्। देवाः। मन्मनि। संऽचरंति

ओनि७ कामः। ए॥ स्वदि। सुतस्य। गर्भ॰ संदसा। जनानाम्॥ राजानम्। अमिसमा। उपा॰ इ। ब्रह्मा। ३॥ ९
रंति॥ अपो। अयो। नावयम्। अस्याविभ्रं॥ मित्रः। नः। अंश अदितिः। अनागाः॥ न
सवि ता। द्विवंः। वरुणाय। वोचात्॥ असा खायः। ओ। शिषाम। हे। अंत्रं हे
इज्यायां वह्निशो॥ सुषं। ऊं इति। सं। नं॰ तमाय। धृष्णु वे। ७। शंवसा॥ हि। अमि
द्यौः। द्यौ सुतः॥ वृत्र॰ हन्यचवृत्र॰ हा॥ मरुद्भिः। मरुद्भिनः। अंति। सुरु। दा। शुशि। सा। ८।
स्वगः। नं॰ त्वाम्। अंति। एषि। पृथिवीम्॥ म हीइति। नः। वांतां। इह। वांउ।
न्मे॥ मित्रः। नः। अंश। वरुणः। युज्यमानः॥ अग्निः। वेनेन॥ विं। अस्य
अग्रीयम्॥ मरुं। जरित्रे। सुडु। सत्तवानः॥ अन्यम्। अस्मं तात। नि। वपुंअ
सेन्यम्॥ १०॥ ६॥ ४॥ संरस्वतीम्। देव॰ यंतः। हवंते॥ संरस्वतीम्। अध्व
रे। ता यमाने॥ संरस्वतीम्। सु॰ कृतः। हवंते॥ संरस्वती। दाशुषे। वार्यम्।
दात॥ ७॥ संरस्वतीम्। पितरः। हवंते। दक्षिणा॥ यज्ञम्। अभि॰ नक्षमाणाः॥ आ॰ ४
संद्य। अस्मिन्। बर्हिषि। मादयध्वम्॥ अनमीवाः। इषः। आ। धेहि। अस्मे इति।

२ कां३ ९८ ॥ ८॥ संरस्वति। या। स॰ रथम्। ययाथ। उक्थैः। स्वधाभिः। देवि। पितृ॰ भिः। मदंती॥ ३२३ ५
सहस्र॰ अर्घम्। इडः। अत्र। भागम्। रायः। पोषम्। यजमानाय। धेहि। उत्
ता। ईरताम्। अवरे। उत्। परासः॥ उत्। मध्यमाः। पितरः। सोम्यासः॥ असुम्।
यं। ईयुः। अवृकाः। ऋत॰ ज्ञाः॥ ते। नः। अवंतु। पितरः। हवेषु॥ ४॥ आ। अहं।
पितृन्। सु॰ विदत्रान्। अवित्सि॥ नपातम्। च। वि॰ क्रमणम्। च। विष्णोः॥ ब
र्हि॰ सदः। ये। स्वधया। सुतस्य। भजंत। पित्वः। ते। इह। आ॰ गमिष्ठाः॥ ५ इदम्।
पितृ॰ भ्यः। नमः। अस्तु। अद्य॥ ये। पूर्वासः। ये। अपरासः। ईयुः॥ ये। पार्थिवे।
रजसि। आ। नि॰ सत्ताः॥ ये। वा। नूनम्। सु॰ वृजनासु। विक्षु॥ ६॥ मातली॥
ये वैड काव्यैः। यमः। अंगिरः॰ भिः॥ बृहस्पतिः। ऋक्व॰ भिः। ववृधानः॥ [illegible]॥ यान्।
च। देवाः। ववृधुः॥ ये। च। देवान्॥ ते। नः। पितरः। हवेषु॥ ७॥ स्वादुः। किल।
अयम्। मधु॰ मान्। उत। अयम्॥ तीव्रः। किल। अयम्। रस॰ वान्। उत।
×ग्ना वं३।३

अयम्॥ उतो इति। नु। अस्य। पपि॰वांसम्। इन्द्रम्॥ न। कः। जनाः। सहते। अप्र॰ह
तम्॥८॥ परेयि॰वांसम्। प्र॰वतः। महीः। इति। बहु॰भ्यः। पन्थाम्। अनु॰
पस्पशानम्॥ वैवस्वतम्। सम्॰गमनम्। जनानाम्॥ यमम्। राजानम्। ह
विषा। सपर्यत॥१॥ यमः। नः। गातुम्। प्रथमः। विवेद॥ न। एषा। गव्यूतिः।
तिः। अप॰भर्तवै। उ इति॥ यत्र। नः। पूर्वे। पितरः। परा॰इताः॥ एना। जज्ञा
नाः। पथ्याः। अनु। स्वाः॥२॥१०॥५ बर्हि॰सदः। पितरः। ऊती। अर्वाक्॥ इमा। वः
वः। हव्या। चकृम। जुषध्वम्॥ ते। आ। गत। अवसा। शम्॰तमेन॥ अथ
नः। शम्। योः। अरपः। दधात॥१॥ आ॰ अच्य। जानु। दक्षिणतः। नि॰सद्य।
इदम्। नः। हविः। अभि। गृणन्तु। विश्वे॥ मा। हिंसिष्ट। पितरः। केन। चित्।
नः॥ यत्। वः। आगः। पुरुषता। कराम॥ [illegible]

५

तेन। इदम्। विश्वम्। भुवनम्। सम्। बभूव॥ यमस्य। माता। परि॰उह्यमाना॥ म
हः। जाया। विवस्वतः। ननाश॥३॥ इं। इति। इं इति। पृथि॰भिः। तुङ्यानिः॥
येन। ते। पूर्वे। पितरः। परा॰इताः॥ उभा। राजाना। स्वधया। मदन्ता॥ यमम्।
पश्यासि। वरुणम्। च। देवम्॥४॥ अप। इत। वि। इत। वि। च। सर्पत। अतः॥
अस्मै। एतम्। पितरः। लोकम्। अक्रन्॥ अहः॰भिः। अत्॰भिः। अक्तु॰भिः।
(अ० वि॰अक्तम्॥ यमः। ददाति। अव॰सानम्। अस्मै॥५॥ उशन्तः। त्वा। इधीमहि॥
उशन्तः। सम्। इधीमहि॥ उशन्। उशतः। आ। वह॥ पितॄन्। हविषे। अत्त
वे॥६॥ द्यु॰मन्तः। त्वा। इधीमहि॥ द्यु॰मन्तः। सम्। इधीमहि॥ द्यु॰मान्। द्यु॰
मतः। आ। वह॥ पितॄन्। हविषे। अत्तवे॥७॥ अङ्गिरसः। नः। पितरः। नव॰ग्वाः॥
अथर्वाणः। भृगवः। सोम्यासः॥ तेषाम्। वयम्। सु॰मतौ। यज्ञियानाम्॥ अ
पि। भद्रे। सौमनसे। स्याम॥८॥ अङ्गिरः॰भिः। यज्ञियैः। आ। गहि। इह॥ यम।

नहिंष्या॥निषद्यं॥ आ॥नि॰षद्य॥ निषद्य॥निसघेति॥नि॰सद्य॥

मे॥त्व॰रूपः॥इ॰हं॥मा॰दयस्व॥विवस्वन्तम्॥हुवे॥यः॥पिता॥ते॥अस्मिन्॥बर्हिषि॥
आ॥नि॰संद्य॥१॥इमम्॥यम॥प्र॰स्तरम्॥आ॥हि॥रोह॥अंगिरःऽभिः॥पितृ॰
भ्यः॥सम्॰विदानः॥आ॥त्वा॥मंत्राः॥कवि॰शस्ताः॥वहंतु॥एना॥राजन्॥ह
विषा॥मादयस्व॥१०॥इनः॥एतं॥उंतं॥आ॥अरुहन्॥दिवः॥पृष्ठानि॥आ॥
अरुहन्॥प्र॥भूः॰जयः॥यथा॥पथ्यां॥द्यां॥अंगिरसः॥ययुः॥११॥छं॥
६॥प्रथमोनुवाकः॥ अनुवाके सूक्त॥१॥ ऋचा॥६॥ एकषष्टिश्च॥७॥ यमा
या॥सोमः॥पवते॥यमाय॥क्रियते॥हविः॥यमम्॥ह॥यज्ञः॥गच्छति॥ अग्नि॰
दूतः॥अरम्॰कृतः॥१॥यमाय॥मधुमत्॰तमम्॥जुहोत॥प्र॥च॥तिष्ठत॥
इदम्॥नमः॥ऋषि॰भ्यः॥पूर्व॰जेभ्यः॥पूर्वेभ्यः॥पथिकृत्॰भ्यः॥२॥यमाय॥
घृतवत्॥पयः॥राज्ञे॥हविः॥जुहोतन॥सः॥नः॥जीवेषु॥आ॥यमेत्॥दी
र्घम्॥आयुः॥प्र॥जीवसे॥३॥मा॥एनम्॥अग्ने॥वि॥दहः॥मा॥अभि॥शूशुचः॥ ६

मा॥अस्य॥त्वचम्॥चिक्षिपः॥मा॥शरीरम्॥शृतम्॥यदा॥करसि॥जात॰वेदः॥अथ॥
इमम्॥एनम्॥प्र॥हिणुतात्॥पितृ॰भ्यः॥उप॥४॥यदा॥शृतम्॥कृणवः॥जात॰
वेदः॥अथ॥इमम्॥एनम्॥परि॥दत्तात्॥पितृ॰भ्यः॥यदा॥इति॥गच्छाति॥
असु॰नीतिम्॥एताम्॥अथ॥देवानाम्॥वश॰नीः॥भवाति॥५॥त्रि॰क
द्रुकेभिः॥पवते॥षट्॥उर्वीः॥एकम्॥इत्॥बृहत्॥त्रि॰स्तुप्॥गायत्री॥
छंदांसि॥सर्वा॥ता॥यमे॥आर्पिता॥६॥सूर्यम्॥चक्षुषा॥गच्छ॥वातम्॥आ
त्मना॥दिवम्॥च॥गच्छ॥पृथिवीम्॥च॥धर्मऽभिः॥अपः॥वा॥गच्छ॥यदि॥
तत्र॥ते॥हितम्॥ओषधीषु॥प्रति॥तिष्ठ॥शरीरैः॥७॥अजः॥भागः॥तपसा॥
तम्॥तपस्व॥तम्॥ते॥शोचिः॥तपतु॥तम्॥ते॥अर्चिः॥याः॥ते॥शिवाः॥तन्वः॥
जात॰वेदः॥ताभिः॥वह॥एनम्॥सुकृ॰ताम्॥ऊं॥इति॥लोकम्॥८॥यः॥ते॥

शोचय॥रं हय:।जात॰वेद:।यांभि:।श्वा॰पृणामि।दिवम्।अन्तरिक्षम्।अ
जम्।यंतम्।अनुअता:।सम्।हव्यवताम्॥अपएतंतराभि:।शिवं॰तमाभि:
शृतम्।कृधि॥७॥अवसृज।पुनः।अग्ने।पितृ॰भ्य:॥य:।ते।आ॰हुत:।
वसति।स्वधां॰वान्॥आयु:।वंसान:।उप।यातु।शेष:॥सम्।गच्छता
म्।तन्वा।सु॰वर्चा:॥१०॥७॥अति।द्रव।श्वानौ।सारमेयौ।।चतु:
अक्षौ।शबलौ।साधुना।पथा॥अध।पितॄन्।सु॰विदत्रान्।अपाइहि
ये।मेन।ये।सध॰मादम्।मदन्ति॥११॥यौ।ते।श्वानौ।यम।रक्षितारौ।च
तु:॰अक्षौ।पथि॰सदी इति पथि॰सदी।नृ॰चक्षसा॥तौ।भ्याम्।राज
न्।परि।धेहि।एनम्।स्वस्ति।अस्मै।अनमीवम्।धेहि॥१२॥उरु॰न
सौ।असु॰तृपा।उदुंबलौ॥यमस्य।दूतौ।चरत:।जनान्।अनु।आतौ।

DR. … MEMORIAL

७

अस्मभ्यम्।दृशये।सूर्याय॥पुन:।दाताम्।असुम्॥अद्य।इह।भद्रम्॥सोमः
एक:भ्य:।पवते॥घृतम्।एके।उप।आसते॥येभ्य:।मधु।प्र॰धावति।तान्।चि
तान्॥चित्।एव।अपि।गच्छतात्॥१४॥ये।चित्।पूर्वे।ऋत॰साता:॥ऋत॰
जाता:।ऋत॰वृध:॥ऋषीन्।तपस्वत:।यम॥तप:॰जान्।अपि॥१५॥तपसा॥
ये।अनाधृष्या:॥तपसा।ये।स्व:।ययु:॥तप:।ये।चक्रिरे।मह:॥तान्।चित्।ए
व।अपि॥१६॥ये।युध्यन्ते।प्र॰धनेषु॥शूरास:।ये।तनू॰त्यज:॥ये।वा।सह
स्र॰दक्षिणा:॥तान्।चित्।एव।अपि॥१७॥सहस्र॰नीथा:।कवय:॥ये।गोपा
यन्ति।सूर्यम्॥ऋषीन्।तपस्वत:।यम॥तप:॰जान्।अपि।गच्छतात्॥१८॥स्योना।
अस्मै।भव।पृथिवि॥अनृक्षरा।नि॰वेशनी॥यच्छ।अस्मै।शर्म।स॰प्रथा:॥१९॥
असम्॰बाधे।पृथिव्या:॥उरौ।लोके।नि।धीयस्व॥स्वधा:।या:।चकृषे।जीवन्।

तां:।ता।संत्रा।मधु॰स्तुनः॥१०॥७॥८॥क्षं याभिते।मनसा।मनः।इहा।इमां मू॥गट हो
न्ना।उंपः जुजुषा।णां:।आ॥इदि॥संम्।गछस्व।पितृं॰भिः।संमू।यमेन।स्यानां:।चा॥
वोता:।उंपा।वीतु।ग्गमां:॥१॥ठंन्।चा।वहैतु।मरुतः॥उद॰वाहां:।उद॰स्तु
तः॥अजेनन्।च्छवं तुः शीतं॥वर्षेणा।उ हेतु।बां।इंति॥२॥उं तां।ङ्कृ।अं मू।
आंसुः।आयुष॥क्षं चोदं दाय जीवेस॥स्वां मू।गछतु।त।मंनः॥अंधा।पितृन्।
उंपः इप॥१॥मांत।मनः।मां।अंसा॥मां।अंगामामू।मां।रेसस्य।ते॥मां।ते।त्वा
स्तो।तच्छः।किंमू।चनं।इहं॥४॥मांचा।हृदः।संमू।बाधिष्व॥मां।देवी।पृथिवी॥
महीं॥जोकं मू।पितृंभ्यः।बिचां॥एं धस्व।यमं शांजन्तु॥५॥यंतु।अंगमू।अं
निर्दि तमू।परोविं:॥अपानं:।प्राणां:।यंः।अंाइति।वां।तापंरा॰इ तः॥नंन।ते
समू॰गंत्या।पितंरः।सं॰नीडा:॥घा।सांतृ।घा।संमू।पुनः।प्रा॥बेशायंउ॥दो।अं ८
पा।इमंमू।जीवां:।अरुधन्।गृहेभ्यः॥तंमू॥निः।वहत।परिं।यां माता।इतः।मृ

त्यः।यमस्य।आसीत्।इतः।प्रं॰वत्नानां॥अंसुम्।पितृं॰भ्यः।गमयांमू।चकार॥७॥
वां।यंदस्यंवः।पितृं भ्यः।प्रं॰विष्टाः॥ज्ञाति॰मुखाः।अकृत॰अंदः।वैसंति॥परा॰
पुरः।नि॰पुरः।यिं।भरंति॥अग्निः।तांनू।अस्मांत्।प्रं।धमाति।यज्ञांत्॥८॥सं
मू।विशंतु।इहं।पितंरः।स्वां।नः।स्यानंमू।कृण्वंतः।प्र॰तिरंतः।आंयुः॥तेभ्यः।
याकेम।हविंषा।नंक्षमाणाः॥जोग्यां।कां।जीवंतः।आरंदः।पुरूचीः॥९॥यांमू
ते।धेनुंमू।नि॰पृणांमि।यंमू।उंइति।ते।क्षीरं।उदनंमू॥तेनं।जनस्य।अ
सः।भर्ता॥यंः।अत्र।अंसत्।अजीवनः॥१०॥७॥९॥अंस्व॰वतीमू।प्र।तरयां
सु॰शेवा॥कृदांकंमू।वा।प्रंतरंमू।नंवीयः॥यंः।वा।जधांन।वध्यः।सः।अस्तु॥
मां।सः।अन्यंत्।विदत।भाग॰धेयमू॥१॥यमः।परः।अवरः।विवंस्वान्॥ततः।परं
मू।मा।अंतिपश्यामि।किंमू।चन॥यमे।अध्वरः।अधिमे॥नि॰विष्टः॥भुवः।विवस्वा
न्।अनु॰आंततान॥२॥अंप।अगूहन्।अमृतांमू।मर्त्येभ्यः॥कृत्वां।सं॰वर्णान्।
अदधुः।विवस्वते॥उत।अश्विनौ।अभरत्।यंत्।तत्।आंसीत्॥अंजहात्।उं इति॥

द्धां। मिष्ठु। नां। सरस्य्पूः॥ ३॥ ये। नि॰खाताः। ये। परा॰उप्ताः॥ ये। दग्धाः। ये। च। उद्धि
ताः॥ सर्वान्। तान्। अग्ने। आ। वह॥ पितॄन्। हविषे। अत्तवे॥ ४॥ ये। अग्नि॰द
ग्धाः। ये। अनग्नि॰दग्धाः॥ मध्ये। दिवः। स्वधया। मादयन्ते॥ त्वम्। तान्। वेत्थ। यदि
ते। जात॰वेदः॥ स्वधया। यज्ञम्। स्वधि॰तिम्। जुषन्ताम्॥ ५॥ शम्। तप। मा। अति
ति। तपः॥ अग्ने। मा। तन्वम्। तपः॥ वनेषु। शुष्मः। अस्तु। ते॥ पृथिव्याम्। अस्तु। य
त्। हरः॥ ६॥ ददामि। अस्मै। अव॰सानम्। एतम्। यः। एषः। आ॰अगन्। मम। च
इत्। अनु॰मतम्॥ यमः। चिकित्वान्। प्रति। एतत्। आह॥ मम। एषः। राये।
उप। तिष्ठताम्। इह॥ ७॥ इमाम्। मात्राम्। मिमीमहे॥ यथा। अपरम्। न।
मासातै॥ शते। शरत्॰सु। नो इति। पुरा॥ ८॥ प्र। इमाम्॥ ९॥ अप। इमाम्॥ १०॥
ष्ठा॥ १०॥ वि। इमाम्॥ ११॥ निः। इमाम्॥ १२॥ उत्। इमाम्॥ १३॥ सम्। इमाम्। मात्राम्।
मिमीमहे॥ यथा। अपरम्। न। मासातै॥ शते। शरत्॰सु। नो इति। पुरा॥ १४॥ ९९।-
अमासि। मात्राम्। स्वः। अगाम्। आ। युष्मान्। ऋध्यासम्॥ यथा। अपरम्। नामा

७को

साते॥ शते। शरत्॰सु। नो इति। पुरा॥ ५॥ प्राणः। अपानः। वि॰आनः॥ आयुः। चक्षुः।
दृशये। सूर्याय॥ अपरि॰परेण। पथा॥ यम॰राज्ञः। पितॄन्। गच्छ॥ ६॥ ये। अग्रवः। शश
मानाः। परा॰ईयुः॥ हित्वा। द्वेषांसि। अनपत्य॰वन्तः॥ ते। द्याम्। उत्॰इत्य। अविदन्त
४ब्लो कुं म नाकस्य। पृष्ठे। अधि। दीध्यानाः॥ ७॥ उद॰न्वती। द्यौः। अवमा॥ पीलु॰मती। इति।
तीः मध्यमा॥ तृतीया। ह। प्र॰द्यौः। इति। यस्याम्। पितरः। आसते॥ ८॥ ये। नः। पि
तुः। पितरः। ये। पितामहाः॥ ये। आ॰विविशुः। उरु। अन्तरिक्षम्॥ ये। आ॰क्षि
यन्ति। पृथिवीम्। उत। द्याम्॥ तेभ्यः। पितृ॰भ्यः। नमसा। विधेम॥ ९॥ इदम्
इत्। वै। ऊं इति। नो। अपरम्॥ दिवि। पश्यसि। सूर्यम्॥ मातरा। पुत्रम्। यथा॥ सि
चा॥ अभि। एनम्। भूमे। ऊर्णुहि॥ १०॥ इदम्। इत्। वै। ऊं इति। नो। अपरम्
जरसि। अन्यत्। इतः। अपरम्॥ जाया। पति॰म्॰इव। वाससा॥ अभि। एनम्। भूमे। ऊ
र्णुहि॥ ११॥ अभि। त्वा। ऊर्णोमि। पृथिव्याः॥ मातुः। वस्त्रेण। भद्रया॥ जीवेषु। भद्रम्। तत्
मयि॥ स्वधा। पितृ॰षु। सा। त्वयि॥ पर॥ अग्नीषोमा। पथि॰कृता। स्योनम्॥ दे

वै॑न्यः॥रं॒नम्।दध्म॒श्च॒ः। वि।लो॒कम्॥उ॒प॒। प्रा॒ई॒ष्ट्वंन॒म्।प्र॒ष॒णा॒म।यः।वं॒हा॒नि॥ञ्चज॒॰य॒
म्नि॥पथि॑॰नि॑ऩ॒ तंत्रा॒णगु॒च्छ॒तम्॥३॥म्र॒षा॥ व्याडु॒तः।व्य॒य॒यं॒३॥४॥प्रां॒वि॒द्वा॒न्॥अ॒
न्र॒ष्ट्र॰प॒श्च॒ः।ञ्जे॒वनस्य।गोपाः॥सः।चा।एतेभ्यः।परि॑॰द॒द॒त्॥पि॒तृ॑॰भ्यः॥अ॒
ग्निः।दे॒वेभ्यः।सु॒॰वि॒द॒त्रि॒येभ्यः॥४॥आयुः।वि॒श्वं॰आयुः।परि॑॰पा॒तु॒।वा॥स॒ष॒
वा।पातु।ड॑॰पथ्य।पुरस्ता॑त्॥ [illegible]त्रे।यत्र।आ॒सते॒।सु॑॰कृतः।यत्र॒।ते।ई॒युः॥त॒
त्र।चा।दे॒वः।स॒वि॒ता।द॒ध्या॒तु॒।पारम्॥पुन॒न्धिमा॒ते॒।वक्री॒रं॒ति॥ सं॒सु॰नी॒तायावो
दवे॥ तां॒म्याम्।यमस्य।संद॑नम्॥४॥सम्॰इती॒ः।वा।अ॒पं॒वा॒ग॒च्छ॒ता॒त्॥६।एतं॒स॒
धा॥वासः।प्रथमम्।तु।आ।आ॒ग॒न्॥अ॒पा।एतं॒तात्।उ॒हा।यन्तु।इ॒हा।अ॒भि॒भिः॥
रा॥इष्टा॒पूर्तम्।अनु॑॰संका॒मा।वि॒द्वा॒न्॥यत्र॒।ते।द॒त्तम्।ब॒हु॑॰धा॥वि॑॰बं॒धु॒
रा॥इष्टा॒पूर्तम्।अनु॑॰सं॒क्रामा।वि॒द्वा॒न्॥ यत्र।ते।द॒त्तम्।ब॒हु॑॰धा॥वि॑॰बं॒धु॒
षु॥७॥अ॒ग्नेः।वर्म।परि॑।गोभिः।व्ययस्व॥सम्।प्र।ऊर्णुष्व।मेदसा।पीव
सा॥ वा।नेद्।इत्।वा।धृष्णुः।हरसा।जर्हृषाणः॥ दधृक्।वि॑॰ध॒क्ष्यन्।परि॑॰ङ्खया
सा॥ २४

MEMORIAL

२०१

पं॑कुलीदाकानीकार्पसहि

यत्ते॥८॥दंडम्।हस्तात्।आ॑॰ददा॑नः।ग॒त॑॰असोः।सह।श्रोत्रेण।वर्चसा।बलेन॥अत्र।ए
वा।त्वम्।इह।वयम्।सु॑॰वीराः॥विश्वाः।मृधः।अभि॑॰मातीः।जयेम॥९॥धनुः।हस्तात्।आ॑॰
ददानः।मृतस्य।सह।क्षत्रेण।वर्चसा।बलेन॥सम्॰आ।गृभाय।वसु।भूरि।पुष्टम्॥अ
र्वाङ्।त्वम्।आ।इहि।उप।जीव॑॰लोकम्॥१०॥७॥१२।द्वितीयोनुवाकः।त्रयस्त्रिंशत्पी
ठकः।अनुवाकस्य।१२।वा॰षष्टि॑॰श्च।७॥इयम्।नारी।पति॑॰लोकम्।वृणाना॥नि
पद्यते।उप।त्वा।मर्त्य।प्र॑॰इतम्॥धर्मम्।पुराणम्।अनु॑॰पालयन्ती॥तस्यै।प्र॑॰जाम्।द्र
विणम्।च।इह।धेहि॥१॥उत्।ईर्ष्व।नारि।अभि।जीव॑॰लोकम्॥गत॑॰असुम्।एतम्।
उप।शेषे।आ।इहि॥हस्त॑॰ग्राभस्य।दधिषोः।तव।इदम्॥पत्युः।जनि॑॰त्वम्।अभि।सम्
बभूथ॥२॥अपश्याम।युवतिम्।नीयमानाम्॥जीवाम्।मृतेभ्यः।परि॑॰नीयमानाम्॥
अन्धेन।यत्।तमसा।प्रावृता।आसीत्॥प्राक्तः।अपाचीम्।अनयम्।तत्।एनाम्॥३॥
प्र॑॰जानती।अघ्न्ये।जीव॑॰लोकम्॥देवानाम्।पन्थाम्।अनु॑॰संचरन्ती॥अयम्।ते।गो॑॰पतिः।
तम्।जुषस्व।स्वः॰गम्।लोकम्।अधि।रोहय।एनम्॥४॥उप।द्याम्।उप।वेतसम्॥अवत्त॑॰

नि

नरः। नदी। नाम्॥ अग्नेपितंम। अपांम्। असिपाय्यंम। वंम। अस्मेसुम्० अंदस्सः॥ तंमाऊंति।
इति। निः। वापयाधुनः। क्यांश्चैः। अंजरोर्द्दउ॥ शांऽ० इर्वी॥वि० अंक्के शां॥ इ॥ इदेमूतो।
एंकम्। परंः। ऊंरंति। तो। एंकम्॥ तृतीयेन। ज्योतिषा। संम। विशस्व॥ सुम्० वेशने।
तन्वां। चारुः। एधि। प्रियः। देवानाम्। परमे। सधं० स्थे॥ उं। तिष्ठ। प्रांशहि। प्रांद्र
वा। ऊंकः। कृणुष्व। सालिले। सधं० स्थे॥ तंत्र। वंमू। पितृं० भिः। सम्० विदानः॥ सम्। सो
मेन। मंदस्व। संम्। स्वधं। भिः॥ ८। प्रां। च्यवस्व। तन्वंम। सं। म्। भरस्व॥ मां। तो। गां। त्रा॥ विहा
यि। मो। इति। शरीरम्॥ मनः। नि० विश्य। म। अनु० संविशस्व॥ यंत्र। भूमे। जुषसे। तंत्र।
गच्छ॥ वं वंसा मांमे। पितरः। सोम्यासः॥ अंजंतु। देवाः। मधुना। घृतेन॥ चं क्षुषा मा
प्र० तरम्। तारयंतः॥ जरसे। मा। जरं तु० अष्टिम्। वर्द्धंतु॥ १०॥ ॥१२॥ वर्चसा। मांम्। सं
म्। अनक्तु। अग्निः। मेधांम्। मे। विष्णुः। निं। अनक्तु। आसन्॥ रयिंम। मे। विश्वे। नि। यच्छं
तु। देवाः॥ स्योनाः। मा। आपः। पवनैः। पुनंतु॥ मित्रावरुणा। परि। मांम्। अधतां। आदि
त्याः। मा। स्वंरवः। वर्द्धयंतु॥ वर्चः। मे। इंद्रः। नि। अनक्तु। हस्तयोः॥ जरंतु० अष्टिम्। मा। सविता।
कृणोतु॥ २॥ यः। म मांर। प्रथमः। मंर्त्यानाम्॥ यः। प्र० ईयाय। प्रथमः। लोकम्। एतंम्॥ ९१
विवस्वंतम्। सम्० गमनम्। जनानाम्॥ यमम्। संजानम्। हविषा। सपर्यत॥ ३॥ परा। यात। पितरः।
आ। च। यात॥ अयम्। वः। यज्ञः। मधुना। सम्० अक्तः॥ दत्तो। इति। अस्मभ्यम्। द्रविणा। इह। भ
द्रम्॥ रयिम्। च। नः। सर्व० वीरम्। दधात॥ कण्वः। कक्षीवान्। पुरु० मीढः। अगस्त्यः॥
श्यावं० अश्वः। सोभरी। अर्चनानाः॥ विश्वामित्रः। अयम्। जमत्० अग्निः। अत्रिः। अवंतु।
नः। कश्यपः। वामं० देवः॥ विश्वामित्र। जमत्० अग्ने। वसिष्ठ॥ भरत्० वाज। गोतम। वामं०
देव॥ शर्दिः। नः। अत्रिः। अग्रभीत्। नमः० भिः॥ सुं० संशासः। पितरः। मृडत। नः॥ ५॥ कस्ये।
मृजानाः। अति। यंति। रिप्रम्॥ आयुः। दधानाः। प्र० तरम्। नवीयः॥ आ० प्यायमानाः। प्र०
६२ जया। धनेन॥ अध। स्याम। सुरभयः। गृहेषु॥ ६॥ अंजते। वि। अंजते। सम्। अंजते। क्रतुम्।
रिहंति। मधुना। अभि। अंजते॥ सिंधोः। उत्० श्वासे। पतयंतम्। उक्षणम्॥ हिरण्य० पावाः
दू ४ पशुम्। आसु। गृह्णते॥ ७॥ यत्। वः। मुद्रम्। पितरः। सोम्यम्। च। तेनो इति। सचध्व
म्। स्व० यशसः। हि। भूत॥ ते। अर्वाणः। कवयः। आ। शृणोत। सु० विदत्राः। विदथे।
हूयमानाः॥ ८॥ ये। अत्रयः। अंगिरसः। नवं० ग्वाः। इष्ट० वंतः। राति० साचः। दधानाः।
दक्षिणां० वंतः। सु० कृतः। ये। ऊं इति। स्थ॥ आ० सद्य। अस्मिन्। बर्हिषि। मादयध्वम्॥ ९॥ ॥२४॥

अंधायंध्या॥ नौ। पितंरः। पंरासः॥ प्रत्नासः। अग्ने। ऋतम्। आ॰शशानाः॥ शुचि। इत्। अयन्।
दीध्यतः। उक्थ॰शंसः॥ क्षामा। भिंदंतः। अरुणीः। अप। व्रन्॥१॥ सु॰कर्माणः। सु॰रु
चः। देव॰यंतः॥ अयः। न। देवाः। जनिमा। धमंतः॥ शुचंतः। अग्निम्। ववृधंतः। इंद्र
म्। ऊर्वम्। गव्यम्। परि॰संदंतः। अग्मन्॥२॥ आ। यूथा॰इव। क्षुमति। पश्वः।
अख्यत्। देवानाम्। जनिम। अंति। उग्रः॥ मर्तानाम्। चित्। उर्वशीः। अकृप्रन्॥ वृधे।
६ तै चित्। अर्यः। उपरस्य। आयोः॥३॥ अकर्म। ते। सु॰अपसः। अभूम। ऋतम्। अवस्रन्। उ
षसः। वि॰भातीः॥ विश्वम्। तत्। भद्रम्। यत्। अवंति। देवाः॥ बृहत्। वदेम। विदथे। सु॰
वीराः॥४॥ इंद्रः। मा। मरुत्वान्। प्राच्याः। दिशः। पातु॥ बाहु॰च्युता। पृथिवी। द्याम्। इ॰
इव। उपरि॥ लोक॰कृतः। पथि॰कृतः। यजामहे॥ ये। देवानाम्। हुत॰भागाः। इह।
स्थ॥५॥ धाता। मा। निः॰ऋत्याः। दक्षिणायाः। दिशः। पातु। अदितिः। मा। आदित्यैः। प्र
तीच्याः। दिशः। ७॥ सोमः। मा। विश्वैः। देवैः। उदीच्याः। दिशः। पातु॥ बाहु॰च्युता। पृथिवी।
द्याम्॰इव॥८॥ धर्ता। हि। त्वा। धरुणः। धारयाति। ऊर्ध्वम्। मा। पातु। सविता। द्याम्॰इव। १२

९॥ प्राच्याम्। त्वा। दिशि। पुरा। सम्॰वृतः। स्वधायाम्। आ। दधामि॥ बाहु॰च्युता। पृथिवी। द्या
म्॰इव॥१०॥६॥१५॥ दक्षिणायाम्। त्वा॥७॥ प्रतीच्याम्। त्वा॥ उदीच्याम्। त्वा॥३॥ अ
याम्। त्वा। ४॥ ऊर्ध्वायाम्। त्वा। दिशि। सम्॰वृतः। स्वधायाम्। आ। दधामि॥ बाहु॰च्यु
ता। पृथिवीम्। द्याम्॰इव। उपरि॥ लोक॰कृतः। पथि॰कृतः। यजामहे॥ ये। देवानाम्।
हुत॰भागाः। इह। स्थ॥ धर्ता। असि। धरुणः। असि॥ वंसगः। असि॥३। उद्॰स्रः। अ
मधु॰स्रः। अ सि। वात॰ध्रः। असि॥७॥ इतः। त्वा। मा। अमुतः। त्वा। अवताम्॥ यम्। इद्। एवं। इति। यम्॰इत्वा
६ सि यत॰मान इति। यंता। ऋतम्॥ प्र। वाम्। मा। चरन्। मानुषाः। देव॰यंतः। आ। सीदताम्।
स्वम्। ऊ इति। लोकम्। विदाने इति॥८॥ स्थासस्थ इति स्थ॰आसस्थे। ध्रुवतम्। इ
दस्वा। सुजं। वाम्। ब्रह्म। पूर्व्यम्। नमः॰भिः॥ वि। श्लोकः। एति। पथ्या॰इव। सूरिः॥
शृण्वंतु। विश्वे। देवाः। अमृतस्य। पुत्राः॥९॥ त्रीणि। पदानि। रुपः। अनु। अरोहत्॥ च
तुः॰पदीम्। अनु। एतत्। व्रतेन॥ अक्षरेण। प्रति। मिमीते। अर्कम्॥ ऋतस्य। नाभौ।
अभि। सम्। पुनाति॥१०॥८॥२१॥ देवेभ्यः। कम्। अवृणीत। मृत्युम्। प्रजायै। कि

मा। अमृतम्। नः। अहृणीनाः॥ बृहस्पतिः। यज्ञम्। आ। तनुता। ऋषिः॥ प्रियाम्। यमः। तनुम्। आ। री।
रिरेचित्॥४॥ त्वम्। अग्ने। ईडितः। जातऽवेदः। अवाट्। हव्यानि। सुरभीणि। कृत्वा॥
प्र। अदाः। पितृऽभ्यः। स्वधया। ते। अक्षन्। अद्धि। त्वम्। देव। प्रऽयता। हवींषि॥
५॥ आ। अग्मीत्। आसः। अरुणीनाम्। उपऽस्थे। रयिम्। धत्त। दाशुषे। मर्त्याय। पुत्रेभ्यः।
पितरः। तस्य। वस्वः। प्र। यच्छत। ते। इह। ऊर्जम्। दधात॥६॥ अग्निऽस्वात्ताः। पितरः। ते।५
आ। इह। गच्छत॥ सदःऽसदः। सदत। सुऽप्रनीतयः। अत्त। हवींषि। प्रऽयता
नि। बर्हिषि। रयिम्। च। नः। सर्वऽवीरम्। दधात॥७॥ उपऽहूताः। नः। पितरः। सो
म्यासः। बर्हिष्येषु। निऽधिषु। प्रियेषु। ते। आ। गमन्तु। ते। इह। श्रुवन्तु। अधि। ब्रुवन्तु। ते।
अवन्तु। अस्मान्॥८॥ ये। नः। पितुः। पितरः। ये। पितामहाः। ये। अनुऽजहिरे। सोमऽ
पीथम्। वसिष्ठाः॥ तेभिः। यमः। सम्ऽरराणः। हवींषि। उशन्। उशत्ऽभिः। प्रतिऽ
कामम्। अत्तु॥९॥ ये। तातृषुः। देवऽत्रा। जेहमानाः। होत्राऽविदः। स्तोमऽतष्टा ९२
सः। अर्कैः॥ आ। अग्ने। याहि। सहस्रम्। देवऽवन्दैः। सत्यैः। कविऽभिः। ऋषिऽभिः।

घर्मसत्ऽभिः॥१०॥ ये। सत्यासः। हविःऽअदः। हविःऽपाः। इन्द्रेण। देवैः। सऽरथम्।
दधानाः॥ आ। अग्ने। याहि। सुऽविदत्रेभिः। अर्वाङ्। परैः। पूर्वैः। ऋषिऽभिः। घर्मस
त्ऽभिः॥११॥ उप। सर्प। मातरम्। भूमिम्। एताम्। उरुऽव्यचसम्। पृथिवीम्। सुऽशेवाम्॥
ऊर्णऽम्रदाः। पृथिवी। दक्षिणाऽवते। एषा। त्वा। पातु। प्रऽपथे। पुरस्तात्॥१२॥ उत्। श्व
ञ्चस्व। पृथिवि। मा। नि। बाधथाः। सुऽउपायना। अस्मै। भव। सुऽउपसर्पणा। माता।
पुत्रम्। यथा। सिचा। अभि। एनम्। भूमे। ऊर्णुहि॥१३॥१॥ उत्ऽश्वञ्चमाना।
पृथिवी। सु। तिष्ठतु। सहस्रम्। मितः। उप। हि। श्रयन्ताम्। ते। गृहासः। घृतऽश्
तः। स्योनाः। विश्वाहा। अस्मै। शरणाः। सन्तु। अत्र॥२॥ उत्। ते। स्तभ्नामि। पृथि
४त वीम्। त्वत्। परि। इमम्। लोगम्। निऽदधत्। मो इति। अहम्। रिषम्॥ एताम्। स्थूणाम्।
पितरः। धारयन्ति। ते। तत्र। यमः। सदना। ते। कृणोतु॥३॥ इमम्। अग्ने। चमसम्। मा।
वि। जिह्वरः। प्रियः। देवानाम्। उत। सोम्यानाम्॥ अयम्। यः। चमसः। देवऽपानः॥
तस्मिन्। देवाः। अमृताः। मादयन्ताम्॥४॥ अथर्वा। पूर्णम्। चमसम्। यम्। इन्द्राय।

अविमः। वाजिनी॰वते॥ तस्मिन्। कृणोति। सुऽकृतस्य। भक्षम्॥ तस्मिन्। इन्दुः। पवते। विश्व॰
दानीम्॥ यं। तं। तृष्टः। शकुनः। आ॰उतोद। पिपीलिः। सर्पः। उत। वा। श्वापदः॥ अग्निः।
तत्। विश्व॰अत्। अगदम्। कृणोतु॥ सोमः। च। यः। ब्राह्मणान्। आ॰विवेश॥ पयस्व
तीः। ओषधयः॥ पयस्वत्। मामकम्। पयः॥ अपाम्। पयसः। यत्। पयः॥ तेन। मा। सह। शुं
भंतु॥ इमाः। नारीः। रित्यंकौ॥७॥ सं। मा। गच्छस्व। पितृ॰भिः। सम्। यमेन। इष्टापूर्तेन। परमे।
वि॰ओमने॥ हित्वा। अवद्यम्। पुनः। अस्तम्। आ। इहि॥ सम्। गच्छताम्। तन्वा। सु॰वर्चाः।
८॥ ये। नः। पितुः। पितरः। ये। पितामहाः॥ ये। आ॰विविशुः। उरु। अन्तरिक्षम्॥ तेभ्यः। स्व॰राट्।
असु॰नीतिः। नः। अद्य॥ यथा॰वशम्। तन्वः। कल्पयाति॥९॥ शम्। मा। ते। नीहारः। भवतु॥ शम्।
ते। प्रुष्वा। अव। शीयताम्॥ शीतिके। शीतिका॰वति॥ ह्लादिके। ह्लादिका॰वति॥ मण्डूकी। अप्॰
सु। शम्। भुवः॥ इमम्। सु। अग्निम्। शमय॥१०॥ ३॥ १८॥ विवस्वान्। नः। अभयम्। कृणो
तु॥ यः। सु॰त्रामा। जीर॰दानुः। सु॰दानुः॥ इह। इमे। वीराः। बहवः। भवन्तु॥ गो॰मत्। अश्व॰व १४
त्। मयि। अस्तु। पुष्टम्॥१॥ विवस्वान्। नः। अमृत॰त्वे। दधातु। परा। एतु। मृत्युः। अमृतम्। नः। ~~१५~~
आ। एतु॥ इमान्। रक्षतु। पुरुषान्। आ। जरिम्णः॥ मो इति। सु। एषाम्। असवः। यमम्। गुः॥ २॥
म१

:१

पदकांड १८

यौ। दूतौ। अन्तरिक्षे। नम। द्रू॥ पितृणाम्। कविः। प्र॰मतिः। मतीनाम्॥ तम्। अर्चत। विश्व॰मित्राः। १
हविः॰भिः॥ सः। नः। यमः। प्र॰तरम्। जीवसे। धात्॥२॥ आ। रोहत। दिवम्। उत्॰तमाम्।
ऋषयः। मा। बिभीतन॥ सोम॰पाः। सोम॰पायिनः॥ इदम्। वः। क्रियते। हविः॥ अगन्म। ज्यो
तिः। उत्॰तमम्॥३॥ प्र। केतुना। बृहता। भाति। अग्निः॥ आ। रोदसी इति। वृषभः। रोरवीति॥
दिवः। चित्। अन्तात्। उप॰माम्। उत्। आनट्॥ अपाम्। उप॰स्थे। महिषः। ववर्ध॥४॥ ना
के। सु॰पर्णम्। उप। यत्। पतन्तम्॥ हृदा। वेनन्तः। अभि। अचक्षत। त्वा॥ हिरण्य॰प
क्षम्। वरुणस्य। दूतम्॥ यमस्य। योनौ। शकुनम्। भुरण्युम्॥५॥ इन्द्र। क्रतुम्। नः। आ।
भर॥ पिता। पुत्रेभ्यः। यथा॥ शिक्ष। नः। अस्मिन्। पुरु॰हूत। यामनि॥ जीवाः। ज्योतिः। अशी
महि॥६॥ अपूप॰अपि॰हितान्। कुम्भान्॥ यान्। ते। देवाः। अधारयन्॥ ते। ते। सन्तु। स्वधा॰
४ पु॰ वन्तः। मधु॰मन्तः। घृत॰श्चुतः॥८॥ यान्। ते। धानाः। अनु॰किरामि। तिल॰मिश्राः। स्वधा॰वतीः॥ ताः।
३ पु॰श्चु ते। सन्तु। वि॰भ्वीः। प्र॰भ्वीः। ताः। ते। यमः। राजा। अनु। मन्यताम्॥९॥ पुनः। देहि। वनस्पते॥ यः। एषः। नि॰हितः।
त्वयि॥ यथा। यमस्य। सदने॥ आसातै। विदथा। वदन्॥१०॥ आ। रभस्व। जात॰वेदः॥ तेजस्वत्।
हरः। अस्तु। ते॥ शरीरम्। अस्य। सम्। दह॥ अथ। एनम्। धेहि। सु॰कृताम्। ऊँ इति। लोके॥११॥
:

पदकांड १८

ये। नः। पूर्वे। परा०गताः॥ अपरे। पितरः। च। ये। तेभ्यः। घृतस्य। कुल्या। एतु॥ शत०धारा। वि०उंदती।
७२। एतत्। आ। रोह। वयः। उत्०मृजानः। स्वाः। इह। बृहत्। ऊं इति। दीदयंते॥ अभि। प्र।
इहि। मध्यतः। मा। अप। हास्थाः॥ पितृणाम्। लोकम्। प्रथमः। यः। अत्र॥७३॥ इति तृतीयोनु
वाकः॥ अनुवाके सूक्त १॥ ऋचा ७३॥ सप्ततिस्त्रधिका परः॥ ऋ॥ आ। रोहत। जनित्रीम्। जात०
वेदसः॥ पितृ०यानैः। सम्। वः। आ। रोहयामि॥ अवाट्। हव्या। इषितः। हव्य०वाहः॥ ई
जानम्। युक्ताः। सु०कृताम्। धत्त। लोके॥१॥ देवाः। यज्ञम्। ऋतवः। कल्पयंति॥ हविः। पु
रोडाशम्। स्रुचः। यज्ञ०आयुधानि॥ तेभिः। याहि। पथिऽभिः। देव०यानैः॥ यैः। ईजानाः। स्वः०
गम्। यंति। लोकम्॥२॥ ऋतस्य। पंथाम्। अनु। पश्य। साधु॥ अंगिरसः। सु०कृतः।
येन। यंति॥ तेभिः। याहि। पथिऽभिः। स्वः०गम्॥ यत्र। आदित्याः। मधु। भक्षयंति॥ तृ
तीये। नाके। अधि। वि। श्रयस्व॥३॥ त्रयः। सु०पर्णाः। उपरस्य। मायू इति। नाकस्य। पृ
श्रीः २ ष्ठे। अधि। विष्टपि। श्रिताः॥ स्वः०गाः। लोकाः। अमृतेन। वि०स्थाः॥ इषम्। ऊर्जम्। यजमा
नाय। दुह्राम्॥४॥ जुहूः। दाधार। द्याम्। उप०भृत्। अंतरिक्षम्॥ ध्रुवा। दाधार। पृथिवी
म्। प्रति०स्थाम्॥ [illegible] ॥ प्रति०माम्। लोकाः। घृत०पृष्ठाः। स्वः०गाः॥ कामम्०कामम्। यजमा १५

म॰

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

पदकां० १८

नाय। दुह्राम्॥५॥ ध्रुवे। आ। रोह। पृथिवीम्। विश्व०भोजसम्॥ अंतरिक्षम्। उप०भृ
त्। आ। क्रमस्व॥ जुहु। द्याम्। गच्छ। यजमानेन। साकम्॥ स्रुवेण। वत्सेन। दिशः। प्र०पीनाः॥
सर्वाः। धुक्ष्व। अहृणीयमानः॥६॥ तीर्थैः। तरंति। प्र०वतः। महीः। इति॥ यज्ञ०कृतः। सु०कृतः।
येन। यंति॥ अत्र। अदधुः। यजमानाय। लोकम्॥ दिशः। भूतानि। यत्। अकल्पयंत॥७॥
अंगिरसाम्। अयनम्। पूर्वः। अग्निः॥ आदित्यानाम्। अयनम्। गार्ह०पत्यः। दक्षिणाना
म्। अयनम्। दक्षिण०अग्निः॥ महिमानम्। अग्नेः। वि०हितस्य। ब्रह्मणा॥ सम्०अंगः॥ स
र्वः। उप। याहि। शग्मः॥८॥ पूर्वः। अग्निः। त्वा। तपतु। शम्। पुरस्तात्॥ शम्। पश्चात्। तपतु।
गार्ह०पत्यः॥ दक्षिण०अग्निः। ते। तपतु। शर्म। वर्म। उत्तरतः। मध्यतः। अंतरिक्षात्। दिशः०
दिशः। अग्ने। परि। पाहि। घोरात्॥९॥ यूयम्। अग्ने। शंतमाभिः। तनूभिः। ईजा
नम्। अभि। लोकम्। स्वः०गम्॥ अश्वाः। भूत्वा। पृष्टि०वाहः। वहाथ॥ यत्र। देवैः। सध०माद
म्। मदंति॥१०॥ शम्। अग्ने। पश्चात्। तप। शम्। पुरस्तात्॥ शम्। उत्तरात्। शम्।
अधरात्। तप। एनम्॥ एकः। त्रेधा। वि०हितः। जात०वेदः॥ सम्यक्। एनम्। धेहि।
सु०कृताम्। ऊं इति। लोके॥११॥ शम्। अग्नयः। सम्०इद्धाः। आ। रभंताम्॥ प्राजा०प

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

ति

त्यं म् । मेध्यम् । जातं० वेदसः ॥ शृतम् । कृण्वन्तः । इह । मा । अव । विक्षिपम् ॥ २ ॥ यूयं रः । एतस्मि विं०
२ लोकेम् ततः । कृण्वमानः ॥ ईजानम् । अग्निः स्वर्गं० गमम् ॥ तम् । अग्नयः । सर्वं० हुतम् । जुषन्ताम् ॥ ३
ग्नी० पुत्यं म् । मेध्यम् । जातं० वेदसः ॥ शृतम् । कृण्वन्तः इह । मा । अव । विक्षिपन् ॥ ३ ॥ ईजानः ।
चितम् । आ । अरुक्षत् । अग्निम् ॥ नाकस्य । पृष्ठात् । दिवम् । उत्० पतिष्यन् ॥ तस्मै । प्र । भा
ति । नभसः । ज्योतिषी० मान् ॥ स्वः० गाः । पन्थाः । सु० कृतः । देव० यानः ॥ ४ ॥ अग्निः । होता । अ
ध्वर्युः । ते । बृहस्पतिः ॥ इन्द्रः । ब्रह्मा । दक्षिणतः । ते । अस्तु ॥ हुतः । अयम् । सम्० स्थितः । यज्ञः ।
एति । यत्र । पूर्वम् । अयनम् । हुतानाम् ॥ ५ ॥ अपूपं० वान् । क्षीरं० वान् । चरुः ॥ आ । इह । सी
दतु ॥ लोक० कृतः । पथि० कृतः । यजामहे ॥ ये । देवानाम् । हुत० भागाः । इह । स्थ ॥ ६ ॥ अपूपं० वा
न् । दधि० वान् । चरुः ॥ ७ ॥ अपूपं० वान् । रस० वान् । चरुः ॥ ८ ॥ अपूपं० वान् । अपं० वान्
चरुः ॥ आ । इह । सीदतु ॥ लोक० कृत । पथि० कृतः । यजामहे ॥ ये । देवानाम् । हुत० भागाः । मू ४
इह । स्थ ॥ ९ ॥ अपूपापिहितान् । कुम्भान् ॥ १० ॥ यान् । ते । धानाः । अनु० किरामि । तिल० मिश्राः । स्व
धा० वतीः ॥ ताः । ते । सन्तु । उत्० भ्वीः । प्र० भ्वीः ॥ ताः । ते । यमः । राजा । अनु । मन्यताम् ॥ ११ ॥ अक्षितिम् । १६।
+ ऊलिप भूयसीम् ॥ १२ ॥ द्रप्सः । चस्कन्द । पृथिवीम् । अनु । द्याम् ॥ इमम् । च । योनिम् । अनु । यः । च ।
+। अपूपं० पवान् । दधि० वान् । चरुः ॥ ८ ॥ अपूपं० वान् । घृत० वान् । चरुः ॥ ९ ॥ अपूपं० वान् । मांस० वान् । चरुः ॥ १० ॥ २१
अपूपं० पवान् । अन्न० वान् । चरुः ॥ ११ ॥ अपूप० वान् । मधु० मान् । चरुः ॥ १२ ॥ २

पूर्वः ॥ समानम् । योनिम् । अनु । सम्० चरन्तम् ॥ द्रप्सम् । जुहोमि । अनु । सप्त । होत्राः ॥ १३ ॥ श
तं० धारम् । वायुम् । अर्कम् । स्वः० विदम् ॥ नृ० चक्षसः । ते । अभि । चक्षते । रयिम् ॥ ये । पृण
न्ति । प्र । च । यच्छन्ति । सर्वदा ॥ ते । दुह्रते । दक्षिणाम् । सप्त० मातरम् ॥ १४ ॥ कोशम् । दुहन्ति ।
कलशम् । चतुः० बिलम् ॥ इडाम् । धेनुम् । मधु० मतीम् । स्वस्तये ॥ ऊर्जम् । मदन्तीम् ।
अदितिम् । जनेषु । अग्ने । मा । हिंसीः । परमे । विऽओमन् ॥ १५ ॥ २२ एतत् । ते । देवः । सवि
ता ॥ वासः । ददाति । भर्तवे ॥ तत् । त्वम् । यमस्य । राज्ये । वसानः । तार्प्यम् । चर ॥ धानाः ।
धेनुः । अभवत् । वत्सः । अस्याः । तिलः । अभवत् ॥ ताम् । वै । यमस्य । राज्ये । अक्षिताम् । २६
उप । जीवति ॥ १७ ॥ एताः । ते । अस्तु । धेनवः ॥ कामऽदुघाः । भवन्तु ॥ एनीः । श्येनीः ।
सऽरूपाः । विऽरूपाः । तिल० वत्साः । उप । तिष्ठन्तु । त्वा । अत्र ॥ १८ ॥ एनीः । धानाः । हरिणीः । श्ये
नीः । अस्य । कृष्णाः । धानाः । रोहिणीः । धेनवः । ते ॥ तिल० वत्साः । ऊर्जम् । अस्मै । दुहानाः । वि
३ प० श्वाहा । सन्तु । अनपऽस्फुरन्तीः ॥ १९ ॥ वैश्वानरे । हविः । इदम् । जुहोमि ॥ साहस्रम् । शतं० धा
रम् । उत्सम् ॥ सः । बिभर्ति । पितरम् । पितामहान् । प्रऽपितामहान् । बिभर्ति । पिन्वमानः ॥
२० ॥ सहस्र० धारम् । शतं० धारम् । उत्सम् ॥ अक्षितम् । वि० अच्यमानम् । सलिलस्य । पृष्ठे ॥

ना६

पद ऊर्जम्। दुहानम्। अनप०स्फुरन्तम्॥ उप। आसते। पुरुषेन। आदन्॥ मर्त्याः। अयमस्मा अ
मृत०चम्। एति। पितरः। स्वधां। स्वधाभिः॥ इदम्। कसाम्बु। चयनेन। चितम्॥ तत्। सं०जा
ताः। अव। पश्यत। अंग॥ मर्त्याः। अयम्। अमृ०त्वम्। एति॥ तस्मै। गृहान्। कृणुत।
यावत्०सबन्धु॥१॥ इह। एव। एधि। धन०सनिः॥ इह०चित्तः। इह०क्रतुः॥ इह। एधि।
वीर्यवत्०तरः॥ वयः०धाः। अपरा०हतः॥८॥ पुत्रम्। पौत्रम्। अभि०तर्पयन्तीः॥ आ
पः। मधु०मतीः। इमाः॥ स्वधाम्। पितृ०भ्यः। अमृतम्। दुहानाः॥ आपः। देवीः। उभयान्। त
र्पयन्तु॥ आपः। अग्निम्। प्र। हिणुत। पितॄन्। उप। इमम्। यज्ञम्। पितरः। मे। जुषन्
ताम्॥ आसीनाम्। ऊर्जम्। उप। ये। सचन्ते। ते। नः। रयिम्। सर्व०वीरम्। नि। यच्छात्॥९॥
॥ समिन्धते। अमर्त्यम्। हव्य०वाहम्। घृत०प्रियम्॥ सः। वेद। नि०हितान्। नि०
धीन्॥ पितॄन्। परा०वतः। गतान्॥१॥ यम्। ते। मन्थम्। यम्। ओदनम्। यत्। मांसम्। नि० तृ४
पृणामि। ते॥ ते। ते। सन्तु। स्वधा०वन्तः। मधु०मन्तः। घृत०श्चुतः॥२॥ यांस्ते धाना इति श
वति॥३॥ इदम्। पूर्वम्। अपरम्। नि०यानम्॥ येन। ते। पूर्वे। पितरः। परा०इताः॥ पुरः०गवाः। १२८
ये। अभि०साचः। अस्य। ते। त्वा। वहन्ति। सु०कृताम्। ऊं इति। लोकम्॥५॥ सरस्वतीं। देव

:२ तृ२ ०५

पद१८ यन्ताः। इति। पितृ०सदः॥७॥ पृथिवीम्। त्वा। पृथिव्याम्। आ। वेशयामि॥ देवः। नः। धाता। प्र। तिरा
ति। आयुः॥ परा०परेता। वसु०वित्। वः। अस्तु। अध। मृताः। पितृ०षु। सम्। भवन्तु॥८॥ आ। प्र
श्री च्यवेथाम्। अप। तत्। मृजेथाम्। यत्। वाम्। अभि०भाः। अत्र। ऊचुः॥ अस्मात्। आ। इ
म्रि४ तम्। अघ्न्यौ। तत्। वशीयः। दातुः। पितृ०षु। इह०भोजनौ। मम॥९॥ आ। अयम्। अगन्।
दक्षिणा। भद्रतः। नः॥ अनेन। दत्ता। सु०दुघा। वयः०धाः॥ यौवने। जीवान्। उप०पृञ्च
ती। जरा॥ पितृ०भ्यः। उप०सम्परा०नयात्। इमान्॥१०॥३४॥ इदम्। पितृ०भ्यः। प्र।
भरामि। बर्हिः। जीवम्। देवेभ्यः। उत्०तरम्। स्तृणामि॥ तत्। आ। रोह। पुरुष। मेध्यः।
भवन्॥ प्रति। त्वा। जानन्तु। पितरः। परा०इतम्॥१॥ आ। इदम्। बर्हिः। असदः। मेध्यः।
अभूः॥ प्रति। त्वा। जानन्तु। पितरः। परा०इतम्॥ यथा०परु। तन्वम्। सम्। भरस्व॥ गात्रा
णि। ते। ब्रह्मणा। कल्पयामि॥२॥ पर्णः। राजा। अपि०धानम्। चरूणाम्॥ ऊर्जः। बलम्। सहः। २
ओजः। नः। आ। अगन्॥ आयुः। जीवेभ्यः। वि०दधत्। दीर्घायु०त्वाय। शत०शार
दाय॥३॥ ऊर्जः। भागः। यः। इमम्। जजान। अश्मा। अन्नानाम्। आधि०पत्यम्। जगाम

ना

मा॥ नं मू। अर्चता। विश्वं॰मित्रा:। हविं॰ नि:॥ सं:। न:। यमं:। प्रतरं मा। जीवसे। धानु॥ ४॥ यंथा॥
यु मां। यः। हर्म्यं मू॥ अंर्वंप नाः पंच मान वाः॥ एवं। वृणामि। हं र्म्यं मू॥ यं यां मे। न्नूरयः।
अं सन्त:। पाइदं मू। हिरण्य मू। वि न्नृहि॥ यं तंन्। पिनां। अबिलः। उरां॥ स्वः॰ गं मू। य
तः। प्रिंउं:। हं स्तम्॥ नि:। मृड्डि। दं हि। एंां॥ ६॥ ये। चा। जीवां:। ये। चा। मृतां:॥ ये। जाताः। ये।
चा। यज्ञियाः॥ तें भ्यः। घृतं स्य। कुल्या। एतु॥ मधुं॰ धारा। वि॰ उ दंती॥ ७॥ वृंषा। मती
नां मू। पवते। वि॰ चक्षणः॥ सूरः। अंह्ना मू। प्र॰ तरीता। उषं सा मू। दिवः॥ प्रा
णः। सिंधू नां मू। कुलं शान्। अचिक्रदत्॥ इंद्रस्य। हार्दिं मू। आ॰ वि शं न्। मनीषं
ति यां॥ ८॥ त्वेषः। ते। धूमः। ऊ र्णोतु। दिवि। सं न्। शुक्रः॥ आं॰ ततः॥ सूरः। नं। हि। द्युता॥
षा त्वं मू। कृपा। पावक। रोचसे। ए। आ। वि। एति। इंदुः। इंद्रस्य। नि:॰ कृतिं मू॥ सखा।
सं सख्युः। न। प्र। मि नाति। सं गिरं:॥ मर्यः॰ इव। योषाः। सं मू। अर्षसि॥ सोंमः। कुर्त शे।
शतं॰ यामना। पथा॥ १०॥ ७॥ २५॥ अंक्षंन्। अमीमदंत। हि। अवं। प्रियाः। अधूषत॥ १८।५
षत॥ अस्तोषत। स्वं॰ भानवः॥ विप्राः। यविंष्ठाः। इमहे॥ १॥ आ। यात। पितरः। सो

चे:। २

म्यांस:॥ गंभीरें:। पथिं॰ भि:। पितृं॰ यांनि:॥ आयुः। अस्मे। भ्यम्। दधंतः। प्र॰ जां मा। च॥ रायः।
पंची च। पोषै:। अभि। न:। सचध्वम्॥ २॥ परा। यात। पितरः। सो म्यासः। गंभीरैः। पथिं॰ भिः। पू
र्वं॰ यानै:॥ अंधा मासि। पुन:। आ। अयात। न:। गृहान्॥ हविः। अंत्तम्। सु॰ प्रजसः। सु॰
वीराः॥ ३॥ यं ता। वः। अग्निः। अजहात्। एं कं मू। अंगम्॥ पितृं॰ लोकं मू। गमयन्। जातं॰
वेदाः॥ तं तु। वः। एतं तु। पुन:। आ। प्यायया मि॥ सु॰ अंगाः। स्वः॰ गे। पितरः। मा। दयध्वं
मू॥ ४॥ अंभूत्। दूतः। प्र॰ हितः। जातं॰ वेदाः॥ सायं मू। नि॰ अह्ने। उपं वंद्यः। नृ॰ भिः॥
प्र। अदाः। पितृं॰ भ्यः। स्वधं यां। ते। अक्षन्॥ अद्धि। त्वं मू। देव। प्र॰ यता। हवींषि॥ ५॥ अ
आस्सो। इं ह। इह तु। मनः॥ कं उं सन्नमू॰ इव। जामंयः॥ अग्नि। एन मू। नमः। उ लोहा॥ ६॥
उं न्नाम्। लोकाः। पितृं॰ संदना:॥ पितृं॰ संदने। या। लोके। आ। सादयामि॥ ७॥ ये। अ
स्मांकम्। पितरः। तेषा मू। बर्हिः। असि॥ ८॥ उं दुत्तमम्। इति। एकः॥ प्र। अस्मत्। पाशान्।
वरुणः। मुंव। संवाम्॥ यैः। समं॰ आयं। बध्यते। यैः। वि॰ आमें॥ अधा। जीवे मू। शरदः।
शतानि॥ त्वं या। राजन्। गुपिताः। रक्षमाणा:॥ ९॥ ८॥ २६॥ अग्नये। कव्य॰ वाहनाय।

स्वधा। नमः।१। सोमाय। पितृ॰मते। स्वधा॥२॥ पितृ॰भ्यः। सोमवत्॰भ्यः। स्वधा॥३॥ यमा
य। पितृ॰मते। स्वधा। नमः।४। एतत्। ते। प्र॰ततामह। स्वधा॥ ये। च। [redacted] च। त्वाम्।
अनु॥५॥ एतत्। ते। ततामह। स्वधा॥ ये। च। त्वाम्। अनु।६। एतत्। ते। तत। स्वधा॥
॥७॥ स्वधा। पितृ॰भ्यः। पृथिविसत्॰भ्यः॥८॥ पितृ॰भ्यः। अन्तरिक्षसत्॰भ्यः।९॥
स्वधा। पितृ॰भ्यः। दिविसत्॰भ्यः॥१०॥ छ॥ २७ नमः। वः। पितरः। ऊर्जे॥ नमः। वः।
पितरः। रसाय।१। नमः। वः। पितरः। शोषाय॥ नमः। वः। पितरः। मन्यवे॥२॥ नमः। वः।
पितरः। यत्। घोरम्। तस्मै। नमः। वः। पितरः। यत्। क्रूरम्। तस्मै।३॥ नमः। वः। पि
तरः। यत्। शिवम्। तस्मै।४॥ नमः। वः। पितरः। यत्। स्योनम्। तस्मै।५॥ नमः। वः।
स्व पितरः॥ स्वधा। वः। पितरः॥६॥ ये। अत्र। पितरः। पितरः। ये। अत्र। यूयम्। स्थ॥ युष्मा
न्। ते। अनु। यूयम्॥ तेषाम्। श्रेष्ठाः। भूयास्थ॥ ये। इह। पितरः। जीवाः। इह। वयम्।
स्मः॥ अस्मान्। ते। अनु। वयम्॥ तेषाम्। श्रेष्ठाः। भूयास्म॥७॥ आ। त्वा। अग्ने १९
इधीमहि॥ द्यु॰मन्तम्। देव। अजरम्॥ यत्। घ। सा। ते। पनीयसी॥ सम्॰इत्।

पंचो ली॰ श्री जदन पाथी

दीदयति। द्यवि। इषम्। स्तोतृ॰भ्यः। आ। भर॥८॥ चन्द्रमाः। अप्॰सु। अन्तः। आ। सु॰
पर्णः। धावते। दिवि॥ न। वः। हिरण्य॰नेमयः॥ पदम्। विन्दन्ति। वि॰द्युतः॥ वित्तम्। मे। अ
स्य। रोदसी इति॥९॥ छ॥ चतुर्थोनुवाकः॥ अनुवाके सूक्त १॥ ऋचा ९९॥ ए
कोननवतिश्च यमेषु विहिता ऋचाः॥ छ॥ चतुस्त्रिंशत्पाठकः। समाप्तः॥
छ॥ शुभं भवतु॥ लेखकपाठकयोः॥ छ॥ अष्टादशमे मंगलाकाउं समाप्तम्॥
छ॥ एवं काउ अनुवाक ४। अर्धसूक्त ४। सूक्तपंक्ति २८॥ ऋचा २८।३॥ छ॥ ईस्व
स्ति। संवत् १५५८ वर्षे पौष वदि ९ अनंतर १० सोमे अद्येह राजपुर वास्तव्य
तेन स्थाने। आभ्यन्तर नागर ज्ञातीय॥ पंडित ईश्वर सुत। हरिया आत्मनः
पठनार्थम्॥ शिवस्यात्र इति। ऋचा २ इडु कृतं न इति ऋचा १॥ प्रास्मत्पाशान्
ऋचा। व्यस्तपुत्रान् तारमामं इडिरिति। ऋचा ३॥ यो अग्नौ रुद्र इति ऋचा १॥ पृथिवा
ति। ऋचा ११॥ स्यास्तु॥ श्री॥ छ॥ श्री॥ छ॥ श्री॥ छ॥ श्री॥ श्री॥

दिगं ३५०

५०१

का. १८ पुक्का ३

५०७ ग्रंथाग्रंथ

२०

दिगं. ५५०

कां. १८

नमः श्रीगणेशायनमः ॥ ॐ सम् । सम् । स्रवंतु । नद्यः । सम् । वाताः । सम् । पतत्रिणः । यज्ञम् ।
इमम् । वर्द्धयता । गिरः । सम्ऽस्राव्येण । हविषा । जुहोमि ॥ १ ॥ इमम् । होमाः । यज्ञम् । अ
वत । इमम् । सम्ऽस्रावणाः । उत । यज्ञम् । इमम् । वर्द्धयत । गिरः । सम्ऽस्राव्येण ॥ रू
रूपम्ऽरूपम् । वयःऽवयः । सम्ऽरभ्य । एनान् । परि । स्वजे । यज्ञम् । इमम् । चतस्रः । प्रऽदि
शः । वर्द्धयंतु । सम्ऽस्राव्येण । हविषा । जुहोमि ॥ ३ ॥ ॥ शम् । ते । आपः । हिमऽवतीः ।
शम् । ऊं इति । ते । संतु । उत्स्याः । शम् । ते । सनिऽस्यदाः । आपः । शम् । ऊं इति । ते । संतु । वर्ष्याः
॥ १ ॥ शम् । ते । आपः । धन्वन्याः । शम् । ते । संतु । अनूप्याः । शम् । ते । खनित्रिमाः । ॥१॥
आपः । शम् । याः । कुंभेभिः । आऽभृताः ॥ शम् । अनभ्रयः । खनमानाः । विप्राः । गंभी
रे । अपसः ॥ भिषक्ऽभ्यः । भिषक्ऽतराः । आपः । अच्छ । वदामसि ॥ २ ॥ अ

पाम् । अह । दिव्यानाम् । अपाम् । स्रोतस्यानाम् । अपाम् । अहऽप्रऽनेजने । अश्वाः । भ
वथ । वाजिनः ॥ ४ ॥ अंताः । अपः । शिवाः । अपः । अयक्ष्मंऽकरणीः । अपः । यथा ॥
एव । तृप्यते । मयः । ताः । ते । आ । तु । उत । भेषजीः ॥ ५ ॥ ३ ॥ दिवः । पृथिव्याः । परि ।
र । अंतरिक्षात् । वनस्पतिऽभ्यः । अधि । ओषधीभ्यः । यत्रऽयत्र । विऽभृतः ।
जातऽवेदाः । ततः । स्तुतः । जुषमाणः । नः । आ । इहि ॥ १ ॥ यः । ते । अप्ऽसु । म
हिमा । यः । वनेषु । यः । ओषधीषु । पशुषु । अप्ऽसु । अंतः । अग्ने । सर्वाः । त
न्वः । सं । रभस्व । ताभिः । नः । आ । इहि । द्रविणःऽदाः । अजस्रः ॥ यः । ते । देवेषु
महिमा । स्वःऽगाः । या । ते । तनूः । पितृषु । आऽविवेश । पुष्टिः । या । ते । मनुष्ये
षु । पप्रथे । अग्ने । तया । रयिम् । अस्मासु । धेहि ॥ ३ ॥ ऋतंऽकस्यायां कुव

THE ASIATIC SOCIETY OF BOMBAY

येऽवेघाय।वच०नितैं।वाके।। उप।यामि।राति।यतः।नयम्।अन्नयम्।
तत्।नः।अस्तु।अव।देवानां।यज्ञ।हिडः।अग्ने॥४॥छ३॥याम्।आ०हुतिम्।
प्रथमाम्।अथर्वा।या।जाता।या।हव्यम्।अकृणोत्।जात०वेदाः।ताम्।
ते।एतौ।प्रमथमः।जो।दुवामि।ताभिः।स्तुप्तः।वहतु।हव्यं।अग्निः।अग्नाय।
स्वाहा॥१॥आ०कूतिं।देवीम्।सु०भगाम्।पुरः।दधे।चित्तस्य।माता।सु०हवा।
नः।अस्तु।याम्।आशाम्।एमि।केवली।सामे।अस्तु।विदेयम्।एनाम्।म
नसि।प्र०विष्टाम्॥२॥आ०कूत्या।नः।बृहस्पते।आ०कूत्या।नः।उप।आ।ग ॥२॥
हि।अथो इति।भगस्य।नः।धेहि।अथो इति।नः।सु०हवः।भव॥३॥बृह
स्पतिः।मे।आ०कूतिम्।आंगिरसः।प्रति।जानातु।वाचम्।एताम्।य

स्य।देवाः।देवताः।सम्।बभूवुः।सः।सु०प्रनीताः।कामः।अनु।एतु।अस्मान्।
॥४॥छ४॥इंद्रः।राजा।जगतः।चर्षणीनाम्।अधि।क्षमि।विषु०रूपम्।यत्।
अस्ति।ततः।ददाति।दाशुषे।वसुनि।चोदत्।राधः।उप०स्तुतः।चित्।अर्वाक्॥१॥
छ५॥सहस्र०बाहुः।पुरुषः।सहस्र०अक्षः।सहस्र०पात्।सः।भूमिं।विश्वतः।
वृत्वा।अति।अतिष्ठत्।दश०अंगुलं॥१॥त्रि०भिः।पत्०भिः।द्यां।अरोहत्।पाद्
२ स्य।इह।अभवत्।पुनः।तथा।वि।अक्रामत्।विष्वङ्।अशनानशने इत्यशन०अ ना
शने।अनु॥२॥तावंतः।अस्य।महिमानः।ततः।ज्यायान्।च।पुरुषः॥४॥पादः। नरा
अस्य।विश्वा।भूतानि।त्रि०पात्।अस्य।अमृतं।दिवि॥३॥पुरुषः।एव।इदम्।
सर्वं।यत्।भूतं।यत्।च।भव्यम्।उत।अमृत०त्वस्य।ईश्वरः।यत्।अन्येन।

अन्नवत्। सुद्र॥४॥ यत्। पुरुषम्। वि। अदधुः। कतिऽधा। वि। अकल्पयत्। मुखं
किम्। अस्य। किम्। बाहू इति। किम्। ऊरू इति। पादौ। उच्येते इति॥५॥ ब्राह्मणः।
अस्य। मुखम्। आसीत्। बाहू इति। राजन्यः। अन्नावत्। मध्यम्। तत्। अस्य।
यत्। विश्यः। पत्ऽभ्यां। सूद्रः। अजायत॥६॥ चंद्रमाः। मनसः। जातः। चक्षोः।
सूर्यः। अजायत। मुखात्। इंद्रः। च। अग्निः। च। प्राणात्। वायुः। अजायत॥
नाभ्याः। आसीत्। अंतरिक्षं। शीर्ष्णः। द्यौः। सं। अवर्तत। पत्ऽभ्यां। भूमिः।
दिशः। श्रोत्रात्। तथा। लोकान्। अकल्पयन्॥७॥ विऽराट्। अग्रे। सं। अभव ॥३॥
न्। विराजः। अधि। पुरुषः॥८॥ सः। जातः। अति। अरिच्यत। पश्चात्। प
श्चात्। भूमिम्। अथो इति। पुरः॥९॥ यत्। पुरुषेण। हविषा। देवाः। यज्ञं

अतन्वत। वसंतः। अस्य। आसीत्। आज्यम्। ग्रीष्मः। इध्मः। शरत्। हविः॥१०॥ तं
यज्ञम्। बर्हिषि। प्र। औक्षन्। पुरुषं। जातम्। अग्रऽशः। तेन। देवाः। अयजंत। सा
ध्याः। वसवः। च। ये॥११॥ तस्मात्। अश्वाः। अजायंत। ये। के। च। उभयादतः। गा
वः। ह। जज्ञिरे। तस्मात्। तस्मात्। जाताः। अजऽअवयः॥१२॥ तस्मात्। यज्ञात्।
सर्वऽहुतः। ऋचः। सामानि। जज्ञिरे। छंदांसि। ह। जज्ञिरे। तस्मात्। यजुः। तस्मा
त्। अजायत॥१३॥ तस्मात्। यज्ञात्। सर्वऽहुतः। संऽभृतं। पृषत्ऽआज्यम्। पशू
न्। तान्। चक्रे। वायव्यान्। आरण्याः। ग्राम्याः। च। ये॥१४॥ सप्त। अस्य। आसन्।
परिऽधयः। त्रिः। सप्त। समिधः। कृताः। देवाः। यत्। यज्ञम्। तन्वानाः। अबध्न
न्। पुरुषम्। पशुम्। मूर्द्धः। देवस्य। बृहतः। अशावः। सप्त। सप्ततीः। राज्ञः। सो

मस्य। अजायेत। जातस्य। पुरुषात्॥ अधि॥१६॥७१॥ चित्राणि। साकम्। दिवि।
रोचनानि। सरीसृपाणि। भुवने। जवानि। तुर्मिश्रं। सु०मतिं। इछमानः। अहा
नि। गीः०भिः। सपर्यामि। नाकं॥१॥ सु०हवम्। अग्ने। कृत्तिकाः। रोहिणी। च।
अस्तु। भद्रं। मृग०शिरः। शम्। आर्द्रा। पुनर्वसू इति। पुनः०वसू। सूनृता। चारु।
पुष्यः। भानुः। आश्लेषाः। अयनं। मघाः। मे॥२॥ पुण्यं। पूर्वा। फल्गुन्यौ। च। अत्र।
हस्तः। चित्रा। शिवा। स्वाति। सु०खः। मे। अस्तु। राधे। विशाखे। सु०हवा। ॥५॥
अनु०राधा। ज्येष्ठा। सु०नक्षत्रम्। अरिष्टं। मूलं॥३॥ अन्नं। पूर्वा। रासताम्।
मे। अषाढाः। ऊर्जं। देवि। उत्त०तरा। आ। वहंतु। अभि०जित्। मे। रासताम्।
पुण्यं। एव। श्रवणः। श्रविष्ठाः। कुर्वताम्। सु०पुष्टिम्॥४॥ आ। मे। महत्। शत०

भिषक्। वरीयः। आ। मे। द्वया। प्रोष्ठ०पदा। सु०शर्म। आ। रेवती। च। अश्व०युजौ।
भगं। मे। आ। मे। रयिम्। भरण्यः। आ। वहंतु॥५॥७२॥ यानि। नक्षत्राणि। दिवि।
अंतरिक्षे। अप्०सु। भूमौ। यानि। नगेषु। दिक्षु। प्र०कल्पयन्। चंद्रमाः। यानि। ए
ति। सर्वाणि। मम। एतानि। शिवानि। संतु॥१॥ अष्टा०विंशानि। शिवानि। शग्मा
नि। सह। योगं। भजंतु। मे। योगं। प्र। पद्ये। क्षेमम्। च। क्षेमं। प्र। पद्ये। योगम्। च।
नमः। अहो०रात्राभ्याम्। अस्तु॥२॥ स्वस्तिं। नः। मे। सु०प्रातः। सु०सायं। सु०दिव
म्। सु०मृगम्। सु०शकुनं। मे। अस्तु। सु०हवम्। अग्ने। स्वस्ति। अमर्त्यं। गत्वा।
पुनः। आ। याः। अभि०नंदन्॥३॥ अनु०हवम्। परि०हवम्। परि०वादम्। परि०
स्रवम्। सर्वैः। मे। रिक्त०कुंभान्। परा। तान्। सवितः। सुव॥४॥ अप०पापम्। प

रि॰स्वम्।पर्णं।नक्षीमहि।सर्वां।जीवा।ते।पाप।नासिकाम्।पुण्यं॰गाः।च।अभि
मो।हृतां॥५॥इमाः।याः।ब्रह्मणः।पत।विषूचीः।वात।ईरते।सध्रीचीः।इं
द्राः।ताः।ऋत्वा।मह्यं।शिव॰तमाः।कृधि॥६॥स्वस्ति।नः।अस्तु।अभयम्।नः।
अस्तु।नमः।अहोरात्राभ्याम्।अस्तु॥७॥७८॥शांता।द्यौः।शांता।पृथिवी।शां
तं।इदं।उरु।अंतरिक्षं।शांताः।उदन्वतीः।आपः।शांताः।नः।संतु।ओषधीः
॥१॥शांतानि।पूर्व॰रूपाणि।शांतम्।नः।अस्तु।कृत॰अकृतं।शांतं।भूतं।च।भ
व्यं।च।सर्वं।एव।शं।अस्तु।नः॥२॥इयम्।या।परमे॰स्थिनी।वाक्।दे
वी।ब्रह्म॰संशिता।यया।एव।ससृजे।घोरं।तया।एव।शांतिः।अस्तु।नः।इ
दं।यत्।परमे॰स्थिनं।मनः।वाम्।ब्रह्म॰संशितं।येन।एव।ससृजे।घोरं

MEMORIAL

तया।एव।शांतिः।अस्तु।नः।३॥इदं।यत्।परमे॰स्थिनं।मनः।वाम्।ब्रह्म॰सं
शितं।येन।एव।ससृजे।घोरं।तेन।एव।शांतिः।अस्तु।नः॥४॥इमानि।या
नि।पंच।इंद्रियाणि।मनः।षष्ठानि।मे।हृदि।ब्रह्मणा।सं॰शितानि।यैः।एव।
ससृजे।घोरं।तैः।एव।शांतिः।अस्तु।नः॥५॥शं।नः।मित्रः।शम्।वरुणः।शं
विष्णुः।शं।प्रजा॰पतिः।शं।नः।इंद्रः।बृहस्पतिः।शम्।नः।भवतु।अर्यमा॥६॥
शम्।नः।मित्रः।शं।वरुणः।शं।विवस्वान्।शम्।अंतकः।उत्॰पाताः।पार्थि
वाः।अंतरिक्षाः।शं।नः।दिवि॰चराः।ग्रहाः॥७॥शं।नः।भूमिः।वेप्यमानाः।
शं।उल्काः।निः॰हतं।च।यत्।शं।गावः।लोहित॰क्षीराः।शं।भूमिः।अवतीः॥
यतीः॥८॥नक्षत्रम्।उल्का।अभि॰हतं।शं।अस्तु।नः।शं।नः।अभि॰चाराः।

शम्।ॐ इति।संऽत्रस्त्याः॥ शं।नः।निऽखाताः।वलाः।शं।उल्का।देशाः।पऽस्व
गाः।शं।ॐ इति।नः।त्नवंतु॥९॥शं।नः।ग्रहाः।चांद्रमसाः।शम्।आदित्यः।
शं।राहुणा।शम्।नः।मृत्युः।धूमऽकेतुः।शं।रुद्राः।तिग्मऽतेजसः॥१०॥शं।
वसवः।शं।आदित्याः।शं।अग्नयः।शम्।नः।महऽऋषयः।देवाः।शं।देवाः।
शं।बृहस्पतिः॥११॥ब्रह्म।प्रजाऽपतिः।धाता।लोकाः।वेदाः।सप्तऽऋष
यः।अग्नयः।तैः।मा।कृतं।स्वस्त्ययनी।इंद्रः।मा।शर्म।यच्छतु।ब्रह्मा।मा।श ॥३॥
र्म।यच्छतु॥१२॥विश्वे।मे।देवाः।शर्म।यच्छंतु।सर्वे।मे।देवाः।शर्म।यच्छं
तु।यानि।कानि।चित्।शांतानि।लोके।सप्तऽऋषयः।विदुः।सर्वाणि।
शं।भवंतु।मे।शं।मे।अस्तु।अभयम्।मे।अस्तु॥१३॥पृथिवी।शांतिः।

अंतरिक्षम्।शांतिः।द्यौः।शांतिः।आपः।शांतिः।ओषधयः।शांतिः।वनस्प
तयः।शांतिः।विश्वे।मे।देवाः।शांतिः।सर्वे।मे।देवाः।शांतिः।शांतिः।शांति
भिः।ताभिः।शांतिऽभिः।सर्वशांतिऽभिः।शमयामि।अहं।यत्।इह।घोरं।
यत्।इह।क्रूरं।यत्।इह।पापम्।तत्।शांतम्।तत्।शिवम्।सर्वम्।एव।शं।
अस्तु।नः॥१४॥७१० प्रथमोनुवाकः।अनुवाकस्रक्त९ सजप९॥शम्।नः।
इंद्राग्नी इति।त्नवताम्।अवःऽभिः।शं।नः।इंद्रावरुणा।रातऽहव्या।शम्।इं
द्रा।सोमा।सुविताय।शं।योः।शं।इंद्रापूषणा।वाजऽसातौ॥१॥शम्।नः। नः। २
भगः।शम्।ॐ इति।नः।शंसः।अस्तु।शं।नः।पुरम्ऽधिः।शम्।ॐ इति।संऽत्र
रायः।शं।नः।सत्यस्य।सुऽयमस्य।शंसः।शं।नः।अर्यमा।पुरुऽजातः।अ
अस्तु

अस्तु॥२॥ शं। नः। धाता। शम्। ऊं इति। धर्त्ता। नः। अस्तु। शं। नः। ऊरूची। भवतु। स्व
धाभिः। शं। रोदसी इति। बृहती इति। शं। नः। अद्रिः। शं। नः। देवानां। सु॰हवानि।
संतु॥३॥ शं। नः। अग्निः। ज्योतिः॰अनीकः। अस्तु॥ शं। नः। मित्रावरुणौ। अ
श्विना। शं। शं। नः। सु॰कृतां। सु॰कृतानि। संतु। शं। नः। इषिरः। अभि। वा
तु। वातः॥४॥ शं। नः। ओषधीः। वनिनः। भवंतु। शं। नः। रजसः। द्यावापृ
थिवी इति। पूर्व॰हूतौ। शं। अंतरिक्षं। दृशये। नः। अस्तु। शं। नः। ओषधीः। व ॥७॥
निनः। भवंतु। शं। नः। रजसः। पतिः। अस्तु। जिष्णुः॥५॥ शम्। नः। इंद्रः। वसु॰
भिः। देवः। अस्तु। शं। आदित्येभिः। वरुणः। सु॰शंसः। शं। नः। रुद्रः। रुद्रे
भिः। जलाषः। शं। नः। त्वष्टा। ग्नाभिः। इह। शृणोतु॥६॥ शं। नः। सोमः।

भवतु। ब्रह्म। शं। नः। शं। नः। ग्रावाणः। शं। ऊं इति। संतु। यज्ञाः। शम्। नः। स्व
रूणाम्। मितयः। भवंतु। शं। नः। प्र॰स्वः। शं। ऊं इति। अस्तु। वेदिः॥७॥ शं। नः।
सूर्यः। उरु॰चक्षाः। उत्। एतु। शं। नः। भवंतु। प्र॰दिशः। चतस्रः। शं। नः। पर्वताः।
ध्रुवयः। भवंतु। शं। नः। सिंधवः। शं। ऊं इति। संतु। आपः॥८॥ शं। नः। अदितिः।
भवतु। व्रतेभिः। शं। नः। भवंतु। मरुतः। सु॰अर्काः। शं। नः। विष्णुः। शम्। ऊं इति
पूषा। नः। अस्तु। शम्। नः। भवित्रं। शं। ऊं इति। अस्तु। वायुः॥९॥ शं। नः। देवः।
सविता। त्रायमाणः। शं। नः। भवंतु। उषसः। वि॰भातीः। शं। नः। पर्जन्यः। भ
वतु। प्र॰जाभ्यः। शं। नः। क्षेत्रस्य। पतिः। अस्तु। शं॰भुः॥१०॥ शम्। नः। सत्य
स्य। पतयः। भवंतु। शं। नः। अर्वंतः। शं। ऊं इति। संतु। गावः। शं। नः।

सत्त्वः। सु॰कृतः। सु॰हस्ताः॥ शं। नः। भवंतु। पितरः। हवेषु॥१॥ शं। नः। दे
वाः। विश्व॰देवाः। भवंतु। शं। सरस्वती। सह। धीभिः। अस्तु। शम्॥ अ
भि॰साचः। शं। ऊं इति। राति॰साचः। शं। नः। दिव्याः। पार्थिवाः। शं।
नः। अप्याः॥२॥ शं। नः। अजः। एक॰पात्। देवः। अस्तु। शं। अहिः।
बुध्न्यः। शं। समुद्रः। शं। नः। अपां। नपात्। पेरुः। अस्तु। शं। नः। ॥८॥
पृश्निः। भवतु। देव॰गोपा॥३॥ आदित्याः। रुद्राः। वसवः। जुषंतां।
इदं। ब्रह्म। क्रियमाणं। नवीयः। शृण्वंतु। नः। दिव्याः। पार्थिवासः।

गो॰जाताः। उत। ये। यज्ञियासः॥४॥ ये। देवानां। ऋत्विजः। यज्ञिया
सः। मनोः। यजत्राः। अमृताः। ऋत॰ज्ञाः। ते। नः। रासंताम्। उरु॰
गायम्। अद्य। यूयं। पात। स्वस्ति॰भिः। सदा। नः॥५॥ तत्। अ
स्तु। मित्रावरुणा। तत्। अग्ने। शं। योः। अस्मभ्यं। इदम्। अस्तु। श
स्तम्॥ अशीमहि। गाधम्। उत। प्रति॰स्थाम्॥ नमः। दिवे। बृहते।
सादनाय॥५॥६॥७॥११॥ उषाः। अप। स्वसुः। तमः। सम्। वर्त्तयति।
वर्त्तनिम्। सु॰जातता। अया। वाजं। देव॰हितम्। सनेम। मदेम।
त शत॰हिमाः। सु॰वीराः॥१॥७२॥ इंद्रस्य। वा। कु इति। स्थ। विरौ

रथाणो। चित्रा। इमा। वृषभन्तः। पारयिष्णु इति॥ तौ। या। केो। प्रथमः। यो-
गा। आ॰गात। या। त्यां। जिति। असुराणाम्। स्व। यत्॥१॥ आ-
शुः। शिशानः। वृषभः। न। भीमः। घनाघनः। क्षोभणः। चर्षणी-
नाम्। सम्॰क्रंदनः। अनि॰मिषः। एक॰वीरः॥ शतं। सेनाः।
अजयत्। साकं। इंद्रः॥२॥ सं॰क्रंदनेन। अनि॰मिषेण। एक॰
वीरः॥ शतं। सेनाः। अजयत्। साकं। इंद्रः॥ जिष्णुनां॥ अयोध्येन। ॥९॥
दुः॰च्यवनेन। धृष्णुनां। तत्। इंद्रेण। जयत। तत्। सहध्वं। युधः। न-
रः॥ इषु॰हस्तेन। वृष्णा॥३॥ सः। इषु॰हस्तैः। सः। निषंगि॰भिः। व-

शी। [illegible]स्रष्टा। सः। युधः। इंद्रः। गणेन। संसृष्ट॰जित्। सोम॰पा। बाहु॰
शर्द्धि॥ उग्र॰धन्वा। प्रति॰हिताभिः। अस्ता॥४॥ बल॰विज्ञायः। स्थविरः।
प्र॰वीरः। सहस्वान्। वाजी। सहमानः। उग्रः। अभि॰वीरः। अभि॰सत्वा। सह॰
जाः। जैत्रम्। इंद्र। रथम्। आ। तिष्ठ। गोविदंन्॥५॥ इमंवीरमित्यका॥६॥ अ-
भि। गोत्राणि। सहसा। गाहमानः। अ॰अदयः॥४॥ उग्रः। शत॰मन्युः। इंद्रः। दु-
॰च्यवनः। पृतनाषाट्। अयोध्यः। अस्माकं। सेनाः। अवतु। प्र। युत्॰सु॥७॥ बृह-
स्पते। परि। दीय। रथेन। रक्षः॰हा। अमित्रान्। अप॰बाधमानः। प्र॰भंजन्। शत्रून्।
प्र॰मृणन्। अमित्रान्। अस्माकं। एधि। अविता। तनूनाम्॥८॥ इंद्रः। एषाम्।
नेता। बृहस्पतिः। दक्षिणा। यज्ञः। पुरः। एतु। सोमः। देव॰सेनानाम्। अभि॰भं-

जतीनाम्। जयतीनाम्। मरुतः। यंतु। मध्ये॥९॥ इंद्रस्य। वृष्णः। वरुणस्य। रा
ज्ञः। आदित्यानाम्। मरुताम्। शर्द्धः। उग्रम्। महाऽमनसाम्। भुवनऽच्य
वानाम्। घोषः। देवानाम्। जयताम्। उत्। अस्थात्॥१०॥ अस्माकम्। इंद्रः।
सम्ऽऋतेषु। ध्वजेषु। अस्माकम्। याः। इषवः। ताः। जयंतु। अस्माक
म्। वीराः। उत्ऽतरे। भवंतु। अस्मान्। ऊं देवासः। अवत। हवेषु॥
॥११॥८॥१२॥ हृदी। उत्ऽश्रेयः। अवसानम्। आ। अगाम्। शिवे इति। मि ॥१८॥
द्यावापृथिवी इति। अभूताम्। असपत्नाः। प्रऽदिशः। मे। भवंतु। [illegible]
न। वै। त्वा। द्विष्मः। अ[illegible]। यो। नः। अस्तु॥१४॥ यतः। इंद्र। भयामहे। ततः। नः। अभयं। कृधि
[illegible]। तव। त्वम्। नः। ऊतिऽभिः। वि। द्विषः। वि। मृधः। जहि॥१॥ इंद्रो वये। अनुऽराधम्।

हवामहे। अस्तु। सव्यसस्य। द्विऽपदाः। चतुःऽपदाः। मा। नः। सेनाः। अररुषीः। उप। गुः। वि
षूचीः। इंद्र। द्रुहः। वि। नाशय॥२॥ इंद्रः। त्राता। उत। वृत्रऽहा। परःऽस्फानः। वरेण्यः। सः। रक्षि
सः। ता। चरमतः। सः। मध्यतः। सः। पश्चात्। सः। पुरस्तात्। नः। अस्तु॥३॥ उरुं। नः। लोकम्। अनु
नेषि। विद्वान्। स्वः। यत्। ज्योतिः। अभयम्। स्वस्ति। उग्रा। ते। इंद्र। स्थविरस्य। बाहू इति।
उप। क्षयेम। शरणा। बृहंता॥४॥ अभयम्। नः। करति। अंतरिक्षम्। अभयम्। द्यावापृथि
वी इति। उभे इति। इमे इति। अभयम्। पश्चात्। अभयम्। पुरस्तात्। उत्ऽतरात्। अधरात्। अ
नः। भयम्। अस्तु॥५॥ अभयम्। मित्रात्। अभयम्। अमित्रात्। अभयम्। ज्ञातात्। अभयम्। पुरः।
यः॥ अभयम्। नक्तम्। अभयम्। दिवा। नः। सर्वाः। आशाः। मम। मित्रम्। भवंतु॥६॥८॥१५॥ असप
त्नम्। पुरस्तात्। पश्चात्। नः। अभयम्। कृतम्। सविता। मा। दक्षिणतः। उत्तरात्। मा। शचीऽ

पतिः॥१॥ दिवः। मा। आदित्याः। रक्षंतु। भूम्याः। रक्षंतु। अग्नयः। इंद्राग्नी इति। रक्षतां। मा। पु
रस्तात्। अश्विनौ। अभितः। शर्म। यच्छतां। तिरश्चीनं। अघ्न्या। रक्षतु जातवेदाः। भूतं०
कृतः। मा। सर्वतः। संतु। वर्म। रक्षतु॥१५॥ अग्निः। मा। पातु। वसु०भिः। पुरस्तात्। तस्मिन्। क्र
मे। तस्मिन्। श्रये। तां। पुरं। प्र। एमि। सः। मा। रक्षतु। सः। मा। गोपायतु। तस्मै। आत्मानं।
परि। ददे। स्वाहा॥१॥ वायुः। मा। अंतरिक्षेण। एतस्याः। दिशः। पातु। तस्मिन्॥२॥ सोमः। मा। रु
द्रैः। दक्षिणायाः। दिशः॥३॥ वरुणः। मा। आदित्यैः। एतस्याः। दिशः॥४॥ सूर्यः। मा। द्यावापृथि
वीभ्यां। प्रतीच्याः। दिशः। पातु॥५॥ आपः। मा। ओषधी०मतीः। एतस्याः। दिशः। पातु। तासु। क्र ॥१६॥
मे। तासु। श्रये। तां। पुरं। प्र। एमि। ताः। मा। रक्षंतु। ताः। मा। गोपायंतु। ताभ्यः। आत्मानं। परि। द
दे। स्वाहा॥६॥ विश्व०कर्मा। सप्तऋषि०भिः। उदीच्याः। दिशः। पातु॥७॥ इंद्रः। मा। म
मा।

रुत्वान्। एतस्याः। दिशः॥८॥ प्रजा०पतिः। मा। प्रजनन०वान्। सह। प्रति०स्थायाः। ध्रुवायाः।
दिशः॥९॥ बृहस्पतिः। मा। विश्वैः। देवैः। ऊर्ध्वायाः। दिशः। पातु। तस्मिन्। क्रमे। तस्मिन्। श्रये।
तां। पुरं। प्र। एमि। सः। मा। रक्षतु। सः। मा। गोपायतु। तस्मै। आत्मानं। परि। ददे। स्वाहा॥१०॥१
७॥ अग्निं। तं। वसु०मंतं। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। प्राच्याः। दिशः। अभि०दासात्॥१॥
वायुं। तं। अंतरिक्ष०वंतं। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। एतस्याः। दिशः॥२॥ सोमं। तं। रुद्र
वंतं। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। दक्षिणायाः। दिशः॥३॥ वरुणं। तं। आदित्य०वंतं। ऋ
च्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। एतस्याः। दिशः॥४॥ सूर्यं। तं। द्यावापृथिवी इति। वंतं। ऋच्छंतु। ये।
प्र३ मा। अघ०यवः। प्रतीच्याः। दिशः॥५॥ अपः। ताः। ओषधि०मतीः। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। एतस्याः।
दिशः॥६॥ विश्व०कर्माणं। तं। सप्तऋषि०वंतं। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। उदीच्याः। दि
शः॥७॥ इंद्रं। तं। मरुत्वंतं। ऋच्छंतु। ये। मा। अघ०यवः। एतस्याः। दिशः॥८॥ प्रजा०पतिं।

ते। प्रजननं॰ वेतम्। ऋच्छंतु। ये। मा। अघऽयवः। ध्रुवायाः। दिशः। ९। बृहस्पतिः। ता। विश्वदेववं
तम्। ऋच्छंतु। ये। मा। अघऽयवः। ऊर्ध्वायाः। दिशः। अभिऽदासात्। १०। ६। १। मित्रः। पृथिव्या।
उत्। अक्रामत्। ताम्। पुरम्। प्र। नयामि। वः। ताम्। आ। विशत। ताम्। प्र। विशत। सा। वः। शर्म।
च। वर्म। च। यच्छतु। १। वायुः। अंतरिक्षेण। उत्। २। सूर्यः। दिवा। उत्। ३। चंद्रमाः। नक्षत्रैः। उत्। ४। सो
मः। ओषधीभिः। उत्। ५। यज्ञः। दक्षिणाभिः। उत्। ६। समुद्रः। नदीभिः। उत्। ७। ब्रह्म। ब्रह्मचारिऽभिः।
उत्। ८। इंद्रः। वीर्येण। उत्। ९। देवाः। अमृतेन। उत्। अक्रामन्। १०। प्रजा॰पतिः। प्रऽजाभिः। उत्। अ
क्रामत्। ताम्। पुरम्। प्र। नयामि। वः। ताम्। आ। विशत। ताम्। प्र। विशत। सा। वः। शर्म। च। वर्म। च। यच्छतु। ॥१२॥
११। ७। १०। अप। न्यधुः। पौरुषेयम्। वधम्। यम्। इंद्राग्नी इति। धाता। सविता। बृहस्पतिः। सोमः। रा
जा। वरुणः। अश्विना। यमः। पूषा। अस्मान्। परि। पातु। मृत्योः। १। यानि। चकार। भुवनस्य। यः। पतिः।
प्रजा॰पतिः। मातरिश्वा। प्रजाऽभ्यः। प्र॰दिशः। यानि। वसते। दिशः। च। तानि। मे। वर्माणि। बहुलानि।

संतु। २। यत्। ते। तनूषु। अनह्यंत। देवाः। द्युराजयः। देहिनः। इंद्रः। यत्। चक्रे। वर्म। तत्।
अस्मान्। पातु। विश्वतः। ३। वर्म। मे। द्यावापृथिवी इति। वर्म। अहः। वर्म। सूर्यः। वर्म। मे। विश्वे।
देवाः। क्रन्। मा। मा। प्र। आपत्। प्रतीचिका। ४। ८। २। इति द्वितीयोनुवाकः। अनुवाक २ सूक्ता १२। ती॰द
गायत्री। उष्णिक्। अनुष्टुप्। बृहती। पंक्तिः। त्रिष्टुप्। जगत्यै। ६। २। आंगिरसानाम्। आद्यैः
पंच। अनुवाकैः। स्वाहा। १। षष्ठाय। स्वाहा। २। सप्तम॰ अष्टमाभ्याम्। स्वाहा। ३। नीलनखेभ्यः।
स्वाहा। ४। हरितेभ्यः। स्वाहा। ५। क्षुद्रेभ्यः। स्वाहा। ६। पर्यायिकेभ्यः। स्वाहा। ७। प्रथमेभ्यः। शंखेभ्यः।
स्वाहा। ८। द्वितीयेभ्यः। शंखेभ्यः। स्वाहा। ९। तृतीयेभ्यः। शंखेभ्यः। स्वाहा। १०। उपोत्तमेभ्यः। स्वाहा
। ११। उत्तमेभ्यः। स्वाहा। १२। उत्तरेभ्यः। स्वाहा। १३। ऋषिभ्यः। स्वाहा। १४। शिखिभ्यः। स्वाहा। १५
गणेभ्यः। स्वाहा। १६। महागणेभ्यः। स्वाहा। १७। सर्वेभ्यः। अंगिरोभ्यः। विदगणेभ्यः। स्वाहा। १८।
पृथक्सहस्राभ्याम्। स्वाहा। १९। ब्रह्मणे। स्वाहा। २०। ब्रह्म। ज्येष्ठा। संभृता। वीर्याणि। ब्रह्म। अ
ग्रे। ज्येष्ठम्। दिवम्। आ। ततान। भूतानाम्। ब्रह्म। प्रथमा। उत। जज्ञे। तेन। अर्हति। ब्रह्मणा। स्पर्धितुम्। कः।

॥२।ऋ।२॥ आथर्वणानाम् चतुः॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥१॥ पंच॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥२॥ षट्॰ऋचेभ्यः
स्वाहा॥३॥ सप्त॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥४॥ अष्टर्चेभ्यः स्वाहा॥५॥ नवं स्वाहा॥६॥ स्वहा॥६॥ दश॰ऋचे
भ्यः स्वाहा॥७॥ एकादश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥ द्वादशऋचेभ्यः स्वाहा॥९॥ त्रयोदश॰ऋचेभ्यः स्वाहा
॥१०॥ चतुर्दश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥११॥ पंचदश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥१२॥ षोडश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥१३॥
सप्तदश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥१४॥ अष्टादश॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥१५॥ एकोनविंशतिः स्वाहा॥१६॥
विंशतिः स्वाहा॥१७॥ महत्॰कांडाय स्वाहा॥१८॥ तृचेभ्यः स्वाहा॥१९॥ एक॰ऋचेभ्यः स्वाहा॥२०॥ क्षु
द्रेभ्यः स्वाहा॥२१॥ एक॰अनृचेभ्यः स्वाहा॥२२॥ रोहितेभ्यः स्वाहा॥२३॥ सूर्याभ्याम् स्वाहा॥२४॥ व्रा ॥१३॥
त्याभ्याम् स्वाहा॥२५॥ प्राजा॰पत्याभ्याम् स्वाहा॥२६॥ विषासह्यै स्वाहा॥२७॥ मंगलिकेभ्यः
स्वाहा॥२८॥ ब्रह्मणे स्वाहा॥२९॥ ब्रह्मज्येष्ठेत्येका॥ इति॥३१॥ येना देवं सविता परि दे
वाः अधारयन्। तेना इमं ब्रह्मणः पते। परि राष्ट्राय धत्तन॥१॥ परि इमम् इन्द्रम् आयु

षे। महे। क्षत्राय। धत्तन। यथा। एनं। जरसे। नयात्। ज्योक्। क्षत्रे। अधि। जागरत्॥२॥ परि। इमम्। सोमम्।
आयुषे। महे। श्रोत्राय। धत्तन। यथा। एनम्। जरसे। नयात्। ज्योक्। श्रोत्रे। अधि। जागरत्॥३॥ परि
धत्तेत्येका॥४॥ जराम्। सु। गच्छ। परि। धत्स्व। वासः। भव। गृष्टीनाम्। अभिशस्ति॰पाः। ऊँ इति। शतं। च।
जीव। शरदः। पुरूचीः। रायः। च। पोषं। उप॰संव्ययस्व॥५॥ परि। इदं। वासः। अधिथाः। स्वस्तये। अ
भूः। वापीनाम्। अभिशस्ति॰पाः। ऊँ इति। शतं। च। जीव। शरदः। पुरूचीः। वसूनि। चारुः। वि। भजासि। जी
वन्॥६॥ योगे॰योगे। तवः॰तरम्। वाजे॰वाजे। हवामहे। सखायः। इन्द्रम्। ऊतये॥७॥ हिरण्य॰वर्णः। अ
जरः। सु॰वीरः। जरा॰मृत्युः। प्र॰जया। सम्॥ विश॥ तत्। अग्निः। आह। तत्। ऊँ इति। सोमः। आह।
बृहस्पतिः। सविता। तत्। इन्द्रः॥८॥२४॥ अशीत। स्य। त्वा। मनसा। युनज्मि। प्रथमस्य। च। तन्तु
कूर्जी। उत्॰वहः। तव। उत्॰उद्घा। प्रति। धारवता॥१॥२५॥ अग्नेः। प्र॰जातं। परि। यत्। हिरण्यं। अमृ
तं। दध्रे। अधि। मर्त्येषु। यः। एनत्। वेद। सः। इत्। एनं। अर्हति। जरा॰मृत्युः। भवति। यः। बिभर्ति॥

॥१॥ यत्। हिरण्यं। सूर्येण। सुऽवर्णं। प्रजाऽवंतं। मनवः। पूर्वे। ईषिरे। तत्। त्वा। चंद्र। वर्चसा। सम्।
सृजति। आयुष्मान्। भवति। यः। बिभर्ति।२। आयुषे। त्वा। वर्चसे। त्वा। ओजसे। च। बलाय। च। यथा।
हिरण्यऽतेजसा। विऽभासासि। जनान्। अनु।३। यत्। वेद। राजा। वरुणः। वेद। देवः। बृहस्पतिः। इंद्रः।
यत्। वृत्रऽहा। वेद। तत्। ते। आयुष्यं। भुवत्। तत्। ते। वर्चस्यं। भुवत्।४।२६। तृतीयोनुवाकः। अनु
केत्नकेऽ ऋचाद्य।३॥ गोभिः। त्वा। पातु। ऋषभः। वृषा। त्वा। पातु। वाजिऽभिः। वायुः। त्वा। ब्रह्म
णा। पातु। इंद्रः। त्वा। पातु। इंद्रियैः।१। सोमः। त्वा। पातु। ओषधीभिः। नक्षत्रैः। पातु। सूर्यः। मासैः। त्वा।
चंद्रः। वृत्रऽहा। वातः। प्राणेन। रक्षतु।२। तिस्रः। दिवः। तिस्रः। पृथिवीः। त्रीणि। अंतरिक्षाणि। चतुरः। ॥१४॥
समुद्रान्। त्रिऽवृतं। स्तोमम्। त्रिऽवृतः। आपः। आहुः। ताः। त्वा। रक्षंतु। त्रिऽवृता। त्रिवृतऽभिः।
।३। त्रीन्। नाकान्। त्रीन्। समुद्रान्। त्रीन्। ब्रध्नान्। त्रीन्। वैष्टपान्। त्रीन्। मातरिश्वनः। त्रीन्।
सूर्यान्। गोप्तॄन्। कल्पयामि। ते।४। घृतेन। त्वा। सम्। उक्षामि। अग्ने। आज्येन। वर्धयन्। अग्नेः।

चंद्रस्य। सूर्यस्य। मा। प्राणम्। मा। यिनः। दभन्।५। मा। वः। प्राणं। मा। वः। अपानं। मा। हरः। मायिनः। दभन्।
भ्राजंतः। विश्वऽवेदसः। देवाः। दैव्येन। धावत।६। प्राणेन। अग्निम्। सम्। सृजति। वातः। प्राणेन। सम्ऽ
हितः। प्राणेन। विश्वतःऽमुखं। सूर्यं। देवाः। अजनयन्।७। आयुषा। आयुःऽकृतां। जीव। आ
युष्मान्। जीव। मा। मृथाः। प्राणेन। आत्मन्ऽवतां। जीव। मा। मृत्योः। उत्। अगाः। वशं।८। देवानाम्। नि
हितं। निऽधिम्। यम्। इंद्रः। अनु। अविंदत्। पथिऽभिः। देवऽयानैः। आपः। हिरण्यं। जुगुपुः। त्रिवृत्ऽ
भिः। ताः। त्वा। रक्षंतु। त्रिऽवृता। त्रिवृत्ऽभिः।९। त्रयः। त्रिंशत्। देवताः। त्रीणि। च। वीर्याणि। प्रिया
यमाणाः। जुगुपुः। अप्ऽसु। अंतः। अस्मिन्। चंद्रे। अधि। यत्। हिरण्यं। तेन। अयं। कृणवत्। वीर्या
णि।१०। ये। देवाः। दिवि। एकादश। स्थ। ते। देवासः। हविः। इदं। जुषध्वं।११। ये। देवाः। अंतरिक्षे। एका
दश।१२। ये। देवाः। पृथिव्याम्। एकादश। स्थ। ते। देवासः। हविः। इदं। जुषध्वं।१३। असपत्नं। पुरस्ता
त्। इति द्वा।१४।२४। इमम्। बध्नामि। ते। मणिम्। दीर्घायुऽत्वाय। तेजसे। दक्षिणं। सपत्नऽदंभनम्।

५

द्विषतः।तपनम्।हृदः॥१॥द्विषतः।तापयन्।हृदः।शत्रूणाम्।तापयन्।मनः।दुःऽहार्दः।सर्वान्।त्वम्।इन्द्री
ब्रमःऽइव।अग्नीन्।सम्ऽतापयन्॥२॥घर्मःऽइव।अभिऽतपन्।दर्भ।द्विषतः।निऽतपन्।मणे।हृदः।सऽपत्ना
न्।आ॥भिन्धि।इन्द्रःऽइव।विऽरुजम्।वलम्॥३॥भिन्धि।दर्भ।सऽपत्नानाम्।हृदयम्।द्विषताम्।मणे।उत्
यन्।त्वचम्ऽइव।भूम्याः।शिरः।एषाम्।विपातय॥४॥भिन्धि।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।भिन्धि।मे।पृतनाऽय
तः।भिन्धि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।भिन्धि।मे।द्विषतः।मणे॥५॥छिन्धि।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।छिन्धि।मे।छि
न्धि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।छिन्धि।मे॥६॥वृश्च।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।वृश्च।मे।वृश्च।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।वृ
श्च।मे॥७॥कृन्त।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।कृन्त।मे।कृन्त।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।कृन्त।मे॥८॥पिंश।दर्भ।सऽपत्नान्।
मे।पिंश।मे।पिंश।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।पिंश।मे॥९॥विध्य।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।विध्य।मे।विध्य।मे।स
र्वान्।दुःऽहार्दः।विध्य।मे॥१०॥निऽक्ष।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।निऽक्ष।मे।निऽक्ष।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।
निऽक्ष।मे॥११॥तृन्धि।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।तृन्धि।मे।तृन्धि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।तृन्धि।मे॥१२॥रुन्धि।दर्भ।स

MEMORIAL

१५

पत्नान्।मे।रुन्धि।मे।रुन्धि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।रुन्धि।मे॥१३॥मृण।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।मृण।मे।मृण।
मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।मृण।मे॥१४॥मन्थ।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।मन्थ।मे।मन्थ।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।मन्थ।मे
॥१५॥पिंढि।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।पिंढि।मे।पिंढि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।पिंढि।मे॥१६॥ओष।दर्भ।सऽपत्नान्।
मे।ओष।मे।ओष।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।ओष।मे॥१७॥दह।दर्भ।सऽपत्नान्।मे।दह।मे।दह।मे।सर्वान्।दुः
म हार्दः।दह।मे॥१८॥जहि।दर्भ।सऽपत्नान्।जहि।मे।पृतनाऽयतः।जहि।मे।सर्वान्।दुःऽहार्दः।जहि।मे।द्विष
तः।मणे॥१९॥यत्।त्वा।दर्भ।जरऽमृत्युः।आऽबध्नामि।वर्म।ते।तेन।इमम्।वर्मिणम्।कृत्वा।
सऽपत्नान्।जहि।वीर्यैः॥१॥यत्।ते।दर्भ।वर्माणि।सहस्रम्।वीर्याणि।ते।तम्।अस्मै।विश्वे।त्वम्।देवाः।
जरसे।भर्तवै।अदुः॥२॥त्वाम्।आहुः।देवऽवर्म।त्वाम्।दर्भ।ब्रह्मणः।पतिम्।त्वाम्।इन्द्रस्य।आहुः।
वर्म।त्वम्।राष्ट्राणि।रक्षसि॥३॥सपत्नऽक्षयणम्।दर्भ।द्विषतः।तपनम्।हृदः।मणिम्।क्षत्रस्य।वर्धनम्।
तनूऽपानम्।कृणोमि।ते॥४॥यत्।समुद्रः।अभिऽअक्रन्दत्।पर्जन्यः।विऽद्युता।सह।ततः।हिरण्ययः। ५

विंऽ॥ ततः। दर्भिः। अजायत॥ ५॥ ३॥ औदुंबरेण। मणिना। पुष्टिऽकामाय। वेधसा। पशूनां। सर्वेषां। स्फा
तिं। गोऽस्थाने। सविता। करत्॥ १॥ यः। नः। अग्निः। गार्हऽपत्यः। पशूनां। अधिऽपाः। असत्। औदुंबरः।
वृषा। मणिः। सः। मा। सृजतु। पुष्ट्या॥ २॥ करीषिणीं। फलऽवतीं। स्वधां। इरां। च। नः। गृहे। औदु
बरस्य। तेजसा। धाता। पुष्टिं। दधातु। मे॥ ३॥ यत्। द्विऽपात्। च। चतुःऽपात्। च। यानि। अन्नानि। ये। रसाः। गृ
ह्णे। अहं। तु। एषां। भूमानं। बिभ्रत्। औदुंबरं। मणिं॥ ४॥ पुष्टिं। पशूनां। परिऽजग्रभ। अहं। चतुःऽ
पदां। द्विऽपदां। यत्। च। धान्यं। पयः। पशूनां। रसं। ओषधीनां। बृहस्पतिः। सविता। मे। नि। य
छात्॥ ५॥ अहं। पशूनां। अधिऽपाः। असानि। मयि। पुष्टं। पुष्टऽपतिः। दधातु। मह्यं। औदुंबरः।
मणिः। द्रविणानि। नि। यच्छतु॥ ६॥ उप। मा। औदुंबरः। मणिः। प्रऽजया। च। धनेन। च। इंद्रेण। जिन्व ॥ १६ ॥
तः। मणिः। आ। मा। अगन्। सह। वर्चसा॥ ७॥ देवः। मणिः। सपत्नऽहा। धनऽसाः। धनऽसातये। पशोः। १६
अन्नस्य। भूमानं। गवां। स्फातिं। नि। यच्छतु॥ ८॥ यथा। अग्रे। त्वं। वनस्पते। पुष्ट्या। सह। ज

ज्ञिषे। एव। धनस्य। मे। स्फातिं। आ। दधातु। सरस्वती॥ ९॥ आ। मे। धनं। सरस्वती। पयःऽस्फातिं। च।
धान्यं। सिनीवाली। उप। आ। वहात्। अयं। च। औदुंबरः। मणिः॥ १०॥ त्वं। मणीनां। अधिऽपाः।
वृषा। असि। त्वयि। पुष्टं। पुष्टऽपतिः। जजान। त्वयि। इमे। वाजाः। द्रविणानि। सर्वा। औदुंबरः।
सः। त्वं। अस्मत्। सहस्व। आरात्। अरातिं। अमतिं। क्षुधं। च॥ ११॥ ग्रामणीः। असि। ग्रामऽणीः।
उत्ऽथाय। अभिऽसिक्तः। अभि। मा। सिंच। वर्चसा। तेजः। असि। तेजः। मयि। धारय। अधि। रयिः।
असि। रयिं। मे। धेहि॥ १२॥ पुष्टिः। असि। पुष्ट्या। मा। सं। अंग्धि। गृहऽमेधी। गृहऽपतिं। मा।
कृणु। औदुंबरः। सः। त्वं। अस्मासु। धेहि। रयिं। च। नः। सर्वऽवीरं। नि। यच्छ। रायः। पोषा
य। प्रति। मुंचे। अहं। त्वां॥ १३॥ अयं। औदुंबरः। मणिः। वीरः। वीराय। बध्यते। सः। नः। सनिं।
मधुऽमतीं। कृणोतु। रयिं। च। नः। सर्वऽवीरं। नि। यच्छात्॥ १४॥ ६॥ ३॥ शतंऽकांडः। दुःऽच्यवनः।
सहस्रऽपर्णः। उत्ऽतिरः। दर्भः। यः। उग्रः। ओषधिः। तं। ते। बध्नामि। आयुषे॥ १॥ न। अस्य। के

शानूघ। वर्षति। श्रः। उरसि। ताउअम्। आघ्नते। यस्मै। अछिन्न॰पर्णेन॥ दर्भेण। शर्म। यछति॥२॥
दिवि। तः। रुजन। उषधे। पृथिव्याम्। असि। नि॰स्थितः। त्वया। सहस्र॰कांडेन। आयुः। प्रव
र्द्धयामहे॥३॥ तिस्रः। दिवः। अति। अतृणत्। तिस्रः। इमाः। पृथिवीः। उत। त्वया। अहम्। दुः॰हा
धि र्दः। जिह्वाम्। नि। तृणामि। वचांसि॥४॥ त्वम्। असि। सहमानः। अहम्। अस्मि। सहस्वान्। उभौ। सह
स्वन्तौ। भूत्वा। सऽपत्नान्। सहिषीमहि॥५॥ सहस्व। नः। अभि॰मातिम्। सहस्व। पृतना॰यतः। सह
स्व। सर्वान्। दुः॰हार्दः। सु॰हार्दः। मे। बहून्। कृधि॥६॥ दर्भेण। देव॰जातेन। दिवि। स्तंभेन। शश्व
त्। इत्। तेन। अहम्। शश्वतः। जनान्। असनं। सनवानि॥७॥ प्रियम्। मा। दर्भ। कृणु। ब्रह्म॰रा
जन्याभ्याम्। आर्याय। च। स्वपयि। च। आयपिव। यस्मै। च। कामयामहे। सर्वस्मै। च। वि॰पश्यते। ॥१०॥
॥८॥ यः। जायमानः। पृथिवीम्। अदृंहत्। यः। अस्तभ्नात्। अन्तरिक्षम्। दिवम्। च। यम्। बिभ्रतम्।
ननु। पाप्मा। विवेद। सः। नः। अयम्। दर्भः। वरुणः। दिवा। कः॥९॥ सपत्न॰हा। शत॰कांडः। सहस्वा

न्। ओषधीनाम्। प्रथमः। सम्। बभूव। सः। नः। अयम्। दर्भः। परि। पातु। विश्वतः। तेन। साक्षीय। पृ
तनाः। पृतन्यतः॥१०॥१॥ सहस्र॰अर्घः। शत॰कांडः। पयस्वान्। अपाम्। अग्निः। वीरुधाम्। रा
ज॰सूयम्। सः। नः। अयम्। दर्भः। परि। पातु। विश्वतः। देवः। मणिः। आयुषा। सम्। सृजाति। नः॥१॥
घृतात्। उत्॰लुप्तः। मधु॰मान्। पयस्वान्। भूमि॰दृंहः। अच्युतः। च्यवयिष्णुः॥४॥ नुदन्। स॰प
त्नान्। अधरान्। च। कृण्वन्। दर्भ। आ। रोह। महताम्। इन्द्रियेण॥२॥ त्वम्। भूमिम्। अति। एषि। ओ
जसा। त्वम्। वेद्याम्। सीदसि। चारुः। अध्वरे। त्वाम्। पवित्रम्। ऋषयः। अभरन्त। त्वम्। पुनीहि। दुः॰इ
तानि। अस्मत्॥३॥ तीक्ष्णः। राजा। वि॰सहिः। रक्षः॰हा। विश्व॰चर्षणिः। ओजः। देवानाम्। बलम्।
उग्रम्। एतत्। तत्। ते। बध्नामि। जरसे। स्वस्तये॥४॥ दर्भेण। त्वम्। कृणवत्। वीर्याणि। दर्भम्।
बिभ्रत्। आत्मना। मा। व्यथिष्ठाः। अतिष्ठाय। वर्चसा। अधि। अन्यान्। सूर्यः॰इव। आ। भाहि।
प्र॰दिशः। चतस्रः॥५॥२४॥ चतुर्थोनुवाक अनुवाके सूक्त ७ ऋचा ६७॥ जंगिडः। असि।

जंगिडः । रक्षिता । असि । जंगिडः । द्विऽपात् । चतुःऽपात् ॥ अस्माकम् । सर्वम् । रक्षतु । जंगिडः ॥१
जाः । गृत्स्यः । त्रिऽपंचाशीः । शतम् । कृत्याऽकृतः । च । ये । सर्वान् । विनक्तुऽतेजसः । अरसान् ।
जंगिडः । करत् ॥२ अरसम् । कृत्रिमम् । नादम् । अरसाः । सप्त । विऽस्रसः । अपः । इतः । जंगि-
ड । अमतिम् । इषम् । अस्ताऽइव । शातय ॥३ कृत्याऽदूषणः । एव । अयम् । अथो इति । अराति-
दूषणः । अथो इति । सहस्वान् । जंगिडः । प्र । नः । आयूंषि । तारिषत् ॥४ सः । जंगिडस्य । महि-
मा । परि । नः । पातु । विश्वतः ॥ विऽस्कंधम् । येन । सासह । सम्ऽस्कंधम् । ओजः । ओजसा ॥५ त्रिः । त्वा । दे-
वाः । अजनयन् । निऽस्थितम् । भूम्याम् । अधि । तम् । ऊं इति । त्वा । अंगिराः । इति । ब्राह्मणाः । पू- ॥१८॥
र्व्याः । विदुः ॥६ न । त्वा । पूर्वाः । ओषधयः । न । त्वा । तरंति । याः । नवाः ॥ विऽबाधः । उग्रः । जंगिडः ।
परिऽपाणः । सुऽमंगलः ॥७ अथो इति । उपऽदान । भगवः । जंगिड । अमितऽवीर्य । पुरा । ते । उ-
ग्राः । ग्रसते । उप । इंद्रः । वीर्यम् । ददौ ॥८ उग्रः । इत् । ते । वनस्पते । इंद्रः । ओज्मानम् । आ । दधौ ॥

अमीवाः । सर्वान् । चातयन् । जहि । रक्षांसि । ओषधे ॥९ आशरीकम् । विऽशरीकम् । बलासम् । पृष्टि- प्र १
आमयम् । तक्मानम् । विश्वऽशारदम् । अरसान् । जंगिडः । करत् ॥१०॥ अ ३४ ॥ इंद्रस्य । नाम । गृ-
ह्णंतः । ऋषयः । जंगिडम् । ददुः ॥ देवाः । यम् । चक्रुः । भेषजम् । अग्रे । विष्कंधऽदूषणम् ॥१॥ सः । नः । रक्ष-
तु । जंगिडः । धनऽपालः । धनाऽइव ॥ देवाः । यम् । चक्रुः । ब्राह्मणाः । परिऽपाणम् । अरातिऽहम् ॥२॥
दुःऽहार्दः । सम्ऽघोरम् । चक्षुः । पापऽकृत्वानम् । आ । अगमम् ॥ तान् । त्वम् । सहस्रऽचक्षो इति सह-
स्रऽचक्षो । प्रतिऽबोधेन । नाशय । परिऽपानः । असि । जंगिडः ॥३ परि । मा । दिवः । परि । मा । पृथि-
व्याः । परि । अंतरिक्षात् । परि । मा । वीरुत्ऽभ्यः ॥ परि । मा । भूतात् । परि । मा । उत । भव्यात् । दिशःऽ-
दिशः । जंगिडः । पातु । अस्मान् ॥४ ये । ऋष्णवः । देवऽकृताः । यः । उतो इति । ववृते । अन्यः ॥ सर्वान् । ता-
न् । विश्वऽभेषजः । अरसान् । जंगिडः । करत् ॥५ । अ ३५ । शतऽवारः । अनीनशत् । यक्ष्मान् । रक्षांसि

सि । तेजसा । आ॰रुह्य । वर्चसा । सह । मणिः । दुर्नाम॰चातनः ॥ १ ॥ शृङ्गाभ्याम् । रक्षः । नुदते । मूलेन ।
यातु॰धान्यः । मध्येन । यक्ष्मम् । बाधते । न । एनम् । पाप्मा । अति । तत्रति ॥ २ ॥ ये । यक्ष्मासः । अर्भकाः । महा
न्तः । ये । च । शब्दिनः । सर्वान् । दुर्नाम॰हा । मणिः । शत॰वारः । अनीनशत् ॥ ३ ॥ शतम् । वीरान् । अजनय
त् । शतम् । यक्ष्मान् । अप । अवपत् । दुः॰नाम्नः । सर्वान् । हत्वा । अव । रक्षांसि । धूनुते ॥ ४ ॥ हिरण्य
॰शृङ्गः । ऋषभः । शात॰वारः । अयम् । मणिः । दुः॰नाम्नः । सर्वान् । तृढ्वा । अव । रक्षांसि । अक्रमीत् ।
॥ ५ ॥ शतम् । अहम् । दुः॰नाम्नीनाम् । गन्धर्व॰अप्सरसाम् । शतम् । शश्वन्॰वतीनाम् । शत॰वारेण । शतं
वारये ॥ ६ ॥ ३ ॥ ३६ ॥ इदम् । वर्चः । अग्निना । दत्तम् । आ । अगन् । भर्गः । यशः । सहः । ओजः । वयः । बलम् । ॥१९॥
त्रयः॰त्रिंशत् । यानि । च । वीर्याणि । तानि । अग्निः । प्र । ददातु । मे ॥ १ ॥ वर्चः । आ । धेहि । मे । तन्वम् । सहः ।
ओजः । वयः । बलम् । इन्द्रियाय । त्वा । कर्मणे । वीर्याय । प्रति । गृह्णामि । शत॰शारदाय ॥ २ ॥ ऊर्जे । त्वा । १२८
बलाय । त्वा । ओजसे । सहसे । त्वा । अभि॰भूयाय । त्वा । राष्ट्र॰भृत्याय । परि । ऊहामि । शत॰शारदाय ॥

॥ ३ ॥ ऋतुभिष्ट्वेत्येका ॥ ४ ॥ ३ ॥ ३७ ॥ न । तम् । यक्ष्माः । अरुन्धते । न । एनम् । शपथः । अश्नुते । यम् । भेष
जस्य । गुल्गुलोः । सुरभिः । गन्धः । अश्नुते ॥ विष्वञ्चः । तस्मात् । यक्ष्माः । मृगाः । अश्वाः॰इव । ईरते ।
यत् । गुल्गुलु । सैन्धवम् । यत् । वा । अपि । असि । समुद्रियम् ॥ २ ॥ उभयोः । अग्रभम् । नाम । अस्मै । अ
रिष्ट॰तातये ॥ ३ ॥ ३ ॥ ३८ ॥ आ । एतु । देवः । त्रायमाणः । कुष्ठः । हिमवतः । परि । तक्मानम् । सर्वम् । नाश
य । सर्वाः । च । यातु॰धान्यः ॥ १ ॥ त्रीणि । ते । कुष्ठ । नामानि । नद्य॰मारः । नद्य॰रिषः । नद्य । अयम् । पुरु
षः । रिषत् । यस्मै । परि । ब्रवीमि । त्वा । सायम्॰प्रातः । अथो इति । दिवा ॥ २ ॥ जीवला । नाम । ते । माता । जीवन्तः ।
नाम । ते । पिता ॥ ३ ॥ उत्॰तमः । असि । ओषधीनाम् । अनड्वान् । जगताम्॰इव । व्याघ्रः । श्वपदाम्॰इव ।
१२ नद्य । अयम् । पुरुषः । रिषत् । यस्मै । परि । ब्रवीमि । त्वा । सायम्॰प्रातः । अथो इति । दिवा ॥ ४ ॥ त्रिः ।
शाम्बुभ्यः । अङ्गिरेभ्यः । त्रिः । आदित्येभ्यः । परि । त्रिः । जातः । विश्व॰देवेभ्यः । सः । कुष्ठः । विश्व॰भेषजः ।
साकम् । सोमेन । तिष्ठति । तक्मानम् । सर्वम् । नाशय । सर्वाः । च । यातु॰धान्यः ॥ ५ ॥ अश्वत्थः । देव॰

सदनः । तृतीयस्यां । इतः । दिवि । तत्र । अमृतस्य । चक्षणम् ॥ ततः । कुष्ठः । अजायत । सः । कुष्ठः ॥ ६ ॥ हिरण्य
यी । नौः । अचरत् । हिरण्य॰बन्धना । दिवि ॥ ७ ॥ यत्र । न । अव॰भ्रंशनम् । यत्र । हिम॰वतः । शिरः । अत्र
अमृतस्य । चक्षणम् ॥ ततः । कुष्ठः । अजायत ॥ सः । कुष्ठः । विश्व॰भेषजः । साकम् । सोमेन । तिष्ठति । तक्म
नानम् । सर्वम् । नाशय । सर्वाः । च । यातु॰धान्यः ॥ ८ ॥ यम् । त्वा । वेद । पूर्वः । इक्ष्वाकः । यम् । वा । त्वा । कुष्ठ
काम्यः । यम् । वा । वासः । यम् । आत्स्यः ॥ तेन । असि । विश्व॰भेषजः ॥ ९ ॥ शीर्ष॰लोकम् । तृतीयकम् । य
कं । सदम्॰दिः । यः । च । हायनः ॥ तक्मानम् । विश्वधा॰वीर्य । अधराञ्चम् । परा । सुव ॥ १० ॥ ३९ ॥ यत् । मे
यत् । मे । छिद्रम् । मनसः । यत् । च । वाचः । सरस्वती । मन्यु॰मन्तम् । जगाम ॥ विश्वैः । तत् । देवैः । सह
सम्॰विदानः ॥ सम् । दधातु । बृहस्पतिः ॥ १ ॥ मा । नः । आपः । मेधाम् । मा । ब्रह्म । प्र । मथिष्टन । सुष्य
दाः । यूयम् । स्यन्दध्वम् । उप॰हूतः । अहम् । सु॰मेधाः । वर्चस्वी ॥ २ ॥ मा । नः । मेधाम् । मा । नः । दीक्षाम् । मा ॥ २० ॥
नः । हिंसिष्टम् । यत् । तपः । शिवाः । नः । सम्॰स्यन्तु । आयुषे । शिवाः । भवन्तु । मातरः ॥ मा । नः । पिपृहि

MEMORIAL

ता । अश्विना । ज्योतिष्मती । तमः । तिरः ॥ ताम् । अस्मे । रासताम् । इषम् ॥ ४ ॥ ४० ॥ भद्रम् । इच्छन्तः । ऋषयः ।
स्वः॰विदः । तपः । दीक्षाम् । उप॰निसेदुः । अग्रे ॥ ततः । राष्ट्रम् । बलम् । ओजः । च । जातम् । तत् । अस्मै । देवाः ।
उप॰संनमन्तु ॥ १ ॥ ४१ ॥ ब्रह्म । होता । ब्रह्म । यज्ञाः ॥ ब्रह्मणा । स्वरवः । मिताः ॥ अध्वर्युः । ब्रह्मणः । जातः ।
ब्रह्मणः । अन्तः॰हितम् । हविः ॥ १ ॥ ब्रह्म । स्रुचः । घृत॰वतीः ॥ ब्रह्मणा । वेदिः । उत्॰हिता ॥ ब्रह्म । यज्ञस्य ।
तत्त्वम् । च । ऋत्विजः । ये । हविः॰कृतः ॥ शमिताय । स्वाहा ॥ २ ॥ अंहः॰मुचे । प्र । भरे । मनीषाम् ॥ आ । सुत्रा
व्णे । सु॰मतिम् । आ॰वृणानः ॥ इमम् । इन्द्र । प्रति । हव्यम् । गृभाय । सत्याः । सन्तु । यजमानस्य । कामाः ॥ ३ ॥
अंहः॰मुचम् । वृषभम् । यज्ञियानाम् । वि॰राजन्तम् । प्रथमम् । अध्वराणाम् ॥ अपाम् । नपातम् । अश्वि
ना । हुवे । धियः । इन्द्रियेण । ते । इन्द्रियम् । दत्तम् । ओजः ॥ ४ ॥ ४२ ॥ यत्र । ब्रह्म॰विदः । यान्ति । दीक्षा
या । तपसा । सह ॥ अग्निः । मा । तत्र । नयतु । अग्निः । मेधाः । दधातु । मे ॥ अग्नये । स्वाहा ॥ १ ॥ वायुः । मा । तत्र ।
नयतु । वायुः । प्राणान् । दधातु । मे ॥ वायवे । स्वाहा ॥ २ ॥ सूर्यः । मा । तत्र । नयतु । चक्षुः । सूर्यः । दधातु ।

मे॥ सूर्याय स्वाहा॥३॥ चंद्रः मा तत्र नयतु॥ मनः चंद्रः दधातु मे। चंद्राय स्वाहा॥४॥ सोमः मा त
त्र नयतु। पयः सोमः दधातु मे। सोमाय स्वाहा॥५॥ इंद्रः मा तत्र नयतु॥ बलम् इंद्रः दधातु।
मे॥ इंद्राय स्वाहा॥६॥ आपः मा तत्र नयंतु॥ अमृतम् मा उप तिष्ठतु। अद्भ्यः स्वाहा॥७॥
यत्र ब्रह्मविदः यांति दीक्षया तपसा सह। ब्रह्मा मा तत्र नयतु॥ ब्रह्मा ब्रह्म दधातु।
मे॥ ब्रह्मणे स्वाहा॥८॥३२॥ आयुषः असि प्रतरणम्। विप्रम् भेषजम् उच्यसे। तत् आं
अंजन त्व शंताते शम् आपः अभयम् कृतम्॥१॥ यः हरिमा जायान्यः अंगभेदः विसल्प
कः॥ सर्वम् ते यक्ष्मम् अंगेभ्यः बहिः निः हंतु आंजनम्॥२॥ आंअंजनम् पृथि ॥२१॥
व्याम् जातम् भद्रम् पुरुषजीवनम्। कृणोतु अप्रमायुकम् रथजूतिम् अनागसम्। २१
॥३॥ प्राण प्राणम् त्रायस्व असो इति असवे मृड। निःऋते निःऋत्याः नः पाशेभ्यः मुंच॥४॥
सिंधोः गर्भः असि विद्युताम् पुष्पम्। वातः प्राणः सूर्यः चक्षुः दिवः पयः॥५॥ देवां

जनम् त्रैककुदम् परि मा पातु विश्वतः॥ न त्वा तरंति ओषधयः बाह्याः पर्वतीयाः उत॥६॥ वीइ
दम् मध्यम् अवासृपत् रक्षःहा अमीवचातनः॥ अमीवाः सर्वाः चातयन् नाशयत् अभिभ
ाः इतः॥७॥ बह्वी इदम् राजन् वरुण अनृतम् आह पूरुषः॥ तस्मात् सहस्रवीर्य मुंच नः।
परि अंहसः॥८॥ यत् आपः अघ्न्याः इति वरुण इति यत् ऊचिम॥ तस्मात् सहस्रवीर्य मुंच
नः परि अंहसः॥९॥ मित्रः च त्वा वरुणः च अनुप्रेयतुः आंअंजन तौ त्वा अनुगत्य
दूरम् भोगाय पुनः ओहतुः॥१०॥४॥ ऋणात् ऋणम् इव सम् नयन् कृत्याम् कृत्याकृतः
गृहम्॥ चक्षुः मंत्रस्य दुःहार्दः पृष्टीः अपि शृण आंअंजन॥१॥ यत् अस्मासु दुःस्वप्न्
म् यत् गोषु यत् च नः गृहे॥ अनामगः तम् च दुःहार्दः प्रियः प्रति मुंचताम्
॥२॥ अपाम् ऊर्जः ओजसः वावृधानम्॥४॥ अग्नेः जातम् अधि जातवेदसः॥

चतुः॰वीरम्।पर्वतीयम्॥यत्।आ॰अंजनम्॥दिशः॥प्र॰दिशः॥करत्।इत्।शिवाः॥ते॥३
चतुः॰वीरम्।बध्यते।आ॰अंजनम्।ते॥सर्वाः।दिशः॥अभयाः॥ते।भवंतु।ध्रुवः।तिष्ठा
सि।सविता॰इव।च।आर्यः।इमाः॥विशः॥अभि।हरंतु।ते।बलिम्॥४॥आक्ष्व।एकम्।मणि
ना। म्।एकम्।कृणुष्व।स्नाहि।एकम्।आ।अपि।व।एकम्।एषाम्॥चतुः॰वीरम्।नैः॰ऋतेभ्यः।च
तुः॰भ्यः॥ग्राह्याः।बंधेभ्यः।परि।पातु।अस्मान्।पा।अग्निः।मा।अग्निना।अवतु।प्राणाय।
अपानाय।आयुषे।वर्चसे।ओजसे।तेजसे।स्वस्तये।सुभूतये।स्वाहा॥६॥इंद्रः।मा।इंद्रि ॥२२॥
येण।अवतु॥७॥सोमः।मा।सोम्येन।अवतु॥८॥भगः।मा।भगेन।अवतु॥९॥मरुतः।मा।गणैः।अवतु।प्रा
णाय।अपानाय।आयुषे।वर्चसे।ओजसे।तेजसे।स्वस्तये।सुभूतये।स्वाहा॥१०॥५॥अनुवाकेन।ऋ
चः॥१२॥ऋचः४१॥प्रजा॰पतिः।त्वा।बध्नात्।प्रथमम्।अस्तृतम्।वीर्याय।कम्।तत्।ते।बध्नामि।आयुषे।वर्चसे।ओजसे।च।

बलाय।च॥अस्तृतः।त्वा।अभि।रक्षतु॥१॥ऊर्ध्वः।तिष्ठतु।रक्षन्।अप्र॰म
दम्।अस्तृत।इमम्।मा।त्वा।दभन्।पणयः।यातु॰धानाः॥इंद्रः॰इव।द
स्यून्।अव।धूनुष्व।पृतन्यतः॥सर्वान्।शत्रून्।वि।सहस्व।अस्तृतः॥२॥श
तम्।च।न।प्र॰हरंतः॥नि॰घ्नंतः॥न।तस्तिरे॥तस्मिन्।इंद्रः।परि।अ
दत्त।चक्षुः॥प्राणम्।अथो इति।बलम्।अस्तृतः॥३॥इंद्रस्य।त्वा।वर्म
णा।परि।धापयामः॥यः।देवानाम्।अधि॰राजः।बभूव॥पुनः।त्वा
देवाः।प्र।नयंतु।सर्वे।अस्तृतः॥४॥अस्मिन्।मणौ।एक॰शतम्।वी
र्याणि॥सहस्रम्।प्राणाः।अस्मिन्।अस्तृते॥व्याघ्रः।शत्रून्।अभि
तिष्ठ।सर्वान्।यः।त्वा।पृतन्यात्॥अधरः।सः।अस्तु।अस्तृतः।पा।पृता

त्वा। उत्ऽमुंत्तः॥ मधुंऽमान्। पयस्वान्॥ सहस्वंम्। ज्योणाः। शतऽयोनिः॥
वयःऽधाः॥ शम्ऽभूः॥ च। मयःऽभूः॥ च। ऊर्जस्वान्। च। पयस्वान्। च॥
अस्तृतः॥ ॥ यथा। त्वम्। उत्ऽतरः। असः॥ असपत्नः॥ सपत्नऽहा॥
सऽजातानाम्। असत्। वशीऽत्था। त्वा। सविता। अकरत्। असः। त्वम्॥
त्वा। अस्तृतः॥७॥३४॥ आ। रात्रि। पार्थिवम्। रजः॥ पितुः। अप्रायि।
धामऽभिः॥ दिवः॥ सदांसि। बृहती। वि। तिष्ठसे॥ आ। त्वेषम्। वर्तते। त-
मः॥ न। यस्याः॥ पारम्। ददृशे। न। युयोवत्। विश्वम्। अस्याम्। नि। २३
विशते। यत्। एजति॥ अरिष्टासः॥ ते। उर्वि। तमस्वति। रात्रि। पारम्।
अशीमहि। भद्रे। पारम्। अशीमहि॥ ये। ते। रात्रि। नृऽचक्षसः॥ द्रष्टा

रः॥ नवतीः॥ नव॥ अशीतीः॥ सप्त। अष्टा। उतो इति। ते। सप्त। सप्ततिः॥ ३॥
षष्टिः। च। षट्। च। रेवति। पंचाशत्। पंच। सुम्नयि। चत्वारः। चत्वारिं-
शत्। च॥ त्रयः। त्रिंशत्। च। वाजिनि॥४॥ द्वौ। च। ते। विंशतिः। च। ते। रा-
त्रि। एकादश। अवमाः॥ तेभिः॥ नः॥ अद्य। पायुऽभिः। नि। पाहि।
दुहितः॥ दिवः॥ अपारा। मा। किः। नः॥ अघऽशंसः॥ ईशत॥ मा। नः॥
दुःऽशंसः॥ ईशत॥ मा। नः॥ अद्य। गवाम्। यः। उत्ऽधसन्यः॥ परम्। ऽभिः॥
पथिऽभिः॥ तेभिः। नः। धावत्। तस्करः॥ स्तेनः॥ मा॥ अवीनाम्। वृकः॥
ईशत॥ मा। अश्वानाम्। भद्रे। तस्करः॥ मा। नृऽणाम्। यातुः

घसन्यः॥परमेष्ठिनः॥पुष्टिं॰ष्ठिनः।ता।नः।सवंतु।तस्करः॥७॥परेण।
दत्वती।रजः॥परेण।अन॰यु।अपुष्यु॥अंधा।रात्रि।तृष्ट॰धूम
म्र॥अशीर्षाणि।म्र।अहिमे।हणु॥८॥हनू इति।वृकस्य।जंता
यो॥तेन।तम्र।हुं॰पदे।जहि॥त्वयि।रात्रि।वसाम।सि॥स्वपि
स्याम॥अ॥सि।जागृहि।हि॥२॥जोष्यः॥नः॥शर्म।यच्छ॥अ
श्वे॰न्यः॥पुरुष॰न्यः॥१०॥उद्द०॥अथो इति।यानि।न।यस्मै।अ॥२
हा॥यान्ने॰इव।अतः॥परि।त्वा।हि॥तानि।ता।परि।दद॰न्यसि॥१॥
रात्रि।मातः॥उषसे।नः।परि।देहि॥उषा।नः॥अह्ने।परि।दद

ठा।अहः॥उष्नीं।विस्ना।वरि।शया।ता।किम्।चा।इदम्।पतयति।यत्।किम्।चा।इदम्।सरीसृपम्।यत्।कि
म्।चा।पर्वतायाः।सत्।त्वम्।तस्मात्।त्वम्।रात्रि।पाहि।नः॥३॥सा।पश्चात्।पाहि।सा।पुरः।सा।उत्त
रात्।अधरात्।उत।गोपाय।नः।विस्ना।वरि।स्तोतारः।ता।इह।स्मसि॥४॥या।रात्रि।अनु॰तिष्ठंति
ये।चा।भूतेषु।जाग्रति।पशून्।या।ये।सर्वान्।रक्षंति।ता।नः।आत्म॰सु।जग्रति।ता।नः।पशुषु।जाग्रति।
पावेद।वा।रात्रि।ते।नाम।घृताची।नाम।वि।असि।ताम्।त्वाम्।नरद्व।जः।वेद।सा।नः।वित्ते
अधि।जाग्रति॥६॥पादृ॰ष्टिरा।याचा।युवतिः।दमूना।रात्री।देवस्य।सवितुः।भगस्य।अश्व॰क्ष
ना।सु॰हवा।समृत्त।श्रीः।आ।पप्रौ।द्यावापृथिवी इति।मह॰त्वा॥७॥अविविश्वानि।अरुहत्।
गंभीरः।वर्षिष्ठम्।अरुहंतः।श्रविष्ठा।उशती।रात्री।अनु॰सा।भद्रा।अभि।तिष्ठते।मित्र॰इव।स्वधा

३

त्रिः।२ वर्यीवीदास्तु॰नगोस्तु॰जति।आ।जा।अगन्।रात्रिं।सु॰मनाः।इह।स्याम्।अस्मान्।त्रायस्व।
नर्याणि।जाताः।अथो इति।यानि।गव्यानि।पुष्ट्या।३ सिंहस्य।रात्रि।उशती।पीषस्य।व्याघ्रस्य।द्वीपिनः।
वर्चः।आ।ददे।अश्वस्य।ब्रध्नम्।पुरुषस्य।मायुम्।पुरु।रूपाणि।कृणुषे।वि॰भाती।४।शिवाम्।रा
त्रिं।महि।सूर्यस्य।च।हिमस्य।माता।सु॰हवा।नः।अस्तु।अस्य।स्तोमस्य।सु॰भगे।नि।बोध।येन।त्वा
वीदा।विश्वासु।दिक्षु।५।स्तोमस्य।नः।विभा॰वरि।रात्रि।राजा॰इव।जोषसे।असाम।सर्व॰वीराः।भ
वाम।सर्व॰वेदसः।वि॰उच्छतीः।अनु॰उषसः।६।शम्या।ह।नाम।दधिषे।मम।दिप्संति।ये।धना।रात्री
हेता।नुः।स्तुत॰पायः।स्तेनः।न।विद्यते।यत्।पुनः।न।विद्यते।७।भद्रा।असि।रात्रि।चमसः।न।नि
ष्टः।विष्वङ्।गोः॰रूपम्।युवतिः।बिभर्षि।चक्षुष्मती।मे।उशती।वपूंषि।प्रति।त्वाम्।दिव्या।तक्षाः।अ

मुक्त।यः।अद्य।स्तेनः।आ॰अयति।अघ॰युः।मर्त्यः।रिपुः।रात्री।तस्य।प्रति॰इत्य।प्र।ग्रीवाः।प्र।शिरः।
हनत्।एव।पादौ।न।यथा।अयति।प्र।हस्तौ।न।यथा।अशिषत्।यः।मलिम्लुः।उप॰अयति।सः।सम्॰पि
ष्टः।अप।अयति।अप।अयति।सु॰अपायति।शुष्के।स्थाणौ।अप॰अयतः।१०।४।अधः।रात्रि।तृष्ट॰
धूमम्।अशीर्षाणम्।अहिम्।कृणु।अक्ष्यौ।वृकस्य।निः।जह्याः।तेन।त्वम्।द्रुपदे।जहि।११।यो।ते।रात्रि।अ
नड्वाह।तीक्ष्ण॰शृङ्गाः।सु॰आशवः।तेभिः।नः।अद्य।पारय।अति।दुः॰गानि।विश्वहा।१२।रात्रिम्॰
रात्रिम्।अरिष्यन्तः।तरेम।तन्वा।वयम्।गम्भीरम्।अप्लवाः।इव।न।तरेयुः।अरातयः।१३।यथा।शम्या
मयाकः।प्र॰पतन्।अपुं॰वान्।न।अनु॰विद्यते।एव।आ।रात्रि।प्र।पातय।यः।अस्मान्।अभि॰अ
घायति।१४ अप।स्तेनम्।वासः।गोः।अजः।उत।तस्करम्।अथो इति।यः।अर्वतः।शिरः।अभि॰धाय।नि

MEMORIAL
MEMORIAL

नीषति।पयत।अघ।आ।रात्रि।सु॰त्वर्गे।विस्तजंति।अयः।वसु।यत।एतत।अस्मान्।न्तोजय।यथा।
इदम्।न।अनुपायसि।इउषसे।नः।परि।दहि।सर्वान्।रात्रि।अनागसः।उषाः।नः।अह्ने।आ।नरी
उ।अहः।उन्यम्।विन्नाव।रि।७।५०॥अयुतः।अहम्।अयुतः।मे।आत्मा।अयुतम्।मे।चक्षुः।अयुत
म्।मे।श्रोत्रम्।अयुतः।मे।प्राणः।अयुतः।मे।अपानः।अयुतः।मे।वि॰आनः।अयुतः।अहम्।स
र्वः।देवस्य।त्वा।सवितुः।प्र॰सवे।अश्विनोः।बाहु॰भ्याम्।पूष्णः।हस्ताभ्याम्।प्र॰सूतः।आ।रभे।र। २६
॥५१॥कामः।तत्।अग्रे।सम्।अवर्तत।मनसः।रेतः।प्रथमम्।यत्।आसीत्।सः।काम।कामेन।
बृहता।स॰योनिः।रायः।पोषम्।यजमानाय।धेहि।त्वम्।काम।सहसा।असि।प्रति॰स्थितः।विभुः।
वि॰भ्वा।आ॰सखा।आ।सखीयते।त्वम्।उग्रः।पृतनासु।ससहिः।सहः।उजः।यजमानाय।धेहि।२।

दूरात।१

त्वम्।काम।सहसा।असि।प्रति॰स्थितः।चकमानय।प्र वि॰पानाय।आ॰क्षये।आ।असमे।अशृण्व
न्।आशाः।कामेन।अजनयन्।स्वः।३।कामेन।मा।कामः।आ।अगन्।हृदयात्।हृदयम्।
परि।यत्।अमीषाम्।अदः।मनः।तत्।आ।एतु।उप॰माम्।इह।यत्॰कामः।कामयमानाः।इ
दम्।कृण्मसि।ते।हविः।तत्।नः।सर्वम्।सम्।ऋध्यताम्।अथ।एतस्य।हविषः।वीहि।स्वाहा।५।
५२।कालः।अश्वः।वहति।सप्त॰रश्मिः।सहस्र॰अक्षः।अजरः।भूरि॰रेताः।तम्।आ।रोहंति।कवयः।
विपः॰चितः।तस्य।चक्रा।भुवनानि।विश्वा।१।सप्त।चक्रान्।वहति।कालः।एषः।सप्त।अस्य।नाभीः।
अमृतम्।नु।अक्षः।सः।इमा।विश्वा।भुवनानि।अञ्जत्।कालः।सः।इयते।प्रथमः।नु।देवः।२।पू
र्णः।कुंभः।अधि।काले।आ॰हितः।तम्।वै।पश्यामः।बहुधा।नु।सन्तः।सः।इमा।विश्वा।भुवनानि।

प्रत्यङ् । कालम् । तम् । आहुः । परमे । वि॰ओमन् । ३ । सः । एव । सम् । भुवनानि । आ । अभरत् । सः । एव । सम् । भुव
नानि । परि । ऐत् । पिता । सन् । अभवत् । पुत्रः । एषाम् । तस्मात् । वै । न । अन्यत् । परम् । अस्ति । तेजः । ४ । का
लः । अमूम् । दिवम् । अजनयत् । कालः । इमाः । पृथिवीः । उत । काले । ह । भूतम् । भव्यम् । च । इषितम् । ह
वि । तिष्ठते । ५ । कालः । भूतिम् । असृजत । काले । तपति । सूर्यः । काले । ह । विश्वा । भूतानि । काले । चक्षुः ।
वि । पश्यति । ६ । काले । मनः । काले । प्राणः । काले । नाम । सम्॰आहितम् । कालेन । सर्वाः । नंदंति । आ॰
गतेन । प्र॰जाः । इमाः । ७ । काले । तपः । काले । ज्येष्ठम् । काले । ब्रह्म । सम्॰आहितम् । कालः । ह । सर्वस्य । ई २७
श्वरः । यः । पिता । आसीत् । प्रजा॰पतेः । ८ । तेन । इषितम् । तेन । जातम् । तत् । ऊं इति । तस्मिन् । प्रति॰स्थित
म् । कालः । ह । ब्रह्म । भूत्वा । बिभर्ति । परमे॰स्थिनम् । ९ । कालः । प्र॰जाः । असृजत । कालः । अग्रे । प्रजा॰प

तिः । स्वयम्॰भूः । कश्यपः । कालात् । तपः । कालात् । अजायत । १० । ५३ । कालात् । आपः । सम् । अभवत् ।
कालात् । ब्रह्म । तपः । दिशः । कालेन । उत् । एति । सूर्यः । काले । नि । विशति । पुनः । १ । कालेन । वातः । पव
ते । कालेन । पृथिवी । मही । द्यौः । मही । काले । आ॰हिता । २ । कालः । ह । भूतम् । भव्यम् । च । पुत्रः । अजन
यत् । पुरा । कालात् । ऋचः । सम् । अभवन् । यजुः । कालात् । अजायत । ३ । कालः । यज्ञम् । सम् । ऐरय
त् । देवेभ्यः । भागम् । अक्षितम् । काले । गंधर्व॰अप्सरसः । काले । लोकाः । प्रति॰स्थिताः । ४ । काले । अयम् । अं
गिराः । देवः । अथर्वा । च । अधि । तिष्ठतः । इमम् । च । लोकम् । परमम् । च । लोकम् । पुण्यान् । च । लोका
न् । वि॰धृतीः । च । पुण्याः । ५ । सर्वान् । लोकान् । अभि॰जित्य । ब्रह्मणा । कालः । सः । ईयते । परमः । नु ।
देवः । ६ । ५४ । षष्ठोनुवाकः ॥ अनुवाके सूक्ते २ ॥ ऋचः १६ ॥ रात्रिम्॰रात्रिम् । अप्र॰यातम् । भरंतः ।

अश्वाय॰इव।तिष्ठते।घासम्।अस्मै।रायः।पोषेण।सम्।इषा।मदंतः।मा।ते।अग्ने।प्रति॰वेशाः।
रिषाम।१।या।ते।वसोः।वातः।इषुः।सा।ते।एषा।तया।नः।मृड।रायः।पोषेण।सम्।इषा।मदंतः।
मा।ते।अग्ने।प्रति॰वेशाः।रिषाम।२।सायम्॰सायम्।गृह॰पतिः।नः।अग्निः।प्रातः॰प्रातः।सौमन
सस्य।दाता।वसोः॰वसोः।वसु॰दानः।एधि।वयम्।त्वा।इंधानाः।तन्वम्।पुषेम।३।प्रातः॰प्रातः।
गृह॰पतिः।नः।अग्निः।सायम्॰सायम्।सौमनसस्य।दाता।वसोः॰वसोः।वसु॰दानः।एधि।इंधा
नाः।त्वा।शतम्॰हिमाः।ऋधेम।४।अपश्चा।दघ्व॰अन्नस्य।भूयास्म।अन्न॰अनादाय।अन्न॰ २८
पतये।रुद्राय।नमः।अग्नये।५।सभ्यः।सभाम्।मे।पाहि।ये।च।सभ्याः।सभा॰सदः।त्वम्।इंद्र।पु
रु॰हूत।विश्वम्।आयुः।वि।अश्नवत्।६।अहः॰अहः।बलिम्।इत्।हरंतः।अश्वाय॰इव।तिष्ठते।

जातम्।अग्ने।७।६।५।यमस्य।लोकात्।अधि।आ।बभूविथ।प्र॰मदा।मर्त्यान्।प्र।युनक्षि।धीरः।एका
किना।सरथम्।यासि।विद्वान्।स्वप्नम्।मिमानः।असुरस्य।योनौ।१।बंधः।त्वा।अग्रे।विश्व॰चयाः।अ
पश्यत्।पुरा।रात्र्याः।जनितोः।एके।अह्नः।ततः।स्वप्न।इदम्।अधि।आ।बभूविथ।भिषक्॰भ्यः।रूपम्।
अप॰गूहमानः।२।बृहत्।गावा।असुरेभ्यः।अधि।देवान्।उप।अवर्तत।महिमानम्।इच्छन्।त
स्मै।स्वप्नाय।दधुः।आधिपत्यम्।त्रयः॰त्रिंशाः।स्वः।आनशानः।३।न।एताम्।विदुः।पितरः।न।उत।
मं३ देवाः।येषाम्।जल्पिः।चरति।अंतरा।इदम्।त्रिते।स्वप्नम्।अदधुः।आप्त्याः।नरः।आदित्यासः।अरुणे
न।अनुशिष्टाः।४।यस्य।क्रूरम्।अभजंत।दुः॰कृतः।अस्वप्नेन।सु॰कृतः।पुण्यम्।आयुः।स्वः।मदसि।प
रमेण।बंधुना।तप्यमानस्य।मनसः।अधि।जज्ञिषे।५।विद्म।ते।सर्वाः।परि॰जाः।पुरस्तात्।विद्म।स्व

न्ऽयः। अग्निऽपाः। ईड़ितः। यशस्विनः। नः। यशसा। इह। पाहि। आरात्। द्विषद्भिः। अप। याहि। दूरम्। २४॥
यथा। कलाम्। यथा। शफम्। यथा। ऋणम्। सम्ऽनयन्ति। एव। दुःस्वप्न्यम्। सर्वम्। अप्रिये। सम्।
नयामसि। १। सम्। राजानः। अगुः। सम्। ऋणानि। अगुः। सम्। कुष्ठाः। अगुः। सम्। कलाः। अगुः। सम्। अस्मा
सु। यत्। दुःऽस्वप्न्यम्। निः। द्विषते। दुःऽस्वप्न्यम्। सुवाम। देवानाम्। पत्नीनाम्। गर्भ। यमस्य। कर
यः। भद्रः। स्वप्न। सः। मम। यः। पापः। तत्। द्विषते। प्र। हिण्मः। मा। तृष्टनाम्। असि। कृष्णऽशकुनेः। मुख
म्। तम्। त्वा। स्वप्न। तथा। सम्। विद्म। सः। त्वम्। स्वप्न। अश्वःऽइव। कायम्। अश्वःऽइव। निनाहम्। ४। अ
नास्माकम्। देवऽपियम्। पियारुम्। वपु। यत्। अस्मासु। दुःस्वप्न्यम्। यत्। गोषु। यत्। च। नः। गृहे।
अनास्माकः। तत्। देवऽपीयुः। पियारुः। निष्कम्ऽइव। प्रति। मुञ्चताम्। नव। अरत्नीन्। अपमयाः।

अस्माकम्। ततः। परि। दुःऽस्वप्न्यम्। सर्वम्। द्विषते। निः। दयामसि। ५। घृतस्य। जूतिः। समना। सऽदेवाः।
सम्ऽवत्सरम्। हविषा। वर्धयन्ती। श्रोत्रम्। चक्षुः। प्राणः। अच्छिन्नः। नः। अस्तु। अच्छिन्नाः। वयम्। आयुषः।
वर्चसः। उप। अस्मान्। प्राणः। ह्वयताम्। उप। वयम्। प्राणम्। हवामहे। वर्चः। जग्राह। पृथिवी। अन्त
रिक्षम्। वर्चः। सोमः। बृहस्पतिः। धर्त्ता। वर्चसः। द्यावापृथिवी इति। संग्रहणी इति सम्ऽग्रहणी। ब
भूवथुः। वर्चः। गृहीत्वा। पृथिवीम्। अनुऽसंचरेम। यशसाम्। गावः। गोऽपतिम्। उप। तिष्ठन्ति। आऽयतीः।
यशः। गृहीत्वा। पृथिवीम्। अनुऽसंचरेम। ३। व्रजम्। कृणुध्वम्। सः। हि। वः। नृऽपानः। वर्म। असि। वि
अश्वम्। बहुला। पृथूनि। पुरः। कृणुध्वम्। मा। आयसीः। अधृष्टाः। मा। वः। सुस्रोत्। चमसः। दृंहत। तम्। ४
यज्ञस्य। चक्षुः। प्रऽभृतिः। मुखम्। च। वाचा। श्रोत्रेण। मनसा। जुहोमि। इमम्। यज्ञम्। विऽततम्। विश्वऽकर्मणा।

गन्धेयम्। इमम्। यज्ञम्। सह। पत्नीभिः। आ। इत्य। यावैतः। देवाः। तविषाः। मादयेताम्॥५॥६॥ त्वम्। अ
ग्ने। व्रतऽपाः। असि। देवः। आ। मर्त्येषु। आ। त्वम्। यज्ञेषु। ईड्यः॥१॥ यत्। वः। वयम्। प्रऽमिनाम। व्रतानि। वि
दुषाम्। देवाः। अविदुस्तरासः। अग्निः। तत्। विश्वम्। आ। पृणाति। विद्वान्। सोमस्य। यः। ब्राह्मणा
न्। आऽविवेश॥२॥ आ। देवानाम्। अपि। पन्थाम्। अगन्म। यत्। शक्नवाम। तत्। अनुऽप्रवोढुम्। अग्निः।
विद्वान्। सः। यजात्। सः। इत्। होता। सः। अध्वरान्। सः। ऋतून्। कल्पयाति॥३॥५९॥ वाक्। मे। आ
स्यम्। नसोः। प्राणः। चक्षुः। अक्ष्णोः। श्रोत्रम्। कर्णयोः। अपलिताः। केशाः। अशोणाः। दन्ताः। बहु। बाह्वोः। बल ३०
म्॥१॥ ऊर्वोः। ओजः। जङ्घयोः। जवः। पादयोः। प्रतिऽस्था॥४ अरिष्टानि। मे। सर्वा। आत्मा। अनिऽभृष्टः॥२॥६
तनूः। तन्वा। मे। सहे। दतः। सर्वम्। आयुः। अशीय। स्योनम्। मे। सीद। पुरुः। पृणस्व। पवमानः। स्वःऽगे।

॥१॥६१॥ प्रियम्। मा। कृणु। देवेषु। प्रियम्। राजऽसु। मा। कृणु। प्रियम्। सर्वस्य। पश्यतः। उत। शूद्रे। उत। आ
र्ये॥१॥६२॥ उत्। तिष्ठ। ब्रह्मणः। पते। देवान्। यज्ञेन। बोधय। आयुः। प्राणम्। प्रऽजाम्। पशून्। कीर्तिम्।
यजमानम्। च। वर्धय॥१॥६३॥ अग्ने। सम्ऽइधम्। आ। अहार्षम्। बृहते। जातऽवेदसे। सः। मे। श्रद्धाम्। च।
मेधाम्। च। जातऽवेदाः। प्र। यच्छतु॥१॥ इध्मेन। त्वा। जातऽवेदः। सम्ऽइधा। वर्धयामसि। तथा। त्वम्। अ
स्मान्। वर्धय। प्रऽजया। च। धनेन। च॥२॥ यत्। अग्ने। यानि। कानि। चित्। आ। ते। दारूणि। दध्मसि। सर्वं
म्। तत्। अस्तु। मे। शिवम्। तत्। जुषस्व। यविष्ठ्य॥३॥ एताः। ते। अग्ने। सम्ऽइधः। त्वम्। इद्धः। सम्ऽइत्।
भव। आयुः। अस्मासु। धेहि। अमृतऽत्वम्। आऽचार्याय॥४॥६४॥ हरिः। सुऽपर्णः। दिवम्। आ। अरुहः। अर्चि
षा। ये। त्वा। दिप्सन्ति। दिवम्। उत्ऽपतन्तम्। अव। तान्। जहि। हरसा। जातऽवेदः। अबिभ्यत्। उग्रः। अर्चि

०२

षा। दिवम्। आ। रोह। सूर्य॥ ६५ अयःऽजालाः। असुराः। मायिनः। अयस्मयैः। पाशैः। अङ्किनः। ये। चरन्ति।
तान्। ते। रन्धयामि। हरसा। जातऽवेदः। सहस्रऽऋष्टिः। सपत्नान्। प्रऽमृणन्। याहि। वज्रः॥ ६६ पश्येम।
शरदः। शतम्॥ १ जीवेम। शरदः। शतम्॥ २ बुध्येम। शरदः। शतम्॥ ३ रोहेम। शरदः। शतम्॥ ४ पूषेम।
शरदः। शतम्॥ ५ भवेम। शरदः। शतम्॥ ६ भूयेम। शरदः। शतम्॥ ७ भूयसीः। शरदः। शतात्॥ ८॥ ६७ अवि
ऽअसः। च। विऽअचसः। च। बिलम्। वि। स्यामि। मायया। ताभ्याम्। उत्ऽहृत्य। वेदम्। अथ। कर्माणि। कृ
ण्महे॥ ६८ जीवाः। स्थ। जीव्यासम्। सर्वम्। आयुः। जीव्यासम्॥ १ उपऽजीवाः। स्थ। उप। जीव्यासम्। स ३१
र्वम्॥ २ सम्ऽजीवाः। स्थ। सम्। जीव्यासम्। सर्वम्॥ ३ जीवलाः। स्थ। जीव्यासम्। सर्वम्। आयुः। जीव्यासम्॥ ४॥ ६९
इन्द्र। जीव। सूर्य। जीव। देवाः। जीवाः। जीव्यासम्। अहम्। सर्वम्। आयुः। जीव्यासम्॥ ७०॥ स्तुता। मया। वरदा।

१८

वेदऽमाता। प्र। चोदयन्ताम्। पावमानी। द्विजानाम्। आयुः। प्राणम्। प्रऽजाम्। पशुम्। कीर्तिम्। द्र
विणम्। ब्रह्मऽवर्चसम्। मह्यम्। दत्त्वा। व्रजत। ब्रह्मऽलोकम्॥ ७१॥ यस्मात्। कोशात्। उत्ऽअभराम।
वेदम्। तस्मिन्। अन्तः। अव। दध्मः। एनम्। कृतम्। इष्टम्। ब्रह्मणः। वीर्येण। तेन। मा। देवाः। तप
सा। अवत। इह॥ ७२॥ सप्तमोऽनुवाकः॥ अनुवाके। सूक्त ८। ऋचा ५५॥ एकोनविंशतिमं काण्डं॥ समाप्तं॥
१९ काण्डे अनुवाके ७ ऋचा ४५७॥ संवत् १७१२ वर्षे आसाढ वदि ६ गुरौ त्राडहरजी सुत अरजी लखीतं पंचोली ३२
सदाशिवनी पुस्तिका रक्षा पतो लिखितं॥ त्र याडारणाञ्च पंचोला रूपरामकू वेरत्रीकम

डा[illegible]

श्री॰ ८ कः। काइतिकः। का। केतिका। का। केतिका। काः। काइतिकाः। कि। की
ति कि। कीः। किरिति कीः। कु। कु इति कु। कूः। कुरिति कूः। का। कू इति कू।
के। ई इति के। कै। काइ इति कै। कैः। कैरिति कैः। को। केइ इति को। कोः
कोरिति कोः। कौ। काउ इति कौ। कौः। कौरिति कौः। कं। कम् इति कं

२० पदे रिति कार [illegible] यदि [illegible] ... [illegible]
रिति कारा।। वले।। [illegible]।। [illegible] संकि[illegible]
[illegible] रिति क। [illegible] पुन
का मेवले रिति पुनः
संवत १७०८ [illegible] पुनः।
[illegible] [illegible] [illegible]

॥ॐ॥ नमोऽथर्ववेदाय॥ इन्द्र। त्वा। वृषभं। वयं॥ सुते। सोमे।
हवामहे। सः। पाहि। मध्वः। अन्धसः॥१॥ मरुतः। यस्य। हि।
क्षये। पाथ। दिवः। विऽमहसः॥ सः। सुऽगोपातमः। जनः॥२॥
उक्षऽअन्नाय। वशाऽअन्नाय॥ सोमऽपृष्ठाय। वेधसे॥ स्तो
मैः। विधेम। अग्नये॥३॥६॥ मरुतः। पोत्रात्। सुऽस्तुभः। स्व
र्कात्। ऋतुना। सोमं। पिबन्तु॥ अग्निः। आग्नीध्रात्। सुऽस्तु 1॥
भः॥१॥ इन्द्रः। ब्रह्मा। ब्राह्मणात्। सुऽस्तुभः। देवः। द्रविण

दाः। पोत्रात्। सुऽस्तुभः॥४॥ आ। याहि। सुसुम। हि। ते। इन्द्र।
सोमं। पिब। इमं॥ आ। इदं। बर्हिः। सदः। मम॥१॥ आ। त्वा।
ब्रह्मऽयुजा। हरी इति॥ वहतां। इन्द्र। केशिना॥ उप। ब्रह्मा
णि। नः। शृणु॥२॥ ब्रह्माणः। त्वा। वयं। युजा॥ सोमऽपां। इन्द्र।
सोमिनः॥ सुतऽवन्तः। हवामहे॥३॥७॥ आ। नः। याहि। सुतऽ
वतः। अस्माकं। सुऽस्तुतीः। उप॥ पिब। सु। शिप्रिन्। अन्धसः।
१॥ आ। ते। सिंचामि। कुक्ष्योः। अनु। गात्रा। वि। धावतु॥ गृभा
धा

प॰ जि॒ह्वया॑। मधु॑॥ सुा॒दुः॥ तो॥ अ॒स्तु॥ सं॰ सु॒दो॒। मधुं॰ माना॒न॒
न्वे॒त। त॒न्वे। सोम॑ः। श॒। अ॒स्तु॥ तो॥ हृ॒दा॥४॥ छा॥ अ॒प्र॑। ऊ॒इ॒ति॒।
ह्यु॥ वि॰ च॒र्ष॒णि॒। जनीः॑। इ॒व॥ अ॒भि॒। सं॰ वृ॒तः॥ प्र॥ सोम॑ः। इ॒न्द्र॒
सर्प॒तु॥१॥ तु॒वि॰ग्रीवः॑। व॒पा॰उ॑दरः॥ सु॒॰बाहुः॑। अन्ध॑सः॥
मदे॑। इन्द्रः॑। वृ॒त्राणि॑। जि॒घ्न॒ते॥२॥ इन्द्र॥ प्र॥ इ॒हि॒। पु॒रः। त्वं।
विश्व॑स्य। ईशा॑नः। ओज॑सा॥ वृ॒त्राणि॑। वृ॒त्र॒॰ह॒न्। ज॒हि॒॥

॥३॥ दी॒र्घः। ते॒। अ॒स्तु॒। अं॒कुशः॑। येन॑। वसु॑। प्र॰ यच्छ॑सि। ॥२॥

पंचमाहरिवेछ॥

श्रीगणेशाय

य॒ज॑मानाय। सु॒न्व॒ते॥४॥ अ॒यं। ते॒। इ॒न्द्र॒। सोम॑ः॥ नि॰पू॒तः॥
अधि॑। ब॒र्हिषि॑॥ आ॥ इ॒हि॒। ई॒म्। अ॒स्य। द्र॒वी॑। पिब॑॥५॥ शाचि॑
गो॒ इति॑ शाचि॰गो। शाचि॰पू॒ज॒न॥ अ॒यं। र॒णाय॑। ते॒। सु॒
तः॥ आ॥ खं॒डल॥ प्र॥ हू॒य॒से॥१॥ यः। ते॒। शृं॒ग॰वृ॒षः॥ न॒पा॒त्

इंद्रचा
वृषन
मित्रे क

प्र॰नपा॒दिति॒ प्र॰नपा॑त्॥ कुं॒ड॰पा॒य्यः॑। नि। अ॒स्मि॒न्। द
ध्रे॒। आ। मनः॑। पञ्च॥ इन्द्रो॑। कु॒ड॰वि॒दी। सु॒तो। सोम॑। हू॒य॒॥
पु॒रु॰स्तु॒त॥ पिब॑। आ। वृ॒ष॒स्व॒। त॒तृ॒पिं। इन्द्र॥ प्रा॒न॒ः। धि
त॰वानं॥ य॒ज्ञं॥ विश्वे॑भिः। दे॒वेभिः॑। ति॒र। स॒त॰वान॑। वि॒श्प॒

ते॥ इंद्र। सोमाः। सुताः। इमे। तव। प्र। यंति। सत्ऽपते॥ क्षयं। चं-
द्रासः। इंदवः॥ दधिष्व। जठरे। सुतं॥ सोमं। इंद्र। वरेण्यं॥
तव। द्युक्षासः। इंदवः॥ गिर्वणः। पाहि। नः। सुतं॥ मधोः। धा-
राभिः। अज्यसे। इंद्र। त्वाऽदातं। इत्। यशः॥ अभि। द्युम्नानि।
वनिनः॥ इंद्रं। सचंते। अक्षिता। पीत्वी। सोमस्य। वावृधे॥ अ-
र्वाऽवतः। नः। आ। गहि। पराऽवतः। च। वृत्रऽहन्। इमाः। जुष-
स्व। नः। गिरः॥ यत्। अंतरा। पराऽवतं। अर्वाऽवतं। च। हू- ३॥
यसे॥ इंद्र। इह। ततः। आ। गहि॥ ८॥ वृतु। बु। इत्।

इदं क्रतुर्विहूमित्येका ५४

अभि। क्रतऽमद्वा। वृषणं। नर्यं। अपसं। प्रस्तारं। एषि।
सूर्यः। न। वायः। नवतिं। पुरः। बिभेद। बाहुऽओजसा। प्र। हिं-
वा। वृत्रऽहा। अवधीत्॥ सः। नः। इंद्रः। शिवः। सखा। अश्व-
वत्। गोऽमत्। यवऽमत्। उरुधाराऽइव। दोहते॥ ७॥ त्वा।
एव। पाहि। पुत्रऽथा। मंदतु। त्वा। श्रुधि। ब्रह्म। वावृध- ४
स्व। उत। गीःऽभिः॥ आविः। सूर्यं। कृणुहि। पीपिहि। इषः॥
जहि। शत्रून्। अभि। गाः। इंद्र। तृंधि॥ अर्वाङ्। आ। इहि। सो-

म॰कामं। आ। ऽपुरुः। ऽअयं। सुतः। तस्य। पिब। मदाय। उरु॰
व्यचाः। जठरे। ऽआ। वृषस्व। पिताऽइव। नः। शृणुहि। हूयमानः॥
ऽआ। पूर्णः। अस्य। कलशः। स्वाहा। सेक्ताऽइव। कोशं। सिसिचे।
पिबध्यै। सं। ऊं इति। प्रियाः। ऽआ। ऽअववृत्रन्। मदाय। प्र॰दक्षिणित्।
अभि। सोमासः। इंद्रं। [illegible]॥ तं। वः। दस्मं। ऋति॰सहं। व
सोः। मंदानं। अंधसः। ऽअभि। वत्सं। न। स्वसरेषु। धेनवः। इं
द्रं। गीःऽभिः। नवामहे॥ द्युक्षं। सुदानुं। तविषीभिः। ऽआ॰

वृतं। गिरिं। न। पुरु॰भोजसं॥ क्षु॰मंतं। वाजं। शतिनं।
सहस्रिणं। मक्षु। गो॰मंतं। ईमहे॥ तत्। त्वा। यामि। सु॰
वीर्यं। तत्। ब्रह्म। पूर्व॰चित्तये। येन। यति॰भ्यः। भृगवे
धने। हिते। येन। प्रस्कण्वं। ऽआविथ॥ येन। समुद्रं। ऽअसृ
जः। महीः। ऽअपः। तत्। इंद्र। वृष्णि। ते। शवः। सद्यः। सः।
ऽअस्य। महिमा। न। सं॰नशे। यं। क्षोणीः। ऽअनु॰चक्रदे।
[illegible]॥ उत। ऊं इति। त्ये। मधुमत्॰तमाः। गिरः। स्तोमासः।

सः। ईरते। सुऽज्ञाः। जितः। यन्। साः। प्रऽदितं। ऊतयः। वाजऽ
यंतः। रथाःऽइव। कण्वाःऽइव। भृगवः। सूर्याःऽइव। विश्वं।
इत्। धीतं। आनशुः॥ इंद्रं। स्तोमेभिः। महयंतः। आयवः।
प्रियऽमेधासः। अस्वरन्॥१६॥ इंद्रः। सुऽरथितः। आ। प्र
तिरत। दासं। पृष्ठैः॥ विदत। वसुः। दयमानः। विशत्रून्
त्रसं। ऊतः। तृच्या। वृहन्। धेनः। हरिं। दात्रः। आ। अष्टः
तां। योदसा। इति। उच्चैः। इति। मऽन्वस्य। ते। तविषस्य। प्र।
५

MEMORIAL

ऊतिं। इयर्मि। वाचं। अमृताय। भूषन्। इंद्र। क्षितीनां।
अस्ति। मानुषीणां। विशां। दैवीनां। उत। पूर्वऽयावा। इंद्रः।
वृत्रं। अहनत्। शंबरं। नीतिः। प्र। मायिनां। अमिनात्। वर्
पःऽनीतिः। अहन्। विऽअंसं। उशधक्। वनेषु। आविः। धे
नाः। अकृणोत्। राम्याणां॥ इंद्रः। स्वःऽसाः। जनयन्। अहा
नि। जिगाय। उशिकऽभिः। पृतनाः। अभिष्टिः। प्र। अरोचयत्
मनवे। केतुं। अह्नां। अविंदत्। ज्योतिः। बृहते। रणाय॥
इंद्रः। तत्। अजः। बर्हणाः। आ। विवेश। नृऽवत्। दधानः। नर्या।

पुरूणि । अचेतयत् । धियः । इमाः । जरित्रे । प्र । इमं । वर्णं । अति
रत् । शुक्रं । आसां । महः । महानि । पनयंति । अस्य । इंद्रस्य ।
कर्म । सुऽकृता । पुरूणि । वृजनेन । वृजिनान् । सं । पिपेष । मा
याभिः । दस्यून् । अभिभूतिऽओजाः । युधा । इंद्रः । मह्ना । वरिवः । च
कार । देवेभ्यः । सत्ऽपतिः । चर्षणिऽप्राः । विवस्वतः । स
दने । अस्य । तानि । विप्राः । उक्थेभिः । कवयः । गृणंति ।
सत्राऽसहं । वरेण्यं । सहःऽदां । ससऽवांसं । स्वः
अपः । च । देवीः । ससान । यः । पृथिवीं । द्यां । उत । इ

मां । इंद्रं । मदंति । अनु । धीरणसः । ससान । अत्यान् । उ
त । सूर्यं । ससान । इंद्रः । ससान । पुरुऽभोजसं । गां । हिरण्य
यं । उत । भोगं । ससान । हत्वी । दस्यून् । प्र । आर्यं । वर्णं । आ
वत् । इंद्रः । ओषधीः । असनोत् । अहानि । वनस्पतीन् । अस
नोत् । अंतरिक्षं । बिभेद । वलं । नुनुदे । विऽवाचः । अथ ।
अभवत् । दमिता । अभिक्रतूनां । शुनं । हुवेम । मघऽवा
नं । इंद्रं । अस्मिन् । भरे । नृऽतमं । वाजऽसातौ । शृण्वंतं ।
उग्रं । ऊतये । समत्ऽसु । घ्नंतं । वृत्राणि । संऽजितं ।

धनानां ॥११॥ उत् । ऊं इति । ब्रह्माणि । ऐरत । श्रवस्या । इंद्रं । स॰
॰मर्ये । महय । वसिष्ठ । आ । यः । विश्वानि । शवसा । त
तान । उप॰श्रोता । मा । ईवतः । वचांसि ॥ अयामि । घो
षः । इंद्र । देव॰जामिः । इरज्यंत । यत् । शुरुधः । वि॰वा
चि । नहि । स्वं । आयुः । चिकिते । जनेषु । तानि । इत् । अंहां ७
सि । अति । पर्षि । अस्मान् ॥ युजे । रथं । गो॰एषणं । ह
रि॰भ्यां । उप । ब्रह्माणि । जुजुषाणं । अस्थुः ॥ वि
बाधिष्ट । स्यः । रोदसी इति । महि॰त्वा ॥ इंद्रः । वृत्रा

णि । अप्रति । जघन्वान् ॥ आपः । चित् । पिप्युः । स्तर्यः । न । गावः ॥
नक्षन् । ऋतं । जरितारः । ते । इंद्र ॥ याहि । वायुः । न । नि॰युतः । न
ः । अच्छ ॥ त्वं । हि । धीभिः । दयसे । वि । वाजान् ॥ ते । त्वा । मदाः । इंद्र
मादयंतु ॥ शुष्मिणं । तुवि॰राधसं । जरित्रे ॥ एकः । दे
व॰त्रा । दयसे । हि । मर्तान् ॥ अस्मिन् । शूर । सवने । माद
यस्व ॥ एव । इत् । इंद्रं । वृषणं । वज्र॰बाहुं ॥ वसिष्ठा
सः । अभि । अर्चंति । अर्कैः ॥ सः । नः । स्तुतः । वीर॰व
त् । धातु । गो॰मत् ॥ यूयं । पात । स्वस्ति॰भिः । स

दा। नः॥१॥ सजोषा॥ वज्री॥ वृषन्नः॥ तुराषाट्॥ शुष्मी॥ रा
जा। वृत्र॰ हा॥ सोम॰ पावा॥ युक्ता॥ हरिभ्याम्॥ उप।
याति। सत्। =पूर्वाउ। माध्यंदिन। सवना। म सता। इं
द्रः॥ ७॥ १२॥ इंद्र। चा। सामी। पिबता। वृद्। स्पता। =नृ ॥िपिन ८
पत्। मंदुसा। ना। वृषा। वस्व। इति। वृषण॰ वस्॥ =श्रा
वा। विश्तु। इंदवः। सु॰ =आनुर्वः॥ =पश्म इति। दृधियं। स
र्व॰ वीरां। नि। पृच्छत॥ =मा। वः। वहंतु। सप्तयः। रघु॰
स्य दः॥ रघु॰ पचानः। मा। जिगात। बाहु॰ णिं। मोदम्
ता। मा। बर्हिः। उरु। वः। मदं। सतं। मादयध्वं। मरुता।
मधः। अंधसः॥ इमे। स्तोमाः। =परीते। जातं॰ वेदसे॥ र
थं। इव। सं। महेम। मनीषयां। भद्रा। हि। नः। प्र॰ मतिः।
=पस्य। सं॰ सदि। =अग्ने। सख्ये। मा। रिषाम। वयं।
तव॥ =भी। एत्रिं। =अग्ने। सं॰ रथं। वाहि। =देवाउ।
ना। ता॰ रथं। वां। वि॰ नंतवं। हि। =च्यवां। पर्नीं॰ व
तः। त्रिंशतां। त्रीन्। चो। दुवान्। =प्रनुं॰ स्वधां। =मा॥ व

ह्र। मा दर्यस्व॥ प्रथमोनुवाक। सूक्त ३ एवं सच १०। छ॥ वृयं
। ऊ इति। चा॥ सूधूर्वी॥ स्वू रं। न। कत। वित। नरं त॥ सुवु
स्पर्व॥ वाजौ। चित्रं। इवामुह्॥ उपा वु॥ कर्म। ऊतयो
सः। नूः। पुर्वा॥ ऊय॥ चक्राम। यः। धृषत्। चां। इत्। ह।
त्रवितारं। वृवृम हो॥ सरवाय। इं इ। स्पान्। स्तिं। यः। न
इदं० इंद्र। पुरा। प्रावस्य॥ सा० नि नाय। तं। ऊहति।
कृ। सुभृ॥ सरवाय। इं इ। उतयै। हरि० प्रशं। सत्यैत० ९॥
पति। चर्षणिप्र सह। सः। हि। सूना। यः। चर्दत॥ सा। ऊ

न्। सः। वृयति। गव्यं। स्यं॥ स्तोर० स्यः। मघ० वा।
सत॥ १ ॥ प्र। मंहिष्ठाय। बृहते। बृहत्० रयौ॥ स
त्य० शुष्माय। तवसे। मतिं। नरे॥ अपां। इव। प्रव
ते। यस्य। दुः २५ रं॥ राधः। विश्व० आयु। शवसि। अप
० वृतीं॥ सर्धाते। विश्वं। सनु। हु। सरत। इ यष्ये॥ आपः।
निम्ना इव। सवना। हविष्मत॥ यत्। पर्वते। न। सं०
अशीत। हर्यत॥ इंद्रस्य। वज्रः। श्नथिता। हिरण्ययः॥
अस्मै। भीमाय। नमसा। सं। अध्वरे। ऊर्षः। न॥ शु

न्वे। आ। नु। राय। पनीयसे। पस्य। धाम। आऽवसि। नाम
इं द्रिये। ज्योति। अकारि। हरितः। न। अयसि। इन्द्र मे
तु। इंद्र। ते। वयं। पुरुऽस्तुत। ये। त्वा। आऽरभ्य
ामसि। प्रभुऽवसो इति प्रभुऽवसो। नहि। त्वत्
अन्यः। गिर्वणः। गिरः। सघत्। क्षोणीःऽइव। प्रति। न
। इ। यानि। तव। वर्चांसि। इन्द्र। तव। स्मसि
। अप्स्व। स्तोतुः। मघ्वऽवन्। काम। आऽपृण। अप
नु। ते। द्यौः। बृहती। वीर्यं। मम। इदं। चापि। पृथिवी

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

न। इमा। ओजसा। त्वं। इन्द्र। पर्वतं। महान्। उरुं। वज्रेण।
वज्रिन्। पर्वऽशः। चकर्तिथ। अव। असृजः। निऽवृताः
सर्तवै। अपः। सत्रा। विश्वं। दधिषे। केवलं। सहः॥
उदऽप्रुतः। न। वयः। रक्षमाणाः। वावदतः। अभ्रियस्यऽइव। घोषाः। गिरिऽभ्रजः। न। ऊर्मयः। मदन्तः॥
बृहस्पतिं। अभि। अर्काः। अनावन्। सः। गोऽभिः। आ
अंगिरसः। नक्षमाणाः। भगःऽइव। इत्। अर्यमणं।
निनाय। जने। मित्रः। न। दंपती इति दंऽपती। अनक्ति।

वृहस्पते। वाजय। आशून्ऽइव। आजौ॥ साधुऽअ
र्याः। अतिथिनीः। इषिराः। स्पार्हाः। सुऽवर्णाः। अन
वद्यऽरूपाः। वृहस्पतिः। पर्वतेभ्यः। विऽतूर्य। निः। गाः
। ऊपे। यवंऽइव। स्थिविऽभ्यः॥ आऽप्रुषायन्। मधुना।
ऋतस्य। योनिं। अवऽक्षिपन्। अर्कः। उल्कांऽइव॥
द्योः। वृहस्पतिः। उद्धरन्। अश्मनः। गाः। भूम्याः। उ
द्नाऽइव। वि। त्वचं। विभेद॥ अप। ज्योतिषा। तमः। अं
तरिक्षात्। उद्नः। शीपालंऽइव। वातः। आजत्॥ ११॥

वृहस्पतिः। अनुऽमृश्य। वलस्य॥ अभ्रंऽइव। वातः। आ। चक्रे। आ। गाः
॥ यदा। वलस्य। पीयतः। जसुं। भेत्। वृहस्पतिः। अग्नितपःऽभिः। अ
र्कैः। दत्ऽभिः। न। जिह्वा। परिऽविष्टं। आदत्॥ आविः। निऽधीन्। अ
कृणोत्। उस्रियाणां॥६॥ वृहस्पतिः। अमत। हि। त्यत्। आसां
। नाम। स्वरीणां। सदने। गुहा। यत्॥ आंडाऽइव। भित्वा। शकु
नस्य। गर्भं॥ उत्। उस्रियाः। पर्वतस्य। त्मना। आजत्॥७॥ अश्ना
। अपिऽनद्धं। मधु। परि। अपश्यत्॥ मत्स्यं। न। दीने। उदनि। क्षि
यंतं। निः। तत्। जभार। चमसं। न। वृक्षात्॥ वृहस्पतिः। विऽ

र्॰ गेराः। दिं॰कृत्य॥८॥ सः। उषां। अविदत्। सः। स्वः। इति स्वः। सः।
अग्निं॥ सः। अर्केण। वि। बबाधे। तमांसि। बृहस्पतिः। गो॰वपुषः।
। वलस्य। निः। मज्जानं। न। पर्वणः। जभार॥९॥ हिमाऽइव। पर्णा।
मुषिता। वनानि॥ बृहस्पतिना॥ अकृपयत्। वलः। गाः॥ अननु
॰कृत्यं। अपुनरिति। चकार॥ यात्। सूर्यामासा। मिथः। उत्॰
चरातः॥१०॥ अभि। श्यावं। न। कृशनेभिः। अश्वं। नक्षत्रेभिः। पि॰
तरः। द्यां। अपिंशन्॥ रात्र्यां। तमः। अदधुः। ज्योतिः। अहन्॥ बृ॰
हस्पतिः। भिनत्। अद्रिं। विदत्। गाः॥११॥ इदं। अकर्म। नमः। १२

अभ्रियाय॥ यः। पूर्वीः। अनु। आ॰नोनवीति॥ बृहस्पतिः। सः। हि।
गोभिः। सः। अश्वैः॥ सः। वीरेभिः। सः। नृ॰भिः। नः। वयः। धात्॥१२॥ अ॰
च्छ। मे। इन्द्रं। मतयः। स्वः॰विदः॥ सध्रीचीः। विश्वाः। उशतीः। अनू॰
षत॥ परि। स्वजंते। जनयः। यथा। पतिं। मर्यं। न। शुन्ध्युं। मघ॰वानं।
ऊतये॥१॥ न। घ। त्वद्रिक्। अप। वेति। मे। मनः॥ त्वे इति। इत्। कामं।
पुरु॰हूत। शिश्रय॥ राजा॰इव। दस्म। नि। सदः। अधि। बर्हिषि
। सोर ॥ अस्मिन्। सु। सोमे। अव॰पानं। अस्तु। ते॥२॥ विषु॰वृत्। इन्द्रः।
अमतेः। उत। क्षुधः॥ सः। इत्। रायः। मघ॰वा। वस्वः। ईशते।

प्र

तः स्य । इ त् । लुमेः । ब्रु ब्रु णो । स त्वा । स्तिं ब्रुवः ॥ वय्यः । वर्द्धति । वृ षभस्य

शु ष्मिणः ॥ २॥ वयः । ना । वृ दं । स्तु॰ पत्नाग्री ॥ आ ॥ अस द नू ॥ सोम

सः । इ इं । मं दिनः । ब्र मू॰ स दं । प्रा एषां ॥ अनीकं । अवसा । दवि

घु दं तत ॥ विदत । स्व । मनवे । ज्यो तिः । आर्यं ॥ ४ तता नप्स्य॰ घ्री

वि । चिनो ति । देवने ॥ सं॰ वर्गी । यत । मघ॰ वा । सूर्यं । जयंत ॥ न

। तत । ते । अन्यः । अनु । वीर्यं । चाकृत ॥ न । पुराणः । मघ॰ व

न् । ना । उत । नूत्नः ॥ ५ विरं॰ विरं । मघ॰ वा । परि । अशा

य त ॥ उ नानं । धूनाः । अप व॰ चाकशाता । वृषा ॥ पस्पा । अ १३॥

द्री । युत् । स वेन्द्र । र ण्वं ति ॥ सः । तु द्रे । सोमैः । सूह ते । एत न्यु ता ।

आप्त ना । ईं धुं । अनुत्ति । यत । सं॰ अन्दर नू ॥ सोम सं । कुल्या॰ इव । इ३ १

हृ दं ॥ वर्हीति । विप्रः । महः । अस्य । सदने । यवीना । हृ ष्टिः । दिव्येन । दानुना

॥ वृ षा । ना । क्रुद्धः । पतयत् । रजः॰ स्तु । आ । यः । अर्य॰ पत्नीः । अकृणोत्

। इमाः । अपः ॥ सः । सुन्वते । मघ॰ वा । जीर॰ दानवे ॥ अविंदत । ज्यो

तिः । मनवे । हविष्मते । ना ॥ उत । जायतां । परशुः । ज्योतिषा । सह ॥

भूयाः । ऋतस्य । सुदुघा । पुराण॰ वत । विरोचतां । अरुषः ।

नानुना । अविः । स्वः । ना । शुक्रं । शुशुचीत । सत॰ पतिः ॥ ६ गो भिः ।

नृ । रेभ्रा । अमतिं । कुः । एवां ॥ यचेत । तुयं । पुरुऽकृत । विद्यां । वृयं । राजं०

न्ति । भृथमाः । धनानि । अस्माकेन । वृहजनेन । ऊपेम ॥१०॥ बृहस्पति ॥

नः । परि । पातु । पश्चात् । उत । उत्ऽतरस्मात् । अधरात् । अघऽयोः ॥

इंद्रः । पुरस्तात् । उत । मध्यतः । नः । सखा । सखिऽभ्यः । वरिवः । कृ

णोतु ॥११॥ बृहस्पते । युवं । इंद्रः । च । वस्वः । दिव्यस्य । ईशाथे इति ।

उत । पार्थिवस्य । धत्तं । रयिं । स्तुवते । कीरये । चित् ॥१२॥ बितौ वो

नुवाद । वयः कृ इति । चा । दितः । प्रपा । इंद्र । वक्षयंतः । सखाया

एवाः । उच्छेत्रिः । जरतो ॥१॥ ना । घा । ईं । अस्पत । अपपप्रन् ॥ वज्रिन् । अ

पसः । न । विष्टो ॥ तवाद्भुतः । कृ इति । स्तोमं । विकृत । इंद्र । छंति । देवाः ॥ बा०

१४॥

स्तु । चतीं । नास्च । त्राय । स्पृह्यंति । यंति ॥ २० । मादं । अतंद्रा । उ

वयं । इंद्र । चाव्यवं ॥ अत्ति । प्रा । नो । नुमः । वृषन् ॥ विद्धि । तु । अस्य

नः । वसो इति ॥४ मा । नः । निदे । चा । वक्तवे ॥ अर्यः । रंध्रीः । अरावन्

ने इति । अपि । क्रतुः । मम ॥ प ॥ चं । वर्म । अस्ति । २० प्रथः ॥ पुरुऽ

दोयः । चा । वृत्रऽहन् । चपा । प्रति । बुवे । पुत्रा ॥ ६ ॥ २८ ॥ वाः । ०

हंत्याय । शवसे ॥ एतनाऽस्स हयाय । च ॥ इंद्र । चा । अा । वर्तयाम

सि ॥७॥ अपर्वा चीनं । सुऽप्ते । मनः ॥ उत । चक्षुः । शतक्रतो इति शत

०क्रतो ॥ इंद्र । ल एवं । उ । वाघतः । रा । नामानि । ते । शतक्रतो इति ।

तत्ऽक्र।ताम्।विश्वासि।सा॰त्रि।ईमहे॥इंद्र।आभिमांति॰सहो।
ऽरू॰स्तुतस्य।धाम।ऽस्नि॥याते।नाम।हूयामसि।इंद्र।स्याच्यु
र्षणि॰धृत॥इंद्र।वृत्राय।हंतवे॥पुरुऽहूतं।उप।ब्रुवे॥नरे
षु।वाजऽसातये॥५वाजेषु।ससहिः।भव॥ये।ईमहे।शतक्रु
तो इतिशत॰क्रतो।इंद्र।वृत्राय।हंतवे।६द्युम्नेषु।पृतना।सुप
दृ।ध्नुऽसुर।श्रुषि।श्रवःऽसु।च॥इंद्र।सा।द्वा।अभिऽमाति॰षु।७शु
ष्मिन्ऽतमं।नः।ऊतये॥द्युम्निनं।पाहि।जागृविं।इ
न्द्र।सोमं।श।तक्रतो इतिशत॰क्रतो॥८इंद्रियाणि।शतक्रतो इ
तिशत॰क्रतो॥या।ते।जनेषु।पंच॰सु॥इंद्र।तानि।ते।आ
वृणे॥९अगन्।इंद्र।श्रवः।बृहत्।द्युम्नं।दधिष्व।दुस्त
रं॥उत्।ते।शुष्मं।तिरामसि॥१०अर्वावतः।नः।आ।गहि।अथो इति।शक्र।परा
ऽवतः॥उ इति।लोकः।यः।ते।अद्रिऽवः।११इंद्र।इह।त
ता।मरुत्।नयं।अत्रि।सत्।अप।बुध्नवत्।स।
हि।स्थिरः।विऽचर्षणिः।१इंद्रः।च।मृळयाति।नः।
न।नः।पश्चात्।अघं।नशत्॥भद्रं।भवाति।नः।
पुरः।३इंद्रः।आशाभ्यः।परि॥सर्वाभ्यः।अभयं।करत्

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
१५

जेता । शत्रून् । वि० चर्षणि० । ७ । ८ । २० । नि । ऊं इति । सु । वाचं ।।
प्र । महे । भरामहे ।। गिरः । इंद्राय । सदने ।। विवस्वतः ।। नु
। चित् । हि । रत्नं । ससतां०इव ।। अविदत् ।। न । दुः० स्तुतिः । द्र
विणः०देषु । शस्यते ।। १ दुरः । अश्वस्य । दुरः । इंद्र । गोः । अ
सि ।। दुरः । यवस्य । वसुनः । इनः । पतिः ।। शिक्षा० नरः । प्र०
दिवः । अकाम० कर्शनः ।। सखा । सखि० भ्यः । तं । इदं । गृ
णीमसि ।। शची० वः । इंद्र । पुरु० कृत् । द्युमत्० तम ।। २६ ।।
तव । इत् । इदं । अभितः । चेकिते । वसु ।। अतः । सं०गृ

भ्य । अभि० भूते । आ । भर ।। मा । त्वा०यतः । जरितुः । कामं । ऊनयीः
।। एभिः । द्यु०भिः । सु०मनाः । एभिः । इंदु०भिः ।। निः० रुंधानः । अ
मतिं । गोभिः । अश्विना ।। इंद्रेण । दस्युं । दरयंतः । इंदु० भिः ।। यु
त० द्वेषसः । सं । इषा । रभेमहि ।४ सं । इंद्र । राया । सं । इषा ।
रभेमहि ।। सं । वाजेभिः । पुरु० चंद्रैः । अभिद्यु० भिः ।। सं । देव्या ।
प्र० मत्या । वीर० शुष्मया ।। गो० अग्रया । अश्व० वत्या । रभेमहि
५ ते । त्वा । मदाः । अमदन् । तानि । वृष्ण्या ।। ते । सोमासः । वृत्र० हत्येषु । सत्०
पते । यत् । कारवे । दश । वृत्राणि । अप्रति । बर्हिष्मते । नि ।

सहस्राणि। बर्हयः। इषुध्या। सुध्यो। उप। घ। इतः। एषि। धृ
ष्णु॰या। पुरा। पुरं। सं। इदं। हंसि। ओजसा॥ नम्या। यत्। इंद्र
सख्या। परा॰वति। नि॰बर्हयः। नमुचिं। नाम। मायिनं॥ ७॥
त्वं। करंजं। उत। पर्णयं। वधीः॥ तेजिष्ठया। अतिथि॰ग्वस्य।
वर्त्तनी॥ त्वं। शता। वंगृदस्य। अभिनत्। पुरः। अननु॰दः। प
रि॰सूताः। ऋजिश्वना॥ ८॥ त्वं। एतान्। जन॰राज्ञः। द्विः। दश।
अबंधुना। सु॰श्रवसा। उप॰जग्मुषः॥ षष्टिं। सहस्रा। नव ७
तिं। नव। श्रुतः॥ नि। चक्रेण। रथ्या। दुः॰पदा। अवृणक्।

त्वं। आविथ। सु॰श्रवसं। तव। ऊति॰भिः॥ तव। त्राम॰भिः॥
इंद्र। तूर्वयाणं॥ त्वं। अस्मै। कुत्सं। अतिथि॰ग्वं। आयुं।
महे। राज्ञे। यूने। अरंधनायः॥ १०॥ ये। उत्॰ऋचि। इंद्र। देव॰
गोपाः॥ सखायः। ते। शिव॰तमाः। असाम॥ त्वां। स्तोषाम।
त्वया। सु॰वीराः॥ द्राघीयः। आयुः। प्र॰तरं। दधानाः॥
११॥ २२॥ १ प्रथमपर्यायि। अदृत्नि। चा। वृषभ। स्तुते। स्तुतं। सृ
जामि। पातये। इं पा। वि। अक्षुदि। मदं॥ १ मा। चा। मृसाः। अ
विष्वः॥ मा। उप॰हस्वा नः। आ। दत्र नू॥ मा। कीं। ब्रह्म॰द्वि

षः। वनः॥२ इह। त्वा। गो॰परीणसा। महे। मंदंतु। राधसे॥ सरः।
गौरः। यथा। पिब॥३ आ। त्वा। गो॰पतिं। गिरा। इंद्रं। अर्च। यथा।
विदे॥ सूनुं। सत्यस्य। सत्॰पतिं॥४ आ। हरयः। ससृज्रिरे। अरु
षीः। अधि। बर्हिषि॥ यत्र। अभि। सं॰नवामहे॥५ इंद्राय। गावः।
आ॰शिरं॥ दुदुह्रे। वज्रिणे। मधु॥ यत्। सीं। उप॰ह्वरे। विदत्॥
६॥[illegible]॥ आ। तु। नः। इंद्र। मद्र्यक्। हुवानः। सोम॰पीतये॥ ह
रि॰भ्यां। याहि। अद्रि॰वः॥१ सत्तः। होता। नः। ऋत्वियः॥ तिति १८
रे। बर्हिः। आनुषक्॥ अयुज्रन्। प्रातः। अद्रयः॥२ इमा। ब्र

ह्म। ब्रह्म॰वाहः॥ क्रियंते। आ। बर्हिः। सीद॥ वीहि। शूर। पुरो
डाशं॥३ ररंधि। सवनेषु। नः। एषु। स्तोमेषु। वृत्र॰हन्॥ उ
क्थेषु। इंद्र। गिर्वणः॥४ मतयः। सोम॰पां। उरुं। रिहंति। शवसः।
पतिं। इंद्रं। वत्सं। न। मातरः॥५ सः। मंदस्व। हि। अंधसः॥ रा
धसे। तन्वा। महे॥ न। स्तोतारं। निदे। करः॥६ हविष्मंतः।
जरामहे॥ उत। त्वं। अस्म॰युः। वसो इति॥७ मा। आरे। अ
स्मत्। वि। मुमुचः। हरि॰प्रिय। अर्वाक्। याहि॥ इंद्र। स्वधा॰
वः। मत्स्व। इह॥८॥ अर्वांचं। त्वा। सु॰खे। रथे॥ घृतस्नू इति

घृत॰स्नू। बर्हिः। आ॰सदे॥५॥७॥ उप। नः। सुतं। आ। गहि॥
सोमं। इंद्र। गो॰आशिरं॥ हरि॰भ्यां। यः। ते। अस्म॰युः॥१॥ तं
इंद्र। मदं। आ। गहि॥ बर्हिः॰स्थां। ग्राव॰भिः। सुतं॥ कुवित्।
नु। अस्य। तृप्णवः॥२॥ इंद्रं। इत्था। गिरः। मम॥ अच्छ। अगुः।
इषिताः। इतः॥ आ॰वृते। सोम॰पीतये॥३॥ इंद्रं। सोमस्य। पीत
ये॥ स्तोमैः। इह। हवामहे॥ उक्थेभिः। कुवित्। आ॰गमत्॥४
तान्। दधिष्व। शतक्रतो इति शत॰क्रतो॥ जठरे। वाजिनी॰व
सो इति वाजिनी॰वसो॥५॥ विद्म। हि। त्वा। धनं॰जयं॥ वाजेषु। १८
दधृषं। कवे॥ अध। ते। सुम्नं। ईमहे॥६॥ इंद्र। गो॰आ

शिरं। यव॰आशिरं। च। नः। पिब॥ आ॰गत्य। वृष॰भिः। सु
तं॥७॥ तुभ्य। इत्। इंद्र। स्वे। ओक्ये॥ सोमं। चोदामि। पीतये॥
एषः। ररंतु। ते। हृदि॥ त्वां। सुतस्य। पीतये॥ प्रत्नं। इंद्र। हवा
महे॥ कुशिकासः। अवस्यवः॥९॥ १२४ अश्व॰वति। प्रथमः।
गोषु। गच्छति॥ सु॰प्र॰अवीः। इंद्र। मर्त्यः। तव। ऊति॰भिः॥
तं। इत्। पृणक्षि। वसुना। भवीयसा॥ सिंधुं। आपः। यथा।
अभितः। विचेतसः॥१॥ आपः। न। देवीः। उप। यंति। होत्रि
यं। अवः। पश्यंति। वि॰ततं। यथा। रजः॥ प्राचैः। देवा

सः। प्र। अनु। यंति। देव॰ त्तुं॥ त्रस्य॰ प्रियं। जो। षयंते। वरा॰ इव॥ =पधि। द्यर्वो॥ =पदधाः। उ चथ्यं। वचः। प्रत॰ स्कचा॥ मिथु

ना॥ या॥ सपर्यति॥ क्षं सो॰ पचः। त्रं ता। ते। दोति। पुष्यति॥

त्रद्रा। शक्तिः। यजमानाय। सुन्वते॥ ३ =पात्। =गिरः।

प्रथमं। दधिरे। वयः॥ इद्ध॰ =ग्नयः। नम्या॥ ये। सु॰

त्तया॥ सर्वा पले। सं। =र्पा विंदंत। जो जनं॥ =प्रस्व

द्वैतं। गो॰ मंतं। =पा। पस्तुं। नरः॥ ४॥ पद्रैः। =पथं। वा। प्रथ

मः। पथः। तते॥ ततः। सूर्यः। व्रत॰ पाः। वेनः। =पा। अज

DR. BHAU DAJI

नि॥ =पा। गाः। =पाजत। उशना। काव्यः। सचा॥ यमस्य। जातं

॥ =मृतं। यजामहे॥ ५ बर्हिः। वा। यत्। सु॰ अपत्याय। वृ

ज्यते॥ =र्कः। वा। श्लोकं। =घा॰ घोषते। दिवि॥ ग्रावा। यत्र।

=। वदति। कारुः। उक्थ्यः॥ तस्य। इत्। इंद्रः। =पभि॰ पि

त्वेषु। रण्यति॥ ६॥ प्र। उग्रां। पीतिं। वृष्णे। इयर्मि। सत्यां

॥ प्र॰ यै। सुतस्य। हर्य॰ =श्व। तुभ्यं॥ इंद्र। धेनाभिः।

इह। मादयस्व॥ धीभिः। विश्वाभिः। शच्या। गृणानः॥ ७॥

२५। द्विता। पः। प्र। पप्र॥ घोजे॰ घोमे। तरः। तरं॥ वाजे॰ वाजे॥

हवामहे ॥१॥ आ । घ । गमत् । यदि । श्रवत् ॥ सहस्रि
णीभिः । ऊतिऽभिः ॥ वाजेभिः । उप । नः । हवं ॥२॥ अनु
। प्रत्नस्य । ओकसः । हुवे । तुविऽप्रतिं । नरं ॥ यं । ते । पूर्वं
पिता । हुवे ॥३॥ युंजंति । ब्रध्नं । अरुषं ॥ चरंतं । परि । त
स्थुषः ॥ रोचंते । रोचना । दिवि ॥४॥ युंजंति । अस्य । काम्या ॥
हरी इति । विऽपक्षसा । रथे ॥ शोणा । धृष्णू इति । नृऽवा
हसा ॥५॥ केतुं । कृण्वन् । अकेतवे ॥ पेशः । मर्याः । अपेश
से ॥ सं । उषत्ऽभिः । अजायथाः ॥६॥ व २४ ॥ [illegible] । [illegible] । २९

ह । यथा । त्वं ॥ ईशीय । वस्वः । एकः । इत् ॥ स्तोता । मे । गोऽस
खा । स्यात् ॥१॥ शिक्षेयं । अस्मै । दित्सेयं ॥ शचीऽपते । मनीषि
णे ॥ यत् । अहं । गोऽपतिः । स्यां ॥२॥ धेनुः । ते । इंद्र । सूनृता । यज
मानाय । सुन्वते ॥ गां । अश्वं । पिप्युषी । दुहे ॥३॥ न । ते । वर्ता
। अस्ति । राधसः ॥ इंद्र । देवः । न । मर्त्यः ॥ यत् । दित्ससि । स्तुतः ।
मघं ॥४॥ यज्ञः । इंद्रं । अवर्धयत् ॥ यत् । भूमिं । वि । अवर्त
यत ॥ चक्राणः । ओपशं । दिवि ॥५॥ वावृधानस्य । ते । वयं ॥ वि
श्वा । धनानि । जिग्युषः ॥ ऊतिं । इंद्र । आ । वृणीमहे ॥६॥ [illegible]

वि । अंतरिक्षं । अतिरत् ॥ मदे । सोमस्य । रोचना ॥ इंद्रः ।
यत् । अभिनत् । वलं ॥१ उत् । गाः । आजत् । अंगिरःऽभ्यः ।
आविः । कृण्वन् । गुहा । सतीः ॥ अर्वांचं । नुनुदे । वलं ॥
इंद्रेण । रोचना । दिवः ॥ दृह्ळानि । दृंहितानि । च ॥ स्थिराणि ।
न । पराऽनुदे ॥२ अपां । ऊर्मिः । मदन्ऽइव । स्तोमः । इंद्र ।
अजिरऽयते ॥ वि । ते । मदाः । अराजिषुः ॥४॥ छ ॥१४ त्वं । हि ।
स्तोमऽवर्धनः ॥ इंद्र । असि । उक्थऽवर्धनः ॥ स्तोतॄणां । उत । भ
द्रऽकृत् ॥१॥ इंद्रं । इत् । केशिना । हरी इति ॥ सोमऽपेयाय । २२

वक्षतः ॥ उप । यज्ञं । सुऽराधसं ॥२ अपां । फेनेन । नमुचेः । शिरः
। इंद्र । उत् । अवर्तयः ॥ विश्वाः । यत् । अजयः । स्पृधः ॥३ माया
भिः । उत्ऽसिसृप्सतः ॥ इंद्र । द्यां । आऽरुरुक्षतः ॥ अव । दस्यू
न् । अधूनुथाः ॥४ असुन्वां । इंद्र । संऽसदं । विषूचीं । वि । अनाशय
ः ॥ सोमऽपाः । उत्ऽतरः । भवन् ॥५॥ छ ॥२२॥ प्र । ते । महे । विदथे
। शंसिषं । हरी इति ॥ प्र । ते । वन्वे । वनुषः । हर्यतं । मदं ॥ घृतं । नाय
ः । हरिऽभिः । चारु । सेचते ॥ आ । त्वा । विशंतु । हरिऽवर्पसं । गिरः
॥१ हरिं । हि । योनिं । अभि । ये । संऽअस्वरन् । हिन्वंतः । हरी इति ।

स्त ३.

दिव्यं। यथा। सदः॥ आ। यं। पृणंति। हरि॰भिः। न। धेनवः।
इंद्राय। शूषं। हरि॰वंतं। अर्चत॥२॥ सः। अस्य। वज्रः। हरितः।
यः। आयसः॥ हरिः। नि॰कामः। हरिः। आ। गभस्त्योः॥ द्यु
म्नी। सु॰शिप्रः। हरिमन्यु॰सायकः॥ इंद्रे। नि। रूपा। हरिता
। मिमिक्षिरे॥३॥ दिवि। न। केतुः। अधि। धायि। हर्यतः॥ वि
व्यचत्। वज्रः। हरितः। न। रंह्या॥ तुदत्। अहिं। हरि॰शि
प्रः। यः। आयसः॥ सहस्र॰शोकाः। अभवत्। हरिं॰भरः २३
॥४॥ त्वं॰त्वं। अहर्यथाः। उप॰स्तुतः॥ पूर्वेभिः। इंद्र। हरि॰केश।

यज्वभिः॥ त्वं। हर्यसि। तव। विश्वं। उक्थ्यं॥ असामि। राधः। ह
रि॰जात। हर्यतं॥५॥ ता। वज्रिणं। मंदिनं। स्तोम्यं। मदे।
इंद्रं। रथे। वहतः। हर्यता। हरी इति॥ पुरूणि। अस्मै। सवना
नि। हर्यते॥ इंद्राय। सोमाः। हरयः। दधन्विरे॥६॥ अरं। कामा
य। हरयः। दधन्विरे॥ स्थिराय। हिन्वन्। हरयः। हरी इति।
तुरा॥ अर्वत्॰भिः। यः। हरि॰भिः। जोषं। ईयते॥ सः। अस्य।
कामं। हरि॰वंतं। आनशे॥७॥ हरि॰श्मशारुः। हरि॰केशः। आ
यसः॥ तुरः॰पेये। यः। हरि॰पाः। अवर्धत। वाजिनी॰वसुः।

ऽअप्रति। विश्वा। दुःऽढ्या। परिऽस्थिता। हरी इति॥३॥ स्तुवान्ऽइव। यस्य। ह
रिणी इति। विऽपेततुः॥ शिप्रे इति। वाजाय। हरिणी इति। दविध्वतः॥
प्र। यत्। कृते। चमसे। मर्मृजत्। हरी इति॥ पीत्वा। मदस्य। हर्यत
स्य। अंधसः॥४॥ उत। स्म। सद्म। हर्यतस्य। पस्त्योः॥ अत्यः। न। वा
जं। हरिऽवानः। अचिक्रदत्॥ मही। चित्। हि। धिषणा। अहर्य
त्। ओजसा॥ बृहत्। वयः। दधिषे। हर्यतः। चित्। आ। आ
॥५॥ आ। रोदसी इति। हर्यमाणः। महिऽत्वा॥ नव्यंऽनव्यं। ह २४
र्यसि। मन्म। नु। प्रियं॥ प्र। पस्त्यं। असुर। हर्यतं। गोः॥ आविः

कृधि। हरये। सूर्याय॥६॥ आ। त्वा। हर्यन्तं। प्रऽयुजः। जना
नां॥ रथे। वहंतु। हरिऽशिप्रं। इंद्र॥ पिब। यथा। प्रतिऽभृ
तस्य। मध्वः॥ हर्यन्। यज्ञं। सधऽमादे। दशऽओणिं॥७॥ अप
आः। पूर्वेषां। हरिऽवः। सुतानां॥ अथो इति। इदं। सवनं॥
केवलं। ते॥ ममद्धि। सोमं। मधुऽमंतं। इंद्र॥ सत्रा। वृषन्। ज
ठरे। आ। वृषस्व॥८॥२॥छ॥२२ अप्ऽसु। धूतस्य। हरिऽवः। पि
ब। इह। नृऽभिः। सुतस्य। जठरं। पृणस्व॥ मिमिक्षुः। यं। अद्र
यः। इंद्र। तुभ्यं॥ ते। भिः। वर्धस्व। मदं। उक्थऽवाहः॥१॥

प्रोग्रं। वृत्तिमित्येको॥ २ऊ तौ॥ रायो॰वृः। तवं। वार्येण॥ तय
दर्शना॥ उशिजः। स्तुत॰शा। प्रजा॰वंत। इंद्र। मनुषः।
ऐले॥ तुस्तु। गृणंते। सुधं॰मा। घोस्य॥ ३॥ इतिद्वत्तीय
पर्याय॥ इतीयो नुवाक॥ अनुस्रक्ता॥ ६॥ स च २१॥ प्रथमं श्रो
॥ यः। जातः। एव। प्रथमः। मनस्वान्॥ देवः। देवान्। क्रतु
ना। परि॰अभूषत्॥ यस्य। शुष्मात्। रोदसी इति। अभ्य
सेतां॥ नृम्णस्य। मह्ना। सः। जनासः। इंद्रः॥ १ यः। पृथिवीं
। व्यथमानां। अदृंहत्॥ यः। पर्वतान्। प्र॰कुपितान्। अ

MEMORIAL

रम्णात्॥ यः। अंतरिक्षं। वि॰ममे। वरीयः॥ यः। द्यां। अस्तभ्नात्
२॥ यः। हत्वा। अहिं। अरिणात्। सप्त। सिंधून्॥ यः। गाः। उत्
आजत्। अप॰धा। वलस्य॥ यः। अश्मनोः। अंतः। अग्निं। ज
जजान। सं॰वृक्। समत्॰सु॥ ३॥ येन। इमा। विश्वा। च्यवना
। कृतानि॥ यः। दासं। वर्णं। अधरं। गुहा। अकरित्यकः॥ श्व
घ्नी॰इव। यः। जिगीवान्। लक्षं। आदत्॥ पुष्टानि॥
यं। स्म। पृच्छंति। कुह। सः। इति। घोरं॥ उत। ईम्। आहुः।
न। एषः॥ अस्ति। इति। एनं। सः। अर्यः। पुष्टीः। विजः॰इव। आ।

मिनाति॥ श्रत्। अस्मै। धत्त॥५॥ यः। रध्रस्य। चोदिता। यः। कृ
शस्य॥ यः। ब्रह्मणः। नाधमानस्य॥ कीरेः। युक्त॰ग्राव्णः॥ बृ॰ २
यः। अविता। सु॰शिप्रः। सुत॰सोमस्य॥६॥ यस्य। अश्वासः॥
प्र॰दिशि। यस्य। गावः। यस्य। ग्रामाः। यस्य। विश्वे। रथासः।
यः। सूर्यं। यः। उषसं। जजान॥ यः। अपां। नेता॥७ यं।
क्रंदसी इति। सं॰यती इति। वि॰ह्वयेते इति। वि॰ह्वये। ते २
परे॥ अवरे। अवरे॥ उभयाः। अमित्राः। समानं। चित्।
रथं। आ। तस्थि॰वांसा॥ नाना। हवेते इति॥८ यस्मात्। न। २५
ते

ऋते। वि॰जयंते। जनासः॥ यं। युध्यमानाः। अवसे। हवंते॥ यः।
विश्वस्य। प्रति॰मानं। बभूव॥ यः। अच्युत॰च्युत्॥९ यः। शश्व
तः। महि। एनः। दधानान्॥ अमन्यमानान्। शर्वा। जघान॥
यः। शर्धते। न। अनु॰ददाति। शृध्यां॥ यः। दस्योः। हंता॥१० यः।
शंबरं। पर्वतेषु। क्षियंतं॥ चत्वारिंश्यां। शरदि। अनु॰अविं
दत्॥ ओजायमानं। यः। अहिं। जघान। दानुं। शयानं॥११ यः। शंब
रं च रिप तु स्थदो यो त्रिपर्वा चक्रस्ना पिबस्तुतस्यं। पर्तगिरौ
यजमानं वक्तुं ऊनं यस्मिं नाम छंदसः॥१२ यः। सप्त॰रश्मिः। वृ
षभः। तुविष्मान्॥ अव॰असृजत्। सर्तवे। सप्त। सिंधून्

न्। यः। रौहिणं। अस्फुरत्। वज्रऽबाहुः॥ द्यां। आऽरोहंतं॥ द्यावा। चित्। अस्मै। पृ-
थिवी इति। नमेते इति। शुष्मात्। चित्। अस्य। पर्वताः। भयंते। यः। सोमऽपाः। नि-
ऽचितः। वज्रऽबाहुः। यः। वज्रऽहस्तः॥१३॥ सुन्वंतं। अवति। यः। पचंतं। यः। शं-
सतं। यः। शशमानं। ऊती। यस्य। ब्रह्म। वर्धनं। यस्य। सोमः। यस्य। इदं। राधः।
॥१४॥ जातः। वि। अख्यत्। पित्रोः। उपऽस्थे। भुवः। न। वेद। जनितुः। परस्य॥
स्तविष्यमाणः। नो इति। यः। अस्मत्ऽव्रताः। देवानां। ॥१६॥ यः। सोमऽकामः।
हरिऽअश्वः। सूरिः। यस्मात्। रेजंते। भुवनानि। विश्वा। यः। जघान। शंब-
रं। यस्य। शुष्णं। यः। एकऽवीरः॥१७॥ यः। सुन्वते। पचते। दुध्रः। आ। चित्। वाजं। ॥२७॥
दर्दर्षि। सः। किल। अ- [illegible]

सि। सत्यः॥ वयं। ते। इंद्र। विश्वह। प्रियासः। सुऽवीरासः। वि-
दथं। आ। वदेम॥१८॥ ॥३४॥ अस्मै। इत्। ऊं इति। प्र। तवसे।
तुराय॥ प्रयः। न। हर्म्मि। स्तोमं। माहिनाय॥ ऋचीषमाय। अ-
ध्रिऽगवे। ओहं॥ इंद्राय। ब्रह्माणि। रातऽतमा॥१ प्रयःऽइव। प्र-
यंसि॥ भरामि। आंगूषं। बाधे। सुऽवृक्ति॥ इंद्राय। हृदा। मन-
सा। मनीषा। प्रत्नाय। पत्ये। धियः। मर्जयंत॥२॥ त्यं। उपऽमं।
स्वःऽसां। भरामि। आंगूषं। आस्येन॥ मंहिष्ठं। अच्छोक्तिऽ-
भिः। मतीनां। सुवृक्तिऽभिः। सूरिं। ववृधध्यै॥३॥ स्तोमं। सं।

सं। हिनोमि॥ रथं। न। तष्टाऽइव। तत्०सिनाय॥ गिरः। च। गि
र्वाहसे। सु०वृक्ति॥ इंद्राय। विश्वं०इन्वं। मेधिराय॥४ सप्तिं०इव।
श्रवस्या॥ इंद्राय। अर्कं। जुह्वा। सं। अंजे। वीरं। दान०ओकसं। वंद
ध्यै॥ पुरां। गूर्त०श्रवसं। दर्माणं॥५ त्वष्टा। तक्षत्। वज्रं॥ स्वपः०
तमं। स्वर्यं। रणाय॥ वृत्रस्य। चित्। विदत्। येन। मर्म। तुज
न्। ईशानः। तुजता। कियेधाः॥६ अस्य। इत्। उं इति। मातुः।
सवनेषु। सद्यः॥ महः। पितुं। पपि०वान्। चारु। अन्ना॥
मुषायत्। विष्णुः। पचतं। सहीयान्॥ विध्यत्। वराहं। २८

तिरः। अद्रिं। अस्ता॥७ ग्नाः। चित्। देव०पत्नीः। इंद्राय। अ
र्कं। अहि०हत्ये। ऊवुरित्यूवुः॥ परि। द्यावापृथिवी इति।
जभ्रे। उर्वी इति॥ न। अस्य। ते इति। महिमानं। परि। स्त इति
स्तः॥८ अस्य। इत्। एव। प्र। रिरिचे। महि०त्वं॥ दिवः। पृथि
व्याः। परि। अंतरिक्षात्। स्व०राट्। इंद्रः। दमे। आ। विश्व०
गूर्तः॥ सु०अरिः। अमत्रः। ववक्षे। रणाय॥९ अस्य। शवसा। शु
षंतं। वि। वृश्चत्। वज्रेण। वृत्रं। इंद्रः॥ गाः। न। व्राणाः। अव
नीः। अमुंचत्। अभि। श्रवः। दावने। स०चेताः॥१०॥

षसा। रंत। सिंधवः। परि। यत्। वज्रेण। सीं। अयच्छत्।
ईशान०कृत्। दाशुषे। दशस्यन्। तुर्वीतये। गाधं।
तुर्वणिः। करिति कः॥११॥ अस्मै। इत्। ऊं इति। प्र। भर। तूतुजानः। वृत्राय। वज्रं।
ईशानः। कियेधाः। गोः। न। पर्व। वि। रद। तिरश्चा। इष्यन्।
अर्णांसि। अपां। चरध्यै॥१२॥ प्र। ब्रूहि। पूर्व्याणि। तुरस्य।
कर्माणि। नव्यः। उक्थैः। युधे। यत्। इष्णानः। आयुधानि।
ऋघायमाणः। नि०रिणाति। शत्रून्॥१३॥ भिया। गिरयः।
च। दृळ्हाः। द्यावा। च। भूम। जनुषः। तुजेते इति। उपो इ २९

ति। वेनस्य। जोगुवानः। ओणिं। सद्यः। भुवत्। वीर्याय। नोधाः॥
स्य। त्यत्। अनु। दायि। एषां। एकः। यत्। वव्ने। भूरेः। ईशानः। प्र।
एतशं। सूर्ये। पस्पृधानं। सौवश्व्ये। सुस्विं। आवत्। इंद्रः॥१५॥
एव। ते। हारि०योजन। सु०वृक्ति। इंद्र। ब्रह्माणि। गोतमासः।
अक्रन्। आ। एषु। विश्व०पेशसं। धियं। धाः। प्रातः। मक्षु। धि
या०वसुः। जगम्यात्॥१६॥ छ॥ ३५ यः। एकः। इत्। हव्यः। चर्षणी
नां॥ इंद्रं। तं। गीः०भिः। अभि। अर्च। आभिः॥ यः। पत्यते।
वृषभः। वृष्ण्य०वान्। सत्यः। सत्वा। पुरु०मायः। सहस्वान्

२॥ तं। ऊं इति। नः। पूर्वे। पितरः। नवऽग्वाः। सप्त। विप्रासः। अभि। वाजयंतः। नक्षत्ऽदाभं। ततुरिं। पर्वतेऽस्थां। अद्रोघऽवाचं। मतिऽभिः। शविष्ठं॥३ तं। ईमहे। इंद्रं। अस्य। रायः। पुरुऽवीरस्य। नृऽवतः। पुरुऽक्षोः॥ यः। अस्कृधोयुः। अजरः। स्वःऽवान्। तं। आ। भर। हरिऽवः। मादयध्यै॥ तत्। नः। वि। वोच। यदि। ते। पुरा। चित्। जरितारः। आनशुः। सुम्नं। इंद्र॥ कः। ते। भागः। किं। वयः। दुध्र। खिद्वः। पुरुऽहूत। पुरुवसो इति पुरुऽवसो। असुरऽघ्नः॥४ तं। पृच्छंती। वज्रऽहस्तं। रथेऽस्थां॥ MEMORIAL २०

इंद्रं। वेपी। वक्वरी। यस्य। नु। गीः॥ तुविऽग्राभं। तुविऽकूर्मिं। रभःऽदां। गातुं। इषे। नक्षते। तुम्रं। अच्छ॥५ अया। ह। त्यं। मायया। वावृधानं। मनःऽजुवा। स्वऽतवः। पर्वतेन। अच्युता। चित्। वीळिता। सुऽओजः। रुजः। वि। दृळ्हा। धृषता। विऽरप्शिन्॥६ तं। वः। धिया। नव्यस्या। शविष्ठं। प्रत्नं। प्रत्नऽवत्। परिऽतंसयध्यै॥ सः। नः। वक्षत्। अनिऽमानः। सुऽवह्मा। इंद्रः। विश्वानि। अति। दुःऽगहानि॥७ आ। जनाय। द्रुह्वणे। पार्थिवानि। दिव्यानि। दीपयः। अंतरिक्षा॥ तप। वृषन्। ही

विश्वतः । शो विश्वा । तान् ॥ अह० द्विषे । शोच्यमानं । अपः । चु ॥ ८
भुवः । जनस्य । दिव्यस्य । राजा । पार्थिवस्य । जगतः । त्वेष०सं
दृक् ॥ धिष्व । वज्रं । दक्षिणे । इंद्र । हस्ते ॥ विश्वाः । अजुर्य । दय
से । वि । मायाः ॥ ९ ॥ आ । संऽयतं । इंद्र । नः । स्वस्तिं ॥ शत्रु०तूर्याय ।
बृहतीं । अमृध्रां ॥ यया । दासानि । आर्याणि । वृत्रा । करः । व
ज्रिन् । सुऽतुका । नाहुषाणि ॥ १० ॥ सः । नः । नियुत्०भिः । पुरु
०हूत । वेधः ॥ विश्व०वाराभिः । आ । गहि । प्रयज्यो इति प्रऽय
ज्यो ॥ न । अभ्वः । अदेवः । वरंत । न । देवाः । आ । आभिः । २१

याहि । तूयं । आ । मद्र्यद्रिक् ॥ ११ ॥ ३ ॥ यः । तिग्म०शृंगः । वृषभः । न । भीमः ॥ ए
कः । कृष्टीः । च्यवयति । प्र । विश्वाः ॥ यः । शश्वतः । अदाशुषः । गयस्य ॥ प्र०
यंता । असि । सुस्विं०तराय । वेदः ॥ १ ॥ त्वं । ह । त्यत् । इंद्र । कुत्सं । आवः ॥ शु
श्रूषमाणः । तन्वा । सऽमर्ये ॥ दासं । यत् । शुष्णं । कुयवं । नि । अस्मै ॥ अ०
अरंधयः । आर्जुनेयाय । शिक्षन् ॥ २ ॥ त्वं । धृष्णो इति । धृषता । वीत०हव्यं ।
। प्र । आवः । विश्वाभिः । ऊति०भिः । सुऽदासं ॥ प्र । पौरु०कुत्सिं । त्रस
दस्युं । आवः । क्षेत्र०साता । वृत्र०हत्येषु । पूरुं ॥ ३ ॥ त्वं । नृ०भिः । नृ०म
नः । देव०वीतौ ॥ भूरीणि । वृत्रा । हरि०अश्व । हंसि ॥ त्वं । नि । दस्युं ।

स्वा

चुमुरिं। धुनिं। च॥ अस्वापयः। दभीतये। सुहंतु॥४ तव। च्यौत्नानि। वज्र॰
हस्त। तानि॥ नव। यत्। पुरः। नवतिं। च। सद्यः॥ नि॰वेशने। शत॰तमा।
अविवेषीः॥ अहन्। च। वृत्रं। नमुचिं। उत। अहन्॥५ सना। ता। ते।
इंद्र। भोजनानि॥ रात॰हव्याय। दाशुषे। सु॰दासे॥ वृष्णे। ते। हरी
इति। वृषणा। युनज्मि॥ व्यंतु। ब्रह्माणि। पुरु॰शाक। वाजं॥ ह
मा॥ ते। अस्यां। सहसा॰वन्। परिष्टौ॥ अघाय। भूम। हरि॰वः
परा॰दै॥ त्रायस्व। नः। अवृकेभिः। वरूथैः॥ तव। प्रियासः।
सूरिषु। स्याम॥७ प्रियासः। इत्। ते। मघ॰वन्। अभिष्टौ॥ नरः। ३२

मदेम। शरणे। सखायः॥ नि। तुर्वशं। नि। याद्वं। शिशीहि॥ अतिथि॰
ग्वाय। शंस्यं। करिष्यन्॥८ सद्यः। चित्। नु। ते। मघ॰वन्। अभि
ष्टौ॥ नरः। शंसंति। उक्थ॰शासः। उक्था॥ ये। ते। हवेभिः। वि। पणीन्
अदाशन्॥ अस्मान्। वृणीष्व। युज्याय। तस्मै॥९ एते। स्तोमाः।
नरां। नृ॰तम। तुभ्यं॥ अस्मद्र्यंचः। ददतः। मघानि॥ तेषां।
इंद्र। वृत्र॰हत्ये। शिवः। भूः॥ सखा। च। शूरः। अविता। च। नृणां॥
१० नु। इंद्र। शूर। स्तवमानः। ऊती॥ ब्रह्म॰जूतः। तन्वा। ववृध
स्व॥ उप। नः। वाजान्। मिमीहि। उप। स्तीन्॥११।१९॥ इतिचतुर्थो

ॐ वा क॥ आ याहि सुषुमा हि त इत्पकः॥२ इंद्र इत्। हाथिनः। हृ ह
त॥ इंद्रं। अर्केभिः। अर्किणः॥ इंद्रं। वाणीः। अनूषत॥१ इंद्रः। इत्। ह
र्योः। सचा॥ संऽमिश्लः। आ। वचःऽयुजा॥ इंद्रः। वज्री॥ हिरण्ययः॥२ इंद्रः।
दीर्घाय। चक्षसे॥ आ। सूर्यं। रोहयत्। दिवि॥ वि। गोभिः। अद्रिं।
ऐरयत्॥३॥३८ इंद्रं। वः। विश्वतः। परि॥ हवामहे। जनेभ्यः॥ अस्मा
कं। अस्तु। केवलः॥१ व्या॰ ततिरिंद्रम तिर दित्पकः॥६॥३८ इंद्रेण।
सम्। हि। दृक्षसे॥ संऽजग्मानः। अबिभ्युषा॥ मंदू इति। समान
॰वर्चसा॥१ अनवद्यैः। अभिद्युऽभिः। मखः। सहस्वत्। अर्चति ३३

ति। गणैः। इंद्रस्य। काम्यैः॥२ आत्। अह। स्वधां। अनु॥ पुनः।
। गर्भऽत्वं। एरिरे॥ दधानाः। नाम। यज्ञियं॥ इं
॰ इंद्रः। दधीचः। अस्थऽभिः॥ वृत्राणि। अप्रतिऽस्कुतः॥ ज
घान। नवतीः। नव॥१ इच्छन्। अश्वस्य। यत्। शिरः॥ पर्व
तेषु। अपऽश्रितं॥ तत्। विदत्। शर्यणाऽवति॥२ अत्र। अह
गोः। अमन्वत। नाम। त्वष्टुः। अपीच्यं॥ इत्था। चंद्रमसः।
गृहे॥३ वाचं। अष्टाऽपदीं। अहं॥ नवऽस्रक्ति
म्। ऋतऽस्पृशं॥ इंद्रात्। परि। तन्वं। ममे॥१ अनु॥

या। रोदसी इति। उभे इति॥ ऋघायमाणम्। इन्वतेताम्॥ इन्द्र।
यत्। दस्युऽहा। अभवः॥ २ उत्ऽतिष्ठन्। ओजसा। सह॥ पीत्वी
। शिप्रे इति। अवेपयः॥ सोमम्। इन्द्र। चमू इति। सुतम्॥ ३॥ ४२॥
भिन्धि। विश्वाः। अप। द्विषः। परि। बाधः। जहि। मृधः॥ वसु। स्पार्ह-
म्। तत्। आ। भर॥ १ यत्। वीळौ। इन्द्र। यत्। स्थिरे। यत्। प-
र्शाने। पराऽभृतम्॥ २ यस्य। ते। विश्वऽमानुषः। भूरेः। दत्तस्य।
वेदति॥ ३॥ ४३॥ प्र। सम्ऽराजम्। चर्षणीनाम्॥ इन्द्रम्।
स्तोत। नव्यम्। गीःऽभिः॥ नरम्। नृऽसहम्। मंहिष्ठम्॥ १ ३४

यस्मिन्। उक्थानि। रण्यन्ति॥ विश्वानि। च। श्रवस्या॥ अपाम्। अ-
वः। न। समुद्रे॥ २ तम्। सुऽस्तुत्या। आ। विवासे॥ ज्येष्ठऽराजम्। भ-
रे। कृत्नुम्॥ महः। वाजिनम्। सनिऽभ्यः॥ ३॥ ४४॥ अयम्। ऊं इति।
ते। सम्। अतसि॥ कपोतःऽइव। गर्भऽधिम्॥ वचः। तत्। चि-
त्। नः। ओहसे॥ १ स्तोत्रम्। राधानाम्। पते। गिर्वाहः। वीर।
यस्य। ते॥ विऽभूतिः। अस्तु। सूनृता॥ २ ऊर्ध्वः। तिष्ठ। नः। ऊत-
ये॥ अस्मिन्। वाजे। शतक्रतो इति शतऽक्रतो॥ सम्। अन्ये-
षु। ब्रवावहै॥ ३॥ ४५॥ प्रऽनेतारम्। वस्यः। अच्छ। कर्तारम्

ज्योतिः । सम् । अतंस्त ॥ ससह्वान् । सुधा । अप्रतिऽआनः ॥ १ सः । नः ।
पप्रिः । पारयाति ॥ स्वस्ति । नावा । पुरुऽहूतः ॥ इंद्रः । विश्वाः । अप्र
ति । द्विषः ॥ २ सः । त्वं । नः । इंद्र । वाजेभिः ॥ दशस्य । च । गातुऽय
च ॥ अच्छ । च । नः । सुम्नं । नेषि ॥ ३ ॥ ६ ॥ २९ ॥ तं । इंद्रं । वाजया
मसि ॥ महे । वृत्राय । हंतवे ॥ सः । वृषा । वृषभः । भुवत् ॥ १
इंद्रः । सः । दामने । कृतः ॥ ओजिष्ठः । सः । मदे । हितः ॥ द्युम्नी । श्लो
की । सः । सोम्यः ॥ २ गिरा । वज्रः । न । संऽभृतः ॥ सऽबलः । अन
पऽच्युतः ॥ ववक्षे । उग्रः । अस्तृतः ॥ ३ इंद्रं । इत् । गाथिनः ३५

बृहद्दायाहि सुश्रुमा हितौ ॥ ८ तुंजं दिव्यधर्मरुक्ष्य सिलकृतः ॥ ९ ॥ उदु
त्यं जातवेदसः ॥ १४ तरणिर्विश्वदर्शितो ॥ १८ विद्यामेषि रजस्पृ
क्षु तिचतुस्रः ॥ ३२ ॥ ७ ॥ अग्निं चा च वृ स्ता गिरः सिंचंतौ सावरुण
वः ॥ अग्निवृतसंन धेनवः ॥ १ ता अर्षति सुश्रिपः यचंतौ वर्चस्याप्रि
यः ॥ जातं जात्रीर्यथा हृदा ॥ २ वज्रोप वृष्ण्याध्व कार्षिर्मियमाणमा
वहा नः ॥ मह्यमा पुष्ट्रिं तं पयः ॥ ३ आयं गौः पृश्निरक्रमीत्सकृताः ॥ ४ ६
छ ॥ ४ ॥ यच्छ क्रार्वविमरहं नं तरिदंसि पापयथ । संदेवा अम
दन् वृषा ॥ १ यात्रो वावमधं पायोरुवा वो अद्ध हि ॥ महि॰

Dr. BHAU DAJI

ऽस्मान् दिदि॥ रत्नः। क्रो व च मंध्र स्तु हि॥ धर्म धर्म नि रा ज ति। विमंदन्
बृहि॥ स्वरम्॥ रत् वो दुस्म र्त्ताष्ट् तं वाया। निम्नु वी पुनि त्कृत॥
त्॥४२॥ कता न वं॥ ऽनु तु सी नाम्॥ उरः। गृणा ना मर्त्सः॥ नु हि नु
ऽ दस्य। मु हि मा नो ऽ डि यं॥ स्य। गृ णं तः। ऽपा नुष्टु॥१॥ क त। ऊर
तिं। स्तु वं तः। तत॰ यता दे वता॥ स र्षिः। कः। विप्रः। ईह ते॥ कु
दा। हवं। मघ॰ वन्। इंद्र। स्तुव्यतः॥ कता। ऊर तिं। स्तु वतः। ऽपा
।ज मुः॥२॥ ५०ऽ पु नि। प्रो वः। स्तु॰ रा धसं॥ मः। ज रित्र॰ स्यः।
म घ॰ वा। पुरु॰ वसुः॥ सह स्रेण॰ इव। शि क्षति॥१॥ शता
नीका। इव। प्र। जिगा ति। धृ ष्णु॰ या॥ हं ति। वृ त्राणि। दा शुषे॥ ३६

गिरः। इव। प्र। रसाः। अस्य। पिन्विरे॥ दत्राणि। पुरु॰ भोजसः॥ २
प्र। स्तुत। क्रतु। स्तु॰ राधसं॥ अर्च। शक्र। अभि ष्टये॥ यः। स्तु वते। स्तु
वते। काम्यं। वसु॥ सह स्रेण॰ इव। मंहते। २ शत॰ अनीकाः। हेतयः
अस्य। दुः॰ तरा॥ इंद्रस्य। सं॰ इषः। मही॥ गिरिः। न। भुज्मा। मघ॰ व
त॰ सु। पिन्वते॥ यत्। ईं। सुताः। अमंदिषुः॥४॥५१ यत्। ईं। सु॰
सुत॰ वंतः। ऽपा यं। न। इं द्रं॰ वर्हिषः॥ वि वित्रस्य। प्र॰ स्रवणे
ऽपु। वृत्र॰ हन्। पतिं। स्तो तारः। ऽपा सते॥ १ स्वरंति। या। सु ते। न
रः। वसो इति। निरेके। उक्थिनः॥ कदा। सु तं। तृषाणः। ओकः।

=प्रा।गृ मः॥ इंद्रं। स्वक्षी॰ इ वा।वं संग:॥२क्रु त्वेंत्नि:। धृक्तो। इति
।श्मा। हृषत॥ वाजं। दृषि। सुहृ स्निलं॥ चि रांज॰रूपं। मब्र॰वुरु
वि॰चुर्षेण्ये॥ ३न्त्व॥५२ कः। ई। वेद। स्तुते। सचा॥ पिबंतं। कतृ। वयः
दधे।=पूर्वं। यः। पुरः। वि॰ त्रिन र्त्रि। उ जसा॥ मं दान:। क्षिप्रा॥=प्रं
थस:॥१ दाना। मृगः। ना वारण:। पुरु॰त्रा। चरथं। दधे॥ न
कि:। चा॥ नि। यमत्। आ। स्तुते। गम:॥ मुहा ना। चर। ये। उ जसा।
२यः। उग्र:। सन्। =पनि॰ स्तुत:॥ स्थिर:। रणाय। संस्कृत:॥ यदि।
स्तोतु:। मघ॰वा। शृणवत्। हवं॥ न। इंद्र:। योषति। आ। गमत्॥

२७॥५२ विश्वा:। पृतना:। =अभि॰भूतरं। नरं। सु॰जू:। ततक्षु:।
इंद्रं। जजनुः। च। राजसे॥ क्रत्वा। वरिष्ठं। वरे। आमु॰रिं। उत। उ
ग्रं। ओजिष्ठं। तवसं। तरस्विनं॥१ सं। ई। रेभास:। =अस्वरन्॥ सू
:॰पतिं। यत्। ई। वृधे॥ धृत॰व्रत:। हि। ओजसा। सं। ऊतिभि:॥२
नेमिं। नमंति। चक्षसा॥ मेषं। विप्रा:। =अभि॰स्वरा॥ सु॰दीतय:
वः। =अद्रुहः॥ अपि। कर्णे। तरस्विनः। सं। ऋक्॰भि:॥३ न्त्व॥५४॥
तं। इंद्रं। जोहवीमि॥ मघ॰वानं। उग्रं। सत्रा। दधानं। =अप्रति
॰स्कुतं। शवांसि॥ मंहिष्ठ:। गी:॰भि:। =आ। च। यज्ञिय:। ववर्तत्।

सः । त्वं । नः । विश्वाः । स्तु॰पथाः । सलोत्तु । वज्री ॥ १ याः । इंद्र । भुजः । आ । अ
भरः । स्वः॰वान् । असुरेभ्यः ॥ स्तोतारं । इत् । मघ॰वन् । अस्य । व
र्धय ॥ ये । च । त्वे इति । वृक्त॰बर्हिषः ॥ २ यं । इंद्र । दधिषे । त्वं । अश्वं । गां
। भागं । अव्ययं ॥ यजमाने । सुन्वति । दक्षिणा॰वति ॥ तस्मिन्
न । तं । धेहि । मा । पणौ ॥ ३ इंद्रः । मदाय । ववृधे । शव
से । वृत्र॰हा । नृ॰भिः ॥ तं । इत् । महत्॰सु । आजिषु ॥ उत । ईं
अर्भे । हवामहे ॥ सः । वाजेषु । प्र । नः । अविषत् ॥ १ असि
हि । वीर । सेन्यः ॥ असि । भूरि । परा॰ददिः ॥ असि । दभ्रस्य ।
चित् । वृधः ॥ यजमानाय । शिक्षसि ॥ सुन्वते । भूरि । ते । वसु ॥ ३८

॥ २ यत् । उत्॰ईरते । आजयः । धृष्णवे । धीयते । धना ॥ युक्ष्व । म
द॰च्युता । हरी इति ॥ कं । हनः । कं । वसौ । दधः ॥ अस्मान् । इंद्र ।
वसौ । दधः ॥ ३ मदे॰मदे । हि । नः । ददिः । यूथा । गवां । ऋजु॰क्र
तुः । सं । गृभाय । पुरु । शता ॥ उभया॰हस्त्या । वसु ॥ शिशीहि ।
रायः । आ । भर ॥ ४ मादयस्व । सुते । सचा ॥ शवसे । शूर । राधसे ।
। पुरु॰वसुं ॥ उप । कामान् । ससृज्महे ॥ अथ । नः । अविता ।
भव ॥ ५ एते । ते । इंद्र । जंतवः ॥ विश्वं । पुष्यंति । वार्यं ॥ अंतः । हि
ख्यः । जनानां ॥ अर्यः । वेदः । अदाशुषां ॥ तेषां । नः । वेदः । आ ।

न्‌र॥५॥७॥५६॥ सुरूप०कृत्नुं। ऊतये॥ सुदुघांऽइव। गोऽदुहे॥
जुहूमसि। द्यवि०द्यवि॥ उप। नः। सवना। आ। गहि॥ सोमस्य।
सोम०पाः। पिब॥ गो०दाः। इत्। रेवतः। मदः॥ अथ। ते। अंत
मानां॥ विद्याम। सु०मतीनां॥ मा। नः। अति। ख्यः। आ। गहि॥ उ
क्थिं तमंन ऊतय इति सूक्त॥१०॥ कईं वेद सुते सचा॥ तु यं
घ्नंत्या सुतावंत इत्सूक्त॥१६॥७॥५७॥ अयं। तः। इंद्र। सूर्यं॥ वि
श्वा। इंद्र। इंद्रस्य। नु। दातृ॥ वसूनि। जाते। जनमाने। ओज
सा॥ प्रति। भागं। न। दीधिम॥ अनर्श०रातिं। वसु०दां॥
उप। स्तुहि। भद्राः। इंद्रस्य। रातयः॥ सः। अस्य। कामं। ३९

विधतः। न। रोषति॥ मनः। दानाय। चोदयन्॥ बट्। महान्। असि।
सूर्य॥ बट्। आदित्य। महान्। असि॥ महः। ते। सतः। महिमा। प
नस्यते॥ अद्धा। देव। महान्। असि॥ बट्। सूर्य। श्रवसा। महा
न्। असि॥ सत्रा। देव। महान्। असि॥ मह्ना। देवानां। असुर्यः। पु
रः०हितः॥ विऽभु। ज्योतिः। अदाभ्यं॥४॥७॥५८॥ उदु त्ये मधुमत्तमा गि
र इत्सूक्त॥२॥ उत। इंद्र। नु। अस्य। रिष्यते॥ अंगं। धनं। नाकि
ष्टुपः॥ यः। इंद्रं। हरि०वान्। न। दभंति। तं। रिपः। दक्षं। दधा
ति। सोमिनि॥१ मंत्रं। अखर्वं। सु०धितं। सु०पेशसं॥ दधात।

पत्नियेभ्युः। आ॥ सुवीः। वन। प्र॰सितयः। तरंति। तं॥ यः। इंद्रेण
कर्मणा। भुवत्॥ रा॰छा। परः एव। हि। असि। वीर॰युः॥ एव। सूर
उत। स्थिरः। एव। ते। राध्यं। मनः॥१॥ एव। रातिः। तुवि॰मघ। वि
श्वेभिः। धायि। धातृ॰भिः॥ अध। चित्। इंद्र। मे। सचा॥ रमो इति।
सु। ब्रह्मा॰इव। तं। ऊतुः॥ भुवः। वाजानां। पते॥ मत्स्व। सुतस्य। गो
॰मतः॥२॥ एव। हि। अस्य। सूनृता॥ विऽरप्शी। गो॰मती। म
ही॥ पक्वा। शाखा। न। दाशुषे॥४॥ एव। हि। ते। वि॰भूतयः॥ ऊ
तयः। इंद्र। मा॰वते॥ सद्यः। चित्। संति। दाशुषे॥५॥ काम्या। स्तो ४०

DR BHAU DAJI MEMORIAL

मः। उक्थं। च। शंस्या॥ इंद्राय। सोम॰पीतये॥६॥ इंद्र। ते। मदा। गृण
मसि॥ वृषणं। पृत॰सु। सस॰हिं॥ ऊं इति। लोक॰कृत्नुं। अद्रि॰वः॥
हरि॰श्रियं॥७॥ येन। ज्योतीषि। आयवे॥ मनवे। च। विवेदिथ॥
मंदानः। अस्य। बर्हिषः। वि। राजसि॥८॥ तत्। अद्य। चित्। ते।
उक्थिनः॥ अनु। स्तुवंति। पूर्व॰था॥ वृष॰पत्नीः। अपः। जय।
दिवे॰दिवे॥२॥ तं। ऊं इति। अभि। प्र। गायत॥ पुरु॰हूतं। पुरु
स्तुतं॥ इंद्रं। गीः॰भिः। तविषं। आ। विवासत॥ यस्य। द्वि॰बर्हसः।
बृहत्॥ सहः। दाधार। रोदसी इति॥४॥ गिरीन्। अज्रान्। रेपः

स्वः। नृ ऽपते। चुना॥ सः। राज सि। पुरु ऽस्तुत॥ एकः। वृत्राणि। जिघ्नसे॥
इंद्रं। जैत्रा। श्रवस्या। च। यंतवे॥६॥७॥ वयम्। उ। त्वा। तदित्। अर्थाः। इंद्र। मं ३२
मिदं पुरे त्यक्रतेः॥४ इंद्राय। साम। गायत॥ विप्राय। बृहते। बृहत्॥
। धर्म ऽकृते। विपः ऽचिते। पनस्यवे॥५ त्वं। इंद्र। अभि ऽभूः। असि।
। त्वं। सूर्यं। अरोचयः॥ विश्व ऽकर्मा॥ विश्व ऽदेवः। महान्। असि॥
वि ऽभ्राजन्। ज्योतिषा। स्वः। अगच्छः। रोचनं। दिवः॥ देवाः।
ते। इंद्र। सख्याय। येमिरे॥ १ तमवृत्तिप्रशपयतेतितिस्रः॥६
इ मा। नु। कं। भुवना। सीसधाम॥ इंद्रः। च। विश्वे। च। देवाः॥ य
ज्ञं। च। नः। तन्वं। च। प्र ऽजां। च। आदित्यैः। इंद्रः। सह। सीक्लृ ८
पाति॥१॥ आदित्यैः। इंद्रः। स ऽगणः। मरुत् ऽभिः॥ अस्माकं। भूतु। अ
विता। तनूनां॥ हत्वाय। देवाः। असुरान्। यत्। आयन्॥ देवाः। दे
व ऽत्वं। अभि ऽरक्षमाणाः॥ २ प्रत्यंचं। अर्कं। अनयन्। शचीभि
॥ आत्। इत्। स्वधां। इषिरां। परि। अपश्यन्॥ अया। वाजं। दे
व ऽहितं। सनेम॥ मदेम। शत ऽहिमाः। सु ऽवीराः॥ ३ विद्यत्ते॥
वसु। मत्थि। दाशुषे॥ ईशानः। अप्रति ऽस्कुतः। इंद्रः। अंग॥४
कदा। मर्तं। अराधसं। पदा। क्षुंपं। इव। स्फुरत्॥ कदा।
नः। शुश्रवत्। गिरः। इंद्रः। अंग॥ म यः। विता। हि। त्वा। बहु ऽभ्यः।

ऽपा॥ सुत॒ऽवान्। आ॒ऽविवा॑सति॥ उ॒ग्रं। तत्। पु॒न्यते। शाव॒ः। इंद्रः।
ऽअं॒ग॥६ यः। इंद्र॒। सोम॒ऽपातमः॥ मदः॥ शविष्ठ। चेतति॥ येन।
हंसि। नि। अ॒त्रिणं। तं। ई॒महे॥७ येन। दश॒ऽग्वं। अधि॒ऽगुं॥ वे
प॒यंतं। स्वः॒ऽनरं॥ येन। स॒मुद्रं। आवि॒थ। तं। ई॒महे॥८ ये
न॥ सिंधुं। म॒हीः। अ॒पः॥ रथान्ऽइव। प्र॒ऽचोदयः॥ पंथां। ऋ
तस्य। यातवे। तं। ई॒महे॥९॥६३॥ आ। पा। इंद्र। नः। गृध्यि। प्रिय॒ः॥
सत्रा॒ऽजित। अगो॑ह्यः॥ गिरिः। न। वि॒श्वतः। पृथुः। पतिः। दिवः॥
१ ऽवृ॒धि। हि। अ॒स्य। सोम॒ऽपाः॥ उ॒भे इति। व॒भ्रू॒। यद्। तदपीड़ ८२

तिं॥ इंद्रं। अप॒स्तिं। सु॒न्वतः। वृधः। पतिः। दिवः॥ रथं। हि। शश्वतं
तं॥ इंद्रः। द॒र्त्रा। पु॒रां। अ॒सि। हं॒ता। दस्योः। मनोः॥ २ ऽपा। इ
त्ऽऊं इति। मद्वः। म॒दिं॒ऽतरं॥ सिंच। वा। वा॒। अधर्योः इति। अंधसः॥
एव। हि। वीरः। स्तवते। स॒दाऽवृधः॥ ३ इंद्र। स्था॒तः। ह॒रीणां॥
न॒किः। ते। पू॒र्व्यऽस्तुतिं॥ उत्। आ॒नंश। श॒वसा। न। भ॒दना॥
४ तं। वः। वाजानां। पतिं। अहूमहि। श्रव॒स्यवः॥ अप्रा॒युऽभिः।
य॒ज्ञेभिः। व॒वृधेन्यं॥५॥१४॥ एतो इति। नु। इंद्रं। स्तवाम
सरवायः। स्तोम्यं। नरं॥ कृ॒ष्टीः। यः। विश्वाः। अ॒भि। अस्ति। ए

कः। इन्द्र॥१= प्रगोऽरूदत्तय। गोऽनृषे॥ घृता पोद स्यं वच
:॥ घृतात्। स्वादीयः। मधुनः। च। वोचत॥२ पस्यो= प्रमिता
नि। वीर्या॥ न। राधः। परिऽएतवे॥ ज्योतिः। न। विश्वं= रभि
= अस्ति। दक्षिणा॥३ स्तुहि। इन्द्रं। व्यश्वऽवत॥= अ
नूर्मिं। वाजिनं। यमं॥= अर्यः। गयं। मंहमानं। वि। दाशुषे॥
॥ एव। नूनं। उप। स्तुहि॥ वैयश्व। दशमं। नवं॥ सुऽविद्वां
सं। चर्कृत्यं। चरणीनां॥५ वेत्थ। हि। निःऽऋतीनां॥ वज्रऽ
हस्त। परिऽवृजं॥ अहःऽअहः। शुन्ध्युः। परिपदांऽइव॥ ४२

ऋ॥ अच्छा। दक्ष॥ पंचमोनुवाकः॥१०॥ वृनोति। हि। सुन्वन्। क्षयं। परी
णसः॥ सुन्वानः। हि। स्म। यजति। अव। द्विषः। देवानां। अव
द्विषः॥ सुन्वानः। इत्। सिसासति॥ सहस्रा। वाजी। अवृतः॥१
सुन्वानाय। इंद्रः। ददाति। आऽभुवं॥ रयिं। ददाति। आऽभुवं॥
मा। इत्। इति। भवः। मत्सत। अस्ति। तानि। पौंस्या॥ सना। भुव
न्। द्युम्नानि। मा। उत। जारिषुः। मत्सत। पुरा। उत। जाति
षु॥ यत्। वः। चित्रं। युगेऽयुगे॥ नव्यं। घोषात्। अमर्त्यं
= अस्मासु। तत्। मरुतः। यत्। च। दुस्तरं॥ दिद्युत। यत्।

चा।तु स्तारं॥२=अग्निं।होतारं।मन्यादास्वंतं॥वसुं।सूनुं।स
हसः।जात०वेदसं॥विप्रं।न।जात०वेदसं॥यः।ऊर्ध्वया।सु
०अध्वरः॥देवः।देवाच्या।कृपा॥घृतस्य।वि०भ्राष्टिं।अनु
।वष्टि।शोचिषा॥आ०जुह्वानस्य।सर्पिषः॥२यज्ञैः।सं०मि
श्लाः।पृषतीभिः।ऋष्टि०भिः॥यामन्।शुभ्राः।अंजिषु।प्रि
याः।उत॥आ०सद्य।बर्हिः।भरतस्य।सूनवः॥पोत्रात्।
आ।सोमं।पिबत।दिवः।नरः॥४ आ।वक्षि।देवान्।
इह।विप्र।यक्षि।च॥उशन्।होतः।नि।सद।योनिषु। ४४

त्रिषु॥प्रति।वीहि।प्र०स्थितं।सोम्यं।मधु॥पिब।आग्नी
ध्रात्।तव।भागस्य।तृप्णुहि॥एषः।स्यः।ते।तन्वः।नृम्ण
०वर्धनः॥सहः।ओजः।प्र०दिवि।बाह्वोः।हितः।तुभ्यं।
सुतः।मघ०वन्।तुभ्यं।आ०भृतः॥त्वं।अस्य।ब्राह्मणा
त्।आ।तृपत्।पिब॥६यं।ऊं इति।पूर्वं।अहुवे।तं।इ
दं।हुवे॥सः।इत्।ऊं इति।हव्यः।ददिः।यः।नाम।पत्य
ते॥अध्वर्यु०भिः।प्रस्थितं।सोमं।द्रविणः०दः।पिब।ऋ
तु०भिः॥७॥२॥१७॥सुरूपकृत्नुं ऊतये इति तिस्रः।इ

परां। इहि। विग्रं। अस्तृतं॥ इंद्रं। पृच्छ। विपःऽचितं॥ यः। ते।
सखिऽभ्यः। आ। वरं॥ ४ उत। ब्रुवंतु। नः। निदः॥ निः। अन्य
तः। चित्। आरत॥ दधानाः। इंद्रे। इत्। दुवः॥ ५ उत।
नः। सुऽभगान्। अरिः॥ वोचेयुः। दस्म। कृष्टयः॥ स्याम।
इत्। इंद्रस्य। शर्मणि॥ ६ आ। ईं। आशुं। आशवे। भ
र॥ यज्ञऽश्रियं। नृऽमादनं॥ पतयत्। मंदयत्ऽसखं॥
७ अस्य। पीत्वा। शतक्रतो इति शतऽक्रतो॥ घनः। वृत्राणां
अभवः॥ प्र। आवः। वाजेषु। वाजिनं॥ ८॥ तं। त्वा। वा
जेषु। वाजिनं॥ वाजयामः। शतक्रतो इति शतऽक्रतो॥ ४५

धनानां। इंद्र। सातये॥ ९ यः। रायः। अवनिः। महान्॥ सुऽपारः।
सुन्वतः। सखा॥ तस्मै। इंद्राय। गायत॥ १० आ। तु। आ। इत। नि। सी
दत॥ इंद्रं। अभि। प्र। गायत॥ सखायः। स्तोमऽवाहसः॥ ११ पुरुऽ
तमं। पुरूणां॥ ईशानं। वार्याणां॥ इंद्रं। सोमे। सचा। सुते॥ १२
॥ ६७॥ सः। घ। नः। योगे। आ। भुवत्॥ सः। राये। सः। पुरंऽध्यां॥
गमत्। वाजेभिः। आ। सः। नः॥ १ यस्य। संऽस्थे। न। वृण्वते॥
हरी इति। समत्ऽसु। शत्रवः॥ २ सुतऽपाव्ने। सुताः। इमे॥ शु
चयः। यंति। वीतये॥ सोमासः। दधिऽआशिरः॥ ३ त्वं। सुतस्य।

पीतये॥ सुघः। हृद्धः। अजा पृथ्वाः॥ इंद्र। ज्येष्ठां। म। स। क्रतो इति
स्वऽक्रतो॥४ आ। चा। विरांत्रा। आ। रावः। सोमासः। इंद्र। गिर्वणः।
रां। ते। संतु। प्रऽचेतसे॥ ५ चां। स्तोमाः। अवीरुधन्॥ चां। उक्था
। शत्ऽक्रतो इति शतऽक्रतो॥ चां। वर्द्धंतु। नः। गिरः॥ ६ अक्षितऽ
ऊतिः। सनेत्। इमं॥ वाजं। इंद्रः। सहस्रिणं॥ यस्मिन्। विश्वानि
पौंस्या॥ ७ मा। नः। मर्ताः। अभि। द्रुहन्॥ तनूनां। इंद्र। गिर्वणः।
ईशानः। यवय। वधं॥ ८ युजंति ब्रध्नमरुषमिति तिस्रः॥ ११ अ
दइत्यस्य धाम निति त्सेकौ॥ १२ छा उदूः॥ वीळु। विळु। आरुजत्नु ऽभिः॥ ४६

गुहां। चित्। इंद्र। वह्निऽभिः॥ अविंदः। उस्रियाः। अनु॥ १ देवऽ
यंतः। यथा। मतिं॥ अच्छ। विदत्ऽवसुं। गिरः॥ महां। अनूषत
श्रुतं॥ २ इंद्रेण। सं। हि। दृक्षसे इति दृक्षसे॥ ३ अतः। परिऽज्मन्। आ। गहि॥
दिवः। वा। रोचनात्। अधि॥ सं। अस्मिन्। ऋंजते। गिरः॥ ५ इतः।
वा। सातिं। ईमहे॥ दिवः। वा। पार्थिवात्। अधि॥ इंद्रं। महः। वा।
रजसः॥ ६ इंद्रमिद्गाथिनो बृहदिति तिस्रः॥ ८ इंद्र। वाजेषु।
नः। अव॥ सहस्रऽप्रधनेषु। च॥ उग्रः। उग्राभिः। ऊतिऽभिः॥ १२॥
इंद्रं। वयं। महाऽधने॥ इंद्रं। अर्भे। हवामहे॥ युजं। वृत्रेषु। वज्रिणं॥

तिं५

११॥ सः। नः। वृषन्। अमुं। चुरुं॥ सत्राऽदावन्। अप। वृधि॥ अस्मभ्यं
अप्रतिऽस्कुतः॥१२॥ तुंजेऽतुंजे। ये। उतऽतरे॥ स्तोमाः। इंद्रस्य। वज्रिणः॥
न। विंधे। अस्य। सुऽस्तुतिं॥१३॥ वृषा। यूथाऽइव। वंसगः॥ कृष्टीः। इ
यर्ति। ओजसा॥ ईशानः। अप्रतिऽस्कुतः॥१४ यः। एकः। चर्षणीनां॥ वसू
नां। इरज्यसि॥ इंद्रः। पंच। क्षितीनां॥१५ इंद्रं। वः। विश्वतः। परि। ह्येकां॥१६
आ। इंद्र। सानसिं। रयिं॥ सऽजित्वानं। सदाऽसहं॥ वर्षिष्ठं। ऊतये। भर
७॥ नि। येन। मुष्टिऽहत्यया॥ नि। वृत्रा। रुणधामहे॥ त्वाऽऊतासः। नि।
अर्वता॥१८॥ इंद्र। त्वाऽऊतासः। आ। वयं॥ वज्रं। घना। ददीमहि॥ जये
म। सं। युधि। स्पृधः॥१९ वयं। शूरेभिः। अस्तृऽभिः॥ इंद्र। त्वया। युजा।

५

वयं॥ ससह्याम। पृतन्यतः॥२०॥ छ॥७०॥ महान्। इंद्रः। परः। च। नु
॥ महिऽत्वं। अस्तु। वज्रिणे॥ द्यौः। न। प्रथिना। शवः॥१॥ सऽमोहे
वा। ये। आशत॥ नरः। तोकस्य। सनितौ॥ विप्रासः। वा। धियाऽयवः॥
२॥ यः। कुक्षिः। सोमऽपातमः॥ समुद्रःऽइव। पिन्वते॥ उर्वीः। आप
ः। न। काकुदः॥३ एवा। हि। अस्य। सूनृ तेतिति स्वः॥ ६ इंद्र। आ। इ
हि। मत्सि। अंधसः॥ विश्वेभिः। सोमपर्वऽभिः॥ महान्। अभिष्टिः। ओ
जसा॥७ आ। ईं। एनं। सृजत। सुते॥ मंदिं। इंद्राय। मंदिने॥ चक्रिं।
विश्वानि। चक्रये॥८॥ मत्स्व। सुऽशिप्र। मंदिऽभिः॥ स्तोमेभिः। विश्वऽच
र्षणे॥ सचा। एषु। सवनेषु। आ॥९ असृग्रं। इंद्र। ते। गिरः॥ प्रति

वां। उत। प्रऽशस्तत॥ अजोषाः। वृषभं। पतिं॥१०॥ सं। चोदय। चित्रं।
अर्वाक्॥ राधः। इंद्र। वरेण्यं॥ असत्। इत्। ते। विऽभु। प्रऽभु॥११॥ अ-
स्मान्। सु। तत्रं। चोदय॥ इंद्र। राये। रभस्वतः॥ तुविऽद्युम्न।
यशस्वतः॥१२॥ सं। गोऽमत्। इंद्र। वाजऽवत्॥ अस्मे इति। पृथु। श्र-
वः। बृहत्॥ विश्वऽआयुः। धेहि। अक्षितं॥१३॥ अस्मे इति। धेहि। श्र-
वः। बृहत्॥ द्युम्नं। सहस्रऽसातमं॥ इंद्र। ताः। रथिनीः। इषः॥१४॥
वसोः। इंद्रं। वसुऽपतिं॥ गीःऽभिः। गृणंतः। ऋग्मियं॥ होम। गंता-
रं। ऊतये॥१५॥ सुतेऽसुते। निऽओकसे॥ बृहत्। बृहते। आ। इत्। अरि-
ः। इंद्राय। शूषं। अर्चति॥१६॥१८॥२४ छो नुवाकः॥ विश्वेषु। हि। त्वा। स-

वनेषु। तुंजते॥ समानं। एकं। वृषऽमन्यवः। पृथक्॥ स्वरिति स्वः।
सनिष्यवः। पृथक्। तं। त्वा। नावं। न। पर्षणिं॥ शूषस्य। धुरि। धीमहि॥ इं-
द्रं। न। यज्ञैः। चितयंतः। आयवः॥ स्तोमेभिः। इंद्रं। आयवः॥१॥ विऽत्वा। ततस्रे। मि-
थुना। अवस्यवः॥ व्रजस्य। साता। गव्यस्य। निःऽसृजः॥ सक्षंतः। इंद्र। निः-
ऽसृजः॥ यत्। गव्यंता। द्वा। जना॥ स्वः। यंता। संऽऊहसि॥ आविः। करिक्रत्।
वृषणं। सचाऽभुवं॥ वज्रं। इंद्र। सचाऽभुवं॥ उत। इति। नु। अस्य॥
उषसः। जुषेत। हि॥ अभिऽक्षस्य। बोधि। हविषः। हवीमऽभिः। स्वःऽसाता।
हवीमऽभिः॥ यत्। इंद्र। हंतवे। मृधः॥ वृषा। वज्रिन्। चिकेतति॥ अ- सिर
स्य। अस्य। वेधसः। नवीयसः॥ मन्म। श्रुधि। नवीयसः॥३७॥
तुभ्यं। इत्। इमा। भुवना। शूर। विश्वा॥ तुभ्यं। ब्रह्माणि। वर्धना। कृ-

लो मि॥ चं। न०त्रिः। हव्यं। विश्वथा। अस्ति॥ ४ नु। चित्। नु। ते। मन्यमानस्य। द
स्मा॥ उत्। अनु। वंति। महिमानं। उग्र॥ न। वीर्यं। इंद्र। ते। न। राधः। प्रवः। म
हे। महि०वृधे। भरध्वं। प्र०चेतसे। प्र। सु०मतिं। कृणुध्वं॥ विशः। पूर्वीः। प्र।
चर। चर्षणि०प्राः॥ ५ यदा। वज्रं। हिरण्यं। इत्। अथ। रथं॥ हरी इति। यं।
अस्य। वहतः। वि। सूरि०भिः॥ आ। तिष्ठति। मघ०वा। सनंश्रुतः। इंद्रः। वा
जस्य। दीर्घ०श्रवसः। पतिः॥ ६ सो इति। चित्। नु। वृष्टिः। यूथ्या। स्वा। स
चां॥ इंद्रः। श्मश्रूणि। हरिता। अभि। प्रुष्णुते॥ अव। वेति। सु०क्षयं। सु
ते। मधु॥ उत्। इत्। धूनोति। वातः। यथा। वना॥ ७ यः। वाचा। वि०वाचः।
मृध्र०वाचः॥ पुरु। सहस्रा। अशिवा। जघान॥ तत्०तत्। इत्। अस्य। पौंस्यं।
गृणीमसि॥ पिता०इव। यः। तविषीं। ववृधे। शवः॥ ८ त्वं। रथ। चित्। अनाशस्तः।

इव। समसि॥ त्वं। सत्य॥ गोषु। अश्वेषु। शुभ्रिषु॥ सहस्रेषु। तुवि०मघ॥ ९॥
शिप्रिन्। वाजानां। पते॥ शची०वः। तव। दंसना॥ १ नि। स्वापय। मिथु०दृशा॥
सस्तां। अबुध्यमाने इति॥ २ सस। संतु। त्याः। अरातयः॥ बोधंतु। शूर। रातयः॥
४॥ सं। इंद्र। गर्दभं। मृण॥ नुवंतं। पापया। अमुया॥ पतताति। कुंडृणाच्या।
दूरं। वातः। वनात्। अधि॥ सर्वं। परि०क्रोशं। जहि। जंभय। कृकदाश्वं॥
७॥ ७४ विचातत सुइत्यवो॥ १ विदुः। ते। अस्य। वीर्यस्य। पूरवः॥ पुरः।
यत्। इंद्र। शारदीः। अव०अतिरः॥ सस०हानः। अव०अतिरः॥ शासः।
तं। इंद्र। मर्त्यं। अयज्युं। शवसः। पते॥ २ महीं। अमुष्णाः। पृथिवीं। इ
माः। अपः। मंदसानः। इमाः। अपः॥ ३ आ। ता। इत्। नु। ते। अस्य। वीर्यस्य। चक्रि

रन् । मदेषु । वृषन् । उत् । ऋजसे ॥ यत्र । आविथ ॥ सखि॰यतः । यत्र । आविथ ॥
चकर्थ । कारं । एभ्यः ॥ पृतनासु । प्र॰वंतवे ॥ ते । अन्यां॰अन्यां । नद्यं । सनिष्ण
त ॥ श्रवस्यंतः । सनिष्णत ॥ ३ ॥ ३ ॥ ७ ॥ ५ ॥ वने । न । वा । यः । नि । अधायि । चाकन् ।
शुचिः । वां । स्तोमः । भुरणौ । अजीगरिति ॥ यस्य । इत् । इंद्रः । पुरु॰दिनेषु । होता
नृणां । नर्यः । नृ॰तमः । क्षपा॰वान् ॥ १ ॥ प्र । ते । अस्याः । उषसः । प्र । अपरस्याः ॥ नृ
तौ । स्याम । नृ॰तमस्य । नृणां ॥ अनु । त्रि॰शोकः । शतं । आ । अवहत् । नॄन् ॥
कुत्सेन । रथः । यः । असत् । ससु॰वान् ॥ कः । ते । मदः । इंद्र । रंत्यः । भूत् ॥
दुरः । गिरः । अभि । उग्रः । वि । धाव ॥ कत् । वाहः । अर्वाक् । उप । मा । मनीषा ॥
आ । त्वा । शक्यां । उप॰मं । राधः । अन्नैः ॥ ३ ॥ कत् । ऊं इति । द्युम्नं । इंद्र । त्वा॰वतः ।
नॄन् ॥ कया । धिया । करसे । कत् । नः । आ । अगन् ॥ मित्रः । न । सत्यः । उरु॰गाय ।
भृत्यै । अन्ने । समस्य । यत् । असन् । मनीषाः ॥ ४ ॥ प्र । ईरय । सूरः । अर्थं । न । पारं ।
ये । अस्य । कामं । जनिधाःइव । ग्मन् ॥ गिरः । च । ये । ते । तुवि॰जात । पूर्वीः ॥ न
रः । इंद्र । प्रति॰शिक्षंति । अन्नैः ॥ ५ मात्रे इति । नु । ते । सुमिते इति सु॰मिते । इंद्र ।
पूर्वी इति ॥ द्यौः । मज्मना । पृथिवी । काव्येन ॥ वराय । ते । घृत॰वंतः । सुतासः । स्वा
द्मन् । भवंतु । पीतये । मधूनि ॥ ६ आ । मध्वः । अस्मै । असिचन् । अमत्रं ॥ इंद्रा
य । पूर्णं । सः । हि । सत्य॰राधाः ॥ सः । ववृधे । वरिमन् । आ । पृथिव्याः ॥ अभि । क्रत्वा ।
नर्यः । पौंस्यैः । च ॥ ७ वि । आनट् । इंद्रः । पृतनाः । सु॰ओजाः ॥ आ । अस्मै । यतंते ।
सख्याय । पूर्वीः ॥ आ । स्म । रथं । न । पृतनासु । तिष्ठ ॥ यं । भद्रया । सु॰
मत्या । चोदयासि । ८ ॥ २६ ॥ आ । सत्यः । यातु । मघ॰वान् । ऋजीषी ॥ द्रवं
तु । अस्य । हरयः । उप । नः ॥ तस्मै । इत् । अंधः । सुसुम । सु॰दक्षं ॥

५०

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
डा० भाऊ दाजी स्मारक

इंद्र। अभि॰पि॰चो। वरतो। गृणानः॥ अवंस्य। शूर। अप्र॰दाने। न। अंतः॥ अस्मि
न्। नः। अघ। सवने। मंदध्यै॥ शंसाति। उक्थं। उशना। इव। वेधाः॥ चिकितुषे।
असुर्याय। मन्म॥४ कविः। न। निण्यं। विदथानि। साधन्। वृषा। यत्। सेकं। वि॰
पिपानः। अर्चात्॥ दिवः। इत्था। जीजनत्। सप्त। कारून्॥ अह्ना। चित्। चक्रुः। व
युनाः। गृणंतः॥६ स्वः। यत्। वेदि। सु॰दृशीकं। अर्कैः॥ महि। ज्योतिः। रुरुचुः। य
त्। ह। वस्तोः॥ अंधा। तमांसि। दुधिता। वि॰चक्षे॥ नृ॰भ्यः। चकार। नृ॰तमः।
अभिष्टौ॥७ ववक्षे। इंद्रः। अमितं। ऋजीषी॥ उभे इति। आ। पप्रौ। रोदसी इति
महि॰त्वा। अतः। चित्। अस्य। महिमा। वि। रेचि॥ अभि। यः। विश्वा। भुवना।
बभूव॥८ विश्वानि। शक्रः। नर्याणि। विद्वान्॥ अपः। रिरेच। सखि॰भिः। नि॰
कामैः॥ अश्मानं। चित्। ये। बिभिदुः। वचः॰भिः॥ व्रजं। गो॰मंतं। उशिजः। वि
वव्रुः॥९ अपः। वृत्रं। वव्रि॰वांसं। परा। अहन्॥ प्र। आवत्। ते। व ५१

ॐ। पृथिवी। स॰चेताः। प्र। अर्णांसि। समुद्रियाणि। ऐनोः। पतिः। भवन्। शव
सा। शूर। धृष्णो इति॥१ अपः। यत्। अद्रिं। पुरु॰हूत। दर्दः॥ आविः। भुवत्।
सरमा। पूर्व्यं। ते॥ सः। नः। नेता। वाजं। आ। दर्षि। भूरिं॥ गोत्रा। रुजन्। अं
गिरः॰भिः। गृणानः॥८॥३०॥ तत्। वः। गाय। सुते। सचा॥ पुरु॰हू
ताय। सत्वने॥ शं। यत्। गवे। न। शाकिने॥१ न। घ। वसुः। नि। यमते
। दानं। वाजस्य। गो॰मतः॥ यत्। सीं। उप। श्रवत्। गिरः॥२ कुवि
त्॰सस्य। प्र। हि। व्रजं॥ गो॰मंतं। दस्यु॰हा। गमत्॥ शचीभिः।
अप। नः। वरत्॥३॥३१॥ इंद्र। क्रतुं। नः। आ। भर॥ पिता। पुत्रेभ्यः।
यथा॥ शिक्ष। नः। अस्मिन्। पुरु॰हूत। यामनि॥ जीवाः। ज्योतिः।

अशीमहि॥ २॥ मा। नः। अज्ञाताः। वृजनाः। दुः०आध्यः॥ मा। अशिवासः। अव। क्रमुः॥ त्वया। वयं। प्र०वतः। शश्वतीः। अपः। अति। शूर। तरामसि॥ ३॥ ३।७९ इंद्र। ज्येष्ठं। नः। आ। भर। ओजिष्ठं। पपुरि। श्रवः॥ येन। इमे इति। चित्र। वज्र०हस्त। रोदसी इति। आ। उभे इति। सु०शिप्र। प्राः॥ १ त्वां। उग्रं। अवसे। चर्षणि०सहं। राजन्। देवेषु। हूमहे॥ विश्वा। सु। नः। विथुरा। पिब्दना। वसो इति॥ अमित्रान्। सु०सहान्। कृधि॥ २।८०॥ यत्। द्यावः। इंद्र। ते। शतं॥ शतं। भूमीः। उत। स्युः। इति। स्युः॥ न। त्वा। वज्रिन्। सहस्रं। सूर्याः। अनु॥ न। जातं। अष्ट। रोदसी इति॥ १ आ। पप्राथ। महिना। वृष्ण्या। वृषन्॥ विश्वा। शविष्ठ। शवसा॥ अस्मान्। अव। मघ०वन्। गो०मति। व्रजे॥ वज्रिन्। चित्राभिः। ऊति०भिः॥ २।८१। यदिंद्र।

यावतः। च॥ एतावत्। अहं। ईशीय॥ स्तोतारं। इत्। दिधिषेय। रदवसो इति रद०वसो॥ न। पाप०त्वाय। रासीय॥ १ शिक्षेयं। इत्। महयते। दिवे०दिवे॥ रायः। आ। कुहचित्०विदे॥ नहि। त्वत्। अन्यत्। मघ०वन्। नः। आप्यं। वस्यः। अस्ति। पिता। च। न॥ २।८२॥ इंद्र। त्रि०धातु। शरणं॥ त्रि०वरूथं। स्वस्ति०मत्॥ छर्दिः। यच्छ। मघवत्०भ्यः। च। मह्यं। च॥ यवय। दिद्युं। एभ्यः॥ १ ये। गव्यता। मनसा। शत्रुं। आ०दभुः॥ अभि०प्रघ्नंति। धृष्णु०या॥ अध। स्म। नः। मघ०वन्। इंद्र। गिर्वणः॥ तनू०पाः। अंतमः। भव॥ २।८३॥ इंद्र। आ। याहि। चित्रभानो इति चित्र०भानो॥ सुताः। इमे। त्वा०यवः॥ अण्वी

भिः। तना। पूतासः॥ १ धिया। इषितः॥ विप्र०जूतः। सुत०वतः॥
उप। ब्रह्माणि। वाघतः॥ तूतुजानः। उप। ब्रह्माणि। हरि०वः॥ सु
ते। दधिष्व। नः। चनः॥ [illegible] ४ मा। चित्। अन्यत्। वि। शंसत॥
सखायः। मा। रिषण्यत॥ इंद्रं। इत्। स्तोत। वृषणं। सचा। सुते
मुहुः। उक्था। च। शंसत॥ १ अव०क्रक्षिणं। वृषभं। यथा। अजुरं
गां। न। चर्षणि०सहं॥ वि०द्वेषणं। सं०वननो। उभयं०करं॥ मं
हिष्ठं। उभयाविनं॥ त्वा। जनाः। इमे॥ नाना। हवंते। ऊतये॥
अस्माकं। ब्रह्म। इदं। इंद्र। भूतु। ते॥ अहा। विश्वा। च। वर्धनं॥
३ वि। तर्तूर्यंते। मघ०वन्। विपः०चितः॥ अर्यः। विपः। जनानां॥

उप। क्रमस्व। पुरु०रूपं। आ। भर॥ वाजं। नेदिष्ठं। ऊतये॥ ४
[illegible]। ८५ ब्रह्मणा। ते। ब्रह्म०युजा। युनज्मि॥ हरी इति। सखाया। सध
०मादे। आशू इति॥ स्थिरं। रथं। सु०खं। इंद्र। अधि०तिष्ठन्॥
प्र०जानन्। विद्वान्। उप। याहि। सोमं॥ १ [illegible]। ८६ [illegible]
अरुणं। दुग्धां। अंशुं॥ ऊहांतेन। वृषभाय। क्षितीनां॥ गोः। यात
वेदीयान्। अप०वर्ण। नां। इंद्रः॥ विश्वाहा। यातु। सुत०सोमं। इ ३८
च्छन्॥ १ यत्। दधिषे। प्र०दिवि। चारु। अन्नं। दिवे०दिवे। पीति
इत्। अस्य। वक्षि॥ उत। हृदा। उत। मनसा। जुषाणः॥ उशन्
इंद्र। प्र०स्थितान्। पाहि। सोमान्॥ २ जज्ञानः। सोमं। सहसे

प्रऽपाथ॥ प्र। ते। माता। महिमानं। उवाच॥ अत्र। इंद्र। प्रऽपाथ। उरु।
अंतरिक्षं॥ मुधा। देवेभ्यः। वरिवः। चकर्थ॥ इत्। पुरा। पोधपाः।
महतः। मन्यमानान्॥ साहोमाताने। आकु०त्रिः। शश्वदान
॥ पत। वा। न०षि। वृतः। इंद्र। अभि०मुख्याः॥ तो। चपा। अत्र जिंसो
श्रवसः। जयेम॥४ प्र। इंद्रस्य। वोचं। प्रथमा। कृतानि॥ प्र। नूतना।
मघ०वा। या। चकार॥ यदा। इत्। अदेवीः। असहिष्ट। मायाः।
अथ। अभवत्। केवलः। सोमः। अस्य॥५ तव। इदं। विश्वं। अभि।
तः। पशव्यं॥ यत्। पश्यसि। चक्षसा। सूर्यस्य॥ गवां। असि।
गो०पतिः। एकः। इंद्र॥ भक्षीमहि। ते। प्र०यतस्य। वस्वः॥६
बृहस्पतेः। बृहस्पतिः॥ यः। तस्तंभ। सह

सा। वि। ज्मः। अंतान्॥ बृहस्पतिः। त्रि०सधस्थः। रवेण॥ तं। प्रत्नासः। ऋ
षयः। दीध्यानाः॥ पुरः। विप्राः। दधिरे। मंद्र०जिह्वं॥१ धुन०इतयः। सु०प्र
केतं। मदंतः॥ बृहस्पते। अभि। ये। नः। ततस्रे॥ पृषंतं। सृप्रं। अदब्धं।
ऊर्वं॥ बृहस्पते। रक्षतात्। अस्य। योनिं॥२ बृहस्पते। या। परमा। परा०
वत्॥ अतः। आ। ते। ऋत०स्पृशः। नि। सेदुः॥ तुभ्यं। खाताः। अवताः।
अद्रि०दुग्धाः॥ मध्वः। श्चोतंति। अभितः। वि०रप्शं॥३ बृहस्पतिः। प्र
थमं। जायमानः॥ महः। ज्योतिषः। परमे। वि०ओमन्॥ सप्त०आस्यः।
तुवि०जातः। रवेण॥ वि। सप्त०रश्मिः। अधमत्। तमांसि॥४ सः। सु
स्तुभा। सः। ऋक्वता। गणेन॥ वलं। रुरोज। फलि०गं। रवेण॥ बृहस्प
तिः। उस्रियाः। हव्य०सूदः॥ कनिक्रदत्। वावशतीः। उत्। आजत्॥

एव। पित्रे। विश्वऽदेवाय। वृष्णे। यज्ञैः। विधेम। नमसा। हविःऽभिः।
बृहस्पते। सुऽप्रजाः। वीरऽवन्तः। वयं। स्याम। पतयः। रयीणां॥६॥ स इत्
=परस्ताद् इव। सु। अन्तरं। गा यं। =अस्मे। नृषन्। इव। प्रा। तरा। स्तो
मौ। =अस्मै॥ वाचा। विप्राः। तरत। वाचं। =अर्यः। नि। रमय। जरितः। रितो
यामे। इन्द्र। ते हे न। गां। उपा। शिक्ष। सखा। यं। प्र। बोधया। जरित
आरं। इन्द्रे। क्रोशीन। मुएं। वसना। निः। श्रेष्ठं। =आ। वयो। मघऽदेयो
सूरे॥२ कि। =अंगा। या। मघऽवन्। जोजं। =आहुः। शिशीहि। नो। शिशाय
। वा। सूलो पि॥ =अप्रतिष्ठा। ममा। धीः। अस्तु। शक्र। वसुऽविदं
वर्गी। इन्द्र। =आ। नरा। नः॥३ यां। जनाः। मम। सत्येषु। इन्द्र। सं
तस्थानाः। वि। ह्वयन्ते। सं॰इन्द्र॥ =अत्र। युजं। कृणुते। यः। हवि

MEMORIAL

५४

मान्॥ न। =असुन्वता। सख्यं। वष्टि। शूरः॥४ धनं। न। स्पन्द्रं। बहुलं।
यः। =अस्मै। तीव्रान्। सोमान्। =आऽसुनोति। प्रयस्वान्। तस्मै। शत्रू
न्। सुऽतुकान्। प्रातः। =अह्नः। नि। सु॰=अष्ट्रान्। युवति। हन्ति। वृ
त्रं॥ ५। यस्मिन्। वयं। दधिम। शंसं। इन्द्रे। यः। शिश्राय। मघऽवा।
कामं। =अस्मे इति॥ =आरात्। चित्। सन्। भयतां। =अस्य। शत्रुः। नि।
=अस्मै। द्युम्ना। जन्या। नमन्तां॥६ =आरात्। शत्रुं। =अप। बाधस्व। दूरं।
उग्रः। यः। शंबः। पुरु॰हूत। तेन। =अस्मे इति। धेहि। यव॰मत्। गो॰
मत्। इन्द्र॥ कृधि। धियं। जरित्रे। वाज॰रत्नां॥७ प्र। यं। =अन्तः। वृ
ष॰सवासः। =अग्मन्। तीव्राः। सोमाः। बहुलऽअन्ताः। इन्द्रं।

नः। अप्रहा। द्रामा नौ मघ्वं वा। नि। यंसत्॥ नि। स्रुचते। वहति। भूरि। वामं। ः
उत। प्रहां। अतिऽदीव्ना॥१०॥ बृहस्पतिर्नः परि पातु पश्चात्॥११॥ ॥ ८८ ॥ यः। अद्रि
ऽभित्। प्रथमऽजाः। ऋतऽवा। बृहस्पतिः। आङ्गिरसः। हविष्मान्॥ द्विब
र्हऽज्मा। प्राघर्मऽसत्। पिता। नः। आ। रोदसी इति। वृषभः। रोरवीति॥
जनाय। चित्। यः। ईवते। ऊं इति। लोकं॥ बृहस्पतिः। देवऽहूतौ। चकार।
घ्नन्। वृत्राणि। वि। पुरः। दर्दरीति॥ जयन्। शत्रून्। अमित्रान्। पृत्ऽसु।
सहन्॥ बृहस्पतिः। सं। अजयत्। वसूनि॥ महः। व्रजान्। गोऽमतः।
देवः। एषः॥ अपः। सिसासन्। स्वः। अप्रतिऽइतः। बृहस्पतिः। हंति।
अमित्रं। अर्कैः॥३॥२०॥ यत्समोनुवाकः॥ इमां। धियं। सप्तऽशीर्ष्णीं। पिता। ५६

नः॥ ऋतऽप्रजातां। बृहतीं। अविंदत्॥ तुरीयं। स्वित्। जनयत्। विश्व
ऽजन्यः॥ अयास्यः। उक्थं। इंद्राय। शंसन्॥१॥ ऋतं। शंसंतः। ऋजु। दीध्यानाः॥ :२
दिवः। पुत्रासः। असुरस्य। वीराः॥ विप्रं। पदं। अंगिरसः। दधानाः॥ य
ज्ञस्य। धाम। प्रथमं। मनंत॥२॥ हंसैःऽइव। सखिऽभिः। वावदत्ऽभिः॥
अश्मन्ऽमयानि। नहना। विऽअस्यन्॥ बृहस्पतिः। अभिऽकनिक्रदत्।
गाः॥ उत। प्र। अस्तौत्। उत्। च। विद्वान्। अगायत्॥३॥ अवः। द्वाभ्यां। परः। ए
कया। गाः॥ गुहा। तिष्ठंतीः। अनृतस्य। सेतौ॥ बृहस्पतिः। तमसि। ज्योतिः।
इच्छन्॥ उत्। उस्राः। आ। अकः। वि। हि। तिस्रः। आवरित्यावः॥४॥ विऽभिद्य।
पुरं। शयथा। ईं। अपाचीं॥ निः। त्रीणि। साकं। उदऽधेः। अकृंतत्॥ बृह
स्पतिः। उषसं। सूर्यं। गां॥ अर्कं। विवेद। स्तनयन्ऽइव। द्यौः॥ इंद्रः।

वलं। रक्षितारं। दुघानां॥ करेण॰इव। वि। चकर्त। रवेण॥ स्वेदांजि॰
भिः। आ॰शिरं। इच्छमानः॥ अरोदयत्। पणिं। आ। गाः। अमुष्णात्॥६
सः। ईं। सत्येभिः। सखि॰भिः। शुचत्॰भिः। गो॰धायसं। वि। धन॰सैः। अ
दर्दरित्यदर्दः॥ ब्रह्मणः। पतिः। वृष॰भिः। वराहैः॥ घर्म॰स्वेदेभिः। द्रविणं। ना ५
वि। आनट्॥७ ते। सत्येन। मनसा। गो॰पतिं। गाः॥ इयानासः। इषणयन्त।
धीभिः॥ बृहस्पतिः। मिथः॰अवद्यपेभिः॥ उत्। उस्रियाः। असृजत।
स्वयुक्॰भिः॥८ तं। वर्धयंतः। मति॰भिः। शिवाभिः॥ सिंहं॰इव। नानद ५१
तं। सध॰स्थे॥ बृहस्पतिं। वृषणं। शूर॰सातौ॥ भरे॰भरे। अनु। म
देम। जिष्णुं॥९ यदा। वाजं। असनत्। विश्व॰रूपं॥ आ। द्यां। अरु
क्षत्। उत्॰तराणि। सद्म॥ बृहस्पतिं। वृषणं। वर्धयंतः॥ नाना। सं
तः। बिभ्रतः। ज्योतिः। आसा॥१०॥ सत्यां। आ॰शिषं। कृणुत। वयः॰धै॥

कीरिं। चित्। हि। अवथ। स्वेभिः। एवैः॥ पश्चा। मृधः। अप। भवन्तु। विश्वाः।
तत्। रोदसी इति। शृणुतं। विश्वमिन्वे इति विश्वं॰इन्वे॥११ इंद्रः। मह्ना।
महतः। अर्णवस्य॥ वि। मूर्धानं। अभिनत्। अर्बुदस्य॥ अहन्। अहिं। अ गजु॰
रिणात्। सप्त। सिंधून्॥ देवैः। द्यावापृथिवी इति। प्र। अवतं। नः॥१२॥२० तं ४
२१॥ अत्रि प्रगोपतिं गिरेति तिस्रः॥ ३ह्रौ॥ रपा। उत्। यत्। ब्रध्नस्य। वि
ष्टपं। गृहं। इंद्रः। च। गन्वहि॥ मध्वः। पीत्वा। सचेवहि॥ त्रिः। सप्त। सख्युः। प
दे॥७ अर्चत। प्र। अर्चत॥ प्रिय॰मेधासः। अर्चत॥ अर्चंतु। पुत्रकाः। उ
त॥ पुरं। न। धृष्णु। अर्चत॥८ अव। स्वराति। गर्गरः॥ गोधा। परि। सनि
ष्वणत्॥ पिंगा। परि। चनिस्कदत्॥ इंद्राय। ब्रह्म। उत्॰यतं॥९ आ। य
त्। पतंति। एन्यः॥ सु॰दुघाः। अनप॰स्फुरः॥ अप॰स्फुरं। गृभायत॥

सोमं। इंद्राय। पातवे॥४ अपात्। इंद्रः। अपात्। अग्निः॥ विश्वे। देवाः। अमत्स
त॥ वरुणः। इत्। इह। क्षयत्॥ तं। आपः। अभि। अनूषत॥ वत्सं। संऽशि
श्वरीःऽइव॥५ सुऽदेवः। असि। वरुण॥ यस्य। ते। सप्त। सिंधवः॥ अनुऽ
क्षरंति। ककुदं॥ सूर्म्यं। सुषिरांऽइव॥६ यः। विऽअतीन्। अफाणयत्॥ सुऽ
युक्तान्। उप। दाशुषे॥ तक्वः। नेता। तत्। इत्। वपुः॥ उपऽमा। यः। अमुच्यत॥
अति। इत्। ऊं इति। शक्रः। ओहते॥ इंद्रः। विश्वाः। अति। द्विषः॥ भिनत्। कनी ५८
नः। ओदनं॥ पच्यमानं। परः। गिरा॥८ अर्भकः। न। कुमारकः। अधि।
तिष्ठन्। नवं। रथं॥ सः। पक्षत्। महिषं। मृगं॥ पित्रे। मात्रे। विभुऽक्रतुं॥९
आ। तु। सुऽशिप्र। दंऽपते॥ रथं। तिष्ठ। हिरण्ययं॥ अध। द्युक्षं। सचेवहि॥
सहस्रऽपादं। अरुषं॥ स्वस्तिऽगां। अनेहसं॥१० तं। घ। ईं। इत्था। नमस्विनः॥
उप। स्वऽराजं। आसते॥ अर्थं। चित्। अस्य। सुऽधितं॥ यत्। एतवे॥ आऽ

ई।उ।जर

ग। ज। ज०

वर्तयंति। दावने॥११ अनु। प्रत्नस्य। ओकसः॥ प्रियऽमेधासः। एषां॥ पूर्वां। अनु।
प्रऽयतिं। वृक्तऽबर्हिषः॥ हितऽप्रयसः। आशत॥१२ यः। राजा। चर्षणीनां॥ या
ता। रथेभिः। अध्रिऽगुः॥ विश्वासां। तरुता। पृतनानां॥ ज्येष्ठः। यः। वृत्रऽह
गृणे॥१३ इंद्रं। तं। शुंभ। पुरुऽहन्मन्। अवसे॥ यस्य। द्विता। विऽधर्तरि॥
हस्ताय। वज्रः। प्रति। धायि। दर्शतः॥ महः। दिवे। न। सूर्यः॥१४ नकिः। तत्
कर्मणा। नशत्॥ यः। चकार। सदाऽवृधं॥ इंद्रं। न। यज्ञैः। विश्वऽगूर्तं। ऋ
नूं।४ भ्वसं॥ अधृष्टं। धृष्णुऽओजसं॥१५ अषाळ्हं। उग्रं। पृतनासु। सा
सहिं॥ यस्मिन्। महीः। उरुऽज्रयः॥ सं। धेनवः। जायमाने। अनोन
वुः॥ द्यावः। क्षामः। अनोनवुः॥१६ यद्याव इंद्र ते शतमिति द्वौ॥१८॥ आरु
उत। त्वा। मंदंतु। सोमाः॥ तत्। ... राधः। अद्रिऽवः॥ अर्वाक्। ... ऽहूतः।

जहि॥१॥ पदा। पणीन्। ऽअराधसः॥ नि। बाधस्व। महान्। ऽअसि॥ नहि। त्वा।
कः। चन। प्रति॥ त्वं। ईशिषे। सुतानां॥ इंद्र। त्वं। ऽअसुतानां॥ त्वं। राजा। जना-
नां॥३॥ ईंखयंतीः। ऽअपस्युवः। इंद्रं। जातं। उप। ऽआसते॥ भेजानासः। सुवीर्यं
॥४॥ त्वं। इंद्र। बलात्। ऽअधि॥ सहसः। जातः। ओजसः॥ त्वं। वृषन्। वृषा। इत्।
ऽअसि॥५॥ त्वं। इंद्र। ऽअसि। वृत्र०हा॥ वि। ऽअंतरिक्षं। ऽअतिरः॥ उत्। द्यां। ऽअ-
स्तभ्नाः। ओजसा॥६॥ त्वं। इंद्र। स०जोषसं॥ ऽअर्कं। बिभर्षि। बाह्वोः॥ वज्रं। ५८
शिशानः। ओजसा॥७॥ त्वं। इंद्र। ऽअभि०भूः। ऽअसि॥ विश्वा। जातानि। ओजसा॥
सः। विश्वाः। भुवः। ऽआ। ऽअभवः॥८॥२४॥ ऽआ। यातु। इंद्रः। स्व०पतिः। मदाय॥
यः। धर्मणा। तूतुजानः। तुविष्मान्॥ प्र०त्वक्षाणः। ऽअति। विश्वा। सहांसि।
ऽअपारेण। महता। वृष्ण्येन॥१॥ सु०स्थामा। रथः। सु०यमा। हरी इति। ते॥

मिम्यक्ष। वज्रः। नृ०पते। गभस्तौ॥ शीभं। राजन्। सु०पथा। ऽआ। या-
हि। ऽअर्वाङ्॥ वर्धाम। ते। पपुषः। वृष्ण्यानि॥२॥ ऽआ। इंद्रं। वाहः। नृ०प-
तिं। वज्र०बाहुं॥ उग्रं। उग्रासः। तविषासः। एनं॥ प्र०त्वक्षसं। वृष-
भं। सत्य०शुष्मं॥ ऽआ। ईं। ऽअस्म०त्रा। सध०मादः। वहंतु॥३॥ एव। पतिं।
द्रोण०साचं। स०चेतसं॥ ऊर्जः। स्कंभं। धरुणे। ऽआ। वृष०यसे॥ ओजः। कृ-
ष्व। सं। गृभाय। त्वे इति। ऽअपि। ऽअसः॥ यथा। के०निपानां। इनः। वृधे॥४॥
गमन्। ऽअस्मे इति। वसूनि। ऽआ। हि। शंसिषं॥ सु०ऽआशिषं। भरं।
ऽआ। याहि। सोमिनः॥ त्वं। ईशिषे। सः। ऽअस्मिन्। ऽआ। सत्सि। बर्हि-
षि॥ ऽअनाधृष्या। तव। पात्राणि। धर्मणा॥५॥ पृथक्। प्र। ऽआयन्। प्र-
थमाः। देव०हूतयः॥ ऽअकृण्वत। श्रवस्यानि। दुस्तरा॥ न। ये।

शेकुः। यज्ञियां। नावं। आऽरुहं॥ ईर्मा। एव। ते। नि। अविशंत
। केपयः॥ ६॥ एव। एव। अपाक्। अपरे। संतु। दुःऽध्यः॥ अश्वाः। येषां।
दुःऽयुजः। आऽयुयुज्रे॥ इत्था। ये। प्राक्। उपरे। संति। दावने
। पुरूणि। यत्र। वयुनानि। भोजना॥ ७॥ गिरीन्। अज्रान्। रेजमा
नान्। अधारयत्॥ द्यौः। क्रंदत्। अंतरिक्षाणि। कोपयत्॥ समी
ची॰ने इति संऽईचीने। धिषणे इति। वि। स्कभायति॥ वृष्णः। पी
त्वा। मदे। उक्थानि। शंसति॥ ८॥ इमं। बिभर्मि। सुऽकृतं। ते। अं
कुशं॥ येन। आऽरुजासि। मघऽवन्। शफऽआरुजः॥ अस्मि
न्। सु। ते। सवने। अस्तु। ओक्यं॥ सुते। इष्टौ। मघऽवन्। बो

हरि हर

धि। आऽभगः॥ ९॥ छ॥ २५ त्रिऽकद्रुकेषु। महिषः। यवऽआशि
रं। तुविऽशुष्मः॥ तृपत्। सोमं। अपिबत्। विष्णुना। सुतं
। यथा। अवशत्॥ सः। ईं। ममाद। महि। कर्म। कर्तवे। महां
उरुं॥ सः। एनं। सश्चत्। देवः। देवं। सत्यं। इंद्रं। सत्यः। इंदुः॥
प्रो इति। सु। अस्मै। पुरःऽरथं॥ इंद्राय। शूषं। अर्चत॥ अ
भीके। चित्। ऊं इति। लोकऽकृत्॥ संऽगे। समत्ऽसु। वृत्रऽ
हा॥ अस्माकं। बोधि। चोदिता। नभंतां। अन्यकेषां॥ ज्या
काः। अधि। धन्वऽसु॥ त्वं। सिंधून्। अव। असृजः॥ अधराचः।

ऽप्रह॑न । ऽप्रहिं॑ ॥ ऽसुराधुः । इंद्र । जज्ञिषे ॥ विश्वं॑ । पुष्यसि । वार्यम् ।
तं । त्वा । परि । स्वजामहे ॥ ३ विसु । विश्वाः । ऽप्रतीतयः ॥ ऽपूर्याः । नुइं ।
ता । नः । धियः ॥ ऽअस्तां । ऽअसि । रात्रे । वोवृधः ॥ यः । नः । इंद्र । जिघांसति
॥ या । ते । रातिः । ददिः । वसु ॥ ४ । छ । २६ ॥ तीव्रस्य । ऽअभि०वयसः ॥ ६२
ऽअस्य । पाहि ॥ सर्व०रथा ॥ वि । हरी इति॑ । इह । मुंच ॥ इंद्र । मा । त्वा ।
यजमानासः । ऽअन्ये ॥ नि । रीरमन् ॥ तुभ्यं । इमे । सुतासः ॥ १ ॥ तुभ्यं ।
। सुताः । तुभ्यं । ऊं इति । सोत्वासः । त्वां । गिरः । श्वात्र्याः । ऽआ । ह्वयंति ।
इंद्र । इदं । ऽअद्य । सवनं । जुषाणः ॥ विश्वस्य । विद्वान् । इह । पा

हि । सोमं ॥ २ यः । उशता । मनसा । सोमं । ऽअस्मै ॥ सर्व०हृदा । देव०
कामः । सुनोति ॥ न । गाः । इंद्रः । तस्य । परा । ददाति ॥ प्र०शस्तं ।
इत् । चारुं । ऽअस्मै । कृणोति ॥ ३ ऽअनु०स्पष्टः । भवति । एषः । ऽअ
स्य ॥ यः । ऽअस्मै । रेवान् । न । सुनोति । सोमं ॥ निः । ऽअरत्नौ । म
घ०वा । तं । दधाति ॥ ब्रह्म०द्विषः । हंति । ऽअन०नुदिष्टः ॥ ४ ऽअ
श्व०यंतः । गव्यंतः । वाजयंतः ॥ हवामहे । त्वा । उप०गंतवै । ऊं
इति ॥ ऽआ०भूषंतः । ते । सु०मतौ । नवायां ॥ वयं । इंद्र । त्वा । शुनं
। हुवेम ॥ ५ मुंचामि त्वेति चतस्रः ॥ ९ ऽप्राहीषमविदेच्छे स्यका०

ब्रह्मणा। अग्निः। सं॰विदानः। रक्षः॰हा। बाधतां। इतः॥
अमीवा। यः। ते। गर्भं। दुः॰नामा। योनिं। आ॰शये॥१॥
अमीवाः। अग्निः। तां। ब्रह्मणा। सह॥ निः। तं। क्रव्य॰अदं।
अनीनशत्॥२॥ यः। ते। हंति। पतयंतं। नि॰सत्स्नुं। यः। सरी ६२
सृपं॥ जातं। यः। ते। जिघांसति। तं। इतः। नाशयामसि॥
३॥ यः। ते। ऊरू इति। वि॰हरति। अंतरा। दंपती इति दं॰प
ती। शये॥ योनिं। यः। अंतः। आ॰रेळ्हि॥४॥ यः। त्वा। भ्राता।
पतिः। भूत्वा। जारः। भूत्वा। नि॰पद्यते। प्र॰जां॥५॥ यः।
ब्हि।२

त्वा। स्वप्नेन। तमसा॥ मोहयित्वा॥ नि॰पद्यते॥ प्र॰जां॥६॥ अ
क्षीभ्यां ते इत्यस्य ऋचः॥२२॥ अप। इहि। मनसः। पते॥ अप। क्राम। प
रः। चर॥ परः। निः॰ऋत्यै॥ आ। चक्ष्व॥ बहुधा। जीवतः। मनः॥ ९६
२४॥ [illegible]॥ अष्टमो नुवाकः॥ समाप्तः॥ वयं। एनं। इदा। ह्यः। अपीपे
म। इह। वज्रिणं॥ तस्मै। ऊं इति। अद्य। समना। सुतं। भर॥ आ। नूनं। म५
भूषत। श्रुते॥ वृकः। चित्। अस्य। वारणः। उरा॰मथिः॥ आ। वयु
नेषु। भूषति॥ सः। इमं। नः। स्तोमं। जुजुषाणः। आ। गहि। इंद्र
प्र। चित्रया। धिया॥ ८॥ कत्। ऊं इति। नु। अस्य। अकृतं॥ इंद्रस्य
अस्ति। पौंस्यं॥ केनो इति। नु। कं। श्रोमतेन। न। शुश्रुवे॥ ज

ऋष्वः । पाता । वृत्रऽहा ॥ २० ॥ १ त्वाम् । इत् । हि । हवामहे । साता । वा-
जस्य । कारवः ॥ त्वाम् । वृत्रेषु । इन्द्र । सत्ऽपतिम् । नरः ॥ त्वाम् । काष्ठासु ।
अर्वतः ॥ १ सः । त्वम् । नः । चित्र । वज्रऽहस्त । धृष्णुऽया ॥ महः । स्तवानः ।
अद्रिऽवः ॥ गाम् । अश्वम् । रथ्यम् । इन्द्र । सम् । किर । सत्रा । वाजम् । न । जिग्यु-
षे ॥ २१ ॥ (७) ॥ अभि । त्वा । पूर्वऽपीतये ॥ इन्द्र । स्तोमेभिः । आयवः ॥
सम्ऽईचीनासः । ऋभवः । सम् । अस्वरन् ॥ रुद्राः । गृणन्त । पूर्व्यम् ॥ १ अ-
स्य । इत् । इन्द्रः । ववृधे । वृष्ण्यम् । शवः ॥ मदे । सुतस्य । विष्ण-
वि ॥ अद्य । तम् । अस्य । महिमानम् । आयवः ॥ अनु । स्तुवन्ति । पूर्वऽथा ॥
राधा ॥ १८ ॥ आ । घ । हि । इन्द्र । गिर्वणः ॥ उप । त्वा । कामान् ।

महः । ससृज्महे ॥ उदाऽइव ॥ यन्तः । उदऽभिः ॥ १ वाः । न । त्वा ।
यव्याभिः ॥ वर्धन्ति । शूर । ब्रह्माणि ॥ ववृध्वांसम् । चित् । अद्रि-
वः । दिवेऽदिवे ॥ युञ्जन्ति । हरी इति । इषितस्य । गाथया ॥
उरौ । रथे । उरुऽयुगे ॥ इन्द्रऽवाहा । वचःऽयुजा ॥ २३ ॥ २० ॥
अग्निम् । दूतम् । वृणीमहे ॥ होतारम् । विश्वऽवेदसम् ॥ अस्य । य-
ज्ञस्य । सुऽक्रतुम् ॥ १ अग्निम्ऽअग्निम् । हवीमऽभिः ॥ सदा । हव-
न्त । विश्पतिम् ॥ हव्यऽवाहम् ॥ पुरुऽप्रियम् ॥ २ अग्ने । देवान् । इ-
ह । आ । वह ॥ जज्ञानः । वृक्तऽबर्हिषे ॥ असि । होता । नः ।

ईळे ॥२॥ छ ॥ ८१ ॥ ईळेन्यः । नमस्यः ॥ तिरः । तमांसि । दर्शतः ॥ सं । अग्निः । इध्यते ॥ वृषा ॥१॥ वृषो इति । अग्निः । सं । इध्यते ॥ अश्वः । न । देववाहनः ॥ तं । हविष्मंतः । ईळते ॥२॥ वृषणं । त्वा । वयं । वृषन् ॥ वृषणः । सं । इधीमहि । अग्ने । दीद्यतं । बृहत् ॥३॥ छ ॥ ८२ ॥ अग्निं । ईळिष्व । अवसे ॥ गाथाभिः । शीरशोचिषं ॥ अग्निं । राये । पुरुमीळ्ह । श्रुतं । नरः ॥ अग्निं । सुदीतये । छर्दिः ॥१॥ अग्ने । आ । याहि । अग्निभिः । होतारं । त्वा । वृणीमहे ॥ आ । त्वां । अनक्तु ॥ ६४

प्रयता । हविष्मती ॥ यजिष्ठं । बर्हिः । आसदे ॥२॥ अच्छ । हि । त्वा । सहसः । सूनो इति । अंगिरः ॥ स्रुचः । चरंति । अध्वरे ॥ ऊर्जः । नपातं । घृतकेशं । ईमहे ॥ अग्निं । यज्ञेषु । पूर्व्यं ॥३॥ छ ॥ १०२ ॥ उ ॥ इमाः । ऊं इति । त्वा । पुरुवसो इति पुरुवसो ॥ गिरः । वर्धंतु । याः । मम ॥ पावकवर्णाः । शुचयः । विपश्चितः ॥ अभि । स्तोमैः । अनूषत ॥१॥ अयं । सहस्रं । ऋषिभिः । सहस्कृतः ॥ समुद्रः । इव । पप्रथे ॥ सत्यः । सः । अस्य । महिमा । गृणे । शवः । यज्ञेषु । विप्रराज्ये ॥२॥ आ । नः । विश्वासु

हव्यः॥ इंद्रः। समत्ऽसु। भूषतु॥ उप। ब्रह्माणि। सवनानि
। वृत्रऽहा॥ परमऽज्याः। ऋचीषमः॥२॥ त्वं। दाता। प्रथमः। रा
धसां। असि। असि। सत्यः। ईशानऽकृत्॥ तुविऽद्युम्नस्य
युज्या। आ। वृणीमहे॥ पुत्रस्य। शवसः। महः॥४॥ व॥
१०४॥ त्वं। इंद्र। प्रऽभूर्तिषु॥ अभि। विश्वाः। असि। स्पृधः॥
अशस्तिऽहा। जनिता। विश्वऽतूः। असि॥ त्वं। तूर्य। तरुष्य
तः॥१॥ अनु। ते। शुष्मं। तुरयंतं। ईयतुः॥ क्षोणी इति। शि
शुं। न। मातरा॥ विश्वाः। ते। स्पृधः। श्नथयंत। मन्यवे॥

MEMORIAL

८५

वृत्रं। यत्। इंद्र। तूर्वसि॥ इतः। ऊतीः। वः। अजरं। प्रऽहेता
रं। अप्रऽहितं॥ आशुं। जेतारं। हेतारं। रथिऽतमं॥ अतू
र्तं। तुग्र्यऽवृधं॥३॥ यो राजा चर्षणीनां मित्तिहृ॥५॥ व
॥१०५॥ तव। त्यत्। इंद्रियं। बृहत्। तव। शुष्मं। उत। क्र
तुं॥ वज्रं। शिशाति। धिषणा। वरेण्यं॥१॥ तव। द्यौः। इंद्र
। पौंस्यं। पृथिवी। वर्धति। श्रवः॥ त्वां। आपः। पर्वतासः।
च। हिन्विरे॥२॥ त्वां। विष्णुः। बृहन्। क्षयः॥ मित्रः। गृणा
ति। वरुणः॥ त्वां। शर्धः। मदति। अनु। मारुतं। ॥

॥१०६॥ सं। अस्य। मन्यवे। विशः॥ विश्वाः। नमंत। कृष्टयः॥
समुद्रायऽइव। सिंधवः॥१०७ ओजः। तत्। अस्य। तित्विषे। उ-
भे इति। यत्। संऽअवर्तयत्॥ इंद्रः। चर्मऽइव। रोदसी इति
॥२ वि। चित्। वृत्रस्य। दोधतः॥ वज्रेण। शतऽपर्वणा॥ शि-
रः। बिभेद। वृष्णिना॥ २ तदिदास भुवनेषु ज्येष्ठमित्यष्ट॥
१२॥ चित्रं देवानामुदगादनीकमिति द्वे॥१०९ सूर्यः। देवीं।
उषसं। रोचमानां॥ मर्यः। न। योषां। अभि। एति। प-
श्चात्॥ यत्र। नरः। देवऽयंतः। युगानि॥ विऽतन्वते।

प्रति। भद्राय। भद्रं॥१५॥ छ॥१०७॥ त्वं। नः। इंद्र। आ। भर। ओ-
जः। नृम्णं। शतक्रतो इति शतऽक्रतो॥ विऽचर्षणे॥ आ। वीरं।
पृतनाऽसहं॥१॥ त्वं। हि। नः। पिता। वसो इति। त्वं। माता। श-
तक्रतो इति शतऽक्रतो। बभूथ॥ अध। ते। सुम्नं। ईम-
हे॥२॥ त्वां। शुष्मिन्। पुरुऽहूत। वाजऽयंतं। उप। ब्रुवे। शत-
क्रतो इति शतऽक्रतो॥ सः। नः। रास्व। सुऽवीर्यं॥३॥ छ॥१०८
स्वादोः। इत्था। विषुऽवतः॥ मध्वः। पिबंति। गौर्यः॥ याः। इंद्रेण
सऽयावरीः॥ वृष्णा। मदंति। शोभसे॥ वस्वीः। अनु। स्व-

स्व॰ राद्सं॥१ ताः । अस्य । पृशन॰युवः॥ सोमं । श्रीणंति । पृश्न
यः॥ प्रियाः । इंद्रस्य । धेनवः॥ वज्रं । हिन्वंति । सायकं॥ वस्वीः
॥२॥ ताः । अस्य । नमसा । सहः॥ सपर्यंति । प्र॰चेतसः॥ व्रता
नि । अस्य । सश्चिरे । पुरूणि । पूर्व॰चित्तये॥३॥ ७॥१०२ इं
द्राय । मद्वने । सुतं॥ परि । स्तोभंतु । नः । गिरः॥ अर्कं । अर्चं
तु । कारवः॥१॥ यस्मिन् । विश्वाः । अधि । श्रियः॥ रणंति॥
सप्त । सं॰सदः॥ इंद्रं । सुते । हवामहे॥२ त्रि॰कद्रुकेषु । चे
तनं॥ देवासः । यज्ञं । अत्नत॥ तं । इत् । वर्द्धंतु । नः । गिरः॥३
८॥१०॥ यत् । सोमं । इंद्र । विष्णवि॥ यत् । वा । घ । त्रिते । आ ६७

प्त्ये॥ यत् । वा । मरुत्॰सु । मंदसे॥ सं । इंदु॰भिः॥१॥ यत् । वा । श
क्र । परा॰वति॥ समुद्रे । अधि । मंदसे॥ अस्माकं । इत् । सुते । र
ण । सं । इंदु॰भिः॥२ यत् । वा । असि । सुन्वतः॥ वृधः । यजमानस्य॥
सत्॰पते॥ उक्थे । वा । यस्य । रण्यसि॥ सं । इंदु॰भिः॥३॥ ७॥११॥
यत् । अद्य । कत् । च । वृत्र॰हन्॥ उत्॰अगाः । अभि । सूर्य॥ सर्वं अ
तत् । इंद्र । ते । वशे॥१॥ यत् । वा । प्र॰वृद्ध । सत्॰पते॥ न । मरै
इति । मन्यसे॥ उतो इति । तत् । सत्यं । इत् । तव॥२ ये । सोमा
सः । परा॰वति॥ ये । अर्वा॰वति । सुन्विरे॥ सर्वान् । तान्

इंद्र। गच्छसि॥२॥व॥१२२॥ उभयं। शृणवत्। च। नः॥ इंद्रः। अर्वा
क्। इदं। वचः॥ सत्राच्या॥ मघ०वा। सोम०पीतये॥ धिया। शविष्ठः।
आ। गमत्॥१॥ तं। हि। स्व०राजं। वृषभं। तं। ओजसे॥ धिषणे इति। निः०
ततक्षतुः॥ उत। उप०मानां। प्रथमः। नि। सीदसि॥ सोम०कामं।
हि। ते। मनः॥२॥व॥१२३॥ अभ्रातृव्यः। अना। त्वं॥ अनापिः। इंद्र।
जनुषा। सनात्। असि॥ युधा। इत्। आपि०त्वं। इच्छसे॥१॥ नकिः। ६८
रेवंतं। सख्याय। विंदसे। पीयंति। ते। सुराश्वः॥ यदा। कृणोषि।
नदनुं। सं। ऊहसि॥ आत्। इत्। पिता०इव। हूयसे॥२॥व॥१२४॥

अहं। इत्। हि। पितुः। परि॥ मेधां। ऋतस्य। जग्रभ॥ अहं। सूर्यः०
इव। अजनि॥१॥ अहं। प्रत्नेन। मन्मना॥ गिरः। शुंभामि। कण्व०वत्॥
येन। इंद्रः। शुष्मं। इत्। दधे॥२॥ ये। त्वां। इंद्र। न। तुस्तुवुः॥ ऋषयः।
ये। च। तुष्टुवुः॥ मम। इत्। वर्धस्व। सु०स्तुतः॥३॥व॥१२५॥ मा। भूम।
निष्ट्याः०इव॥ इंद्र। त्वत्। अरणाः०इव॥ वनानि। न। प्र०जहिता
नि। अद्रि०वः॥ दुरोषासः। अमन्महि॥१॥ अमन्महि। इत्। अनाशवः॥
अनुग्रासः। च। वृत्र०हन्॥ सकृत्। सु। ते। महता। शूर। राधसा॥
अनु। स्तोमं। मुदीमहि॥२॥व॥१२६॥ पिब। सोमं। इंद्र। मंदतु। त्वा॥

यं। ते। सुसोमा। हरि॰ऽस्था। अद्रिः॥ स्तोतुः। आकु॰ऽस्यां। सुत॰पते। नः। प्रवीर
॥ यः। ते। मदः। युज्यः। चारुः। अस्ति॥ येन। वृत्राणि। हरि॰ऽस्था। हंसि॥ सः
याः। इंद्र। प्रभुवसो इति प्रभु॰वसो। ममत्तु॥ ३॥ बोध। सु। मे। मघ॰
वन्। वाचं। आ। इमां॥ यां। ते। वसिष्ठः। अर्चति। प्र॰शस्तिं॥ इमा
ब्रह्म। सध॰मादे। जुषस्व॥ ४॥ (?)॥ श्रुधि। ऊं इति। सु। शाखा। ०
पतेः॥ इंद्र। विश्वाभिः। ऊति॰भिः॥ यज्ञं। न। हि। च्यौ। मशस्तां। वसु॰
विदः॥ अनुं। शूर। ब्रराम[illegible]॥ १॥ पोरः। अस्वेस्य। पुरु॰ऽ सतः। ग
वां। असि॥ उत्सः। देवा। हिरण्ययः॥ नकिः। हि। दानं। परि॰म
र्धिषत्। त्वे इति॥ यत॰ऽयामि। तत्। आ। भर॥ २॥ इंद्रः। इत

देव॰तातये॥ इंद्रं। प्र॰यति। अध्वरे॥ इंद्रं। सं॰ईके। वनिनः। ह
वामहे॥ इंद्रं। धनस्य। सातये॥ २॥ इंद्रः। मह्ना। रोदसी इति। प
प्रथत्। शवः॥ इंद्रः। सूर्यं। अरोचयत्॥ इंद्रे। ह। विश्वा। भुवना
नि। येमिरे॥ इंद्रे। सुवानासः। इंदवः॥ ४॥ ७॥ ॥ आ। अस्तावि। मन्म
पूर्व्यं॥ ब्रह्म। इंद्राय। वोचत॥ पूर्वीः। ऋतस्य। बृहतीः। अनूषत।
स्तोतुः। मेधाः। असृक्षत॥ १॥ तुरण्यवः। मधु॰मंतं। घृत॰श्चुतं। वि
प्रासः। अर्कं। आनृचुः॥ अस्मे इति। रयिः। पप्रथे। वृष्ण्यं।
शवः॥ अस्मे इति। सुवानासः। इंदवः॥ ४॥ ८॥ ॥ आ। अस्ता

विा मन्मः सूर्ममं ॥ ब्रह्म । इंद्राय । वोचत ॥ सवीः । ततस्य । बृहतीः । अनूषत ॥ सोतुः । मेधाः । अस्रक्षत ॥ १ ॥ त्र एएपवः । मधु० मंतं । बृहन् । वृत्र० युजं विप्रासः । पर्कं । आनृचुः ॥ अस्मेइति । रयिः । पप्रथे । वृष्ण्यं । शवः ॥ अस्मेइति । सुवानासः । इंदवः ॥ २ ॥ ८ ॥ यतः । इंद्र । प्राकूः । अदो वृशुद्दं कू ॥ न्यंकू । वा । हूयसे । नृ० भिः ॥ सिमा । पुरु । नृ० सूतः । असि । आनवे ॥ असि । प्र० शर्द्धा । तुर्वशे ॥ ३ ॥ यत् । वा । अदमे । रुशमे । श्यावके । कृपे ॥ इंद्र । मादयसे । सचा ॥ कण्वासः । त्वा । ब्रह्म० भिः । स्तोम० वाहसः ॥ इंद्र । आ । यच्छंति । आ । गहि ॥ ४ ॥ २० ॥ यथा । गौरः । अपा । कृतं । तृष्यन् । एति । अव । इरिणं ॥ आपित्वे । नः । प्र० पित्वे । तूयं । आ । गहि ॥ कण्वेषु । सु । सचा । पिब ॥ ५ ॥ मंदंतु । त्वा । मघ० वन् । इंद्र । इंदवः । राध० दाः ॥ इति ॥ सुम ॥ अपुद्धा ॥ इवः । धेनवः ॥ ईशानं । अस्य । जगतः । स्वः० दृशं ॥

डाक्टर भाऊदाजी स्मारकम्
BHAU DAJI MEMORIAL

७०॥

ईशानं । इंद्र । तस्थुषः ॥ १ ॥ न । त्वा० वान् । अन्यः । दिव्यः । न । पार्थिवः । न । जातः । न । जनिष्यते ॥ अश्व० यंतः । मघ० वन् । इंद्र । वाजिनः । गव्यंतः । त्वा । हवामहे ॥ २ ॥ २३ ॥ अभि । त्वा । पूर्व० पीतये । इंद्र । स्तोमेभिः । आयवः ॥ समी० चीनासः । ऋभवः । सं । अस्वरन् ॥ रुद्राः । गृणंत । पूर्व्यं ॥ १ ॥ अस्य । इत् । इंद्रः । वावृधे । वृष्ण्यं । शवः । मदे । सुतस्य । विष्णवि ॥ अद्य । तं । अस्य । महिमानं । आयवः ॥ अनु । स्तुवंति । पूर्व० था ॥ २ ॥ तत् । त्वा । यामि । सु० वीर्यं । तत् । ब्रह्म । पूर्व० चित्तये ॥ येन । यति० भ्यः । भृगवे । धने । हिते । येन । प्रस्कण्वं । आविथ ॥ ३ ॥ येन । समुद्रं । असृजः । महीः । अपः । तत् । इंद्र । वृष्णि । ते । शवः ॥

अ॒ना॒धृ॒ता॑। स्थि॒ता॒सु॒। नः॒। स॒ख्या॒नां अ॒ना॒धृ॒तः॥ स्थि॒ता॒ सु॒। नः॒ स॒ख्या॒नां

त॒नु॒ते॒। स्थि॒मस्मै॥१॥ त॒त्। मि॒त्रस्य॑। वरु॑णस्य। अ॒भि॒ऽच॒क्षे॥ स्व॒र्पं॥ प॑। त॒नु॒ते॒। घो॑। उ॒प॒ऽस्थे॥ अ॒नं॒तं। रु॒श॒त्। अ॒स्य॒। पाजः॥ हं। अ॒न्यत्। हरि॑तः। सं। भ॒र॒न्ति॥२॥ ४॥ २७॥ कृ॒पा। नः॒। वि॒श्वाः। आ॒भु॒व॒त्॥ ऊ॒ती। स॒दा॒ऽवृ॑धः। स॒खा॥ कृ॒या। श॒वि॑ष्ठया। वृ॒ता॥१॥ कः। त्वा॒। स॒त्यः। म॒दा॑नां। मंहि॑ष्ठः। म॒त्स॒त्। अंध॑सः॥ दृ॒ढा। चि॒त्। आ॒ऽरु॒जे। व॒सु॥२॥ अ॒भि। सु। नः॒। स॒खी॑नां। अ॒वि॒ता। ज॒रि॒तॄ॒णां॥ श॒तं। भ॒वा॒सि॒। ऊ॒तिऽभिः॥३॥ इ॒मा। नु। कं॑। भुव॑ना। सी॒षधाम। इंद्रः॑। च॒। विश्वे॑। च॒। दे॒वाः॥ य॒ज्ञं। च॒। नः॒। त॒न्वं॑। च॒। प्र॒ऽजां। च॒। आ॒दि॒त्यैः। इंद्रः॑। स॒ह। सी॒ष॒धा॒ति॒॥ पा॒ठी॒ न॒पदा॒पंनि तिद्विपदास्सू॒क्तो॥ तो॒त्रु॒षा॒त्रु॒ रा॒णे॥५॥ २८॥ १२४॥

अ॒पो। इं॒द्र॒। आ॒। वै॒। म॒द॒ऽयु॒। वन्ना। अ॒भि॒ज्ञानु॥ अ॒प॒। अ॒प॒ाचो॒। य॒था॒। अ॒

अ॒भि॒ऽनू॒तो॥ उ॒दस्व॥ अप॑। उदी॑च॒। अ॑प॒। शू॒र॒। अ॒ध॒रा॒चः॥ उ॒रौ। यथा॑। तव॑। शर्म॑न्। मदे॑म॥१॥ द॒वि॒त्। अ॒ङ्ग। यव॑ऽमतः। यवं॑। चि॒त्। यथा॑। दा॒न्ति॒। अ॒नु॒ऽपूर्वं॑। वि॒ऽयूय॑। इ॒ह॒ऽइ॑ह। ए॒षां॒। कृ॒णु॒हि॒। भोज॑नानि॥ ये। ब॒र्हिषः॑। नमः॑ऽवृक्तिं। न। ज॒ग्मुः॥२॥ न॒हि। स्थूरि॑। ऋ॒तु॒ऽथा। या॒तं। अस्ति॑॥ न। उ॒त। श्रवः॑। वि॒वि॒दे॒। सं॒ऽग॒मेषु॑॥ ग॒व्यन्तः॑। इंद्रं॑। स॒ख्या॒य॑। विप्राः॑॥ अ॒श्व॒ऽयंतः॑। वृष॑णं। वा॒जयं॑तः॥३॥ भुवं॑। सु॒रामं॑। अ॒श्वि॒ना॥ न॒मु॑चौ। आ॒सु॒रे। सचा॑॥ वि॒ऽपि॒पा॒ना। शु॒भः॒। प॒ती॒

इति॥ इंद्रः । कर्मं॰सु । आवृत॥४ पुत्रं॰इव । पितरौ । अश्विना । उ
भा॥ इंद्र । आ । चष्टुः । काव्यैः । दंसनाभिः॥ यत् । सुरामं । वि वि उर
अपिबः । शचीभिः॥ सरस्वती । त्वा । मघ॰वन् । अभिष्णक्॥५ इंद्र
सुत्रामेति सु॰त्रामा॥७॥६॥२५॥ वि । हि । सोतोः । असृक्षत । न । इंद्रं ।
देवं । अमंसत॥ यत्र । अमदत् । वृषाकपिः॥ अर्यः । पुष्टेषु । म
त्॰सखा । विश्वस्मात् । इंद्रः । उत्॰तरः॥१ परा । हि । इंद्र ।
धावसि । वृषाकपेः । अति । व्यथिः॥ नो इति । अह । प्र । विंद
सि॥ अन्यत्र । सोम॰पीतये॥२ किं । अयं । त्वां । वृषाकपिः॥
३२

चकार । हरितः । मृगः॥ यस्मै । इरस्यसि । इत् । ऊं इति । नु । अ
र्यः । वा । पुष्टि॰मत् । वसु॥३ यं । इमं । त्वं । वृषाकपिं । प्रियं ।
इंद्र । अभि॰रक्षसि॥ श्वा । नु । अस्य । जंभिषत् । अपि । क
र्णे । वराह॰युः॥४ प्रिया । तष्टानि । मे । कपिः॥ वि॰अक्ता
। वि । अदूदुषत्॥ शिरः । नु । अस्य । राविषं॥ न । सु॰गं । दुः॰
कृते । भुवं॥५ न । मत् । स्त्री । सुभसत्॰तरा॥ न । सुयाशु॰
तरा । भुवत्॥ न । मत् । प्रति॰च्यवीयसी॥ न । सक्थि । उत्॰
यमीयसी॥६ उवे । अंब । सुलाभिके॥ यथा॰इव । अंग । भ
विष्यति॥ भसत् । मे । अंब । सक्थि । मे॥ शिरः । मे । वि॰इव । हृष्यति॥
रि२

ष्यति॥७ किं।सुबाहो इति सुऽबाहो॥स्वं॰=गुरे।पृथुस्तो इति पृथु॰
स्तो।पृथु॰जघने॥किं।शूर॰पत्नि।नः।त्वं॥=भि।=मीषि।वृषा
कपिं॥८ =वीरां॰इव।मां।=यं॥शरारुः।=भि।मन्यते॥
उत।=हं।=स्मि।वीरिणी॥इंद्र॰पत्नी।मरुत्॰सखा॥९ सं॰
होत्रं।स्म।पुरा।नारी॥समनं।वा।=व।गच्छति॥वेधाः।ऋत
स्य।वीरिणी॥इंद्र॰पत्नी।महीयते॥१० इंद्राणीं।=सु।नारिषु
॥सु॰भगां।=हं।=श्रवं॥नहि।=स्याः।=परं।चन।जर
सा।मरते।पतिः।११ न।=हं।इंद्राणि।ररण॥सख्युः।वृषा
कपेः।ऋते।॥यस्य।इदं।=प्यं।हविः॥प्रियं।देवेषु।गच्छति॥ ७३

१२॥वृषाकपायि।रेवति॥सु॰पुत्रे।=आत्।ऊं इति।सु॰स्नु
षे॥घसत्।ते।इंद्रः।उक्षणः॥प्रियं।काचित्॰करं।हविः॥१३
उक्ष्णः।हि।मे।पंच॰दश॥साकं।पचंति।विंशतिं॥उत।=हं
=द्मि।पीवः।इत्।उभा।कुक्षी इति।पृणंति।मे॥१४॥वृषभ
ः।न।तिग्म॰शृंगः॥=न्तः।यूथेषु।रोरुवत्॥मंथः।ते।इंद्र
शं।हृदे।यं।ते।सुनोति।भाव॰युः॥१५ न।सः।ईशे।यस्य
रंबते।=न्तरा।सक्थ्या।कपृत्॥सः।इत्।ईशे।यस्य।
रोमशं॥नि॰सेदुषः।वि॰जृंभते॥१६ न।सः।ईशे।यस्य।

रोमशं॥ निऽसेदुषः। विऽजृंभते॥ सः। इत्। ईशे। यस्याः। रंबते। अंत
रा। सक्थ्या। कपृत्॥१७॥ अयं। इंद्र। वृषाकपिः॥ परस्वंतं। हतं। वि
दत्॥ असिं। सूनां। नवं। चरुं॥ आत्। एधस्य। अनः। आऽचितं॥
अयं। एमि। विऽचाकशत्॥ विऽचिन्वन्। दासं। आर्यं॥ पिबामि। पा
कऽसुत्वनः। अभि। धीरं। अचाकशं॥१९॥ धन्व। च। यत्। कृंतत्रं। च।
कति। स्वित्। ता। वि। योजना॥ नेदीयसः। वृषाकपे॥ अस्तं। आ।
इहि। गृहान्। उप॥२०॥ पुनः। आ। इहि। वृषाकपे॥ सुविता। कल्प
यावहै॥ यः। एषः। स्वप्नऽनंशनः॥ अस्तं। एषि। पथा। पुनः॥२१॥
यत्। उदंचः। वृषाकपे॥ गृहं। इंद्र। अजगंतन॥ क्व। स्यः। पुल्व
घः। मृगः॥ कं। अगन्। जनऽयोपनः॥२२॥ पर्शुः। ह। नाम। मानवी॥

७४

न ३

साकं। ससूव। विंशतिं॥ भद्रं। भल। त्यस्यै। अभूत्। यस्याः। उदरं॥
आमयत्॥२३॥७॥२६॥ इदं जना मिति दरोयस्त नि॥१६॥ ३द्
पता। इ। प्रावीः। अजगंत॥ उदे। मंडूरऽधाणिकाः॥ हताः। इंद्रस्य।
शत्रवः॥ सर्वे। बुद्बुदऽयाशवः॥१॥ कर्पं। ता। नरः। कृपेथ। उत। य
धमतन। चोदयत। खुदत। वाजऽसातये॥ निःऽष्टिग्र्यः। पुत्रं। आ
। च्यावय। ऊतये॥ इंद्रस्य। सऽबाधः। इह। सोमऽपीतये॥२॥ दधिऽ
क्राव्णः। अकारिषं॥ जिष्णोः। अश्वस्य। वाजिनः॥ सुरभि। नः। मुखा।
करत्॥ प्र। नः। आयूंषि। तारिषत्॥३॥ सुतासः। मधुमत्ऽतमाः।
सोमाः। इंद्राय। मंदिनः॥ पवित्रऽवंतः। अक्षरन्। देवान्। गच्छंतु।

वः। मर्त्यं॥ इन्दुः। इन्द्राय। पवते। इति। देवासः। अब्रुवन्। वाचः। पतिः। मखस्यते। विश्वस्य। ईशानः। ओजसा॥ सहस्रधारः। पवते। समुद्रः। वाचम्ऽईङ्खयः॥ सोमः। पतिः। रयीणां। सखा। इन्द्रस्य। दिवेऽदिवे॥ ६॥ अयं। पूषा। रयिः। भगः। सोमः। पुनानः। अर्षति। पतिः। विश्वस्य। भूमनः। वि। अख्यत्। रोदसी। उभे इति॥ ७॥ समुं। प्रियाः। अनूषत। गावः। मदाय। घृष्वयः। सोमासः। कृण्वते। पथः। पवमानासः। इन्दवः॥ ८॥ य। ओजिष्ठः। तं। आ। भर। पवमान। श्रवाय्यं। यः। पञ्च। चर्षणीः। अभि। रयिं। येन। वनामहै॥ ९॥ सोमाः। पवन्ते। इन्दवः। अस्मभ्यं। गातुवित्ऽतमाः। मित्राः। सुवानाः। अरेपसः। स्वाध्यः। स्वःऽविदः॥ १०॥ सुष्वाणासः। व्यद्रिऽभिः। चिताना। गोः। अधि। त्वचि। इषं। अस्मभ्यं। अभितः। सम्। अस्वरन्। वसुऽविदः॥ ११॥ एते। पूताः। विपःऽचितः। सोमासः। दधिऽआशिरः। सूर्यासः। न। दर्शतासः। जिगत्नवः। ध्रुवाः। घृते॥ १२॥ प्र। सुन्वानस्य। अन्धसः। मर्तः। न। वृत्। तत्। वचः। अप। श्वानं। अराधसं। हत। मखं। न। भृगवः॥ १३॥ आ। जामिः। अत्के। अव्यत। भुजे। न। पुत्रः। ओण्योः। सरत्। जारः। न। योषणां। वरः। न। योनिं। आसदं॥ १४॥ सः। वीरः। दक्षऽसाधनः। वि। यः। तस्तम्भ। रोदसी इति। हरिः। पवित्रे। अव्यत। वेधाः। न। योनिं। आसदं॥ १५॥ अव्यः। वारेभिः। पवते। सोमः। गव्ये। अधि। त्वचि। कनिक्रदत्। वृषा। हरिः। इन्द्रस्य। अभि। एति। निःऽकृतं॥ १६॥

वाणः। विराः। अदेवीः। अभि। आऽअवर्तिः॥ बृहस्पतिना। युजा। इन्द्रः। ससहे॥ १३॥ अहे। अर्त्य। अजन्यः। सः। अध्वरः। ऽश्नःऽत्रुःऽ। स। अ। नव। अतः। इन्द्र॥ १८॥ इति। द्यावापृथिवी इति। अनु। प्रविदः॥ विश्वं। अतोऽन्यः। भुवनेभ्यः। रणं। धाः॥ १०॥ वृद्धं। अहिं। वीर्येण। वज्रेण। वृजिनं। अभिषितः। जग्धुषाः। चेतुषस्य। अवा। दतिरः। वधत्रैः॥ वं। गाः। इन्द्र। शच्या। इत्। अविदः॥ ११॥ तं। इत्। इन्द्राः। वाजऽयामसि। महे। वृत्राय। हन्तवे। सः। वृषा। वृषभः। भुवत्॥ १२॥ इन्द्रः। सः। दामने। कृतः। ओजिष्ठः। सः। मदे। हितः। द्युम्नी। श्लोकी। सः। सोम्यः॥ १३॥ गिरा। वज्रः। न। संऽभृतः। सऽबलः। अनपऽच्युतः। ववक्षे। ऋष्वः। अस्तृतः॥ १४॥

DR. BHAU DAJI MEMORIAL
65
DR. BHAU DAJI MEMORIAL

ता। वर्तयः॥ विप्राः। सतस्य। वाहसा॥२॥ कु। एवाः। इंद्रा। यत्। अंभूत॥
स्तोमैः। पुत्रस्य। साधनं॥ जामि। ब्रुवते। आ। पुथं॥ ३॥ छ॥ १७२॥ आ। नूनं। अश्विना। युवं॥ वत्सस्य। गंतं। अवसे॥ प्र। अस्मै। यछतं। अवृकं। पृथु। छर्दिः॥ युयुतं। याः। अरातयः॥ १॥ यत्। अंतरिक्षे। यत्। दिवि।
यत्। पंच। मानुषान्। अनु॥ नृम्णं। तत्। धत्तं। अश्विना॥ ये। वां। दंसांसि। अश्विना॥ विप्रासः। परि॰ममृशुः॥ एव। इत्। काण्वस्य। बोधतं॥
अभि। स्यां। वां। घर्मः। अश्विना। स्तोमेन। परि। सिच्यते॥ अयं। सोमः। मधुमान्। वाजिनी॰वसू इति वाजिनी॰वसू॥ येन। वृत्रं। चिकेतथः॥ ४॥ यत्। अप्सु। यत्। वनस्पतौ॥ यत्। ओषधीषु। पुरुदंससा॰ पुरुदंससा। तेन। मा। अविष्टं॥ अश्विना॥ ५॥ छ॥ १७२॥ यत्। नासत्या। भुरण्यथः॥ ७६ ७५
यत्। वा। देवा। भिषज्यथः॥ अयं। वां। वत्सः। मतिभिः। न। विंधते॥ हविष्मंतं। हि। गछथः॥ १॥ आ। नूनं। अश्विनोः। ऋषिः॥ स्तोमं। चिकेत। वामया॥ आ। सोमं। मधुमत्॰तमं॥ घर्मं। सिंचात्। अथर्वणि॥ २॥ आ। नूनं। रघु॰वर्तनिं॥ रथं। तिष्ठाथः। अश्विना॥ आ। वां। स्तोमाः। इमे। मम॥ नभः। न। चुच्यवीरत॥ ३॥ यत्। अद्य। वां। नासत्या॥ उक्थैः। आ॰चुच्युवीमहि॥ यत्। वा। वाणीभिः। अश्विना॥ एव। इत्। काण्वस्य। बोधतं॥ ४॥ यत्। वां। कक्षीवान्। उत। यत्। वि॰अश्वः। ऋषिः। यत्। वां। दीर्घ॰तमाः। जुहाव॥ पृथी। यत्। वां। वैन्यः। सदनेषु॥ एव। इत्। अतः। अश्विना। चेतयेथां॥ ५॥ छ॥ १७४॥ यातं। छर्दिः॰पा। उत। नः। परः॰पा। भूतं। जगत्॰पा। उत। नः। तनू॰पा॥ वर्तिः। तोकाय॥

त नयाय॥ याऽतं॥१॥ यत्। इंद्रेण। सऽरथं। याथः। अश्विना॥ य
त्। वा। वायुना। भवथः। संऽओकसा॥ यत्। आदित्येभिः। ऋभु
भिः। सऽजोषसा॥ यत्। वा। विष्णोः। विऽक्रमणेषु। तिष्ठथः॥२
॥ यत्। अद्य। अश्विनौ। अहं। हुवेय। वाजऽसातये॥ यत्। पृत्ऽ ७
सु। तुर्वणे। सहः। तत्। श्रेष्ठं। अश्विनोः। अवः॥३॥ आ। नूनं। न ७७
यातं॥ अश्विना॥ इमा। हव्यानि। वाम्। हिता॥ इमे। सोमासः। अ
धि। तुर्वशे। यदौ। इमे। कण्वेषु। वां। अथ॥४॥ यत्। नासत्या॥
पराके। अर्वाके। अस्ति। भेषजं॥ तेन। नूनं। विऽमदाय॥ ७८

प्रऽचेतसा॥ छर्दिः। वत्साय। यच्छतं॥५॥ ॥ अभुत्सि
उं इति। प्र। देव्या। साकं। वाचा। अहं। अश्विनोः॥ वि। आ
वः। देवि। आ। मतिं॥ वि। रातिं। मर्त्येभ्यः॥१॥ प्र। बोधय। उष
। अश्विना। प्र। देवि। सूनृते। महि॥ प्र। यज्ञऽहोतः। आनु
षक्॥ प्र। मदाय। श्रवः। बृहत्॥२॥ यत्। उषः। यासि। भा
नुना॥ सं। सूर्येण। रोचसे॥ आ। ह। अयं। अश्विनोः। रथ
ः॥ वर्तिः। याति। नृऽपाय्यं॥३॥ यत्। आऽपीतासः। अं
शवः॥ गावः। न। दुह्रे। ऊधऽभिः॥ यत्। वा। वाणीः। अनूष

त॥ आ। देव॰यंतः। अश्विना॥४॥ आ। घ्नन्ताय। आ। शा वस्ते॥ आ
नृ॰सद्याय। शर्मणे॥ आ। दद्राय। प्र॰चेतसा॥५॥ यत्। नूनं
धीतिः। अश्विना॥ पितुः। योना। नि॰सीदथः॥ यत्। वा। सुम्नेभि
ः॥ उक्थ्या॥६॥१२॥ तं। वां। रथं। वयं॥ अद्य। हुवेम॥ पृथु॰
ज्रयं। अश्विना॥ सं॰गतिं। गोः॥ यः। सूर्यां। वहति। वंधुर॰युः॥ ७८
गि र्वाहसं। पुरु॰तमं। वसु॰युं॥१ युवं। श्रियं। अश्विना। देवता
तौ॥ दिवः। नपाता। वनथः। शचीभिः॥ युवोः। वपुः। अभि। पृक्षः।
सचंते॥ वहंति। यत्। ककुहासः। रथे। वां॥२॥ कः। वां। अद्य
। करत। रात॰हव्यः॥ ऊतये। वा। सुत॰पेयाय। वा। अर्कैः॥ स ७९

तस्य। वा। वनुषे। पूर्व्याय॥ नमः। येमानः। अश्विना। आ। ववर्त्तत्॥३॥
हिरण्ययेन। पुरुभूइति पुरु॰भू। रथेन॥ इमं। यज्ञं। नासत्या।
उप। यातं। पिबाथः। इत्। मधुनः। सोम्यस्य। दधथः। रत्नं। विधते।
जनाय॥४॥ आ। नः। यातं। दिवः। अच्छ। पृथिव्याः॥ हिरण्ययेन
। सु॰वृता। रथेन॥ मा। वां। अन्ये। नि। यमन्। देव॰यंतः॥ सं।
यत्। ददे। नाभिः। पूर्व्या। वां॥५॥ नु। नः। रयिं। पुरु॰वीरं। बृहंतम्
दस्रा। मिमाथां। उभयेषु। अस्मेइति॥ नरः। यत्। वां। अश्विना।
स्तोमं। आवन्न॥ सध॰स्तुतिं। आजमीढासः। अग्मन्॥६॥
इह॰इह। यत्। वां। सम॰ना। पपृक्षे। सा। इयं। अस्मेइति। सु

५१८ पतिः। वाजं। रत्ना॥ ३ ऋष्यतौ। जरितारं। पुर्व। हा। अप्रितः। कामः। ना
सत्या। पुरु। वद्रिक्॥ ४ मधु॰मतीः। ओषधीः। द्यावः। आपः। मधु॰मत्
नः। भवन्तु। अन्तरिक्षं॥ क्षेत्रस्य। पतिः। मधु॰मान्। नः। अस्तु॥ ७
अरिष्यन्तः। अनु। एनं। चरेम॥ ५। पनाप्यं। तत। अश्विना। स तम
वा। वृषणः। दिवः। रजसः। पृथिव्याः॥ सहस्रे। शंस्याः। उत। ये। गो
इष्टौ॥ सर्वान्। इत्। तान्। उप। यात। पिबध्यै॥ ६॥ ३॥ १७॥ इति
विंशतिमं द्वीपं॥ संवत् १५ वर्षे माघवदि ६ बुधे संपूर्णतां अर्थवा
स्तव्यं। आ अंतरनागरस्य ज्ञातीय पंचोली। नाराछाजसुत सदा शिवपठनार्थं ७८
हरिवसेन लिखितमिदं॥ शुभं॥ ॥ शुभं। शुभं। श्रीभवानीजयतु॥